प्रतियोगिता दर्पण

फरवरी 2023 मूल्य ₹ 125.00

हिन्दी मासिक

शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये

9 770974 639001

For e-magazine:
http://emagazine.pdgroup.in

- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना समाप्त : पात्र निर्धनों को अब खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत् मुफ्त अनाज
- चुनावोपरांत गुजरात में भाजपा व हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार • साहित्य अकादमी पुरस्कार (2022)
- अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के निर्जन द्वीपों के नाम परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर
- रेपो दर में लगातार पाँचवीं बार वृद्धि • लघु बचत योजनाओं पर भी ब्याज दरों में वृद्धि • मुद्रा स्फीति में गिरावट
- भारत पर विदेशी ऋण : वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट • कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में वृद्धि
- बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स (2022) • वर्ष 2023 की फॉर्मूला-1 रेसों का कार्यक्रम
- अर्जेन्टीना तीसरी बार फीफा विश्व कप का विजेता • जैव विविधता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन कॉप-15 माँट्रियल में सम्पन्न
- विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली महिलाओं की फोर्ब्स सूची में 6 भारतीय

हल प्रश्न-पत्र

- एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय, 21
- उत्तर प्रदेश प्रा. अर्हता, 22
- राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एवं नौसेना अकादमी, 22

मॉडल हल

- संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग प्रा. परीक्षा

सिविल सेवा परीक्षा 2022
साक्षात्कार हेतु सटीक रणनीति

INTERNATIONAL YEAR OF
MILLETS
2023

2023 : अन्तर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष

साथ में रंगीन कलेण्डर

तरक्की की डगर पर हमेशा आगे

छत्तीसगढ़

हर हाथ को काम के अवसर

देश में सबसे कम बेरोजगारी दर वाला राज्य

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprCg.gov.in

हमसे हैं राहें रोशन, हमसे बनता है
छत्तीसगढ़ मॉडल

- देश में किसानों को सर्वाधिक लाभ देने वाला राज्य
- देश में सर्वाधिक 65 लघुवनोपजों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी
- देश में पहली बार गोपालकों से गोबर की सीधी खरीदी करने वाला राज्य
- देश में भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को आर्थिक सहायता देने वाला एकमात्र राज्य
- देश में सर्वाधिक सोलर पम्प स्थापित करने वाला राज्य
- ईज आफ़ डूइंग बिजनेस मामले में छत्तीसगढ़ देश में अव्वल राज्यों में
- देश में सर्वाधिक चिकित्सा सहायता राशि देने वाला राज्य
- देश की विधानसभाओं में सर्वाधिक महिला प्रतिनिधित्व देने वाला राज्य
- देश में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत सर्वाधिक स्वच्छ राज्यों में शामिल

सरकार ने
25.93 लाख किसानों को दिए
1,50,000 करोड़ रुपए

4.55 लाख आदिवासियों को
96 लाख एकड़ वनभूमि का पट्टा

---

279 विद्यालयों
में 2.5 लाख से ज्यादा बच्चों
को उत्कृष्ट शिक्षा

---

90 लाख से ज्यादा
लोगों तक मोबाइल क्लीनिकों को
और शिविरों के माध्यम से मुफ्त
गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवाएं

---

2 लाख बच्चे सुपोषित
1.30 लाख महिलाएं
एनीमिया मुक्त

गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं
पर **50 से 70%** तक की छूट

पंचायतों में **50 फीसदी**
और सरकारी नौकरियों में
30 फीसदी महिला आरक्षण

2021-22 के दौरान
13.6% जीएसडीपी
(मौजूदा कीमत पर) वृद्धि दर

2,218 नई औद्योगिक इकाइयां
21,457 करोड़ रुपए का निवेश

देश के कुल खनिज उत्पादन में
14.4 फीसदी की हिस्सेदारी

---

400 यूनिट तक
आधा बिजली बिल
42 लाख उपभोक्ताओं को
3,250 करोड़ रु की राहत

---

6 नए जिलों, **19** सब डिवीजन
77 नई तहसीलों का निर्माण

आदिवासी नृत्य महोत्सव
के माध्यम से आदिवासी संस्कृति
को मिला अंतरराष्ट्रीय मंच

Drishti IAS

दृष्टि लर्निंग ऐप पर उपलब्ध प्रमुख कोर्सेज़

IAS Prelims Course (New Course) **सामान्य अध्ययन** केवल प्रिलिम्स 500+ घंटों की कक्षाएँ 'विषय वार सीरीज़' की 8 पुस्तकें, 'PPS सीरीज़' की 6 पुस्तकें 1 वर्ष के लिये अन्य विशेष सुविधाएँ	IAS Prelims Course (New Course) **सीसैट बैच** 100+ घंटों की कक्षाएँ सभी टॉपिक के लिये प्रिंटेड नोट्स 2 वर्षों के लिये अन्य विशेष सुविधाएँ	IAS Foundation Course **सामान्य अध्ययन** प्रिलिम्स + मेन्स 1200+ घंटों की 500+ कक्षाएँ सभी टॉपिक के लिये प्रिंटेड नोट्स 3 वर्षों के लिये अन्य विशेष सुविधाएँ
IAS + UPPCS + BPSC Optional Subject **हिंदी साहित्य** द्वारा– डॉ. विकास दिव्यकीर्ति 400+ घंटों की कक्षाएँ पाठ्यक्रम में शामिल सभी पाठ्य-पुस्तकें तथा प्रिंटेड नोट्स 145 दैनिक अभ्यास प्रश्न और 18 टेस्ट पेपर (मॉडल उत्तर सहित)	IAS + UP Prelims Course **सामान्य अध्ययन** केवल प्रिलिम्स लगभग 550 घंटों की कक्षाएँ 'विषय वार सीरीज़' की 12 पुस्तकें 2 वर्षों के लिये अन्य विशेष सुविधाएँ	IAS Mains Course **सामान्य अध्ययन** पेपर 1, 2, 3 व 4 900+ घंटों की 415+ कक्षाएँ 'मेन्स कैप्सूल सीरीज़' की 5 पुस्तकें 2 वर्षों के लिये अन्य विशेष सुविधाएँ
IAS Mains Course **सामान्य अध्ययन** पेपर 1, 2 व 3 720+ घंटों की 340+ कक्षाएँ 'मेन्स कैप्सूल सीरीज़' की 5 पुस्तकें 2 वर्षों के लिये अन्य विशेष सुविधाएँ	**एथिक्स (पेपर–4)** द्वारा– डॉ. विकास दिव्यकीर्ति कुल 70 कक्षाएँ IAS के साथ-साथ UPPCS के लिये पूर्णतः सटीक मूल्यांकन की सुविधा के साथ 6 टेस्ट	**निबंध** द्वारा– डॉ. विकास दिव्यकीर्ति कुल 13 कक्षाएँ IAS के साथ-साथ PCS के लिये पूर्णतः सटीक मूल्यांकन की सुविधा के साथ 10 टेस्ट
UP-TGT/PGT/GIC **हिंदी साहित्य** मोड : ऑनलाइन 180+ घंटे की कक्षाएँ UP/TGT/PGT/GIC पाठ्यक्रम पर आधारित 1 पुस्तक 2 वर्षों तक प्रत्येक कक्षा को असीमित बार देखने की सुविधा	TGT/PGT/GIC **इतिहास** मोड : लाइव ऑनलाइन 180+ घंटे की कक्षाएँ संशय निवारण तथा ऑनलाइन मीटिंग की सुविधा 2 वर्षों तक प्रत्येक कक्षा को असीमित बार देखने की सुविधा	TGT/PGT/GIC **भूगोल** मोड : लाइव ऑनलाइन 180+ घंटे की कक्षाएँ संशय निवारण तथा ऑनलाइन मीटिंग की सुविधा 2 वर्षों तक प्रत्येक कक्षा को असीमित बार देखने की सुविधा
UGC/NET **हिंदी साहित्य** मोड : लाइव ऑनलाइन 300+ घंटे की कक्षाएँ 10 टेस्ट की ऑनलाइन टेस्ट सीरीज़ 2 वर्षों तक प्रत्येक कक्षा को असीमित बार देखने की सुविधा	UGC/NET **इतिहास** मोड : लाइव ऑनलाइन 300+ घंटे की कक्षाएँ UGC/NET पर आधारित 5 प्रश्नपत्रों की मॉक टेस्ट सीरीज़ 2 वर्षों तक प्रत्येक कक्षा को असीमित बार देखने की सुविधा	UGC/NET **भूगोल** मोड : लाइव ऑनलाइन 250+ घंटे की कक्षाएँ UGC/NET पर आधारित 5 प्रश्नपत्रों की मॉक टेस्ट सीरीज़ 2 वर्षों तक प्रत्येक कक्षा को असीमित बार देखने की सुविधा

NCERT कोर्स

कक्षा 6 से 12 तक

हिंदी माध्यम / English Medium

फीस : ~~₹15,000/-~~ ₹12,500/-

Mode : Live Online
by Drishti Learning App

एडमिशन प्रारंभ

अपने फोन पर इंस्टॉल करें

Drishti Learning App

Available on the App Store

Get it on Google play

8010440440 | 87501-87501

www.drishtiias.com

Mukherjee Nagar, Delhi | Karol Bagh, Delhi | Jaipur, Rajasthan | Prayagraj, Uttar Pradesh

यू. जी. सी.
नेट/जे.आर.एफ./सेट परीक्षा

नवीन संशोधित पाठ्यक्रम पर आधारित

उपकार प्रकाशन की उपयोगी पुस्तकें

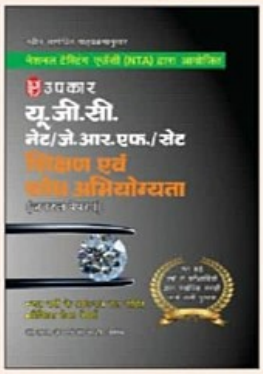

Code 200 ₹ 399.00

Code 2242 ₹ 440.00

Code 271 ₹ 465.00

Code 2711 ₹ 545.00

Code 2558 ₹ 800.00

Code 2258 ₹ 540.00

Code 2191 ₹ 385.00

Code 2698 ₹ 395.00

Code 2697 ₹ 320.00

Code 2270 ₹ 375.00

Code 2568 ₹ 510.00

Code 2328 ₹ 460.00

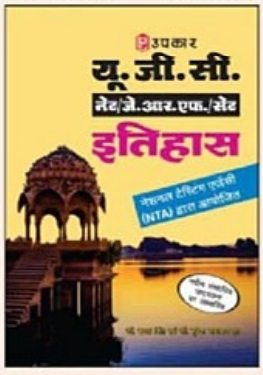

Code 2206 ₹ 435.00

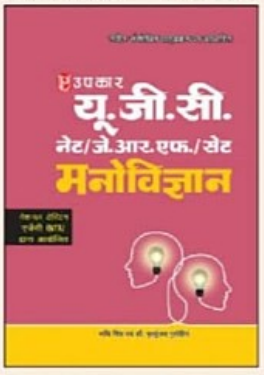

Code 2459 ₹ 445.00

Code 682 ₹ 450.00

Code 2244 ₹ 185.00

English Editions Also Available

उपकार प्रकाशन | 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005
फोन : (0562) 2530966, 2531101 • E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in
• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • हल्द्वानी मो. 07060421008

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

लाइव / ऑनलाइन कक्षाएं भी उपलब्ध

www.visionias.in

8 IN TOP 10 SELECTIONS IN CSE 2021

from various programs of VISION IAS

Heartiest Congratulations

to all candidates selected in CSE 2021

ANKITA AGARWAL

GAMINI SINGLA

AISHWARYA VERMA

UTKARSH DWIVEDI

= हिंदी माध्यम टॉपर =

रवि कुमार सिहाग

CIVIL SERVICES EXAMINATION 2020

SHUBHAM KUMAR
(FOUNDATION COURSE CLASSROOM)

लाइव/ऑनलाइन व ऑफलाइन कक्षाएं

कोई क्लास न छूटे

रिकार्डेड क्लासेस, मिनी टेस्ट, डेली असाइनमेंट और अध्ययन सामग्री के साथ पूर्णतः रिवीजन करें

एथिक्स केस स्टडीज

4 नवंबर | 1 PM

PT 365

संपूर्ण वर्ष के करेंट अफेयर्स को सिर्फ 60 घंटों में कवर करती कक्षाओं से ऑनलाइन जुड़ें

27 फरवरी | 5 PM

व्यक्तित्व परीक्षण कार्यक्रम

सिविल सेवा परीक्षा

- Vision IAS के वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ DAF विश्लेषण सेशन
- पूर्व-प्रशासनिक अधिकारियों / शिक्षाविदों के साथ मॉक इंटरव्यू सेशन

प्रवेश प्रारंभ

मासिक समसामयिकी रिवीजन 2023

सामान्य अध्ययन (प्रारंभिक + मुख्य परीक्षा)

प्रवेश प्रारंभ

फाउंडेशन कोर्स

सामान्य अध्ययन 2024

प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा

UPSC के सामान्य अध्ययन पाठ्यक्रम का व्यापक कवरेज

DELHI: 10 जनवरी, 9 AM

JAIPUR: 15 फरवरी, 4 PM

अभ्यास ही सफलता की चाबी है

VisionIAS प्रारंभिक/मुख्य टेस्ट सीरीज हर 3 में से 2 सफल उम्मीदवारों द्वारा चुना गया

- सामान्य अध्ययन
- निबंध
- दर्शनशास्त्र

अभ्यास 2023

ऑल इंडिया प्रीलिम्स (GS+CSAT) टेस्ट सीरीज

Details soon available at www.visionias.in/abhyaas

DELHI
- 1st Floor, Apsara Arcade, Near Metro Gate 6,1/8 B, Pusa Road, Karol Bagh
- Contact : 8468022022, 9019066066

JAIPUR | PUNE | HYDERABAD | LUCKNOW | AHMEDABAD | CHANDIGARH | GUWAHATI

संस्थापक सम्पादक
स्व. श्री महेन्द्र जैन

सम्पादक
राहुल जैन

प्रधान सलाहकार
डॉ. रवि कान्त

रजिस्टर्ड ऑफिस
2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–282 002

सम्पादकीय ऑफिस
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी,
आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन–2531101, 2530966
ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in
कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

दिल्ली ऑफिस
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन–011-23251844, 43259035

हैदराबाद ऑफिस
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(यूनियन बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036
(तेलंगाना) मो.–09391487283

पटना ऑफिस
पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड,
पटना–800 004
मो.–09334137572

हल्द्वानी ऑफिस
8-310/1, ए.के. हाउस हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल–263 139
(उत्तराखण्ड) मो.–07060421008

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

के पाठकों से...

प्रिय पाठको !

आपकी सर्वाग्रगण्य एवं लोकप्रिय पत्रिका **'प्रतियोगिता दर्पण'** का **फरवरी 2023 अंक** आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष एवं सन्तोष की अनुभूति हो रही है. पत्रिका के प्रस्तुत अंक को आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक-से-अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है. प्रकाशन से सम्बन्धित सभी लोगों के सामूहिक प्रयास एवं सहयोग से यह अंक इतना अधिक परीक्षोपयोगी बन पाया है.

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी बनाने की दृष्टि से इस अंक में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित एवं विश्लेषणात्मक लेख दिए गए हैं. इनमें से कुछ लेख इस प्रकार हैं–भारतीय वित्तीय प्रणाली: संरचनात्मक सुधार और सम्भावनाएं, विश्व व्यापार संगठन और भारत, 5 जी तकनीकी बदलेगी विकास की दशा व दिशा, कृषि उद्यमिता के माध्यम से रोजगार एवं पर्यावरण प्रबंधन.

पत्रिका के सर्वाधिक महत्वपूर्ण भाग में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के चयनित हल प्रश्न-पत्र आवश्यक व्याख्या एवं संकेतों के साथ दिए गए हैं. इनमें से कुछ प्रश्न-पत्र इस प्रकार हैं–

हल प्रश्न-पत्र–एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा, 2021. उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा, 2022.

वर्षान्त समीक्षा 2022 : कृषि एवं किसान कल्याण क्षेत्र की उपलब्धियाँ.

हम आपको स्मरण कराना चाहते हैं कि **"कठिन परिश्रम एवं उचित और सामयिक मार्गदर्शन सफलता प्राप्त करने का मूलमंत्र है." प्रतियोगिता दर्पण** आपका सही एवं सामयिक मार्गदर्शन करने में बेजोड़ है. आप प्रयास कीजिए, आपकी सुनिश्चित सफलता के लिए प्रतियोगिता दर्पण आपके साथ है.

नियमित रूप से एवं समझदारी के साथ प्रतियोगिता दर्पण पढ़िए. यह आपको अभीष्ट सफलता दिलाने एवं आपके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने में पूर्णत: सक्षम है.

आपकी चतुर्दिक सफलता एवं स्वर्णिम भविष्य की हार्दिक शुभकामनाओं सहित

राहुल जैन
(सम्पादक)

All rights reserved. No part of this Magazine may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form by any means, Electronic, Mechanical, Photocopying, Recording or otherwise, without the prior written permission of the publisher. While every effort has been made to ensure accuracy of the information published in this edition, neither publisher nor any of its employees accept any responsibility for any error or omission. Articles that cannot be used are returned to the authors if accompanied by a self addressed and sufficiently stamped envelope. But no responsibility is taken for any loss or delay in returning the material. Pratiyogita Darpan assumes no responsibility for statements and opinions advanced by the authors nor for any claims made in the advertisements published in the Magazine.

45 वर्ष | सप्तम् अंक | फरवरी 2023

532वाँ सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक

इस अंक में...

9 सम्पादकीय

11 राष्ट्रीय घटनाक्रम

असम में लोक सभा एवं विधान सभा सीटों का पुनर्परिसीमन

17 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

23 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

सबके लिए भोजन

29 नवीनतम सामान्य ज्ञान

38 खेलकूद

43 रोजगार समाचार

45 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

47 दिव्य दर्पण

अनुप्रेरक युवा प्रतिभाएं

55 **अंतरिक्ष जैन**
टॉपर–सिविल सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित (130वाँ स्थान)

57 **लिपि नगायच**
टॉपर–सिविल सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित (140वाँ स्थान)

59 **नवदीप अग्रवाल**
टॉपर–सिविल सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित (150वाँ स्थान)

60 **सिमरन भारद्वाज**
टॉपर–सिविल सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित (172वाँ स्थान)

61 **रामेन्द्र प्रसाद**
टॉपर–सिविल सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित (181वाँ स्थान)

63 सिविल सेवा परीक्षा 2022 व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार) : लक्ष्य पूरा करने के और करीब

67 स्मरणीय तथ्य

विश्व परिदृश्य

69 भारत की आतंकवाद रोधी मुहिम

71 जी-20 समूह तथा भारत

फोकस

73 1. भारत में डिजिटल विभाजन

76 2. सामाजिक प्रगति सूचकांक (एसपीआई) 2022

79 3. वैश्विक जैव विविधता प्रारूप (जीबीएफ)

विविधा

82 ऐतिहासिक व्यक्तित्व एवं ऐतिहासिक स्थल

86 वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

लेख

111 **आर्थिक लेख**—भारतीय वित्तीय प्रणाली : संरचनात्मक सुधार और सम्भावनाएं

114 **संचार नेटवर्क लेख**—भारतीय संचार क्षेत्र में 2022 की उपलब्धियाँ

118 **अन्तर्राष्ट्रीय संगठन लेख**—विश्व व्यापार संगठन और भारत

121 **सूचना प्रौद्योगिकी लेख**—5जी तकनीकी बदलेगी विकास की दशा व दिशा

126 **कृषि आधारित आजीविका लेख**—कृषि उद्यमिता के माध्यम से रोजगार एवं पर्यावरण प्रबंधन

129 **कृषि लेख**—मिट्टी का स्वास्थ्य बढ़ाने हेतु पोषक तत्व प्रबंधन

134 सार संग्रह

हल प्रश्न-पत्र

137 एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा, 2021

147 उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा, 2022

191 National Defence Academy and Naval Academy Exam., 2022

मॉडल हल प्रश्न-पत्र

156 आगामी संघ एवं लोक सेवा आयोग प्रारम्भिक परीक्षा हेतु विशेष हल-प्रश्न

वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान

171 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

172 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

वर्षान्त समीक्षा 2022

177 (i) कृषि एवं किसान कल्याण क्षेत्र की उपलब्धियाँ

181 (ii) भूमि संसाधन विभाग (ग्रामीण विकास मंत्रालय) की वर्ष 2022 की उपलब्धियाँ

ज्ञानार्जन के नवीन क्षितिज

183 क्या आप जानते हैं ?

184 अपना ज्ञान बढ़ाइए

श्रेष्ठतर प्रतिभागी

185 **प्रथम पुरस्कृत निबन्ध**—असफलता से सीखना सफलता ही तो है

187 **निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक**—521 का परिणाम

188 **सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक 212**

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. –सम्पादक

सम्पादकीय

मूल्य (Price) की अपेक्षा जीवन–मूल्य (Value) को महत्व दीजिए

प्रत्येक व्यक्ति समाज एवं संसार के बारे में अपना विशिष्ट दृष्टिकोण रखता है. इस दृष्टिकोण का निर्माण उस वातावरण एवं उन विचारधाराओं के अनुसार होता है, जिनके मध्य उसका लालन/पालन होता है. दुःख एवं कष्ट के वातावरण में पलने वाले बालक बड़े होने पर भी दुनिया को उसी दृष्टि से देखते हैं, क्योंकि उनकी मानसिकता उसी की अभ्यस्त हो जाती है. कहावत है–सारी दुनिया व्यक्ति को अपनी जैसी प्रतीत होती है. जिस रंग का चश्मा लगा होता है, व्यक्ति उसी रंग में रंगी हुई दुनिया को देखता है. ये ही सब तत्व व्यक्ति की मानसिकता एवं उसके चरित्र का निर्माण करने के हेतु बनते हैं. प्रत्येक विचार, प्रत्येक शब्द और प्रत्येक कार्य उस दृष्टि का प्रतिफलन होता है जिससे हम दुनिया को, अन्य व्यक्तियों को देखते हैं और उसी दृष्टिकोण के आधार पर हम अपने प्रति दुनिया वालों के व्यवहार की आशा करते हैं. समाज के बारे में हम जो कुछ पढ़ते हैं या सुनते हैं, वह प्रायः हमारी मान्यताओं एवं आशाओं से मेल नहीं रखता है. इस प्रकार हमारा जीवन दोहरी मान्यताओं एवं विचार-धाराओं के भँवर जाल में फँस जाता है. तब हम इस विषम स्थिति से मुक्ति के लिए प्रयत्न करते हैं–गुरुजनों से निर्देश लेते हैं, मित्रों से परामर्श लेते हैं–आदि. प्रतिकूल एवं विषम परिस्थितियों में अधिकांश व्यक्ति परमात्मा/भगवान की याद करते हैं, उनसे सहायता की याचना करते हैं, क्योंकि इससे उनके मन को शांति और चैन की अनुभूति होती है.

मनुष्यों का एक वर्ग ऐसा भी है, जो इस प्रकार का कोई प्रयत्न नहीं करता है, वह अपनी अशांत एवं उपद्रववादी स्थिति में ही सुख-शांति और प्रसन्नता का अनुभव करता है. इस वर्ग के एक व्यक्ति का कथन था कि शांति की खोज क्यों की जाए–उसकी क्या आवश्यकता है? हमारी स्वाभा-विक मानसिक स्थिति ही हमको सब कुछ दे सकती है, क्योंकि नियति भी वही है. मेरा असंतोष, मेरी अशांति मेरे लिए प्रेरणा का कार्य करते हैं और मैं अपने जीवन-पथ पर अग्रसर बना रहता हूँ. उनका कहना है कि मेरी यह मानसिकता बहुत बड़ी सीमा तक मुझे भय एवं आशंकाओं से मुक्त रखती है. मैं अपने प्रस्तुत जीवन से अभिभूत रहता हूँ और सदैव ऊर्जायुक्त रहता हूँ. इस सन्दर्भ में वह बैंजामिन डिज़रैली के कथन को उद्धृत करके अपने वैचारिक पक्ष का समर्थन भी करते हैं–We are not creatures of circumstances, but we are creators of circumstances अर्थात् हम परिस्थितियों के बालक (देन) नहीं हैं, हम उनके जनक हैं, हम परिस्थितियों की रचना करते हैं.

व्यक्ति के दृष्टिकोण का निर्माण उस वातावरण के अनुसार होता है जिसमें वह बड़ा होता है. उसके जीवनानुभव भी उसी के अनुरूप होते हैं. प्रचुरता एवं सुख सम-न्वित दृष्टि वाले व्यक्ति को समस्त संसार सुखमय एवं सम्पन्न प्रतीत होता है. ठीक ही है–हमारा संसार हमारे मन की सृष्टि है.

हम अपने पुराने विचारों को बार-बार लिखें और नष्ट करें. हम देखेंगे कि पुराने विचारों को हम नई दृष्टि से लिखने लगे हैं और उसी के साथ हमारे जीवन में भी परिवर्तन आने लगा है. पहले हम प्रत्येक व्यक्ति एवं वस्तु का आकलन रुपए-पैसों में (Price) में करते थे और अब उसका आकलन जीवन मूल्यों–जीवन में व्यक्ति की सामाजिक उपयोगिता की दृष्टि से करने लगे हैं.

जो भी हो, परन्तु विश्व के सन्दर्भ में यदि हमारा दृष्टिकोण कृपा, प्रचुरता और प्रसन्नता का है, तो अपनी अपेक्षाओं के अनुरूप हम सर्वत्र इन्हीं का अनुभव करेंगे. यह संसार हमारे मन अथवा हमारी मानसिकता की सृष्टि है. जो हमारे भीतर है, वही हमें बाहर दिखाई देता है.

प्रश्न उत्पन्न होता है क्या हम अपने दृष्टिकोण में अन्य व्यक्तियों को भागीदार बना सकते हैं. हमारे विचार से यह प्रश्न अनावश्यक है. हम सब अपने दृष्टिकोणों में भागीदारी प्रतिपल करते-कराते रहते हैं. हमारा प्रत्येक विचार शब्द एवं कार्य इस तथ्य को प्रतिफलित करता है कि हम दुनिया या समाज से अपने प्रति किस प्रकार के व्यवहार की आशा करते हैं? अतएव अपने दृष्टिकोण में अन्य व्यक्तियों की भागीदारी करने न करने का विकल्प कभी उपस्थित ही नहीं होता है.

बहुत समय तक अपने विगत अनुभवों का चश्मा लगाते रहते हैं, परन्तु अन्य व्यक्तियों के अनुभवों में भागीदारी करने के फलस्वरूप हमारा दृष्टिकोण बदल जाता है और तद्नुसार हम चश्मे को बदलने के लिए विवश हो जाते हैं.

हम एक 15 वर्षीय किशोर का उदाहरण लेते हैं. जब वह 8 वर्ष का था, तब उसके अग्रज अथवा अवस्था में बड़े लोग उसको अनेक प्रकार से प्रताड़ित करते, परन्तु वह प्रक्रिया समाप्त हो गई है. वह अब अपने को पूर्णतः सुरक्षित अनुभव करता है और उसका जीवन प्रसन्नतामय है. अब वह अपने पुराने अनुभवों को जीवन में नए सिरे से ढालता है–यानी उन अनुभवों को दुबारा जीता है. इसे हम जीवन के प्रति उसका दृष्टिकोण कहेंगे.

हममें से अधिकांश व्यक्तियों ने जीवन में कभी-न-कभी कष्ट एवं निराशा का अनुभव किया है. सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इन अनुभवों का क्या करते हैं.

क्या हम इन अनुभवों को अपने आगामी जीवन की रूपरेखा अथवा उसके एक नक्शे के रूप में प्रयुक्त करते हैं अथवा नए अनुभवों के आधार पर एक नवीन जीवन-पद्धति अपनाने का कार्यक्रम बनाने का प्रयास करते हैं?

नए दृष्टिकोण का निर्माण करने का एक उपाय इस प्रकार बताया गया है. अपने विगत अनुभवों को पूरी ईमानदारी से लिखो और लिखे हुए कागज़ों को जला दो. तदुपरान्त कुछ अन्य लोगों के विगत अनुभवों को लिखो और उनमें भी आग लगा दो अथवा उन कागज़ों को पत्थर से बाँधकर नदी में बहा दो. इस प्रकार प्राचीन अनुभवों से तुम्हारा दिमाग़ खाली हो जाएगा. कुछ दिनों बाद पुराने विचारों का त्याग करके विगत अनुभवों को नए दृष्टिकोण से लिखो–बराबर ध्यान रहे कि तुम इन्हें नई दृष्टि से लिख रहे हो. जल्दी न करें–सब इत्मीनान के साथ नए स्वप्न देखते हुए लिखें, इसी के साथ एक ऐसी नई वस्तु का नाम लिखें, जो तुम चाहते हो. तुम देखोगे कि इस सूची का अन्त नहीं है, परन्तु हमारी जीवन-पद्धति में परिवर्तन आने लगा है. असन्तुष्ट होने पर सूची को नष्ट कर दो. तदुपरान्त अपने तथा अन्य व्यक्तियों से प्राप्त विचारों को नए सिरे से लिखो. लिखित कागज़ों को नष्ट करने तथा उन्हें लिखने की प्रक्रिया को तीन-चार बार अपनाओ. तुम देखोगे कि पूर्व विचारों के प्रति तुम्हारे दृष्टिकोण में स्पष्ट परिवर्तन आ गया है और इसी के साथ तुम्हारे जीवन में भी परिवर्तन आ गया है. पहले तुम प्रत्येक वस्तु का महत्व रुपए पैसों में उसके मूल्य (Price) के सन्दर्भ में आँकते थे, अब उसका आकलन जीवन-मूल्यों (Value) की दृष्टि से उसकी सामाजिक उपयोगिता की दृष्टि से करने लगे हैं. ●●●

आगामी प्रतियोगिता परीक्षाएं

2023

10 जनवरी–14 फरवरी—एस.एस.सी. पुलिस कॉन्स्टेबिल (जनरल ड्यूटी) भर्ती परीक्षा, 2022 (CAPFs, SSF, Assam Rifles-Riflemen etc.)
15 जनवरी—उत्तर प्रदेश सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा, 2023-24 (कक्षा–VI व IX)
22 जनवरी—उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग वन आरक्षी परीक्षा
29 जनवरी—नेतरहाट आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, 2022-23 (कक्षा–VI)
29 जनवरी—बैंक विशेषज्ञ अधिकारी मुख्य परीक्षा (SPL-XII)
4, 5 एवं 11 फरवरी—राजस्थान एस.एस.सी. समान पात्रता परीक्षा (CET), 2022 (सीनियर सेकण्डरी स्तर)
11 फरवरी—जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, 2023-24 (कक्षा–IX)
12 फरवरी—उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा सिविल जज (जू. डि.) प्रारम्भिक परीक्षा, 2022
12 फरवरी—छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग राज्य सेवा प्रारम्भिक परीक्षा, 2022
12 फरवरी—उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग सहायक लेखाकार/लेखा परीक्षक परीक्षा
20 फरवरी से प्रारम्भ—मध्य प्रदेश आबकारी आरक्षक (कार्यपालिक) सीधी भर्ती परीक्षा, 2022
21 फरवरी से 10 मार्च—यू.जी.सी.–नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा दिसम्बर 2022
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 17 जनवरी, 2023)
24–26 फरवरी—भारतीय वायु सेना कॉमन एडमिशन टेस्ट (AFCAT) 2023 (फ्लाइंग ब्रांच तथा ग्राउण्ड ड्यूटी)
25–28 फरवरी—राजस्थान एस.एस.सी. प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक (लेवल प्रथम एवं लेवल द्वितीय) सीधी भर्ती परीक्षा, 2022
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 19 जनवरी, 2023)
26 फरवरी—छत्तीसगढ़ व्यवहार न्यायाधीश (प्रवेश स्तर) प्रारम्भिक परीक्षा, 2022
1 मार्च से प्रारम्भ—मध्य प्रदेश उच्च माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2023
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 27 जनवरी, 2023)
15 मार्च से—मध्य प्रदेश पटवारी (कार्यपालिक) संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा, 2022 (समूह–2 उपसमूह–4) **(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 19 जनवरी, 2023)**
16 अप्रैल—राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एवं नौसेना अकादमी (I) परीक्षा, 2023
16 अप्रैल—संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा (I), 2023
25 अप्रैल से प्रारम्भ—मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग व जनजातीय शिक्षा विभाग के अन्तर्गत माध्यमिक शिक्षक व प्राथमिक शिक्षक (विषय शिक्षक/खेल, संगीत-गायन वादन, नृत्य) के लिए पात्रता परीक्षा, 2023 **(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 13 फरवरी, 2023)**
29 अप्रैल—जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, 2023 (कक्षा–6)
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 31 जनवरी, 2023)
11 मई से प्रारम्भ—मध्य प्रदेश वनरक्षक एवं क्षेत्ररक्षक (कार्यपालिक) एवं जेल प्रहरी (कार्यपालिक) सीधी भर्ती परीक्षा, 2022 **(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 3 फरवरी, 2023)**
11–14 मई—छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग राज्य सेवा मुख्य परीक्षा, 2022
14 मई—उत्तर प्रदेश सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा एवं सहायक वन संरक्षक/क्षेत्रीय वन अधिकारी प्रारम्भिक परीक्षा, 2023
5 अगस्त—मध्य प्रदेश सहायक ग्रेड-3 स्टेनोटाइपिस्ट, शीघ्रलेखक व अन्य पदों की सीधी भर्ती व बैकलॉग हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा, 2023
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 13 फरवरी, 2023)

निबन्ध प्रतियोगिता

विषय—"अन्तर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भारत की उपलब्धियाँ."
अन्तिम तिथि—28 फरवरी, 2023.
शब्द संख्या—लगभग 2000 शब्द.

1. निबन्ध कागज के एक ओर ही टंकित अथवा स्वहस्तलिखित होना चाहिए.
2. निबन्ध के साथ प्रतियोगी अपना पासपोर्ट आकार का छायाचित्र भेजें. प्रथम तीन निबन्धों पर क्रमशः ₹ 2000, ₹ 1500 व ₹ 1000 चेक के माध्यम से व प्रमाण-पत्र पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे. अन्य 5 अनुशंसित निबन्धों को आकर्षक प्रमाण-पत्र व उपकार प्रकाशन की ₹ 300 मूल्य तक की वांछित पुस्तक पुरस्कारस्वरूप दी जाएगी.
3. प्रत्येक प्रविष्टि पर अपना नाम English के Capital Letter में लिखें जिस नाम से आपका बैंक खाता हो, बैंक का नाम, खाता नम्बर व बैंक का IFSC कोड नं. भी अवश्य लिखें.

चन्दे की दरें

प्रतियोगिता दर्पण

	हिन्दी	अंग्रेजी
एक प्रति मूल्य	125.00	125.00
वार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	1130·00	1125·00
रजिस्टर्ड डाक से	1350.00	1345·00
द्विवार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	2105·00	2100·00
रजिस्टर्ड डाक से	2545·00	2540·00

	सामान्य ज्ञान दर्पण	सक्सेस मिरर
एक प्रति मूल्य	₹ 45.00	25.00
वार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	₹ 405.00	225.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 620.00	440.00
द्विवार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	₹ 755.00	420.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 1185.00	850.00

- कृपया अपना सदस्यता-शुल्क मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट द्वारा ही प्रेषित करें. चेक स्वीकार नहीं होंगे. आप हमारी Website : www.pdgroup.in द्वारा भी सदस्यता शुल्क अदा कर सकते हैं.
- अपने स्पष्ट पते के साथ यह भी सूचित करें कि आप किस माह से किस माह तक के लिए ग्राहक बन रहे हैं.
- पुराने ग्राहक कृपया अपनी ग्राहक संख्या का उल्लेख अवश्य करें.
- मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट '**प्रतियोगिता दर्पण**' के नाम से आगरा में देय ही स्वीकार किए जाएंगे.

ऑर्डर फार्म

मैं प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी/अंग्रेजी मासिक)/ सामान्य ज्ञान दर्पण (हिन्दी मासिक)/ सक्सेस मिरर का वार्षिक/ द्विवार्षिक नियमित ग्राहक बनना चाहता हूँ/चाहती हूँ. कृपया मेरी प्रति मुझे निम्नांकित पते पर प्रेषित करने की कृपा करें.

नाम _____

पता _____

_____

_____

पिन ☐☐☐☐☐☐

मो. नं.....

मैं ₹.....मनीऑर्डर/बैंक ड्राफ्ट द्वारा प्रेषित कर रहा हूँ/रही हूँ.

दिनांक _____ प्रेषक के हस्ताक्षर _____

प्रतियोगिता दर्पण
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास **आगरा**—282 005
फोन : 2531101, 2530966
Website : www.pdgroup.in
E-mail : care@pdgroup.in

राष्ट्रीय घटनाक्रम

- चुनावोपरांत गुजरात में भाजपा व हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार
- आम आदमी पार्टी अब राष्ट्रीय स्तर की पार्टी के दर्जे की पात्र
- वन्य जीव संरक्षण (संशोधन) विधेयक संसद के दोनों सदनों में पारित
- फ्रांस से 36वाँ अन्तिम राफेल विमान भारत पहुँचा
- आयुष चिकित्सा प्रणालियों के तीन नए राष्ट्रीय संस्थान
- अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के निर्जन द्वीपों का नाम अब परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर
- तटरक्षक बल का 100 मल्टीकॉप्टर ड्रोंस के लिए अनुबंध
- अमृत भारत स्टेशन योजना
- असम में लोक सभा एवं विधान सभा सीटों का पुनर्परिसीमन
- 2021 के दौरान देश में सड़क दुर्घटनाओं पर राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट : महत्वपूर्ण तथ्य
- देश की सबसे दूरी तक मार करने वाली मिसाइल अग्नि-5 का परीक्षण
- अग्नि-3 का परीक्षण
- एसयू-30 एमकेआई विमान से समुद्री लक्ष्य को निशाना बनाने को ब्रह्मोस के उन्नत संस्करण का परीक्षण

चुनावोपरांत गुजरात में भाजपा व हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार

गुजरात एवं हिमाचल प्रदेश में नवम्बर-दिसम्बर 2022 में सम्पन्न विधान सभा चुनावों के परिणाम भाजपा व कांग्रेस, दोनों के लिए ही संतोषजनक रहे हैं. **गुजरात में प्रचंड बहुमत से सत्ता पर कब्जा बरकरार कर लगातार सातवीं बार सत्ता में आने का रिकॉर्ड भाजपा ने जहाँ स्थापित किया है, वहीं हिमाचल प्रदेश में हर 5 वर्ष पश्चात् सत्ता परिवर्तन की 1985 से चली आ रही परम्परा को मतदाताओं ने कायम रखा है तथा पिछले 5 वर्षों से विपक्ष में रही कांग्रेस की सत्ता में वापसी इस बार हुई है.**

गुजरात की 15वीं विधान सभा की 182 सीटों के लिए मतदान दो चरणों में 1 व 5 दिसम्बर को कराया गया था तथा सभी सीटों पर मतगणना 8 दिसम्बर को हुई. इस बार भी राज्य में मोदी की लहर ऐसी चली कि 182 में से 156 सीटें भाजपा के खाते में गईं. पिछली बार 2017 के चुनाव में 182 में से 99 सीटों पर विजय दर्ज कर बहुमत सरकार का गठन भाजपा ने किया था. **पिछली बार 77 सीटों पर विजयी रही कांग्रेस को इस बार इतनी सीटें भी नहीं मिलीं कि उसे विपक्ष के नेता का पद प्राप्त हो सके.** इसके लिए कम-से-कम 19 सीटें होना आवश्यक है, जबकि पार्टी की सीटों की संख्या 17 ही रही. पहली बार राज्य में चुनाव मैदान में उतरी आम आदमी पार्टी (AAP-आप) को यद्यपि 5 सीटों पर ही सफलता मिली, तथापि 12 प्रतिशत मत प्राप्त करके कांग्रेस के लिए चिन्ता की स्थिति इसने उत्पन्न कर दी है, क्योंकि भाजपा की स्थिति की सुदृढ़ता तथा कांग्रेस की कमजोर स्थिति देखते हुए यह स्पष्ट है कि इसे मिले मत कांग्रेस के खाते से ही गए हैं. पहली बार समाजवादी पार्टी ने भी एक सीट जीतकर खाता वहाँ खोला है, जबकि शेष तीन सीटें निर्दलयों की झोली में गई हैं (इनमें से एक भाजपा का व एक कांग्रेस का बागी है).

- गुजरात में लगातार सातवीं बार चुनाव जीतकर भाजपा ऐसी उलब्धि वाली दूसरी पार्टी बनी है. इससे पूर्व वाम दलों ने प. बंगाल में लगातार 8 बार चुनाव जीता था.
- आम आदमी को 5 सीटें मिली तथा इसे मिलें मतों का प्रतिशत 12·92 प्रतिशत रहा. इससे यह पार्टी अब राष्ट्रीय पार्टी के दर्जे की पात्र हो गई है.

विधान सभा में दलगत स्थिति

पार्टी	2017	2022
भारतीय जनता पार्टी	99	156
कांग्रेस	77	17
आम आदमी पार्टी	—	5
समाजवादी पार्टी	—	1
भारतीय ट्राइबल पार्टी	2	—
राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी	1	—
निर्दलीय	3	3
योग	**182**	**182**

मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करते हुए श्री भूपेन्द्र पटेल

विधान सभा में दलों की उपर्युक्त स्थिति को देखते हुए भाजपा ने ही सरकार का गठन वहाँ किया है. **पार्टी आलाकमान की पसंद पर निवर्तमान मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल को ही पुनः मुख्यमंत्री वहाँ बनाया गया है.** राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने 12 दिसम्बर को गांधी नगर में एक समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ उन्हें दिलाई. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री श्री अमित शाह, भाजपा शासित राज्यों के अनेक मुख्यमंत्री व स्टार प्रचारक शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थे. 60 वर्षीय श्री भूपेन्द्र पटेल लगातार दूसरी बार गुजरात के मुख्यमंत्री बने हैं. उनके साथ कुछ मंत्रियों ने भी शपथ इस समारोह में ग्रहण की. पिछली सरकार के 12 मंत्रियों को इस बार मंत्रिपरिषद् में शामिल नहीं किया गया है.

हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश विधान सभा की सभी 68 सीटों के लिए मतदान एक ही चरण में 12 नवम्बर, 2022 को कराया गया था तथा सभी सीटों पर मतगणना 8 दिसम्बर को हुई. इस पर्वतीय राज्य में भारतीय जनता पार्टी पिछले 2017 के चुनाव में 44 सीटें जीतकर सत्ता में थी, जबकि 21 सीटों के साथ कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल भी भूमिका में थी. हर पाँच वर्ष में सरकार बदल देने की 1985 से चली आ रही परम्परा पर चलते हुए मतदाताओं

ने इस बार कांग्रेस को 40 सीटें देकर जहाँ वापस सत्ता में ला दिया वहीं भाजपा, जिसके खाते में 25 सीटें ही इस बार आईं, को विपक्ष में ला दिया है. 68 सदस्यीय विधान सभा में 3 सीटें निर्दलीयों को मिलीं.

विधान सभा में दलगत स्थिति

पार्टी	2017	2022
कांग्रेस	21	40
भारतीय जनता पार्टी	44	25
निर्दलीय व अन्य	3	3
योग	**68**	**68**

- राज्य में कांग्रेस व भाजपा की सीटों की संख्या में यद्यपि 40–25 का अन्तर रहा. दोनों पार्टियों को मिले मतों के प्रतिशत में अन्तर एक प्रतिशत से भी कम 43·9–43·0 प्रतिशत रहा.
- चुनाव से पूर्व कांग्रेस द्वारा दिए गए लुभावने वायदों ने इस पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने में बड़ी भूमिका निभाई. सभी महिलाओं को ₹ 1500 प्रतिमाह प्रदान करने तथा बुजुर्गों के लिए मुफ्त तीर्थयात्रा के प्रलोभन ने काफी बड़े वर्ग को आकर्षित किया. सरकारी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना शुरू करने के कांग्रेस के वायदे ने काफी लुभाया.

मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करते हुए सुखविंदर सिंह सुक्खू

विधान सभा में उपर्युक्त दलगत स्थिति देखते हुए भाजपा के निवर्तमान मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने त्यागपत्र 8 दिसम्बर को ही दे दिया. कांग्रेस विधायक दल के नेता के लिए कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा सिंह (पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वीरभद्र सिंह की पत्नी) व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुखविंदर सिंह सुक्खू नए मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदार थे. विधायक दल की बैठक में पार्टी के केन्द्रीय पर्यवेक्षकों के जरिए सभी विधायकों के विचार सुनकर आलाकमान ने सुखविंदर सिंह सुक्खू के पक्ष में फैसला सुनाया. हमीरपुर जिले की नादौन सीट से चौथी बार विधायक बने सुखविंदर सिंह सुक्खू के पार्टी विधायक दल का नेता चुने जाने के पश्चात् राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने 11 दिसम्बर को शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान में उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई. कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी व प्रियंका गांधी सहित अनेक वरिष्ठ नेता शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थे. 54 वर्षीय श्री सुक्खू राज्य के 15वें मुख्यमंत्री हैं. उनके साथ, पार्टी के एक अन्य नेता मुकेश अग्निहोत्री को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है. राज्य में मुख्यमंत्री सहित कैबिनेट मंत्रियों की अधिकतम संख्या 12 हो सकती है.

आम आदमी पार्टी अब राष्ट्रीय स्तर की पार्टी के दर्जे की पात्र

गुजरात विधान सभा के चुनाव में 5 सीटों के साथ 12 प्रतिशत मत प्राप्त करके आम आदमी पार्टी (AAP) ने एक बड़ी उपलब्धि यह प्राप्त की है कि इसे अब राष्ट्रीय दल का दर्जा प्राप्त हो जाएगा. अभी तक इसे तीन राज्यों–दिल्ली, पंजाब व गोवा में राज्यस्तरीय पार्टी का दर्जा प्राप्त था. राष्ट्रीय स्तर के दल के दर्जे के लिए कम-से-कम चार राज्यों में राज्यस्तरीय पार्टी का दर्जा प्राप्त होना आवश्यक होता है. आम आदमी पार्टी ने गुजरात में 5 सीटें जीती हैं और 12·92 प्रतिशत मत प्राप्त किए हैं, ऐसे में आम आदमी पार्टी को गुजरात में राज्य स्तर की पार्टी के तौर पर मान्यता मिल जाएगी. इसी के साथ इस पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा भी चुनाव आयोग की तरफ से प्राप्त हो सकेगा.

राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने से आम आदमी पार्टी को मिलने वाले लाभ–

1. पार्टी का चुनाव चिह्न (झाड़ू) स्थायी हो जाएगा, इससे आप का पूरे देश में एक ही चुनाव चिह्न होगा, पार्टी का यह झाड़ू चिह्न उसके लिए रिजर्व होगा, कोई दूसरी पार्टी का उम्मीदवार इस चुनाव चिह्न पर चुनाव नहीं लड़ सकेगा.
2. राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने के बाद आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार अब बैलेट/ईवीएम में उम्मीदवारों के क्रम में ऊपर नजर आ सकेंगे.
3. पार्टी को देश की राजधानी में एक कार्यालय मिल सकेगा.
4. आम आदमी पार्टी को अब तक मूल्य चुका कर ही वोटर लिस्ट प्राप्त करनी होती थी, लेकिन अब इस पार्टी को अधिकार होगा कि वह हर राज्य में वोटर लिस्ट मुफ्त में पा सके.
5. राष्ट्रीय स्तर पर अब आम आदमी पार्टी 20 से ज्यादा (अधिकतम 40 तक) स्टार प्रचारकों को अपनी लिस्ट में शामिल कर सकेगी.
6. राष्ट्रीय दल की पार्टी का दर्जा प्राप्त दल के अध्यक्ष सरकारी आवास पाने के पात्र होते हैं.
7. राष्ट्रीय दल का दर्जा प्राप्त राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय चुनावों में आम लोगों को सम्बोधित करने के लिए रेडियो व टेलीविजन पर समय दिया जाता है.

आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त होने से देश में राष्ट्रीय दलों की संख्या 9 हो जाएगी. अभी तक 8 दलों–ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (CPI), मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी (CPM), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (RCP) तथा नेशनल पीपुल्स पार्टी को ही राष्ट्रीय स्तर के दल का दर्जा प्राप्त है.

वन्य जीव संरक्षण (संशोधन) विधेयक संसद के दोनों सदनों में पारित

वन्य जीवों के संरक्षण से जुड़े लगभग 50 वर्ष पुराने 1972 के कानून में संशोधन के लिए एक नए वन्य जीव (संरक्षण) संशोधक विधेयक को राज्य सभा ने 8 दिसम्बर, 2022 को पारित किया है. लोक सभा में यह संशोधन विधेयक पहले ही 2 अगस्त, 2022 को पारित किया जा चुका था. दोनों सदनों में पारित यह विधयेक राष्ट्रपति के अनुमोदन के पश्चात् नए अधिक प्रभावी अधिनियम का रूप लेगा.

वन्य जीव संरक्षण सम्बन्धी मामले अभी तक अलग-अलग विभिन्न कानूनों द्वारा निपटे जाते हैं. नया संशोधन अधिनियम प्रभावी होने से अब एक ही अधिनियम के तहत् वन्य जीवों के संरक्षण विदेशी प्रजातियों के पौधों व पशुओं के अवैध आयात-निर्यात की रोक-थाम, वन भूमि के संरक्षण एवं वन क्षेत्र में सदियों से रह रही जनजातियों के अधिकारों की सुरक्षा के अधिकार प्राप्त होंगे. वन्य जीवों के अवैध व्यापार एवं इनसे जुड़े अपराधों के लिए जुर्माने में वृद्धि का प्रावधान भी संशोधित अधिनियम में किया गया है. ऐसे अपराधों के लिए अधिकतम ₹ 25,000 के जुर्माने का प्रावधान अभी तक था, जिसे बढ़ाकर ₹ 5 लाख संशोधित अधिनियम के तहत् किया गया है.

संशोधित अधिनियम लाने का उद्देश्य वन्य जीवों एवं वनस्पतियों की लुप्त प्राय प्रजातियों के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (Convention of International

Trade on Endangered Species of Wild Fauna and Flora–CITES) के तहत् भारत के दायित्वों को प्रभावी करने का प्रयास करना है. इसके लिए लाए गए विधेयक पर चर्चा के दौरान पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने सदन को बताया था कि **साइट्स** (CITES) के तहत् वन्य जीव संरक्षण के लिए एक स्वतन्त्र ढाँचे की आवश्यकता है, जिसे पूरा करने का प्रयास इस विधेयक के जरिए किया गया है.

फ्रांस से 36वाँ अन्तिम राफेल विमान भारत पहुँचा

सितम्बर 2016 में फ्रांस के साथ सम्पन्न समझौते के तहत् भारतीय वायु सेना के लिए खरीदे जाने वाले 36 राफेल (Rafale) लड़ाकू विमानों का अंतिम 36वाँ विमान 15 दिसम्बर, 2022 को भारत को प्राप्त हो गया है. इस सौदे के 35 विमानों की आपूर्ति पहले ही 22 फरवरी, 2022 तक की जा चुकी थी तथा कुछ और लेटेस्ट तकनीक के इस्तेमाल के पश्चात् 36वाँ अंतिम विमान अब दिसम्बर 2022 में भारत को प्राप्त हुआ है. फ्रांस से

राफेल विमान

उड़ान भरने के पश्चात् मार्ग में एयरक्राफ्ट से आकाश में ही ईंधन लेते हुए 22 दिसम्बर, 2022 को यह अंतिम विमान भारत पहुँचा. इससे पूर्व 3 विमानों की पिछली खेप 22 फरवरी, 2022 को भारत को प्राप्त हुई थी जिससे भारत को मिले राफेल विमानों की संख्या 35 हो गई थी.

फ्रांस की डसाल्ट एविएशन (Dassault Aviation) द्वारा निर्मित ऐसे 36 विमानों की खरीद के लिए 7·87 अरब यूरो (9 अरब डॉलर/₹ 58,000 करोड़) का सौदा भारत सरकार ने 23 सितम्बर, 2016 को सम्पन्न किया था. इस सौदे के 5 विमानों की पहली खेप 29 जुलाई, 2020 को तथा 3 विमानों की दूसरी खेप 4 नवम्बर, 2020 को भारत को प्राप्त हुई थी. इसी शृंखला में 3 अन्य विमान 27 जनवरी, 2021 को, 3 विमान 31 मार्च, 2021 को, 4 विमान 21 अप्रैल, 2021 को, व 3 विमान 6 मई, 2021 को प्राप्त हो गए थे. 24 फरवरी, 2022 को 3 अन्य विमान आने से भारत को 35 राफेल विमान प्राप्त हो गए. 36वें राफेल विमान की प्राप्ति के साथ ही सितम्बर 2016 में सम्पन्न समझौता पूरा हो गया है. **भारत में इन विमानों को हरियाणा में अम्बाला में** तथा **प. बंगाल में हाशिमारा में तैनात किया गया है. इन विमानों के स्कवॉड्रन को 'गोल्डन एरो' नाम दियाग गया है.** भारत में राफेल विमानों को हवा-से-हवा में मार करने वाली मीटिओर (Meteor) व हवा-से-जमीन पर मार करने वाली स्काल्प (Scalp) मिसाइलों के अतिरिक्त हैमर मिसाइलों से लैस किया गया है.

आयुष चिकित्सा प्रणालियों के तीन नए राष्ट्रीय संस्थान

पारम्परिक आयुष चिकित्सा प्रणालियों के शिक्षण एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए तीन राष्ट्रीय आयुष संस्थानों–**अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (All India Institute of Ayurveda–AIIA) राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान (National Institute of Unani Medicine–NIUM)** तथा **राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान** (National Institute of Homoeopathy–NIH) की स्थापना देश में की गई है. इनका लोकार्पण प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 11 दिसम्बर, 2022 को किया.

इनमें अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA) गोवा में पणजी में स्थापित किया गया है आयुर्वेद चिकित्सा की शिक्षा अनुसंधान एवं चिकित्सा की सुविधा इस संस्थान में उपलब्ध होगी. आयुर्वेद के क्षेत्र में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी की शिक्षा के साथ-साथ हैल्थ टूरिज़्म के लिए भी इसे प्रमुख केन्द्र बनाया जाएगा.

यूनानी चिकित्सा प्रणाली को प्रोत्साहन के लिए राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान (NIUM) की स्थापना गाजियाबाद में की गई है. उत्तरी भारत में इस तरह का पहला संस्थान बेंगलूरू स्थित राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान (NIUM) का एक सैटेलाइट केन्द्र होगा, जो दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश व भारत के अन्य राज्यों के साथ-साथ अन्य राज्यों के लोगों व विदेशी नागरिकों को भी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा. होम्योपैथिक चिकित्सा प्रणाली के प्रोत्साहन के लिए राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान (NIH) की स्थापना दिल्ली में की गई है.

विश्व आयुर्वेद कांग्रेस (WAC, 8–11 दिसम्बर, 2022) के सम्बन्ध में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन संस्थानों के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए केन्द्रीय आयुष मंत्री श्री सर्वानंद सोंगोवाल ने 6 दिसम्बर, 2022 को गोवा में बताया कि इन संस्थानों के माध्यम से सरकार देश के प्रत्येक नागरिक और क्षेत्र तक किफायती व बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की अपनी क्षमताओं को मजबूत करेगी. उन्होंने बताया कि इन तीन राष्ट्रीय आयुष संस्थानों की स्थापना से आयुर्वेद, यूनानी व होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति की स्नातक, स्नातकोत्तर व डॉक्टरेट की 400 अतिरिक्त सीटें सृजित होंगी.

अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के निर्जन द्वीपों का नाम अब परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर

परमवीर चक्र से सम्मानित वीर सैनिकों को आजादी के अमृत काल में अनोखी श्रद्धांजलि देते हुए सरकार ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के 21 निर्जन द्वीपों का

नामकरण इन वीरों के नाम पर गत दिसम्बर माह में किया है. इन द्वीपों में से 16 उत्तरी और मध्य अंडमान जिले में स्थित हैं, जबकि 5 द्वीप दक्षिण अंडमान में हैं.

सरकार की इस पहल के तहत् अंडमान ने पहले आईएनएएन 370 द्वीप का नामकरण मेजर सोमनाथ शर्मा के नाम पर किया है. इसे अब सोमनाथ द्वीप के नाम से जाना जाएगा. मेजर शर्मा परमवीर चक्र प्राप्त करने वाले पहले योद्धा थे, जिन्होंने 3 नवम्बर, 1947 को बड़गाम युद्ध में अपना बलिदान दे दिया था.

इसी शृंखला में आईएनएएन 308 नाम के निर्जन द्वीप को सूबेदार कैप्टेन करम सिंह के नाम पर करम सिंह द्वीप नाम दिया गया है. करम सिंह को 1947 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान कश्मीर में दक्षिण तिथवाल की रिचमार गली अग्रिम पोस्ट को सुरक्षित रखने के लिए परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था. इसी प्रकार अन्य द्वीपों के नाम भी परमवीर चक्र विजेताओं–मेजर रामा राघोबा राणे, नाइक जदुनाथ सिंह, कम्पनी हवलदार मेजर पिरु सिंह शेखावत, कैप्टन गुरुबचन सिंह सलारिया, लेफ्टिनेंट कर्नल धन सिंह थापा मागर, सूबेदार जोगिंदर सिंह सहनन, मेजर शैतान सिंह भाटी, कम्पनी क्वाटरमास्टर हवलदार अब्दुल हमीद, लेफ्टिनेंट कर्नल अर्देशिर बुरजोरजी तारापोर, लांस नायक अल्बर्ट एका, कर्नल होशियार सिंह दहिया, सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेतरपाल, फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों, मेजर रामास्वामी परमेस्वरन, कैप्टन बाना सिंह, कैप्टन विक्रम बत्रा, कैप्टन मनोज कुमार पांडेय और सूबेदार मेजर संजय कुमार के नाम पर निर्जन द्वीपों के नाम रखे गए हैं.

अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के बसे हुए तीन द्वीपों–रॉस द्वीप (Ross Island), नील द्वीप (Neil Island) व हैवलॉक द्वीप (Havelock Island) को दिसम्बर 2018 में ही नए नाम सरकार ने दिए थे. इनके लिए नए नामों की घोषणा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 दिसम्बर, 2018 को, पोर्ट ब्लेयर में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस द्वारा तिरंगा फहराए जाने की 75वीं वर्षगाँठ के अवसर पर पोर्ट ब्लेयर में की थी. नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के नाम पर ही रॉस द्वीप समूह को नेताजी सुभाषचन्द्र बोस उन्होंने दिया था, जबकि नील द्वीप को शहीद द्वीप तथा हैवलॉक द्वीप को स्वराज द्वीप नाम दिया गया था. द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंडमान-निकोबार पर जापानी सेना के कब्जे के पश्चात् 30 दिसम्बर, 1943 को वहाँ पहुँचे नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने ही वहाँ तिरंगा फहराते हुए अंडमान व निकोबार का ही नाम बदल कर शहीद और स्वराज द्वीप करने की सलाह दी थी.

तटरक्षक बल का 100 मल्टीकॉप्टर ड्रोंस के लिए अनुबंध

तटीय निगरानी एवं रोक (Interdiction) की अपनी क्षमता में वृद्धि के लिए अपने बेड़े में ड्रोंस (Drones) शामिल करने की भारतीय तट रक्षक बल (Coast Guard) की योजना है. इस दिशा में पहल करते हुए 100 मल्टीकॉप्टर ड्रोंस के लिए अनुबन्ध इसने दिसम्बर 2022 में किया है. यह ड्रोन चलते हुए पोतों (Ships) के साथ-साथ तटवर्ती ठिकानों, दोनों से ही लॉन्च किए जा सकते हैं. भारतीय तटरक्षक बल की निगरानी एवं सुरक्षा परिचालनों के दौरान यह ड्रोन महत्वपूर्ण भूमि निभाएंगे.

अमृत भारत स्टेशन योजना

रेलवे स्टेशनों के उन्नयन (Upgradation) एवं नवीनीकरण के लिए भारतीय रेलवे द्वारा यह योजना शुरू की गई है. एक हजार से अधिक छोटे किन्तु महत्वपूर्ण स्टेशनों का उन्नयन एवं नवीनीकरण इस योजना के तहत् किया जाएगा. योजना के तहत् रेलवे के कुल 68 मंडलों में से प्रत्येक में 15 स्टेशनों का कायाकल्प इस योजना के तहत् करने की रेलवे की योजना है. इसके लिए प्रत्येक चुने गए स्टेशन पर ₹ 10 से 20 करोड़ खर्च किए जाएंगे. यह कार्य अगले एक से डेढ़ वर्ष में पूरा किया जाएगा.

ज्ञातव्य है कि 200 बड़े स्टेशनों के नवीनीकरण के लिए स्टेशन पुनर्विकास कार्यक्रम पहले ही रेलवे द्वारा संचालित है.

असम में लोक सभा एवं विधान सभा सीटों का पुनर्परिसीमन

पूर्वोत्तर राज्य असम में लोक सभा एवं विधान सभा सीटों के पुनर्परिसीमन का कार्य 1 जनवरी, 2023 से शुरू किया गया है. इसके लिए 2001 की जनगणना को आधार बनाया गया है. परिसीमन का यह कार्य पूरा होने तक राज्य में नई प्रशासनिक इकाइयों के गठन पर रोक चुनाव आयोग ने लगाई है. पुनर्परिसीमन का यह कार्य कानून एवं न्याय मंत्रालय के अनुरोध पर शुरू किया गया है. राज्य में पिछली बार परिसीमन 1976 में हुआ था, जिसमें 1971 की जनगणना को आधार बनाया गया था. 2001 से 2008 के दौरान पूरे देश में 2001 की जनगणना के आधार पर परिसीमन सम्पन्न हुआ था. पूर्वोत्तर के चार राज्यों–असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर व नगालैण्ड में विभिन्न क्षेत्रीय एवं राजनीतिक कारणों से परिसीमन उस समय नहीं हो सका था.

2021 के दौरान देश में सड़क दुर्घटनाओं पर राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट : महत्वपूर्ण तथ्य

देश में 2021 में हुई सड़क दुर्घटनाओं के सम्बन्ध में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (National Crime Records Bureau–NCRB) की वर्ष 2022 की रिपोर्ट दिसम्बर 2022 में जारी हुई. रिपोर्ट के अनुसार बीते वर्ष 2021 के दौरान पूरे देश में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या 4,03,116 रही जबकि 2020 में यह संख्या 3,54,796 थी. इस प्रकार सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में 10·5 प्रतिशत की वृद्धि 2021 के दौरान हुई.

- 2021 के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या 1,55,622 थी, जबकि 2020 में कुल 1,33,201 लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए थे. इस प्रकार सड़क दुर्घटना में मरने वाले लोगों की संख्या में 16·8 प्रतिशत की वृद्धि 2021 में हुई.
- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की इस रिपोर्ट के अनुसार 2021 के दौरान हुई सड़क दुर्घटनाओं में अधिकांश दुर्घटनाएं तेज गति के कारण हुईं.
- खतरनाक ओवरटेकिंग के कारण 1,03,629 दुर्घटनाएं 2021 के दौरान हुईं, जो वर्ष में हुई कुल सड़क दुर्घटनाओं (4,03,116) का 25·75 प्रतिशत है. ओवरटेकिंग के कारण हुई दुर्घटनाएं 42,853 मौतों का कारण 2021 में बनी.
- खराब मौसम सन्दर्भित वर्ष (2021) में 11,110 सड़क दुर्घटनाओं का कारण रहा, जो वर्ष में हुई कुल 4,03,116 सड़क दुर्घटनाओं का 2·8 प्रतिशत है.
- अल्कोहल 7,235 दुर्घटनाओं का कारण 2021 में रहा. यह सन्दर्भित वर्ष में कुल दुर्घटनाओं का 1·8 प्रतिशत है.
- 2021 के दौरान घटित सड़क दुर्घटनाओं में 30·3 प्रतिशत दुर्घटनाएं राष्ट्रीय राजमार्गों

भारत 2022: एक नज़र में

राजनीतिक परिदृश्य

■ पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 117 में से 92 सीटें जीतीं, भगवंत मान ने मुख्यमंत्री का पदभार संभाला, 16 मार्च

■ गुजरात में 182 विधानसभा सीटों में से 156 सीटें जीतकर बीजेपी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंची, भूपेंद्र पटेल ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, 12 दिसंबर

■ महाराष्ट्र में शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी गठबंधन सरकार गिरी, शिवसेना में फूट और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के इस्तीफे के बाद शिवसेना से अलग हुए शिंदे गुट के साथ बीजेपी ने हाथ मिलाकर सरकार बनाई, एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बने, 30 जून

■ गोवा चुनाव में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, प्रमोद सावंत ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, 28 मार्च

■ हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बीजेपी से सत्ता छीनी, सुखविंदर सिंह सुक्खू मुख्यमंत्री बने, 11 दिसंबर

■ उत्तराखंड चुनाव में बीजेपी की दोबारा जीत, पुष्कर सिंह धामी ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, 23 मार्च

■ मणिपुर चुनाव में बीजेपी की सत्ता बरकरार, बीरेन सिंह दोबारा मुख्यमंत्री बने, 21 मार्च

■ जेडी(यू)–बीजेपी गठबंधन टूटने से नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया और अगले ही दिन उन्होंने आरजेडी और कांग्रेस के समर्थन से दोबारा मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, 10 अगस्त

■ उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी की दोबारा जीत के बाद योगी आदित्यनाथ ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, 25 मार्च

■ भारत ने 2 अरब कोविड 19 टीकाकरण के मील के पत्थर को पार किया, 17 जुलाई

■ भारत के 15वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेकर द्रौपदी मुर्मू इस सर्वोच्च पद धारण को करने वाली पहली आदिवासी और सबसे कम उम्र की राष्ट्रपति बनीं, 25 जुलाई

■ 1952 में विलुप्त हो चुके चीतों को नामीबिया से भारत लाया गया, अपने जन्मदिन पर प्रधानमंत्री मोदी ने मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में आठ चीतों को छोड़ा, 17 सितंबर

■ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सभी महिलाएं 24 सप्ताह तक सुरक्षित और कानूनी गर्भपात की हकदार हैं, जबकि पहले अविवाहित महिलाओं के लिए यह अवधि 20 सप्ताह थी, 29 सितंबर

■ गुजरात के मोरबी शहर में मच्छू नदी पर बने झूला पुल गिरने से 135 लोगों की मौत, 30 अक्टूबर

■ तीन दशक से अधिक जेल में रहने के बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के छह हत्यारे रिहा, 12 नवंबर

■ नोएडा में अवैध रूप से बने सुपरटेक के जुड़वां टावरों को विस्फोटक लगाकर केवल नौ सेकंड में गिराया गया, यह देश में इस तरह का सबसे बड़ा विध्वंस था, 28 अगस्त

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोच्चि में भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को नौसेना में शामिल किया, 2 सितंबर

■ देश के चुनिंदा शहरों में 5जी टेलीकॉम सेवाएं शुरू, 1 अक्टूबर

5G

■ 24 वर्षों के बाद गैर गांधी परिवार से मल्लिकार्जुन खड़गे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए, 19 अक्टूबर

■ भारत ने जी20 की अध्यक्षता ग्रहण की, 1 दिसंबर

■ अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में भारतीय सैनिकों ने चीनी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किया, 9 दिसंबर

■ कई देशों में कोविड 19 मामलों में वृद्धि के बीच सरकार ने अंतरराष्ट्रीय आगमन और आवश्यक सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों के लिए दिशानिर्देशों की घोषणा की, 22 दिसंबर

खेल

एथलेटिक्स ■ मौजूदा ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 88.13 मीटर की दूरी पर भाला फेंककर भारत के लिए पहला रजत जीतकर इतिहास रचा

बैडमिंटन ■ भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने 73 साल में पहली बार थॉमस कप जीता, वो भी 14 बार इस खिताब को हासिल करने वाले इंडोनेशिया को हराकर

कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 ■ बर्मिंघम में कॉमनवेल्थ गेम्स में 22 गोल्ड, 16 रजत व 23 कांस्य पदकों के साथ भारत चौथे स्थान पर रहा

टेबल टेनिस ■ एशियाई कप टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2022 में कांस्य जीतकर मनिका बत्रा पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी

■ शरथ कमल मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित होने वाले साल के इकलौते खिलाड़ी रहे

क्रिकेट ■ भारतीय महिला टीम की कप्तान मिताली राज और उनकी जोड़ीदार झूलन गोस्वामी ने क्रिकेट से संन्यास लिया

■ गुजरात टाइटंस ने अपने पहले सीजन में ही आईपीएल का खिताब जीता

हॉकी ■ भारतीय महिला हॉकी टीम ने स्पेन को हराकर पहला नेशंस कप जीता, इस खिताबी जीत से भारत ने एफआइएच प्रो लीग के 2023 24 सत्र में खेलने की अपनी जगह बनाई

कुश्ती ■ विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2022 के 65 किग्रा वर्ग में भारतीय पहलवान बजरंग पुनिया ने कांस्य पदक जीता

जो नहीं रहे

■ कथक सम्राट पंडित बिरजू महाराज, 17 जनवरी ■ सुप्रसिद्ध गायिका 'भारत रत्न' लता मंगेशकर, 6 फरवरी ■ प्रख्यात उद्योगपति राहुल बजाज, 12 फरवरी ■ बॉलीवुड के 'डिस्को किंग' बप्पी लहरी, 15 फरवरी ■ विख्यात संतूर वादक पंडित शिवकुमार शर्मा, 10 मई ■ अरबपति 'कंस्ट्रक्शन टाइकून' पलोनजी मिस्त्री, 28 जून ■ भारतीय शेयर बाजार गुरु राकेश झुनझुनवाला, 14 अगस्त ■ टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री, 4 सितंबर ■ लोकप्रिय कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव, 21 सितंबर ■ समाजवादी पार्टी के संस्थापक और राजनीतिक दिग्गज मुलायम सिंह यादव, 10 अक्टूबर ■ जानी मानी अभिनेत्री और टीवी टॉक शो की होस्ट तबस्सुम, 18 नवंबर

KBK Infographics

देश की सबसे दूरी तक मार करने वाली मिसाइल अग्नि-5 का परीक्षण

देश की रक्षा शक्ति को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक और पहल के तहत् भारत ने सतह-से-सतह पर मार करने वाली परमाणु क्षमता सम्पन्न बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का एक सफल परीक्षण 15 दिसम्बर, 2022 को किया. **5000 किमी की दूरी तक सटीक मार करने में सक्षम यह मिसाइल भारत की सर्वाधिक दूरी तक मार करने वाली मिसाइल** है. तथा पाकिस्तान व चीन के सभी प्रमुख शहरों के साथ-साथ ईरान, रूस, यूक्रेन व इंडोनेशिया के भी कुछ भाग इसकी रेंज में हैं. 15 दिसम्बर, 2022 का यह परीक्षण ओडिशा के बालासोर तट के निकट स्थित अब्दुल कलाम परीक्षण केन्द्र पर किया गया. परीक्षण से पूर्व एक अधिसूचना जारी करके बंगाल की खाड़ी को 'नो फ्लाई ज़ोन' अधिकारियों ने घोषित कर दिया था.

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा भारत डायनेमिक्स लि. के सहयोग से विकसित अग्नि-5 मिसाइल 17·5 मी लम्बी व 2 मी व्यास की मिसाइल है. 50 टन वजन की यह मिसाइल 1·5 टन तक बारहैड ढोने में सक्षम है. इसका पहला परीक्षण 19 अप्रैल, 2012 को किया गया था तथा 15 दिसम्बर, 2022 का ताजा परीक्षण इसका नौवाँ परीक्षण था. इसका यह परीक्षण मिसाइल पर लगाई गई नई तकनीकों व उपकरणों के परीक्षण के लिए किया गया था. इनसे यह मिसाइल अब पहले से कुछ हल्की हो गई है तथा आवश्यकता पड़ने पर इसकी रेंज बढ़ाने की सम्भावना की पुष्टि भी ताजा परीक्षण ने की है. आरडीओ के वैज्ञानिकों का मानना है कि अग्नि-5 के वजन को घटाकर इसकी मारक क्षमता को 7000 किमी तक बढ़ाया जा सकता है.

परमाणु क्षमता सम्पन्न अग्नि-5 मिसाइल का पिछला आठवाँ परीक्षण 27 अक्टूबर, 2021 को तथा सातवाँ परीक्षण 10 दिसम्बर, 2018 को किया था. इसका दूसरा परीक्षण 15 सितम्बर, 2013 को, तीसरा 31 जनवरी, 2015 को, चौथा 26 दिसम्बर, 2016 को, पाँचवाँ परीक्षण 18 जनवरी, 2018 को, तथा छठा परीक्षण 3 जून, 2018 को किया गया था 15 दिसम्बर, 2022 का अग्नि-V का परीक्षण इसका 'यूजर ट्रायल' था, इस परीक्षण से यह संकेत मिलता है कि यह मिसाइल अब शीघ्र ही सेना को सौंपी जा सकती है, अग्नि शृंखला की अन्य चारों मिसाइलों में अग्नि-I, की मारक क्षमता 700 किमी तक, अग्नि-II की 2000 किमी तक, अग्नि-III की मारक क्षमता 3000 किमी तक तथा अग्नि-IV की 4000 किमी तक है यह मिसाइलें सेना को सौंपी जा चुकी हैं, अग्नि-V के भी अब शीघ्र ही सेना को सौंपे जाने की सम्भावना है.

अग्नि-3 का परीक्षण

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित अग्नि-III मिसाइल का एक परीक्षण 24 नवम्बर, 2022 को किया गया. 3000 से 5000 किमी की दूरी तक मार करने में सक्षम इस मिसाइल का यह परीक्षण ओडिशा के तट पर अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया. परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अग्नि-III मिसाइल को सेना में पहले ही शामिल किया जा चुका है.

17 मी लम्बी, 2 मी व्यास व 40 टन वजन वाली इस मिसाइल के पहले भी अनेक परीक्षण किए जा चुके हैं. इसका पहला परीक्षण अब्दुल कलाम द्वीप से ही 9 जुलाई, 2006 को किया गया था, जोकि कामयाब नहीं रहा था. बाद में 12 अप्रैल, 2007 को इसका परीक्षण सफल रहा था. बाद में इसके अनेक परीक्षण सफलतापूर्वक किए गए. अग्नि-3 के 30 नवम्बर, 2019 के पिछले रात्रिकालीन परीक्षण में भी कुछ तकनीकी कमियाँ पाई गई थीं.

एसयू-30 एमकेआई विमान से समुद्री लक्ष्य को निशाना बनाने को ब्रह्मोस के उन्नत संस्करण का परीक्षण

भारतीय वायु सेना ने अपने लड़ाकू विमान से लम्बी दूरी पर जमीन या समुद्र में किसी लक्ष्य को निशाना बनाने की क्षमता की पुष्टि दिसम्बर 2022 में उस समय की जब एक सुखोइ एसयू-30 एमकेआई विमान से ब्रह्मोस मिसाइल के उन्नत संस्करण का सफल परीक्षण उसने किया. ब्रह्मोस एयर लॉन्च मिसाइल का यह परीक्षण 29 दिसम्बर, 2022 को एक सुखोई एसयू-30 एमकेआई विमान से किया गया जिसने 400 किमी की रेंज में बंगाल की खाड़ी में लक्ष्य पर सटीक प्रहार किया. भारतीय वायु सेना द्वारा किया गया यह परीक्षण पूर्णतः कामयाब रहा. रक्षा मंत्रालय की 29 दिसम्बर की एक विज्ञप्ति में बताया गया है कि इस परीक्षण के साथ वायु सेना ने एसयू-30 एमकेआई लड़ाकू विमान से लम्बी दूरी पर जमीन या समुद्री लक्ष्य पर सटीक हमला करने की क्षमता में वृद्धि हासिल की है. विज्ञप्ति के अनुसार भारतीय वायु सेना, नौसेना, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) बीएपीएल (ब्रह्मोस से सम्बन्धित कम्पनी) तथा एचएएल के समर्पित प्रयासों ने इस उपलब्धि को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

पर तथा 23·9 प्रतिशत दुर्घटनाएं राज्य राजमार्गों पर हुई. एक्सप्रेस-वे पर दुर्घटनाओं की संख्या 2021 में 1899 रही जिनमें मरने वालों की संख्या 1356 तथा घायलों की संख्या 1214 रही

- रिपोर्ट के अनुसार 2021 के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में सर्वाधिक 69,240 मौतें दोपहिया वाहनों से हुई, जो दुर्घटना में हुई मौतों का 44·5 प्रतिशत था. इसके बाद 23,531 मौतें (15·1 प्रतिशत) कारों की दुर्घटनाओं में तथा 14,622 मौतें (9·4 प्रतिशत) ट्रक/लॉरी दुर्घटनाओं में हुई.
- 2021 के दौरान कुल 4,03,116 सड़क दुर्घटनाओं में से 2,40,747 दुर्घटनाएं (59·7 प्रतिशत) ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 1,62,369 दुर्घटनाएं (40·3 प्रतिशत) शहरी क्षेत्रों में हुई.

●●●

दुर्लभ आँकड़ों एवं नवीन तथ्यों सहित

उपकार

उत्तराखण्ड सम्पूर्ण अध्ययन

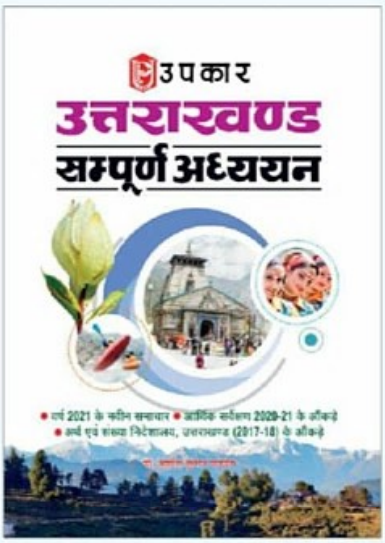

Code 764 ₹ 215.00

- वर्ष 2021 के नवीन समाचार
- आर्थिक सर्वेक्षण 2020-21 के आँकड़े
- अर्थ एवं संख्या निदेशालय, उत्तराखण्ड (2017-18) के आँकड़े

डॉ. अशोक कुमार पाण्डेय

उपकार प्रकाशन, आगरा-5
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

- अरुणाचल प्रदेश के तवांग क्षेत्र में भारत-चीनी सेना में झड़प
- भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की वार्ता का 17वाँ दौर सम्पन्न
- भ्रष्टाचार के मामले में मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन को 11 वर्ष के कारावास की सजा
- सित्विनी राबुका फिजी के नए प्रधान-मंत्री
- जैव विविधता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन कॉप-15
- विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं की फोर्ब्स सूची (2022) में भारत की 6 महिलाएं : यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन विश्व की सबसे शक्तिशाली महिला
- अमरीका में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता
- म्यांमार की लोकतंत्रवादी नेता आंग सान सू की को भ्रष्टाचार के मामलों में सात वर्ष के कारावास की और सजा
- इजरायल में बेंजामिन नेतान्याहू छठी बार प्रधानमंत्री बने
- नेपाल में पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' के नेतृत्व में वाम दलों की सरकार का गठन

अरुणाचल प्रदेश के तवांग क्षेत्र में भारत-चीनी सेना में झड़प

जम्मू-कश्मीर में लेह क्षेत्र में चीनी सैनिकों द्वारा नियन्त्रण रेखा पार करने का मामला अभी ठंडा नहीं पड़ा था कि अरुणाचल प्रदेश में तवांग (Tawang) क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (Line of Actual Control—LAC) के अतिक्रमण का प्रयास चीनी सैनिकों ने 9 दिसम्बर, 2022 को किया जिसे भारतीय सैनिकों ने पूरी तरह विफल कर दिया. भारतीय सैनिकों के दबाव में चीनी सैनिक पीछे हटने को मजबूर हुए. 9 दिसम्बर की इस झड़प से कुछ दिन पूर्व भी चीनी ड्रोन वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारतीय सीमा के काफी निकट आ गए थे, जिन्हें खदेड़ने के लिए भारतीय वायुसेना को अपने लड़ाकू विमानों को सक्रिय करना पड़ा था.

तवांग क्षेत्र में 9 दिसम्बर को चीनी सैनिकों के साथ भारतीय सैनिकों की झड़प उस समय हुई जब कंटीली लाठियों व डंडों के साथ लगभग तीन सौ चीनी सैनिक इस क्षेत्र में यांगत्से (Yangtse) में भारतीय पोस्ट को हटाने के लिए वहाँ पहुँचे जिसके प्रत्युत्तर में भारतीय सैनिकों ने तुरन्त मोर्चा सँभाल लिया. मीडिया रिपोर्टों के अनुसार भारतीय सैनिकों ने चीनी सैनिकों को दौड़ा-दौड़ा कर खदेड़ा, भारतीय जवानों को भारी पड़ते देख चीनी सैनिक पीछे हट गए. इस झड़प में 6 भारतीय जवान घायल भी हुए. इस सम्बन्ध में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 13 दिसम्बर को संसद में एक बयान में बताया कि पीएलए सैनिकों ने तवांग सेक्टर के यांगत्से में एलएसी पर अतिक्रमण कर यथास्थिति को एकतरफा बदलने का प्रयास 9 दिसम्बर को किया. चीनी सैनिकों के इस प्रयास का हमारे सैनिकों ने दृढ़ता से सामना किया. इस दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए, हाथापाई भी हुई तथा इस झड़प में दोनों ओर के सैनिकों को चोटें आईं. उन्होंने सदन को बताया कि इस झड़प में हमारा कोई भी सैनिक गम्भीर रूप से घायल नहीं हुआ.

चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा भी इस सम्बन्ध में एक वक्तव्य 13 दिसम्बर को ही जारी किया गया जिसमें सीमा पर हालात को स्थिर बताते हुए चीनी सैनिकों के घायल होने की कोई जानकारी नहीं दी गई. चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि सीमा से जुड़े मुद्दों पर दोनों पक्ष कूटनीतिक एवं मिलिट्री चैनलों के जरिए वार्ता करते आ रहे हैं. मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इस झड़प के बाद भारतीय कमांडरों ने शांति बहाल करने के लिए चीनी कमांडरों के साथ फ्लैग मीटिंग की, जिसके बाद मामला सुलझा लिया गया.

भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की वार्ता का 17वाँ दौर सम्पन्न

नियंत्रण रेखा पर तनाव के बीच भारत व चीन के बीच कोर कमांडर (Corps Commander) स्तर की वार्ता का 17वाँ दौर 20 दिसम्बर, 2022 को सम्पन्न हुआ. 5 माह के अन्तराल के पश्चात् वार्ता का यह दौर पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में नियंत्रण रेखा के उस ओर (चीन की ओर) चुशूल-मोल्डो (Chushul-Moldo) मीटिंग पॉइंट पर सम्पन्न हुआ. 17 जुलाई, 2022 की पिछली (16वें दौर की) बैठक के बाद हुई प्रगति के आधार पर वास्तविक नियंत्रण रेखा से सम्बन्धित प्रासंगिक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान दोनों पक्षों ने किया. दोनों पक्षों ने एक खुले और रचनात्मक तरीके से, पश्चिमी सेक्टर (पूर्वी लद्दाख क्षेत्र) में एलएसी से जुड़े प्रासंगिक मुद्दों के समाधान पर विचारों का आदान-प्रदान किया. तवांग क्षेत्र में दोनों पक्षों के सैनिकों की झड़प के पश्चात् कोर कमांडर स्तर की द्विपक्षीय वार्ता का यह पहला ही दौर था. लगभग 10 घण्टे तक चली यह वार्ता किसी नए प्रभावी निष्कर्ष तक नहीं पहुँची. पिछली 16वें दौर की वार्ता की तरह इस बार भी दोनों पक्ष पश्चिमी क्षेत्र में जमीन पर सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए सहमत हुए हैं. सैन्य और राजनयिक चैनलों के माध्यम से बातचीत बनाए रखने तथा पारस्परिक रूप से स्वीकृत संकल्प पर काम करने को दोनों पक्ष सहमत हुए हैं.

भ्रष्टाचार के मामले में मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन को 11 वर्ष के कारावास की सजा

भ्रष्टाचार एवं गबन के मामले में मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन को 11 वर्ष के कारावास की सजा वहाँ की एक स्थानीय अदालत ने 25 दिसम्बर, 2022 को सुनाई. 2013–18 के दौरान राष्ट्रपति रहे यामीन को सरकार के स्वामित्व वाले एक द्वीप को पट्टे पर देने के मामले में रिश्वत लेने के आरोप में यह सजा अदालत द्वारा सुनाई गई है.

अब्दुल्ला यामीन

भारत विरोधी छवि वाले अब्दुल्ला यामीन को अदालत ने इससे पूर्व 5 वर्ष के कारावास की सजा 2019 में भी सुनाई थी, जिसके चलते उन्हें जेल में कुछ समय तक रहना पड़ा था. बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने सबूतों में विसंगतियों की बात कहते हुए निचली अदालत के फैसले को पलट दिया था.

सरकारी स्वामित्व वाले द्वीप को पट्टे पर देने के मामले में 11 वर्ष के कारावास के साथ-साथ 50 लाख डॉलर का जुर्माना भी अदालत ने उन पर आरोपित किया है. इस मामले में रिश्वत लेने व मनी लॉन्ड्रिंग का दोषी उन्हें अदालत ने करार दिया है. उन्हें सुनाई गई सजा में 7 वर्ष की सजा मनी लॉन्ड्रिंग के लिए व 4 वर्ष की सजा रिश्वत लेने के लिए सुनाई गई हैं. इस फैसले के साथ ही उन्हें जेल भेज दिया गया है. अदालत के इस फैसले के विरुद्ध अपील करने की घोषणा उनके वकील ने की है.

उल्लेखनीय है कि भारत के विरोधी एवं चीन के भक्त की छवि वाले अब्दुल्ला यामीन मालदीव के पूर्व तानाशाह राष्ट्रपति मौमून अब्दुल गयूम के भाई है. 2013–18 के दौरान वह राष्ट्रपति रहे थे तथा 2018 में वह चुनाव हार गए थे. 2023 के चुनाव में उन्हें अपना उम्मीदवार बनाने की घोषणा प्रोग्रेसिव पार्टी ने की थी.

सित्विनी राबुका फिजी के नए प्रधानमंत्री

प्रशांत महासागर स्थित द्वीपीय राष्ट्र फिजी में दिसम्बर 2022 में सम्पन्न संसदीय चुनावों में किसी भी दल/चुनाव पूर्व गठबंधन को स्पष्ट बहुमत न मिलने के कारण तीन पार्टियों के गठबंधन ने नई सरकार का गठन वहाँ किया है तथा पीपुल्स एलायंस (PA) के नेता सित्विनी राबुका (Sitiveni Rabuka) नए प्रधानमंत्री वहाँ बने हैं. पिछले 15 वर्षों से प्रधानमंत्री रहे वोरके बेनीमरामा जो फ्रैंक बेनीमरामा (Frank Bainimarama) के नाम से प्रायः जाने जाते हैं, को प्रधानमंत्री पद हेतु केवल 1 मत के अन्तर से पराजय का सामना संसद में 24 दिसम्बर, 2022 को करना पड़ा. 55 सदस्यीय संसद में 27 मत फिजी फर्स्ट पार्टी के बेनीमरामा को मिले, जबकि पीपुल्स एलायंस (PA), सोशल डेमोक्रेटिक लिबरल पार्टी (SODELPA) व नेशनल फेडरेशन पार्टी के गठबंधन के नेता सित्विनी राबुका ने 28 मत हासिल किए.

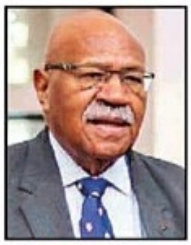

सित्विनी राबुका : फिजी के नए प्रधानमंत्री

इससे 74 वर्षीय राबुका ही नए प्रधानमंत्री वहाँ बने हैं. 16 वर्ष के अन्तराल के पश्चात् लगभग 9 लाख जनसंख्या वाले इस द्वीपीय राष्ट्र को नया प्रधानमंत्री प्राप्त हुआ है. इससे पूर्व बेनीमरामा 5 जनवरी, 2007 से वहाँ प्रधानमंत्री थे.

74 वर्षीय सित्विनी राबुका ने 24 दिसम्बर, 2022 से नए प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार वहाँ ग्रहण किया है. पूर्व सैन्य कमांडर रहे राबुका 1987 में दो बार सैन्य तख्तापलट के लिए सूत्रधार रहे थे. बाद में 1992–99 के दौरान वह प्रधानमंत्री भी रहे थे.

जैव विविधता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन कॉप-15

जैव विविधता पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (CBD—Convention on Biological Diversity) के पक्षकारों का 15वाँ सम्मेलन (COP-15) 7–19 दिसम्बर, 2022 को कनाडा में मॉंट्रियल में सम्पन्न हुआ. खनन, खेती, निर्माण एवं प्रदूषण उत्पन्न करने वाली अन्य गतिविधियों से पेड़-पौधों व जीव-जन्तुओं को खोने के जिन खतरों से पृथ्वी जूझ रही है, उन पर विचार करने तथा अंकुश के लिए दिशा-निर्देश तय करने के लिए इस सम्मेलन का आयोजन मूलतः अक्टूबर 2020 में चीन में कुन्मिंग (Kunming) में होना था, किन्तु कोरोना महामारी के कारण इसे स्थगित किया गया था. बाद में इसे दो चरणों में आयोजित करने का निर्णय सीबीडी सचिवालय द्वारा किया गया. **इसका पहला भाग 11–15 अक्टूबर, 2021 को वर्चुअल तरीके से सम्पन्न हुआ. दूसरा भाग चीन में कुन्मिंग में ही कराया जाना था, जिसके लिए तिथियों में परिवर्तन भी कई बार किया गया तथा अन्ततः 7–19 दिसम्बर, 2022 को कनाडा में मॉंट्रियल में चीन की मेजबानी में ही इसे कराया गया.**

मॉंट्रियल में कॉप-15 का एक दृश्य

जैव विविधता के सम्बन्ध में विगत एक दशक (2011–20) के दौरान लिए गए निर्णयों तथा उनकी उपलब्धियों पर चर्चा इस सम्मेलन में की गई. 195 देशों के 10 हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में अपनी उपस्थिति दर्ज की. सम्मेलन का थीम– 'Ecological Civilization : Building a Shared Future for All Life on Earth' था. सम्मेलन में भारतीय शिष्टमण्डल का नेतृत्व केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने किया. सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वैश्विक जैव विविधता रूप-रेखा (Global Bio-diversity Frame-work–GBF) को देशों के अपने संसाधनों पर सम्प्रभु अधिकार को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाना चाहिए. साथ ही इसे गरीबी उन्मूलन और सतत् विकास के प्रति विकासशील देशों की जिम्मेदारी को भी पहचानना चाहिए. उन्होंने कहा कि भारत में वैश्विक जनसंख्या का 17 प्रतिशत है, लेकिन भूमि क्षेत्र का केवल 2·4% और इसके जल संसाधनों का केवल 4% होने के बावजूद, देश जैव विविधता की रक्षा के अपने प्रयासों में आगे बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि हमारे वन और वृक्षों का आवरण हमारी वन्यजीव आबादी के साथ-साथ लगातार बढ़ रहा है. अपने सम्बोधन में उन्होंने चीता पुनर्वास, रामसर स्थलों जैसी उपलब्धियों का उदाहरण भी दिया. कृषि सब्सिडी की आलोचनाओं का जवाब देते हुए श्री यादव ने कहा, कृषि जैसे कमजोर क्षेत्रों के लिए आवश्यक सहायता को सब्सिडी के रूप में वर्णित नहीं किया जा सकता है. हमारी कृषि, अन्य विकासशील देशों की तरह, करोड़ों लोगों के जीवन और आजीविका का स्रोत है. उनकी खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए.

मॉंट्रियल में संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन (कॉप-15) के समापन पर एक महत्वपूर्ण समझौते पर सहमति बनी है, जो इस दशक के अन्त तक विश्व में 30 प्रतिशत भूमि, तटीय इलाकों और अन्तर्देशीय जलक्षेत्र के संरक्षण पर लक्षित है. सभी सदस्य देशों द्वारा 19 दिसम्बर को पारित किए गए नए फ्रेमवर्क में 4 लक्ष्य और 23 उद्देश्य स्थापित किए गए हैं. समझौते का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा 2030 तक जैव विविधता के लिए महत्वपूर्ण मानी जाने वाली 30 प्रतिशत भूमि और महासागरों की रक्षा करने के लिए प्रति-बद्धता है. वर्तमान में 17 प्रतिशत स्थलीय और 10 प्रतिशत समुद्री क्षेत्र

संरक्षित हैं. समझौते के तहत् गरीब देशों के लिए सालाना वित्तीय मदद को 2025 तक बढ़ाकर कम-से-कम 20 अरब डॉलर किया जाएगा. वर्ष 2030 तक यह राशि बढ़कर 30 अरब डॉलर प्रति वर्ष हो जाएगी. इसके अतिरिक्त 2030 तक विभिन्न स्रोतों से जैव विविधता के लिए 200 अरब डॉलर जुटाने और सब्सिडी को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने या सुधार करने के लिए भी काम करने का आह्वान किया गया है.

उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन में भारत ने जैव विविधता संरक्षण के लिए एक नया और समर्पित कोष बनाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया था. भारत ने कहा था कि जैव विविधता का संरक्षण जिम्मेदारियों व क्षमताओं पर आधारित होना चाहिए, क्योंकि जलवायु परिवर्तन जैव विविधता को भी प्रभावित करता है तथा जैव विविधता के संरक्षण के लक्ष्यों को लागू करने का ज्यादा बोझ विकासशील देशों पर पड़ता है.

विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं की फोर्ब्स सूची (2022) में भारत की 6 महिलाएं : यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन विश्व की सबसे शक्तिशाली महिला

अमरीकी पत्रिका फोर्ब्स (Forbes) के ताजा वर्ष 2022 के आकलन में यूरोपीय आयोग (EC) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन (Ursula Von der Leyen) विश्व की सबसे शक्तिशाली महिला हैं, जबकि यूरोपीय केन्द्रीय बैंक की अध्यक्ष क्रिस्टीन लगार्ड (Christine Lagarde) का उनके पश्चात् दूसरा तथा अमरीका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का इस मामले में तीसरा स्थान है. **फोर्ब्स की विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं की सूची 6 दिसम्बर, 2022 को जारी हुई, जिसमें भारत की 6 महिलाओं को स्थान दिया गया है.**

उर्सुला वॉन डेर लेयेन : यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष

फोर्ब्स की वर्ष 2022 की इस सूची में जनरल मोटर्स की मैरी बारा (Mary Bara) का चौथा, बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सह-संस्थापिका मेलिंडा गेट्स का छठा तथा इटली की नव निर्वाचित प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी (Georgia Meloni) का सातवाँ स्थान है. वर्ष 2022 की फोर्ब्स सूची में पहले 10 स्थानों पर निम्नलिखित महिलाओं के नाम हैं–

रैंक	महिला
1	उर्सुला वॉन डेर लेयेन (जर्मनी), (यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष)
2	क्रिस्टीन लगार्ड (फ्रांस), (यूरोपीय केन्द्रीय बैंक की अध्यक्ष)
3	कमला हैरिस (अमरीका), (अमरीका की उपराष्ट्रपति)
4	मैरी बारा (अमरीका), (जनरल मोटर्स की सीईओ)
5	अबिगेल जॉन्सन (अमरीका), (फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स की सीईओ)
6	मेलिंडा गेट्स (अमरीका), (बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सह-संस्थापिका)
7	जॉर्जिया मेलोनी (इटली), (इटली की प्रधानमंत्री)
8	कारेन लिंच (अमरीका), (सीवीएस हैल्थ की सीईओ)
9	जूली स्वीट (अमरीका), (एसेंचर की सीईओ)
10	जेन फ्रेजर (अमरीका), (सिटी ग्रुप की सीईओ)

फोर्ब्स (Forbes) ने विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं की वर्ष 2022 की सूची में भारत की जिन 6 महिलाओं को स्थान दिया गया है. इनमें केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के अतिरिक्त बायोकॉन की एक्जीक्यूटिव चेयरपर्सन किरण मजूमदार शॉ, नायका (Nykaa) की संस्थापिका फागुनी नायर, एचसीएल की चेयरपर्सन रोशनी नाडर मल्होत्रा, सेबी (SEBI) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच तथा स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAIL) की चेयरपर्सन सोमा मंडल शामिल हैं. यह लगातार चौथा वर्ष है जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं की फोर्ब्स सूची में स्थान दिया गया है. वर्ष 2022 की ताजा सूची में उनको 36वाँ

जापान, ईक्वेडोर, माल्टा, मोजाम्बिक व स्विट्जरलैण्ड 1 जनवरी, 2023 से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के नए अस्थायी सदस्य : भारत की दो वर्षीय सदस्यता समाप्त

भारत 1 जनवरी, 2021 से दो वर्ष के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् का सदस्य बना था. भारत की सुरक्षा परिषद् की दो वर्ष की सदस्यता 31 दिसम्बर, 2022 को समाप्त हो गई है. भारत के साथ ही आयरलैण्ड, कीनिया, मेक्सिको व नॉर्वे की भी परिषद् की दो वर्षीय सदस्यता 31 दिसम्बर, 2022 को समाप्त हुई है. इन पाँचों देशों के स्थान पर जापान, ईक्वेडोर, माल्टा, मोजाम्बिक व स्विट्जरलैण्ड संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के नए अस्थायी सदस्य 1 जनवरी, 2023 से बने हैं. परिषद् की 2 वर्ष (2023-24) की सदस्यता के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में इनका चुनाव 9 जून, 2022 को किया गया था. नए चुने गए इन सदस्यों में स्विट्जरलैण्ड एवं माल्टा को पश्चिमी यूरोप व अन्य देशों के क्षेत्र से, जापान को एशिया प्रशान्त क्षेत्र से, ईक्वेडोर को लेटिन अमरीकी व कैरीबियाई क्षेत्र से तथा मोजाम्बिक को अफ्रीकी क्षेत्र से चुना गया है.

- *15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद् में इन पाँचों देश ने भारत, आयरलैण्ड, कीनिया, मैक्सिको व नॉर्वे का स्थान लिया है, जो 1 जनवरी, 2021 से सुरक्षा परिषद् के सदस्य बनाए गए थे तथा परिषद् में इनका 2 वर्षीय कार्यकाल 31 दिसम्बर, 2022 को पूरा हुआ है. **भारत आठवीं बार सुरक्षा परिषद् का अस्थायी सदस्य बना था.** वर्ष 2022 के दौरान नए चुने गए उपर्युक्त 5 देशों के अतिरिक्त 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद् में 5 अन्य अस्थायी सदस्य अल्बानिया, ब्राजील, गैबॉन, घाना व संयुक्त अरब अमीरात हैं. यह पाँचों देश सुरक्षा परिषद् के अस्थायी सदस्य जून 2021 में निर्वाचित हुए थे तथा परिषद् में उनका 2 वर्षीय कार्यकाल 1 जनवरी, 2022 से शुरू हुआ है. यह पाँचों देश 31 दिसम्बर, 2023 तक सुरक्षा परिषद् के सदस्य रहेंगे.*
- *2023-24 के लिए चुने गए पाँच देशों में मोजाम्बिक व स्विट्जरलैण्ड ही ऐसे देश हैं, जो इससे पूर्व कभी भी सुरक्षा परिषद् के सदस्य नहीं रहे हैं, **जापान को सर्वाधिक 12वीं बार, ईक्वेडोर को तीन बार व माल्टा को दूसरी बार यह अवसर मिला है.***
- *जापान **रिकॉर्ड 12वीं बार सुरक्षा परिषद् का अस्थायी सदस्य जून 2022 में चुना गया था. वह पहले ही सर्वाधिक 11 बार सुरक्षा परिषद् का अस्थायी सदस्य रह चुका था,** ब्राजील भी 11 बार सुरक्षा परिषद् का अस्थायी सदस्य चुना जा चुका है, जबकि भारत को आठ बार यह अवसर प्राप्त हुआ है.*

1 जनवरी, 2023 से 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद् की संरचना

***5 स्थायी सदस्य**–अमरीका, रूस, फ्रांस, ब्रिटेन व चीन.*

***5 अस्थायी सदस्य जिनकी द्विवर्षीय सदस्यता 31 दिसम्बर 2023 को समाप्त होगी**–अल्बानिया, ब्राजील, गैबॉन घाना व संयुक्त अरब अमीरात.*

***5 अस्थायी सदस्य जिनकी द्विवर्षीय सदस्यता 31 दिसम्बर, 2024 को समाप्त होगी**–जापान, ईक्वेडोर, माल्टा, मोजाम्बिक व स्विट्जरलैण्ड.*

विश्व 2022

जनवरी

1 दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (आरसीईपी) औपचारिक तौर पर लागू हुआ. इसमें चीन, जापान, न्यूज़ीलैंड, आस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, कंबोडिया, लाओस, सिंगापुर, थाइलैण्ड और वियतनाम देश शामिल हुए हैं

4 संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के सभी पांच स्थायी सदस्यों चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमरीका ने संयुक्त बयान जारी करके कहा कि "परमाणु युद्ध जीता नहीं जा सकता है और इसे कभी नहीं लड़ा जाना चाहिए."

16 टेनिस सुपरस्टार नोवाक जोकोविच को कोविड-19 टीकाकरण की उनकी स्थिति के कारण आस्ट्रेलिया से निर्वासित किया गया

फरवरी

4-20 बीजिंग में शीतकालीन ओलंपिक के आयोजन से ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन दोनों खेलों की मेजबानी करने वाला यह पहला शहर बना

24 रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर आक्रमण शुरू किया. इसकी अंतर्राष्ट्रीय निंदा हुई और रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाये गये. राष्ट्रपति व्लोडिमिर जेलेंस्की के नेतृत्व में यूक्रेन ने भी युद्ध का जवाब दिया....युद्ध जारी है

मार्च

4 क्रिकेट के दिग्गज आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शेन वॉर्न का 52 वर्ष की आयु में निधन

9 आस्ट्रेलिया ने अपने पूर्वी तट पर विनाशकारी बाढ़ को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया

21 चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस का विमान गुआंग्शी में दुर्घटनाग्रस्त, उसमें सवार सभी 132 लोगों की मौत

27 अपनी पत्नी पर मजाक़िया टिप्पणी से नाराज़ 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार' विजेता विल स्मिथ ने ऑस्कर के मेजबान क्रिस रॉक को मंच पर थप्पड़ मारा

अप्रैल

11 पाकिस्तान नेशनल असेंबली में अविश्वास मत के बाद इमरान खान को हटाकर शाहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री के रूप में चुना गया

24 इमैनुएल मैक्रॉन ने अपने प्रतिद्वंद्वी मरीन ले पेन को हराकर फ्रांस के राष्ट्रपति के रूप में दूसरा कार्यकाल हासिल किया

मई

4 श्रीलंका में गंभीर आर्थिक संकट से नाराज़ लोगों के बड़े पैमाने पर जनविरोध प्रदर्शन के बीच महिंदा राजपक्षे को प्रधानमंत्री पद छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा

13 ख़लीफ़ा बिन-ज़ायद-अल नाहयान की मृत्यु के बाद मोहम्मद बिन-ज़ायद अल नाहयान संयुक्त अरब अमीरात के तीसरे राष्ट्रपति बने

जून

22 अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान के बीच डुरंड रेखा पर भूकंप से साढ़े ग्यारह सौ से अधिक लोग मारे गए

24 अमरीका सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात के संवैधानिक अधिकार को समाप्त कर दिया

जुलाई

7 ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन अपने नेतृत्व के विरोध में सरकार के शीर्ष अधिकारियों के सामूहिक इस्तीफ़े के बाद पद छोड़ने पर सहमत हुए

8 जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की एक राजनीतिक रैली के दौरान हत्या कर दी गई

20 श्रीलंका में जनविरोध के चलते राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को भी इस्तीफा देना पड़ा, रानिल बिक्रमसिंघे नये राष्ट्रपति बने

25 द्रौपदी मुर्मू ने भारत के 15वें राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण किया, जिससे वह सर्वोच्च पद धारण करने वाली पहली आदिवासी और सबसे कम उम्र की राष्ट्रपति बनीं

अगस्त

2 अमरीका हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी की यात्रा के विरोध में चीन ने ताइवान के आसपास अपने सबसे बड़े सैन्य अभ्यास का प्रदर्शन किया

28 पाकिस्तान में भारी बारिश के कारण देश का एक तिहाई हिस्सा पानी में डूबने के बाद 'जलवायु आपदा' की घोषणा की गयी, इससे तीन करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हुए

30 सोवियत संघ के अंतिम राष्ट्रपति मिख़ाइल गोर्बाच्योव का 91 वर्ष की आयु में निधन

जून से अगस्त भीषण गर्मी की लहरों ने यूरोप के कई हिस्सों को प्रभावित किया, जिससे जंगल में आग लग गई और गर्मी के कारण मौतें हुईं

सितंबर

6 लिज़ ट्रस ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया

8 महारानी एलिजाबेथ II के 96 वर्ष की आयु में निधन के बाद सबसे बड़े बेटे चार्ल्स III सम्राट बनें

16 ईरान में हिजाब ठीक से न पहनने के कारण देश की 'मॉरल पुलिस' की हिरासत में 22 वर्षीया महसा अमिनी की मौत के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए

30 रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के चार क्षेत्रों को रूस में शामिल करने वाली संधि पर हस्ताक्षर किए

अक्टूबर

22 दक्षिणपंथी नेता जियोर्जिया मेलोनी ने इटली की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली

23 चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव के रूप में रिकॉर्ड तीसरी बार पांच साल के लिए चुना गया

25 लिज़ ट्रस ने अपनी नीतियों के के कारण उपजे वित्तीय संकट के बाद पद छोड़ा और ऋषि सुनक ब्रिटेन के पहले गैर-श्वेत प्रधानमंत्री बनें

28 एलॉन मस्क ने 44 बिलियन अमरीका डॉलर देकर ट्विटर का अधिग्रहण किया

30 ब्राज़ील के पूर्व राष्ट्रपति और वामपंथी नेता लुइज़ इनासियो लूला डा सिल्वा ने राष्ट्रपति चुनाव में शानदार वापसी की

नवंबर

11 यूक्रेनी सेना ने खेरसॉन को पुनः अपने कब्ज़े में लिया, युद्ध के दौरान इस इकलौती प्रदेश राजधानी पर रूस ने कब्ज़ा कर लिया था

13 अमरीका मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेट्स ने सीनेट पर नियंत्रण बनाए रखा

15 दुनिया की आबादी 8 अरब को पार कर गई

दिसंबर

7 बड़े पैमाने पर विरोध के बाद चीन ने कोविड के कड़े प्रतिबंधों में ढील दी

13 यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोडिमिर जेलेंस्की को टाइम पत्रिका ने 'पर्सन ऑफ द इयर घोषित किया

18 अर्जेंटीना ने क़तर में आयोजित फीफा विश्व कप जीता

29 ब्राज़ील के दिग्गज फुटबाल खिलाड़ी पेले का 82 वर्ष की आयु में निधन

KBK Infographics

विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं में भारत की छह महिलाएं

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण

निर्मला सीतारमण

फोर्ब्स की सर्वाधिक शक्तिशाली महिलाओं की वर्ष 2022 की सूची में 36वें स्थान पर रही. 63 वर्षीय श्रीमती सीतारमण मई 2019 से भारत की वित्त मंत्री हैं. मई 2014 से सितम्बर 2017 के दौरान वह भारत की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री तथा सितम्बर 2017 से मई 2019 के दौरान देश की रक्षा मंत्री भी वह रह चुकी हैं. उन्हें लगातार चौथी बार विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली महिलाओं की फोर्ब्स सूची में स्थान मिला है. वर्ष 2019 की फोर्ब्स की इस सूची में उनका 34वाँ स्थान था, जबकि 2020 में 42वें स्थान पर तथा 2021 में 37वें स्थान पर वह थीं.

रोशनी नाडर मल्होत्रा

रोशनी नाडर मल्होत्रा एचसीएल के संस्थापक चेयरमैन शिव नाडर की इकलौती संतान हैं. वह आईटी क्षेत्र की इस मल्टीनेशनल कम्पनी की चेयरपर्सन हैं. वर्ष 2010 में शिखर मल्होत्रा के साथ उनका विवाह हुआ था. शिखर मल्होत्रा एचसीएल के वाइस चेयरमैन हैं. 41 वर्षीय श्रीमती रोशनी नाडर मल्होत्रा को पहले एक आकलन में देश की सर्वाधिक सम्पन्न महिला बताया गया था. फोर्ब्स ने विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं की वर्ष 2018, 2019, 2020 व 2021 की सूची में भी उन्हें स्थान प्रदान किया था. 2019 की सूची में इनका 54वाँ स्थान था, जो 2020 में 55वाँ, 2021 में 52वाँ था तथा 2022 में 53वाँ है.

रोशनी नाडर मल्होत्रा

किरण मजूमदार शॉ

किरण मजूमदार शॉ

68 वर्षीय किरण मजूमदार शॉ (Kiran Mazumdar-Shaw) बायो टेक्नोलॉजी क्षेत्र की बेंगलूरू स्थित कम्पनी बायोकॉन की चेयरपर्सन हैं. वह बेंगलूरू स्थित इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (IIM) की चेयरपर्सन भी रह चुकी हैं. फोर्ब्स ने वर्ष की सर्वाधिक शक्तिशाली महिलाओं की वर्ष 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020 व 2021 की सूची में भी स्थान उन्हें प्रदान किया था. वर्ष 2019 में फोर्ब्स की इस सूची में इनका 65वाँ स्थान था, जो 2020 में 68वाँ, 2021 में 72वाँ था तथा इस वर्ष 2022 में 77वाँ है. उद्योग व्यापार जगत् के अनेक पुरस्कारों से वह सम्मानित किरण मजूमदार शॉ को भारत सरकार ने पद्मश्री (1989) व पद्म भूषण (2005) से सम्मानित किया था.

फागुनी नायर

फागुनी नायर

58 वर्षीय फागुनी नायर (Falguni Nayar) सौन्दर्य उत्पाद कम्पनी नायका (Nykaa) की संस्थापक व सीईओ हैं. 2021 की सूची में इनका 88वाँ स्थान था, जो इस वर्ष 2022 की सूची में 89वाँ है. आईआईएम अहमदाबाद से परास्नातक की उपाधि प्राप्त फागुनी नायर ने पढ़ाई समाप्त करने के पश्चात् कोटक महिंद्रा ग्रुप में नौकरी 1993 में शुरू की थी. 2005 में वह इस कम्पनी में प्रबन्ध निदेशक नियुक्त की गई थीं. बाद में 2012 में नौकरी छोड़कर अपनी स्वयं की सौन्दर्य उत्पाद कम्पनी नायका (Nykaa) की स्थापना उन्होंने की थी. फोर्ब्स ने श्रीमती फागुनी नायर को भारत की सर्वाधिक धनी 'सेल्फ मेड' महिलाओं में से एक बताया है.

माधवी पुरी बुच

माधवी पुरी बुच

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (IIM) अहमदाबाद से एमबीए की उपाधि प्राप्त श्रीमती माधवी पुरी बुच फाइनेंशियल सेक्टर में काफी समय से सक्रिय रही हैं. आईसीआईसीआई बैंक में विभिन्न पदों पर रहने के पश्चात् आईसीआईसीआई सिक्युरिटीज में एमडी व सीईओ वह रहीं तथा सिंगापुर में ग्रेटर पैसिफिक कैपिटल एलएलपी के साथ भी वह रही थीं. शंघाई स्थित न्यू डेवलपमेंट बैंक में भी कार्य कर चुकी माधवी पुरी बुच 1 मार्च, 2022 से सिक्युरिटीज एण्ड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (SEBI) की अध्यक्ष हैं. 'सेबी' की अध्यक्ष बनने वाली वह पहली महिला हैं.

सोमा मंडल

सोमा मंडल

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (NIT), राउरकेला से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में उपाधि प्राप्त श्रीमती सोमा मंडल को धातु उद्योग में कार्य का 35 वर्षों से अधिक अनुभव है. एल्युमिनियम क्षेत्र की कम्पनी नाल्को (NALCO) से अपने कॅरियर की शुरूआत उन्होंने की थी. बाद में भारतीय इस्पात प्राधिकरण (SAIL) के साथ निदेशक (वाणिज्यिक) के रूप में वह जुड़ी. 1 जनवरी, 2021 से सार्वजनिक क्षेत्र की इस कम्पनी की वह चेयरपर्सन है. इस महारत्न कम्पनी की चेयरपर्सन बनने वाले वह पहली महिला है.

एचसीएल कॉर्पोरेशन की रोशनी नाडर मल्होत्रा, बायोकॉन की किरण मजूमदार शॉ व नायका की फागुनी नायर के नाम भी पिछले वर्ष की 100 शक्तिशाली महिलाओं की इस सूची में शामिल थे तथा उनके क्रमशः 52वाँ, 72वाँ व 88वाँ स्थान इस सूची में था. वर्ष 2022 की ताजा सूची में रोशनी नाडर मल्होत्रा 53वें माधवी पुरी बुच 54वें, सोमा मंडल 67वें, किरण मजूमदार शॉ 77वें तथा फागुनी नायर 89वें स्थान पर हैं. सेबी चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच तथा सेल की चेयरपर्सन सोमा मंडल को पहले वर्ष ही सबसे शक्तिशाली महिलाओं की फोर्ब्स सूची में स्थान मिला है, जबकि शेष चारों पिछले वर्ष भी इस सूची में थीं. पिछले वर्ष 2021 की सबसे शक्तिशाली महिलाओं की फोर्ब्स सूची में भारत की 4 महिलाएं ही शामिल की गई थीं, जबकि 2020 में भारत की 3 महिलाएं ही इस सूची में स्थान पा सकी थीं.

अमरीकी पत्रिका फोर्ब्स (Forbes) द्वारा विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं (Most Powerful Women) की सूची वर्ष 2004 से प्रतिवर्ष जारी की जाती रही है. इस सूची के लिए 6 विभिन्न श्रेणियों में शक्तिशाली महिलाओं का चिह्नांकन किया जाता है. इनमें वित्त (Finance), व्यापार, लाइफ-स्टाइल (मनोरंजन व फैशन सहित), मीडिया, टेक्नोलॉजी व पॉलिटिक्स शामिल हैं. विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली महिलाओं की फोर्ब्स की वर्ष 2022 की यह सूची इस शृंखला में फोर्ब्स की 19वीं वार्षिक सूची है. इस वर्ष 2022 की सूची में शामिल 100 महिलाओं में 10 विभिन्न राष्ट्रों की राष्ट्राध्यक्ष हैं.

अमरीका में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता

अमरीकी कांग्रेस द्वारा समलैंगिक विवाह विधेयक (Same Sex Marriage Bill) पारित किए जाने के पश्चात् अब अमरीका भी इन देशों में शामिल हो गया है जहाँ समलैंगिक विवाहों को वैधानिक मान्यता प्राप्त है. इसके लिए विधेयक प्रतिनिधि सभा ने जुलाई 2022 में ही 267-157 के मतांतर से पारित कर दिया था तथा सीनेट की मंजूरी इसे 29 नवम्बर, 2022 को प्राप्त हुई. सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों के साथ-साथ कुछ रिपब्लिकंस का भी समर्थन मिल जाने से सीनेट ने 36 के मुकाबले 61 मतों के बहुमत से इसे पारित किया. सीनेट द्वारा पारित विधेयक को एक बार पुनः प्रतिनिधि

सभा के अनुमोदन के पश्चात् राष्ट्रपति का अनुमोदन भी 14 दिसम्बर को प्राप्त हो गया. इससे समलैंगिक विवाहों को अमरीका में कानूनी मान्यता अब प्राप्त हो गई है.

अद्यतन उपलब्ध जानकारी के अनुसार विश्व में ऐसे देशों की संख्या, जहाँ समलैंगिक विवाहों को वैधानिक मान्यता प्राप्त है अब 33 गई है. इनमें अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, ब्राजील, कनाडा, डेनमार्क, फिनलैण्ड, फ्रांस, जर्मनी, मेक्सिको, न्यूजीलैण्ड, नॉर्वे, नीदरलैण्ड, पुर्तगाल, स्लोवेनिया, स्वीडन व यूनाइटेड किंगडम आदि शामिल हैं.

म्यांमार की लोकतंत्रवादी नेता आंग सान सू की को भ्रष्टाचार के मामलों में सात वर्ष के कारावास की और सजा

म्यांमार की लोकतंत्रवादी नेता आंग सान सू की (Aung San Suu Kyi) को सात वर्ष के कारावास की और सजाएं म्यांमार की एक सैन्य अदालत ने 30 दिसम्बर, 2022 को सुनाई हैं. 2018-2021 के दौरान म्यांमार में स्टेट काउंसलर रही आंग सान सू की को फरवरी 2021 के सैन्य तख्ता पलट के पश्चात् विगत 18 महीनों में 20 से अधिक मामलों में विभिन्न सजाएं पहले ही सुनाई जा चुकी थीं. सैन्य न्यायालय के ताजा फैसले से उन्हें अब 33 वर्ष जेल में बिताने होंगे.

आंग सान सू की

ज्ञातव्य है कि नोबेल शांति पुरस्कार (1991) विजेता आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार का सेना ने फरवरी 2021 में तख्ता पलट दिया था, जिसके बाद सैन्य शासन ने सू की सहित अनेक नेताओं को जेल में निरुद्ध कर विभिन्न मामलों में सजाएं उन्हें सुनाई हैं. इन सभी मामलों को विश्व के अनेक मानवाधिकार संगठनों ने फर्जी बताया है.

इजरायल में बेंजामिन नेतान्याहू छठी बार प्रधानमंत्री बने

इजरायल में 1 नवम्बर, 2022 को सम्पन्न संसदीय चुनावों के पश्चात् पूर्व प्रधानमंत्र बेंजामिन नेतान्याहू (Benjamin Netanyahu) के नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी गठबंधन ने आवश्यक बहुमत प्राप्त करके सत्ता में वापसी यद्यपि तभी सुनिश्चित कर ली थी तथापि गठबंधन वाले दलों के साथ शर्तों पर सहमति बनने में 2 माह का समय नेतान्याहू को लगा जिससे 29 दिसम्बर, 2022 को प्रधानमंत्री पद की शपथ उन्होंने ग्रहण की है. 1996-99 तथा 2009 से 2021 के दौरान कुल मिलाकर पाँच बार पहले ही प्रधानमंत्री रहे नेतान्याहू अब छठी बार प्रधानमंत्री 29 दिसम्बर, 2022 से बने हैं. 120 सदस्यीय नेसेट (Knesset, इजरायल की संसद) में 63 सीटें नेतान्याहू के नेतृत्व वाले गठबंधन को प्राप्त हुई हैं जिसमें सर्वाधिक 32 सीटें उनकी लिकुड (Likud) पार्टी की ही है. उनके नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन में सभी दक्षिणपंथी दल ही शामिल हैं. इनमें लिकुड पार्टी (32 सीटें) के अतिरिक्त धुर दक्षिणपंथी जिओनिस्ट पार्टी (14), शास (11) व यूनाइटेड तोराह (7) पार्टी शामिल हैं. इस प्रकार 120 सदस्यीय नेसेट में 63 सांसदों का समर्थन उन्हें प्राप्त है. निवर्तमान प्रधानमंत्री याइर लापिद की येश आतिद (Yesh Atid) पार्टी की सीटों की संख्या 24 इस चुनाव में रही थी.

बेंजामिन नेतान्याहू : छठी बार इजरायल के प्रधानमंत्री

छठी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण करने से पूर्व नेसेट (Knesset) में अपने सम्बोधन में नेतान्याहू ने कहा कि उनकी सरकार के तीन 'राष्ट्रीय लक्ष्य' ईरान को परमाणु आयुधों की ओर बढ़ने से रोकना, पूरे देश में बुलेट ट्रेन चलाना तथा अब्राहम समझौतों के दायरे में और अधिक अरब देशों को लाना है.

नेपाल में पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' के नेतृत्व में वाम दलों की सरकार का गठन

नेपाल में 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा के लिए 20 नवम्बर, 2022 को सम्पन्न चुनाव के पश्चात् त्रिशंकु सदन के अस्तित्व में आने के कारण नई सरकार के गठन में विलम्ब हुआ. प्रत्यक्ष मतदान वाली सीटों के साथ-साथ आनुपातिक प्रणाली वाली सीटों को शामिल करते हुए निवर्तमान प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व वाली नेपाली कांग्रेस को 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में सर्वाधिक 89 सीटें इस चुनाव में प्राप्त हुई. चुनाव से पहले विपक्ष में रही **के.पी. शर्मा 'ओली' के नेतृत्व वाली सीपीएन (यूएमएल) की सीटों की संख्या दूसरे स्थान पर 78 रही, जबकि पुष्प कमल दहल के नेतृत्व वाली सीपीएन–माओइस्ट सेंटर (CPN–Maoist Centre) की सीटों की संख्या तीसरे स्थान पर 32 इस चुनाव के पश्चात् रही है,** शेष अन्य छोटे दलों के खाते में गई. इनमें राबी लमिधने के नेतृत्व वाली आरएसपी की 20, राजेन्द्र लिंगडेन के नेतृत्व वाली आरपीपी की 14, उपेन्द्र यादव के नेतृत्व वाली पीएसवी-एन की 12 तथा माधव कुमार नेपाल के नेतृत्व वाली यूनीफाइड सोशलिस्ट की 10 सीटें शामिल हैं.

प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते हुए पुष्प कमल दहल 'प्रचंड'

प्रतिनिधि सभा में दलगत स्थिति

नेपाली कांग्रेस (पार्टी नेता शेर बहादुर देउबा)	89
कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनीफाइड मार्किस्ट-लेनिनिस्ट) (नेता के. पी. शर्मा ओली)	78
कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) (नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड)	32
राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP)	20
राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (RPP)	14
पीपुल्स सोशलिस्ट पार्टी (नेपाल)	12
कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनीफाइड सोशलिस्ट)	10
अन्य	20
योग	**275**

प्रतिनिधि सभा की 275 सीटों में से 165 सीटें प्रत्यक्ष मतदान द्वारा (Through direct voting) इन दलों ने जीती, जबकि 110 सीटें आनुपातिक चुनाव प्रणाली (Proportionate electoral system) के तहत् चुनाव आयोग द्वारा इन्हें आवंटित की गईं.

प्रतिनिधि सभा में सीटों की उपर्युक्त स्थिति के चलते कोई भी पार्टी अथवा चुनाव पूर्व गठबंधन सरकार के गठन की स्थिति में नहीं था. सबसे ज्यादा सीटों वाला नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाला सत्तारूढ़ गठबंधन 136 सीटों का समर्थन ही जुटा सका था (जबकि सरकार के गठन के लिए 138 सदस्यों का बहुमत आवश्यक था). ऐसे में एक माह के भी अधिक समय तक चली राजनीतिक कसरत के पश्चात् अन्ततः 35वें दिन, जोकि सरकार के गठन के लिए अंतिम समय-सीमा संविधान के तहत् थी, सभी पूर्वानुमानों व गठजोड़ों को ध्वस्त करते हुए माओवादी नेता पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' के नेतृत्व में नई सरकार का गठन वहाँ हुआ है. **चुनाव से पूर्व नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा रहे प्रचंड ने अब के.पी. शर्मा 'ओली' के नेतृत्व वाली सीपीएन (यूएमएल) के साथ गठबंधन कर सरकार का गठन वहाँ 26 दिसम्बर, 2022 को किया है. सरकार के गठन के लिए सम्पन्न समझौते के तहत् माओइस्ट सेंटर के प्रचंड ढाई वर्ष तक सरकार का नेतृत्व करेंगे, जबकि शेष ढाई वर्ष सीपीएन (यूएमएल) ने नेता के. पी. शर्मा 'ओली' प्रधानमंत्री रहेंगे.** वामपंथी विचारधारा पाँच अन्य

शेष पृष्ठ 42 पर

आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना समाप्त : निर्धनों को अब खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत् एक वर्ष तक मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने का सरकार का निर्णय
- रेपो दर में लगातार पाँचवीं बार वृद्धि
- सत्र 2023 हेतु कोपरा के नए न्यूनतम समर्थन मूल्य
- थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रा-स्फीति नवम्बर 2022 में 21 माह के निम्नतम स्तर पर
- नवम्बर 2022 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 11 माह के निम्नतम स्तर पर
- औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति नवम्बर 2022 में 5·41 प्रतिशत
- जून 2022 की तुलना में सितम्बर 2022 के अन्त में भारत पर विदेशी ऋण में कमी : वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट
- 2022-23 की दूसरी तिमाही में चालू खाते के घाटे में भारी वृद्धि : रिजर्व बैंक के आँकड़े
- जीडीपी के प्रतिशत के रूप में चालू खाते का घाटा
- लघु बचत योजनाओं पर भी ब्याज दरों में पुनः वृद्धियाँ
- भारत-आस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता प्रभावी हुआ

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना समाप्त : निर्धनों को अब खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत् एक वर्ष तक मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने का सरकार का निर्णय

कोविड-19 महामारी से प्रभावित निर्धनों को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए अप्रैल 2000 में शुरू की गई प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY) दिसम्बर 2022 में समाप्त हो चुकी है. इस योजना के तहत् राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) के तहत् आने वाले सभी लाभार्थियों को 5 किग्रा अनाज प्रतिमाह उपलब्ध कराया जा रहा था. गरीब कल्याण अन्न योजना की समाप्ति के पश्चात् इसके तहत् उपलब्ध कराए जाने वाले मुफ्त अनाज की सुविधा अब राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत् एक वर्ष तक (दिसम्बर 2023 तक) उपलब्ध कराने का निर्णय सरकार ने लिया है.

सरकार के इस निर्णय के तहत् राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (National Food Security Act—NFSA) के दायरे में आने वाले सभी 81·35 करोड़ लाभार्थियों को एक वर्ष तक प्रति व्यक्ति 5 किग्रा खाद्यान्न प्रतिमाह उपलब्ध कराया जाएगा. सरकार की यह नई पहल 1 जनवरी, 2023 से लागू होगी. अभी तक इससे पूर्व ₹ 3 प्रति किग्रा मूल्य पर चावल, ₹ 2 प्रति किग्रा मूल्य पर गेहू तथा ₹ 1 प्रति किग्र मूल्य पर मोटा अनाज इस अधिनियम के तहत् लाभार्थियों को उपलब्ध कराया जा रहा था. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रि-मण्डल द्वारा लिए गए निर्णय के तहत् इन लाभार्थियों को 5 किग्रा प्रति व्यक्ति अनाज अब 1 वर्ष तक (दिसम्बर 2023) निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा. इस सम्बन्ध में उप-भोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की 23 दिसम्बर, 2022 की विज्ञप्ति में बताया गया है कि एनएफएस एक्ट के तहत् ₹ 2 लाख करोड़ से अधिक सब्सिडी का वहन सरकार द्वारा इस वर्ष किया जाएगा.

ज्ञातव्य है कि कोविड-19 महामारी काल में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना 1 अप्रैल, 2020 से शुरू की गई थी. इस योजना के सात चरण दिसम्बर 2022 तक पूरे हुए थे. इस योजना का पहला चरण अप्रैल-जून 2020 के दौरान, दूसरा जुलाई-नवम्बर 2020 के दौरान, तीसरा मई-जून 2021 के दौरान, चौथा जुलाई-नवम्बर 2021 के दौरान, पाँचवाँ दिसम्बर 2021-मार्च 2022 के दौरान, छठा मार्च-सितम्बर 2022 के दौरान तथा सातवाँ अन्तिम चरण अक्टूबर-दिसम्बर 2022 के दौरान लागू किया गया था. इन सात चरणों में योजना के तहत् कुल खाद्यान्न आवंटन 1121 लाख मीट्रिक टन तथा योजना पर सरकार का कुल परिव्यय ₹ 3·91 लाख करोड़ अनुमानित है.

रेपो दर में लगातार पाँचवीं बार वृद्धि

देश विदेश में स्फीतिक दबाव की स्थिति को देखते हुए मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण ही भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति का सर्वोपरि उद्देश्य विगत् कुछ महीनों से बना हुआ है, जिसके चलते विगत् सात माह में लगातार पाँच बार रेपो दर में वृद्धि इसने की है. 8 अप्रैल, 2022 को, चालू वित्तीय वर्ष (2022-23) में मौद्रिक नीति की पहली समीक्षा के समय रेपो दर 4·00 प्रतिशत थी, जिसे बढ़ाकर 4 मई को 4·40 प्रतिशत, 8 जून को 4·90 प्रतिशत, 5 अगस्त को 5·40 प्रतिशत तथा 30 सितम्बर, 2022 को 5·90 प्रतिशत आरबीआई ने किया था. रेपो दर में वृद्धि के साथ-साथ सम्बद्ध दरों (बैंक दर, मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी रेट तथा स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी रेट में भी इतनी ही वृद्धियाँ उन्हीं तिथियों में होती रही थी.

चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में मौद्रिक नीति की छठी समीक्षा 5–7 दिसम्बर, 2022 को आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति द्वारा की गई, जिसमें रेपो दर में एक बार पुनः 0·35 प्रतिशत बिन्दु की वृद्धि आर-बीआई ने की है, जिससे 7 दिसम्बर, 2022 से यह दर 5·90 प्रतिशत से बढ़कर 6·25 प्रतिशत हो गई है, जो फरवरी 2019 के पश्चात् इसका सर्वोच्च स्तर है. मई 2022 के प्रारम्भ में रेपो दर जो 4·00 प्रतिशत थी, अब सात माह में 2·25 प्रतिशत बिन्दु की वृद्धि के साथ 7 दिसम्बर से 6·25 प्रतिशत हो गई है, रेपो रेट में वृद्धि से बैंक ऋणों पर ब्याज की दरों में वृद्धि होगी.

रेपो रेट में ताजा 0·35 प्रतिशत बिन्दु की वृद्धि से इतनी ही वृद्धियों सम्बद्ध दरों में 7 दिसम्बर, 2022 से हो गई है तथा स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी (SDF) रेट 5·65 प्रतिशत से बढ़कर 6·00 प्रतिशत, मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (MSF) रेट 6·15 प्रतिशत से बढ़कर 6·50 प्रतिशत तथा बैंक रेट भी 6·15 प्रतिशत से बढ़कर 6·50 प्रतिशत हो गया है.

स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी रेट को आरबीआई ने पहली बार 2022-23 की पहली मौद्रिक नीति की घोषणा के तहत् ही शुरू किया था. अर्थव्यवस्था में सरप्लस तरलता को अवशोषित करने के लिए अति अल्पकालिक जमाओं के लिए बैंकों को देय यह दर रेपो दर से 0·25 प्रतिशत बिन्दु नीचे ही रहती है. 7 दिसम्बर, 2022 से रेपो दर 6·25 करने से यह दर 6·00 प्रतिशत हो गई है.

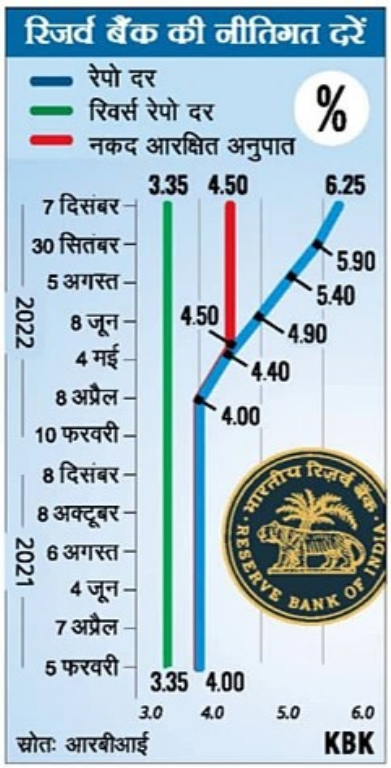

चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में जीडीपी में वृद्धि 7·8 प्रतिशत रहने का अनुमान रिजर्व बैंक ने फरवरी 2022 में व्यक्त किया था जिसे घटाकर 7·2 प्रतिशत रिजर्व बैंक ने अप्रैल 2022 में कर दिया था. जिसे 8 जून व 5 अगस्त, 2022 की मौद्रिक नीतियों में भी बरकरार रखा गया था. 2022-23 में जीडीपी में वृद्धि के अपने इस पूर्वानुमान को 30 सितम्बर की मौद्रिक नीति समीक्षा में (7·2 प्रतिशत) से घटाकर 7·0 प्रतिशत रिजर्व बैंक ने किया था. **इस पूर्वानुमान में पुनः 0·2 प्रतिशत बिन्दु की कटौती रिजर्व बैंक ने 7 दिसम्बर को की है. तद्नुरूप 2022-23 में देश के जीडीपी में वृद्धि 6·8 प्रतिशत रहने का ही ताजा पूर्वानुमान रिजर्व बैंक ने 7 दिसम्बर, 2022 की मौद्रिक नीति में व्यक्त किया है.** 2022-23 की पहली तिमाही (Q_1) में जीडीपी में वृद्धि 13·5 प्रतिशत व दूसरी तिमाही (Q_2) में यह 6·3 प्रतिशत रही है. 2022-23 की तीसरी तिमाही Q_3 में यह 4·4 प्रतिशत तथा चौथी तिमाही Q_4 में यह 4·2 प्रतिशत रहने का आरबीआई का ताजा अनुमान है. 2023-24 की पहली तिमाही में यह 7·1 प्रतिशत तथा दूसरी तिमाही Q_2 में यह 5·9 प्रतिशत रहने का आरबीआई का ताजा पूर्वानुमान है. 2022-23 में मुद्रा स्फीति 6·7 प्रतिशत ही रहने का आरबीआई का पूर्वानुमान बरकरार है. Q_3 में यह 6·6 प्रतिशत तथा Q_4 में यह 5·9 प्रतिशत रहने का अनुमान है.

7 दिसम्बर, 2022 की मौद्रिक नीति : मुख्य बिन्दु एक दृष्टि में

- रेपो दर में 0·35 प्रतिशत बिन्दु की वृद्धि से यह दर 6·25 प्रतिशत हुई.
- मई 2022 से दिसम्बर 2022 तक रेपो दर में 2·25 प्रतिशत बिन्दु की पाँच चरणों में वृद्धियाँ
- स्फीतिक दबाव पर नियंत्रण ही इन वृद्धियों का मुख्य उद्देश्य.
- रेपो दर में 0·35 प्रतिशत बिन्दु की वृद्धि के साथ ही सम्बन्धित दरों में इतना ही परिवर्तन; बैंक दर व सीमांत स्थायी सुविधा (MSF) दर 0·35–0·35 प्रतिशत बिन्दु बढ़कर 6·50–6·50 प्रतिशत हुई, जबकि स्टैंडिंग डिपोजिट फैसिलिटी (SDF) रेट 5·65 प्रतिशत से बढ़कर 6·00 प्रतिशत हुआ.
- 2022-23 में देश की जीडीपी में वृद्धि का पूर्वानुमान अब 7·0 प्रतिशत से घटकर अब 6·8 प्रतिशत
- 2022-23 में Q_1 में वृद्धि 13·5 प्रतिशत व Q_2 में वृद्धि 6·3 प्रतिशत रही Q_3 में यह 4·4 प्रतिशत तथा Q_4 में वृद्धि 4·2 प्रतिशत रहने के ताजा पूर्वानुमान.
- 2023-24 में पहली तिमाही (Q_1) से आर्थिक वृद्धि 7·1 प्रतिशत तथा दूसरी तिमाही Q_2 में यह 5·9 प्रतिशत रहने का ताजा पूर्वानुमान.
- 2022-23 में खुदरा मुद्रा स्फीति 6·7 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान बरकरार.
- मुद्रा स्फीति की दर 2022-23 की तीसरी तिमाही Q_3 में 6·6 प्रतिशत व Q_4 में 5·9 प्रतिशत रहने का आरबीआई का पूर्वानुमान.

2022-23 में प्रमुख बैंकिंग दरें (प्रतिशत)

	8 अप्रैल, 2022 की स्थिति	4 मई, 2022 की स्थिति	8 जून, 2022 की स्थिति	5 अगस्त, 2022 की स्थिति	30 सितम्बर, 2022 की स्थिति	7 दिसम्बर, 2022 की स्थिति
रेपोदर	4·00	4·40	4·90	5·40	5·90	6·25
रिवर्स रेपो दर	3·35	3·35	3·35	3·35	3·35	3·35
स्टैंडिंग डिपॉज़िट फैसिलिटी (SDF) रेट	3·75	4·15	4·65	5·15	5·65	6·00
मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (MSF) रेट	4·25	4·65	5·15	5·65	6·15	6·50
बैंक रेट	4·25	4·65	5·15	5·65	6·15	6·50
नकद आरक्षण अनुपात (CRR)	4·00	4·50*	4·50	4·50	4·50	4·50
सांविधिक तरलता अनुपात	18·00	18·00	18·00	18·00	18·00	18·00

* यह दर 21 मई, 2022 से 4·50 प्रतिशत की गई थी.

अन्य दरों में कोई परिवर्तन 7 दिसम्बर, 2022 की नीति के तहत् नहीं किया गया है जिससे रिवर्स रेपो दर 3·35 प्रतिशत, नकद आरक्षण अनुपात (CRR) 4·50 प्रतिशत तथा सांविधिक तरलता अनुपात (SLR) 18·00 प्रतिशत पर बरकरार है.

2023-24 में Q_1 व Q_2 में मुद्रा स्फीति की दर क्रमशः 5·0 प्रतिशत तथा 5·4 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान आरबीआई ने 7 दिसम्बर, 2022 की समीक्षा में व्यक्त किया है.

मौद्रिक नीति समिति की आगामी बैठक 6–8 फरवरी, 2023 को प्रस्तावित है.

सत्र 2023 हेतु कोपरा के नए न्यूनतम समर्थन मूल्य

केन्द्र सरकार ने सत्र 2023 के लिए कोपरा (नारियल) के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा 23 दिसम्बर, 2022 को की. प्रधानमंत्री श्रीनरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमण्डल की समिति (CCEA) द्वारा लिए गए निर्णय के तहत् औसत गुणवत्ता वाले मिलिंग कोपरा (Milling Copra) का न्यूनतम समर्थन मूल्य ₹10590 प्रति क्विंटल से बढ़ाकर ₹10860 प्रति क्विंटल किया गया है, जबकि बाल कोपरा का समर्थन मूल्य ₹11000 प्रति क्विंटल से बढ़ाकर ₹ 11750 प्रति क्विंटल किया गया है. इस प्रकार मिलिंग कोपरा के समर्थन मूल्य में ₹ 270 प्रति क्विंटल तथा बाल कोपरा के समर्थन मूल्य में ₹ 750 प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है.

कोपरा के समर्थन मूल्य से यह वृद्धियाँ कृषिगत लागत एवं मूल्य आयोग (Commission for Agricultural Costs and

Prices–CAP) की संस्तुतियों के आधार पर की गई हैं. नए घोषित किए गए समर्थन मूल्य कोपरा के लिए अखिल भारतीय औसत लागत पर मिलिंग कोपरा की अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत (All India weighted average cost of production) पर 51·82 प्रतिशत तथा बॉल कोपरा के लिए 64·26 प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करेंगे. यह अखिल भारतीय औसत लागत के कम-से-कम डेढ़ गुना स्तर पर न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने के सिद्धान्त, जिसकी घोषणा सरकार ने 2018-19 के बजट में की थी, के अनुरूप है.

ज्ञातव्य है कि नारियल के कुल उत्पादन व उत्पादकता के मामले में भारत का विश्व में पहला स्थान है.

थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति नवम्बर 2022 में 21 माह के निम्नतम स्तर पर

खाद्य वस्तुओं विशेषतः फलों व सब्जियों, ईंधन व विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में नरमी के चलते थोक मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 2011-12) आधारित मुद्रास्फीति की दर में भी घटकर नवम्बर 2022 में 5·85 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो कि विगत 21 माह में इसका निम्नतम स्तर है. थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की इससे कम दर पिछली बार फरवरी 2021 में थी, जब यह 4·83 प्रतिशत थी. देश में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर में गिरावट का सिलसिला मई 2022 के बाद से ही जारी है. लगातार द्विअंकीय बनी हुई यह दर अक्टूबर 2022 में एक अंकीय (8·39 प्रतिशत) हुई थी तथा अब नवम्बर 2022 में यह 5·85 प्रतिशत हुई है जो मार्च 2021 के बाद इसका सबसे निचला स्तर है. मुद्रास्फीति की यह दर जारी करते हुए उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय की 14 दिसम्बर, 2022 की विज्ञप्ति में बताया गया है कि नवम्बर 2022 में मुद्रास्फीति की दर में कमी आने की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों, मूल धातुओं, कपड़ा, रसायन, कागज व इससे बने उत्पादों के मूल्यों में गिरावट आना है.

थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आँकड़े केन्द्र सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रति माह जारी किए जाते हैं. नवम्बर 2022 में मुद्रास्फीति की दर के अनंतिम आँकड़े मंत्रालय द्वारा 14 दिसम्बर, 2022 को जारी किए गए. इन आँकड़ों में बताया गया है कि थोक मूल्य सूचकांक, जिसका आधार वर्ष 2011-12 है, सभी वस्तुओं के मामले में नवम्बर 2022 में 152·1 (अनंतिम) रहा था, जबकि एक माह पूर्व अक्टूबर 2022 में 152·5 तथा एक वर्ष पूर्व नवम्बर 2021 में 143·7 था. फूड इंडेक्स अक्टूबर 2022 में 177·5 रहने के पश्चात् यह नवम्बर 2022 में 174·3 (अनंतिम) हो गया था.

थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति के आँकड़े वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आन्तरिक व्यापार विभाग (Department for Promotion of Industry and Internal Trade) के आर्थिक सलाहकार कार्यालय (Office of the Economic Advisor) द्वारा प्रतिमाह 14 तारीख को (अवकाश की की स्थिति में अगले दिन) जारी किए जाते हैं.

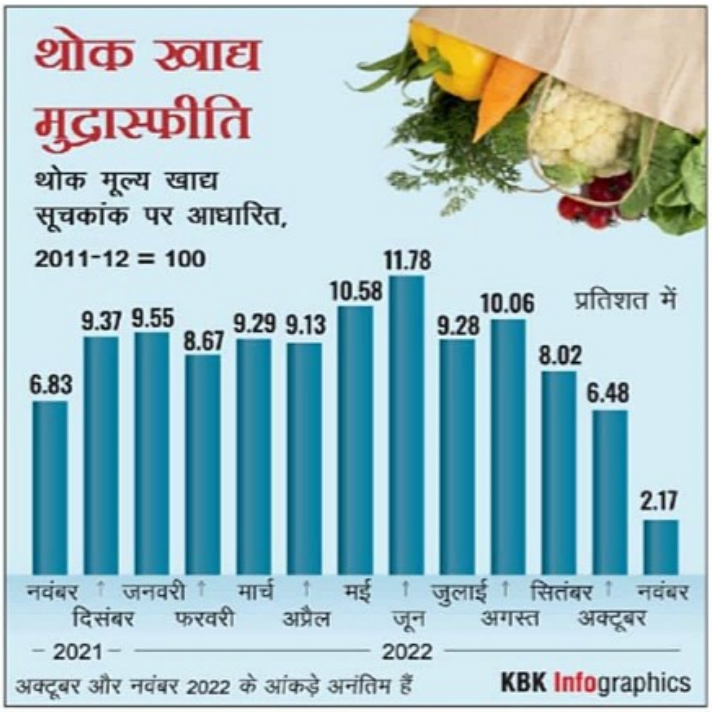

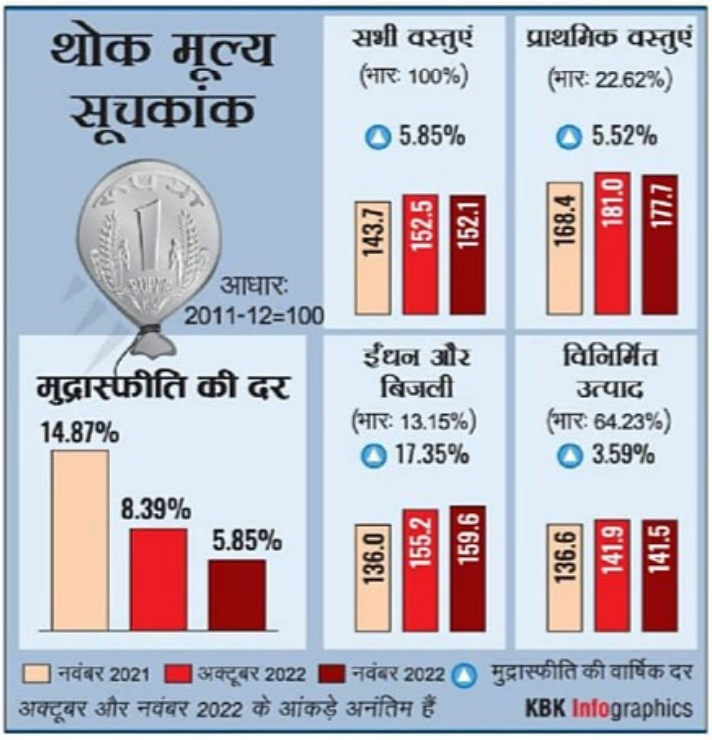

नवम्बर 2022 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 11 माह के निम्नतम स्तर पर

खाद्य पदार्थों, विशेषतः सब्जियों के मूल्यों में गिरावट के चलते देश में खुदरा मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति ने कुछ राहत नवम्बर 2022 में प्रदान की है. **राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (NSO) के अनंतिम आँकड़ों के अनुसार सन्दर्भित माह (नवम्बर 2022) में यह दर 5·88 प्रतिशत रही है, जो विगत 11 महीनों में इसका निम्नतम स्तर है.** एक माह पूर्व अक्टूबर 2022 में खुदरा मुद्रास्फीति की यह दर

6·77 प्रतिशत थी. इसके साथ ही रिजर्व बैंक द्वारा लक्षित 4 ± 2 प्रतिशत सीमा से नीचे यह अब आई है. **रिजर्व बैंक का लक्ष्य खुदरा मुद्रास्फीति को 6 प्रतिशत से नीचे ही बनाए रखने का है.** वर्ष 2022 में पहली बार नवम्बर माह में यह दर इस सीमा के भीतर रही है. मुद्रा स्फीति की दर को 6 प्रतिशत की उच्च सीमा के नीचे लाने के लिए ही कठोर मौद्रिक नीति रिजर्व द्वारा मई 2022 व उसके पश्चात् आरबीआई द्वारा अपनाई गई है तथा रेपो दर में लगातार पाँच बार वृद्धि रिजर्व बैंक ने मई 2022 व उसके पश्चात् की है. दिसम्बर 2022 में ही रेपो दर में 0·35 प्रतिशत बिन्दु की वृद्धि आरबीआई द्वारा इसके लिए ही की गई है.

2022 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 2012) आधारित मुद्रा स्फीति (प्रतिशत)

जनवरी	6·77
फरवरी	6·07
मार्च	6·95
अप्रैल	7·79
मई	7·04
जून	7·01
जुलाई	6·71
अगस्त	7·00
सितम्बर	7·41
अक्टूबर	6·77
नवम्बर	5·88*
*अनंतिम	

खुदरा मुद्रास्फीति की गणना के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपभोक्ता मुख्य सूचकांक (CPI) का आधार वर्ष 2012 है. सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की 12 दिसम्बर, 2022 की विज्ञप्ति में बताया गया है कि नवम्बर 2022 में यह सूचकांक 176·5 (अखिल भारतीय औसत) था, जो एक वर्ष पूर्व नवम्बर 2021 में 166·7 था. इस प्रकार नवम्बर 2022 में मुद्रास्फीति की दर 5·88 रही.

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) के साथ-साथ उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (Consumer Food Price Index—CFPI) के आँकड़े भी सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी किए जाते हैं, उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (CFPI) आधारित मुद्रास्फीति की दर अक्टूबर 2022 में 7·01 प्रतिशत था, घटकर नवम्बर 2022 में 1·87 प्रतिशत (अनंतिम दर्ज की गई.

उपभोक्त मूल्य सूचकांक की गणना हेतु वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य सम्बन्धी आँकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) के फील्ड स्टाक द्वारा 1114 चुनींदा शहरी बाजारों से व 1181 गाँवों से संगृहीत किए जाते हैं.

औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति नवम्बर 2022 में 5·41 प्रतिशत

औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (Consumer Price Index for Industrial Workers—CPI-IW) जिसका आधार वर्ष 2016 है, नवम्बर 2022 के लिए 132·5 आकलित किया गया है, जो एक माह पूर्व अक्टूबर 2022 के लिए भी 132·5 रहा था, जबकि एक वर्ष पूर्व नवम्बर 2021 में यह 125·7 था. श्रम मंत्रालय के 'लेबर ब्यूरो' द्वारा 30 दिसम्बर, 2022 को जारी इन आँकड़ों के अनुसार पूर्व वर्ष की समान अवधि (नवम्बर 2021) की तुलना में नवम्बर 2022 की तुलना में यह सूचकांक 5·41 प्रतिशत अधिक है. इस प्रकार नवम्बर 2022 में औद्योगिक श्रमिकों के लिए उप-भोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI-IW) के आधार पर मुद्रास्फीति की दर 5·41 प्रतिशत रही, जो एक माह पूर्व अक्टूबर 2022 के लिए 6·52 प्रतिशत थी.

- औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की गणना श्रम मंत्रालय के अधीन कार्यरत् लेबर ब्यूरो द्वारा मासिक आधार पर की जाती है तथा किसी भी माह के लिए यह सूचकांक अगले माह की अन्तिम तिथि को जारी किया जाता है.
- यह सूचकांक अखिल भारतीय स्तर के साथ-साथ 88 विभिन्न केन्द्रों के लिए भी आकलित किया जाता है तथा इसके लिए खुदरा मूल्य औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण 88 केन्द्रों के 317 विभिन्न बाजारों से संकलित किए जाते हैं.

जून 2022 की तुलना में सितम्बर 2022 के अन्त में भारत पर विदेशी ऋण में कमी : वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट

सितम्बर 2022 के अन्त में भारत पर विदेशी ऋण की स्थिति के सम्बन्ध में वित्त मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट 29 दिसम्बर, 2022 को जारी की. **इस रिपोर्ट में बताया गया है कि सितम्बर 2022 के अन्त में देश पर कुल विदेशी ऋण 610·5 अरब डॉलर था, जो जून 2022 के अन्त में 612·7 अरब डॉलर तथा एक वर्ष पूर्व सितम्बर 2021 के अन्त में 602·9 अरब डॉलर था. इस प्रकार जून 2022 की तुलना में सितम्बर 2022 में कुल विदेशी ऋण में 2·3 अरब डॉलर की गिरावट आई.**

- सितम्बर 2022 के अन्त में देश पर कुल विदेशी ऋण में सर्वाधिक 55·5 प्रतिशत भाग अमरीकी डॉलर में निरूपित था, जबकि दूसरे स्थान पर 30·2 प्रतिशत ऋण रुपए मूल्य में था.
- सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के प्रतिशत के रूप में विदेशी ऋण जून 2022 के अन्त में 19·3 प्रतिशत था, जबकि सितम्बर 2022 के अन्त में यह 19·2 प्रतिशत था.

विदेशी ऋण से सम्बन्धित प्रमुख सूचक एक दृष्टि में

	जून 2022 के अन्त में*	सितम्बर 2022 के अन्त में**
कुल विदेशी ऋण (अरब डॉलर)	612·7	610·5
सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के प्रतिशत के रूप में विदेशी ऋण (Ratio of External Debt to GDP)	19·3	19·2
कुल विदेशी ऋण में दीर्घकालिक ऋण (अरब डॉलर)	486·7	478·7
कुल विदेशी ऋण में दीर्घकालिक ऋण का भाग (प्रतिशत)	79·4	78·4
कुल विदेशी ऋण में अल्पकालिक ऋण (अरब डॉलर)	126·1	131·7
कुल विदेशी ऋण में अल्पकालिक ऋण का भाग (प्रतिशत)	20·6	21·6
कुल विदेशी ऋण में डॉलर मूल्य में ऋण का भाग (प्रतिशत)		55·5
कुल विदेशी ऋण में सरकारी ऋण (अरब डॉलर)	127·7	124·5
गैर सरकारी ऋण	485·0	486·0
ऋण सेवा अनुपात (Debt Service Ratio)	4·9	5·0
विदेशी ऋण के प्रतिशत के रूप में आरक्षित विदेशी मुद्रा कोष (Ratio of Foreign Exchange Reserves to Total Debt)	96·5	87·3
विदेशी ऋण में रियायती ऋण का भाग (प्रतिशत) (Ratio of Concessions Debt. to Total Debt)	8·0	7·7
विदेशी मुद्रा कोष के प्रतिशत के रूप में अल्पकालिक ऋण (Ratio of Short Term Debt. to Foreign Exchange Reserves)	21·4	24·7

* आंशिक रूप से संशोधित (Partially Revised)
** अनंतिम (Provisional)

- कुल विदेशी ऋण की तुलना में आरक्षित विदेशी मुद्रा कोष सितम्बर 2022 के अन्त में 87·3 प्रतिशत थे, जबकि तीन माह पूर्व जून 2022 के अन्त में यह 96·5 प्रतिशत थे.
- सितम्बर 2022 के अन्त में कुल विदेशी ऋण में दीर्घकालिक ऋण 478·7 अरब डॉलर व अल्पकालिक ऋण 131·7 अरब डॉलर था. इस प्रकार कुल विदेशी ऋण में 78·4 प्रतिशत भाग दीर्घकालिक ऋण का तथा 21·6 प्रतिशत भाग अल्पकालिक ऋण का था. अल्पकालिक ऋण मुख्यतः व्यापार क्रेडिट के रूप में था, जोकि आयातों के वित्तीयन के लिए होता है.
- वित्त मंत्रालय की इस रिपोर्ट के अनुसार सितम्बर 2022 के अन्त में देश पर कुल 610·5 अरब डॉलर के विदेशी ऋण में सम्प्रभु विदेशी ऋण (Sovereign External Debt) 124·5 अरब डॉलर था, जबकि गैर-सम्प्रभु ऋण (Non-Sovereign Debt) 486·0 अरब डॉलर था.

2022-23 की दूसरी तिमाही में चालू खाते के घाटे में भारी वृद्धि : रिजर्व बैंक के आँकड़े

चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2022) में देश का चालू खाते का घाटा (Current Account Deficit–CAD) 36·4 अरब डॉलर तक पहुँच गया, जो किसी तिमाही में इसका अब तक का सर्वोच्च स्तर है. इससे पूर्व, इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2022) में यह 18·2 अरब डॉलर था, जबकि पूर्व वर्ष की समान अवधि (जुलाई-सितम्बर 2021) में यह 9·7 अरब डॉलर ही था. **इससे पूर्व किसी तिमाही में चालू खाते के घाटे का उच्चतम स्तर 31·77 अरब डॉलर था, जो 2012-13 की तीसरी तिमाही में दर्ज किया था.**

चालू खाते घाटे के 2022-23 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2022) के आँकड़े भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 29 दिसम्बर, 2022 को जारी किए. **इन आँकड़ों के अनुसार 2022-23 की पहली छमाही H_1 (अप्रैल-सितम्बर 2022) में चालू खाते का घाटा 54·5 अरब डॉलर रहा, जो पूर्व वर्ष की समान अवधि (अप्रैल-सितम्बर 2021) में 3·1 अरब डॉलर था.**

जीडीपी के प्रतिशत के रूप में चालू खाते का घाटा

जीडीपी के प्रतिशत के रूप में 2022-23 की दूसरी तिमाही (Q_2) में चालू खाते का घाटा 4·4 प्रतिशत रहा है, जो पहली तिमाही Q_1 में 2·2 प्रतिशत तथा एक वर्ष पूर्व 2021-22 की दूसरी तिमाही में जीडीपी का 1·3 प्रतिशत था.

जीडीपी के प्रतिशत के रूप में 2022-23 की पहली छमाही H_1 में यह घाटा 3·3 प्रतिशत रहा, जो पूर्व वर्ष की समान अवधि (H_1 2021-22) में 0·2 प्रतिशत था.

रिजर्व बैंक के अनुसार वस्तुगत व्यापार घाटे (Trade Deficit) में भारी वृद्धि चालू खाता घाटे में तीव्र वृद्धि का मुख्य कारण रहा है. केन्द्रीय बैंक ने कहा है कि वस्तुओं का व्यापार घाटा चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में 63·0 अरब डॉलर था, जो बढ़ कर दूसरी तिमाही में 83·5 अरब डॉलर रहा है.

लघु बचत योजनाओं पर भी ब्याज दरों में पुनः वृद्धियाँ

केन्द्र सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा संचालित तथा मुख्यतः डाकघरों के माध्यम से की जाने वाली लघु बचतों पर ब्याज दरों पर 1·1 प्रतिशत बिन्दु तक की वृद्धि सरकार ने 1 जनवरी, 2023 से की है. इन बचतों पर ब्याज दरों का निर्धारण प्रत्येक तिमाही आधार पर सरकार द्वारा किया जाता है. 1 अप्रैल, 2020 के पश्चात् 2 वर्ष से भी

संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण
Just Released
परीक्षोपयोगी सीरीज-23
अतिरिक्तांक
प्रतियोगिता दर्पण
ऐच्छिक विषय
लोक प्रशासन
संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं हेतु तथा अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु विशेष उपयोगी
गत कई वर्षों से टॉपर्स द्वारा सर्वाधिक सराही जाने वाली सीरीज
अंग्रेजी संस्करण भी उपलब्ध है।
Code No. 813 ₹ 270.00
प्रतियोगिता दर्पण
• E-mail : care@pdgroup.in
• Website : www.pdgroup.in

समूह-2 उपसमूह-4
उपकार
JUST RELEASED
मध्य प्रदेश
कर्मचारी चयन मण्डल
पटवारी
(कार्यपालिक)
संयुक्त भर्ती परीक्षा
संशोधित पाठ्यक्रमानुसार
नवीन आँकड़ों एवं तथ्यों सहित
Code 1028
₹ 265.00
डॉ. लाल एवं जैन
उपकार प्रकाशन, आगरा-5
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

अधिक समय तक इन ब्याज दरों को निचले स्तर पर स्थिर रखने के पश्चात् इनमें से कुछ योजनाओं पर 0·3 प्रतिशत बिन्दु की वृद्धि सरकार ने 1 अक्टूबर, 2022 से की थी. जनवरी 2023 से प्रारम्भ हुई. तिमाही के लिए इन योजनाओं पर ब्याज दरों में पुनः 1·1 प्रतिशत बिन्दु तक की वृद्धि सरकार ने की है. रेपो दर में लगातार पाँच द्वैमासिक समीक्षाओं में वृद्धि के चलते बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में वृद्धियाँ अपेक्षित भी थीं.

लघु बचतों पर ब्याज दरें

(प्रतिशत)

योजना	1 जुलाई, 2022 से 30 सितम्बर, 2022*	1 अक्टूबर, 2022 से 31 दिसम्बर, 2022	1 जनवरी, 2023 से 31 मार्च, 2023 तक
बचत खाते	4·0	4·0	4·0
एक वर्षीय सावधि जमा	5·5	5·5	6·6
दो वर्षीय सावधि जमा	5·5	5·7	6·8
3 वर्षीय सावधि जमा	5·5	5·8	6·9
5 वर्षीय सावधि जमा	6·7	6·7	7·0
5 वर्षीय रिकरिंग जमा	5·8	5·8	5·8
5 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (SCSS)	7·4	7·6	8·0
5 वर्षीय मासिक आय योजना	6·6	6·7	7·1
पब्लिक प्रॉविडेंट फण्ड (PPF)	7·1	7·1	7·1
किसान विकास-पत्र (KVP) (किसान विकास-पत्र की परिपक्वता अवधि 124 माह रहेगी)	6·9	7·0 (किसान विकास-पत्र की परिपक्वता अवधि 123 माह)	7·2 (किसान विकास-पत्र की परिपक्वता अवधि 120 माह)
सुकन्या समृद्धि योजना (SSS)	7·6	7·6	7·6
राष्ट्रीय बचत-पत्र (NSC)	6·8	6·8	7·0

* यही दरें 1 अप्रैल, 2020 से प्रभावी थीं.

भारत-आस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता प्रभावी हुआ

*भारत व संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के बीच कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (CEPA) प्रभावी होने के 8 माह पश्चात् अब आस्ट्रेलिया के साथ हस्ताक्षरित भारत का स्वतंत्र व्यापार समझौता भी 29 दिसम्बर, 2022 से प्रभावी हो गया है. लम्बे समय तक आपसी विचार-विमर्श के पश्चात् दोनों देशों ने इस **इंडिया-आस्ट्रेलिया इकोनॉमिक कोऑपरेशन एण्ड ट्रेड एग्रीमेंट (IA–ECTA)** पर हस्ताक्षर 2 अप्रैल, 2022 को किए थे. भारत में केन्द्रीय मंत्रिमण्डल द्वारा पहले ही अनुमोदित इस समझौते का आस्ट्रेलिया की संसद ने अनुमोदन 22 नवम्बर, 2022 को कर दिया था. इसके पश्चात् यह समझौता अब 29 दिसम्बर, 2022 से लागू किया गया है.*

इस समझौते के तहत् भारत से आस्ट्रेलिया को किए जाने वाले निर्यातों में से 96·4 प्रतिशत को आस्ट्रेलिया में सीमा शुल्क से मुक्त रखा जाएगा. इनमें से कई उत्पाद ऐसे हैं जिन पर 4 से 5 प्रतिशत का आयात शुल्क अभी वहाँ लगता है. व्यापार समझौते के कार्यान्वयन होने से भारत से कपड़ा, चमड़ा, फर्नीचर, आभूषण व मशीनरी आदि उत्पादों को आस्ट्रेलियाई बाजार में बिना किसी सीमा शुल्क के बेचा जा सकेगा. इसके साथ ही भारत आस्ट्रेलिया के लगभग 85 प्रतिशत निर्यातों को शुल्क मुक्त पहुँच प्रदान करेगा. इनमें कोयला, खनिज, भेड़ की ऊन व मध्यवर्ती उत्पाद मुख्यतः शामिल हैं. इससे कई भारतीय उद्योगों को सस्ता कच्चा माल मिलेगा, जिससे वह अधिक प्रतिस्पर्द्धी हो सकेंगे, मुख्यतः इस्पात, एल्युमिनियम, विद्युत् एवं इंजीनियरिंग उद्योग इससे विशेष रूप से लाभान्वित होंगे. इससे भारत व आस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार 27·5 अरब डॉलर के मौजूदा स्तर से बढ़कर 2025 तक 50 अरब डॉलर तक पहुँचने की आशा व्यक्त की गई है.

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस समझौते को भारत और आस्ट्रेलिया के बीच सम्बन्धों के लिए एक अहम् पल बताते हुए कहा था कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच विद्यार्थियों, पेशेवरों और पर्यटनों के आदान-प्रदान की सुविधा भी बढ़ेगी.

डाकघर बचत बैंक की जमाओं तथा सुकन्या समृद्धि योजना पर ही ब्याज दरें अभी वहीं बनी हुई हैं, जो अक्टूबर-दिसम्बर 2022 में प्रभावी थीं. अन्य सभी दरों में ब्याज दरों में 1·1 प्रतिशत तक की वृद्धियाँ 1 जनवरी, 2023 से प्रभावी की गई हैं, जिससे जनवरी-मार्च 2023 के दौरान–

- **डाकघर बचत खातों** पर वार्षिक ब्याज की दर 4·00 प्रतिशत बरकरार है.
- पाँच वर्षीय **वरिष्ठ नागरिक बचत योजना** (Senior Citizens Saving Scheme) के तहत् देय ब्याज दर 7·4 प्रतिशत से बढ़ाकर 7·6 प्रतिशत 1 अक्टूबर, 2022 से की गई थी, यह दर 1 जनवरी, 2023 से बढ़ाकर 8·0 प्रतिशत की गई है.
- पाँच वर्षीय **राष्ट्रीय बचत-पत्रों** (National Savings Certificates) पर 6·8 प्रतिशत तथा **पब्लिक प्रॉविडेंट फण्ड** (PPF) पर देय ब्याज दर 7·1 प्रतिशत बनी हुई है. पीपीएफ पर अभी भी यह 7·1 प्रतिशत बरकरार है, जबकि राष्ट्रीय बचत दरों के मामले में यह 6·8 प्रतिशत से बढ़ाकर 7·0 प्रतिशत 1 जनवरी, 2023 से 7·0 प्रतिशत की गई है.
- **पाँच वर्षीय मासिक आय योजना** (Monthly Income Scheme) पर ब्याज दर 6·6 प्रतिशत से बढ़ाकर 1 अक्टूबर, 2022 से 6·7 प्रतिशत की गई थी. 1 जनवरी, 2023 से इसे पुनः बढ़ाकर 7·1 प्रतिशत किया गया है.
- **किसान विकास-पत्रों** पर देय ब्याज 6·9 प्रतिशत से बढ़ाकर 7·0 प्रतिशत 1 अक्टूबर, 2022 से की गई थी. 1 जनवरी, 2023 से इसे पुनः बढ़ा कर 7·2 प्रतिशत किया गया. है. (किसान विकास-पत्रों की परिपक्वता अवधि 123 माह के स्थान पर 120 माह होगी).
- बालिकाओं के लिए बचत योजना **सुकन्या समृद्धि खातों** पर देय ब्याज 7·6 प्रतिशत बरकरार है.
- पाँच वर्षीय **आवृत्ति जमा** (Recurring Deposits) खातों पर देय ब्याज 5·8 प्रतिशत बरकरार है.
- एक वर्षीय, **सावधि जमाओं** पर देय ब्याज 5·5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6·6 प्रतिशत, दो वर्षीय सावधि जमा के मामले में इसे 5·7 प्रतिशत से बढ़ाकर 6·8 प्रतिशत तथा तीन वर्षीय सावधि का जमाओं के मामले में इसे 5·8 प्रतिशत से बढ़ाकर 6·9 प्रतिशत किया गया है. पाँच वर्षीय सावधि जमाओं (Fixed Deposits) के मामले में यह 6·7 प्रतिशत से बढ़ाकर अब 7·0 प्रतिशत की गई है.

●●●

नवीनतम सामान्य ज्ञान

शब्द संक्षेप
(Abbreviation)

सीडीटीआई–सेंट्रल डिटेक्टिव ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण संस्थान)

CDTI—Central Detective Training Institute

व्याख्या–ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट के तत्वावधान में इस गुप्तचर प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना कर्नाटक में देवनहल्ली में की जा रही है. कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई की उपस्थिति में इसकी आधारशिला केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने 31 दिसम्बर, 2022 को रखी.

नियुक्तियाँ
(Appointments)

सीआरपीएफ के महानिदेशक थाउसेन को बीएसएफ का अतिरिक्त प्रभार

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के महानिदेशक सुजॉय लाल थाउसेन को सीमा सुरक्षा बल (BSF) के महानिदेशक का कार्यभार अतिरिक्त प्रभार के रूप में 1 जनवरी, 2023 से सौंपा गया है. बीएसएफ के महानिदेशक श्री पंकज कुमार सिंह की 31 दिसम्बर, 2022 को सेवानिवृत्ति के पश्चात् उनका यह कार्यभार थाउसेन को सौंपा गया है.

अनिल कुमार लाहोटी रेलवे बोर्ड के नए चेयरमैन सह सीईओ

इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ इंजीनियर्स के 1984 बैच के अधिकारी श्री अनिल कुमार

अनिल कुमार लाहोटी

लाहोटी रेलवे बोर्ड के नए अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (Chairman and CEO) 1 जनवरी, 2023 से बनाए गए हैं. भारतीय रेलवे में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर रहे श्री लाहोटी को कुछ दिन पूर्व, 17 दिसम्बर, 2022 से रेलवे बोर्ड में सदस्य (इन्फ्रास्ट्रक्चर) बनाया गया था. रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सह सीईओ पद पर वी. के. त्रिपाठी का स्थान श्री लाहोटी ने लिया है.

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्त सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश

बम्बई उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश रहे न्यायमूर्ति दीपांकर दत्त अब सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश दिसम्बर 2022 में नियुक्त किए गए हैं. उनकी इस नियुक्ति से सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या 28 (मुख्य न्यायाधीश सहित) हो गई है.

टी. जी. सीताराम अब अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के नए अध्यक्ष

आईआईटी गुवाहाटी के निदेशक रहे टी. जी. सीताराम को अब अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (AICTE) का अध्यक्ष नवम्बर 2022 में नियुक्त किया गया है. इस पद पर अनिल सहस्त्रबुद्दे का कार्यकाल सितम्बर 2021 में समाप्त हो गया था, जिसके बाद यूजीसी के चेयरमैन श्री जगदीश कुमार अतिरिक्त प्रभार के रूप में यह कार्यभार देख रहे थे. श्री सीताराम की इस पद पर नियुक्ति 3 वर्ष के लिए की गई है.

अरुण कुमार सिंह ओएनजीसी के नए चेयरमैन

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि. (BPCL) के पूर्व चेयरमैन सह प्रबन्ध निदेशक श्री अरुण कुमार सिंह को तेल क्षेत्र की ही ऑइल एण्ड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ONGC) का चेयरमैन सह प्रबन्ध निदेशक (CMD) दिसम्बर 2022 में नियुक्त किया गया है. बीपीसीएल के सीएमडी पद से अक्टूबर 2022 में श्री सिंह सेवानिवृत्त हुए थे. एनआईटी पटना से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में उपाधि प्राप्त श्री अरुण कुमार सिंह की ओएनजीसी में यह नियुक्ति 3 वर्ष के लिए की गई है.

अरुण कुमार सिंह

जे. चन्द्रशेखर अय्यर केन्द्रीय जल आयोग के नए अध्यक्ष

केन्द्रीय जल इंजीनियरिंग सेवा के जे. चन्द्रशेखर अय्यर केन्द्रीय जल आयोग (Central Water Commission–CWC) के नए अध्यक्ष 1 दिसम्बर, 2022 से बनाए गए हैं. इस नियुक्ति से पूर्व वह इस आयोग में सदस्य थे.

केन्द्रीय जल आयोग के अध्यक्ष अध्यक्ष पद पर रहते हुए वह भारत सरकार के पदेन सचिव भी होंगे.

सुभ्रकांत पंडा 'फिक्की के नए अध्यक्ष

इंडियन मेटल्स एण्ड फैरो एलॉयज लि. (IMFA) के प्रबन्ध निदेशक की सुभ्रकांत पंडा ने उद्योग व्यापार जगत् के देश के प्रमुख संगठन 'फिक्की' (FICCI-Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry) के नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार दिसम्बर 2022 में सँभाला है. इस पद पर हिन्दुस्तान यूनीलिवर के श्री संजीव मेहता का स्थान श्री पंडा ने 17 दिसम्बर, 2022 को संगठन की 95वीं वार्षिक आम बैठक में नई दिल्ली में लिया है. इस नियुक्ति/निर्वाचन से पूर्व वह इस संगठन के 'प्रेजीडेंट इलैक्ट' थे. एक वर्ष से फिक्की के उपाध्यक्ष रहे महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा के श्री अनीश शाह को अब सत्र 2022-23 के लिए संगठन में वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में प्रोन्नत किया गया है, जबकि इमामी लि. के हर्षवर्द्धन अग्रवाल को सत्र 2022-23 के लिए फिक्की का उपाध्यक्ष चुना गया है.

सुभ्रकांत पंडा

राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह

जनता दल (यू) के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन सिंह, जो ललन सिंह के नाम से प्रायः जाने जाते हैं, इस पार्टी के अध्यक्ष दिसम्बर 2022 में पुनर्निवाचित हुए हैं. जुलाई 2021 में तत्कालीन अध्यक्ष श्री आरसीपी सिंह के के केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में शामिल होने के पश्चात् उन्हें, उनके शेष कार्यकाल के लिए पार्टी अध्यक्ष चुना गया था. दिसम्बर 2022 में उन्हें 3 वर्ष के कार्यकाल हेतु पार्टी अध्यक्ष चुना गया है.

राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह

भारतीय मूल की सुष्मिता शुक्ला फेडरल रिजर्व की प्रथम उपाध्यक्ष

भारतीय मूल की सुष्मिता शुक्ला को अमरीकी केन्द्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की प्रथम उपाध्यक्ष व मुख्य परिचालन अधिकारी (COO) दिसम्बर 2022 में बनाया गया है. इस पद पर उनकी यह नियुक्ति मार्च 2023 से प्रभावी होगी.

पुरस्कार/सम्मान
(Awards/Honours)

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की टाइम पत्रिका के पर्सन ऑफ द ईयर

अमरीकी पत्रिका टाइम (Time) ने वर्ष 2022 के लिए 'पर्सन ऑफ द ईयर'

(Person of the year) की घोषणा 7 दिसम्बर, 2022 को की. इस वर्ष यह सम्मान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की (Volodymyr Zelensky) व **यूक्रेन की आत्मा** (Spirit of Ukraine) को दिया गया है.

टाइम द्वारा यह सम्मान प्रतिवर्ष किसी ऐसे व्यक्ति को दिया जाता है, जिसका पिछले 12 महीनों में वैश्विक घटनाओं पर सर्वाधिक प्रभाव रहा हो. पिछले वर्ष 2021 में टाइम ने यह सम्मान स्पेस एक्स व टेस्ला के सीईओ एलन मस्क, जो उस समय विश्व के सबसे धनी माने गए थे, को दिया था. उससे पूर्व 2020 में यह सम्मान जोसेफ बाइडन व कमला हैरिस, जो उन्हीं दिनों अमरीका के क्रमशः राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे, को दिया गया था.

टाइम के अन्य पुरस्कार (2022)

(टाइम एथलीट ऑफ द ईयर, हीरो ऑफ द ईयर, एंटरटेनर ऑफ द ईयर व आइकन ऑफ द ईयर)

टाइम पत्रिका ने अमरीकी बेसबाल खिलाड़ी आरोन जज (Aarone Judge) को **एथलीट ऑफ द ईयर**, ईरानी महिलाओं को **हीरो ऑफ द ईयर** तथा मलेशियाई अभिनेत्री मिशेल योह (Michelle Yeoh) को **आइकन ऑफ द ईयर** चुना है.

द. कोरिया के के-पॉप बैंड **ब्लैंक पिंक** को टाइम ने एंटरटेनर ऑफ द ईयर 2022 के लिए चुना है.

इंफोसिस साइंस फाउंडेशन के पुरस्कार (2022)

इंफोसिस साइंस फाउंडेशन के वर्ष 2022 के (14वें) पुरस्कारों की घोषणा बेंगलूरू में नवम्बर 2022 में की गई थी. यह पुरस्कार इंजीनियरिंग एवं कम्प्यूटर साइंस, ह्यूमेनिटीज़, लाइफ साइंसेज़, मैथेमैटिकल साइंसेज़ फिजीकल साइंसेज़ व सोशल साइंसेज़ सहित कुल 6 श्रेणियों में प्रति वर्ष दिए जाते हैं.

इंफोसिस साइंस फाउंडेशन द्वारा इन पुरस्कारों की स्थापना 2009 में की गई थी. शुरू में पाँच श्रेणियों में ही यह पुरस्कार दिए जाते थे. (ह्यूमेनिटीज़ के क्षेत्र के पुरस्कार की शुरूआत 2012 में की गई थी.

इन पुरस्कारों के तहत् शुद्ध सोने के पदक व प्रशस्ति-पत्र के साथ 1-1 लाख डॉलर नकद राशि पुरस्कारों को प्रदान की जाती है. वर्ष 2022 के यह पुरस्कार निम्न-लिखित को प्रदान किए गए हैं–

इंजीनियरिंग एवं कम्प्यूटर साइंस	–	प्रो. सुमन चक्रवर्ती, डीन रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट आईआईटी खड़गपुर
ह्यूमेनिटीज़	–	सुधीर कृष्णा स्वामी, वाइस चांसलर, नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया, बेंगलूरू
लाइफ साइंसेज	–	प्रो. विदिता वैद्य, चेयरपर्सन, डिपार्टमेन्ट ऑफ बॉयलॉजिकल साइंसेज़, टाटा इंस्टीट्यूट फंडामेंटल रिसर्च, मुम्बई
मैथेमैटिकल साइंसेज	–	महेश काकड़े, गणित, विभाग, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलूरू
फिज़ीकल साइंसेज़	–	प्रो. निस्मिम कालेकर, नेशनल सेंटर फॉर रेडियो एस्ट्रोफिजिक्स पुणे
सोशल साइंसेज़	–	रोहिणी पांडे, डायरेक्टर, द इकोनॉमिक ग्रोथ सेंटर, येल यूनीवर्सिटी.

द. कोरिया की सुन्दरी मीना चोई को मिस अर्थ-2022 का ताज

वर्ष 2022 की (22वीं) मिस अर्थ प्रति-योगिता का फाइनल फिलपींस में मनीला में

मिस अर्थ-2022

ओकाडा मनीला रिजॉर्ट में 29 नवम्बर, 2022 को हुआ. कोविड-19 महामारी के चलते पिछले दो वर्षों 2020 व 2021 की मिस अर्थ प्रतियोगिता वर्चुअल तरीके से ही सम्पन्न हुई थी. इस प्रकार 2 वर्ष के अन्तराल के पश्चात् प्रतिभागियों की व्यक्तिगत उपस्थिति एवं भागीदारी में यह प्रतियोगिता इस वर्ष सम्पन्न हुई.

86 देशों की प्रतिभागियों ने वर्ष 2022 की इस प्रतियोगिता में भाग लिया, जिनमें द. कोरिया की 24 वर्षीय मीना सुइ चोई (Mina Sui Choi) को **मिस अर्थ-2022** का ताज मिला. गत वर्ष (2021 की) मिस अर्थ बेलिज़ की डेस्टिनी वैगनर ने उन्हें यह ताज पहनाया. आस्ट्रेलिया की शेरिडान मोर्टलॉक को **मिस अर्थ-एयर**, फिलीस्तीन की नदीन अय्यूब को **मिस अर्थ-वाटर** तथा कोलम्बिया की एंड्रिया एग्यूलेरा को **मिस अर्थ-फायर** के ताज इस प्रतियोगिता में मिले. प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व मिस अर्थ-इण्डिया वशिका परमार ने किया था.

विजेताओं के नाम एक दृष्टि में–

मिस अर्थ	–	मीना सुइ चोई (Mina Sui Choi), द. कोरिया
मिस अर्थ-एयर	–	शेरिडान मोर्टलॉक (आस्ट्रेलिया)
मिस अर्थ-वाटर	–	नदीन अय्यूब (फिली-स्तीन)
मिस अर्थ-फायर	–	एंड्रिया एग्यूलेरा (कोलम्बिया)

भारत की सरगम कौशल को मिसेज वर्ल्ड (2022) का ताज

भारत की सरगम कौशल ने वर्ष 2022 के लिए मिसेज वर्ल्ड का खिताब जीतने में

मिसेज वर्ल्ड 2022 सरगम कौशल

सफलता दिसम्बर 2022 में प्राप्त की है. यह दूसरा अवसर है **जब मिसेज वर्ल्ड का ताज किसी भारतीय के माथे पर सजा है. इससे**

पूर्व अदिति गोवित्रीकर ने 2001 में यह सफलता प्राप्त की थी. इस प्रकार 21 वर्ष के अन्तराल के पश्चात् यह ताज किसी भारतीय ने जीता है.

वर्ष 2022 की मिसेज वर्ल्ड प्रतियोगिता का फाइनल अमरीका के लास वेगास शहर में 17 दिसम्बर, 2022 को सम्पन्न हुआ. भारत के अतिरिक्त 63 अन्य देशों की चुनींदा सुंदरियाँ इस प्रतियोगिता में शामिल थीं. अंतिम दौर में पहुँची तीन सुंदरियों में भारत की सरगम कौशल के अतिरिक्त पॉलीनेशिया व कनाडा की सुंदरियाँ शामिल थीं, इनमें सरगम कौशल को मिसेज वर्ल्ड (2022) घोषित किया गया, जबकि पॉलीनेशिया की सुंदरी मेग आकिम प्रथम उपविजेता व कनाडा की सोलेंज टी. केल्टन द्वितीय उपविजेता घोषित की गईं. पिछले वर्ष की मिसेज वर्ल्ड शैलीन फोर्ड (अमरीका) ने नई चुनी गई मिसेज वर्ल्ड सरगम कौशल को इसका ताज पहनाया.

राफेल नडाल व इगा स्वियाटेक वर्ष 2022 के लिए आईटीएफ के विश्व चैम्पियन

टेनिस की संचालक संस्था आईटीएफ (International Tennis Federation) ने टेनिस खिलाड़ियों के वर्ष भर के प्रदर्शन को देखते हुए निम्नलिखित खिलाड़ियों को विभिन्न श्रेणियों में वर्ष 2022 के लिए विश्व चैम्पियन दिसम्बर 2022 में घोषित किया है–

राफेल नडाल व इगा स्वियाटेक आईटीएफ के विश्व चैम्पियन (2022)

पुरुष एकल–राफेल नडाल (स्पेन के राफेल नडाल को यह सम्मान पाँचवीं बार प्राप्त हुआ है. इससे पूर्व 2008, 2010, 2017 व 2019 में इन्हें आईटीएफ ने विश्व चैम्पियन घोषित किया था.)

महिला एकल–इगा स्वियाटेक (Iga Swiatek)–पोलैण्ड की इगा स्वियाटेक को पहली बार ही यह सम्मान प्राप्त हुआ है.

पुरुष युगल–राजीव राम (अमरीका) व जो सैलिसवरी (ब्रिटेन)

महिला युगल–बारबोरा क्रेजसिकोवा व कैटरीना सिनियाकोवा (दोनों चैक गणराज्य)

विश्व बैडमिंटन महासंघ के पुरस्कार (2022) : भारत की मनीषा रामदास विश्व की सर्वश्रेष्ठ पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए विश्व बैडमिंटन महासंघ (Badminton World Federation–BWF) ने 2022 के अपने पुरस्कारों की घोषणा दिसम्बर 2022 में की. भारत की मनीषा रामदास को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला पैरा

अकाने यामागुची : विश्व की सर्वश्रेष्ठ महिला बैडमिंटन खिलाड़ी

मनीषा रामदास : विश्व की सर्वश्रेष्ठ पैरा बैडमिंटन महिला खिलाड़ी

बैडमिंटन खिलाड़ी का पुरस्कार बैडमिंटन महासंघ ने इन पुरस्कारों के तहत् दिया है. **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन को तथा सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार जापान की अकाने यामागुची को दिया गया है.** पुरस्कारों की पूरी सूची निम्नलिखित है–

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी (Player of the year Male)–विक्टर एक्सेलसेन (Viktor Axelsen) डेनमार्क

उपकार पूर्णतया संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण

मध्य प्रदेश सम्पूर्ण अध्ययन

(म.प्र. पी.एस.सी. राज्य सेवा/वन सेवा परीक्षा तथा अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए उपयोगी)

- प्रतियोगिता परीक्षा विषयक सभी पक्षों का तथ्यात्मक ज्ञान समाहित
- ऐतिहासिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक व आर्थिक पहलुओं पर विस्तृत ज्ञान
- नवीनतम आँकड़ों का समावेश
- परीक्षोपयोगी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश

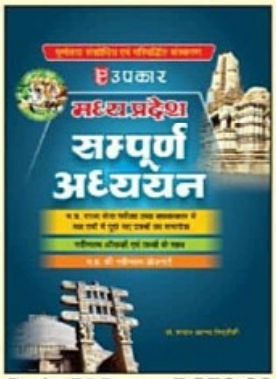

लेखक
डॉ. शादाब अहमद सिद्दीक़ी

Code 715 ₹ 370.00

उपकार प्रकाशन, आगरा-5
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

UPKAR'S Revised Edition
Group Discussion on Current Topics

Useful for Civil Services, MBA, Armed Forces, Private Sectors and Other Competitive Examinations

Major (Retd.) P. N. Joshi

Code 988
₹ 180.00

UPKAR PRAKASHAN
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी (Player of the year Female)–अकाने यामागुची (Akane Yamaguchi) जापान

पुरुष खिलाड़ियों के एटीपी पुरस्कार (2022)			
(i)	फैन्स फेवरिट (एकल) प्लेयर ऑफ द ईयर [Fan's Favourite (Single) Player of the Year]	–	राफेल नडाल (स्पेन)
(ii)	फैन्स फेवरिट (युगल) टीम ऑफ द ईयर	–	निक किरगियोस व थानसी कोक्किनाकिस (आस्ट्रेलिया)
(iii)	मोस्ट इम्प्रूव्ड प्लेयर	–	कार्लोस एल्काराज (Carlos Alcaraz) (स्पेन)
(iv)	न्यू कमर ऑफ द ईयर	–	होल्गर रुने (Holger Rune) (डेनमार्क)
(v)	कमबैक प्लेयर ऑफ द ईयर	–	बोरना कोरिक (Borna Corik) (क्रोएशिया)
(vi)	कोच ऑफ द ईयर	–	जुआन कार्लोस फेरेरो (स्पेन)
(vii)	आर्थर एश ह्यूमेनिटेरियन अवार्ड	–	एंडी मुरे (ब्रिटेन)
(viii)	स्टीफन एडबर्ग स्पोर्ट्समैन व शिप अवार्ड	–	कैस्पर रूड (नॉर्वे)

महिला खिलाड़ियों के डब्ल्यूटीए पुरस्कार (2022)			
(i)	प्लेयर ऑफ द ईयर	–	इगा स्वियाटेक (Iga Swiatec) (पोलैण्ड)
(ii)	युगल टीम ऑफ द ईयर	–	बारबोरा क्रेजसिकोवा व कैटेरिना सिरियाकोवा (चैक गणराज्य)
(iii)	मोस्ट इम्प्रूव्ड प्लेयर	–	ब्रीट्रिज हद्दाद माइया (ब्राजील)
(iv)	न्यू कमर ऑफ द ईयर	–	झेंग क्विनवेन (चीन)
(v)	कमबैक प्लेयर ऑफ द ईयर	–	तत्जाना मारिया (जर्मनी)
(vi)	कोच ऑफ द ईयर	–	डेविड विट (अमरीका)
(vii)	कारेन क्रैंज के स्पोर्ट्समैनशिप अवार्ड	–	ओंस जेब्युर (ट्यूनीशिया)

वर्ष की सर्वश्रेष्ठ जोड़ी (Pair of the year)–झेंग सीवी व हुआंग या क्योंग (Zheng Si Wei and Huang Ya Qiong) चीन

मोस्ट इम्प्रूव्ड प्लेयर ऑफ द ईयर (Most Improved Player)–फजर एल्फियान व मोहम्मद आर्डियांटो, (Fajar Alfian and Mohammad Ardianto) इंडोनेशिया

मोस्ट प्रॉमिसिंग प्लेयर ऑफ द ईयर (Most Promising Player)–कोडई नाराओका (Kodai Naraoka) जापान

मेल पैरा बैडमिंटन प्लेयर ऑफ ईयर–डाइकी काजीवारा (Daiki Kajiwara)

फीमेल पैरा बैडमिंटन प्लेयर ऑफ द ईयर–मनीषा रामदास (Manisha Ramadass) भारत

पैरा बैडमिंटन प्लेयर ऑफ द ईयर–थॉमस बैंड शिलेडर व रिक हैलमैन, जर्मनी

टेनिस के पुरुष व महिला खिलाड़ियों के वर्षांत एटीपी/डब्ल्यूटीए पुरस्कार (2022)

वर्ष 2022 के दौरान टेनिस में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुरुष व महिला खिलाड़ियों के लिए एसोसिएशन ऑफ़ टेनिस प्रोफेशनल्स (ATP) तथा विमन्स टेनिस एसोसिएशन (WTA) ने अपने पुरस्कारों की घोषणा दिसम्बर 2022 में की. यह पुरस्कार अग्र-लिखित खिलाड़ियों को दिए गए हैं–

नवीन संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण

उपकार हरियाणा

सामान्य ज्ञान

एक दृष्टि में

म्हारी छोरियां छोरो से कम है के

कोड : 1059
मूल्य : ₹ 100/-

लेखक : संजय सुमन

- आर्थिक सर्वेक्षण-2021-22 के अनुसार टॉपिकवाइज अपडेट.
- बजट-2022-23 के आँकड़े.
- नवीन परीक्षोपयोगी समाचारों (2021-22) से अपडेट.
- 2022 में घोषित योजनाओं के साथ.
- टोकियो ओलम्पिक (2020) में हरियाणा, फोगाट बहनें.
- टॉपिकवाइज 600 से अधिक परीक्षोपयोगी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश.

उपकार प्रकाशन, आगरा–5
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

उपकार

RRB ASM PSYCHOLOGICAL & APTITUDE TEST

रेलवे भर्ती बोर्ड

सहायक स्टेशन मास्टर

मनोवैज्ञानिक एवं अभिरुचि परीक्षण

(गत वर्षों के हल प्रश्न-पत्रों सहित)

कोड 2455 मूल्य: ₹ 245/-

बी. के. सिंह

English Edition
Code 1914 ₹ 230·00

उपकार प्रकाशन, आगरा–5
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

साहित्य अकादमी पुरस्कार-2022

साहित्य अकादमी ने वर्ष 2022 के अपने मुख्य पुरस्कारों (साहित्य अकादमी पुरस्कार) के साथ-साथ साहित्य अकादमी युवा पुरस्कारों, साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कारों, साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार तथा साहित्य अकादमी भाषा सम्मान की घोषणा दिसम्बर 2022 में की.

साहित्य अकादमी पुरस्कार (2022)

23 भाषाओं की उत्कृष्ट कृतियों के लिए यह पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा अकादमी की 22 दिसम्बर, 2022 की विज्ञप्ति में की गई है. इनमें सात कविता संग्रह, छह उपन्यास, दो कहानी संग्रह, तीन नाटक दो साहित्यिक आलोचना तथा एक-एक आत्म कथानक निबन्ध, सामग्री-संग्रह (Collection of Articles) व साहित्यिक इतिहास शामिल हैं. हिन्दी भाषा के लिए बद्री नारायण को उनके कविता संग्रह 'तुमाडि के शब्द के लिए तथा अंग्रेजी भाषा में अनुराधा रॉय को उनके उपन्यास 'ऑल द लाइव्स, वी नैवर लिव्ड' के लिए पुरस्कार हेतु चुना गया है.

- *बांग्ला के लिए पुरस्कार की घोषणा बाद में की जाएगी.*
- *इस वर्ष 2022 के साहित्य अकादमी पुरस्कारों के लिए विगत पाँच वर्षों (1 जनवरी, 2016 से 31 दिसम्बर, 2020) के दौरान पहली बार प्रकाशित पुस्तकों पर ही विचार ज्यूरी द्वारा किया गया था.*
- *पुरस्कार हेतु चुने गए साहित्यकारों को ताम्रपत्र व शॉल के साथ ₹ 1-1 लाख की राशि बाद में किसी समारोह में प्रदान की जाएगी.*

साहित्य अकादमी पुरस्कार (2022) चुने गए साहित्यकारों व उनकी रचनाओं के नाम निम्नलिखित हैं–

भाषा	पुस्तक/रचना	लेखक
असमी	भूल सत्या (लघु कथा)	मनोज कुमार गोस्वामी
बंगाली	–	–
बोडो	सन्सिरी मोदुरा (कविता संग्रह)	रश्मि चौधरी
डोगरी	चे रूपम (नाट्य)	वीणा गुप्ता
अंग्रेजी	ऑल द लाइव्स वी नैवर लिव्ड (उपन्यास)	अनुराधा रॉय
गुजराती	घेर जतन (आत्म कथानक निबंध)	गुलाम मोहम्मद शेख
हिन्दी	**तुमाडि के शब्द (कविता संग्रह)**	**बद्री नारायण**
कन्नड़	बहुत बड़ा भारत मात्तु बौद्धा तात्त्विकाते	मुद्नाकुडु चिन्नास्वामी
कश्मीरी	जैल दाब (साहित्यिक आलोचना)	फारूख फयाज़
कोंकणी	अमृत वेल (उपन्यास)	माया अनिल खरंगटे
मैथिली	पैन ड्राइव में पृथ्वी (कविता संग्रह)	अजीत आजाद
मलयालम	अशांते सीथायनम (साहित्यिक आलोचना)	एम. थॉमस मैथ्यू
मणिपुरी	लीरोन्नुंग (कविता संग्रह)	कोइजाम शांतिबाला
नेपाली	साइनो (नाट्य)	के.बी. नेपाली
ओडिया	दयानिदि (कविता संग्रह)	गायत्रीबाला पंडा
मराठी	ओजाव्या संदेच्या बाहुल्या (उपन्यास)	प्रवीन दशरथ बंदेकर
पंजाबी	मैं आयंघोष नहीं (कहानी संग्रह)	सुखजीत
राजस्थानी	आलेखुन अंबा (नाट्य)	कमल रंगा
संस्कृत	दीपमानिक्यम (कविता संग्रह)	जनार्दन प्रसाद पांडे 'मानी'
संथाली	सबर्नका बालिरे सजन पंजय (कविता)	काजली सोरेन (जगन्नाथ सोरेन)
सिन्धी	सिन्धी साहित जो मुख्तसर इतिहास (साहित्यिक इतिहास)	कन्हैयालाल लेखवानी
तमिल	काला पानी (उपन्यास)	एम. राजेन्द्रन
तेलुगू	मनो धर्मपरागम (उपन्यास)	मधुरंतकम नरेन्द्र
उर्दू	ख्वाब सराब (उपन्यास)	अनीस अशफाक

नोट–बंगाली भाषा के लिए पुरस्कार की घोषणा बाद में की जाएगी.

* साहित्य अकादमी पुरस्कार संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं के अतिरिक्त अंग्रेजी व राजस्थानी सहित कुल 24 भाषाओं के लिए दिए जाते हैं.

भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाएं

(i) असमी, (ii) बंगाली, (iii) गुजराती, (iv) हिन्दी, (v) कन्नड़, (vi) कश्मीरी, (vii) कोंकणी, (viii) मलयालम, (ix) मणिपुरी, (x) मराठी, (xi) नेपाली, (xii) ओडिया, (xiii) पंजाबी, (xiv) संस्कृत, (xv) सिंधी, (xvi) तमिल, (xvii) तेलुगू (xviii) उर्दू, (xix) बोडो, (xx) संथाली, (xxi) मैथिली तथा (xxii) डोगरी.

वर्ल्ड एथलेटिक्स के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ एथलीट (2022)

एथलेटिक्स की सर्वोच्च संस्था **वर्ल्ड एथलेटिक्स** (पुराना नाम अन्तर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ) ने स्वीडन के पोल वाल्टर मोंडो डुप्लांटिस (Mondo Duplantis) को पुरुषों में तथा अमरीका की बाधा दौड़ धाविका सिडनी मैकलॉघलिन (Sydney Mclaughlin) को महिलाओं में वर्ष 2022 के लिए वर्ष के सर्वश्रेष्ठ एथलीट (Athletes of the year) दिसम्बर 2022 में घोषित किया है.

सिडनी मैकलॉघलिन लेवरोन   मोंडो डुप्लांटिस

अमरीकी मूल के स्वीडिश पोल वाल्टर डुप्लांटिस ने 3 बार नए विश्व रिकॉर्ड इस वर्ष में स्थापित किए हैं. उन्हें तीन वर्ष में दूसरी बार वर्ल्ड एथलेटिक्स का यह पुरस्कार दिया गया है. इससे पूर्व 2020 का यह पुरस्कार उन्हें दिया गया था.

अमरीकी धाविका सिडनी मैकलॉघलिन ने 400 मी बाधा दौड़ का रिकॉर्ड दो बार तोड़ा था. टोक्यो ओलम्पिक्स में इस स्पर्द्धा का स्वर्ण पदक उन्होंने जीता था.

वर्ल्ड एथलेटिक्स के राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर (2022)

अमरीका के एरियन नाइटन (Errion Knighton) को पुरुषों में तथा सर्बिया की एड्रियाना विलागोस (Adriana Vilagos) को महिलाओं में वर्ल्ड एथलेटिक्स के

पूर्व वर्षों में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ एथलीट

वर्ष	पुरुष	महिला
2004	केनेनिसा बेकले (इथियोपिया)	येलेना इसिनबायेवा (रूस)
2005	केनेनिसा बेकले (इथियोपिया)	येलेना इसिनबायेवा (रूस)
2006	आसफा पॉवेल (जमैका)	सान्या रिचर्डस् (अमरीका)
2007	टायसन गे (अमरीका)	मेसेरत डेफार (इथियोपिया)
2008	उसेन बोल्ट (जमैका)	येलेना इसिनबायेवा (रूस)
2009	उसेन बोल्ट (जमैका)	सान्या रिचर्ड्स (अमरीका)
2010	डेविड रुदिशा (कीनिया)	ब्लोका व्लासिक (क्रोएशिया)
2011	उसेन बोल्ट (जमैका)	सैली पीयरसन (आस्ट्रेलिया)
2012	उसेन बोल्ट (जमैका)	एलिसन फेलिक्स (अमरीका)
2013	उसेन बोल्ट (जमैका)	शैली एन फ्रेसर प्राइस (जमैका)
2014	रेनॉड लेविलेनी (फ्रांस)	वैलेरी एडम्स (न्यूजीलैण्ड)
2015	एशटन ईटॉन (अमरीका)	गेजेबे दिबाबा (इथियोपिया)
2016	उसेन बोल्ट (जमैका)	अलमाज अयाना (इथियोपिया)
2017	मुतजा इसा बरशीम	नफीसाटो थियाम (बेल्जियम)
2018	एल्युड किपचोगे (कीनिया)	कैटरिन इबारगुएन (कोलम्बिया)
2019	एल्युड किपचोगे (कीनिया)	दलिलाह मोहम्मद (अमरीका)
2020	अर्मांड डुप्लाटिस (स्वीडन)	यूलीमार रोजास (वेनेजुएला)
2021	कार्सटन वारहोम (नॉर्वे)	इलैन थॉमसन हीराह (जमैका)
2022	मोंडो डुप्लांटिस (स्वीडन)	सिडनी मैकलॉघलिन (अमरीका)

राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर के रूप में दिसम्बर 2022 में पुरस्कृत किया गया है.

जमनालाल बजाज पुरस्कार (2022)

वर्ष 2022 के (44वें) जमनालाल बजाज पुरस्कारों की घोषणा मुम्बई में एक समारोह में दिसम्बर 2022 में की गई. चार विभिन्न श्रेणियों में यह पुरस्कार निम्नलिखित को प्रदान किए गए.

भारत से बाहर गांधीवादी विचारों व जीवन मूल्यों के प्रसार के लिए–लेबनान के डॉ. ओगिराट यूनान (Ogirat Younan) व डॉ. वालिद सियाबी (Walid Siyabi).

रचनात्मक कार्यों के लिए–नीलेश देसाई (मध्य प्रदेश में भील समुदाय के उत्थान के लिए गठित सम्पर्क समाजसेवी संस्थान के संस्थापक).

ग्रामीण विकास हेतु विज्ञान और तकनीकी के इस्तेमाल के लिए–मनसुख भाई प्रजापति (गुजरात में चिकनी मिट्टी से बर्तन बनाने की परम्परागत कला को आधुनिक रूप देने के लिए)

महिलाओं व बच्चों के कल्याण व उन्नयन के लिए जानकी देवी पुरस्कार–सोफिया साइक (ओडिशा में महिला अधिकारों, विशेषत: बीड़ी श्रमिकों के लिए संघर्षरत् रहीं)

- *जमनालाल बजाज फाउण्डेशन के इन पुरस्कारों के तहत् पुरस्कृतों को ₹ 10-10 लाख की राशि अब प्रदान की जाती है.*
- *जमनालाल बजाज पुरस्कारों की स्थापना 1977 में गठित जमनालाल बजाज फाउंडेशन द्वारा 1978 में की गई थी.*
- ***यह पुरस्कार प्रतिवर्ष चार श्रेणियों**– रचनात्मक कार्यों (Constructive work), ग्रामीण विकास हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग (Application of Science and Technology for Rural Development), महिलाओं एवं बच्चों का कल्याण एवं विकास (Development and Welfare of Women and Children, जानकी देवी बजाज पुरस्कार) तथा भारत के बाहर गांधीवादी मूल्यों के प्रोन्नयन हेतु अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार (International Award for Promoting Gandhian Values Outside India) दिए जाते हैं.*

निधन
(Death)

सुलोचना चव्हाण

पद्मश्री से सम्मानित मराठी लावणी गायिका सुलोचना चव्हाण का 89 वर्ष की आयु में 10 दिसम्बर, 2022 को मुम्बई में निधन हो गया. 'लावणी क्वीन' के रूप में जानी जाने वाली सुलोचना चव्हाण इस पारम्परिक महाराष्ट्रियन संगीत शैली की सबसे प्रसिद्ध गायिकाओं में से एक थीं. संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री से इसी वर्ष 2022 में सम्मानित किया गया था. उससे पूर्व 2012 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से तथा 2010 में महाराष्ट्र सरकार के लता मंगेशकर पुरस्कार से उन्हें सम्मानित किया गया था.

पेले

ब्राजील के महान् फुटबालर पेले (Pele), जिनका मूल नाम एडसन एरांटेस डो नासिमेंटो (Edson Arantes do Nascimento) था, का 82 वर्ष की आयु में 29 दिसम्बर, 2022 को साओ पाइलो में निधन हो गया. मुख्यत: फारवर्ड पोज़ीशन में खेलने वाले पेले की गणना विश्व के महानतम फुटबालरों में की जाती थी. 'ब्लैक पर्ल', 'किंग ऑफ फुटबाल' व किंग पेले आदि नामों से विख्यात पेले अपने समय के सबसे महँगे फुटबाल खिलाड़ी रहे थे. फीफा विश्व कप में ब्राजील की तीन (1958, 1962 व 1970) खिताबी विजयों में उनका योगदान रहा था. 1957-1971 के दौरान अपने कॅरियर में अन्तर्राष्ट्रीय फुटबाल में 77 गोल उन्होंने किए थे.

पेले

अनेक पुरस्कारों से सम्मानित पेले को फीफा ने रोनाल्डो के साथ संयुक्त रूप से शताब्दी का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (Player of the Century) वर्ष 2000 में घोषित किया था. टाइम पत्रिका ने शताब्दी के सबसे महत्वपूर्ण व्यक्तियों (100 Most Important People of the Century) की वर्ष 1999 की अपनी सूची में उनका नाम भी शामिल किया था. उनके निधन पर 3 दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा ब्राजील में की गई.

अरीज पिरोज शॉ रूंबाटा

रसना ग्रुप के संस्थापक व चैयरमैन अरीज पिरोज शॉ रूंबाटा का 85 वर्ष की आयु में 19 नवम्बर, 2022 को अहमदाबाद में निधन हो गया. इनके द्वारा लॉन्च किया गया रसना अत्यधिक लोकप्रिय पेय था. अहमदाबाद में पारसी समिति में वह काफी सक्रिय रहे थे.

डोमिनिक लैपियर

प्रसिद्ध फ्रांसीसी लेखक डोमिनिक लैपियर (Dominique Lapiarre) का

डोमिनिक लैपियर

91 वर्ष की आयु में पेरिस में 4 दिसम्बर, 2022 को निधन हो गया. इनकी रचनाओं में **फ्रीडम एट मिडनाइट** (Freedom at Midnight) भारत की स्वतन्त्रता से सम्बन्धित पुस्तक है तथा सिटी ऑफ जॉय (City of Joy) कोलकाता के एक रिक्शा चालक के जीवन पर आधारित है. उनकी अन्य प्रसिद्ध कृतियों में इज पेरिस बर्निंग (Is Paris Burning) शामिल है. समाज सेवा के प्रति योगदान व भारत के साथ उनके जुड़ाव को देखते हुए भारत सरकार ने 2008 में पद्म भूषण से उन्हें सम्मानित किया था.

वाई. के. अलघ

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री व पूर्व केन्द्रीय मंत्री योगेन्द्र के. अलघ का लम्बी बीमारी के पश्चात् 6 दिसम्बर, 2022 को अहमदाबाद में निधन हो गया. पेनिस्वालिया यूनीवर्सिटी (अमरीका) से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त डॉ. योगेन्द्र अलघ 1992–96 के दौरान जेएनयू के कुलपति रहे थे. नवम्बर 1996 में वह राज्य सभा के लिए निर्वाचित हुए थे. इसी दौरान केन्द्र सरकार में नियोजन एवं कार्यान्वयन राज्यमंत्री स्वतन्त्र प्रभार रहे थे.

वाई. के. अलघ

पूर्व पोप बेनेडिक्ट–XVI

रोमन कैथोलिक सम्प्रदाय के 2005–13 के दौरान पोप रहे बेनेडिक्ट-XVI, जिनका मूल नाम जोसेफ रैट्ज़िंगर (Joseph Ratzinger) था, का 95 वर्ष की आयु में 31 दिसम्बर, 2022 को वेटिकन में निधन हो गया.

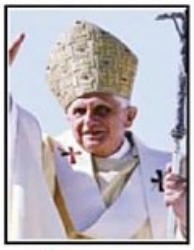
बेनेडिक्ट–XVI

पिछले छह सौ वर्षों में वह ऐसे पहले पोप थे जिन्होंने पोप के पद से त्यागपत्र दिया था. (उनसे पूर्व 1415 ई. में पोप ग्रेगरी-XII ने अपने इस पद से त्यागपत्र दिया था) पोप का दायित्व छोड़ने के पश्चात् बेनेडिक्ट-XVI वेटिकन में ही एक मठ में वह रहे थे. उनके पद त्याग के बाद ही मौजूदा पोप फ्रांसिस ने रोमन सम्प्रदाय के धर्मगुरु का दायित्व सँभाला था.

हीरा बा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की माँ हीरा बा मोदी का 100 वर्ष की आयु में 30 दिसम्बर, 2022 को अहमदाबाद के एक अस्पताल में निधन हो गया. अपने छोटे पुत्र पंकज मोदी के साथ वह गांधी नगर में रहती थीं. उनके निधन के पश्चात् प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 30 दिसम्बर को ही गांधी नगर पहुँच गए तथा अपनी माँ की अर्थी को कंधा उन्होंने दिया. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व उनके भाइयों सर्व श्री सोभा भाई, प्रहलाद भाई व पंकज भाई ने ही अपनी माँ की चिता को मुखाग्नि दी. **पूज्य माँ की चिता को मुखाग्नि देने के तुरन्त पश्चात् उसी दिन प्रधानमंत्री अपने कर्तव्य पथ पर लौट आए. उस दिन कोलकाता में वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाने, राष्ट्रीय गंगा परिषद् की बैठक में भाग लेने तथा अन्य कुछेक परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास के उनके कार्यक्रम थे. इन सभी कार्यक्रमों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उन्होंने 30 दिसम्बर को ही भाग लिया.**

हीरा बा

पुस्तकें (Books)

ए लाइफ इन द शैडोज़ : ए मेमोइर (A Life in the Shadows : A Memoir)

—ए. एस. दुलत

द मैजिक ऑफ द लास्ट स्टोरी (The Magic of the Last Story)

—सुधा मूर्ति

हैप्पी प्लेस (Happy Place)

—एमिली हेनरी

चेन ऑफ थॉर्न्स (Chain of Thorns)

—कसांद्रा क्लेयर

वर्ष/दिवस/सप्ताह (Year/Days/Week)

दिसम्बर 2022

1 दिसम्बर–विश्व एड्स दिवस

(एड्स के प्रति जागरूकता लाने के लिए जेम्स डब्ल्यू. बुन व थॉमस नैटर की पहल पर 1 दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस के रूप में मनाने का निर्णय यूएन एड्स (UN AIDS) द्वारा 1988 में किया गया था.

3 दिसम्बर–दिव्यांग जनों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस

(संयुक्त राष्ट्र संघ की पहल पर वर्ष 1992 से 3 दिसम्बर को दिव्यांग जनों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है.)

3 दिसम्बर–पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती

4 दिसम्बर–नौसेना दिवस (भारत)

(1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भारतीय नौसेना की उपलब्धियों की स्मृति में 4 दिसम्बर को प्रतिवर्ष नौसेना दिवस के रूप में मनाया जाता है. इस दिन कराची बन्दरगाह पर हमला करके शानदार सफलता प्राप्त की थी.)

5 दिसम्बर–विश्व मृदा दिवस (World Soil Day)

(वैश्विक खाद्य समस्या से निपटने में मृदा के महत्व को देखते हुए खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) की पहल पर वर्ष 2013 से 5 दिसम्बर को विश्व मृदा दिवस के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है.)

6 दिसम्बर–नागरिक सुरक्षा दिवस (Civil Defence Day) (**होमगार्ड स्थापना दिवस**)

(नागरिक सुरक्षा के लिए भारत में होमगार्ड की स्थापना 6 दिसम्बर, 1946 को सर्वप्रथम मुम्बई में की गई थी. 1962 में चीन के आक्रमण के समय पूरे देश के ऐसे विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों को एकजुट करके अखिल भारतीय स्तर पर इस स्वयंसेवी संगठन को मूर्त रूप दिया गया था.)

6 दिसम्बर–बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस

(भारतरत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का निधन 6 दिसम्बर, 1956 को हुआ था. उनका 67वाँ महापरिनिर्वाण दिवस 6 दिसम्बर, 2022 को मनाया गया.)

7 दिसम्बर–सशस्त्र बलों का झण्डा दिवस

(यह भारतीय सशस्त्र बलों के कर्मियों के कल्याण हेतु देश की जनता से धनसंग्रह को समर्पित दिन है, जोकि 1949 से प्रतिवर्ष 7 दिसम्बर को मनाया जाता है. सशस्त्र सेना के प्रतीक चिह्न झण्डे का वितरण कर धन संग्रह इस दिन किया जाता है.)

9 दिसम्बर–संयुक्त राष्ट्र भ्रष्टाचार निरोधी दिवस

(संयुक्त राष्ट्र संघ की पहल पर प्रतिवर्ष 9 दिसम्बर को भ्रष्टाचार निरोधी दिवस के रूप में वर्ष 2003 से मनाया जाता है.)

10 दिसम्बर–अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस

(संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र 10 दिसम्बर, 1948 को स्वीकार किया गया था. इस उपलक्ष्य में इस दिन को अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है.)

11 दिसम्बर–अन्तर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस

(पर्वतों के सतत् विकास पर ध्यान केन्द्रित करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रतिवर्ष 11 दिसम्बर को अन्तर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव 2003 में पारित किया था.)

14 दिसम्बर–राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस

(विद्युत् मंत्रालय के ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफीशियंसी के तत्वावधान में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस का आयोजन वर्ष 1991 से प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को किया जाता है.)

16 दिसम्बर–विजय दिवस

(1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की विजय की स्मृति में यह दिन विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है. 13 दिन तक चले इस युद्ध में पराजय के बाद 16 दिसम्बर, 1971 को पाकिस्तानी सेना ने तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में भारतीय सेना के समक्ष समर्पण किया था. इसके साथ ही बांग्लादेश अस्तित्व में आया था. इस युद्ध में भारत की विजय का 50वाँ विजय दिवस 16 दिसम्बर, 2021 को मनाया गया था. यह दिवस भारत व बांग्लादेश दोनों में ही मनाया जाता है.)

19 दिसम्बर–गोवा, दमन व दियू मुक्ति दिवस

(भारतीय सेनाओं ने गोवा, दमन व दियू को पुर्तगाली शासन से 19 दिसम्बर, 1961 को मुक्त कराया था.)

20 दिसम्बर–विश्व मानव एकता दिवस (इंटरनेशनल ह्यूमन सॉलिडेरिटी डे)

(विविधता में एकता दर्शाने के लिए प्रतिवर्ष 20 दिसम्बर को विश्व मानव एकता दिवस के रूप में मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा 2005 में की गई थी.)

22 दिसम्बर–राष्ट्रीय गणित दिवस

(प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवासन रामानुजन का जन्म 22 दिसम्बर, 1887 को हुआ था. उनके जन्म दिन को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाने की घोषणा 26 फरवरी, 2012 को तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने उनकी 125वीं जयंती के एक कार्यक्रम में की थी.)

23 दिसम्बर–राष्ट्रीय किसान दिवस

(23 दिसम्बर पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह का जन्म दिवस है. इस दिन को किसान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा वर्ष 2001 में श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा की गई थी.)

24 दिसम्बर–राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस

(उपभोक्ताओं को शोषण से बचाने के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 को 24 दिसम्बर, 1986 से लागू किया गया था, जिसके उपलक्ष्य में इस दिन को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के रूप में मनाया जाता है.)

वर्ष 2023 पौष्टिक अनाजों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष (International Year of Millets)

संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को पौष्टिक अनाजों का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष (International Year of Millets) घोषित किया है. इसके लिए भारत द्वारा लाए गए प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र महासभा में मार्च 2021 में स्वीकार किया गया था.

25 दिसम्बर–भारतरत्न महामना मदन मोहन मालवीय की जयन्ती

(महामना मदन मोहन मालवीय का जन्म 25 दिसम्बर, 1861 को हुआ था.)

25 दिसम्बर–सुशासन दिवस

(पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस 25 दिसम्बर को सुशासन दिवस के रूप में मनाने की घोषणा नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने 2014 में की थी.)

26 दिसम्बर–वीर बाल दिवस

(सिखों के गुरु गोविंद सिंह के साहेबजादों की शहादत की स्मृति में 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 9 जनवरी, 2022 को गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश उत्सव के अवसर पर की थी.)

28 दिसम्बर–कांग्रेस पार्टी का स्थापना दिवस

(28 दिसम्बर, 2022 को कांग्रेस का 138वाँ स्थापना दिवस था. इस पार्टी की स्थापना 28 दिसम्बर, 1885 को हुई थी.)

23 जनवरी, 2023 से चीन में खरगोश वर्ष (Year of Water Rabbit)

चीन में 12 वर्षों के ज्योतिष चक्र के आधार पर लगातार 12 वर्षों का नामकरण अलग-अलग जानवरों के आधार पर होता है इसी शृंखला में 1 फरवरी, 2022 से टाइगर का वर्ष (Year of Tiger) वहाँ शुरू हुआ था, जो 21 जनवरी, 2023 को समाप्त होगा. उसके पश्चात् 22 जनवरी, 2023 से खरगोश का वर्ष (Year of Water Rabbits) वहाँ शुरू होगा, जो 9 फरवरी, 2024 तक रहेगा.

सम्मेलन (Conferences)

इंडियन साइंस काँग्रेस

इंडियन साइंस काँग्रेस का 108वाँ वार्षिक अधिवेशन 3–7 जनवरी, 2023 को नागपुर में सम्पन्न हुआ. इस वर्ष इस अधिवेशन का थीम-'महिला सशक्तिकरण के साथ सतत् विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी' (Science and Technology for Sustainable Development with Empowerment) था. अधिवेशन का उद्घाटन प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए किया.

विविध (Miscellaneous)

भारत व नेपाल की सेनाओं का संयुक्त अभ्यास सूर्य किरण-XVI

भारत और नेपाल की सेनाओं के बीच भारत-नेपाल संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास सूर्य किरण का 16वाँ संस्करण **'सूर्य किरण-XVI'** 16–29 दिसम्बर, 2022 को नेपाल में सलझंडी के नेपाल आर्मी बैटल स्कूल में आयोजित किया गया. पहाड़ी इलाकों में जंगल युद्ध (Jungle Warfare) तथा आतंकवाद रोधी अभियानों में मानवीय सहायता एवं आपदा राहत कार्यों में अंतरक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से सूर्य किरण सैन्य अभ्यास भारत और नेपाल के बीच प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है. सूर्य किरण-XVI के तहत् दोनों देशों की सैन्य टुकड़ियों ने अपने-अपने देशों में वर्षों से विभिन्न उग्रवाद विरोधी अभियानों के संचालन के दौरान प्राप्त हुए अनुभवों को साझा किया. रक्षा मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार यह संयुक्त सैन्य अभ्यास रक्षा सहयोग के स्तर को बढ़ाएगा, जो दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सम्बन्धों को और बढ़ावा देगा.

काजिंद 2022 : भारत- सैन्याभ्यास की सेनाओं का संयुक्ताभ्यास

भारत व कजाखस्तान की सेनाओं का संयुक्त सैन्याभ्यास काजिंद (Kazind) 2022 मेघालय में उमरोई में 15–28 दिसम्बर, 2022 को सम्पन्न हुआ. इस संयुक्त अभ्यास में दोनों देशों की सेनाओं की एक-एक टुकड़ी ने जंगल तथा अर्धशहरी/शहरी क्षेत्रों में संयुक्त आतंकवाद निरोधी अभियानों में अपने सामरिक और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया. दोनों देशों की सेनाओं के बीच यह छठा वार्षिक संयुक्त अभ्यास था जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय सम्बन्धों को बढ़ावा देना था. दोनों देशों के बीच ऐसा पिछला संयुक्त अभ्यास काजिंद-2021 पिछले वर्ष 30 अगस्त-11 सितम्बर, 2021 को कजाखस्तान में आयोजित किया गया था.

●●●

बौद्धिक एवं तार्किक क्षमता

ये पुस्तकें प्रतियोगिता परीक्षाओं में आपके काम आएँ, आपका बौद्धिक एवं तार्किक स्तर बढ़ाएँ.

Code No : 2549 ₹ 460.00

उपकार की पुस्तकें

प्रश्न और उनके विस्तृत उत्तरों सहित

Code No : 2525 ₹ 225.00

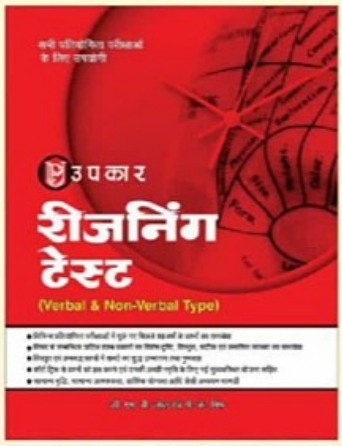

Code No : 1024 ₹ 330.00

Code No : 679 ₹ 235.00

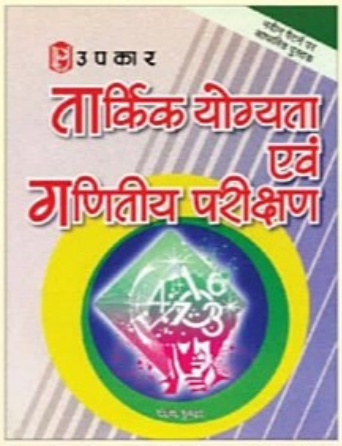

Code No : 1145 ₹ 350.00

Code No : 135
₹ 160.00

Code No : 2645
₹ 199.00

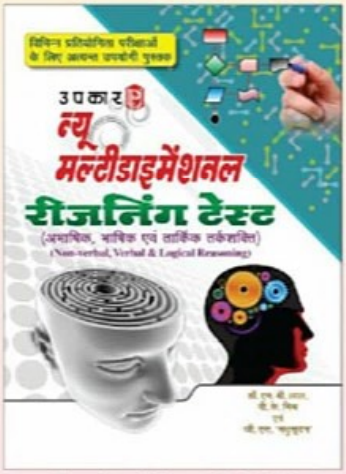

Code No : 2264
₹ 575.00

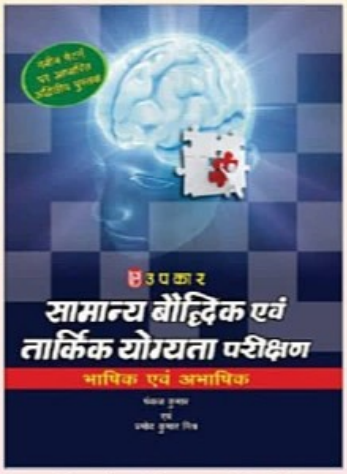

Code No : 1141
₹ 430.00

उपकार प्रकाशन | 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005
फोन : (0562) 2530966, 2531101 • E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in
• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • हल्द्वानी मो. 07060421008

खेलकूद

से हरा कर जीता. भारत का दृष्टिबाधित टी-20 क्रिकेट में यह लगातार तीसरा खिताब है. इस खिताब के लिए ₹ 3 लाख पुरस्कार में भारतीय टीम को मिले, जबकि उपविजेता बांग्लादेश को ₹ 1·50 लाख मिले. इस टूर्नामेण्ट में भारतीय टीम के कप्तान अजय कुमार रेड्डी थे.

क्रिकेट

विजय हजारे ट्रॉफी (2022) : सौराष्ट्र विजेता

बीसीसीआई की घरेलू लिस्ट ए क्रिकेट की विजय हजारे ट्रॉफी के लिए फाइनल मुकाबला महाराष्ट्र व सौराष्ट्र के बीच हुआ. अहमदाबाद में 2 दिसम्बर, 2022 को खेले गए इस मुकाबले में महाराष्ट्र को 5 विकेट से हराकर सौराष्ट्र ने यह ट्रॉफी जीतने में सफलता प्राप्त की. **15 वर्ष के अन्तराल के पश्चात् सौराष्ट्र ने यह ट्रॉफी जीती है.**

भारत-बांग्लादेश शृंखला (2022)

मेजबान टीम के विरुद्ध 2 टेस्ट मैचों व 3 एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मैचों की शृंखलाएं खेलने के लिए भारत की क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश का दौरा दिसम्बर 2022 में किया. इनमें टेस्ट शृंखला के लिए रोहित शर्मा तथा ओडीआई शृंखला के लिए के.एल. राहुल भारतीय टीम के कप्तान थे.

2 टेस्ट मैचों की शृंखला का पहला टेस्ट चिटगाँव में भारत ने 188 रन से जीता, जबकि मीरपुर में दूसरे टेस्ट में 3 विकेट से विजय भारतीय टीम ने दर्ज की. इससे दो टेस्ट मैचों की यह शृंखला भारत ने 2-0 से जीती.

ओडीआई शृंखला के पहले दोनों मैच बांग्लादेश ने जीते तथा 10 दिसम्बर को चिटगाँव में तीसरे मैच में भारतीय टीम 227 रनों से विजयी रही. इससे बांग्लादेश ने यह शृंखला 2-1 से जीती.

- **चिटगाँव मैच में भारत के विराट कोहली ने शतकीय पारी खेल कर अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपना 72वाँ शतक बनाया.**
- भारत के ईशान किशन ने 126 गेंदों पर दोहरा शतक बना कर ओडीआई में सबसे तेज गति से दोहरा शतक बनाने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया.

दृष्टिबाधित टी-20 विश्व कप (2022) : भारत लगातार तीसरी बार विजेता

दृष्टिबाधित टी-20 विश्व कप क्रिकेट का आयोजन भारत की मेजबानी में 5–17 दिसम्बर, 2022 को हुआ. इसका खिताब भारत ने फाइनल में बांग्लादेश को 120 रन

ट्रॉफी के साथ भारतीय टीम

एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज गति से दोहरा शतक बनाने का ईशान किशन का विश्व रिकॉर्ड

एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे कम गेंदों पर दोहरा शतक बनाने का विश्व रिकॉर्ड अब भारत के ईशान किशन के नाम हो गया है. 10 दिसम्बर, 2022 को चिटगाँव (बांग्लादेश) में मेजबान टीम के विरुद्ध खेलते हुए 126 गेंदों पर दोहरा शतक बनाकर वेस्टइंडीज के क्रिस गेल का रिकॉर्ड ईशान किशन ने भंग किया. क्रिस गेल ने 2015 में विश्व कप में जिम्बाब्वे के विरुद्ध 138 गेंदों पर दोहरा शतक बनाया था.

ईशान किशन का यह शतक एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया छठा दोहरा शतक है.

दृष्टिबाधित विश्व कप क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया के तत्वावधान में आयोजित इस तीसरे टूर्नामेण्ट में भारत व बांग्लादेश के अतिरिक्त आस्ट्रेलिया, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका व द. अफ्रीका सहित कुल सात देश शामिल थे. देश के 9 शहरों में कुल मिलाकर 24 मैच इस टूर्नामेण्ट में खेले गए थे. इस शृंखला में इससे पहले के दो आयोजन 2012 व 2017 में हुए थे तथा वह दोनों भी भारत ने ही जीते थे.

पुरुषों का नेशंस कप (2022) : दक्षिण अफ्रीका विजेता

अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) के तत्वावधान में पुरुषों के पहले नेशंस कप का आयोजन 28 नवम्बर–4 दिसम्बर, 2022 को द. अफ्रीका पॉटकैफ्स्ट्रूम (Potchefstroom) में हुआ. इसका खिताब मेजबान द. अफ्रीका ने आयरलैण्ड को फाइनल में 4-3 से हराकर जीता. तीसरा स्थान द. कोरिया का इसमें रहा. 8 टीमें एफआईएच के इस टूर्नामेण्ट में शामिल थीं.

कुल मिलाकर 20 मैच इस टूर्नामेण्ट में खेले गए जिनमें कुल मिलाकर 93 गोल हुए. सर्वाधिक 7 गोल द. कोरिया के जांग जोंग ह्युन ने किए द. अफ्रीका के द यान कैसीम को टूर्नामेण्ट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया. सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार द. कोरिया के किम जायेह यियोन को मिला.

इस टूर्नामेण्ट में खिताब के आधार पर द. अफ्रीका ने अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के पुरुषों के 2023-24 के प्रो. लीग के लिए अर्हता प्राप्त की.

महिलाओं का नेशंस कप (2022) : भारत विजेता

अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) के तत्वावधान में महिलाओं के पहले नेशंस कप का आयोजन 11–17 दिसम्बर, 2022 को स्पेन में वैलेंसिया (Valencia) में हुआ. इसका खिताब भारत ने मेजबान स्पेन को फाइनल में 1–0 से हरा कर जीता. तीसरा स्थान जापान का इसमें रहा. 8 टीमें एफआईएच के इस टूर्नामेण्ट में शामिल थीं.

कुल मिलाकर 20 मैच इस टूर्नामेण्ट में खेले गए जिनमें कुल 50 गोल हुए. सर्वाधिक 3 गोल आयरलैण्ड की कैथरीन कैटी ने किए. स्पेन की लूसिया विसेंट को टूर्नामेण्ट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया. सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार भारतीय टीम की कप्तान एवं गोलकीपर सविता पूनिया को मिला.

इस टूर्नामेण्ट में खिताब के आधार पर भारत की महिला हॉकी टीम ने अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के 2023-24 के प्रो. लीग के लिए अर्हता प्राप्त की.

भारत-आस्ट्रेलिया टेस्ट शृंखला (2022)

आस्ट्रेलिया के दौरे पर भारत की हॉकी टीम ने पाँच टेस्ट मैचों की शृंखला मेजबान टीम के साथ दिसम्बर 2022 में खेली. इस शृंखला का केवल तीसरा मैच भारतीय टीम ने जीता, शेष चारों मैच आस्ट्रेलिया की हॉकी टीम ने जीते. इससे यह शृंखला आस्ट्रेलिया ने 4-1 से जीती. इस शृंखला में हरमनप्रीत भारतीय टीम के कप्तान थे.

अर्जेंटीना तीसरी बार पुरुषों के फीफा विश्व कप का विजेता

20 नवम्बर-18 दिसम्बर 2022 को कतर (Qatar) में खेले गए फीफा (FIFA–Federation International de Football Association) के पुरुषों के 22वें विश्व कप का खिताब दो बार के विजेता फ्रांस को फाइनल में शूट-आउट दौर में 4-2 से हराकर अर्जेंटीना ने जीता है. 90 मिनट के निर्धारित समय तक यह मैच 2-2 से तथा 15-15 मिनट के दो अतिरिक्त समय में 3-3 से बराबरी पर था. पेनल्टी शूटआउट दौर में बाजी 4-2 से अर्जेंटीना के हाथ रही. **अर्जेंटीना का फीफा विश्व कप में यह तीसरा खिताब है.** इससे पूर्व 1978 व 1986 में विश्व कप अर्जेंटीना ने जीता था. फ्रांस भी इससे पूर्व दो बार 1998 व 2018 में विश्व कप का विजेता रह चुका है. टूर्नामेन्ट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किए गए लियोनिल मैसी इस टूर्नामेन्ट में अर्जेन्टीना की टीम के कप्तान थे, जबकि फ्रांसीसी टीम के कप्तान ह्यूगो लॉरिस (Hugo Loris) थे. 29 दिन तक चले इस टूर्नामेण्ट में तीसरा स्थान क्रोएशिया का रहा. 17 दिसम्बर को तीसरे स्थान के लिए खेले गए मैच में क्रोएशिया ने मोरक्को को 2-1 से पराजित किया.

ट्रॉफी के साथ अर्जेंटीना टीम के कप्तान लियोनल मैसी

विजेता टीम ट्रॉफी के साथ

इस खिताबी विजय के लिए चमचमाती ट्रॉफी के साथ 42 मिलियन डॉलर (₹ 347 करोड़) की राशि विजेता अर्जेंटीना की टीम को प्रदान की गई, जबकि उपविजेता फ्रांस की टीम को 30 मिलियन डॉलर (₹ 248 करोड़) पुरस्कार में प्राप्त हुए. तीसरे स्थान पर रही क्रोएशिया की टीम को 27 मिलियन डॉलर (₹ 223 करोड़) व चौथे स्थान पर रहे मोरक्को को 25 मिलियन डॉलर (₹ 206 करोड़) प्राप्त हुए. 440 मिलियन डॉलर की इस टूर्नामेन्ट की कुल ईनामी राशि में से शेष राशि शेष सभी टीमों को उनके द्वारा जीते गए मैचों के आधार पर विभाजित की गई.

विश्व कप 2022 के प्रमुख पुरस्कार

पुरस्कार	विजेता
गोल्डन बूट	किलियन एम्बाप्पे (फ्रांस)
गोल्डन बाल	लियोनल मेसी (अर्जेंटीना)
गोल्डन ग्लव	एमिलियानो मार्टिनेज (अर्जेंटीना)
फीफा यंग प्लेयर अवॉर्ड	एंजो फर्नांडीज (अर्जेंटीना)
फेयर प्ले ट्रॉफी	इंगलैण्ड (सबसे कम कार्ड्स)

फीफा के 6 में से 5 कॉन्फेडरेशंस की 32 टीमें इस टूर्नामेण्ट के फाइनल दौर में शामिल थीं. कतर की टीम मेजबान होने के नाते ही फाइनल दौर की 32 टीमों में स्थान पा सकी थी, जबकि अन्य टीमें अर्हता मुकाबलों में प्रदर्शन के आधार पर फाइनल दौर में पहुँची थी.

फीफा विश्व कप के विजेता राष्ट्र

राष्ट्र	कितनी बार जीता	वर्ष
ब्राजील	5	1958, 1962, 1970, 1994, 2002
इटली	4	1934, 1938, 1982, 2006
जर्मनी	4	1954, 1974, 1990, 2014
अर्जेंटीना	3	1978, 1986, 2022
उरुग्वे	2	1930, 1950
फ्रांस	2	1998, 2018
इंगलैण्ड	1	1966
स्पेन	1	2010

फीफा विश्व कप : विभिन्न आयोजनों के विजेता

क्र.	वर्ष	मेजबान देश	टीमों की संख्या	मैचों की संख्या	विजेता	रनर अप
1.	1930	उरुग्वे	13	18	उरुग्वे	अर्जेन्टीना
2.	1934	इटली	16	17	इटली	चेकोस्लोवाकिया
3.	1938	फ्रांस	15	18	इटली	हंगरी
4.	1950	ब्राजील	13	22	उरुग्वे	ब्राजील
5.	1954	स्विट्जरलैण्ड	16	26	जर्मनी एफआर	हंगरी
6.	1958	स्वीडन	16	35	ब्राजील	स्वीडन
7.	1962	चिली	16	32	ब्राजील	चेकोस्लोवाकिया
8.	1966	इंगलैण्ड	16	32	इंगलैण्ड	जर्मनी एफआर
9.	1970	मेक्सिको	16	32	ब्राजील	इटली
10.	1974	जर्मनी एफआर	16	38	जर्मनी एफआर	हॉलैण्ड
11.	1978	अर्जेन्टीना	16	38	अर्जेन्टीना	हॉलैण्ड
12.	1982	स्पेन	24	52	इटली	जर्मनी एफआर
13.	1986	मेक्सिको	24	52	अर्जेन्टीना	जर्मनी एफआर
14.	1990	इटली	24	52	जर्मनी एफआर	अर्जेन्टीना
15.	1994	अमरीका	24	52	ब्राजील	इटली
16.	1998	फ्रांस	32	64	फ्रांस	ब्राजील
17.	2002	कोरिया/जापान	32	64	ब्राजील	जर्मनी
18.	2006	जर्मनी	32	64	इटली	फ्रांस
19.	2010	द. अफ्रीका	32	64	स्पेन	नीदरलैण्ड्स
20.	2014	ब्राजील	32	64	जर्मनी	अर्जेन्टीना
21.	2018	रूस	32	64	फ्रांस	क्रोएशिया
22.	2022	कतर	32	64	अर्जेन्टीना	फ्रांस
23.	2026	अमरीका, कनाडा, मेक्सिको (प्रस्तावित)	48	80	—	—

32 टीमों के फाइनल दौर में स्थान बनाने वाली टीमों को प्रारम्भिक मुकाबलों के लिए 4-4 टीमों के निम्नलिखित 8 समूहों (Groups) में बाँटा गया था. ग्रुप मैचों में प्रत्येक ग्रुप में पहले दो स्थानों पर रही टीमों के नाम पहले दिए गए हैं–

ग्रुप A. नीदरलैण्ड्स, सेनेगल, ईक्वेडोर, कतर

B. इंगलैण्ड, अमरीका, ईरान, वेल्स

C. अर्जेंटीना, पोलैण्ड, मेक्सिको, सऊदी अरब

D. फ्रांस, आस्ट्रेलिया, ट्यूनीशिया, डेनमार्क

E. जापान, स्पेन, जर्मनी, कोस्टारिका

F. मोरक्को, क्रोएशिया, बेल्जियम, कनाडा

G. ब्राजील, स्विट्जरलैण्ड्स, कैमरून, सर्बिया

H. पुर्तगाल, द. कोरिया, उरुग्वे, घना

ग्रुप मैचों व ग्रुप ऑफ 16 के पश्चात् क्वार्टर फाइनल में स्थान बनाने वाली 8 टीमें–क्रोएशिया, ब्राजील, नीदरलैण्ड्स, अर्जेंटीना, मोरक्को, पुर्तगाल, इंगलैण्ड व फ्रांस थीं.

- 9-10 दिसम्बर को खेले गए क्वार्टर फाइनल्स में क्रोएशिया ने ब्राजील को, अर्जेंटीना ने नीदरलैण्ड्स को, मोरक्को ने पुर्तगाल को तथा फ्रांस ने इंगलैण्ड को हराकर सेमीफाइनल में स्थान बनाए.
- 13 दिसम्बर को पहले सेमीफाइनल में अर्जेंटीना ने क्रोएशिया को हराकर तथा 14 दिसम्बर का दूसरे सेमीफाइनल में फ्रांस ने मोरक्को को हरा कर फाइनल में स्थान बनाए.
- तीसरे स्थान के लिए मैच 17 दिसम्बर को क्रोएशिया व मोरक्को के बीच खेला गया जिसमें क्रोएशिया विजयी रहा.
- **18 दिसम्बर को लुसैल स्टेडियम, लुसैल (Lusail) में खेले गए फाइनल में अर्जेंटीना ने फ्रांस को हराकर इस विश्व कप का खिताब अपने नाम किया.**
- **29 दिन तक चले इस टूर्नामेन्ट में कुल 64 मैच खेले गए जिनमें कुल मिलाकर 172 गोल हुए (औसत 2·69 गोल प्रति मैच) टूर्नामेण्ट में सर्वाधिक 8 गोल करने का श्रेय फ्रांस के किलियन एम्बापे को प्राप्त हुआ. इसके लिए गोल्डन बूट पुरस्कार उन्हें दिया गया. टूर्नामेण्ट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का गोल्डन बाल पुरस्कार अर्जेंटीना के लियोनल मैसी को तथा सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का फीफा यंग प्लेयर अवार्ड अर्जेंटीना के ही एंजो फर्नांडीज को दिया गया. सर्वश्रेष्ठ गोल कीपर का गोल्डन ग्लव पुरस्कार अर्जेंटीना के ही एमिलियानो मार्टिनेज को दिया गया. टूर्नामेण्ट की फेयर प्ले ट्रॉफी इंगलैण्ड को प्रदान की गई.**
- इस विश्व कप में कुल 2 हैट्रिक्स बनी. पहली हैट्रिक पुर्तगाल के गोंकालो रामोस (Goncalo Ramos) ने 6 दिसम्बर, 2022 को स्विट्जरलैण्ड के विरुद्ध मैच में बनाई, जबकि दूसरी हैट्रिक फ्रांस के किलियन एम्बापे ने 18 दिसम्बर फ्रांस के विरुद्ध फाइनल मैच में बनाई.
- टूर्नामेण्ट के उपर्युक्त सभी मैच कतर के पाँच शहरों–लुसैल, अलखोर, अलरय्यान, दोहा तथा अल वक्रवार में 8 विभिन्न स्टेडियम्स पर खेले गए.
- इस विश्व कप में दो आत्मघाती गोल (Own Goals) हुए. पहला आत्मघाती गोल मोरक्को के नायेफ एक्वर्ड (Nayf Aquered) ने 1 दिसम्बर को कनाडा के विरुद्ध मैच में तथा दूसरा अर्जेंटीना के एंजों फर्नांडेज़ (Enzo Fernandez) ने 3 दिसम्बर को आस्ट्रेलिया के विरुद्ध मैच में किया.
- इस टूर्नामेण्ट के **शुभंकर** (Mascot) को **Laeeb** नाम दिया गया था, जिसका अर्थ है **सुपर स्किल्ड प्लेयर.** आधिकारिक मैच बाल को अल रिहला (Al Rihla) नाम दिया गया था, जिसका अर्थ है 'यात्रा' (Journey).
- इस टूर्नामेण्ट का रंगारंग समापन समारोह 18 दिसम्बर को फाइनल मैच से पूर्व ही लुसैल स्टेडियम में हुआ. समापन समारोह में 80 हजार से अधिक दर्शकों की उपस्थिति में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करने वालों में बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही भी शामिल थीं.
- **फीफा के पुरुषों के आगामी 23वें विश्व कप का आयोजन जून-जुलाई 2026 में अमरीका, कनाडा व मेक्सिको की मेजबानी में होगा. इस आयोजन में भाग लेने वाली टीमों की संख्या 48 होगी.**

क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब सऊदी अरब के अल नासर क्लब से जुड़े

पुर्तगाल के स्टार फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो, जो पिछले 2 वर्ष से मैनचेस्टर क्लब के लिए खेलते थे, अब सऊदी अरब के अल नासर (Al Nassr) क्लब से जा जुड़े हैं. अल नासर के साथ 2025 तक रहने का अनुबंध उन्होंने किया है. पाँच बार के बैलन डि ओर विजेता रोनाल्डो को इस अनुबन्ध के लिए 200 मिलियन पांउड प्रतिवर्ष मिलेंगे.

क्रिस्टियानो रोनाल्डो

टेनिस

चीन में कोरोना महामारी के दबाव के चलते नवम्बर व दिसम्बर 2022 में प्रस्तावित चेंगडू ओपन, चाइना ओपन, शंघाई मास्टर्स व सेंटपीटर्सबर्ग ओपन टेनिस टूर्नामेण्ट्स का आयोजन इस वर्ष रद्द कर दिया गया था, जबकि रूस में होने वाले क्रेमलिन कप का आयोजन रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण नहीं हो सका.

बैडमिन्टन

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स (2022)

विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) की वर्ष 2022 की अन्तिम स्पर्द्धा बीडब्ल्यूएफ टूर्नामेण्ट का आयोजन थाइलैण्ड में बैंकॉक में 7–11 दिसम्बर, 2022 को सम्पन्न हुआ. इसमें पुरुष व महिला वर्ग के एकल खिताब क्रमशः विक्टर एक्सेलसेन (Viktor Axelsen) व अकाने यामागुची (Akane Yamaguchi) ने जीते. डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन ने 11 दिसम्बर, 2022 को फाइनल मुकाबले में इण्डोनेशिया के एंथनी सिनीसूका ग्रिटिंग को हरा कर पुरुषों का एकल खिताब जहाँ जीता वहीं महिलाओं के एकल खिताब के लिए ताइवान की ताई त्जू यिंग को फाइनल में जापान की अकाने यामागुची ने हराया. पुरुषों व महिलाओं के युगल खिताब के साथ-साथ मिश्रित युगल खिताब भी चीनी खिलाड़ियों की जोड़ियों ने ही जीते. इन सभी खिताबों के विजेताओं के नाम तालिका में दर्शाए गए हैं–

बैडमिंटन खिलाड़ियों की वर्षांत रैंकिंग (2022)

रैंक	पुरुष
1	विक्टर एक्सेलसेन (डेन्मार्क)
2	चोउ टिएन चेन (Chou Tien Chen) (ताइपै)
3	**एच.एस. प्रणोय (भारत)**
4	जोनाटन क्रिस्टी (Jonatan Christie) (इंडोनेशिया)
5	कोडई नाराओका (Kodai Naraoka) (जापान)
6	लू गुआंग झू (Lu Guang Zu) (चीन)
7	एंथनी सिनीसुका ग्रिंटिंग (Anthony Sinisuka Grinting) (इंडोनेशिया)
8	लोह कीन यिऊ (Loh Kean Yew) (सिंगापुर)
9	ली जी जिया (Lei Zii Jia) (मलेशिया)
10	**किदंबी श्रीकान्त (भारत)**
11	**लक्ष्य सेन (भारत)**
रैंक	**महिला**
1	चेन यू फी (Chen yu fei) (Chen Yu Fei) (चीन)
2	ताई त्जू यिंग (Tai Tzu Ying) (ताइपै)
3	हे बिंग जियाओ (He Bing Jiao) (चीन)
4	आन से यंग (Aan Se Young) (द. कोरिया)
5	**पी. वी. सिंधु (भारत)**
6	हान यू (Han Yue) (चीन)
7	रत्चानोक इंटेनॉन (Ratchanok Intanon) (थाइलैण्ड)
8	बुसनान ओगंबामरुंग फान (Busanan Ongbamrungphan) (थाइलैण्ड)
9	वांग झी यी (Wang Zhi Yi) (चीन)
10	अकाने यामागुची (Akane Yamaguchi) (जापान)

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल (2022)
(7–11 दिसम्बर, 2022, बैंकॉक)

विजेता एवं उपविजेता	
पुरुष एकल	**विजेता**–विक्टर एक्सेलसेन (डेनमार्क) **उपविजेता**–एंथनी सिनीसूका गिंटिंग (इंडोनेशिया)
महिला एकल	**विजेता**–अकाने यामागुची (जापान) **उपविजेता**–ताइ त्जू यिंग (चीनी ताइपै)
पुरुष युगल	**विजेता**–लियु यूचेन व ओउ शुआन्यी (दोनों चीन) **उपविजेता**–मोहम्मद अहसान व हेन्द्रा सेतियावान (दोनों इंडोनेशिया)
महिला युगल	**विजेता**–चेन क्विंग चेन व जिया यिफान (दोनों चीन) **उपविजेता**–बेन्यापा एक्सार्ड व नुंतार्कन एक्सार्ड (दोनों थाइलैण्ड)
मिश्रित युगल	**विजेता**–झेंग सीवी व हुवांग याक्योंग (दोनों चीन) **उपविजेता**–डेचापोल पुआवरुनुकोह व सैपसिरी तीरत्तताचाइ (दोनों थाइलैण्ड)

चीन में कोरोना महामारी के दबाव के चलते नवम्बर-दिसम्बर 2022 में प्रस्तावित मकाउ ओपन, हांगकांग ओपन, आस्ट्रेलियाई ओपन व न्यूजीलैण्ड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट्स का आयोजन इस वर्ष रद्द कर दिया गया था.

टेबल टेनिस

मेघना अहलावत टेबल टेनिस फेडरेशन की अध्यक्ष

हरियाणा के उपमुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चौटाला की पत्नी श्रीमती मेघना अहलावत भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (TTFI) की अध्यक्ष दिसम्बर 2022 में निर्वाचित हुई हैं.

मेघना अहलावत

मेघना अहलावत के पति श्री दुष्यंत चौटाला ही जनवरी 2017 से टेबल टेनिस महासंघ के अध्यक्ष थे. महासंघ के क्रियाकलापों में खराब स्थिति देखते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने फरवरी 2022 में महासंघ को भंग करते हुए इसके कामकाज को देखने के लिए प्रशासकों की एक समिति नियुक्त की थी.

भारोत्तोलन

विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप (2022)

अन्तर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (IWF) के तत्वावधान में वर्ष 2022 की विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप का आयोजन कोलम्बिया में बोगोटा (Bogota) में 5-16 दिसम्बर, 2022 को हुआ. पुरुषों व महिलाओं, दोनों की स्पर्द्धाएं इसमें शामिल थीं. **इस चैम्पियनशिप में भारत के लिए केवल एक रजत पदक मीराबाई चानू ने महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में जीता** (मीराबाई चानू ने इससे पूर्व 2017 की विश्व चैम्पियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता था).

इस आयोजन में 6 स्वर्ण, 3 रजत व 3 कांस्य सहित 12 पदक जीतकर चीन ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया. 8 पदकों (2 स्वर्ण, 2 रजत व 4 कांस्य) के साथ मेजबान कोलम्बिया का दूसरा तथा 6 पदक (2 स्वर्ण, 2 रजत व 2 कांस्य) जीतकर थाइलैण्ड का इसमें तीसरा स्थान रहा.

पदक तालिका में पहले 5 देश

रैंक	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	योग
1	चीन	6	3	3	12
2	कोलम्बिया	2	2	4	8
3	थाइलैण्ड	2	2	2	6
4	इंडोनेशिया	1	2	0	3
5	बहरीन	1	1	0	2
5	जॉर्जिया	1	1	0	2

आगामी विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप का आयोजन सऊदी अरब में रियाद में सितम्बर 2023 में होगा.

वर्ष 2023 की फॉर्मूला-1 रेसों का कार्यक्रम (अनंतिम)

क्र.	तिथि	आयोजन स्थल	रेस
1.	5 मार्च	साखिर	बहरीन ग्राण्ड प्रिक्स
2.	19 मार्च	जेद्दाह (सऊदी अरब)	सऊदी अरब ग्राण्ड प्रिक्स
3.	2 अप्रैल	मेलबर्न	आस्ट्रेलिया ग्राण्ड प्रिक्स
4.	30 अप्रैल	बाकू	अजरबेजान ग्राण्ड प्रिक्स
5.	7 मई	मियामी	मियामी ग्राण्ड प्रिक्स
6.	21 मई	इमोला	इटैलियन ग्राण्ड प्रिक्स
7.	28 मई	मोंट कार्लो	मोनाको ग्राण्ड प्रिक्स
8.	4 जून	बार्सीलोना	स्पेनिश ग्राण्ड प्रिक्स
9.	18 जून	मॉंट्रियल	कैनेडियन ग्राण्ड प्रिक्स
10.	2 जुलाई	स्पीलबर्ग	आस्ट्रियाई ग्राण्ड प्रिक्स
11.	9 जुलाई	सिल्वरस्टोन	ब्रिटिश ग्राण्ड प्रिक्स
12.	23 जुलाई	बुडापेस्ट	हंगेरियन ग्राण्ड प्रिक्स
13.	30 जुलाई	स्पा फ्रेंकोर्चैम्प्स	बेल्जियम ग्राण्ड प्रिक्स
14.	27 अगस्त	जंडवूर्ट	नीदरलैण्ड्स
15.	3 सितम्बर	मोंजा	इटैलियन ग्राण्ड प्रिक्स
16.	17 सितम्बर	सिंगापुर	सिंगापुर ग्राण्ड प्रिक्स
17.	24 सितम्बर	सुजुका	जापानी ग्राण्ड प्रिक्स
18.	8 अक्टूबर	लुसैल	कतर ग्राण्ड प्रिक्स
19.	22 अक्टूबर	ऑस्टिन	अमरीकी ग्राण्ड प्रिक्स
20.	29 अक्टूबर	मेक्सिको सिटी	मेक्सिकन ग्राण्ड प्रिक्स
21.	5 नवम्बर	साओ पाउलो	ब्राजीली ग्राण्ड प्रिक्स
22.	19 नवम्बर	लास वेगास	लास वेगास ग्राण्ड प्रिक्स
23.	26 नवम्बर	यस मारिना	आबूधाबी ग्राण्ड प्रिक्स

महिलाओं की सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियन-शिप (2022)

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (BFI) के तत्वावधान में महिलाओं की छठी सीनियर राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप का आयोजन मध्य प्रदेश में भोपाल में 19-26 दिसम्बर 2022 को हुआ. 5 स्वर्ण, 3 रजत व 2 कांस्य पदकों के साथ टीम रैंकिंग में रेलवे का इसमें शीर्ष स्थान रहा. 1 स्वर्ण, 2 रजत व 5 कांस्य के साथ मध्य प्रदेश का दूसरा तथा 2 स्वर्ण, 2 कांस्य के साथ हरियाणा का तीसरा स्थान इसमें रहा. विभिन्न वर्गों में विजेताओं के नाम अग्रलिखित हैं–

वर्ग (किग्रा में)	विजेता (स्वर्ण पदक)
48	मंजू रानी (रेलवे)
50	निखत जरीन (तेलंगाना)
52	साक्षी (सेना)
54	शिक्षा (रेलवे)
57	मनीषा (हरियाणा)
60	पूनम (रेलवे)
63	शशि चोपड़ा (रेलवे)
66	मंजू बम्बोरिया (मध्य प्रदेश)
70	सानामाचा चानू (मणिपुर)
75	लवलीना बोरगोहेन (असम)
81	स्वीटी बूरा (हरियाणा)
81	नूपुर (रेलवे)

●●●

शेष पृष्ठ 22 का

दलों के कुल मिलाकर 165 सांसदों का समर्थन इस सरकार को प्राप्त है. 68 वर्षीय प्रचंड तीसरी बार नेपाल के प्रधानमंत्री बने हैं. इससे पूर्व वह 2008-09 तथा 2016-2017 के दौरान वह प्रधानमंत्री रह चुके हैं.

कूटनीतिज्ञों का मानना है कि एक माह से अधिक समय तक चले राजनीतिक दाँव पेचों में असली विजेता ओली ही रहे हैं. नए गठबंधन से न केवल सबसे बड़े दल नेपाली कांग्रेस की सरकार के गठन को नाकामयाब करने में वह सफल रहे हैं बल्कि सभी वाम दलों को एकजुट भी उन्होंने कर लिया है. नेपाल में राष्ट्रपति (श्रीमती विद्या देवी भण्डारी) पहले ही ओली के दल की हैं, अब स्पीकर भी इन्हीं के दल का सम्भावित है. इस प्रकार नेपाली सत्ता पर एक बार पुनः ओली की पकड़ मजबूत हुई है. साथ ही एक बार पुनः भारत की तुलना में चीन को प्राथमिकता देने वाली सरकार का गठन नेपाल में हुआ है.

●●●

रोजगार समाचार

मध्य प्रदेश में समूह-ग के अन्तर्गत सहायक ग्रेड-3 स्टेनोटाइपिस्ट, शीघ्र लेखक व अन्य पदों की सीधी भर्ती व सीधी भर्ती बैकलॉग हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा, 2023

मध्य प्रदेश शासन के अधीन समूह 4 के अन्तर्गत सहायक ग्रेड-3, स्टेनोटाइपिस्ट, शीघ्र लेखक व अन्य पदों सहित कुल मिलाकर 2716 रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा, 2023 5 अगस्त, 2023 ऑनलाइन आयोजित की जाएगी. इन भर्तियों के लिए इच्छुक पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन-पत्र मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल भोपाल द्वारा 20 मार्च, 2023 तक आमंत्रित किए गए हैं. इन पदों के लिए उम्मीदवारों का आधार पंजीयन होना आवश्यक है.

विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है.

शैक्षणिक योग्यता– हायर सेकण्डरी (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण तथा कम्प्यूटर की निर्धारित योग्यता, स्टेनोग्राफर के पद हेतु हिन्दी/अंग्रेजी टंकण की निर्धारित योग्यता आवश्यक है.

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली ऑनलाइन प्रतियोगिता परीक्षा में 100 अंकों का एक प्रश्न-पत्र होगा, जिसमें सामान्य ज्ञान, सामान्य हिन्दी, सामान्य अंग्रेजी, सामान्य गणित, सामान्य कम्प्यूटर ज्ञान व सामान्य अभिरुचि के प्रश्न होंगे. यह परीक्षा 5 अगस्त, 2023 से प्रारम्भ होगी.

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी व ऑनलाइन आवेदन हेतु मण्डल की वेबसाइट www.peb.mp.gov.in देखें.

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा (दिसम्बर 2022)

मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं चुनींदा अन्य विषयों में असिस्टेंट प्रोफेसर की पात्रता निर्धारित करने तथा जूनियर रिसर्च फैलोशिप के लिए यूजीसी की आगामी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (National Eligibility Test–NET) फरवरी-मार्च 2023 के दौरान सम्पन्न होगी. यह परीक्षा कम्प्यूटर आधारित होगी तथा यह 21 फरवरी–10 मार्च, 2023 के दौरान कराई जाएगी. इस परीक्षा का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (National Testing Agency) द्वारा कराया जाएगा. सम्बन्धित विषय में कम-से-कम 55 प्रतिशत (नॉन क्रीमी लेयर के ओबीसी/अनु. जाति/जनजाति के एवं विकलांग अभ्यर्थियों के मामले में कम-से-कम 50 प्रतिशत) अंकों के साथ स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी इस परीक्षा में शामिल हो सकते हैं. पी-एच.डी. उपाधि धारक जिन अभ्यर्थियों की स्नातकोत्तर स्तरीय परीक्षा 19 सितम्बर, 1991 से पहले पूरी हो चुकी थी, उन्हें न्यूनतम प्राप्तांकों में 5 प्रतिशत की छूट उपलब्ध है.

2 प्रश्न-पत्रों वाली इस परीक्षा के 100 व 200 अंकों के दोनों प्रश्न-पत्र वस्तुनिष्ठ किस्म के होंगे. इनमें से पहला प्रश्न-पत्र सभी विषयों के अभ्यर्थियों के लिए कॉमन होगा, जबकि दूसरे प्रश्न-पत्र में अभ्यर्थी द्वारा चुने गए विषय पर आधारित प्रश्न होंगे.

इस परीक्षा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) की वेबसाइट www.nta.ac.in व https://ugcnet.nta.nic.in देखें. इस वेबसाइट पर ही अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. ऑनलाइन हुए आवेदन की अन्तिम तिथि 17 जनवरी, 2023 है. ऑनलाइन आवेदन के पश्चात् बैंक में परीक्षा शुल्क का भुगतान 18 जनवरी, 2023 तक किया जा सकता है.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित यू.जी.सी. से सम्बन्धित विषयों की पुस्तकों का अध्ययन करें.

मध्य प्रदेश में माध्यमिक शिक्षक (विषय शिक्षक), माध्यमिक शिक्षक (खेल, संगीत–गायन वादन) प्राथमिक शिक्षक (खेल संगीत) पात्रता परीक्षा–2023

मध्य प्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग तथा जनजातीय कार्य विभाग के अन्तर्गत माध्यमिक शिक्षक (विषय शिक्षक) माध्यमिक शिक्षक (खेल, संगीत-गायन वादन) प्राथमिक शिक्षक (खेल, संगीत) के बड़ी संख्या में सम्भावित पदों हेतु आवेदन की पात्रता प्राप्त करने के लिए इच्छुक प्रत्याशियों को मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल की शिक्षक पात्रता परीक्षा निर्धारित अंकों के साथ उत्तीर्ण करना आवश्यक है. मण्डल द्वारा 2023 की इस परीक्षा का आयोजन प्रदेश में विभिन्न शहरों में ऑनलाइन पद्धति से 25 अप्रैल, 2023 से शुरू किया जाएगा. 150 अंकों की इस परीक्षा के पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी कर्मचारी चयन मण्डल की बेवसाइट पर उपलब्ध हैं. इस परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों का आधार पंजीयन अनिवार्य है. आवेदक की आयु 1 जनवरी, 2023 को न्यूनतम 21 वर्ष होना आवश्यक है. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

शिक्षक पात्रता परीक्षा 2023 के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन हेतु कर्मचारी चयन मण्डल की वेबसाइट www.peb.mp.gov.in देखें. परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि 13 फरवरी, 2023 है.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा से सम्बन्धित पुस्तकों का अध्ययन लाभकारी होगा.

●●●

उपकार

अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा

For Class VI

(गत वर्षों के प्रश्न-पत्र हल सहित)

Code 2526 ₹ 285/-

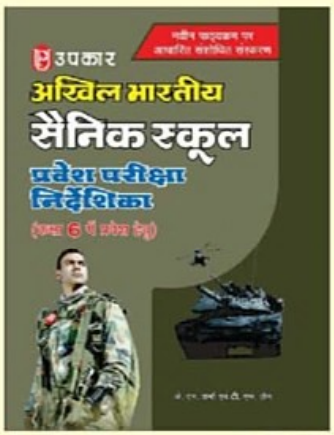

Code 57 ₹ 260/-

Code 2392 ₹ 210/-

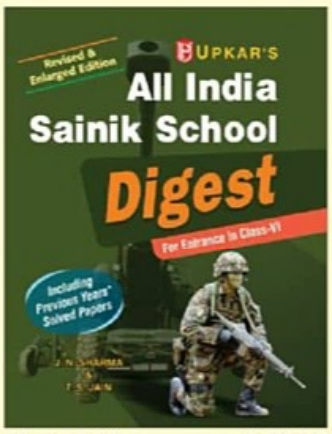

Code 331 ₹ 255/-

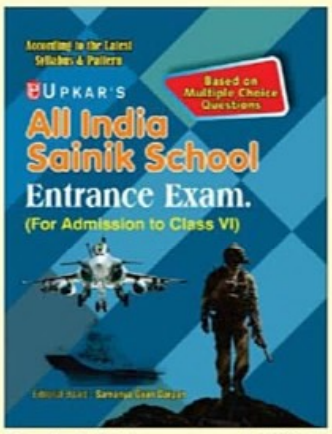

Code 1951 ₹ 300/-

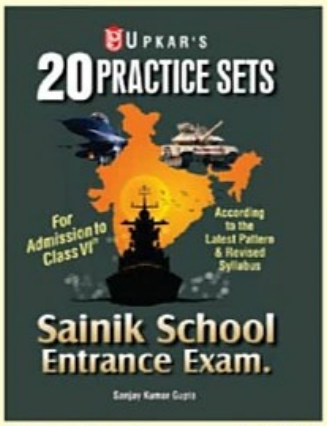

Code 1896 ₹ 200/-

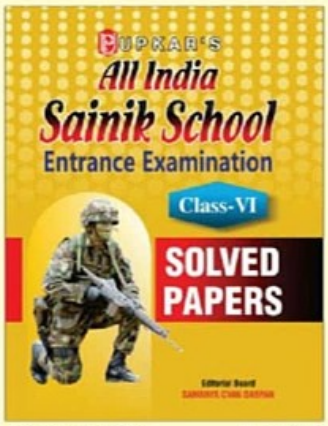

Code 1662 ₹ 115/-

For Class IX

Code 2530 ₹ 465/-

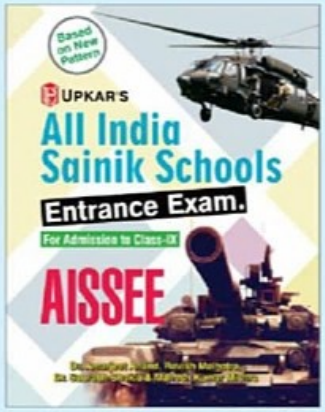

Code 1992 ₹ 425/-

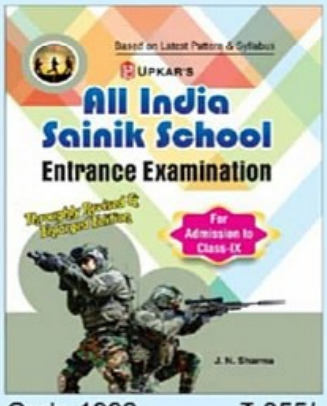

Code 1982 ₹ 355/-

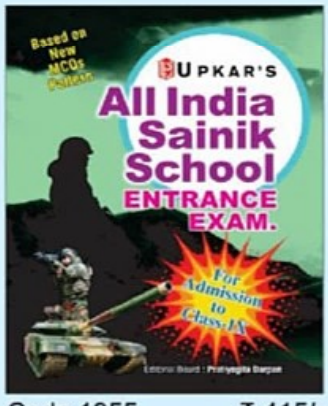

Code 1955 ₹ 415/-

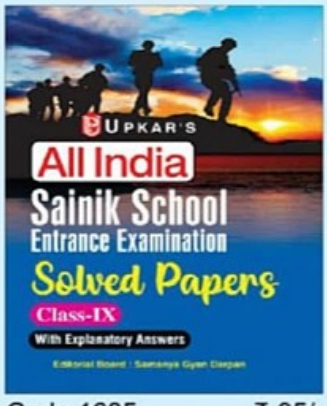

Code 1685 ₹ 95/-

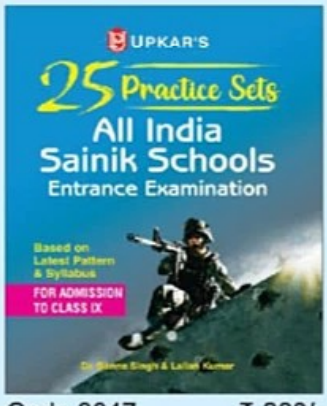

Code 3047 ₹ 260/-

उपकार प्रकाशन | 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005
फोन : (0562) 2530966, 2531101 • E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in
• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • हल्द्वानी मो. 07060421008

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

वर्ष 2021 से युवाओं में हार्ट अटैक क्यों बढ़ गया–नवीन शोध

अचानक हार्ट अटैक से नवयुवकों की होने वाली मौत के कई वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया में साझा हो रहे हैं. समाचार-पत्रों में भी ऐसे समाचार आ रहे हैं. कभी जिम में, कभी डांस करते, क्रिकेट खेलते, बस चलाते, वरमाला पहनाते, माथा टेकते, तो कभी राह चलते हार्ट अटैक आने से कई नवयुवकों की जान जा चुकी है.

शोध पत्रिका **'नेचर'** में प्रकाशित अनुसन्धान के अनुसार कोरोना महामारी के साथ ही ऐसे मामले में वृद्धि आई है.

अटैक की स्थिति में हृदय की स्थिति

न्यूयॉर्क के वेल कॉर्नेल मेडिसिन की रिपोर्ट कहती है कि कोरोना के बाद खून में थक्का बनने के कारण हार्ट अटैक की आशंका बढ़ी है. फिलहाल इसके तीन कारकों की पहचान हुई है, जो खून में बनने वाले थक्के से जुड़े हुए हैं. ऐसे मामले फरवरी 2021 से ज्यादा देखे जा रहे हैं. उपचार-विधि 'थ्रोम्बोलाइटिक थेरेपी' की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन इससे लोग अब भी अनभिज्ञ हैं.

जर्नल ऑफ न्यूरोइन्वेशनल सर्जरी, में प्रकाशित विभिन्न मेडिकल शोध-पत्रों का निष्कर्ष बताता है कि प्रीवस्कुलर रिस्क (खून का संचार ठीक से न होने) के कारकों और कोविड-19 से लड़ने वाले प्रतिरक्षा तंत्र के बीच जब क्रिया होती है, तो शरीर जबर्दस्त प्रतिक्रिया करता है. फलतः, खून में ऑक्सीजन-प्रवाह की गड़बड़ी से रक्त-थक्का बनने लगता है. तो क्या, कोविड-रोधी टीकाकरण भी इसकी वजह है? दरअसल, टीकाकरण में वायरस को ही अधमरा करके शरीर में डाला जाता है, ताकि शरीर को नगण्य क्षति पहुँचे और प्रतिरक्षा तन्त्र वायरस को पहचानकर उससे बचने का उपाय तलाश ले. हृदयाघात के कितने मामले टीकाकरण से जुड़े हैं, इसका ठोस अध्ययन नहीं हुआ है, लेकिन टीका लेने के बाद रक्त-धमनियों के बन्द होने से जुड़े इस्केमिक स्ट्रोक और रक्तस्राव से जुड़े हेमरैजिक स्ट्रोक के मामले पूरी दुनिया में बढ़े हैं.

गम्भीर हार्ट अटैक आने से पहले कई लोगों में सिरदर्द, झनझनाहट या सुन्नता जैसे लक्षण दिखे हैं. ऐसे 43 फीसदी रोगियों को गम्भीर हृदयाघात आने से एक सप्ताह पहले मिनी-स्ट्रोक, यानी हृदयाघात के कमजोर लक्षण अनुभव हुए हैं. इन लक्षणों में प्रमुख हैं–भयानक सिरदर्द, अचानक दृष्टि परिवर्तन, पेट में तेज दर्द, मतली और उल्टी, पीठ दर्द, पैरों में दर्द या सूजन, सांस लेने में कठिनाई, त्वचा से स्वतः खून बहना आदि. अगर ऐसे कोई लक्षण दिख रहे हों, तो बिना देर किए डॉक्टर की मदद लेनी चाहिए.

महासागर की गर्मी से भारत में बढ़ी वर्षा

पिछली वर्षा ऋतु में असाधारण रूप से हुई अधिक वर्षा के कारणों का विशद अध्ययन हुआ है. प्रशान्त महासागर की जलवायु, एशिया को प्रभावित करती है. अल नीनो और ला नीनो प्रशान्त महासागर की जलवायु प्रक्रियाएं हैं, जो भारत को भी प्रभावित करती हैं. पिछली वर्षा ऋतु में पूर्वी एशिया में मानसूनी वर्षा से हुआ महाविनाश इसका प्रमुख कारण है.

महासागर का बढ़ता ताप और बदलता मौसम

वर्षा के इस जटिल तंत्र के बारे में नए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया है कि प्रशांत महासागर की ऊपरी गर्म हवाओं से पूर्व एशिया में मानसून में बढ़ोतरी हुई है. इससे पूर्वी चीन में भी बारिश में इजाफा देखने को मिला है.

शोध के अनुसार, भूमध्य प्रशांत, पृथ्वी के जलवायु तंत्र में प्रमुख महासागरीय भौगोलिक क्षेत्र है. इसके ऊपरी हिस्से का गर्म होना पूर्वी एशिया के मानसूनी मौसम को और तीव्र कर सकता है. पानी में ज्यादा ऊर्जा अवशोषित होने से महासागरों में ऊष्मा की मात्रा हाल ही में बढ़ गई है. इससे कटिबंधीय तूफान के और तीव्र होने की सम्भावना बढ़ जाती है.

इंडोपैसिफिक वार्म पल की ऊष्मा है प्रमुख वजह–अध्ययन में पाया गया कि पिछले 3·6 लाख वर्ष में पूर्वी चीन में मानसूनी बारिश में बढ़ोतरी का सम्बन्ध इंडोपैसिफिक वार्म पूल की ऊष्मा की मात्रा के इजाफे से है. यह पूल वह इलाका है, जहाँ समुद्र की सतह का तापमान वर्ष भर 29 डिग्री सेल्सियस से ऊपर ही बना रहता है. *नेचर* जर्नल में प्रकाशित हुए इस अध्ययन में अमरीका के रूटगर के स्कूल ऑफ आर्ट एण्ड साइंसेस के कोस्टल साइंसेस के प्रोफेसर याइर रोसेंथल ने बताया कि महासागरीय ऊष्मा संरचना में विविधता से नमी के वितरण, गुप्त ऊष्मा और जमीन पर आने पर उनके व्यवहार पर असर होता है.

अध्ययन में बताया गया है कि महासागरों के ऊपरी हिस्से में ऊष्मा का प्रवाह, पृथ्वी की कक्षा में होने वाले परिवर्तन के अनुसार बदलता है. ऐसा हर 23 हजार वर्षों में होता है, जिससे हर अक्षांश में आने वाले सौर विकिरण (सूरज की ऊष्मा) के वितरण में भी बदलाव आ जाता है. इसके लिए शोधकर्ताओं ने महासागरों की सतह और उसके 200 मीटर नीचे रहने वाली दो सूक्ष्मजीवों का सहारा लिया.

'रोबोकैप'–सूक्ष्म मोटर की मदद से दवा को शरीर के भीतरी भागों में पहुँचाएगा

यह तकनीक चमत्कार की तरह है. मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने 'रोबोकैप' नामक एक कैप्सूल तैयार किया है जो सूक्ष्म मोटर की मदद से शरीर के अन्दरूनी भाग तक पहुँचकर असर करता है. माना जा रहा है कि यह कैप्सूल, इंजेक्शन के उपयोग से मुक्ति दिला सकता है.

रोबोकैप

यह एक मल्टीविटामिन कैप्सूल के आकार जैसा कैप्सूल है. इसके दो हिस्से होते हैं. पिछले हिस्से में दवा और मुख्य में

सूक्ष्म मोटर होती है. यह मोटर एक रोबोटिक कैप में होती है, जो शरीर के अंदरूनी हिस्से तक पहुँचने का काम करती है, ताकि दवाओं को आँत की कोशिकाओं तक पहुँचाया जा सके. वैज्ञानिकों के अनुसार, रोबोटिक कैप्सूल का उपयोग इंसुलिन के अलावा वैंकोमाइसिन और अन्य एंटीबायोटिक पेप्टाइड देने के लिए किया जा सकता है, जिसे वर्तमान में इंजेक्शन द्वारा ही दिया जाता है.

कैसे काम करती है—कैप्सूल निगलने के बाद सबसे पहले पेट में पहुँचता है. पेट का एसिडिक वातावरण कैप्सूल के जिलेटिन स्तर को घोलकर हटा देता है. कुछ समय बाद कैप्सूल छोटी आँत में पहुँच जाता है. कैप्सूल के अन्दर स्थित छोटी मोटर घूमने लगती है, जो आँत की अंदरूनी सतह को साफ कर रास्ता बनाती है मोटर के घूमने से दवा वाला पीछे का हिस्सा टूट जाता है, जिससे दवा धीरे-धीरे पाचन तंत्र की कोशिकाओं में फैलती जाती है.

वैज्ञानिकों ने रोबोकैप का प्रारम्भिक परीक्षण किया था. परीक्षण के दौरान वैज्ञानिकों ने इस कैप्सूल से इंसुलिन या वैंकोमाइसिन और इनके जैसे बड़े पेप्टाइड एण्टीबायोटिक को सफलतापूर्वक पहुँचाया. वैज्ञानिकों का मानना है कि रोबोकैप का उपयोग त्वचा संक्रमण के साथ 'आर्थोपेडिक प्रत्यारोपण' को प्रभावित करने वाले और अन्य संक्रमणों की एक विस्तृत शृंखला के इलाज के लिए भी किया जा सकता है. उन्होंने पाया कि कैप्सूल की मदद से सामान्य कैप्सूल की तुलना में 20 से 40 गुना अधिक दवा पहुँचाई जा सकती है. दवा खत्म होने के बाद कैप्सूल खुद ही पाचन तंत्र से होकर शरीर से बाहर निकल जाता है. इस तकनीक के सारे परीक्षण सफल पाए गए हैं और उम्मीद है कि आने वाले कुछ महीनों में यह तकनीक आम लोगों के लिए उपलब्ध होगी. इंसुलिन के इंजेक्शन लेने वाले रोगियों को इससे बहुत राहत मिल सकती है.

दिल के दौरे के खतरे को एआई तकनीक दस वर्ष पहले बताएगी

दुनिया भर में दिल का दौरा पड़ने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में हृदय रोग दुनिया में मौत का प्रमुख कारण बन गया है. हर वर्ष इसकी वजह से 1·79 करोड़ लोगों की जानें जा रही हैं.

अब वैज्ञानिकों ने एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोग्राम विकसित किया है जिसकी सहायता से केवल एक चेस्ट एक्सरे से दिल के दौरे के खतरे की भविष्यवाणी 10 वर्ष पहले की जा सकती है.

अमरीका में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के एक विशेष ट्रायल के तहत इसका शोध और परीक्षण किया गया. परीक्षण में लगभग 11,430 लोगों को शामिल किया गया. इन सभी का एक्स-रे किया गया. इनमें से जिन लोगों में जोखिम नजर आया, उन्हें स्टेटिन थेरेपी दी गई. यह थेरेपी दिल के दौरे के जोखिम को कम करने में मदद करती है.

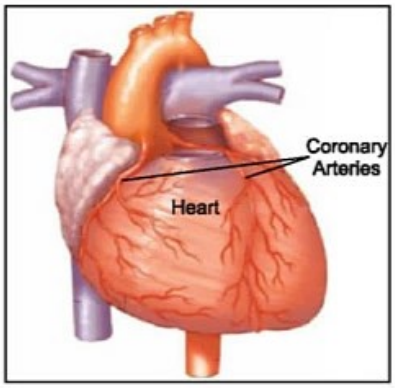

मानव-हृदय

ऐसे करता है काम—कार्डियोवास्कुलर इमेजिंग रिसर्च सेंटर में रेडियोलॉजिस्ट और अध्ययन के प्रमुख लेखक एमडी बोस्टन जैकब वीस ने कहा, एआई प्रोग्राम दिल की बीमारी से सम्बन्धित लर्निंग मॉडल विकसित करता है. यह एक्स-रे इमेज में दिल की बीमारी की सम्भावना खोजने के लिए प्रशिक्षित है. इससे बीमारी से सम्बन्धित पैटर्न को कम्प्यूटर स्क्रीन पर देखा जा सकता है. इसके आधार पर किसी भी व्यक्ति का पहले से इलाज किया जा सकता है. यह सांख्यिकीय मॉडल पर आधारित है. आयु, लिंग, उच्च रक्तचाप, अवसाद तथा धूम्रपान से सम्बन्धित आँकड़ों का भी इसमें अध्ययन किया जाता है. इसके शुरूआती निष्कर्ष बहुत अच्छे रहे हैं, लेकिन आने वाले समय में कई परिणामों पर गौर करना होगा.

अब तक सम्भावित जीवनयुक्त 24 ग्रहों की खोज

हमारे ब्रह्माण्ड में पृथ्वी के अतिरिक्त 24 ऐसे और ग्रह हैं, जहाँ जीवन हो सकता है. वैज्ञानिकों के अनुसार इनमें से एक ग्रह ऐसा है, जहाँ मानव जीवन की सम्भावना पृथ्वी से अधिक अच्छी है. ऐसे ग्रहों को सुपर-हैबिटेबल प्लैनेट कहा जाता है.

सुपर-हैबिटेबल प्लैनेट

इसके अलावा, ऐसे ग्रहों पर भी जीवन की सम्भावना हो सकती है, जिनमें पृथ्वी जैसी जमीन हो और जो पृथ्वी की तरह की छोटे-छोटे महाद्वीपों में बँटे हुए हों. जब महाद्वीप बड़े हो जाते हैं, तो महाद्वीपों के केन्द्र महासागरों से बहुत दूर हो जाते हैं. इससे अक्सर बड़े महाद्वीपों के अंदरूनी हिस्सों में बड़े रेगिस्तान बन जाते हैं.

वाशिंगटन यूनिवर्सिटी व बर्लिन टेक्निकल यूनिवर्सिटी के एस्ट्रोबायोलॉजिस्ट डर्क शुल्ज-मकुच ने कहा कि हम लगातार पृथ्वी जैसी सम्भावना वाले ग्रह खोज रहे हैं.

शुल्ज-माकुच और उनकी टीम ने 24 सुपर-हैबिटेबल ग्रहों की पहचान की है. केओआई 5715·01 नामक ग्रह करीब 550 करोड़ वर्ष पुराना है. यह 2,965 प्रकाश वर्ष दूर एक नारंगी बौने तारे के चारों तरफ चक्कर लगा रहा है. इसकी सतह का औसत तापमान पृथ्वी की तुलना में लगभग 2·4 डिग्री सेल्सियस ठण्डा हो सकता है, लेकिन अगर इसमें गर्मी बनाए रखने के लिए पृथ्वी की तुलना में ज्यादा ग्रीनहाउस गैसें हैं, तो यह रहने योग्य हो सकता है.

अब अंगों की पूर्ति होगी कृत्रिम भ्रूणों से

इजरायल की बायोटेक कम्पनी, रीन्यूअल बाओ, ने चूहे का कृत्रिम भ्रूण बना लिया है और कम्पनी के वैज्ञानिक मानव के कृत्रिम भ्रूण बनाएंगे, जिससे मानव-अंगों की कमी को पूरा किया जा सके.

वैज्ञानिकों ने बताया कि मानव के कृत्रिम भ्रूण बनाने में न नर के शुक्राणु की जरूरत होगी, न मादा के अण्डों की और न किसी गर्भ की. वैज्ञानिकों के अनुसार यदि वे बड़ी संख्या में कृत्रिम भ्रूण बनाने लगेंगे, तो भविष्य में लोगों को कई तरह की बीमारियों और कठिनाइयों से मुक्ति मिल जाएगी.

मानव भ्रूण

इन भ्रूणों के अन्दर शरीर के अलग-अलग हिस्सों की कोशिकाओं को विकसित करके अंग विकसित किए जा सकते हैं. इन अंगों का उपयोग उन लोगों के लिए हो सकता है, जिन्हें अंग प्रत्यारोपण की जरूरत होती है. जैसे जिन लोगों को किडनी, लिवर, दिल या आँतों की जरूरत होती है,

शेष पृष्ठ 58 पर

दिव्य दर्पण

वर्तमान में कॅरियर के लिए ढेर सारे विकल्प मौजूद हैं, लेकिन सिविल सेवा युवाओं की पहली पसन्द है. इसका कारण स्पष्ट है कि सिविल सेवा, समाज सेवा एवं कॅरियर का बेहतरीन मिश्रण है, इस सेवा में अधिकार है, नीति निर्माण में भागीदारी है, कर्त्तव्य है, दायित्व है. समाज में प्रतिष्ठा के साथ जीने हेतु भी इस सेवा का महत्व है.

लेकिन इस सेवा में सफलता पाना इतना आसान भी नहीं है. इस सेवा की सफलता की निम्नलिखित चुनौतियाँ भी हैं–

- *इस सेवा का पाठ्यक्रम अत्यन्त विस्तृत है. इतिहास, भूगोल, राजव्यवस्था, अर्थव्यवस्था, सामान्य विज्ञान, हिन्दी, अंग्रेजी एवं समसामयिकी में पारंगतता आवश्यक है.*
- *परीक्षा में बैठने वाले एवं अन्तिम सफल विद्यार्थियों के प्रतिशत में भारी अन्तर है.*
- *परीक्षा की तैयारी में लम्बा समय लगता है.*
- *परीक्षा में सफलता तभी मिलती है, जब पूर्णनिष्ठा व ईमानदारी से प्रयास किए जाएं.*
- *इसकी तैयारी अपने आप में एक पूर्ण कार्य है. इसकी तैयारी करते समय आप अन्य कोई कार्य नहीं कर सकते हैं.*
- *इसकी तैयारी करते समय सामाजिक दृष्टि से अलगाव सा हो जाता है, इत्यादि.*

फिर यही सेवा क्यों ?

- *क्योंकि इस सेवा का कोई जवाब नहीं. अधिकारों, कर्त्तव्यों, प्रतिष्ठा के दृष्टिकोण से इस सेवा का कोई विकल्प नहीं.*

अन्तर्राष्ट्रीय संगठन

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–नाटो (NATO) से आप क्या समझते हैं ? नाटो के स्थापित होने के कारण तथा क्या नाटो आज भी प्रासंगिक है ?

उत्तर–नाटो (NATO) अमरीकी नेतृत्व का एक सैन्य संगठन है, जिसका पूरा नाम North Atlantic Treaty Organization अर्थात् उत्तरी अटलाण्टिक सन्धि संगठन है. इसकी स्थापना 4 अप्रैल, 1949 ई. को हुई थी. इसका मुख्यालय ब्रुसेल्स (बेल्जियम) में अवस्थित है. वर्तमान में इसके सदस्य देशों की संख्या 30 है.

नाटो संगठन के स्थापना के कारण

1. द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद सोवियत संघ ने पूर्वी यूरोप से अपनी सेनाएं हटाने से इनकार कर दिया तथा वहाँ साम्यवादी शासन की स्थापना करने का प्रयास किया. अमरीका ने इसका लाभ उठाकर साम्यवाद विरोधी नारा दिया. यूरोपीय देशों को साम्यवादी खतरे से सावधान किया गया. फलतः यूरोपीय देश एक ऐसे संगठन के निर्माण हेतु तैयार हो गए, जो उनकी सुरक्षा कर सके.

2. द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पश्चिमी यूरोपीय देशों ने अत्यधिक नुकसान उठाया था. उन्हें आर्थिक पुनर्निर्माण हेतु अमरीका से एक बहुत बड़ी आशा थी, ऐसे में अमरीका द्वारा नाटो की स्थापना का उन्होंने समर्थन किया.

नाटो के स्थापना के उद्देश्य

नाटो (NATO) सामूहिक सुरक्षा की अवधारणा पर आधारित है. इसके अन्तर्गत इसके सदस्य देशों ने किसी बाह्य पक्ष द्वारा किए गए आक्रमण की प्रतिक्रिया में पारस्परिक सुरक्षा की सहमति प्रदान की है. वर्तमान में इसकी नवीन भूमिका निम्नवत् है–

1. यूरोप पर आक्रमण के समय अवरोधक की भूमिका निभाना.

2. सोवियत संघ के पश्चिमी यूरोप में तथाकथित विस्तार को रोकना तथा युद्ध की स्थिति में लोगों को मानसिक रूप से तैयार करना.

3. सैन्य तथा आर्थिक विकास हेतु अपने कार्यक्रम द्वारा यूरोपीय राष्ट्रों के लिए सुरक्षा प्रदान करना.

4. पश्चिमी यूरोप के देशों को एक सूत्र में संगठित करना.

5. इस प्रकार NATO का उद्देश्य स्वतन्त्र विश्व की रक्षा के लिए साम्यवाद के प्रसार को रोकना एवं यदि सम्भव हो, तो साम्यवाद को पराजित करने के लिए अमरीका की प्रतिबद्धता को माना गया.

नाटो की प्रासंगिकता

नाटो की स्थापना शीतयुद्ध के दौरान, रूस द्वारा समर्थित साम्यवाद के विस्तार को रोकने के लिए हुई थी. यू.एस.एस.आर. (USSR) के विघटन एवं शीत युद्ध की समाप्ति तथा वैश्वीकरण के प्रतिमानों के आविर्भाव के बाद नाटो ने अपनी भूमिका को पुनः परिभाषित किया है, जिससे आज भी प्रासंगिक बना हुआ है. इसकी नवीन भूमिका निम्नवत् है–

- नाटो का प्रयोग आतंकवाद, साइबर आतंकवाद को रोकने हेतु महत्वपूर्ण भूमिका में है.
- समुद्री लुटेरों से रक्षा के लिए नाटो ने अदन की खाड़ी में अपनी उपस्थिति बना रखी है.
- वैश्विक स्तर पर मानवाधिकार की रक्षा के लिए भी नाटो एवं इसके सदस्य राष्ट्र सक्रिय हैं. जैसे–मानवाधिकार की रक्षा हेतु लीबिया में नाटो का सैन्य अभियान.
- मानवीय संकट के समय नाटो भी सकारात्मक सहयोगी की भूमिका निभाता है. उदाहरण–कैटरीना चक्रवात के दौरान पीड़ितों की मदद.
- नाटो ने ऐसे कई देशों के साथ भी सहयोग स्थापित किया है, जो औपचारिक रूप से इस समूह का हिस्सा नहीं है. उन्हें 'पार्टनर अक्रास द ग्लोब' का दर्जा दिया जाता है.
- इसके अतिरिक्त ऊर्जा सुरक्षा एवं तकनीकी आदान-प्रदान के क्षेत्रों में भी नाटो द्वारा सराहनीय प्रयास किए जा रहे हैं.

इस प्रकार वैश्विक स्तर पर उभरती हुई सुरक्षा चुनौतियों सहित पारस्परिक हितों के क्षेत्र में सहयोग विकसित करने एवं अपने महत्वपूर्ण सैन्य तथा असैन्य अभियानों के कारण नाटो आज भी अपनी प्रासंगिकता बरकरार रखे हुए हैं. आज हम यह भी कह सकते हैं कि यूक्रेन अगर नाटो संगठन का सदस्य होता तो रूस उस पर आक्रमण करने की हिम्मत नहीं करता.

सि.से.प्रा. परीक्षा प्रश्न–निम्नलिखित में से 'नाटो' (NATO) का मुख्यालय कहाँ है ?

(A) ब्रूसेल्स (B) पेरिस
(C) जेनेवा (D) वियना

उत्तर–(A)

स्पष्टीकरण

- नाटो एक 30 देशों की सेनाओं का संगठन है, जिसमें की सैन्य सहायता प्रदान की जाती है. नाटो की स्थापना **4 अप्रैल, 1949** की हुई थी.
- यह अन्तर–सरकारी सैन्य संगठन है, इसे **उत्तर अटलाण्टिक सन्धि संगठन** (NATO—North Atlantic Treaty Organization) के नाम से भी जाना जाता है. नाटो का मुख्यालय ब्रूसेल्स (बेल्जियम) में है.
- सन् 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त हो गया. इस युद्ध के बाद संयुक्त राज्य

अमरीका और सोवियत संघ दो देश महाशक्ति बनकर उभरे.

- यूरोप में सम्भावित खतरे को देखते हुए ब्रिटेन, फ्रांस, बेल्जियम, नीदरलैण्ड तथा लक्जेमबर्ग ने एक सन्धि की, जिसे **ब्रूसेल्स की सन्धि** के नाम से जाना जाता है.
- इसमें यह निर्धारित किया गया कि किसी भी देश पर हमला होने पर वह सभी एक-दूसरे को सामूहिक सैनिक सहायता व सामाजिक-आर्थिक सहयोग देंगे.
- अमरीका बर्लिन में सोवियत संघ की घेराबन्दी और सोवियत प्रभाव को समाप्त करने के लिए सैनिक गुटबन्दी करने के लिए आगे आया.
- उसने संयुक्त संघ के चार्टर के अनुच्छेद 15 के अन्तर्गत उत्तर अटलाण्टिक सन्धि का प्रस्ताव पेश किया, जिसमें सन् 1949 को फ्रांस, बेल्जियम, लक्जेमबर्ग, ब्रिटेन, नीदरलैण्ड, कनाडा, डेनमार्क, आइसलैण्ड, इटली, नॉर्वे, पुर्तगाल और संयुक्त राज्य अमरीका सहित 12 देशों ने हस्ताक्षर किए.
- शीत युद्ध से पूर्व यूनान, टर्की, पश्चिमी जर्मनी, स्पेन ने इसकी सदस्यता ली. इसके बाद शीत युद्ध समाप्त होने के बाद पोलैण्ड, हंगरी और चेक गणराज्य इसमें शामिल हुए. इसके बाद सन् 2004 में सात अन्य देशों ने इसकी सदस्यता स्वीकार की और आज नाटो के कुल 30 सदस्य देश हैं.
- नाटो (NATO) के कुल 30 सदस्य देश–**अल्बानिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, कनाडा, क्रोएशिया, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्टोनिया, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, आइसलैण्ड, इटली, लाटविया, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, मोंटनेग्रो, नीदरलैण्ड, उत्तरी मैसेडोनिया, नार्वे, पोलैण्ड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम, यू.एस.ए.**

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–वैश्विक लैंगिक अन्तराल सूचकांक, 2022 क्या है ? वैश्विक लैंगिक अन्तराल सूचकांक, 2022 लिंग, महिलाओं से सम्बन्धित मुद्दों का वर्णन कीजिए ? इसको कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए ?

उत्तर–हाल ही में विश्व आर्थिक मंच (WFF) ने वर्ष 2022 के लिए अपने वैश्विक लैंगिक अन्तराल (Global Gender Gap—GGG) सूचकांक में भारत को 146 देशों में से 135वें स्थान पर रखा गया है.

- भारत का समग्र स्कोर 0·625 (वर्ष 2021 में) से बढ़कर 0·629 हो गया है, जो पिछले 16 वर्षों में 7वाँ उच्चतम स्कोर है. वर्ष 2021 में भारत 156 देशों में 140वें स्थान पर था.
- लैंगिक अन्तराल महिलाओं और पुरुषों के बीच का अन्तर है, जो सामाजिक, राजनीतिक, बौद्धिक, सांस्कृतिक या आर्थिक उपलब्धियों या दृष्टिकोण में परिलक्षित होता है.

वैश्विक लैंगिक अन्तराल सूचकांक

यह उप-मैट्रिक्स के साथ चार प्रमुख आयामों में लैंगिंक असमानता की दिशा में उनकी प्रगति पर देशों का मूल्यांकन करता है–

(i) आर्थिक भागीदारी और अवसर
(ii) शिक्षा का अवसर
(iii) स्वास्थ्य एवं उत्तरजीविका
(iv) राजनीतिक सशक्तिकरण

चार उप-सूचकांकों में से प्रत्येक पर और साथ ही समग्र सूचकांक पर GGG सूचकांक 0 और 1 के बीच स्कोर प्रदान करता है, जहाँ 1 पूर्ण लैंगिक समानता दिखाता है और 0 पूर्ण असमानता की स्थिति को दर्शाता है.

- यह सबसे लम्बे समय तक चलने वाला सूचकांक है, जो वर्ष 2006 में स्थापना के बाद से समय के साथ लैंगिंक अन्तरालों को समाप्त करने की दिशा में प्रगति को ट्रैक करता है.

उद्देश्य

- स्वास्थ्य, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और राजनीति पर महिलाओं व पुरुषों के बीच सापेक्ष अन्तराल पर प्रगति को ट्रैक करने के लिए दिशासूचक के रूप में कार्य करना.
- इस वार्षिक मानदण्ड के माध्यम से प्रत्येक देश के हितधारक प्रत्येक विशिष्ट आर्थिक, राजनीतिक तथा सांस्कृतिक सन्दर्भ में प्रासंगिक प्राथमिकताएं निर्धारित करने में सक्षम होते हैं.

अन्तराल कम करने की सार्वजनिक पहलें

- **बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ**–यह बालिकाओं की सुरक्षा, अस्तित्व और शिक्षा सुनिश्चित करता है.
- **महिला शक्ति केन्द्र**–इसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को कौशल विकास और रोजगार के अवसरों के साथ सशक्त बनाना है.
- **महिला पुलिस स्वयं सेवक**–इसमें राज्यों/संघशासित क्षेत्रों में महिला पुलिस स्वयं सेवकों को शामिल करने की परिकल्पना की गई है, जो पुलिस एवं समुदाय के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करते हैं तथा संकट में महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करते हैं.
- **राष्ट्रीय महिला कोष**–यह एक शीर्ष सूक्ष्म वित्त संगठन है, जो गरीब महिलाओं को विभिन्न आजीविका और आय सृजन गतिविधियों के लिए रियायती शर्तों पर सूक्ष्म ऋण प्रदान करता है.
- **सुकन्या समृद्धि योजना**–इस योजना के अन्तर्गत बैंक खाते खोलकर लड़कियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है.
- **महिला उद्यमिता**–महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने स्टैंडअप इण्डिया और महिला ई-हाट (महिला उद्यमियों/SHGs/गैर-सरकारी संगठनों का समर्थन करने के लिए ऑनलाइन विपणन मंच), उद्यमिता व कौशल विकास जैसे कार्यक्रम शुरू किए गए हैं.
- **कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय**–इन्हें शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक (ईबीबी) में खोला गया है.
- **राजनीतिक संरक्षण**–सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित की हैं.

सि.से.प्रा. परीक्षा प्रश्न–वैश्विक लैंगिक अन्तराल सूचकांक, 2022 पर विचार कीजिए–

1. वैश्विक लैंगिक अन्तराल सूचकांक में भारत को 146 देशों में से 135वें स्थान पर रखा है.
2. इस सूचकांक में नॉर्वे पहले स्थान पर बना हुआ है.
3. इस सूचकांक में अफगानिस्तान का प्रदर्शन सबसे खराब रहा है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही हैं ?

(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 1, 2 और 3
(D) केवल 2 और 3

उत्तर–(B)

स्पष्टीकरण

- विश्व आर्थिक मंच (WEF) ने वर्ष 2022 के लिए अपने वैश्विक लैंगिक अन्तराल (Global Gender Gap—GGG) सूचकांक में भारत को 146 देशों में से 135वें स्थान पर रखा है.
- लैंगिक अन्तराल महिलाओं और पुरुषों के बीच का अन्तर है, जो सामाजिक, राजनीतिक, बौद्धिक, सांस्कृतिक या आर्थिक उपलब्धियों या दृष्टिकोण में परिलक्षित होता है.

- **आइसलैण्ड** 0·874 के स्कोर के साथ प्रथम स्थान पर है. फिनलैण्ड, नॉर्वे, न्यूजीलैण्ड और स्वीडन क्रमशः सूची में शीर्ष पाँच देश हैं.
- यद्यपि किसी भी देश ने पूर्ण लैंगिक समानता हासिल नहीं की, लेकिन शीर्ष 3 अर्थव्यवस्थाएं ऐसी हैं, जिन्होंने लैंगिक अन्तराल को 80% तक कम किया है–
  1. आइसलैण्ड (90·8%)
  2. फिनलैण्ड (86%)
  3. नॉर्वे (84·5%)
- दक्षिण एशिया को लैंगिंक समानता तक पहुँचने में सबसे अधिक समय (अनुमानतः 197 वर्ष) लगेगा.

राष्ट्रीय योजना

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–नमस्ते (NAMASTE) योजना क्या है ? इस योजना की प्रमुख विशेषताएं एवं उद्देश्य क्या हैं ?

उत्तर–नमस्ते (NAMASTE) योजना सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय और आवास व शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से जुलाई 2022 में शुरू की गई थी. यह एक केन्द्रीय योजना है. यह योजना स्वच्छता बुनियादी ढाँचे के रखरखाव और संचालन में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता को पहचानने के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तन्त्र बनाकर पूरे भारत में सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा और सम्मान प्रदान करना चाहती है.

योजना की विशेषताएं

- यह योजना सफाई कर्मचारियों को एक स्थायी आजीविका प्रदान करने और सुरक्षा गियर और मशीनों तक पहुँच बढ़ाने के अलावा उनकी व्यावसायिक सुरक्षा को बढ़ाने का प्रयास करती है.
- इसका उद्देश्य वैकल्पिक आजीविका सहायता तक पहुँच प्रदान करना और सफाई कर्मचारियों की कमजोरियों को कम करना है.
- यह योजना सफाई कर्मचारियों को स्वरोजगार और कुशल मजदूरी एवं रोजगार के अवसरों तक पहुँचने में सक्षम बनाएगी.
- यह योजना सफाई कर्मचारियों के प्रति नागरिकों के व्यवहार में बदलाव लाएगी और सुरक्षित स्वच्छता सेवाओं की माँग में वृद्धि करेगी.

योजना के मुख्य उद्देश्य

- पूरे भारत में स्वच्छता कार्यों में शून्य मृत्यु प्राप्त करना.
- यह सुनिश्चित करना कि कुशल श्रमिकों द्वारा स्वच्छता कार्य किया जा रहा है.
- यह सुनिश्चित करना कि सफाई कर्मचारी मानव मल के सीधे सम्पर्क में न आएं.
- यह सुनिश्चित करना कि सफाई कर्मचारियों को स्वच्छता उद्यम चलाने का अधिकार प्राप्त हो.
- सभी सीवर और सेप्टिक टैंक सफाई कर्मचारियों (SSWs) के लिए वैकल्पिक आजीविका तक पहुँच प्रदान करना.

नमस्ते योजना के तहत्, सीवर या सेप्टिक टैंक श्रमिकों की पहचान की जाएगी और खतरनाक सफाई कार्यों में लगे अनौपचारिक कार्यबल पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा. यह योजना मंत्रालयों को कौशल विकसित करने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए श्रमिकों और उनके परिवारों तक पहुँचने में सक्षम करेगी.

सि.से.प्रा. परीक्षा 2016–'राष्ट्रीय गरिमा अभियान' एक राष्ट्रीय अभियान है, जिसका उद्देश्य है–

(A) बेघर एवं निराश्रित व्यक्तियों का पुनर्वास और उन्हें आजीविका के उपयुक्त स्रोत प्रदान करना.

(B) यौन कर्मियों को उनके अभ्यास से मुक्त करना और उन्हें आजीविका के वैकल्पिक स्रोत प्रदान करना.

(C) हाथ से मैला ढोने की प्रथा को खत्म करना और हाथ से मैला ढोने वालों का पुनर्वास करना.

(D) बंधुआ मजदूरों को मुक्त करना और उनका पुनर्वास करना.

उत्तर–(C)

स्पष्टीकरण

राष्ट्रीय गरिमा अभियान वर्ष 2001 में शुरू किया गया, मैला ढोने की प्रथा के उन्मूलन और इस कार्य में संलग्न लोगों के लिए गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करने हेतु यह एक राष्ट्रीय अभियान है. अतः विकल्प (C) सही है.

राष्ट्रीय राजव्यवस्था

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–AAP बनी देश की 9वीं राष्ट्रीय पार्टी. क्या होती है राष्ट्रीय पार्टी ? अब तक कितने दलों को राष्ट्रीय दलों के रूप में मान्यता प्राप्त है ?

उत्तर–आम आदमी पार्टी (AAP) महज 10 वर्ष में क्षेत्रीय पार्टी से देश की राष्ट्रीय पार्टी बन गई है. इसके साथ ही 'आप' देश की 9वीं राष्ट्रीय पार्टी बनी है. 'आप' की यह एक बड़ी उपलब्धि है.

क्या होती है राष्ट्रीय पार्टी ?

एक राष्ट्रीय पार्टी वह होती है, जिसकी पहुँच राष्ट्रीय स्तर पर हो, जबकि एक क्षेत्रीय पार्टी इसके विपरीत केवल एक विशेष राज्य या क्षेत्र तक ही सीमित होती है.

राष्ट्रीय स्तर के दल की मान्यता प्राप्त करने के लिए किसी भी राजनीतिक दल को लोक सभा या विधान सभा के चुनावों में 4 या अधिक राज्यों द्वारा कुल डाले गए वैध मतों का 6% प्राप्त करने के साथ किसी राज्य या राज्यों से लोक सभा को कम-से-कम 4 सीटों पर विजय पाना आवश्यक होता है या लोक सभा में उसे कम-से-कम 2% सीटें अर्थात् लोक सभा की कुल 543 सीटों में से 11 सीटें जीतना आवश्यक होता है. ये सीटें कम-से-कम तीन राज्यों से होनी चाहिए.

राष्ट्रीय दल का दर्जा पाने वाले दल

'आप' **दिल्ली** और **पंजाब** में बड़े बहुमत और बड़े वोट शेयर के साथ सत्ता में है. मार्च में हुए गोवा विधान सभा चुनाव में उसे 6·77% वोट मिले थे. ईसीआई ने अब तक 9 दलों को राष्ट्रीय दलों के रूप में मान्यता दी है.

भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, सीपीआई (एम) सीपीआई, राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) और कॉनराड संगमा की नेशनल पीपुल्स पार्टी (NPP), जिसे 2019 में मान्यता दी गई थी. हाल ही सम्पन्न हुए गुजरात विधान सभा चुनाव के घोषित चुनाव परिणाम के बाद, AAP को राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त करने वाली नौंवी पार्टी बन गई है.

सि.से.प्रा. परीक्षा 2017, 1995 प्रश्न 1–निम्नलिखित में कौनसा/से राजनीतिक दल राष्ट्रीय राजनीतिक दल है/हैं ?

(1) मुस्लिम लीग

(2) रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी

(3) अखिल भारतीय फारवर्ड ब्लॉक

(4) पीजेंट्स एण्ड वर्कर्स पार्टी ऑफ इण्डिया

नीचे दिए हुए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

(A) केवल 1, 2 और 3

(B) केवल 2 और 4

(C) केवल 3

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(D)

सि.से.प्रा. परीक्षा प्रश्न 2–निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

(1) भारत का निर्वाचन आयोग पाँच सदस्यीय निकाय है.

(2) संघ का गृह मंत्रालय, आम चुनाव और उप-चुनावों दोनों के लिए चुनाव कार्यक्रम तय करता है.

(3) निर्वाचन आयोग मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के विभाजन/

विलय से सम्बन्धित विवाद निपटाता है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 3

उत्तर–(D)

स्पष्टीकरण

- दिसम्बर 2022 की स्थिति के अनुसार, 9 राजनीतिक पार्टियों को राष्ट्रीय राजनीतिक दल के रूप में मान्यता प्राप्त है, ये दल निम्नलिखित हैं–

राष्ट्रीय राजनीतिक दल

	दल का नाम	गठन का वर्ष	चुनाव चिह्न
1.	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC)	1885	हाथ का पंजा
2.	भारतीय जनता पार्टी (BJP)	1980	कमल का फूल
3.	भारतीय साम्यवादी दल (CPI)	1925	हँसिया, बाली
4.	भारतीय साम्यवादी दल (मार्क्सवादी) (CPI-M)	1964	हथौड़ा, हंसिया एवं तारा
5.	राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP)	1999	घड़ी
6.	बहुजन समाज पार्टी (BSP)	1984	हाथी
7.	अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (AITC)	1998	फूल एवं घास
8.	नेशनल पीपुल पार्टी (NPP)	2013	पुस्तक
9.	आम आदमी पार्टी (AAP)	2012	झाड़ू

- वर्तमान में भारत का निर्वाचन आयोग बहुसदस्यीय निकाय है. वर्ष 1993 के उपरान्त आयोग में तीन निर्वाचन आयुक्त हैं.
- आम चुनाव और उप-चुनावों दोनों के लिए चुनाव कार्यक्रम चुनाव आयोग तय करता है.

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–भारत के राष्ट्रपति द्वारा वित्तीय आपातकाल की घोषणा किन परिस्थितियों में की जा सकती है ? वित्तीय आपातकाल घोषित हो जाने पर संघ को कौन-कौनसी शक्तियाँ प्राप्त हो जाती हैं ?

उत्तर–भारतीय संविधान में वित्तीय आपातकाल की घोषणा करने का अधिकार अनुच्छेद 360 के अन्तर्गत भारत के राष्ट्रपति को प्रदान की गई है. इसके तहत् राष्ट्रपति को यह विश्वास हो जाता है कि भारत या उसके राज्य क्षेत्र के किसी भाग में वित्तीय संकट की स्थिति है, तो राष्ट्रपति वित्तीय आपातकाल की उद्घोषणा कर सकता है. इस उद्घोषणा को दो माह के भीतर संसद का अनुसमर्थन प्राप्त होना आवश्यक होता है. वित्तीय आपातकाल को ससंद के अनुमोदन द्वारा अनिश्चित काल तक बढ़ाया जा सकता है.

वित्तीय आपातकाल के दौरान कार्यकारी और विधायी शक्तियाँ केन्द्र के हाथ में आ जाती हैं. हालांकि भारत में अभी तक वित्तीय आपातकाल की घोषणा नहीं की गई है. अगर यदि भारत में वित्तीय आपातकाल लागू हो जाता है, तो केन्द्र सरकार को निम्नलिखित वित्तीय शक्तियाँ प्राप्त हो जाती हैं–

- राष्ट्रपति, राज्यों के सरकारी सेवा के सभी कर्मचारियों, वर्ग विशेष या किसी भी वर्ग के कर्मचारियों के वेतन और भत्तों में कटौती के निर्देश दे सकता है.
- राष्ट्रपति, उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों सहित केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन एवं भत्तों में कटौती के निर्देश दे सकता है.
- वित्तीय आपातकाल के दौरान सांविधिक कर्मचारियों के वेतन एवं भत्तों के कटौती की घोषणा राष्ट्रपति कर सकता है.
- केन्द्र सरकार, राज्य सरकारों को वित्तीय अनुशासन के पालन हेतु निर्देश दे सकती है.

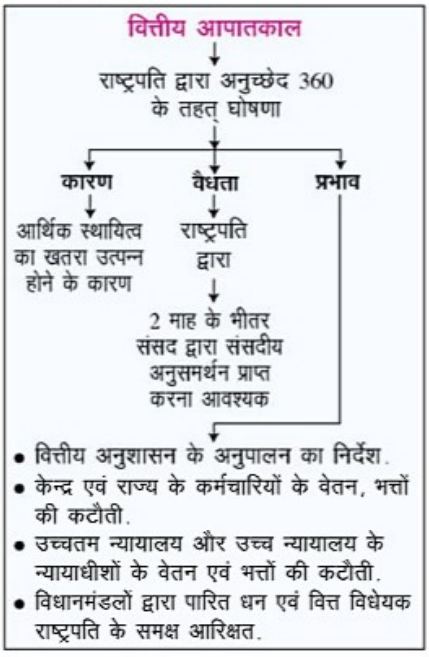

सि.से.प्रा. परीक्षा 2007 प्रश्न–भारत के संविधान के अनुच्छेद 360 के अधीन वित्तीय आपात से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. वित्तीय आपात की उद्घोषणा दो मास की समाप्ति पर प्रवर्तन में नहीं रहेगी यदि उस अवधि की समाप्ति से पहले संसद के दोनों सदनों के संकल्पों द्वारा उसका अनुमोदन नहीं कर दिया जाता है.
2. यदि वित्तीय आपात प्रवर्तन में हो, तो भारत की राष्ट्रपति, संघ के कार्यकलाप के सम्बन्ध में सेवा करने वाले सभी या किसी वर्ग के व्यक्तियों के, परन्तु जिनके अन्तर्गत उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश नहीं आते, वेतनों और भत्तों में कमी करने के लिए निर्देश देने में सक्षम है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

उत्तर—(A)

स्पष्टीकरण

- वित्तीय आपातकाल की उद्घोषणा राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 360 के तहत भारत या उसके राज्य क्षेत्र के किसी भाग के वित्तीय स्थायित्व या संकट के अवसर पर की जाती है.
- यह उद्घोषणा दो माह की समाप्ति पर, प्रवर्तन में नहीं रहेगी, यदि उस अवधि की समाप्ति से पहले संसद के दोनों सदनों द्वारा उसका अनुमोदन नहीं कर दिया जाता है.
- अतः कथन 1 सही है. वित्तीय आपातकाल के दौरान भारतीय संघ के कार्यकलाप के सम्बनध में सेवा करने वाले सभी व्यक्तियों, जिसमें उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीश भी शामिल हैं. के वेतन और भत्तों में कमी की जा सकती है.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–अग्नि-V मिसाइल की वैज्ञानिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए.

उत्तर–अग्नि-V भारत द्वारा विकसित एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसकी आरम्भिक मारक क्षमता 5000 किमी है, लेकिन इसे 8000 किमी से लेकर 10,000 किमी तक बढ़ाया जा सकता है. 17·50 मीटर लम्बी एवं 50 टन वजनी अग्नि-V त्रि-चरणीय प्रक्षेपात्र है.

- यह ठोस प्रणोदक संचालित प्रक्षेपात्र अपने साथ 1 से लेकर 1·5 टन पारम्परिक और नाभिकीय दोनों आयुध सामग्री ले जाने में सक्षम है.
- अग्नि-V एक साथ कई परमाणु आयुधों को ले जाने में सक्षम है. यह स्वतन्त्र रूप से विभिन्न लक्ष्यों का

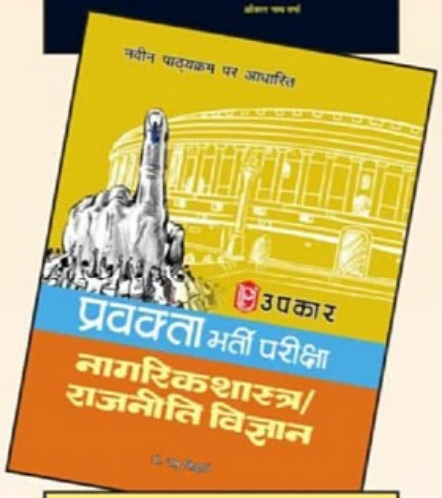

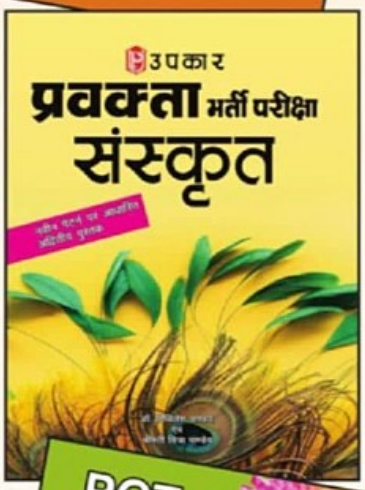

प्रवक्ता

भर्ती परीक्षा

की बेहतर तैयारी हेतु विषय विशेषज्ञों द्वारा लिखित उपकार की सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें

	Code No.	Price
• उपकार पाठ्यक्रम उ.प्र. प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक तथा प्रवक्ता	784	25.00
• उपकार प्रवक्ता भर्ती परीक्षा 'गणित'	2202	365.00
• *Upkar's* Lecturer Recruitment Test 'Mathematics'	1543	450.00
• उपकार प्रवक्ता भर्ती परीक्षा 'हिन्दी' (*लेखक :* डॉ. दिलीप पाण्डेय)	1033	240.00
• उपकार प्रवक्ता भर्ती परीक्षा 'हिन्दी' (*लेखक :* ओंकार नाथ वर्मा)	2128	310.00
• उपकार प्रैक्टिस सैट पी.जी.टी. 'हिन्दी'	2424	135.00
• *Upkar's* Post Graduate Teachers Recruitment Test 'English' (*By :* Dr. B. B. Jain)	889	199.00
• *Upkar's* Lecturer Recruitment Test 'English' (*By :* Dr. K. Narayanan)	1984	215.00
• *Upkar's* Practice Work Book PGT 'English'	1909	140.00
• उपकार प्रवक्ता भर्ती परीक्षा 'संस्कृत' (*लेखक :* डॉ. मिथिलेश पाण्डेय एवं श्रीमती चित्रा पाण्डेय)	1068	155.00
• उपकार प्रैक्टिस सैट पी.जी.टी. 'संस्कृत'	2426	140.00
• उपकार प्रवक्ता भर्ती परीक्षा 'संगीत' (डॉ. निशा रावत)	1300	75.00
• उपकार प्रवक्ता भर्ती परीक्षा 'समाजशास्त्र' (संजय गुप्ता)	2038	215.00
• उपकार प्रैक्टिस सैट पी.जी.टी. 'समाजशास्त्र'	2425	195.00
• उपकार प्रवक्ता भर्ती परीक्षा 'इतिहास' (आर. के. सिंह)	2037	210.00
• उपकार प्रैक्टिस वर्क बुक पी.जी.टी. 'इतिहास'	2440	125.00
• उपकार प्रैक्टिस सैट पी.जी.टी. 'भूगोल' (*लेखक :* आशुतोष कुमार राय)	2441	165.00
• उपकार प्रवक्ता भर्ती परीक्षा 'नागरिकशास्त्र/राजनीति विज्ञान' (*लेखक :* प्रो. रामु सिद्धार्थ)	2447	195.00
• उपकार प्रवक्ता 'भूगोल'	633	295.00
• उपकार प्रैक्टिस सैट पी.जी.टी. 'नागरिकशास्त्र/राजनीति विज्ञान'	2442	165.00
• उपकार प्रवक्ता भर्ती परीक्षा 'वाणिज्य'	1231	380.00
• उपकार प्रवक्ता भर्ती परीक्षा 'मनोविज्ञान'	2172	185.00
• उपकार प्रैक्टिस सैट पी.जी.टी. 'भौतिक विज्ञान'	2564	195.00
• उपकार प्रैक्टिस सैट पी.जी.टी. 'रसायन विज्ञान'	2559	150.00
• उपकार प्रवक्ता भर्ती परीक्षा 'शारीरिक शिक्षा'	708	170.00
• उपकार प्रैक्टिस सैट पी.जी.टी. शारीरिक शिक्षा'	2592	230.00
• उपकार प्रवक्ता भर्ती परीक्षा 'कला' (*लेखिका :* डॉ. चित्रलेखा सिंह)	595	105.00
• उपकार प्रवक्ता भर्ती परीक्षा 'कला' (*लेखक :* एम. वसीम)	14	170.00
• उपकार प्रैक्टिस सैट पी.जी.टी./टी.जी.टी. 'कला'	2570	110.00
• उपकार प्रवक्ता भर्ती परीक्षा 'शिक्षाशास्त्र' (*लेखक :* डॉ. के. कौटिल्य)	2300	205.00
• उपकार प्रवक्ता भर्ती परीक्षा 'गृह विज्ञान' (*लेखिका :* डी.एन. श्रीवास्तव)	2229	180.00

उपकार प्रकाशन | 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005
फोन : (0562) 2530966, 2531101 • E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in
• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • हल्द्वानी मो. 07060421008

भेदन कर सकती है. आगे चलकर इससे उपग्रहों का भी प्रमोचन किया जा सकता है.

- इसे हैदराबाद की प्रगत (उन्नत) प्रणाली प्रयोगशाला (Advanced Systems Laboratory) ने तैयार किया है. अग्नि-5 एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (आईजीएमडीपी) के तहत विकसित, सतह से सतह पर मार करने वाली अग्नि-5 मिसाइल को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है.
- यह **दागो और भूल जाओ मिसाइल** है, जिसे इंटरसेप्टर मिसाइल के बिना रोका नहीं जा सकता है.
- इस मिसाइल में 5000 किमी की सीमा से परे लक्ष्य को भेदने की क्षमता है और यह भारत की आत्मरक्षा प्रणालियों के लिए महत्वपूर्ण है.
- अग्नि मिसाइल वर्ग भारत की परमाणु लॉन्च क्षमता की रीढ़ है, इसे पनडुब्बी, लड़ाकू विमान से भी लॉन्च किया जा सकता है.
- आईजीएमडीपी प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के दिमाग की उपज थी. इसका उद्देय मिसाइल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना था.
- आईजीएमडीपी (IGMDP) को औपचारिक रूप से 1983 में भारत सरकार की स्वीकृति मिली.
- इसने रणनीतिक, स्वदेशी मिसाइल प्रणालियों को आकार देने के लिए देश के वैज्ञानिक समुदाय, शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं उद्योगों और तीन रक्षा सेवाओं को एक साथ लाया.

सि.से.प्रा. परीक्षा प्रश्न–आईजीएमडीपी (IGMDP) तकनीक का प्रयोग अग्नि-5 मिसाइल में किया गया. यह तकनीक किस वैज्ञानिक के दिमाग की उपज थी ?

(A) टैसी थॉमस
(B) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
(C) राजा रमन्ना
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(B)

स्पष्टीकरण

- अग्नि-5 परमाणु सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल का 16 दिसम्बर, 2022 को सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया.
- अग्नि-5 **एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (आईजीएमडीपी)** के तहत् विकसित, सतह-से-सतह पर मार करने वाली उन्नत बैलिस्टिक मिसाइल है. यह तकनीक प्रसिद्ध वैज्ञानिक **डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम** के दिमाग की उपज थी.
- अग्नि-1 से 5 मिसाइलें रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा डिजाइन और विकसित की गई हैं.
- अग्नि मिसाइलों की अन्य रेंज–

अग्नि-1—700-800 किमी. की रेंज

अग्नि-2—2000 किमी से अधिक की रेंज

अग्नि-3—2500 किमी से अधिक की रेंज

अग्नि-4—3500 किमी से अधिक की रेंज और एक रोड मोबाइल लॉन्चर से फायर कर सकती है.

अग्नि-5—अग्नि शृंखला की सबसे लम्बी, एक अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) है जिसकी रेंज 5000 किमी से अधिक है.

भूगोल-प्राकृतिक आपदा

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–चक्रवात क्या है ? हाल ही में चक्रवात मैंडूस क्यों चर्चा में रहा ?

उत्तर–चक्रवात एक कम दबाव वाले क्षेत्र के आस-पास तेजी से आवाक हवा का संचलन है. हवा उत्तरी गोलार्द्ध में वामावर्त और दक्षिणी गोलार्द्ध में दक्षिणावर्त दिशा में परिचालित होती है.

- चक्रवात आमतौर पर हिंसक तूफान और खराब मौसम के दौरान आते हैं.
- साइक्लोन शब्द ग्रीक शब्द 'साइक्लोस' से लिया गया है जिसका अर्थ है **'साँप की कुंडली'**. यह शब्द हेनरी पेडिंगटन द्वारा गढ़ा गया है, क्योंकि बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में उष्णकटिबंधीय तूफान समुद्र के कुंडलित नागों की तरह दिखाई देते हैं.

चक्रवात मैंडूस

- मैंडूस एक धीमी गति से चलने वाला चक्रवात है, जो अक्सर बहुत अधिक नमी को अवशोषित करता है, भारी मात्रा में वर्षा करता है और हवा की गति के रूप में शक्ति प्राप्त करता है.
- मैंडूस नाम **संयुक्त अरब अमीरात** द्वारा सुझाया गया है.
- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने भविष्यवाणी की थी कि यह तूफान पश्चिम की ओर उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ सकता है और 6 दिसम्बर, 2022 तक एक अवसाद में बदल सकता है.
- मैंडूस चक्रवात मजबूत होकर दक्षिण-पश्चिम में 8 दिसम्बर को तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों की ओर बढ़कर जन-धन को नुकसान पहुँचाया.

सि.से.प्रा. परीक्षा 2015 प्रश्न–उष्णकटिबंधीय अक्षांशों में दक्षिण अटलांटिक और दक्षिण-पूर्वी प्रशांत क्षेत्रों में चक्रवात उत्पन्न नहीं होता है. क्या कारण है ?

(A) समुद्र की सतह का तापमान कम है
(B) अंतर-उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र शायद ही कभी होता है
(C) कोरिओलिस बल बहुत कमजोर होता है
(D) उन क्षेत्रों में भूमि की अनुपस्थिति

उत्तर–(B)

स्पष्टीकरण

- दक्षिण अटलांटिक और दक्षिण-पूर्वी प्रशांत महासागर में चक्रवातों की कमी का सबसे प्रमुख कारण इस क्षेत्र में अन्तर-उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र (ITCZ) की दुर्लभ घटना है.
- उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की उत्पत्ति तब तक मुश्किल या लगभग असम्भव हो जाती है, जब तक कि ITCZ द्वारा सिनॉप्टिक वोर्टिसिटी (यह क्षोभमंडल में एक दक्षिणावर्ती या वामावर्त चक्रण है) और अभिसरण (यानी बड़े पैमाने पर चक्रण एवं तडित झंझा गतिविधि) उत्पन्न नहीं हो जाता है.

भारतीय अर्थव्यवस्था

सि.से.मु. परीक्षा-2019 प्रश्न–अनाज वितरण प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने हेतु सरकार द्वारा कौन-कौनसे सुधारत्मक कदम उठाए गए हैं ?

उत्तर–राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 में लगभग दो-तिहाई आबादी को सब्सिडी युक्त खाद्यान्न प्रदान करके कानूनी अधिकार के रूप में भोजन का अधिकार प्रदान किया गया है. हालांकि, वर्तमान अनाज वितरण प्रणाली विभिन्न दोषों से भरी हुई है.

अनाज वितरण प्रणाली से जुड़े मुद्दे

- राशन की दुकानों और वहाँ से खुले बाजार में अनाज के परिवहन के दौरान वितरण प्रणाली में लीकेज की समस्या दिखती है.
- भारत सरकार खाद्य सब्सिडी पर एक बड़ा वित्तीय भार वहन करता है, क्योंकि खाद्यान्नों की खरीद और वितरण लागत उसके बिक्री मूल्य की लगभग छह गुना है.
- भंडारण क्षमता में कमी के कारण भारी मात्रा में खाद्यान्न सड़ जाता है.

भंडारण में आधुनिक तकनीक का उपयोग

- भंडारित खाद्यान्नों को सड़ने से रोकने के लिए किरवणन (Irradiation) तकनीक भी पेश की गई है.
- लीकेज पर रोग लगाने के लिए एफसीआई गोदामों के सभी कार्यों को ऑनलाइन कर दिया गया है.
- राशन कार्डों के डिजिटलीकरण और आधार के उपयोग से नकली लाभार्थियों को हटाने तथा लाभार्थियों की पहचान को और अधिक सटीक बनाने में मदद मिली है.
- कम्प्यूटरीकरण के माध्यम से राज्य के डिपो से लाभार्थियों तक वितरण पर नजर रखते हुए खाद्यान्न को बड़े पैमाने पर हो रहे घोटालों पर अंकुश लगाया गया है.
- खाद्यान्न ले जाने वाले ट्रकों की आवाजाही की ट्रैकिंग ने आपूर्ति श्रृंखला की निगरानी में मदद की है. इसे छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु द्वारा लागू किया गया है.
- नागरिकों को उनके मोबाइल नम्बर पंजीकृत कर प्रेषण/आगमन के दौरान एसएमएस भेजने/प्राप्त करने की सुविधा दी गई है.
- सार्वजनिक शिकायत निवारण के लिए वेब आधारित नागरिक पोर्टल का उपयोग कर नागरिक शिकायत दर्ज कर सकते हैं या सुझाव दे सकते हैं.
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) को लागू करना.
- इसके साथ ही प्रमुख राज्यों द्वारा विकेंद्रीकृत खरीद कार्य किया जाना चाहिए. इससे भारतीय खाद्य निगम (FCI) को पिछड़े राज्यों पर ध्यान केन्द्रित करने में मदद मिलेगी. इसके अतिरिक्त स्टॉकिंग और भंडारण सुविधाओं में निजी क्षेत्र की भागीदारी से इन्हें आधुनिक बनाने में मदद मिल सकती है. साथ ही खाद्यान्न की होम डिलीवरी कनेक्टिविटी बढ़ाने में मदद कर सकता है.
- जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए खाद्य सुरक्षा महत्वपूर्ण है और इसे एक मजबूत खाद्य वितरण प्रणाली के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है.
- खाद्य अर्थव्यवस्था के प्रबन्धन में अन्य राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखने के लिए प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद को राज्यों के बीच बढ़ावा देना चाहिए.

सि.से.प्रा. परीक्षा प्रश्न–निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की शुरूआत द्वितीय विश्व युद्ध के प्रारम्भ से माना जाता है.
2. खाद्य, सार्वजनिक वितरण व उपभोक्ता मंत्रालय ने पूरे देश में 'एक देश, एक राशन कार्ड' योजना 30 जून, 2020 से लागू की गई.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2
(D) न तो 1, न ही 2

उत्तर–(C)

स्पष्टीकरण

- भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का इतिहास स्वतन्त्रता से पहले द्वितीय विश्व युद्ध के प्रारम्भ (सन् 1939) से माना जाता है. उस समय औपनिवेशिक सरकार ने गरीबों को कुछ चुने हुए शहरों में सस्ती दरों पर अनाज उपलब्ध कराया था. इसके बाद समय-समय पर जरूरतों के मुताबिक पीडीएस का स्वरूप बदलता रहा.
- आज भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा समवर्ती सूची के अन्तर्गत सामूहिक रूप से संचालित किया जाता है.
- खाद्य, सार्वजनिक वितरण व उपभोक्ता मंत्रालय ने पूरे भारत में **'एक देश, एक राशन कार्ड'** योजना को 30 जून, 2020 को लागू कर दिया है.
- इस योजना के तहत् किसी भी राज्य का व्यक्ति किसी भी सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकान से राशन ले सकता है. गौरतलब है कि सभी राशन कार्डों को आधार कार्ड से जोड़ने और प्वाइंट ऑफ सेल (Point of Sale) मशीन के माध्यम से खाद्यान्न वितरण की व्यवस्था अपने अन्तिम चरण में है.
- वर्तमान में आंध्र प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, झारखण्ड, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, राजस्थान, तेलंगाना और त्रिपुरा ऐसे 10 राज्य हैं, जहाँ खाद्य वितरण का 100 प्रतिशत कार्य प्वाइंट ऑफ सेल (PoS) मशीन के जरिए हो रहा है. साथ ही इन राज्यों में सार्वजनिक वितरण की सभी दुकानों को इंटरनेट से जोड़ा जा चुका है.
- इन राज्यों में लाभार्थी सार्वजनिक वितरण की किसी भी दुकान से अनाज प्राप्त कर सकते हैं.

नवीन संशोधित संस्करण

उपकार

छत्तीसगढ़ वृहद् संदर्भ

(नवीन आँकड़ों एवं तथ्यों सहित)

लेखकद्वय : संजय त्रिपाठी एवं श्रीमती चंदन त्रिपाठी

कोड नं. : 1437 मूल्य : ₹ 370/-

पुस्तक की विशेषताएँ

पुस्तक का प्रथम खण्ड 'छत्तीसगढ़ : विविध अध्ययन' सामान्य विषयों का है जिसमें छत्तीसगढ़ के भूगोल, जलवायु, कृषि, खनिज, वन, उद्योग, जल संसाधन, अर्थव्यवस्था एवं अन्य विविध विषयों पर प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध कराई गई है.

पुस्तक का द्वितीय खण्ड 'छत्तीसगढ़ का इतिहास, कला एवं स्थापत्य' का है जिसमें छत्तीसगढ़ के इतिहास के प्रत्येक काल का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है.

पुस्तक का तृतीय खण्ड 'छत्तीसगढ़ की संस्कृति' का है जिसमें छत्तीसगढ़ी संस्कृति से सम्बन्धित प्रदेश की संस्कृतिगत विशिष्टताओं से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों का उल्लेख किया गया है.

छत्तीसगढ़ राज्य से सम्बन्धित प्रामाणिक जानकारी अब एक ही पुस्तक में उपलब्ध

उपकार प्रकाशन, आगरा-5
E-mail : care@upkar.in
Website : www.upkar.in

आधुनिक भारत का इतिहास

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–आप किस हद तक इस कथन से सहमत हैं कि भारत में राष्ट्रवाद का उदय किसी एक कारण या परिस्थिति का परिणाम न होकर विभिन्न कारकों का प्रतिफल था ?

उत्तर–'राष्ट्रवाद' ऐसी विचारधारा है जो आत्मनिर्णय के आधार पर एक संप्रभु राजनीतिक समुदाय के रूप में एक राष्ट्र की कल्पना करती है. ब्रिटिश शासन के साम्राज्यवादी विस्तार के साथ-साथ नए विचारों एवं व्यवस्थाओं के बीच क्रिया-प्रतिक्रिया ने भारत में राष्ट्रीय विचारों को भी जन्म दिया. भारतीय राष्ट्रवाद के उदय में तत्कालीन विश्वव्यापी घटनाओं, साहित्य तथा पाश्चात्य शिक्षा सहित अनेक परिस्थितियों का योगदान रहा है.

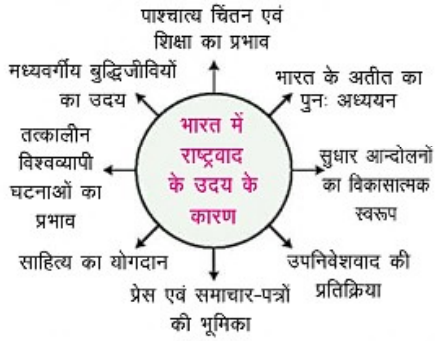

1. विभिन्न राष्ट्रवादी इतिहासकारों, जैसे– आर.एल. मित्रा, आर.जी. भंडारकर आदि ने भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को पुनर्व्याख्या कर राष्ट्र की नई तस्वीर प्रस्तुत की. इन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से कला, साहित्य, दर्शन, विज्ञान और गणित जैसे क्षेत्रों में भारतीय उपलब्धियों एवं मानव सभ्यता के विकास में भारत के योगदान को पुनः प्रकाशित किया, जिससे लोगों में राष्ट्रवाद की भावना जाग्रत हुई.
2. हिन्दी भाषा सहित विभिन्न भाषाओं के समाचार-पत्रों ने उपनिवेशी नीतियों की आलोचना कर देशवासियों से आपसी एकता स्थापित करने का आह्वान किया तथा आधुनिक विचारों जैसे–स्वशासन, लोकतंत्र आदि के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.
3. आधुनिक शिक्षा प्राप्त नव शिक्षित भारतीयों ने उच्च शिक्षा के लिए इंगलैंड की यात्रा की. वहाँ उन्होंने एक स्वतन्त्र देश की विभिन्न राजनीतिक संस्थाओं की वस्तुस्थिति का भारत से तुलनात्मक आकलन किया. इस नवपाश्चात्य भारतीय शिक्षित वर्ग ने भारत में नए बौद्धिक मध्यम वर्ग का उदय हुआ, जिसने कालांतर में राष्ट्रीय आन्दोलन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया.
4. सामाजिक-धार्मिक सुधार आन्दोलन के प्रणेताओं ने सामाजिक कुरीतियों को दूर कर व्यक्तिगत स्वतंत्रता, सामाजिक एकता और राष्ट्रवाद के सिद्धान्त पर जोर दिया.
5. यातायात एवं संचार के साधनों, विशेषकर रेल के विकास ने देश को प्रत्यक्ष रूप से एकीकृत करने का कार्य किया, जिससे विभिन्न वर्गों के लोगों का आपस में राजनीतिक सम्पर्क स्थापित हुआ.

इस प्रकार ब्रिटिश साम्राज्यवाद के औपचारिक स्वरूप की प्रतिक्रिया में विभिन्न परिस्थितियों ने भारतीय राष्ट्रवाद को पोषित किया.

सि.से.प्रा. परीक्षा प्रश्न–महारानी विक्टोरिया की उद्घोषणा (1858 ई.) का उद्देश्य क्या था ?

1. भारतीय राज्यों को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने के किसी भी विचार का परित्याग करना.
2. भारतीय प्रशासन को ब्रिटिश क्राउन के अन्तर्गत रखना.
3. भारत के साथ ईस्ट इंडिया कम्पनी के व्यापार का नियमन करना.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

उत्तर–(A)

स्पष्टीकरण

- ब्रिटिश सरकार ने वर्ष 1858 ई. में एक अधिनियम लागू किया जिसे **'भारतीय प्रशासन सुधार सम्बन्धी अधिनियम'** कहते हैं.
- इस अधिनियम के द्वारा भारत में ईस्ट इंडिया कम्पनी के शासन का अंत कर दिया गया और ब्रिटिश क्राउन ने भारतीय प्रदेशों का प्रबन्ध सीधा अपने हाथों में ले लिया.
- इस अधिनियम के तहत् वर्ष 1858 में महारानी विक्टोरिया ने एक घोषणा की जिसमें यह उद्घोषित किया गया कि अब से भारत का शासन ब्रिटिश शासन के द्वारा व उनके वास्ते सेक्रेटरी ऑफ स्टेट द्वारा चलाया जाएगा.
- गवर्नर जनरल को वायसराय की पदवी दी गई, जिसका अर्थ था कि वह राजा का प्रतिनिधि था.
- रानी विक्टोरिया ने साम्राज्ञी की पदवी धारण की और इस प्रकार ब्रिटिश सरकार ने भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने की असीमित शक्तियाँ धारण कर लीं. संक्षेप में भारत पर ब्रिटिश सर्वोच्चता सुदृढ़ रूप से स्थापित कर दी गई. साथ, ही रानी विक्टोरिया द्वारा की गई घोषणा द्वारा देशी राज्यों को यह आश्वासन दिया गया कि उनका अस्तित्व बना रहेगा. स्पष्ट है कि भारतीय राज्यों को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने के किसी भी विचार का परित्याग करने की घोषणा की गई थी.
- 1857 के क्रांति से भारत में राष्ट्रवाद के उदय की शुरूआत माना जाता है.

विश्व इतिहास

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वैश्विक स्तर पर विश्व शांति के लिए किए गए प्रयासों का वर्णन कीजिए ?

उत्तर–द्वितीय विश्व युद्ध की भयावहता को देखकर सम्पूर्ण विश्व व्यापक रूप से प्रभावित हुआ तथा शांति एवं समृद्धि की ओर सम्पूर्ण विश्व का रुझान बढ़ा. जिसके बाद वैश्विक स्तर पर शांति स्थापना के लिए निम्नलिखित प्रयास किए गए–

- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद राष्ट्र संघ की विफलता को देखते हुए, इसके स्थान पर संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई, जिसे विश्व शांति की स्थापना एवं विवादों के समाधान के लिए उत्तरदायी बनाया गया.
- राष्ट्रों के मध्य विवादों को खत्म करने के लिए तथा आर्थिक जुड़ाव एवं व्यापार को बढ़ाने के लिए GATT की स्थापना की गई.
- यूनेस्को एवं यूनिसेफ जैसे संगठनों की स्थापना की गई, जिन्हें विश्व में भुखमरी कम करने, अशिक्षा खत्म करने एवं सांस्कृतिक संवर्द्धन के लिए उत्तरदायी बनाया गया.
- शस्त्रों की दौड़ कम करने एवं निशस्त्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए NPT, CTBT, NSG जैसे समूहों की स्थापना की गई.
- तृतीय विश्व के देशों ने अपनी समस्याओं को संगठित रूप से उठाने के लिए गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की शुरूआत की, जिसका लक्ष्य गुटों से अलग वैश्विक शांति के लिए कार्य करना.
- UNSC को शक्तियाँ देकर युद्ध रोकने एवं शांति स्थापना हेतु अधिकृत करना, इसके लिए UN द्वारा शांति सेना के माध्यम से युद्धरत् राष्ट्र में शांति स्थापना की कोशिश करना.

शेष पृष्ठ 58 पर

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "आशावादी दृष्टिकोण, उत्साही स्वभाव और कठिन परिश्रम का समन्वय."

—अंतरिक्ष जैन

सिविल सेवा परीक्षा-2021 में चयनित (130वाँ स्थान)

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित होकर श्री अंतरिक्ष जैन ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

प्र. द.—सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री अंतरिक्ष—जी, बहुत-बहुत धन्यवाद.

प्र. द.—यह आपका कौनसा प्रयास था ?

श्री अंतरिक्ष—यह मेरा पहला प्रयास था.

प्र. द.—आपका वैकल्पिक विषय क्या था ?

श्री अंतरिक्ष—मेरा वैकल्पिक विषय समाजशास्त्र था.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

श्री अंतरिक्ष—शुरू में, मैंने मानव विज्ञान (एंथ्रोपोलॉजी) लेने के बारे में सोचा, लेकिन फिर, मैंने अपने वैकल्पिक विषय के रूप में समाजशास्त्र को चुना.

समाजशास्त्र चुनने के कारण की बात करूँ तो मेरा बी.टेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग में है और एक वैकल्पिक विषय के रूप में मैकेनिकल इंजीनियरिंग का पाठ्यक्रम बहुत बड़ा है, इसमें 8-9 महीने लगते हैं और संख्यात्मक-उन्मुख है. मैं पहले प्रयास में परीक्षा को पास करने के लिए पर्याप्त समय चाहता था. इसलिए, मैंने समाजशास्त्र लिया, क्योंकि इस विषय की तैयारी में सिर्फ 3-3·5 महीने लगते हैं और बहुत अच्छी मात्रा में जानकारी इंटरनेट पर उपलब्ध है, ये मेरे कुछ विचार थे और आखिरकार समाजशास्त्र हर वर्ष टॉपर्स की संख्या देता है. मेरा मानना है कि इस वर्ष भी कई सफल उम्मीदवारों के पास वैकल्पिक विषय के रूप में समाजशास्त्र है.

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है ?

श्री अंतरिक्ष—आई.ए.एस., आई.पी.एस.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री अंतरिक्ष—मैं बहुत तनावग्रस्त था और चिंतित भी. मैंने सोचा कि किसी भी तरह मेरा नाम सूची में आ जाए बस. जब आप पहली बार इस परीक्षा का सामना करते हैं, तो आप अपने मुख्य परीक्षा के प्रदर्शन को आंक नहीं सकते और जबतक रिजल्ट नहीं आता तबतक सशंकित रहते हैं.

मैंने खुद रिजल्ट चेक किया और मुझे अपना नाम मिला. मुझे अपने दोस्तों के फोन आने लगे कि तब मुझे पता चला कि हाँ यह सच है. फिर मैंने अपनी माँ को फोन किया. यह एक मिली-जुली प्रतिक्रिया थी. मैं हैरान भी था और चिंतित भी.

उपकार कॅरियर डेवलपमेंट सीरीज की उत्कृष्ट पुस्तकें

*** कैरियर प्रबन्धन .....**
- उपकार सक्सैसफुल कैरियर थॉट्स 75/-
- उपकार मैनेजमेंट टिप्स 35/-
- उपकार डायनेमिक्स ऑफ पर्सनेलिटी डेवलपमेंट 110/-
- उपकार एचीविंग गोल्स 130/-
- उपकार साइंस ऑफ टाइम मैनेजमेंट 99/-
- उपकार पॉजिटिव पर्सनेलिटी 99/-
- उपकार असली कामयाबी 95/-

*** व्यक्तित्व निर्माण .....**
- उपकार व्यक्तित्व विकास 99/-
- उपकार महान् व्यक्तियों के विचार 99/-
- उपकार योग्य बनें 90/-
- उपकार इम्प्रूव योर पर्सनेलिटी 50/-
- उपकार भाषण कला (राजकिशोर ओझा) 115/-

*** सफलता .....**
- उपकार सफल प्रबन्धन के सरल सूत्र 120/-
- उपकार सफलता के अद्भुत रहस्य 45/-
- उपकार सौ कदम सफलता के 140/-
- उपकार सफलता के अकाट्य सूत्र 125/-

*** बुद्धि विकास .....**
- उपकार द् आर्ट ऑफ मेमरि 40/-
- उपकार महान् व्यक्तित्व 140/-
- उपकार विश्व विभूतियाँ 80/-
- उपकार सूक्ति संग्रह (लेखक : राजकिशोर ओझा) 70/-
- उपकार द् वर्ल्ड ऑफ क्वोटेशन्स 140/-
- Upkar The World of Quotations (हिन्दी रूपान्तर सहित) 145/-

उपकार प्रकाशन ☎ आगरा 2466978, 2530966 ● E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

प्र. द.—अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ? क्या इनमें से किसी टॉपर से आप प्रभावित हुए ?

श्री अंतरिक्ष—कड़ी मेहनत से ज्यादा आपको कुछ पहलुओं को जैसे रिवीजन और उत्तर लेखन पर किए गए इन टॉपर्स के प्रयासों को इंगित करने की जरूरत है. इसलिए मुझे लगता है कि टॉपर्स रिवीजन एवं डेटा बुक्स को लेकर बहुत स्पष्ट रहते हैं.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है. शुरू में तैयारी के लिए आपके सही सलाह कहाँ से मिली ?

श्री अंतरिक्ष—तैयारी से जुड़े सभी प्रश्नों का उत्तर पाने के लिए YouTube सबसे अच्छा स्रोत है और मैंने कई टॉपर्स की वार्ताएं भी देखीं. मैंने अक्षत जैन की रणनीति का पालन किया. उन्होंने जो भी कहा, मैंने उसका अनुसरण किया. हाँ, अपनी जरूरतों के हिसाब से उनकी रणनीति में बदलाव किए और अपनी रणनीति के अनुरूप मैंने तैयारी की. YouTube पर सब कुछ उपलब्ध है; हमें बस एक पहल करनी होती है.

प्र. द.—प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

श्री अंतरिक्ष—यह एक एकीकृत दृष्टिकोण था. प्रारम्भिक परीक्षा के लिए रिवीजन से पहले प्रीलिम्स और मेन्स दोनों के लिए मैं एक साथ कर रहा था. मैंने दोनों को कभी कंपार्टमेंटलाइज नहीं किया. मैंने व्यापक नोट्स बनाए और उन बिन्दुओं पर प्रकाश डाला जो प्रारम्भिक परीक्षा के लिए उपयोगी हैं. यह हमेशा एकीकृत दृष्टिकोण था, चाहे वह समाचार के लिए हो या स्थिर विषय के लिए, मैं इसे एक साथ पढ़ता था.

प्र. द.—शुरू से ही मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना क्या रही ?

श्री अंतरिक्ष—सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 1 के लिए, मैंने आधुनिक इतिहास, कला और संस्कृति के लिए व्यापक संशोधन किए, लेकिन मैंने सामाजिक मुद्दों का गहराई से अध्ययन करने से परहेज किया, क्योंकि मेरा वैकल्पिक विषय समाजशास्त्र था. मुझे लगा कि मैं सामाजिक मुद्दों के प्रश्नों को आसानी से हल कर लूँगा.

मेरा ध्यान डायग्राम, इंटरलिंकेज पर था और यह सुनिश्चित किया कि मैंने परीक्षा हॉल में पर्याप्त रूप से विचार-मंथन किया है. केवल एक चीज जो परीक्षा हॉल में आपकी मदद करेगी, वह है आपकी जानकारी. इसलिए, रिवीजन एक कुंजी बन जाती है.

भूगोल में हर बिन्दु का एक डायग्राम हो सकता है, यह मेरे लिए डायग्राम ओरिएंटेड अप्रोच थी.

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 2 के लिए, राजनीति विज्ञान मेरे लिए एक कठिन विषय था, इसके लिए पकड़ की आवश्यकता होती है.

मैंने उत्तर लिखने का अभ्यास किया था, मैं केवल लक्ष्मीकांत की पुस्तक को पढ़ता था.

मैंने बायजू के स्टेटिक नोट्स पढ़े.

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 3 के लिए समाचार-पत्र पढ़ना, प्रीलिम्स और मेन्स के बीच के अन्तराल में मुझे रिवीजन के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला, लेकिन मैंने अपने नोट्स बना लिए थे और इसका प्रभाव पड़ा, मेरे अवचेतन मन में भी कुछ ज्ञान था, तो इसने मेरी मदद की. इससे मैं सीमित अवधि में, सीमित प्रयास के साथ, मैं अधिकतम दे सका.

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 4 के लिए, मैंने पिछले वर्ष की टॉपर दिव्या मिश्रा के कुछ सत्रों में भाग लिया और उन्होंने उत्तर लेखन, संरचना और केस स्टडीज को कैसे लागू किया जाए, इस पर विस्तार से बताया.

कोविड के कारण, प्रारम्भिक परीक्षा स्थगित हो गई और इससे मुझे वास्तव में अपनी रणनीति बदलने में बड़ी मदद मिली.

जब मई 2021 के लिए परीक्षा निर्धारित थी, मेरे वैकल्पिक विषय समाजशास्त्र की तैयारी पूरी नहीं हुई थी, लेकिन परीक्षा स्थगन के कारण मुझे अपने समाजशास्त्र को पूरा करने के लिए पर्याप्त समय मिला. मुझे सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 3 में अर्थव्यवस्था के नोट्स और अन्य सामान्य अध्ययन विषयों को भी पूरा करने का मौका मिला और मुझे अपने प्रारम्भिक परीक्षा के लिए भी पर्याप्त समय मिला.

जब अक्टूबर में परीक्षा थी, मैं प्रीलिम्स से पहले मेन्स के लिए भी तैयार था, मेरे नोट्स तैयार थे मुझे बस इसे रिवाइज करना था.

प्र. द.—आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार तैयारी की ?

श्री अंतरिक्ष—मैं निबन्धों में बहुत कमजोर था, मॉक टेस्ट में भी मुझे बहुत अच्छे अंक नहीं मिल रहे थे, लेकिन प्रीलिम्स और मेन्स के बीच मैंने कुछ शोध किया, मैं टेड टॉक्स देखता था, कई यूट्यूब वीडियो देखे, मुझे कई उदाहरण मिले समाचार-पत्र, आदि, और परीक्षा से पहले मैंने अनुदीप दुरीशेट्टी सर की निबन्ध-लेखन पुस्तक पढ़ी. और मुझे स्पष्ट अंतर्दृष्टि मिली कि एक अच्छा निबन्ध कैसा दिखना चाहिए.

मुझे जो सबसे महत्वपूर्ण आउटपुट मिला, वह था पैराग्राफ लिंकिंग, यदि दार्शनिक निबन्ध हैं, तो इसे इस तरह से अप्रोच करना चाहिए कि लिंकिंग पैराग्राफ दूसरे पैराग्राफ के रूप में आए, और आपको विषय से ही प्रश्न कथन बनाने होंगे. इन प्रश्नों की तैयारी के बाद, मैं अपने द्वारा किए गए विशेष प्रश्न पर पर मंथन करता था. इस तरह मैंने विचारों और विचार-मंथन को चैनलाइज किया.

प्र. द.—साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ?

श्री अंतरिक्ष—मुझे साक्षात्कार में 195 अंक मिले, बोर्ड बेहद सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण था और मेरी योजना बहुत सरल थी, क्योंकि मैंने एक एम.एन.सी. में नौकरी की थी. इसलिए मेरे पास सीनियर्स से बात करने का यह एक्सपोजर था, हम मंथली रिव्यू देते थे. इसलिए मुझे पता था कि आपको कैसा व्यवहार करना चाहिए, आपकी बॉडी लैंग्वेज कैसी होनी चाहिए, जब आप सीनियर्स से बात कर रहे हों तो आपका लहजा और पिच कैसी होनी चाहिए. इसने वास्तव में मेरी मदद की क्योंकि व्यक्तित्व एक ऐसी चीज है जिसे आप रातों-रात विकसित नहीं कर सकते.

मेरा इंटरव्यू 21 अप्रैल को श्री आर.एन. चौबे सर के बोर्ड में था.

यह साक्षात्कार मेरी नौकरी से सम्बन्धित था, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न थे. साथ में कुछ बाउंसर प्रश्न भी थे जैसे आप मृत्यु के बाद के जीवन में विश्वास करते हैं, कृपया कोविड-19 को दार्शनिक रूप से समझाएं, भारत में बौद्ध धर्म का पतन क्यों हुआ, क्या हस्तरेखा एक सटीक विज्ञान है, कुछ प्रश्न केन्द्रशासित प्रदेशों पर रहे— क्या हमें और अधिक केन्द्रशासित प्रदेशों की आवश्यकता है, रूस-यूक्रेन युद्ध से सम्बन्धित भी कुछ प्रश्न थे.

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री अंतरिक्ष—मुझ पर और मेरी रणनीति पर मेरे परिवार का समर्थन और विश्वास.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व—*मेरे वरिष्ठ रविशंकर.*
सबल पक्ष—*खुद पर भरोसा, आत्मविश्वास.*
दुर्बल पक्ष—*सीधे स्पष्ट, मैं नकली चीजें नहीं कर सकता.*
रुचियाँ—*हस्तरेखा विज्ञान, बैडमिंटन और पेंटिंग.*

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री अंतरिक्ष—मेरे माता-पिता, मेरे भाई, मेरे दोस्त कमी महसूस होने पर सकारात्मकता देते थे. इन्हें मैं अपनी सफलता का श्रेय देता हूँ.

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे ?

श्री अंतरिक्ष—हमें खुद पर विश्वास करना चाहिए.

इसलिए नए उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे अपने स्रोतों का पालन करें, वे खुद पर और अपनी रणनीति पर विश्वास करें.

प्र. द.—आपको बहुत-बहुत धन्यवाद और आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्री अंतरिक्ष—जी, धन्यवाद. ●●●

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "लक्ष्य के प्रति ध्रुव निष्ठा तथा धैर्य और लगन के साथ निरन्तर गहन अध्ययन."

—लिपि नगायच

सिविल सेवा परीक्षा-2021 में चयनित (140वाँ स्थान)

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित होकर सुश्री लिपि नगायच ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई की पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

प्र. द.—सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

सुश्री लिपि—जी, बहुत-बहुत धन्यवाद.

प्र. द.—यह आपका कौनसा प्रयास था ?

सुश्री लिपि—यह मेरा दूसरा प्रयास था.

प्र. द.—आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखती हैं ?

सुश्री लिपि—सिविल सेवा परीक्षा 2020 के अपने पहले प्रयास में, मैं प्रीलिम्स क्लियर नहीं कर सकी थी.

प्र. द.—इस प्रयास में ऐसा क्या रहा, जो आप उच्च रैंक प्राप्त कर सकीं ?

सुश्री लिपि—यह एक लक्ष्य-केन्द्रित प्रयास था.

प्र. द.—आपका वैकल्पिक विषय क्या था ?

सुश्री लिपि—मैंने वैकल्पिक विषय के रूप में राजनीति विज्ञान और अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध को चुना था.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

सुश्री लिपि—यह मेरा स्नातक का विषय है और इस विषय में स्वतः रुचि विकसित हो गई. सामान्य अध्ययन पाठ्यक्रम के साथ इसका ओवरलैप भी एक कारक था, जिसने मुझे अंततः निर्णय लेने में मदद की.

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है ?

सुश्री लिपि—आई.ए.एस., आई.पी.एस. मेरी पहली वरीयता आई.ए.एस. है, लेकिन मेरी रैंक के अनुसार मुझे आई.पी.एस. आवंटित किया गया है.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थीं और उच्च सफलता के प्रति आशावान थीं ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

सुश्री लिपि—मैंने अपनी तैयारी निरन्तर बनाए रखी थी और योग्यता-सूची में जगह पाने के प्रति आश्वस्त थीं. मैं अंतिम परिणाम के लिए धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रही थी. इस परिणाम ने मुझे यह महसूस कराया कि मैं यह कर सकती हूँ और मैं अपनी उपलब्धि से वास्तव में खुश हूँ.

प्र. द.—अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचती थीं ?

सुश्री लिपि—सफलता, सफलता को प्रेरित करती है और मैंने पिछले वर्षों के टॉपर्स की उत्तर पुस्तिकाओं से कुछ अंतर्दृष्टि प्राप्त करको उनके अनुभवों का व्यापक रूप से उपयोग किया था.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

सुश्री लिपि—मैंने परीक्षा-योजना को समझा और अपनी रणनीति बनाने के लिए टॉपर्स की बातचीत और उनके ब्लॉग से कुछ सुराग प्राप्त किए.

प्र. द.—क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

सुश्री लिपि—यह एक कठिन परीक्षा है और लगभग हर कोई इसे दो से तीन प्रयासों में पास करने की दृष्टि से आता है. मैंने अपने जीवन में बहुत कम उम्र में ही सिविल सेवा में कॅरियर बनाने का मन बना लिया था. मैं सिर्फ इन सेवाओं में चयन का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ी और ऐसा सम्भव हो गया.

प्र. द.—समय-प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में या फिर परीक्षा भवन में कोई कठिनाई हुई ?

सुश्री लिपि—मैंने 8-10 घण्टे की अध्ययन-योजना बना रखी थी और मैं अपनी योजना के अनुसार आगे बढ़ी. मेरा उद्देश्य स्पष्ट समझ और वैचारिक स्पष्टता रखना था और इस एप्रोच से मुझे बहुत मदद मिली.

प्र. द.—आपने अपने प्रयास की योजना कैसे बनाई ? क्या आप परीक्षा के प्रत्येक चरण में कट-ऑफ के बारे में चिंतित रहीं ?

सुश्री लिपि—जैसा कि आमतौर पर उम्मीदवार करते हैं, मैंने भी मुख्य परीक्षा के लिए लक्ष्य निर्धारित किए. अगर मैं अपने अंतिम स्कोर (975 अंक) को देखती हूँ, तो यह मेरी उम्मीदों से थोड़ा कम रहा. मुझे सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र 3 (केवल 78 अंक) में बहुत कम अंक मिले जो एक आश्चर्य के रूप में सामने आया. मेरा प्रश्न-पत्र वास्तव में अच्छा गया था या यह इतना बुरा नहीं था, मुझे ऐसा लगता है. हालाँकि, निबंध (132 अंक) और साक्षात्कार (195 अंक) में मुझे काफी अच्छे अंक मिले.

प्र. द.—प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

सुश्री लिपि—पिछले वर्षों के प्रश्नों को हल करना बहुत जरूरी है. इसमें विषयों के ठोस ज्ञान के लिए प्रासंगिक एन.सी.ई.आर.टी. की सन्दर्भ पुस्तकों को शामिल करने की आवश्यकता है. वैचारिक स्पष्टता होनी चाहिए. नवीनतम घटनाक्रम से अवगत होना महत्वपूर्ण है, इसलिए समसामयिकी और समकालीन ज्वलंत मुद्दों को प्रभावी ढंग से तैयार किया जाना चाहिए.

प्र. द.—शुरू से ही मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना क्या रही ?

सुश्री लिपि—समाचार-पत्रों के अलावा, मैंने करेंट अफेयर्स वेबसाइटों का उपयोग किया, उदाहरण के लिए—आई.ए.एस. बाबा और मासिक/वार्षिक विजन आई.ए.एस. संकलन मेन्स 365 का उपयोग किया.

उत्तर-लेखन का अभ्यास जरूरी है. टेस्ट-सीरीज को हल करना और मॉडल उत्तरों एवं टॉपर्स के उत्तरों से अपने लिखे उत्तरों की तुलना से आप अपनी तैयारी के स्तर को परख सकते हैं. एथिक्स पेपर के लिए, मैंने मूल संदर्भ सामग्री का उपयोग किया और पाठ्यक्रम में उल्लिखित विषयों के लिए वेब खोज की. पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्रों और टेस्ट-सीरीज से केस स्टडी को भी हल किया.

व्यक्ति परिचय

नाम—लिपि नगायच
पिता का नाम—डॉ. उमा शंकर नगायच
माता का नाम—श्रीमती नीलिमा नगायच
शैक्षिक योग्यता—
बी.ए. ऑनर्स 2019—87·14%
बर्कतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
इण्टरमीडिएट—2016, 95·2%, CBSE
इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, भोपाल
हाईस्कूल—2014, CGPA 10/10, CBSE
इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, भोपाल

प्र. द.—आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार तैयारी की ?

सुश्री लिपि—मैंने निबन्ध में उपयोग करने के लिए कुछ उद्धरण और तथ्य एकत्र किए. मैंने नियमित रूप से निबन्ध लिखने का अभ्यास किया और पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्रों से विषयों को चुनकर निबन्ध लिखे. मैंने उनकी प्रस्तुति तकनीकों को समझने के लिए टॉपर्स की शीट का भी उल्लेख किया.

प्र. द.—आपका साक्षात्कार कैसा रहा और आपसे क्या-क्या प्रश्न पूछे गए ?

सुश्री लिपि—मेरा इंटरव्यू 18 मई, 2022 को डॉ. मनोज सोनी सर के बोर्ड में था. मैंने 6 मॉक इंटरव्यू दिए थे. मेरा वास्तविक इंटरव्यू, मॉक इंटरव्यू से बहुत अलग था. हैरानी की बात यह है कि अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों या करंट अफेयर्स से कोई सवाल नहीं पूछा गया. बहुत कम तकनीकी प्रश्न थे. बोर्ड ने व्यक्तिगत प्रश्न पूछने में अधिक रुचि दिखाई. यह मेरे नाम से शुरू हुआ—लिपि का क्या अर्थ है ? बोर्ड के अध्यक्ष महोदय ने मेरे मित्र-मंडली के बारे में पूछा और मेरे दोस्तों में क्या गुण हैं आदि. मेरी रुचियाँ और कैसे मैंने उनमें रुचि विकसित की, इस पर बहुत चर्चा हुई. किस कवि-संत को सुना ? क्या मैं संस्कृत समझती हूँ ? पसंदीदा हिन्दी/बॉलीवुड गायक, क्या मुझे सिनेमा में दिलचस्पी है ? कुछ प्रश्न बहुत तथ्यात्मक थे जैसे—संविधान सभा की पहली बैठक कब हुई थी ? पानीपत की तीसरी लड़ाई के बारे में बताएं ? इंडिया गेट आदि का निर्माण करने वाले वास्तुकार का नाम बताइए आदि.

प्र. द.—सिविल सेवा—केवल यही एक मात्र लक्ष्य था या किसी और कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रही थीं?

सुश्री लिपि—मेरे नानाजी चाहते थे कि मैं आई.पी.एस. अधिकारी बनूँ और यही मेरे लिए एक लक्ष्य बन गया. मेरे माता-पिता चाहते थे कि मैं डॉक्टर बनूँ, लेकिन यह मेरे नानाजी का सपना रहा है और मैंने उनकी इच्छा पूरी करने के लिए वही किया, जो लक्ष्यपूर्ति के लिए आवश्यक था.

प्र. द.—आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगी रहीं. आखिर किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

सुश्री लिपि—सिविल सेवा व्यापक क्षेत्रों में अवसर प्रदान करती है और सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होने की योजना बनाना अपने आप में एक बड़ा निर्णय है. अंतिम परिणाम के बारे में जागरूकता किसी को प्रेरित रखने के लिए पर्याप्त है.

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

सुश्री लिपि—निरन्तरता और उद्देश्य की स्पष्टता.

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगी ?

सुश्री लिपि—इस सफलता का श्रेय मेरे पूरे परिवार को जाता है, जिसमें मेरा विस्तारित परिवार भी शामिल है, क्योंकि इन सभी का मेरी सफलता में बहुत बड़ा योगदान है. मेरे पिताजी, माँ और छोटे भाई ने मेरी यात्रा और उसमें आए सभी उतार-चढ़ाव को करीब से देखा है. उनके निरन्तर समर्थन, प्यार और आशीर्वाद के बिना कुछ भी सम्भव नहीं होता.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व—*मेरे माता-पिता*
सबल पक्ष—*लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता*
रुचियाँ—*चिन्तनशील लेखन, भक्ति संगीत, मंत्र और हिन्दी गाने सुनना.*

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगी ?

सुश्री लिपि—परीक्षा-योजना को देखते हुए, अधिकांश उम्मीदवारों की तैयारी मुख्य परीक्षा पर आधारित होती है और वे लगन से तैयारी करते भी हैं, परन्तु हर वर्ष प्रारम्भिक परीक्षा वास्तव में और अधिक कठिन होती जा रही है. CSAT का कठिनाई स्तर भी पिछले 3 वर्षों में काफी बढ़ गया है. यदि आप पहले चरण का ध्यान रखने में सक्षम हैं, तो इससे आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप इसे क्रैक करने के लिए अपने ज्ञान के आधार का सर्वोत्तम उपयोग करने की स्थिति में होंगे.

प्र. द.—आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

सुश्री लिपि—जी, धन्यवाद. ●●●

शेष पृष्ठ 46 का

उन्हें ये अंग प्रत्यारोपित किए जा सकते हैं और उन्हें मृत्यु से बचाया जा सकता है.

मौतों की दर कम होगी—सिंथेटिक भ्रूण विकसित करने के पीछे उद्देश्य मानव अंगों की कमी को पूरा करना है. वैज्ञानिकों का कहना है कि वे सिंथेटिक भ्रूण से बच्चे नहीं पैदा करेंगे और न ही उन्हें विकसित किया जाएगा. वे सिर्फ भ्रूण से खास तरह की कोशिकाओं को निकालकर जरूरत के अनुसार अंगों को विकसित करेंगे और दुनियाभर में चल रही अंगों की कमी को पूरा करेंगे.

अमरीका स्थित 'हेल्थ रिसोर्सेस एण्ड सर्विसेज एडमिनिस्ट्रेशन' की एक रिपोर्ट के अनुसार अमरीका में इस समय करीब 1·06 लाख लोगों को प्रत्यारोपण के लिए अंग की जरूरत है. हर दिन अंगों के इंतजार में अमरीका में 17 लोगों की मौत हो रही है. वहीं, भारत में समय पर अंग प्रत्यारोपण न होने और अंग न मिलने की वजह से हर वर्ष 5 लाख लोगों की मौत होती है.

भ्रूण को विकसित करने में उतना ही समय लगेगा, जितना कि महिला के गर्भ में लगता है. 40 से 50 दिन में यह सिंथेटिक भ्रूण बन जाएगा, जिसके अन्दर शरीर के छोटे-छोटे अंग विकसित किए जाएंगे. बाद में जरूरत के मुताबिक अंगों को विकसित कर डोनेट किया जाएगा. ●●●

शेष पृष्ठ 54 का

यद्यपि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वैश्विक स्तर पर शांति स्थापना के व्यापक प्रयास किए गए, लेकिन ये सारे प्रयास सैद्धांतिक ही ज्यादा थे, क्योंकि ऐसे प्रयासों को लागू कराने की शक्ति न तो संयुक्त राष्ट्र में थी और न ही अन्य देश इन्हें अपनी सुविधा के अनुसार स्वीकार कर रहे थे. इसी का परिणाम शीत युद्ध था, जहाँ नाटो एवं वारसा जैसे अन्य समूहों का निर्माण हुआ, इसके बावजूद क्यूबा, वियतनाम आदि देशों में भीषण नरसंहार हुए, लेकिन फिर भी इससे एक भय एवं शान्ति की जरूरत स्थापित हुई, अब तक कोई भी युद्ध वैश्विक रूप नहीं ले पाया एवं परमाणु हथियारों का प्रयोग नहीं हुआ. वर्तमान रूस-यूक्रेन युद्ध आज फिर इन संगठनों को चिढ़ा रहे हैं. ●●●

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "आत्म-अनुशासन, कार्य के प्रति समर्पण और सतत् कठिन परिश्रम."

—नवदीप अग्रवाल

सिविल सेवा परीक्षा-2021 में चयनित (150वाँ स्थान)

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित होकर श्री नवदीप अग्रवाल ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

प्र. द.—सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री नवदीप—जी, धन्यवाद.

प्र.द.—आपका वैकल्पिक विषय क्या था ?

श्री नवदीप—समाजशास्त्र मेरा वैकल्पिक विषय था.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

श्री नवदीप—मैंने सोचा कि मुझे एक ऐसा विषय लेना चाहिए जिसमें मेरी गहरी रुचि हो. समाजशास्त्र अनिवार्य रूप से उस समाज के बारे में है जिसमें हम रहते हैं और इसकी विशेषताएं हैं. सीमित समय में, मैंने सही रणनीति चुनी और सीमित और सामग्री-समृद्ध संसाधनों के साथ अपने वैकल्पिक विषय प्रश्न-पत्र 1 में उच्चतम अंकों में से एक (161 अंक) के साथ 286 अंक प्राप्त करने में सफल रहा.

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है?

श्री नवदीप—आई.ए.एस., आई.पी.एस.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

श्री नवदीप—अपनी पिछली रणनीति पर एक बार फिर से देखा और कार्यरत होने के कारण अपने समय को सुनियोजित किया जिससे तैयारी के लिए समय निकाला जा सके.

प्र. द.—शुरू से ही प्रारम्भिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना क्या रही? इस दौरान समय-प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में या फिर परीक्षा भवन में कोई कठिनाई हुई?

श्री नवदीप—किसी भी विषय को शुरू करने से पहले, उसके पिछले वर्ष के प्रश्नों (PYQs) का सन्दर्भ लेना वास्तव में महत्वपूर्ण है. समाजशास्त्र के लिए मैंने अब तक पूछे गए प्रश्नों की प्रवृत्ति के अनुसार नोट्स तैयार किए. प्रीलिम्स के लिए मैंने 10,000 से अधिक प्रश्नों को हल किया और फिर अपने स्थैतिक भाग को संशोधित किया. अध्ययन के लिए एक समस्या समाधान दृष्टिकोण होने से आपको अध्ययन किए जाने वाले विषय के दायरे को कम करने में मदद मिलती है. यह एक चरणबद्ध दृष्टिकोण होना चाहिए. पहले पाठ्यक्रम का अंदाजा लगाने के लिए पिछले वर्ष के प्रश्नों को देखें. फिर टेस्ट सीरीज से प्रश्नों के साथ शुरू करें और अपने पहले से मौजूद नोट्स को संशोधित और अपडेट करें. इससे समय की बचत होती है और आपको मुख्य परीक्षा में लिखने के लिए समृद्ध सामग्री उपलब्ध होती है.

संशोधन अत्यंत महत्वपूर्ण है

इसे कम-से-कम 2-3 बार संशोधित किए बिना इतना अधिक बनाए रखना लगभग असम्भव है. संशोधन व्यवस्थित होना चाहिए. इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई कैसे नोट्स (ऑनलाइन/ऑफलाइन) बनाता है, रिवीजन करते समय महत्वपूर्ण की वर्ड्स और आँकड़ों को लिखने के लिए एक पेन और एक पेपर की आवश्यकता होती है और इससे स्मृति चिह्न या कहानियाँ बनाई जाती हैं. समय के साथ व्यक्ति कई संशोधनों और रफ स्क्रिबलिंग द्वारा बहुत कुछ बनाए रखने में सक्षम होगा.

प्र. द.—आपने साक्षात्कार की तैयारी कैसे की ?

श्री नवदीप—मेरा व्यक्तिगत रूप से मानना है कि मुख्य परीक्षा की तुलना में साक्षात्कार को पास करना कठिन है. व्यक्ति को बहुत तैयारी करनी होती है और सन्तुलित दृष्टिकोण विकसित करना होता है. साक्षात्कार के दौरान कोई नकली नहीं हो सकता है और यह आत्मविश्वास गहन तैयारी के बाद ही आता है. ऑफलाइन मोड में 7-8 मॉक अटेंड करें. सन्तुलित निर्णय दें और यदि आप 4-5 प्रश्नों का उत्तर सिर्फ आई एम सॉरी कहकर नहीं दे पाते हैं, तो भी यह ठीक है. साक्षात्कार बोर्ड आपके पूरे व्यक्तित्व की जाँच करते हैं और उस आधे घण्टे में आपने खुद को कैसे सँभाला इस पर आपका मूल्यांकन निर्भर करता है.

मैंने डी.ए.एफ. से सम्बन्धित सभी विषयों पर बिन्दुवार नोट्स बनाए और सभी वर्तमान विषयों के लिए सामग्री विषयवार (राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक आदि) तैयार की. मैंने प्रत्येक राय आधारित प्रश्न का उत्तर विस्तार से समझाने के बजाय विभिन्न आयामों के माध्यम से देने का प्रयास किया. साथ ही बोर्ड रूम में जाने से पहले मैंने 5 मिनट के लिए ध्यान लगाया और एक या दो प्रश्नों में अस्वीकृति की प्रतिक्रिया के बावजूद पूरे साक्षात्कार के दौरान शांत रहा. धीरे-धीरे बोलना, मुस्कराहट रखना, चौकस और आत्मविश्वासी बने रहना साक्षात्कार में सफलता प्राप्त करने की कुंजियाँ हैं.

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री नवदीप—कम्फर्ट जोन को छोड़ गम्भीर तैयारी.

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री नवदीप—अपने परिवार को और विशेषकर अपनी पत्नी और बेटी को.

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे ?

श्री नवदीप—यह परीक्षा कठिन है असंभव नहीं. यदि आपमें किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने का जुनून है, तो लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जीवन में कोई बाधा नहीं आएगी.

लगन और मेहनत से सिविल सेवा परीक्षा में उच्च सफलता प्राप्त करना आसान हो सकता है, बस आप सकारात्मक सोच के साथ प्रयास तो करें.

प्र. द.—आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्री नवदीप—जी, धन्यवाद. ●●●

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "अध्ययन की असाधारण रणनीति, एकाग्रता के साथ कठिन परिश्रम एवं माँ की प्रेरणा."

—सिमरन भारद्वाज

सिविल सेवा परीक्षा-2021 में चयनित (172वाँ स्थान)

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित होकर सुश्री सिमरन भारद्वाज ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई की पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

प्र. द.—सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

सुश्री सिमरन—जी, धन्यवाद !

प्र. द.—यह आपका कौनसा प्रयास था ?

सुश्री सिमरन—यह मेरा प्रथम प्रयास था.

प्र. द.—आपका वैकल्पिक विषय क्या था ?

सुश्री सिमरन— वैकल्पिक विषय मानव शास्त्र (एंथ्रोपोलॉजी) मेरा वैकल्पिक विषय था.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

सुश्री सिमरन—मैं जीव विज्ञान में अच्छी थी और इस प्रकार जैविक मानव विज्ञान भाग ने मुझे शुरू में आकर्षित किया. बाद में, मैंने महसूस किया कि यह विषय विज्ञान और मानविकी, स्थिर और गतिशील और दिल और दिमाग दोनों का एक दिलचस्प मिश्रण है.

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है?

सुश्री सिमरन—आई.ए.एस., आई.पी.एस.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट थीं और उच्च सफलता के प्रति आशावान थीं ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

सुश्री सिमरन—मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया था, प्रारम्भिक और मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने में सक्षम थी और एक अच्छे साक्षात्कार ने मुझे एक अच्छे रैंक की उम्मीद दी थी. यह काफी संतोषजनक रहा है और इस सफलता ने मुझे विश्वास दिलाया कि मैं परीक्षा की आवश्यकताओं को समझने में सक्षम हूँ.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है, शुरू में तैयारी के लिये आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

सुश्री सिमरन—YouTube और टॉपर के वीडियो लगातार देखकर मैंने अपनी रणनीति बनाई, लेकिन मैं मानती हूँ कि यह आसान नहीं था, क्योंकि कई बार मुझे रणनीति के बारे में संदेह रहता था, लेकिन, YouTube वास्तव में एक चमत्कार है. अपने सभी संशय दूर करने के लिए और समाधान खोजने के लिए भी.

प्र. द.—क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिये इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

सुश्री सिमरन—प्रायः अधिकांश उम्मीदवार अपने पहले प्रयास में सफलता प्राप्त करने की सोच के साथ ही इस परीक्षा में शामिल होते हैं, परन्तु यह भी स्पष्ट रहता है कि यह एक कठिन प्रतियोगिता है और अपने वांच्छित लक्ष्य को पाना आसान नहीं है.

प्र. द.—समय-प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में या फिर परीक्षा भवन में कोई कठिनाई हुई ?

सुश्री सिमरन—यदि आप परीक्षा की जरूरतों को समझ रहे हैं, तो आपके लिए उचित रणनीति बनाना आसान हो जाता है और साथ ही आप स्वमूल्यांकन के आधार पर अपनी प्राथमिकताएं निर्धारित कर सकते हैं, जो समय-प्रबंधन में सदैव सहायक रहती हैं.

प्र. द.—आपने अपने प्रयास की योजना कैसे बनाई? क्या आप परीक्षा के प्रत्येक चरण में कट-ऑफ के बारे में चिंतित थीं?

सुश्री सिमरन—सही योजना क्रियान्वन में आपको सदा सहायक रहती है जिससे आप प्रत्येक प्रश्न-पत्र में अपने लिए लक्ष्य सेट कर तैयारी करते हैं. यदि मैं अपने प्राप्तांकों के सन्दर्भ में बात करूँ, तो निबंध में 134 अंक औसत से ऊपर हैं और इंटरव्यू में 201 अंक एक उच्च स्कोर है. मैं अपनी रैंक का श्रेय अपने साक्षात्कार के अंकों और एक हद तक निबंध को भी देती हूँ.

पर, मैं अपने एथिक्स पेपर और एंथ्रोपोलॉजी प्रश्न-पत्र 1 में बेहतर स्कोर की उम्मीद कर रही थी, वैसे प्रश्न-पत्र 2 में, भी मेरे सबसे ज्यादा अंक थे. पर प्रश्न-पत्र 1 ने मुझे नीचे खींच लिया. लेकिन साक्षात्कार सहित अन्य पेपरों के साथ, मुझे कोई शिकायत नहीं है और अंक मेरी उम्मीदों को दर्शाते हैं.

प्र. द.—प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

सुश्री सिमरन—यहाँ मेहनत आवश्यक है और अभ्यास आपकी सफलता निर्धारित करता है. अंतिम दिन किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं, यह आपकी तैयारी से बहुत भिन्न हो सकता है और ऐसे में आपको मानसिक रूप से किसी भी अप्रत्याशित प्रश्न को हल करने के लिए तैयार रहना ही होगा.

प्र. द.—शुरू से ही मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना क्या रही ?

सुश्री सिमरन—

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 1

इतिहास—तथ्यों द्वारा समर्थित बहुआयामी बिन्दु लिखें

भूगोल—मैप्स और GS3 डेटा के साथ इंटरलिंकिंग

समाजशास्त्र—उत्तरों के साथ प्रासंगिक उदाहरण

शेष पृष्ठ 62 पर

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "अडिग आत्मविश्वास अथक् कठिन परिश्रम, नोट्स में नियमित संशोधन तथा ढेर सारे मॉक टेस्ट और टेस्ट सीरीज देना."

—रामेन्द्र प्रसाद

सिविल सेवा परीक्षा-2021 में चयनित (181वाँ स्थान)

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित होकर श्री रामेन्द्र प्रसाद ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

प्र. द.—सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री रामेन्द्र—धन्यवाद सर.

प्र. द.—यह आपका कौनसा प्रयास था ?

श्री रामेन्द्र—यह मेरा 5वाँ प्रयास था.

प्र. द.—आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखते हैं ?

श्री रामेन्द्र—मैं पिछले चारों प्रयासों में प्रीलिम्स क्लियर कर सका और प्रत्येक प्रयास में मुख्य परीक्षा लिखी. दुर्भाग्य से किसी भी प्रयास में मैं साक्षात्कार स्तर तक नहीं पहुँच सका.

इस 5वें प्रयास के साथ मुझे सिविल सेवा परीक्षा 2021 में अपना पहला इंटरव्यू देने का मौका मिला और ईश्वर की कृपा से मुझे अपना नाम मेरिट-लिस्ट में मिल गया और एक अच्छी रैंक प्राप्त हुई.

प्र. द.—इस प्रयास में ऐसा क्या रहा, जो आप उच्च रैंक प्राप्त कर सके ?

श्री रामेन्द्र—मेरा लगातार प्रयास जारी रहा और हर बार मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की.

प्र. द.—आपका वैकल्पिक विषय क्या था ?

श्री रामेन्द्र—मेरा वैकल्पिक विषय संस्कृत भाषा का साहित्य था.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

श्री रामेन्द्र—वैकल्पिक विषय के रूप में संस्कृत भाषा का साहित्य चुनने का कारण मेरी इस विषय में रुचि थी और मार्गदर्शन भी उपलब्ध था. यह मेरे पिता का भी वैकल्पिक विषय रहा था, जो एक IPS अधिकारी हैं.

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है?

श्री रामेन्द्र—आई.ए.एस., आई.पी.एस.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री रामेन्द्र—इस प्रयास में मुझे सफलता की आशा थी और अच्छी रैंक की उम्मीद भी थी, इस परिणाम ने मेरा सपना पूरा कर दिया.

प्र. द.—अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ? क्या इनमें से किसी टॉपर से आप प्रभावित हुए ?

श्री रामेन्द्र—मेरे माता-पिताजी दोनों ने यूपीएससी की परीक्षा पास की थी. माहौल इतना अनुकूल रहा है कि मैं अपने जीवन में बहुत पहले ही इस सेवा के प्रति आकर्षित हो गया था और अपने पिताजी की तरह, मैं आई.पी.एस. अधिकारी बनना चाहता था.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है, शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

श्री रामेन्द्र—मैंने टॉपर्स की बातों, ब्लॉग आदि से शोध किया और उन चीजों की पहचान करने की कोशिश की जो मुझे सूट करती हैं या मेरी पृष्ठभूमि और व्यक्तित्व से मेल खाती हैं. मैं अपने वैकल्पिक विषय के बारे में स्पष्ट था और यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं रहा.

मैंने अपनी रणनीति बनाई और उसी के अनुसार अपनी तैयारी शुरू की.

प्र. द.—क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

श्री रामेन्द्र—मैं अपने लक्ष्य पर केन्द्रित था और इसे हासिल करने के लिए आशान्वित था. इसलिए, प्रयास करता रहा.

प्र. द.—प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

श्री रामेन्द्र—मैं लगातार 4 बार प्रीलिम्स अच्छे मार्जिन से क्लियर करता आ रहा था. आप अगर अपने लक्ष्य के प्रति सजग हैं, तो प्रारम्भिक परीक्षा का रहस्य केवल मुट्ठी भर मानक पुस्तकों को याद करना और ढेर सारे मॉक-टेस्ट देना है.

मैं जो विषय पढ़ता, उसी विषय का मॉक देता. प्रीलिम्स से पहले के 40 दिनों में, मैंने 40 मॉक दिए (1 मॉक प्रति दिन).

प्र. द.—शुरू से ही मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना क्या रही ?

श्री रामेन्द्र—मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में मैंने जो मानसिक लचीलापन विकसित किया है, उससे मुझे बहुत मदद मिली है—विशेष रूप से अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रीलिम्स, मेन्स और इंटरव्यू में शांत रहने के लिए. मैंने उत्तर-लेखन पर भी काम किया. इस बार एक नया दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए मैंने अपनी माँ से मेरे उत्तरों को देखने को और मूल्यांकन करने को कहा.

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 1

डायग्राम बनाएं, बिन्दुवार लिखें. इसमें से अधिकांश अवयव स्थिर है, इसलिए मानक पुस्तकें पढ़ें. कोई समाचार-पत्रों से उदाहरण उद्धृत कर सकता है.

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 2

लेखों का उल्लेख करना महत्वपूर्ण है (उदाहरण के लिए परिचय और मुख्य भाग में). निष्कर्ष में निर्णय और कुछ प्रमुख समितियों की सिफारिशों का उल्लेख किया जा सकता है.

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 3

बहुत सारे विविध बिन्दु लिखें. डायग्राम, फ्लोचार्ट और इस विषय-विशेष की आगे की राह शामिल करें.

व्यक्ति परिचय

नाम–रामेन्द्र प्रसाद
पिता का नाम–श्री चिरंजीबी प्रसाद
माता का नाम–श्रीमती शोभा प्रसाद
शैक्षिक योग्यता–B. Tech–2015, IIT, Kharagpur, CGPA 6.58/10
12th–2010, Maharashtra State Board, JES College, 74%
10th–2008, CBSE, Golden Jubilee School, 93%

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 4

सिलेबस से कीवर्ड्स के साथ एक्सेल शीट बनाएं. तैयार करने के लिए प्रत्येक कीवर्ड के सामने परिभाषा और उदाहरण लिखें.

प्र. द.–आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार तैयारी की ?

श्री रामेन्द्र–मैं पर्यावरण, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि जैसे ज्वलंत विषयों पर बिन्दुवार सामग्री एकत्र रखता था. निबन्ध परिचय को आकर्षक बनाने का मैंने इसे एक रणनीतिक टूल बनाया. मैं किसी एक कहानी या बातचीत से निबन्ध की शुरू करता और मध्य में विभिन्न आयामों को शामिल कर परीक्षक का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास करता. प्रति-दृष्टिकोण भी अंत में लिखे और भविष्यवादी और आशावादी निष्कर्ष रख निबन्ध का समापन किया.

प्र. द.–साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ?

श्री रामेन्द्र–मैंने 3 साथी उम्मीदवारों के समूह में जूम-सत्र (Zoom Session) आयोजित करके तैयारी की. हम वर्तमान मुद्दों पर चर्चा करते और हर दूसरे दिन एक-दूसरे के मॉक इंटरव्यू आयोजित करते. मैंने दिल्ली में कुछ 5-7 फिजिकल मॉक इंटरव्यू भी दिए.

मेरा साक्षात्कार 21 अप्रैल को सत्यवती मेम के बोर्ड द्वारा लिया गया था. यह एक बहुत ही सादा साक्षात्कार था. यह मेरी रुचियों पर आधारित था. मुझसे संस्कृत वैकल्पिक (इसे क्यों चुना गया), जैविक खेती (शौक), इतनी अधिक वेतन वाली नौकरी क्यों छोड़ी, बिहार (गृह राज्य) में जातीय दंगे क्यों, नक्सलवाद की उत्पत्ति आदि के बारे में पूछा गया. मुझे छदम साक्षात्कार में मिली अच्छी समीक्षा के बावजूद वास्तविक साक्षात्कार में केवल 165 अंक मिले.

प्र. द.–सिविल सेवा–केवल यही एकमात्र लक्ष्य था या किसी और कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

श्री रामेन्द्र–अपने स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद, मैंने मुंबई में एक वर्ष के लिए ऑनलाइन स्टार्ट-अप के साथ काम किया और अपने सपने को हासिल करने के लिए एक अच्छे पैकेज का त्याग किया था.

प्र. द.–आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में, बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी, गम्भीरता से तैयारी में लगे रहे. आखिर किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

श्री रामेन्द्र–मेरे पिताजी आईपीएस अधिकारी हैं और मैंने बचपन से ही उन्हें कानून व्यवस्था के अलावा विकास कार्य करते हुए देखा था. यह मेरी प्रेरणा का प्रमुख स्रोत था, क्योंकि मैं भी लोगों के लिए अच्छा काम करना चाहता हूँ.

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री रामेन्द्र–नोट्स के नियमित संशोधन और मुख्य परीक्षा में अटके मेरे जैसे लोगों के लिए उत्तर-लेखन अभ्यास के लिए ढेर सारे टेस्ट सीरीज दिए जिससे नई दृष्टि मिलीं.

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री रामेन्द्र–अपने परिवार को उनके भावनात्मक और बौद्धिक समर्थन के लिए.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व–*मेरे पिताजी*
सबल पक्ष–*दृढ़ संकल्प.*
रुचियाँ–*जैविक खेती, भारतीय पौराणिक कथाओं के बारे में पढ़ना, गिटार बजाना.*

प्र. द.–कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे ?

श्री रामेन्द्र–हिम्मत कभी न हारें. प्रत्येक क्रमिक प्रयास में कड़ी मेहनत/होशियारी से काम करें. नोट्स बनाएं और बार-बार रिवीजन करें. टेस्ट सीरीज से न डरें और निरन्तर अभ्यास करते रहें.

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्री रामेन्द्र–जी, धन्यवाद. ●●●

शेष पृष्ठ 60 का

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 2

राजव्यवस्था–लक्ष्मीकांत से तथ्यात्मक समझ महत्वपूर्ण है, मुख्य परीक्षा के लिए संक्षिप्त नोट्स.

IR–ज्यादातर करेंट अफेयर्स, कुछ महत्वपूर्ण देशों के लिए डेटा तैयार रखें.

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 3

सांख्यिकी, आँकड़े, आरेख और डेटा इस प्रश्न-पत्र के लिए दिल और आत्मा की तरह हैं. इसे करेंट अफेयर्स के साथ जोड़ें.

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 4

हालाँकि, GS4 ने मेरा स्कोर कम रहा, लेकिन विश्लेषण करने पर, मैं कहूँगी कि समय पर प्रश्न-पत्र पूरा करना एक प्राथमिकता होनी चाहिए.

प्र. द.–आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार तैयारी की ?

सुश्री सिमरन–कुछ उद्धरण जैसे ए.आई., कृषि आदि जैसे व्यापक विषयों के तथ्यों का संकलन, उपन्यासों, समाचार-पत्रों, वर्तमान मुद्दों से बिखरी हुई जानकारी को एकत्र कर सशक्त प्रस्तुतिकरण पर बल. मै. ने कई निबंध विषयों को चुना और अभ्यास किया.

प्र. द.–साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ?

सुश्री सिमरन–मेरा साक्षात्कार टी.सी.ए. अनंत सर के बोर्ड में 11 मई को था.

मुझसे CDS 2021 में प्रश्न पूछे गए जैसे AIR 06 प्राप्त करने के बाद भी सेना में क्यों नहीं गई? इसके अलावा मुझसे पूछे गए कुछ प्रश्न मीडिया घराने और उनकी भूमिका से सम्बन्धित रहे. यूजीनिक्स महत्व, दिल्ली में महिला सुरक्षा, अफ्रीका गरीब क्यों है आदि. एक प्रश्न यह भी रहा कि अगर मैं आपको सीडीएस बना दूँ, तो क्या आप तब भी सेना में शामिल नहीं होंगी?

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

सुश्री सिमरन–मेरी माँ और उनकी प्रेरणा.

प्र. द.–कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगी ?

सुश्री सिमरन–यह सिर्फ एक परीक्षा है, आप और मेरे जैसे लोगों द्वारा क्रैक किए जाने का मतलब है कि लगन और मेहनत से यह आपके लिए भी सम्भव है.

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

सुश्री सिमरन–जी, धन्यवाद. ●●●

सिविल सेवा परीक्षा 2022 व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार) : लक्ष्य पूरा करने के और करीब

—अतुल कपूर

सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा में आपकी सफलता पर बधाई! मुझे खुशी है कि आपने परीक्षा के अंतिम चरण तक पहुँचने के लिए जो कड़ी मेहनत और दृढ़ता से काम किया है इसके किए आपको उचित रूप से पुरस्कृत किया गया है.

सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा 2022 का रिजल्ट घोषित

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 16 से 25 सितम्बर, 2022 तक आयोजित सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2022 का परिणाम 6 दिसम्बर, 2022 को घोषित किया गया.

इन सभी 2,529 सफल उम्मीदवारों ने भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और अन्य केन्द्रीय सेवाओं (समूह 'ए' और समूह 'बी') में चयन के लिए परीक्षा के अंतिम चरण, साक्षात्कार (व्यक्तित्व परीक्षण) के लिए अर्हता प्राप्त की है.

साक्षात्कार के लिए कुल उम्मीदवार– 2,529

1,026 अभ्यर्थियों के साक्षात्कार की तिथियाँ घोषित

साक्षात्कार प्रारम्भ	30 जनवरी, 2023–10 मार्च, 2023
स्थान	संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड़, नई दिल्ली-110069
समय	प्रतिदिन दो सत्र : पूर्वाह्न सत्र (सुबह 9 बजे से) दोपहर सत्र (दोपहर 1 बजे से)
अधिकतम अंक	275 अंक
ड्रेस कोड	प्रभावशाली और औपचारिक

व्यक्तित्व परीक्षण-लक्ष्य अब दृष्टि में है

अपनी इस कॅरियर यात्रा को शुरू करने के साथ ही उम्मीदवारों का व्यक्तित्व परीक्षण के बारे में स्वप्न होता है और आगामी साक्षात्कार सत्र में उपस्थित होना अंतिम मंजिल के करीब एक कदम है.

प्रारम्भिक और मुख्य परीक्षा में अब तक आपने जो कुछ भी किया है, वह आपको इस स्थान तक ले आया है, लेकिन कौशल और अनुभव जो आपको इस मुकाम पर लाए –व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार) स्तर पर केवल यह आपकी यात्रा को आगे बढ़ाने में काफी नहीं.

सिविल सेवा परीक्षा का अंतिम चरण, साक्षात्कार केवल ज्ञान और जागरूकता की परीक्षा नहीं है; यह एक मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन अधिक है. वास्तव में, प्रभावी बने रहने के लिए आपको कौशल के एक नए सेट की आवश्यकता होगी क्योंकि यह साक्षात्कार आपके जीवन की सीख का परीक्षण है.

यह आपके बारे में, आपके व्यक्तित्व और आपकी विचार प्रक्रिया के बारे में है, जिसका मूल्यांकन विविध कॅरियर स्ट्रीम से लिए गए अनुभवी व्यक्तियों के सम्मानित पैनल द्वारा किया जाता है. वे आपके मानसिक कौशल और आपके दृष्टिकोण को आँकते हैं.

कुल 2025 अंकों में से साक्षात्कार से जुड़े 275 अंकों की योग्यता-सूची में स्थान हासिल करने और यहाँ तक कि अपनी पसंद का पद/सेवा प्राप्त करने में बड़ी भूमिका रहती है.

लिखित परीक्षा की तुलना में साक्षात्कार में उच्च अंक प्राप्त करना अपेक्षाकृत आसान है; आप कह सकते हैं कि यह व्यक्तित्व परीक्षण अधिक अनुमानित है. आपके लिए साक्षात्कार में 75% से अधिक अंक प्राप्त करना काफी सम्भव है जबकि मुख्य परीक्षा (लिखित) में 50% + स्कोर करना भी आपको योग्यता सूची में स्थान सुनिश्चित करता है.

लेकिन साथ ही, इंटरव्यू बोर्ड को प्रभावित करना इतना आसान भी नहीं है.

व्यक्तित्व परीक्षण–एक अनूठा अनुभव

जिन लोगों को पहली बार सिविल सेवा में शामिल होने का मौका मिल रहा है, उनके लिए यह एक असाधारण अनुभव होने वाला है. यू.पी.एस.सी. का पहला इंटरव्यू कठिन हो सकता है क्योंकि आप नहीं जानते होंगे कि क्या उम्मीद की जाए और इससे पहले आपने ऐसा कुछ भी अनुभव नहीं किया है.

ऐसा नहीं है कि जिन्होंने पहले साक्षात्कार का सामना किया है उन्हें आसानी होगी; प्रत्येक साक्षात्कार एक अनूठा अनुभव होता है.

उम्मीदवार, जिन्होंने पहले साक्षात्कार का सामना किया है, जब वे फिर से व्यक्तित्व परीक्षण में उपस्थित होते हैं, प्रश्नों की शृंखला और विविध परिस्थितियाँ उन्हें दृष्टिकोण में तर्कसंगत होने के लिए मजबूर करती हैं. यहाँ तक कि अगर यह साक्षात्कार बोर्ड का सामना करने का अगला मौका है, तो यह सुनिश्चित नहीं है कि आपका प्रदर्शन बेहतर होगा या आप बेहतर अंक प्राप्त कर पाएंगे.

यह परीक्षा ऐसी है कि कभी-कभी आपके सामने कुछ ऐसे अविश्वसनीय परिणाम आते हैं जो आपको हैरान कर देते हैं. अपने विचारों को पुष्ट करने के लिए, मैं एक प्रतिभावान उम्मीदवार एम.बी.बी.एस. डॉक्टर मेल्विन वर्गीज के बारे में बात कर रहा हूँ, जो अपने पहले प्रयास में सफल हुए (AIR 292; CSE 2017). सिविल सेवाओं में कॅरियर की तलाश में वह एक बार फिर से सिविल सेवा परीक्षा 2021 में शामिल हुए और चौथा प्रयास लिया. उन्होंने इस बार 118वीं रैंक प्राप्त की है. इस प्रयास में उनकी रैंक नीचे रहने का कारण साक्षात्कार स्कोर (132 अंक) रहा. सोचिए अगर उन्हें इंटरव्यू में कुछ 40 अंक के आस-पास और मिले होते, तो वह टॉप 20 में शामिल होते. यह साक्षात्कार के अंकों का प्रभाव है जो आपके सपनों को बना या बिगाड़ सकता है.

निःसंदेह, प्रत्येक साक्षात्कार आपको आत्मविश्वास देता है और अगले प्रयास में आप बढ़े हुए ज्ञान और बेहतर जागरूकता के साथ आते हैं और बेहतर साक्षात्कार कौशल दिखाने की उम्मीद रखते हैं.

इसलिए मैं कहता हूँ, आप में से हर एक जो सिविल सेवा साक्षात्कार 2022 में शामिल होने जा रहा है, आप सभी एक ही नाव में सवार है. स्पष्ट समझ लें कि इस साक्षात्कार का उद्देश्य आपके समग्र व्यक्तित्व को देखना और उसका मूल्यांकन करना है.

हर कोई पर्सनलिटी टेस्ट की तैयारी करता है; लेकिन, प्रत्येक उम्मीदवार के लिए परिणाम अप्रत्याशित हो सकते हैं. कुछ के लिए आशा से बेहतर और कुछ के लिए आशा से कमतर.

क्या हमें वास्तव में साक्षात्कार की तैयारी करने की आवश्यकता है?

मुख्य परीक्षा में सफलता के बाद कई उम्मीदवार सोचते हैं कि साक्षात्कार के लिए तैयारी करने की कोई आवश्यकता नहीं है, वे अंतिम बाधा को पार करने के लिए तैयार हैं और उन्हें बस कुछ ब्रश-अप की आवश्यकता है और बस इतना ही.

पूर्व में साक्षात्कार किए गए उम्मीदवारों के अनुभवों को पढ़ने के बाद वे अधिक आत्मसंतुष्ट हो जाते हैं क्योंकि कुछ सामान्य प्रश्नों से यह आभास होता है कि साक्षात्कार बोर्ड इस दौरान एक निर्धारित टेम्पलेट का पालन करते हैं.

उत्साह कुँजी है, लेकिन संचित ज्ञान और जागरूकता को प्रस्तुत करने में महारत बहुत महत्वपूर्ण है.

जैसा कि देखा गया है सिविल सेवा परीक्षा 2021 में व्यक्तित्व परीक्षण में प्राप्तांकों की सीमा 206-110 अंकों के बीच रही है और 96 अंकों का अंतर वास्तव में बहुत बड़ा है. जरा सोचिए 206 अंकों के स्कोर ने आशुतोष कुमार को 77वीं रैंक पर पहुँचा दिया है और 110 अंकों के साथ रिंकू सिंह राही ने 683वीं रैंक हासिल की है. अंकों की कुछ घटत बढ़त ने इनके रैंक को प्रभावित कर दिया होता.

यहाँ कोई गलती न करें और आपको बोर्ड के सदस्यों के ज्ञान, अनुभव, कौशल और सत्यनिष्ठा का सम्मान करना होगा. प्रायः साक्षात्कार बोर्ड मित्रवत और सौहार्दपूर्ण रहते हैं और ज्यादातर बार उम्मीदवारों को सहज बनाने के लिए इस प्रकार के कुछ साधारण प्रश्नों के साथ शुरूआत की जाती है. इसे पूरी तस्वीर के तौर पर न लें, यह तो बस शुरूआत है.

सफल होने का कोई वास्तविक रहस्य नहीं है

सिविल सेवा परीक्षा में सफलता कठिन है और इसका कोई त्वरित समाधान नहीं है; इसमें कड़ी मेहनत और हार मानने से इनकार करने वाले ही अंततः गंत्वय तक पहुँचते हैं.

यह एक ऐसा मोड़ है जहाँ प्रीलिम्स और मेन्स में आपके पहले के प्रदर्शन की आपके साक्षात्कार के रुख को तय करने में कोई भूमिका नहीं होती है. साक्षात्कार बोर्ड सिविल सेवा परीक्षा में आपके पिछले प्रदर्शन से प्रभावित नहीं होता है, लेकिन वे आपके द्वारा भरे गए विस्तृत आवेदन पत्र में आपके द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जाते हैं और जब आप साक्षात्कार की इस प्रक्रिया से गुजरते हैं तो आपका भाग्य इन 25-30 मिनटों में तय हो जाता है.

साक्षात्कार के चरण में सफल होने का वास्तव में कोई रहस्य नहीं है—यह केवल उन आदतों और कौशलों को सीखने की बात पर निर्भर है जिनकी आपको आवश्यकता है. व्यक्तित्व परीक्षण और कुछ नहीं बल्कि उम्मीदवार में सर्वश्रेष्ठ उभार लाने के लिए बहुत ही गरिमामय और शालीन तरीके से एक बहुत ही आरामदायक सेटिंग में की गई बातचीत है.

निरीक्षण करते समय मनोस्थिति, बुद्धि तत्परता, मानसिक जागरूकता, धारणा का संतुलन, नेतृत्व के गुण, नैतिक और बौद्धिक गुणों को ध्यान से देखा जाता है और साथ ही कोई व्यक्तित्व दोष, यदि कोई संज्ञान में आता है, तो उसे भी अंक देते समय ध्यान में रखा जाता है.

ईमानदार रहें—सत्य शक्ति प्रदर्शित करता है और आपके आत्मविश्वास को बढ़ाता है. साक्षात्कार का उद्देश्य सिविल सेवाओं में चयन के लिए व्यक्तिगत उपयुक्तता का आकलन करना और आपकी मानसिक क्षमता के साथ न्याय करना है. आपका दृष्टिकोण और सकारात्मक सोच आपके साहस को प्रदर्शित करती है और विनम्रता दिखाकर आप विपरीत परिस्थितियों में भी जीत सकते हैं.

अभ्यास परिपूर्ण बनाता है

आई.ए.एस. का इंटरव्यू आसान नहीं होता है. अपने साक्षात्कार को गंभीरता से लें, इसके लिए बहादुराना प्रयासों की आवश्यकता होती है और इसकी पहले से तैयारी निश्चित रूप से आपको सुरक्षित रखेगी. उत्कृष्ट शैक्षणिक रिकॉर्ड या मुख्य परीक्षा में संतोषजनक प्रदर्शन इस बात की गारंटी नहीं है कि आप साक्षात्कार में अच्छा प्रदर्शन करेंगे.

हाल के परिणाम में श्रुति शर्मा (AIR 1; CSE 2021) ने मुख्य परीक्षा (लिखित) में 932 अंकों के बहुत उच्च अंक प्राप्त किए, लेकिन उनका साक्षात्कार स्कोर 173 अंक है और यह एक औसत स्कोर है.

यदि आपके पास सही मानसिकता है, सही मात्रा में प्रयास है और दृष्टिकोण तर्कसंगत है जो आप अपने सपनों को सच कर सकते हैं.

विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के लिए तैयारी करें और अभ्यास करें क्योंकि आपका साक्षात्कार आपके विस्तृत आवेदन पत्र (डीएएफ) द्वारा संचालित होने वाला है और आप यह सुनिश्चित नहीं कर सकते कि यह आपकी व्यक्तिगत जानकारी या शैक्षणिक योग्यता या समसामयिक मामलों से सम्बन्धित प्रश्नों से शुरू होगा या नहीं; कभी-कभी यह शुरूआत कुछ काल्पनिक/स्थितिजन्य प्रश्न हो सकते हैं. फिर कभी प्रश्न कुछ पेचीदा परिस्थितियों से निपटने के लिए अपनी क्षमता का परीक्षण करने के लिए, लीक से हटकर सोचने, सभी आयामों/संभावनाओं का विश्लेषण करने और निर्णायक दृष्टिकोण दिखाते हुए समाधान ढूँढ़ने के बारे में हो सकते हैं.

यह जरूरी नहीं कि सभी से एक प्रकार के प्रश्न पूछे जाएं—यह कुछ विभिन्न घटकों का संयोजन हो सकता है.

कनिका (AIR 64; CSE 2021) के लिए, उनका साक्षात्कार स्थितिजन्य प्रश्न के साथ शुरू हुआ, जिसमें लगभग 2-3 मिनट का समय लगा. उसके बाद डी.ए.एफ. पर आधारित ढेर सारे प्रश्न पूछे गए. किसी को विविधता का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि कनिका से उनकी रुचियों पेंटिंग पर प्रश्न के बाद ही उससे एन.एफ. टी., क्रिप्टोकरेंसी के बारे में भी पूछा गया था. इसलिए, आपको साक्षात्कार के दौरान चौकस और एक अच्छा श्रोता होना चाहिए.

अपने साक्षात्कार के अनुभव के बारे में कनिका ने कहा, "मुझे लगता है कि मुझे पूछे गए लगभग सभी प्रश्नों के उत्तर पता थे. कुछ के लिए मैं स्पष्ट थी, कुछ के लिए मुझे आंशिक जानकारी थी और मैंने उनसे कहा कि मैं इस विषय के बारे में केवल इतना ही जानती हूँ. मैंने साक्षात्कार में बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं किया और मैं इसे अच्छी तरह जानती थी. यहाँ तक कि मेरे 168 अंकों के स्कोर से भी पता चलता है कि यह एक औसत स्कोर है. नहीं तो किसी दिन अगर कोई मुझे जज करेगा तो कहेगा कि मेरी पर्सनैलिटी अच्छी है और मैं आसानी से औसत से ज्यादा अंक प्राप्त कर सकती हूँ."

ठीक यही बात मैं बताना चाहता हूँ. आपका व्यक्तित्व आकर्षक हो सकता है और आप आत्मविश्वास से भरे हो सकते हैं, लेकिन आप 25-30 मिनट के साक्षात्कार में किस प्रकार नेतृत्व गुण का प्रदर्शन करते हैं, अच्छे संचार कौशल के साथ अपने ज्ञान को कैसे व्यक्त करते हैं, यह आपके भाग्य का निर्धारण करेगा.

अधिकांश उम्मीदवार आसानी से यह पता लगा लेते हैं कि उस विशेष दिन उनका प्रदर्शन अच्छा, औसत या खराब था.

व्यक्तित्व परीक्षण के लिए 'मानसिक तैयारी' केवल अभ्यास से आती है

इसमें सबल-पक्ष और कमजोरियों की पहचान करना, कुछ महत्वपूर्ण विषयों और समसामयिक मुद्दों पर काम करना, राय बनाना और सन्तुलित निर्णय लेने के लिए विभिन्न आयामों, दृष्टिकोणों पर विचार करना शामिल है. यह अभ्यास व्यक्तित्व परीक्षण के दौरान जरूरत पड़ने पर विचारों को काम में लाने में निश्चित रूप से आपकी मदद करेगा.

इसलिए, उपलब्ध समय का सर्वोत्तम उपयोग करें और समकालीन विकास से सम्बन्धित अपने ज्ञान को अद्यतन करें, साक्षात्कार में उपस्थित होने वाले दोस्तों/वरिष्ठ/अन्य उम्मीदवारों के साथ समूह चर्चा में शामिल हों और यदि आवश्यक हो, तो 'मॉक इंटरव्यू' के लिए कोचिंग संस्थानों में शामिल हों.

कुछ उम्मीदवार यह जानने के लिए इधर-उधर भागते हैं कि क्या उनके पास आकर्षक व्यक्तित्व और प्रभावी संचार कौशल है जो अच्छे प्रदर्शन को सुनिश्चित कर सकता है.

कुछ उम्मीदवार विभिन्न साक्षात्कार बोर्डों के बारे में जानकारी एकत्र करते रहते हैं और उनके बारे में राय बनाते रहते हैं. एक और चीज जो कुछ उम्मीदवारों को परेशान करती है, वह है साक्षात्कार की शैली और इसे प्रभावी ढंग से कैसे प्रबंधित किया जाए.

स्पष्ट रहें—जितना अधिक आप लोगों के साथ चर्चा करते हैं, अलग-अलग लोगों से आपको अलग-अलग राय मिलती है. निरपवाद रूप से, इस तरह के अलग-अलग विचार किसी भी अच्छे के बजाय आपको अधिक नुकसान पहुँचाते हैं.

तैयारी नितांत आवश्यक है

नवीनतम के साथ अद्यतित रहने से ऐसे प्रश्नों से निपटने में मदद मिलेगी, और परिचितता, ज्ञान के साथ-साथ समझ जिससे आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी. कई बार अपने स्नातक/स्नातकोत्तर विषयों और यहाँ तक कि अपने वैकल्पिक विषय से सम्बन्धित आपके ज्ञान की जाँच करने के लिए, अपने अध्ययन के क्षेत्र से जुड़े कुछ प्रश्नों की अपेक्षा कर सकते हैं.

आपके विश्लेषणात्मक और समस्या समाधान कौशल का आकलन करने के लिए कुछ काल्पनिक प्रश्न पूछे जा सकते हैं. आपको इन कुछ चीजों पर काम करना होगा और थोड़े से प्रयास से आप खुद को इंटरव्यू बोर्ड का सामना करने के लिए तैयार कर सकते हैं.

शिष्टता और आत्म-नियंत्रण के साथ, आप साक्षात्कार बोर्ड को आसानी से सन्तुष्ट कर सकते हैं.

समसामयिक को ब्रश करें, कुछ ज्वलंत विषयों और मुद्दों पर राय बनाएं. आपको एक परिपक्व उत्तर को समझाने और सम्प्रेषित करने की आवश्यकता होगी, किसी बिन्दु पर एक स्टैंड लेना पड़ सकता है और ऐसे में आपको तार्किक औचित्य के साथ इसका बचाव भी करना होगा.

जब आप अपने प्रयास की योजना बनाते हैं तो आपके गेम-प्लान में साक्षात्कार बहुत महत्वपूर्ण होता है. साक्षात्कार में दिए गए अंकों की सीमा बहुत विस्तृत है और आप नहीं जानते कि आप कहाँ पहुँच जाते हैं.

लेकिन, इंटरव्यू की तैयारी बहुत महत्वपूर्ण है ताकि आप कम-से-कम औसत से अधिक अंक प्राप्त कर सकें. कोई भी खराब प्रदर्शन आपको आपकी वांछित सेवाओं या यहाँ तक कि योग्यता-सूची में जगह भी खो सकता है.

तैयारी के दौरान आपको अपने व्यक्तित्व पर लगातार काम करना चाहिए ताकि आप कम-से-कम 150-170 बैंड में अंक प्राप्त कर सकें. ऊपर कुछ भी बोनस है और इससे कम स्कोर आपके लिए खतरे की घंटी बजा सकता है.

कोई भी अंक की गारंटी नहीं दे सकता; यह आप हैं जो सुर्खियों में हैं. उन 20-25 मिनटों में जो कुछ भी होगा, उसे आप बदल नहीं सकते. यहाँ झांसा देना काम नहीं करता है, परन्तु अगर आप लगातार 4-5 ऐसे सवालों को ना कहते हैं, जिन्हें आप नहीं जानते हैं, तो यह काम करेगा.

हर इंटरव्यू नवीनतम पुट लिए होता है

जैसा शुरूआत में मैंने जिक्र किया, निरंतरता और तटस्थता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक साक्षात्कार की शुरूआत में, अनुभवी बोर्ड के सदस्य इसे सरल रखते हैं ताकि उम्मीदवार अपने विचारों में निरंतरता के प्रति आश्वस्त हो सके.

प्रारम्भिक चरण में आप महसूस कर सकते हैं कि यह अपेक्षित तरीके से चल रहा है, लेकिन आमतौर पर, यह एक संवादात्मक सत्र है.

कुछ बुनियादी प्रश्नों के लिए अपनी प्रतिक्रिया पहले से तैयार करना समझदारी है क्योंकि अधिकांश बोर्ड शुरुआत में लगभग समान प्रश्न ही पूछेंगे. यह एक बहुत बड़ा लाभ होगा और आपको आत्मविश्वासी बने रहने, शीघ्रता से उत्तर देने और साक्षात्कार को अगले प्रश्नों की ओर ले जाने की अनुमति देगा. इन विशिष्ट प्रश्नों, जो पहले से तैयार किए जा सकते हैं, के उत्तरों के बारे में सोचने के लिए रुकना नहीं पड़ेगा जो बहुमूल्य समय ले जाते हैं.

साक्षात्कार बोर्ड को बताएं कि आप क्या जानते हैं और इसे धारा प्रवाह व्यक्त करने में सक्षम हैं.

जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, इसमें ढेर सारे विस्तृत जवाब वाले प्रश्न और स्पष्ट प्रश्न शामिल हो सकते हैं जिनका निश्चित उत्तर होता है; लेकिन आपको पता ही नहीं चलेगा कि कब यह साक्षात्कार एक अप्रत्याशित मोड़ ले लेता है और आपको कई तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है जो आपको आश्चर्यचकित कर सकती हैं. उस समय जो सबसे ज्यादा मायने रखता है वह जानकारी को अवशोषित करने और इसे बुद्धिमानी और स्पष्ट रूप से व्याख्या करने की क्षमता.

आपको ऐसी स्थितियों के लिए मानसिक रूप से तैयार रहना होगा ताकि तनाव न हो और आप इसे सहजता से हैंडल कर सकें. इसलिए यह सलाह दी जाती है कि इन क्षणों में व्यक्तित्व परीक्षण के लिए तैयारी से अधिक मानसिक तैयारी आपको बचाती है.

स्पष्ट रहें, यहाँ कोई प्रतिस्पर्धी नहीं; यह आपकी खुद से स्पर्धा है.

व्यक्तित्व परीक्षण आपके चारों ओर घूमता है और जैसा कि प्रत्येक व्यक्ति अलग होता है; पूरी संभावना है कि आपसे ऐसे अधिकांश प्रश्न पूछे जाने वाले हैं जो आपके परिवेश से पहचाने जा सकते हैं.

आपके द्वारा अपने विस्तृत आवेदन पत्र (डी.ए.एफ.) में भरी गई व्यक्तिगत जानकारी के प्रति सावधानी प्रदर्शित करें. इस बारे में क्या मुझे कुछ और कहने की जरूरत है?

डी.ए.एफ. में आपने जो भी विवरण उल्लेख किया है, वह साक्षात्कार बोर्ड को आपके द्वारा भरी गई विशिष्ट जानकारी तक पहुँच प्रदान करेगा और इनसे सम्बद्ध आगे की खोज करने का संकेत देगा.

एक छोटे से शोध से पता चलेगा कि डी.ए.एफ. से सम्बन्धित प्रश्नों के अलावा, आपकी वर्तमान मामलों और समकालीन विकास से सम्बन्धित जागरूकता के बारे में भी जाँच की जा सकती है. यह इस बात की पहचान करने के लिए है कि आप अपने आस-पास की चीजों को कितनी उत्सुकता से देखते हैं और कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में आप किस तरह के विचार, राय बनाते हैं.

इसलिए, अपने आस-पास हो रही समसामयिक घटनाओं और घटनाओं से अवगत होना एक पूर्ण व्यक्तित्व का प्रतीक होगा.

यह आपके संयम और आत्मविश्वास के बारे में है. ज्ञान के अलावा, आपको लक्षणों से आंका जाएगा, आपकी शारीरिक भाषा और व्यवहारिक ज्ञान का उपयोग आपको मुश्किल परिस्थितियों से बाहर आने में मदद करेगा.

व्यक्तित्व परीक्षण न केवल ज्ञान का परीक्षण है, बल्कि संचित ज्ञान और जागरूकता का सही समय पर उपयोग करने और इसे सटीक तरीके से सम्प्रेषित करने की आपकी क्षमता के बारे में भी है.

आपके उत्तरों से उन्हें यह समझ में आना चाहिए कि आप कठिन क्षणों में कैसे निर्णय लेते हैं. उन्हें इस बात का अवलोकन दें कि आपके दृष्टिकोण से चीजें कहाँ स्थित हैं, आपकी विभिन्न पहलुओं पर चिंताएं क्या हैं, आप क्या विकल्प देखते हैं और इन सब को संज्ञान में ले कर क्या निर्णय देते हैं.

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में उपयोगी जानकारी प्राप्त करने के लिए आप YouTube पर मेरे वीडियो भी देख सकते हैं. इसके अलावा, मैं www.iaspassion.com पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में बहुत सारी जानकारी साझा करता रहता हूँ जहाँ मैं नियमित रूप से योगदान देता हूँ. सिविल सेवा परीक्षा से परिचित होने या अपने प्रश्नों को हल करने के लिए आप मुझे ट्विटर हैंडल @atulkpr पर फॉलो कर सकते हैं.

'व्यक्तित्व' के मूल्यांकन में निहित आत्मनिष्ठता को समझना कठिन है

व्यक्तित्व परीक्षण में अंक कैसे दिए जाते हैं? कई उम्मीदवार यह समझने में विफल रहते हैं और वार्तालाप के कुछ ही मिनटों के भीतर 'व्यक्तित्व' मूल्यांकन में शामिल व्यक्तिपरकता को महसूस करने की बात करते हैं.

व्यक्तित्व परीक्षण में जिस तरह से अंक दिए जाते हैं, उम्मीदवारों के लिए इसे समझना थोड़ा मुश्किल होता है; लेकिन, अगर आपको पता है कि इस साक्षात्कार का उद्देश्य आपके समग्र व्यक्तित्व को देखना और उसका मूल्यांकन करना है और उस आधार पर आप यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि अंक कैसे प्रदान किए जाते हैं. आपको प्रतिष्ठित सिविल सेवाओं में कॅरियर के लिए एक उपयुक्त उम्मीदवार के रूप में उभरने वाले

गुणों को अपनाने और कौशल विकसित करने की आवश्यकता है.

यह उस तरह से सोचने और व्यवहार करने का समय है जैसा कि प्रश्न में नौकरी की माँग है. आदर्श रूप से तैयारी की शुरुआत में ही इस तरह का रवैया अपनाना चाहिए और जैस-जैसे आप तैयारी के साथ आगे बढ़ते हैं, सटीक तैयारी में ज्ञान और जागरूकता प्राप्त करता है, वह तार्किक रूप से सोचने, गम्भीर रूप से विश्लेषण करने और निर्णय लेने की योग्यता विकसित करने की क्षमता बढ़ाता है.

दुर्भाग्य से, अधिकांश उम्मीदवार व्यक्तित्व परीक्षण के महत्व को नहीं समझते हैं और साक्षात्कार के लिए पहले से तैयारी नहीं करते हैं.

उम्मीदवार चतुराई दिखाते हैं, तो साक्षात्कार बोर्ड होशियार है

बहुतायत में इतनी अधिक जानकारी के साथ, उम्मीदवार वह चीजें तेजी से सीखते हैं जो आपके व्यक्तित्व के एक हिस्से को दिखाने के लिए अभिनय करते हैं जो यू.पी.एस.सी. खोज रहा है. आखिरकार, यह 30-35 मिनट की तो बात है और इतने कम समय के लिए रोल-प्ले उनके लिए बच्चों का खेल जैसा लगता है.

यदि आप ऐसा सोचते हैं, तो आप एक बड़ी गलती कर रह हैं. बोर्ड के ये अनुभवी सदस्य आपके द्वारा दर्शाए जा रहे नकली कॉस्मेटिक घटकों को आसानी से पढ़ सकते हैं और इन्हें खरोंच कर बाहर ला सकने में सक्षम हैं.

भ्रामक व्यक्तित्व की स्थिति भले ही कुछ क्षणों के लिए ऐसे उम्मीदवार के वास्तविक व्यक्तित्व लक्षणों को सफलतापूर्वक छुपाती है, सम्भावना कम है कि यह बोर्ड के अध्यक्ष और अन्य सभी सदस्यों के ध्यान से बच सके.

आखिरकार, यह वही है जो उन्हें न्याय करना चाहिए.

मॉक इंटरव्यू पहले से इंटरव्यू की तैयारी में मदद करते हैं

अंशु प्रिया (AIR 16; CSE 2021) उन कुछ उम्मीदवारों में से एक है, जिन्हें CSE 2021 में 200+ अंक मिले हैं. उन्हें 204 अंक प्राप्त हुए हैं. मुख्य परीक्षा के प्रदर्शन के बारे में स्पष्ट रूप से बात करते हुए उन्होंने कहा, "मुझे पता चल गया था कि मेरा वैकल्पिक विषय ज्यादा समर्थन देने वाला नहीं है और जैसे ही मेरी मुख्य परीक्षा समाप्त हुई, मैंने इंतजार नहीं किया और सीधे अपने साक्षात्कार की योजना बनाने में जुट गई. मैं 8-10 मॉक इंटरव्यू में शामिल हुई क्योंकि इसके लिए काफी अभ्यास की जरूरत होती है. इंटरव्यू के दिन मुझमें आत्मविश्वास था और मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया. मेरा इंटरव्यू अच्छा गया और चेयरपर्सन काफी खुश हुए और अंत में उन्होंने बहुत अच्छा कहा."

हो सकता है कि आपको समान प्रश्न मिल जाएं, जो मॉक इंटरव्यू में पूछे गए थे या नहीं भी मिल सकते हैं, लेकिन सम्भावित प्रश्नों की विषय-वस्तु कम-से-कम DAF से सम्बन्धित प्रश्नों के लिए समान हो सकती है.

अपना अनुभव साझा करते हुए सोनाली देव (रेंक 41; सिविल सेवा परीक्षा 2021) ने कहा, "मुख्य परीक्षा का परिणाम 18 मार्च को आया और 24 तारीख को इंटरव्यू शेड्यूल आया और मेरा इंटरव्यू 5 अप्रैल को शेड्यूल था. मॉक इंटरव्यू ने मुझे यह समझने में मदद की कि बोर्ड के सामने खुद को कैसे पेश किया जाए, और मैंने अपने संचार कौशल, आवाज के स्तर, व्यवहार पर काम किया. उदाहरण के लिए मैं एक मॉक इंटरव्यू में गई और उनका फीडबैक था कि मेरी बॉडी लैंग्वेज बहुत कॉर्पोरेट जैसी है. जब अध्यक्ष ने 'गुड ईवनिंग सोनाली' कहा तो मैंने उत्तर दिया वेरी गुड ईवनिंग सर, आप कैसे हैं"; जो एक सिविल सेवा परीक्षा साक्षात्कार में ऐसा नहीं होना चाहिए था."

सिमरन भारद्वाज (AIR 172; CSE 2021) जिन्होंने साक्षात्कार में 201 अंक प्राप्त किए, ने मॉक इंटरव्यू के महत्व के बारे में अपने अनुभव साझा किए. उसने कहा, "मुझे लगा, मेरे पास बातचीत के लिए एक स्वाभाविक स्वभाव है और मुझे 'खुद को मानकीकृत' करने के बजाय मॉक इंटरव्यू की मदद से इसका अभ्यास करना चाहिए."

अभ्यास सफलता की कुंजी है, मैं सहमत हूँ; लेकिन कितने मॉक इंटरव्यू?

अभ्यास आपको परिपूर्ण बनाता है, और जब यह व्यक्तित्व परीक्षण के बारे में होता है, तो यह वास्तव में समझ में आता है क्योंकि अभ्यास आपको आराम करने और अधिक आत्मविश्वास दिखाने में मदद कर सकता है, भले ही आप न हों.

अभ्यास से आप अपनी सोचने की शैली और विश्लेषणात्मक कौशल विकसित कर सकते हैं.

जब मॉक इंटरव्यू की बात आती है, तो लगभग सभी कोचिंग संस्थानों (अग्रणी सहित) ने इसे मुफ्त कर दिया है आखिरकार, इन संस्थानों को साक्षात्कार में शामिल हो रहे उम्मीदवारों में से प्रत्येक परिणाम दिखाने की चाहत है.

विडम्बना यह है कि उनमें से हर एक प्रोजेक्ट करता है जैसे कि उनके पास साक्षात्कार पैनल है जो जादू कर सकता है. लेकिन, कितने मॉक इंटरव्यू?

मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि किसी को मॉक इंटरव्यू को छोड़ देना चाहिए, लेकिन अधिकतम 3-4 मॉक इंटरव्यू की एक सीमा होनी चाहिए, वांछित प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए पर्याप्त होगा और आप उन पर काम कर सकते हैं और वास्तविक इंटरव्यू का सामना करने के लिए तैयार हो सकते हैं.

इस बारे में ईमानदारी से बात करते हुए जसपिंदर सिंह (AIR 33-CSE 2021) ने कहा, "मैं लगभग 15 मॉक इंटरव्यू में शामिल हुआ क्योंकि मेरे इंटरव्यू से पहले मेरे पास पर्याप्त समय था. यह बिल्कुल भी अच्छा निर्णय नहीं था क्योंकि मैं अपने मॉक्स के दौरान अपनी चरम पर पहुँच गया और अंत में एक तरह से लापरवाह हो गया कि यह हो ही जाएगा. अंत में, मैंने 179 अंक प्राप्त किए, जबकि मैं अपने मॉक्स में इससे बहुत अधिक स्कोर कर रहा था."

"वास्तविक साक्षात्कार की आभा पूरी तरह से अलग है, यह अध्यक्ष हैं जो कमरे के हर कोने में मौजूद से दिखते हैं, जिधर देखो एक अलग ही एहसास होता है. इसलिए, मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि आप जितने भी साक्षात्कार दे रहे हैं, उन्हें चुनने में तर्कसंगत होना चाहिए."

मॉक इंटरव्यू वास्तविक साक्षात्कार से बिल्कुल अलग होते हैं. इसका उपयोग केवल अनुभवी बोर्ड सदस्यों के सामने बैठने और हमारे व्यक्तित्व को परिभाषित करने वाले बौद्धिक सवालों के जवाब देने में उम्मीदवारों की झिझक को दूर करने के लिए एक उपकरण के रूप में किया जाना चाहिए.

मॉक इंटरव्यू टाइम पास गतिविधि नहीं है. हाँ, 3-4 मॉक इंटरव्यू ठीक हैं, लेकिन इससे परे आपको मिलने वाली प्रतिक्रिया आपको भ्रमित कर सकती है या आप इसे लापरवाही से लेना शुरू कर सकते हैं और यह आपके वास्तविक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है.

स्मार्ट दिखें, अपने ऊपर ध्यान दें

आप इस क्षण के लिए लम्बे समय से तैयारी कर रहे हैं और अभी भी प्रभावी ढंग से तैयारी करने के लिए आपके पास पर्याप्त समय है. यह एक बड़ा अवसर है और इसे अपने हाथ से न जाने दें.

और अंत में मैं आपको याद दिलाना चाहूँगा कि इस बार इंटरव्यू सत्र थोड़ा जल्दी शुरू हो रहा है और दिल्ली में जनवरी के अंत और फरवरी में वास्तव में ठंड होती है. इसलिए अपने स्वास्थ्य और अपने कपड़ों के प्रति सावधान रहें.

हमेशा की तरह साक्षात्कार के लिए पेशेवर रूप से कपड़े पहनना, अपने जूते पॉलिश करना, अपने नाखूनों को साफ करना आदि आवश्यक है और पुरुष उम्मीदवार यह सुनिश्चित करें कि अपनी दाढ़ी को शेव या ट्रिम करें, जो नियत दिन पर आपके चेहरे को कॉम्प्लिमेंट करे.

आपको शुभकामनाएं! ●●●

स्मरणीय तथ्य

राष्ट्रीय

1. तीसरा दृष्टिबाधित टी-20 विश्व कप 17 दिसम्बर, 2022 को बेंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में किसने जीता ?
—भारत

☞ भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम ने तीसरे दृष्टिबाधित टी-20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में बांग्लादेश को 120 रन से हराकर यह खिताब जीतने की हैट्रिक पूरी कर ली. भारतीय टीम इससे पहले 2012 और 2017 में भी यह टूर्नामेंट जीती थी.

2. एफआईएच हॉकी महिला नेशन्स कप के फाइनल में 17 दिसम्बर, 2022 को स्पेन को 1-0 से हराकर किसने खिताब अपने नाम कर लिया ?
—भारत

☞ पहली बार आयोजित टूर्नामेंट को जीतकर भारतीय महिला हॉकी टीम ने 2023-24 प्रो-लीग में अपनी जगह पक्की की है. भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया थीं. टूर्नामेंट 11 से 17 दिसम्बर, 2022 तक स्पेन के वालेंसिया में एस्टाडियो बेटरो में आयोजित किया गया था.

3. किस तूफानी चक्रवात ने तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश व पुदुचेरी में दिसम्बर 2022 में भारी नुकसान किया ? **—मेंडूस (Mandous)**

☞ चक्रवाती तूफान 'मैंडूस' ने तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में जमकर तबाही मचाई है. तूफान की वजह से हुई बारिश ने लोगों का जन-जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया.

4. दिल्ली नगर निगम के 250 वार्डों के लिए दिसम्बर 2022 में सम्पन्न निर्वाचन में किस पार्टी ने बहुमत हासिल कर लिया ? **—आम आदमी पार्टी**

☞ दिल्ली नगर निगम चुनाव (Delhi Municipal Corporation Election 2022) में आम आदमी पार्टी (AAP) ने बहुमत हासिल कर लिया है. पार्टी ने पहली बार दिल्ली नगर निगम चुनाव में जीत हासिल की है.

5. गुजरात विधान सभा चुनाव 2022 के 8 दिसम्बर, 2022 को घोषित किए गए निर्वाचन परिणाम के अनुसार किस राजनीतिक दल ने बहुमत प्राप्त किया ? **—भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी)**

☞ गुजरात में बीजेपी ने 182 सीटों में से रिकॉर्ड तोड़ 156 सीटों पर जीत दर्ज की है. 2017 के विधान सभा चुनाव में बीजेपी को 99 और कांग्रेस को 77 विधान सभा क्षेत्रों में जीत मिली थी.

6. हिमाचल प्रदेश के 2022 के विधान सभा चुनाव में किस पार्टी ने बहुमत प्राप्त किया ? **—भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस**

☞ हिमाचल प्रदेश विधान सभा के 68 सदस्यों के लिए सम्पन्न चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 40 सीटों के साथ विजयी हुई, जबकि भारतीय जनता पार्टी 25 सीटों पर सिमट गई.

7. महाराष्ट्र और सौराष्ट्र के बीच अहमदाबाद में क्रिकेट की विजय हजारे ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला दिसम्बर 2022 में खेला गया. कौनसी टीम 2008 के बाद फिर से चैम्पियन बनी ? **—सौराष्ट्र**

☞ 14 वर्ष बाद सौराष्ट्र ने विजय हजारे ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया है. सौराष्ट्र ने इस मैच में 5 विकटों से जीत हासिल की है.

8. भारतीय ओलम्पिक संघ की प्रथम महिला अध्यक्ष दिसम्बर 2022 में कौन निर्वाचित हुई हैं ? **—पी.टी. ऊषा**

☞ एथलीट पी. टी. ऊषा को भारतीय ओलम्पिक संघ (IOA) का अध्यक्ष चुना गया है. पी. टी. ऊषा भारतीय ओलम्पिक संघ के 95 वर्ष के इतिहास में अध्यक्ष बनने वाली पहली महिला हैं.

9. भारतीय गणतंत्र दिवस 2023 पर किस देश के राष्ट्रपति मुख्य अतिथि होंगे ? **—मिस्र**

☞ गणतंत्र दिवस 2023 पर मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सिसी मुख्य अतिथि होंगे. भारत और मिस्र इस वर्ष अपने राजनयिक सम्बन्धों की 75वीं वर्षगाँठ मना रहे हैं.

10. भारत और नेपाल की सेनाओं के बीच भारत-नेपाल संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास का 16वाँ संस्करण दिसम्बर 2022 में किस नाम से आयोजित किया गया ? **—'सूर्य किरण-XVI'**

☞ 'सूर्य किरण-XVI' 16 से 29 दिसम्बर, 2022 तक नेपाल में सलझंडी के नेपाल आर्मी बैटल स्कूल में आयोजित किया गया. पहाड़ी इलाकों में जंगल युद्ध तथा आतंकवाद रोधी अभियानों में मानवीय सहायता एवं आपदा राहत कार्यों में अंतर-क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से अभ्यास 'सूर्य किरण' प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है.

11. केन्द्र सरकार ने किस केन्द्रशासित प्रदेश के 21 द्वीपों का नाम वीर जवानों के नाम पर रखा है ? **—अंडमान और निकोबार**

☞ अंडमान के पहले गैर-आबाद द्वीप का नाम मेजर सोमनाथ शर्मा के नाम पर रखा गया है. अब इसे 'सोमनाथ द्वीप' के नाम से जाना जाएगा. मेजर सोमनाथ परमवीर चक्र से सम्मानित होने वाले पहले सैनिक थे. इन 21 द्वीपों में से 16 उत्तर और मध्य अंडमान जिले में स्थित हैं, जबकि 5 द्वीप दक्षिण अंडमान में हैं.

12. तमिलनाडु का कौनसा गाँव राज्य में पहला जैव-विविधता विरासत स्थल के रूप में अधिसूचित किया गया है ? **—अरितापट्टी**

☞ अरितापट्टी गाँव में 7 बंजर ग्रेनाइट पहाड़ियों की एक शृंखला में 72 झील, 200 प्राकृतिक झरने और 3 चेक बाँध है. यहाँ लगभग 250 पक्षी प्रजातियों की उपस्थिति है. इसमें कई महापाषाण संरचनाएं और रॉक-कट मन्दिर भी हैं.

13. भारत की किस फिल्म को 'गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड' में नॉन-इंग्लिश लैंग्वेज में बेस्ट कैटिगरी में दिसम्बर 2022 में चुना गया है ?
—आरआरआर (RRR)

☞ एस. एस. राजामौली की तेलगू फिल्म 'आरआरआर' को 'गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड' 2022 में गैर-अंग्रेजी भाषा श्रेणी में बेस्ट फिल्म के लिए नामांकित किया गया है.

14. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 18 दिसम्बर, 2022 को किस स्वदेश निर्मित स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत को भारतीय नौसेना को समर्पित किया ? **—आईएनएस मोरमुगाओ (INS Mormugao)**
☞ आईएनएस मोरमुगाओ का नाम पश्चिमी तट पर गोवा के ऐतिहासिक बंदरगाह शहर के नाम पर रखा गया है. इसको भारतीय नौसेना के 'वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो' ने डिजाइन किया है और इसका निर्माण मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, मुम्बई द्वारा किया गया है. नौसेना डॉकयार्ड, मुम्बई में इसे नौसेना में शामिल किया गया.

15. अमरीका में दिसम्बर 2022 में आयोजित मिसेज वर्ल्ड 2022-23 में भारत की किस महिला ने खिताब जीता ? **—सरगम कौशल**
☞ जम्मू-कश्मीर की रहने वाली सरगम कौशल मिसेज वर्ल्ड 2022 का खिताब अपने नाम कर 21 वर्ष बाद ताज को भारत में लाई हैं. सरगम कौशल से पहले वर्ष 2001 में एक्ट्रेस अदिति गोवित्रीकर ने ये ऐतिहासिक ताज अपने नाम किया था.

अन्तर्राष्ट्रीय

1. बायोडाइवर्सिटी पर दुनिया के 195 देशों का 15वाँ सम्मेलन (COP 15) दिसम्बर 2022 में कहाँ आयोजित हुआ ? **—मॉन्ट्रियल (कनाडा)**
☞ सम्मेलन में 2030 तक जैव-विविधता के लिए महत्वपूर्ण माने जाने वाली 30 प्रतिशत भूमि व जल के संरक्षण का आह्वान किया गया है. 2030 तक सभी स्रोतों से वित्तीय संसाधनों के स्तर को उत्तरोत्तर बढ़ाने और प्रति वर्ष कम-से-कम 200 अरब अमरीकी डॉलर जुटाने की प्रतिबद्धता जताई गई है.

2. भारतीय मूल की किस महिला को न्यूयॉर्क में अमरीका की फेडरल रिजर्व बैंक की प्रथम उपाध्यक्ष (फर्स्ट वाइस प्रेसिडेंट) एवं मुख्य परिचालन अधिकारी दिसम्बर 2022 में नियुक्त किया गया है ? **—सुष्मिता शुक्ला**
☞ फर्स्ट वाइस प्रेसीडेंट के रूप में सुष्मिता शुक्ला न्यूयॉर्क के फेडरल रिजर्व बैंक (Federal Reserve Bank of New York) की दूसरी सबसे बड़ी अधिकारी होंगी.

3. फोर्ब्स द्वारा दिसम्बर 2022 में जारी दुनिया की सबसे शक्तिशाली महिलाओं की सूची में पहला स्थान किसका है ? **—उर्सुला वॉन डेर लेयेन (Ursula von der Leyen)**
☞ जर्मनी की 'उर्सुला वॉन डेर लेयेन' यूरोपीय कमीशन की पहली महिला अध्यक्ष हैं.

4. अमरीका ने किस नए बमवर्षक वायुयान (Stealth Bomber) को दिसम्बर 2022 में प्रस्तुत किया ? **—बी-21 रेडर (B-21 Raider)**
☞ अमरीका ने न्यूक्लियर बमवर्षक बी-21 रेडर विमान को कैलिफोर्निया के पाल्मडेल में सैन्य अड्डे पर लॉन्च किया है. बी-21 रेडर को बनाने वाली अमरीकी कम्पनी नॉथ्रोप ग्रुम्मन का दावा है कि यह दुनिया में अब तक का सबसे एडवांस बॉम्बर है.

5. इंडोनेशिया में कौनसा ज्वालामुखी दिसम्बर 2022 में सक्रिय हो गया था ? **—माउंट सेमेरू (Mount Semeru)**
☞ माउंट सेमेरू जकार्ता से 800 किमी दूर दक्षिण-पूर्व स्थित जावा में है. जावा में कई जो सक्रिय ज्वालामुखी हैं. माउंट सेमेरू सबसे ऊँचा और खतरनाक ज्वालामुखी है.

6. भारत के राष्ट्रपति द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित और फ्रीडम एट मिडनाइट व सिटी ऑफ जॉय के किस फ्रांसीसी लेखक का दिसम्बर 2022 में निधन हो गया है ? **—डोमिनिक लेपीयर (Dominique Lapierre)**
☞ डोमिनिक लेपियर ने फाइव पास्ट मिडनाइट इन भोपाल में भोपाल गैस त्रासदी, सिटी ऑफ जॉय में कोलकाता व फ्रीडम एट मिडनाइट में भारत विभाजन के सम्बन्ध में लिखा है.

7. पेरू में किस पहली महिला को राष्ट्रपति दिसम्बर 2022 में बनाया गया है ? **—डीना बोलुआर्टे (Dina Boluarte)**
☞ पेरू के वामपंथी राष्ट्रपति पेड्रो कैस्टिलो (Pedro Castillo) को सांसदों ने उनके पद से हटा दिया है. उनकी जगह उपराष्ट्रपति डीना बोलुआर्टे (Dina Boluarte) को देश का अगला राष्ट्रपति बनाया गया. यहाँ 200 वर्ष से ज्यादा के लोकतांत्रिक इतिहास में पहली बार किसी महिला को राष्ट्रपति बनाया गया है.

8. टाइम मैग्जीन ने किसे पर्सन ऑफ द ईयर 2022 चुना है ? **—व्लादिमीर जेलेंस्की (Volodymyr Zelensky)**
☞ यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की को टाइम मैग्जीन ने पर्सन ऑफ द ईयर 2022 चुना है. दुनिया की प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में से एक टाइम मैग्जीन की ओर से यह पुरस्कार उस व्यक्ति को दिया जाता है, जिसने पिछले एक वर्ष में दुनिया पर सबसे अधिक प्रभाव डाला हो.

9. जापान की किस निजी कम्पनी का एक लैंडर चंद्रमा के लिए दिसम्बर 2022 में रवाना हो गया है ? **—आईस्पेस (Ispace Inc)**
☞ यह पहला व्यवसायिक लैंडर है, जो चंद्रमा पर पहुँचेगा. हाकुतो-आर अभियान (HAKUTO-R Mission1) का प्रक्षेपण अमरीकी कम्पनी स्पेस एक्स ने किया है. लैंडर राशिद एक्सप्लोरर को मून पर लैंड कराएगा, जोकि संयुक्त अरब अमीरात द्वारा लॉन्च किया गया है.

10. ईरान को किस संयुक्त राष्ट्र आयोग से दिसम्बर 2022 में निष्कासित कर दिया गया है ? **—कमीशन ऑन द स्टेटस ऑफ वुमेन (CSW)**
☞ 54 सदस्यीय यू एन इकोनॉमिक एंड सोशल कॉन्सिल (ECOSOC) ने 14 दिसम्बर, 2022 को एक प्रस्ताव पारित कर ईरान को संयुक्त राष्ट्र महिला आयोग (CSW) से निष्कासित कर दिया. ईरान इसी वर्ष इस आयोग का सदस्य बना था और उसका कार्यकाल वर्ष 2026 तक था.

11. अमरीकी अंतरिक्ष एजेंसी NASA के अर्टेमिस-1 (Artemis-1) मिशन का कौनसा स्पेसक्राफ्ट चंद्रमा की यात्रा पूरी करके धरती पर वापस दिसम्बर 2022 में लौट आया है ? **—ओरियन स्पेसक्राफ्ट (Orion Spacecraft)**
☞ नासा ने 16 नवम्बर, 2022 को रॉकेट SLS से ओरियन स्पेसक्राफ्ट को अंतरक्षि में रवाना किया था. 2024 में अर्टेमिस-2 (Artemis-2) और 2025 में अर्टेमिस-3 (Artemis-3) मिशन भेजा जाएगा. अर्टेमिस-3 में ही एस्ट्रोनॉट्स को चंद्रमा पर भेजा जाएगा.

13. जनवरी 2023 में विश्व हॉकी महासंघ के पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी कौन करेगा ? **—भारत**
☞ भारत चौथी बार इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा. इससे पहले उसने 1982 में मुम्बई, 2010 में नई दिल्ली और 2018 में भुवनेश्वर में टूर्नामेंट की मेजबानी की थी. भारत ने ये खिताब आखिरी बार 1975 में जीता था.

14. भारतीय मूल के कौन नेता आयरलैंड के नए प्रधानमंत्री दिसम्बर 2022 में चुने गए ? **—लियो वराडकर (Leo Varadkar)**
☞ भारतीय मूल के लियो वराडकर दूसरी बार आयरलैंड के प्रधानमंत्री चुने गए हैं. अपने पहले कार्यकाल में लियो वराडकर 2017 से 2020 तक आयरलैंड के प्रधानमंत्री रहे थे.

15. कतर के लुसैल स्टेडियम में 18 दिसम्बर, 2022 को फुटबाल विश्व कप के फाइनल में डिफेंडिंग चैम्पियन फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हरा कर कौन विजेता बना ? **—अर्जेंटीना (Argentina)**
☞ अर्जेंटीना 36 वर्ष बाद विश्व कप जीतने में सफल रहा है. उसने 1978 और 1986 के बाद अब तीसरी बार खिताब को अपने नाम कर लिया है. फ्रांस के किलियन एमबाप्पे को गोल्डन बूट का अवॉर्ड मिला, उन्होंने इस विश्व कप में 8 गोल किए. ●●●

विश्व परिदृश्य

✍ डॉ. अरुणोदय बाजपेयी

भारत की आतंकवाद रोधी मुहिम

वर्तमान में भारत वैश्विक आतंकवादी रोधी मुहिम में अग्रणी भूमिका का निर्वाह कर रहा है. 6 दिसम्बर, 2022 को ही भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत दोभाल ने सेण्ट्रल एशिया के चार देशों–कजाखिस्तान, किर्गिस्तान, तजाकिस्तान तथा उजबेकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ एक उच्च स्तरीय सुरक्षा सम्मेलन की अध्यक्षता की. इस सम्मेलन में उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान सहित इस पूरे क्षेत्र में आतंकवाद का फैला नेटवर्क एक गम्भीर चिन्ता का विषय है. वैसे तो भारत गत तीन दशकों से आतंकवादी रोधी मुहिम में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है, लेकिन अगस्त 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के सत्ता में आने के बाद क्षेत्रीय स्तर पर भारत की आतंकवादी रोधी गतिविधियों में नई सक्रियता दिखाई देती है. 1 जनवरी, 2021 से सुरक्षा परिषद् के अस्थायी सदस्य के रूप में भारत को अपनी आतंकवादीरोधी भूमिका को नई धार देने का अवसर भी प्राप्त हुआ है. भारत की यह भूमिका स्वाभाविक है, क्योंकि भारत 1990 के दशक के आरम्भ से ही सीमा पार से सुनियोजित आतंकवाद का शिकार रहा है. आतंकवाद के कारण भारत ने भारी भौतिक व मानवीय क्षति भी उठाई है.

आज सभी स्वीकार करते हैं कि आतंकवाद एक प्रमुख वैश्विक चुनौती है. वर्ष 2001 में अफगानिस्तान स्थित अलकायदा द्वारा अमरीका में किए गए बड़े आतंकवादी हमले के बाद विश्व के प्रमुख देशों ने आतंकवाद को एक वैश्विक चुनौती के रूप में स्वीकार किया तथा उसी वर्ष अमरीका तथा नाटो ने अफगानिस्तान में आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक लड़ाई का आह्वान किया. गत दो दशकों में वैश्विक आतंकवाद के सम्बन्ध में **दो प्रमुख प्रवृत्तियों** का विकास हुआ है.

पहला, यह कि आतंकवाद का नेटवर्क आज अमरीका, यूरोप, मध्य एशिया और दक्षिण एशिया से लेकर न्यूजीलैण्ड तक फैल गया है. आतंकवादी संगठनों ने विकेन्द्रीकृत तरीके से आधुनिक संचार तकनीकी का विकास कर अपने भर्ती तथा वित्तीय नेटवर्क का विस्तार कर लिया है. अतः वर्तमान में आतंकवाद का कोई एक केन्द्र न होकर विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में इसकी उपस्थिति पाई जाती है. इण्टरनेट तथा आधुनिक संचार तकनीकि के प्रयोग के कारण आतंकवादी नेटवर्क को नियंत्रित करना एक कठिन कार्य हो गया है. अन्य बातों के अलावा साइबर अपराध, हथियारों व नशीली दवाओं की तस्करी तथा अन्य संगठित अपराध भी आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ गए हैं. आतंकवाद का उक्त बदलता रूप विश्व के देशों के लिए एक चिन्ता का एक प्रमुख विषय है.

दूसरा, यह कि गत दो दशकों में अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय के सदस्यों में आतंकवाद रोधी नीतियों को लेकर सक्रियता दिखाई दे रही है. देशों द्वारा राष्ट्रीय, द्विपक्षीय, क्षेत्रीय तथा वैश्विक स्तर पर आतंकवादी रोधी उपायों को अपनाने के प्रयास किए जा रहे हैं. आज लगभग सभी देश इस बात पर सहमत है कि आतंकवाद एक वैश्विक चुनौती है तथा इसकी रोकथाम के उपाय विभिन्न स्तर पर किए जाने चाहिए. भारत सहित बहुत से देश आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टोलेरेन्स की नीति को लागू कर रहे हैं. कुल मिलाकर आज आतंकवाद वैश्विक समुदाय की चिन्ता का एक प्रमुख विषय है.

भारत की आतंकवादी रोधी सक्रियता

भारत गत तीन दशकों से आतंकवाद की चुनौती का सामना कर रहा है. 1990 से लेकर 2021 तक भारत में 110 छोटी बड़ी आतंकवादी घटनाएं हो चुकी हैं. इनमें से 2000 में लाल किला दिल्ली में आतंकवादी हमला, 2001 में भारतीय संसद पर आतंकवादी हमला, 2008 में मुम्बई के ताज होटल में हुआ आतंकवादी आक्रमण, 2016 की पठानकोट तथा उड़ी की आतंकवादी घटनाएं तथा 2019 में पुलवामा में हुआ आतंकवादी हमला आदि प्रमुख हैं. अब तक की आतंकवादी घटनाओं से स्पष्ट है कि भारत में आतंकवाद का मुख्य स्रोत सीमा पार से पाक समर्थित आतंकवाद हैं. भारत आतंकवाद के प्रत्येक रूप का विरोधी है तथा आतंकवाद को शांति व सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है. भारत ने भी आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टोलेरेन्स की नीति अपनाई है. वैसे तो भारत प्रत्येक स्तर पर निरन्तर आतंकवादी रोधी प्रयासों को अनजाम देता रहा है, लेकिन गत दो वर्षों भारत ने क्षेत्रीय व वैश्विक दोनों सतरों पर आतंकवाद रोधी मुहिम में नई सक्रियता का प्रदर्शन किया है. इसके तीन प्रमुख कारण हैं–

प्रथम, 15 अगस्त, 2021 को अफगानिस्तान में बलपूर्वक उग्रवादी तालिबान शासन की स्थापना के बाद इस भारत तथा इस पूरे क्षेत्र के लिए आतंकवाद का नया खतरा उत्पन्न हो गया है. उल्लेखनीय है कि 2001 में अमरीका में आतंकवादी हमला करने वाले अलकायदा संगठन को अफगानिस्तान में तालिबान शासन ने पनाह व समर्थन दे रखा था. अतः, वर्तमान में अफगानिस्तान-पाकिस्तान क्षेत्र पुनः आतंकवाद का नया गढ़ बना गया है. भारत के विदेश मंत्री जय शंकर ने दिसम्बर 2022 में सुरक्षा परिषद् की अध्यक्षता करते हुए इस बात को दोहराया है. पाकिस्तान अफगानिस्तान की तालिबान सरकार का प्रमुख समर्थक है.

दूसरा, आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों पर रोक न लगाने के कारण पाकिस्तान को 2018 में पेरिस स्थित अन्तर्राष्ट्रीय संस्था फाइनेंशियल एक्सन टास्क फोर्स (FATF) द्वारा ग्रे लिस्ट में डाल दिया गया था. इससे पाकिस्तान को आतंकवाद के सम्बन्ध में वैश्विक दबाव का सामना करना पड़ रहा था, लेकिन अक्टूबर 2022 में अमरीका के सहयोग के कारण फाइनेंशियल एक्सन टास्क फोर्स द्वारा पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट से निकाल दिया गया है. इसका निहितार्थ यह है कि अब आतंकवाद के वित्तीय पोषण को रोकने के लिए पाकिस्तान पर कोई वैश्विक दबाव नहीं है. भारत के अनुसार इससे पाकिस्तान में आतंकवाद के फलने-फूलने के नए अवसर उपलब्ध होंगे.

तीसरा, जनवरी 2021 से भारत दो वर्ष के लिए सुरक्षा परिषद् का अस्थायी सदस्य बन गया है. आतंकवादी रोधी अभियान को गति प्रदान करना सुरक्षा परिषद् में भारत की प्राथमिकताओं में शामिल है. इस प्रकार भारत को वैश्विक स्तर पर आतंकवाद रोधी अभियान को सक्रिय बनाने का नया अवसर प्राप्त हुआ है. इसके साथ ही भारत अन्य विभिन्न मंचों जैसे शंघाई सहयोग संगठन, ब्रिक्स, आसियान, बिम्सटेक आदि में भी आतंकवाद के विरुद्ध सशक्त आवाज उठा रहा है.

इस प्रकार उक्त कारणों से गत दो वर्षों में भारत की आतंकवादी मुहिम में नई सक्रियता दिखाई देती है. इस अवधि में भारत द्वारा किए गए प्रमुख आतंकवाद रोधी प्रयास निम्नलिखित हैं–

1. सुरक्षा परिषद् में अपनी आगामी भूमिका व रणनीति के सम्बन्ध में भारत सरकार ने जून 2022 में एक विजन दस्तावेज जारी किया था. इसमें अन्य बातों के अतिरिक्त भारत का एक प्रमुख लक्ष्य वैश्विक आतंकवादी रोधी

प्रयासों को सक्रियता प्रदान करना था. इसके अन्तर्गत एक प्रभावी वैश्विक रणनीति के अन्तर्गत आतंकवाद के वैश्विक वित्तीय व भर्ती नेटवर्क को समाप्त करने के प्रयास किए जाने हैं. भारत ने सुरक्षा परिषद् की विभिन्न बैठकों में आतंकवाद के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया है.

2. **आतंकवाद के विरुद्ध दिल्ली घोषणा -पत्र**–गत 28 व 29 अक्टूबर, 2022 को संयुक्त राष्ट्र की आतंकवादी रोधी समिति की विशेष बैठक भारत की अध्यक्षता में मुम्बई व दिल्ली में आयोजित की गई. इसमें सुरक्षा परिषद् के सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. बैठक में आतंकवाद के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श के बाद आम सहमति से दिल्ली घोषणापत्र जारी किया गया. दिल्ली घोषणापत्र की मुख्य बातें निम्नलिखित हैं–

(अ) सभी सदस्यों ने स्वीकार किया कि आतंकवाद आज विश्व में शांति व सुरक्षा के लिए एक गम्भीर खतरा है. उन्होंने आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई को प्रभावी बनाने के लिए अपने दृढ़ निश्चय को भी दोहराया. सदस्यों ने यह भी माना कि आतंकवाद को किसी धर्म अथवा संस्कृति से नहीं जोड़ा जाना चाहिए.

(ब) सदस्यों ने स्वीकार किया कि आतंकवादी समूहों ने आधुनिक सूचना तकनीकि का दुरुपयोग कर अपने वैश्विक नेटवर्क का विस्तार किया है. साथ ही प्रतिनिधियों ने यह भी माना कि आतंकवाद रोधी उपायों में भी नई तकनीकि का समुचित उपयोग किया जा सकता है तथा इसके लिए प्रयास भी किए जाने चाहिए.

(स) सदस्यों ने माना कि आतंकवादी समूह अपने वित्तीय साधनों को बढ़ाने के लिए इंटरनेट आधारित आधुनिक वित्तीय प्लेटफार्म का उपयोग कर रहे हैं.

(द) आतंकवादी समूहों द्वारा हथियारों तथा नशीली दवाओं की तस्करी के लिए मानव रहित ड्रोन तकनीकि के दुरुपयोग पर भी चिन्ता व्यक्त की गई. साथ ही सदस्यों ने विभिन्न आतंकवादी संगठनों विशेषकर अलकायदा तथा इस्लामिक स्टेट के बीच विस्फोटक हथियारों के आदान-प्रदान की कड़ी भर्त्सना भी की.

(य) सदस्यों ने आतंकवाद की रोकथाम के लिए सुरक्षा परिषद् द्वारा समय-समय पर पारित प्रस्तावों जैसे प्रस्ताव संख्या 1373–2001, 1624–2005, 2178–2014, 2396–2017 तथा 2617–2021 को प्रभावी तरीके से लागू करने का निर्णय लिया.

(र) बैठक में प्रस्ताव पारित कर सभी देशों का आह्वान किया गया कि वे आतंकवाद के वित्तीय नेटवर्क को समाप्त करने के लिए अपनी क्षमता तथा प्रयासों में तेजी लाए तथा आतंकवाद की रोकथाम के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाए गए वैश्विक उपायों में सहयोग व समन्वय स्थापित करे.

3. **इण्टरपोल की जनरल असेम्बली की बैठक**–विश्व पुलिस संगठन अर्थात् इण्टरपोल की जनरल असेम्बली की बैठक दिनांक 18–21 अक्टूबर, 2022 को दिल्ली में आयोजित की गई. इण्टरपोल का मुख्य उद्देश्य ट्रांस बार्डर अपराधों की रोकथाम करना है. इसका मुख्यालय पेरिस में स्थित है. असेम्बली का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी ने किया. इसमें 195 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. इस बैठक में अन्य बातों के अतिरिक्त वित्तीय अपराध तथा साइबर अपराधों पर विशेष चर्चा हुई. इन दोनों अपराधों में आतंकवादियों की भूमिका भी उल्लेखनीय है. इस विषय पर प्रतिनिधियों ने विशेष उपाय अपनाने का प्रस्ताव पारित किया. इसके लिए एक विशेष कार्यदल की स्थापना का भी निर्णय लिया गया. इस कार्यदल का मुख्य कार्य वित्तीय अपराधों के लिए विभिन्न देशों के प्रस्तावों का परीक्षण करना है, ताकि वित्तीय अपराधों के सम्बन्ध में विश्व स्तर पर प्रभावी उपाय अपनाए जा सके.

4. **नो मनी फार टेरर (No Money For Terror Conference—NMFT) सम्मेलन, 2022**–भारत द्वारा 18 नवम्बर को दिल्ली में तीसरा **नो मनी फार टेरर** वैश्विक सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें 93 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था. **नो मनी फार टेरर** का पहला सम्मेलन 2018 में पेरिस में तथा दूसरा 2019 में मेलबार्न में आयोजित किया गया था. इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य ऐसे उपायों पर विचार करना है कि जिससे आतंकवादी समूहों के वित्तीय नेटवर्क को ध्वस्त किया जा सके. वर्तमान में आतंकवादी समूह आधुनिक संचार तकनीकि का प्रयोग कर विश्व स्तर पर वित्त का संग्रह कर रहे हैं. इस सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी ने तथा समापन गृहमंत्री अमित शाह ने किया. सम्मेलन में प्रतिनिधियों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि आधुनिक तकनीकी से संचालित आतंकवादियों के वित्तीय नेटवर्क को ध्वस्त करने के प्रयास किए जाए. उस सम्बन्ध में भारत ने दिल्ली में **नो मनी फार टेरर** की गतिविधियों में समन्वय तथा गति प्रदान करने के लिए एक सचिवालय स्थापित करने की घोषणा की.

5. **भारत तथा सेण्ट्रल एशिया के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों का सम्मेलन**–भारत ने 6 दिसम्बर, 2022 को नई दिल्ली में सेण्ट्रल एशिया के पाँच देशों–कजाखिस्तान, तजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, उजबेकिस्तान तथा किर्गिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों का सम्मेलन आयोजित किया था. जिसकी अध्यक्षता भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत दोवल ने की थी. दोवल ने कहा कि सेण्ट्रल एशिया भारत का विस्तारित पड़ोस है. अफगानिस्तान के राजनीतिक अस्थिरता के कारण इस सम्पूर्ण क्षेत्र में आतंकवाद का खतरा उत्पन्न हो गया है, जो भारत तथा सेण्ट्रल एशिया के पाँच देशों के बीच साझा चिन्ता का विषय है. उन्होंने आतंकवादियों के बढ़ते वित्तीय नेटवर्क पर विशेष प्रकाश डाला तथा उसकी रोकथाम के लिए देशों के मध्य प्रभावी सहयोग की अपील की. अन्य देशों ने भी इस क्षेत्र में आतंकवाद के बढ़ते खतरे के प्रति सहमति व्यक्ति की.

6. **सुरक्षा परिषद् के अध्यक्ष के रूप में भारत ने 15 दिसम्बर, 2022** को वैश्विक आतंकवाद रोधी रणनीति पर सुरक्षा परिषद् की एक विशेष बैठक का आयोजन किया. इस बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बिना नाम लिए आतंकवादियों का समर्थन करने के लिए पाकिस्तान व चीन दोनों को आड़े हाथों लिया. उनका मानना था कि आतंकवाद रोधी वैश्विक उपायों के मार्ग में चार बाधाएं प्रमुख हैं–कतिपय देशों द्वारा आतंकवाद का समर्थन, वैश्विक उपायों में खुलेपन का अभाव, आतंकवाद के विरुद्ध कतिपय देशों के दोहरे मापदण्ड तथा आतंकवादियों द्वारा आधुनिक संचार तकनीकि के दुरुपयोग की सम्भावनाएं. नई तकनीकी के दुरुपयोग को भारतीय विदेश मंत्री ने आतंकवाद के विरुद्ध नए मोर्चे की संज्ञा दी है. उक्त बाधाओं के आलोक में भारत ने वैश्विक आतंकवाद रोधी रणनीति को प्रभावी बनाने पर जोर दिया.

निष्कर्ष–वैसे तो भारत गत् तीन दशकों से आतंकवाद की गम्भीर चुनौती का सामना कर रहा है, लेकिन 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान शासन की स्थापना तथा पाकिस्तान को आतंकवाद सम्बन्धित ग्रे लिस्ट से हटाए जाने के कारण इस क्षेत्र में आतंकवाद का खतरा बढ़ गया है. इस खतरे का सर्वाधिक प्रस्ताव भारत पर ही हो रहा है. यह क्षेत्र पहले से भी आतंकवाद का केन्द्र रहा है. उक्त तथ्यों के आलोक में हाल में भारत द्वारा अपने सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए आतंकवाद रोधी मुहिम को तेज कर दिया गया है तथा इसके कारण भारत आज आतंकवाद रोधी वैश्विक मुहिम की अग्रणी पंक्ति में शामिल हो गया है. 2021 से दो वर्षों के लिए भारत सुरक्षा परिषद् का अस्थायी सदस्य भी रहा है. इससे भारत को अपनी आतंकवाद रोधी मुहिम को सक्रियता प्रदान करने का एक नया मंच भी प्राप्त हो गया है. इस के पहले भी भारत ने 1996 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में आतंकवाद पर एक व्यापक वैश्विक कानून पारित करने का प्रस्ताव रख चुका है. देशों में आपसी मतभेदों के कारण यह प्रस्ताव आज भी लम्बित है. भारत ने इस व्यापक कानून को यथाशीघ्र पारित करने का आग्रह भी किया है. इस प्रकार क्षेत्रीय व वैश्विक व क्षेत्रीय दोनों स्तरों पर भारत की आतंकवाद रोधी भूमिका निरन्तर सक्रिय तथा प्रभावी होती जा रही है.

जी-20 समूह तथा भारत

जी-20 विश्व की बीस सबसे बड़ी अर्थव्यस्थाओं का एक समूह है. इसमें 19 देश तथा यूरोपीय संघ को शामिल किया गया है. यूरोपीय संघ को इसलिए शामिल किया गया है कि उसे एक देश की ही भाँति स्वतंत्र कानूनी दर्जा प्राप्त है, जोकि अन्य क्षेत्रीय संगठनों, जैसे आसियान अथवा दक्षेस, को प्राप्त नहीं है. किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के आकार का आकलन उसके सालाना सकल राष्ट्रीय उत्पाद अर्थात् जी.डी.पी. के आधार पर किया जाता है. जी-20 समूह का मुख्य कार्य विश्व की आर्थिक चुनौतियों का समाधान कर विश्व अर्थव्यवस्था के विकास को गति प्रदान करना है.

जी-20 की पृष्ठभूमि–जी-20 का स्थापना व विकास विश्व के आर्थिक व वित्तीय संकट से जुड़ा हुआ है. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से लेकर वैश्वीकारण के आने तक विश्व अर्थव्यवस्था में यूरोप, उत्तरी अमरीका तथा जापान का आर्थिक वर्चस्व बना रहा था. अतः वैश्विक अर्थव्यवस्था का संचालन व प्रबन्धन अमीर देशों द्वारा किया जाता था. इसके लिए इन देशों ने 1976 में जी-7 नामक समूह की स्थापना की थी. जिसमें विश्व के सात अमीर देश–अमरीका, ब्रिटेन, कनाडा, इटली, फ्रांस, जर्मनी तथा जापान शामिल थे. इस समूह को रिच मैनस क्लब की संज्ञा दी जाती थी, लेकिन 1990 के आरम्भ से वैश्वीकरण का लाभ उठाकर कतिपय अन्य नवोदित देशों की अर्थव्यवस्थाओं से भी लाभान्वित हुए. इन देशों में चीन, भारत, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका तथा तुर्की आदि प्रमुख हैं. इन नवोदित अर्थव्यवस्थाओं के कारण विश्व अर्थव्यवस्था का केन्द्र अब यूरोप से खिसककर एशिया की तरफ आ गया.

वैश्वीकरण का दूसरा परिणाम यह हुआ कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के माध्यम से विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं आपस में घनिष्ठ रूप से जुड़ गई. इसी क्रम में 1997 में एशिया में आर्थिक व वित्तीय संकट उत्पन्न हो गया, जिससे अमीर देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी प्रभावित होने लगी. लेकिन उस संकट का समाधान जी-7 के देश अकेले नहीं कर सकते थे. परिणामस्वरूप जी-7 समूह ने 1999 में विश्व के 20 बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के वित्त मंत्रियों व सेण्ट्रल बैंक के गवर्नरों की बैठक वाशिंगटन में आयोजित की. इस बैठक से ही जी-20 की स्थापना मानी जाती है. आरम्भ में जी-20 की बैठकों में इन बीस देशों के वित्त मंत्रियों व सेण्ट्रल बैंक के गवर्नरों को ही शामिल किया जाता था, लेकिन 2008 में विश्व को एक अन्य गम्भीर वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा. इस बार वित्तीय संकट का केन्द्र अमरीका था, लेकिन विश्व के सभी देश इससे प्रभावित थे. इस संकट का समाधान खोजने के लिए 2008 में जी-20 देशों के शासनाध्यक्षों की बैठक पहली बार आहूत की गई. तब से निरन्तर जी-20 के शिखर सम्मेलनों की शुरुआत मानी जाती है. पहले 2010 तक ये शिखर सम्मेलन 6 माह पर आयोजित किए जाते थे, लेकिन वर्तमान में 2011 से ये शिखर सम्मेलन वार्षिक आधार पर आयोजित किए जाते हैं. इसी क्रम में 18वाँ शिखर सम्मेलन 2023 में भारत में आयोजित किया जाना है.

जी-20 के बीस सदस्य हैं–अर्जेण्टीना, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, इण्डिया, इण्डोनेशिया, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यू.के., यू.एस.ए. तथा यूरोपीय संघ. सामूहिक रूप से जी-20 विश्व के 85 प्रतिशत सकल राष्ट्रीय उत्पाद तथा 75 प्रतिशत वैश्विक व्यापार का प्रतिनिधित्व करता है. जी-20 के सदस्य इसके साथ ही विश्व की दो-तिहाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं. इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वर्तमान में जी-20 विश्व अर्थव्यवस्था के प्रबन्धन तथा सहयोग व समन्वय का सबसे बड़ा व प्रभावी मंच है.

जी-20 के उद्देश्य–जी-20 का कोई औपचारिक संविधान नहीं है. फिर भी इसकी अब तक की गतिविधियों के आधार पर इसके कतिपय निम्नलिखित उद्देश्यों को चिह्नित किया जा सकता है–

1. जी-20 वैश्विक अर्थव्यवस्था के संचालन व प्रबन्धन के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य करता है. इसका उद्देश्य विरुद्ध अर्थव्यवस्था के विकास को गति प्रदान करना है.

2. वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए यह मंच बड़े देशों की नीतियों में आपसी सहयोग व समन्वय का काम करता है.

3. जी-20 वैश्विक वित्तीय व्यवस्था को भी स्थिरता प्रदान करता है. इसका प्रमुख उद्देश्य वैश्विक वित्तीय संस्थाओं जैसे विश्व व्यापार संगठन, विश्व बैंक आदि को मजबूती प्रदान करना है, ताकि वे अपने दायित्वों का प्रभावी तरीके से निर्वहन कर सके.

4. यह सदस्य देशों की आर्थिक व वित्तीय नीतियों में समन्वय स्थापित करने का प्रयास भी करता है. विश्व अर्थव्यवस्था के विकास तथा उसकी स्थिरता के लिए ऐसा किया जाना आवश्यक है.

जी-20 में विचार विमर्श का स्वरूप–जी-20 का कोई औपचारिक संगठन तथा सचिवालय आदि नहीं है. इसके सम्मेलनों का आयोजन तथा सम्मेलनों के बीच गतिविधियों का संचालन तीन देशों के समूह ट्रायका द्वारा किया जाता है. जी-20 में विचार-विमर्श के लिए चार ट्रैक निर्धारित किए गए हैं–

1. वित्तीय ट्रैक–इसमें सदस्य देशों के वित्त मंत्री तथा सेण्ट्रल बैंक के गवर्नर भाग लेते हैं. वर्तमान में इसके अन्तर्गत विश्व वित्तीय व्यवस्था के निम्न 8 क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया जाता है–वैश्विक मैक्रोइकोनामिक नीतियाँ, ढाँचागत वित्तीय व्यवस्था, वैश्विक वित्तीय ढाँचा, जीवन्त विकास के लिए वित्तीय व्यवस्था, वित्तीय समेकन अथवा इनक्लूजन, स्वास्थ्य के लिए वित्त, वैश्विक टैक्स व्यवस्था तथा वैश्विक वित्तीय सुधार. वास्तव में वित्तीय ट्रैक ही जी-20 का मौलिक तथा सबसे महत्वपूर्ण विषय क्षेत्र है.

2. शेरपा ट्रैक–प्रत्येक देश जी-20 की गतिविधियों को व्यस्थित रूप से संचालित करने के लिए नाडल प्रशासनिक अधिकारी को नामित करता है. इन अधिकारियों को शेरपा कहा जाता है. शिखर सम्मेलन के दौरान सदस्य देशों के शेरपा भी आठ विषयों पर विचार-विमर्श करते हैं, जिसे शेरपा ट्रैक के नाम से जाना जाता है. शेरपा ट्रैक में विचार-विमर्श के 12 विषय शामिल होते हैं–भ्रष्टाचार निवारण, कृषि, संस्कृति, विकास, डिजिटल अर्थव्यवस्था, रोजगार, पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन, शिक्षा, ग्रीन इनर्जी, स्वास्थ्य, व्यापार तथा निवेश तथा पर्यटन. विभिन्न देशों के शेरपा शिखर सम्मेलन के दौरान उन विषयों पर विचार-विमर्श करते हैं.

3. सिविल सोसाइटी ट्रैक–जी-20 के विचार-विमर्श का तीसरा ट्रैक सिविल सोसाइटी तथा गैर-सरकारी संगठनों से सम्बन्धित है. इसमें सदस्य देशों के सिविल सोसाइटी संगठन विचार-विमर्श में भाग लेते हैं. इसमें अलग-अलग विषयों पर विचार-विमर्श के लिए 10 कार्यदल बनाए गए हैं. इनके विचार-विमर्श के मुख्य विषय हैं–संसदीय मामले, महिला, युवाएं थिंक टैंक, श्रमिकों की समस्याएं आदि.

4. गेस्ट ट्रैक–जी-20 सम्मेलनों की एक परम्परा यह रही है कि शिखर सम्मेलन का आयोजन करने वाला देश सम्मेलन में भाग लेने के लिए कतिपय देशों को गेस्ट के रूप में आमंत्रित करता है, जोकि समय-समय पर विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श करते हैं. इसी ट्रैक में विभिन्न वैश्विक संगठन तथा आमंत्रित संगठन भी भाग लेते हैं. उल्लेखनीय है कि भारत ने 2023 के शिखर सम्मेलन में नौ देशों–बांग्लादेश, मिस्र, मॉरिसश, नीदरलैण्ड्स, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन, तथा संयुक्त अरब अमीरात तथा तीन संगठनों–इण्टरनेशनल सोलर एलायंस, कोलिशन फार डिजास्टर रिसिलिएण्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा एशियन डेवलवमेण्ट बैंक को गेस्ट के रूप में आमंत्रित किया है.

उल्लेखनीय है कि उक्त चारों ट्रैकों में हुए विचार-विमर्श के निष्कर्षों को जी-20 शिखर सम्मेलन के अन्तिम घोषणापत्र में शामिल किया जाता है.

जी-20 की प्रमुख उपलब्धियाँ–गत दो दशकों में जी-20 ने विश्व अर्थव्यवस्था के विकास तथा उसमें खुलापन व स्थिरता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. 1997 तथा 2008 के वित्तीय संकटों के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था की रिकवरी में महत्वपूर्ण कार्य किया है. 2004 में जी-20 ने टैक्स व्यवस्था के सम्बन्ध में एकरूपता तथा खुलापन लाने का निर्णय भी लिया था, जो आज भी प्रभावी है. इससे टैक्स चोरी की समस्या के समाधान में मदद मिली है. इसी तरह जी-20 ने विश्व की अर्थव्यवस्था तथा वित्तीय व्यवस्था में सुधार के बारे में आम सहमति विकसित करने में सफलता प्राप्त की है. अब तक संक्षेप में जी-20 की मुख्य उपलब्धियाँ निम्नवत् हैं–

1. जी-20 ने विश्व अर्थव्यवस्था के तार्किक विनियमन तथा उसके विस्तारीकरण में सफलता प्राप्त की है.

2. विभिन्न वित्तीय व आर्थिक मामलों में सदस्य देशों की नीतियों में समन्वय बनाने का काम जी-20 द्वारा किया गया है.

3. जी-20 ने भारत व अन्य देशों की माँग पर प्रमुख वैश्विक वित्तीय संस्थाओं जैसे विश्व बैंक तथा अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष आदि में सुधार की महत्वपूर्ण पहल भी की है.

भारत तथा जी-20

भारत इस समूह का संस्थापक देश है तथा 1999 से ही इसकी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है. जी-समूह की सदस्यता तथा भारत की उभरती हुई अर्थव्यवस्था विश्व आर्थिक परिदृश्य में भारत की निरन्तर बढ़ती भूमिका को रेखांकित करती है. गत दो दशकों में जी-20 की गतिविधियों में संक्षेप में भारत की निम्नांकित भूमिका उल्लेखनीय है–

1. भारत ने ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका आदि देशों के साथ मिलकर वैश्विक वित्तीय संस्थाओं जैसे विश्व बैंक व अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष तथा विश्व व्यापार संगठन में सुधार की माँग जोरदारी से उठाई है. भारत की माँग पर जी-20 ने इस दिशा में पहल भी की है. भारत इन संस्थाओं को समकालीन आवश्यकताओं के अनुसार अधिक लोकतांत्रिक व प्रभावी बनाने के लिए प्रयासरत् है.

2. भारत ने जी-20 के माध्यम से कतिपय विकसित देशों द्वारा व्यापार में अपनाई जाने वाली संरक्षणवाद की नीति का विरोध किया है. इससे विकासशील देशों के कृषि हितों का नुकसान होता है.

3. भारत ने सदैव जी-20 के शिखर सम्मेलनों में गरीब व विकासशील देशों के हितों का प्रतिनिधित्व किया है तथा विश्व में संतुलित आर्थिक विकास के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके. भारत चाहता है कि गरीब देशों को वैश्विक स्तर पर विभिन्न आर्थिक व वित्तीय छूटे तथा सुविधाएं प्राप्त हो ताकि वे देश भी विश्व में विकास की मुख्य धारा में शामिल हो सकें.

4. भारत ने जी-20 में लिए गए विभिन्न निर्णयों को पूरी संजीदगी के साथ लागू करने का प्रयास किया है.

भारत की अध्यक्षता–भारत जी-20 का संस्थापक सदस्य है. वर्तमान समय में जी-20 का भारत के लिए विशेष महत्व है, क्योंकि दिसम्बर 2023 में जी-20 का वार्षिक शिखर सम्मेलन भारत में आयोजित किया जाएगा. इस प्रकार भारत को इस वर्ष जी-20 समूह का नेतृत्व करने का अवसर प्राप्त होगा. इस सम्मेलन के सिलसिले में भारत द्वारा वर्ष भर लगभग 200 अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जी-20 देशों के प्रतिनिधि भाग लेगे तथा शिखर सम्मेलन की तैयारियों को अन्तिम रूप देंगे. ये छोटे कार्यक्रम भारत के विभिन्न शहरों में आयोजित किए जाएंगे, लेकिन मुख्य सम्मेलन दिसम्बर 2023 में दिल्ली में आयोजित किया जाएगा. भारत ने सम्मेलन की तैयारियों में प्रशासनिक समन्वय के लिए नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कान्त को जी-20 में भारत का शेरपा नामित किया है. इन तैयारियों में सबसे प्रमुख कार्य आगामी शिखर सम्मेलन के लिए एजेण्डा तैयार करना है. सम्मेलन का एजेण्डा तैयार करने में जी-20 के एक छोटे समूह की महत्वपूर्ण भूमिका होती है जिसे ट्रायका (Troika) के नाम से जानते हैं. इसमें तीन देश–वर्तमान सम्मेलन आयोजित करने वाला देश भारत, पिछला सम्मेलन आयोजित करने वाला देश–इण्डोनेशिया तथा आगामी 2024 का सम्मेलन आयोजित करने वाला देश ब्राजील शामिल है. यह एक महज संयोग है कि इस बार ट्रायका में तीनों विकासशील देश शामिल है. अतः इस बार विकासशील देशों की आर्थिक चुनौतियों को जी-20 के एजेण्डा में शामिल होने की अधिक सम्भावना है.

भारत ने वन अर्थ वन फेमिली वन फ्यूचर (One Earth One Family One Future) को 2023 के जी-20 सम्मेलन का मोटो घोषित किया है. यह मोटो भारत के वसुधैव कुटुम्बकम् की धारणा से मेल खाता है. इसका तात्पर्य यह है कि भारत सभी के साथ मिलकर साझा भविष्य के लिए साझा प्रयास करने का पक्षधार है. अभी तक के विचार-विमर्श से, जो बिन्दु सामने आए हैं, उनके अनुसार भारत जी-20 के आगामी शिखर सम्मेलन में निम्नांकित बिन्दुओं को प्राथमिकता देने का प्रयास कर रहा है–

1. समतापूर्ण, समेकित तथा टिकाऊ विकास–इसके अन्तर्गत भारत विश्व में समेकित तथा टिकाऊ विकास को गति देने के लिए सदस्यों के बीच आम सहमति बनाने का प्रयास करेगा.

2. लाइफ स्टाइल फार एनवायरनमेण्ट (LIFE)–भारत चाहता है कि विश्व स्तर पर सभी देशों के लोगों द्वारा ऐसी जीवन शैली को अपनाने का प्रयास किया जाए, जो पर्यावरण के संरक्षण में सहायक हो. भारत ने लाइफ का प्रस्ताव 2022 में शर्म अल शेख में सम्पन्न हुए जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में प्रस्तुत किया था.

3. महिला सशक्तीकरण–भारत महिला सशक्तीकरण के मुद्दे को भी आगामी शिखर सम्मेलन के एजेण्डे में प्रमुखता से रखने का पक्षधर है. भारत के अनुसार महिला सशक्तीकरण समेकित विकास की आवश्यक शर्त है.

4. डिजिटल ढाँचे का विकास–भारत का मानना है कि डिजिटल ढाँचे का विकास आर्थिक विकास के आवश्यक है. अतः भारत इस विषय को प्राथमिकता देने का पक्षधर है.

5. समकालीन मुद्दे जैसे कौशल विकास व मापन, जलवायु वित्त, खाद्य सुरक्षा, इनर्जी सुरक्षा, सर्कुलर इकोनॉमी, ग्रीन हाइड्रोजन आदि.

6. विकास साझेदारी, आर्थिक अपराधों की रोकथाम तथा बहुपक्षीयतावादी सुधार.

निष्कर्ष–भारत को जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन का मौका मिलना एक ऐतिहासिक अवसर है, जो किसी भी देश को दो दशकों के बाद प्राप्त होता है. पहली बार यह शिखर सम्मेलन भारत में हो रहा है. वैसे तो प्रत्येक देश को उसके नाम के पहले अक्षर के चक्रक्रमानुसार जी-20 के शिखर सम्मेलन के आयोजन का अवसर प्राप्त होता है, लेकिन भारत के लिए इसका विशेष महत्व है. इसके दो कारण हैं. **पहला** यह कि भारत वर्तमान में अमरीका, चीन, जापान तथा जर्मनी के बाद विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना गया है. अतः विश्व के आर्थिक मामलों तथा अन्य समस्याओं में भारत की अहम भूमिका है. वस्तुतः गत दो दशकों से वैश्विक मामलों जैसे आर्थिक विकास, कोविड महामारी प्रबन्धन, जलवायु परिवर्तन आतंकवाद रोधी वैश्विक मुहिम आदि में अग्रणी भूमिका निभा रहा है. अतः जी-20 की अध्यक्षता से भारत की उक्त भूमिका अधिक सशक्त होगी. **दूसरा,** वैश्विक मामलों में भारत सदैव विकासशील तथा गरीब देशों के हितों का प्रतिनिधित्व करता रहा है. जी-20 की अध्यक्षता के माध्यम से भारत को गरीब व विकासशील देशों की आर्थिक व वित्तीय समस्याओं को उठाने का एक नया अवसर प्राप्त होगा. इस ऐतिहासिक असर से भारत को अपने वैश्विक हितों को साधने में भी मदद मिलेगी. भारत के लिए 2023 का वर्ष जी-20 का वर्ष होगा. यह भारत के कूटनीतिक उत्कर्ष में एक मील का पत्थर साबित होगा. ●●●

फोकस 1

भारत में डिजिटल विभाजन

✍ डॉ. श्याम सुन्दर सिंह चौहान

स्व. राजीव गांधी के शासनकाल में उनके परामर्शदाता डॉ. सैम पित्रोदा की पहल पर प्रारम्भ किए गए 8 टेक्नोलोजिकल मिशनों में से एक दूरसंचार मिशन के साथ प्रारम्भ हुई दूरसंचार क्रान्ति की बदौलत भारत 5G प्रौद्यौगिकी की दौर में प्रवेश कर गया. 4G सेवाएं लगभग सारे देश में उपलब्ध हैं. इस प्रकार अब भारत कम-से-कम सूचना एवं संचार प्रोद्यौगिकी की पहुँच, गुणवत्ता और उपलब्धता के मामले में विश्व के विकसित देशों के समकक्ष खड़ा है. विश्व तेजी से एक डिजिटल परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है. इस क्षेत्र में भारत भी रफ्तार पकड़ रहा है. हालाँकि, डिजिटलीकरण की प्रगति, असमान रही है. इसमें उल्लेखनीय रूप से डिजिटल डिवाइड है, जो देश में विद्यमान सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को प्रतिबिम्बित करती हैं. भारत सरकार द्वारा 2015 में लॉन्च किया गया 'डिजिटल इंडिया' नामक एक प्रमुख कार्यक्रम के तहत् देश को 'डिजिटल' बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं. इसका विजन भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञानवान अर्थव्यवस्था में बदलना है. हालाँकि, डिजिटलीकरण की प्रगति असमान रही है. डिजिटल रूप से असम्बद्ध प्रायः वे लोग हैं, जो सामाजिक आर्थिक पायदान पर या तो सबसे निचले स्तर पर हैं या हाशिए पर रहने वाले समुदाय से हैं, जिन्हें डिजिटलीकरण के लाभ उठाने से बाहर रखा गया है. बढ़ते 'डिजिटल डिवाइड' के परिणामस्वरूप हाशिए पर रह रहे समूहों की शिक्षा, स्वास्थ्य और वित्तीय समावेशन जैसी आवश्यक एवं बुनियादी सेवाओं तक पहुँच में बाधा उत्पन्न हो रही है और असमानताएं और अधिक बढ़ती जा रही हैं.

डिजिटल डिवाइड

डिजिटल प्रौद्योगिकी के विकास के साथ प्रौद्योगिकी तक पहुँच और सूचना की असमानता की बढ़ती चिंताएं भी हैं. जैसा कि OECD द्वारा परिभाषित किया गया है, डिजिटल डिवाइड 'सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों (ICTs)' तक पहुँचने के उनके अवसरों और विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के लिए इंटरनेट के उपयोग दोनों के सम्बन्ध में विभिन्न सामाजिक-आर्थिक स्तरों पर व्यक्तियों, घरों, व्यवसायों और भौगोलिक क्षेत्रों के बीच की खाई को सन्दर्भित करता है. यह देशों के बीच और देश के भीतर विभिन्न अंतरों को दर्शाता है. यह सिर्फ उन लोगों के बारे में नहीं है जिनकी डिजिटल संसाधनों तक पहुँच है और जिनके पास नहीं है; यह उनके बारे में भी नहीं है जिनके पास डिजिटल संसाधन है और जिनके पास नहीं है. यह उन लोगों के बारे में है, जो डिजिटल संसाधनों और उनके प्रयोगों तथा उपयोगों को जानते हैं या नहीं जानते हैं और जो उन संसाधनों को प्रयुक्त करते हैं या नहीं करते हैं; यह उनके बारे में है, जो बाकी दुनिया के साथ संवाद कर सकते हैं और जो नहीं कर सकते.

डिजिटल डिवाइड पर दो विपरीत सैद्धांतिक दृष्टिकोण हैं. तकनीकी प्रसार सामान्यीकरण मॉडल उम्मीद करता है कि तकनीकी विस्तार धीमा हो सकता है, लेकिन अंततः सामान्यीकरण मार्ग इसका अनुसरण करता है और सूचना एवं संचार प्रोद्यौगिकी (आईसीटी) सभी देशों और समाज के वर्गों में जड़ें जमा लेती है. प्रौद्योगिकियों के प्रसार का स्तरीकरण मॉडल, इसके विपरीत मानता है कि विशेषाधिकार प्राप्त सामाजिक समूह और विकसित देश डिजिटल अर्थव्यवस्था में अपनी बढ़त बनाए रखेंगे, भले ही दुनिया भर में डिजिटल उठाव बढ़ रहा हो, जिससे डिजिटल असमानता बनी रहे. संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना मोहम्मद ने तो यहाँ तक दावा किया है कि डिजिटल डिवाइड में 'असमानता का नया चेहरा' होने की क्षमता है.

डिजिटल डिवाइड के परिणामस्वरूप असमानताओं के बढ़ने का जोखिम सबसे कम विकसित देशों में सबसे अधिक रहता है, जो तकनीकी क्षमताओं का निर्माण करने में सक्षम नहीं हैं और पिछड़ रहे हैं. एक ऐसी दुनिया में जो तेज गति से डिजिटलीकरण कर रही है, प्रौद्योगिकियों की पहुँच और उपयोग में बढ़ता डिजिटल विभाजन महत्वपूर्ण तरीके से ध्यान देने की माँग करता है. इसलिए, वास्तविक 'पहुँच' और प्रभावी 'उपयोग' पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है, जोकि डिजिटल डिवाइड की परिभाषा पर जोर देता है. पहुँच और उपयोग के मुद्दों को सम्बोधित किए बिना, केवल डिजिटल तकनीकी अवसंरचना की उपस्थिति मात्र ही डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए पर्याप्त नहीं है.

डिजिटल विभाजन के निर्धारक तत्व

इस विचार पर शोधकर्ताओं और नीति विशेषज्ञों के बीच एक आम सहमति है कि डिजिटल डिवाइड केवल उन लोगों के बीच का अंतर नहीं है, जिनके पास आईसीटी और इंटरनेट तक पहुँच है और जिनके पास नहीं है. इंटरनेट सोसायटी—एक वैश्विक तकनीकी अवसंरचना के रूप में इंटरनेट के विकास में विशेषज्ञता रखने वाली एक गैर-लाभकारी संस्था ने उन कारकों की एक सूची तैयार की है, जो डिजिटलीकरण में असमानताओं को जन्म देते हैं.

(i) **उपलब्धता**—क्या आपके क्षेत्र में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है? क्या इंटरनेट से कोई नजदीकी बिन्दु है? ऐसी उपलब्धता इंटरनेट एक्सेस का पहला कदम है.

(ii) **वहन करने योग्य (अफोर्डेबिलिटी)**—क्या वह पहुँच अफोर्डेबल है? अन्य आवश्यक वस्तुओं की तुलना में डिजिटल संसाधनों और सेवाओं की लागत कितनी है? डिजिटल संसाधनों तक पहुँच तक लोगों को अपनी आय का कितना प्रतिशत भुगतान करने की आवश्यकता है?

(iii) **सेवा की गुणवत्ता**—क्या इंटरनेट उपयोग-कर्ताओं की स्थानीय जरूरतों के लिए अपलोड और डाउनलोड की गति पर्याप्त है.

(iv) **प्रासंगिकता**—क्या इन्टरनेट से जुड़े हुए समुदाय के पास आवश्यक कौशल और प्रौद्योगिकियाँ हैं? क्या इंटरनेट तक पहुँच की प्रासंगिकता के बारे में स्थानीय रुचि और समझ है? क्या स्थानीय रूप से मोबाइल एप्प उपलब्ध हैं? क्या स्थानीय भाषा में सामग्री इन्टरनेट पर उपलब्ध है और क्या यह समुदाय के लोगों के लिए प्रासंगिक है?

(v) **अतिरिक्त विभाजन**—अन्य क्षेत्र, जो डिजिटल असमानता पैदा कर सकते हैं उनमें सुरक्षा, इंटरकनेक्टिविटी, डिजिटल साक्षरता, सामाजिक मानदंड और उपकरणों तक पहुँच शामिल हैं.

भारत में डिजिटल डिवाइड

ऑक्सफेम इंडिया द्वारा अभी हाल ही में प्रकाशित 'डिजिटल डिवाइड—इंडिया इनेकुअलिटी रिपोर्ट 2022' में भारत में डिजिटल सेवाओं की उपलब्धता पहुँच एवं उपयोग के क्षेत्र में विद्यमान असमानताओं पर विस्तार से चर्चा की गई है. रिपोर्ट के अनुसार भारत में अमीर और गरीब, शहरी क्षेत्रों और ग्रामीण क्षेत्रों, पुरुषों और महिलाओं और विभिन्न जाति और धार्मिक समूहों के बीच डिजिटल विभाजन के स्पष्ट प्रमाण है. यह विभाजन मौजूदा सामाजिक आर्थिक

असमानताओं को दर्शाता है—इसका अर्थ यह है कि अक्सर हाशिए पर रहने वाले समूहों के लोग सबसे कम डिजिटल है, जबकि विशेषाधिकार प्राप्त समूह डिजिटलीकरण का लाभ उठा रहे हैं. ग्रामीण और शहरी भारत के बीच डिजिटल विभाजन भी प्रमुख है. डिजिटल सेवाओं की उपलब्धता और उपयोग के मामले में जहाँ भारत के मेट्रोपॉलिटन शहर विश्व के कुछ सबसे विकसित देशों के बराबर हैं, वहीं बिहार और ओडिशा जैसे राज्यों के ग्रामीण क्षेत्र विश्व के अनेक सबसे कम विकसित देशों से भी बदतर हैं.

डिजिटलीकरण में असमानता, जल्द ही, इस तक सीमित नहीं रही कि कौन सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों (ICTs) का उपयोग कर सकता है और कौन नहीं कर सकता है, बल्कि ऐसी सभी सेवाओं और सुविधाओं के वास्तविक समय के उपयोग तक में परिलक्षित हो रही है, जो डिजिटल प्रौद्योगिकियों से जटिल रूप से बँधे हुए हैं.

डिजिटल विभाजन काफी हद तक सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों तक असमान पहुँच और उपयोग से उपजा है. सामाजिक आर्थिक कारक जैसे कि लैंगिक सामाजिक मानदंड, सामर्थ्य, भौगोलिक स्थिति और डिजिटल साक्षरता के स्तर यह निर्धारित करते हैं कि उपलब्ध गैजेट्स का मालिक कौन है और कौन इसका उपयोग कर सकता है? उदाहरण के लिए, लैंगिक सामाजिक मानदंड अक्सर पुरुषों और महिलाओं के लिए उचित व्यवहार निर्धारित करते हैं. इसके परिणामस्वरूप पुरुषों की तुलना में डिजिटल परिवर्तन में महिलाओं के आत्मसात् करने का स्तर तुलनात्मक रूप से कम रहा है. डिजिटल सेवाओं की उपलब्धता एवं उपयोग दोनों में ही ग्रामीण-शहरी विभाजन भी है. गत वर्ष के समय में 13 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि दर के बावजूद, ग्रामीण आबादी का केवल 31 प्रतिशत ही इंटरनेट का उपयोग करता है, जबकि भारत की शहरी आबादी का 67 प्रतिशत इंटरनेट का उपयोग करता है.

परिवारों के बीच आय एवं सम्पत्ति की असमानता—आधारित डिजिटल विभाजन भी पाया है और यह देखा गया है कि बेहतर आय वाली आबादी के पास सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) अपनाने की बेहतर सम्भावनाएं हैं. आईसीटी और इंटरनेट की पहुँच और उपयोग में डिजिटल विभाजन के परिणाम स्वरूप शिक्षा, स्वास्थ्य और वित्त जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण 3 क्षेत्रों में एक बहिष्करण परिणाम परिलक्षित हुआ है.

ऑनलाइन कक्षाओं की ओर जोर और प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा में डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर महामारी से पहले का है, लेकिन भौतिक बैठकों और स्थानों पर महामारी-प्रेरित प्रतिबंधों के कारण इसने अधिक-से-अधिक लोगों का ध्यान आकर्षित किया है. राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (2017-18) के अनुसार विभिन्न जातियों और छात्रों के आय समूहों के बीच 'डिजिटल विभाजन' स्पष्ट है. किसी भी पाठ्यक्रम में नामांकित छात्रों में से केवल 9 प्रतिशत के पास इंटरनेट के साथ एक कम्प्यूटर तक पहुँच थी और नामांकित छात्रों के 25 प्रतिशत के पास किसी भी प्रकार के उपकरणों के माध्यम से इंटरनेट तक पहुँच थी.

महामारी के दौरान मध्याह्न भोजन और पाठ्यपुस्तकों के प्रावधान पर विचार करने में भी डिजिटल शिक्षा विफल रही है.

इंटरनेट का उपयोग भी तेजी से एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा माना जा रहा है. स्वास्थ्य विशेषज्ञ अब जोर देते हैं कि ब्रॉडबैंड इंटरनेट का उपयोग स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारक के रूप में पहचाना जाना चाहिए. स्वास्थ्य क्षेत्र में जिस तेजी के साथ डिजिटल क्रांति आई है, उसे ध्यान में रखते हुए, इंटरनेट तक पहुँच की कमी का अर्थ है महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सूचनाओं और संसाधनों से बाहर रखा जाना.

वित्त क्षेत्र की डिजिटल क्रांति ने ऐसे लोगों/वर्गों को डिजिटल संसाधनों और सेवाओं से दूर रखा है जिनके पास डिजिटल संसाधन नहीं हैं. ऐसे लोग समावेशी वित्त से प्राप्त होने वाले लाभों से वंचित रहे हैं. सबसे अमीर 60 प्रतिशत द्वारा डिजिटल भुगतान की सम्भावना भारत में सबसे गरीब 40 प्रतिशत की तुलना में 4 गुना अधिक है. ग्रामीण भारत में, औपचारिक वित्तीय सेवाओं का उपयोग करने की प्रवृत्ति अनुसूचित जनजाति परिवारों के लिए सबसे कम है, अनुसूचित जाति परिवारों के लिए दूसरी सबसे कम और अन्य पिछड़ा वर्ग परिवारों के लिए तीसरी सबसे कम है.

कम्प्यूटर की उपलब्धता

- अधिकांश आबादी के पास कम्प्यूटर तक पहुँच नहीं है. हालाँकि, एससी और एसटी आबादी की तुलना में सामान्य और ओबीसी समूहों के लिए कम्प्यूटर तक पहुँच की सम्भावना अधिक है.
- 2018 और 2021 के बीच सामान्य वर्ग और एसटी के बीच का अंतर 7 से 8 प्रतिशत के बराबर है. बिना कम्प्यूटर वाले एससी और एसटी का प्रतिशत ज्यादातर नहीं बदला है, लेकिन बिना कम्प्यूटर वाले सामान्य और ओबीसी का प्रतिशत महामारी के दौरान थोड़ा बढ़ा है.
- भारत में सबसे गरीब 20 प्रतिशत घरों में, केवल 2·7 प्रतिशत के पास कम्प्यूटर और 8·9 प्रतिशत के पास इंटरनेट सुविधाएं हैं, जबकि सबसे अमीर परिवारों में यह अनुपात क्रमशः 27·6 प्रतिशत और 50·5 प्रतिशत है.
- बिना पढ़े-लिखे व्यक्ति की तुलना में पोस्ट-ग्रेजुएट या पीएचडी डिग्री वाले व्यक्ति के पास कम्प्यूटर होने की सम्भावना 40 प्रतिशत अधिक होती है.
- स्थायी वेतनभोगी कर्मचारियों के समूह के पास सबसे अधिक कम्प्यूटर हैं. कम्प्यूटर रखने वाले स्थायी वेतनभोगी और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के प्रतिशत के बीच का अंतर जनवरी से अप्रैल 2018 तक 22 प्रतिशत था और 2021 के अंत तक 15 प्रतिशत था.
- अनुमान बताते हैं कि ग्रामीण आबादी की तुलना में शहरी आबादी में कम्प्यूटर होने की सम्भावना 7 से 8 प्रतिशत अधिक है. महामारी से पहले और बाद के आँकड़ों की तुलना करें, तो महामारी के बाद 99 प्रतिशत ग्रामीण आबादी के पास कम्प्यूटर नहीं था—ग्रामीण आबादी के पास कम्प्यूटर की उपलब्धता में 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि शहरी आबादी में 7 प्रतिशत से 91 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई.
- सभी धर्मों में, कम्प्यूटर होने की सम्भावना सिखों और ईसाइयों के लिए सबसे अधिक है, इसके बाद क्रमशः हिन्दू और मुस्लिम हैं. 2021 के अंत तक 98 प्रतिशत मुसलमानों की तुलना में 88 प्रतिशत सिखों के पास कम्प्यूटर नहीं था.
- कम आय वाले लोगों के पास कम्प्यूटर होने की सम्भावना कम होती है. जैसे-जैसे आय का स्तर बढ़ता है, कम्प्यूटर होने की सम्भावना बढ़ जाती है. 2018 के जनवरी से अप्रैल के दौरान, कम्प्यूटर तक पहुँच में पहले और आखिरी दशक के बीच 26 प्रतिशत का अंतर था, जो 2021 के अंत तक घटकर 16 प्रतिशत हो गया, जो अभी भी एक महत्वपूर्ण अंतर बनाए हुए है.

मोबाइल

- 2021 में भारत में 1·2 बिलियन मोबाइल ग्राहक थे, जिनमें से लगभग 750 मिलियन स्मार्टफोन उपयोगकर्ता थे.
- औसतन, जनवरी से अप्रैल 2018 तक, सामान्य श्रेणी में एसटी की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक फोन होने की सम्भावना थी. यह अंतर 2021 के अंत

तक घटकर 3 प्रतिशत रह गया. सेल फोन पर मासिक खर्च के सम्बन्ध में, सामान्य और ओबीसी अधिक हैं अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की तुलना में सेल फोन शुल्क पर ₹ 400 से अधिक खर्च करने की सम्भावना थी. महामारी से पहले एससी, एसटी और ओबीसी के ₹ 100 से कम खर्च करने की सम्भावना अधिक थी. हालाँकि, महामारी के बाद, वे ₹ 400 से अधिक खर्च करने की सम्भावना थी. सामान्य श्रेणी, SC की तुलना में ₹ 400 से अधिक खर्च करने की औसतन सम्भावना 10 प्रतिशत अधिक है.

- फोन रखने वाले पुरुषों का प्रतिशत महिलाओं की तुलना में अधिक है. 2021 के अंत तक 61 प्रतिशत पुरुषों के पास मोबाइल फोन था, जबकि 31 प्रतिशत महिलाओं के पास मोबाइल फोन था. मोबाइल फोन की उपलब्धता में अन्तराल 30 प्रतिशत था, जबकि कुछ शोध बताते हैं कि मोबाइल फोन का स्वामित्व महिला सशक्तिकरण में सहायता नहीं कर सकता है.
- व्यापक शोधों से पता चला है कि महिलाओं के पास मोबाइल फोन होने से महिलाओं की सूचना गरीबी को कम करने; स्वतंत्र निर्णय लेने में; समर्थन नेटवर्क का विस्तार करने में और स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुँच प्रदान करने में सहायता मिलती है.
- शिक्षा के स्तर में वृद्धि के साथ फोन रखने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत बढ़ता है. बिना पढ़े-लिखे व्यक्ति की तुलना में पीएचडी वाले व्यक्ति के पास फोन होने की सम्भावना 60 प्रतिशत अधिक होती है.
- जो बेरोजगार हैं और नौकरी के इच्छुक नहीं हैं या नौकरी की तलाश नहीं कर रहे हैं, उनमें फोन के बिना उत्तरदाताओं का उच्चतम प्रतिशत 60 से अधिक है. वेतनभोगी स्थायी कर्मचारियों के पास फोन के साथ उत्तरदाताओं की सबसे बड़ी संख्या है, लगभग 94 प्रतिशत, और 50 प्रतिशत से कम बेरोजगार फोन के साथ हैं.
- फोन रखने वाली शहरी आबादी का प्रतिशत ग्रामीण आबादी की तुलना में 12-14 प्रतिशत अधिक है.

डिजिटल विभाजन को पाटने की रणनीति

उच्च सामाजिक आर्थिक असमानता से त्रस्त देश में, डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को भौतिक दुनिया की अंतर्निहित चुनौतियों के लिए रामबाण के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है. यह समस्या उस अवस्था में और अधिक गम्भीर हो जाती है जब आधी आबादी के पास न तो गैजेट्स और इंटरनेट तक पहुँच है और न ही डिजिटल वातावरण में जाने के लिए तकनीकी जानकारी है. ऐसी परिस्थितियों में, डिजिटलीकरण की प्रक्रिया असमान हो जाती है, बाकी को बाहर करते हुए डिजिटल रूप से जुड़े लोगों का पक्ष लेती है और कुछ मामलों में, पहले से मौजूद असमानताओं को और बढ़ा देती है. डिजिटल तकनीक अपने साथ बहुत सारी बाधाएं और चुनौतियाँ लाती हैं, जिन्हें एक समावेशी, लचीले और एक स्थायी डिजिटल वातावरण के लिए सम्बोधित करने की आवश्यकता है.

- रिपोर्ट आर्थिक असमानता को डिजिटल डिवाइड के चालक की एक कुंजी के रूप में उजागर करती है. इसके लिए, गरीबों की आय में सुधार करके आय असमानता को समाप्त करने के सरकार के प्रयास अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं और इसके परिणाम दूरगामी हो सकते हैं. ऐसा निम्नलिखित तरीके से किया जा सकता है–
- उचित न्यूनतम जीवित मजदूरी निर्धारित करना.
- नागरिकों पर अप्रत्यक्ष कर के बोझ को कम करना.
- सार्वभौमिक स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं का प्रावधान करना.
- डिजिटल विभाजन को पाटने की दिशा में सबसे बुनियादी कदम डिजिटल संसाधनों और सेवाओं की उपलब्धता में निहित है. ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में, इंटरनेट की उपलब्धता या तो रुक-रुक कर होती है. खराब होती है या न के बराबर होती है. सेवा प्रदाताओं को सामुदायिक नेटवर्क और सार्वजनिक वाईफाई/इंटरनेट एक्सेस पॉइंट के माध्यम से इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करने की आवश्यकता है. सामुदायिक नेटवर्क क्राउडसोर्स्ड नेटवर्क का एक उपसमुच्चय है, जिसे खुले, मुक्त और तटस्थ होने के लिए डिजाइन किया गया है और अक्सर एक साझा संसाधन के रूप में साझा बुनियादी ढाँचे पर निर्भर करता है. वे आमतौर पर समुदायों द्वारा नीचे से ऊपर के दृष्टिकोण के साथ निर्मित, उपयोग और प्रबंधित किए जाते हैं. ऐसे नेटवर्क में अच्छी गुणवत्ता वाली अपलोड और डाउनलोड गति भी होनी चाहिए, जो इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की स्थानीय जरूरतों के लिए पर्याप्त हो.
- इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिए सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए, यह जनता के लिए सस्ती होनी चाहिए.
- कीमतों को कम करने के लिए, सरकार न केवल इंटरनेट को सस्ता बनाने के लिए डिजिटल बुनियादी ढाँचे में बड़े पैमाने पर निवेश करे, बल्कि स्मार्टफोन तक अधिक पहुँच भी सुनिश्चित करे.
- सरकार को इस सम्बन्ध में एक मजबूत नियामक बनना होगा, यह सुनिश्चित करना होगा कि डेटा और ब्रॉडबैंड सेवाओं पर निजी खिलाड़ियों का एकाधिकार न हो.
- इसके अतिरिक्त, सरकार कम्प्यूटर और फोन पर कर कम कर सकती है, जो अक्सर निषेधात्मक रूप से अधिक होते हैं.
- स्कूलों में प्रौद्योगिकी के उपयोग को सिखाने के लिए और पंचायतों और स्कूलों को डिजिटल बनाने के लिए, विशेष रूप से ग्रामीण भारत में डिजिटल साक्षरता शिविरों का आयोजन करना.
- माता-पिता, बच्चों और अन्य उपभोक्ताओं द्वारा एडटेक और हेल्थटेक से सम्बन्धित शिकायतों को सँभालने के लिए एक उत्तरदायी और जवाबदेह शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करें.
- यह स्वीकार किया जाना चाहिए कि तकनीक-आधारित समाधान सदैव अच्छे ही नहीं होते हैं.
- यहाँ तक कि महामारी जैसे संकट के समय में भी सरकारों को कम या बिना तकनीक वाले समाधानों पर विचार करने की आवश्यकता हुई. ●●●

A Book for All Candidates

UPKAR

EVER LATEST GENERAL KNOWLEDGE

(Including Objective Type Questions)

By : Khanna & Verma

Price : ₹ 170/-

UPKAR PRAKASHAN
AGRA–5

फोकस 2

सामाजिक प्रगति सूचकांक (एसपीआई) 2022

✍ मधूलिका सिंह

भारत ने पिछले 75 वर्षों में आर्थिक विकास के मामले में उल्लेखनीय प्रगति की है. भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार ₹ 236·65 लाख करोड़ हो गया है. प्रचलित कीमतों पर प्रति व्यक्ति आय 2021-22 में ₹ 1,72,913 हो गई है. आर्थिक विकास का यह स्तर सामाजिक क्षेत्र के संकेतकों में परिलक्षित नहीं हो रहा है. राष्ट्रीय आय या प्रति व्यक्ति आय में उच्च वृद्धि दर को सामाजिक प्रगति का सटीक और सर्वमान्य संकेतक नहीं माना जा सकता. कुछ सामान्य उपायों में मानव विकास सूचकांक (एचडीआई), वास्तविक प्रगति संकेतक, खुशी सूचकांक आदि शामिल हैं. महबूब-उल-हक ने 1990 में एचडीआई को आय माप तकनीकों के बजाय लोगों-केन्द्रित नीतियों पर ध्यान केन्द्रित करने के एकमात्र उद्देश्य से तैयार किया. एचडीआई आय, शिक्षा और जीवन प्रत्याशा के लिए संकेतक लेकर आर्थिक और सामाजिक दोनों कारकों को ध्यान में रखता है. 1995 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के विकल्प के रूप में प्रगति को फिर से परिभाषित करने से वास्तविक प्रगति संकेतक (जीपीआई) का निर्माण हुआ. इन सूचकांकों के साथ समस्या यह है कि या तो वे प्रकृति में व्यक्तिपरक हैं या वे आर्थिक और सामाजिक दोनों संकेतकों को ध्यान में रखते हैं.

जीपीआई नीति निर्माताओं को राष्ट्रीय, राज्य, क्षेत्रीय, या स्थानीय स्तर पर यह मापने के लिए सक्षम बनाता है कि उनके नागरिक आर्थिक और सामाजिक दोनों क्षेत्रों में कितनी अच्छी प्रगति कर रहे हैं. कुछ अन्य सूचकांक जैसे कि हरित सकल घरेलू उत्पाद (ग्रीन जीडीपी), प्रसन्न ग्रह सूचकांक (हैप्पी प्लैनेट इंडेक्स) आदि ने जीडीपी को संशोधित करके भी इस चिंता को दूर करने की कोशिश की है. इन सूचकांकों के साथ समस्या यह है कि या तो वे प्रकृति में व्यक्तिपरक हैं या वे आर्थिक सामाजिक संकेतक दोनों को ध्यान में रखते हैं.

सोशल प्रोग्रेस इंपीरेटिव द्वारा विकसित सामाजिक प्रगति सूचकांक (एसपीआई) भी उसी दिशा में एक कदम है, लेकिन बाकी सूचकांकों की तुलना में एक अलग दृष्टिकोण के साथ. यह सामाजिक और पर्यावरणीय संकेतक जो भलाई के उपाय के रूप में सकल घरेलू उत्पाद के पूरक हो सकते हैं, पर आधारित सामाजिक प्रगति का एक मजबूत और व्यापक माप प्रदान करने पर केन्द्रित एक उपकरण है.

यह इस समझ पर आधारित है कि सामाजिक प्रगति के बिना आर्थिक विकास बहिष्करण, पर्यावरणीय गिरावट और सामाजिक असंतोष को जन्म देगा. सूचकांक ऐसा पहला समग्र उपकरण है जिसे सकल घरेलू उत्पाद से स्वतंत्र सामाजिक प्रगति को मापने के लिए डिजाइन किया गया है.

इसी आधार पर इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्पिटिवनेस एवं सोशल प्रोग्रेस इम्पेरेटिव द्वारा वैश्विक स्तर पर सामजिक प्रगति सूचकांक की तर्ज पर भारत के सभी राज्यों, केन्द्रशासित क्षेत्रों, जनपदों तथा आकांक्षी जनपदों की सामजिक प्रगति का विश्लेषण किया गया है.

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् ने इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्पिटिवनेस एण्ड सोशल प्रोग्रेस इम्पेरेटिव के साथ 20 दिसम्बर, 2022 को प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (ईएसी-पीएम) द्वारा भारत के राज्यों और जिलों के लिए सामाजिक प्रगति सूचकांक जारी किया.

एसपीआई एक विस्तृत साधन है, जो राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय स्तरों पर किसी देश की सामाजिक प्रगति के समग्र मापदण्ड के रूप में काम कर सकता है. सूचकांक सामाजिक प्रगति के 3 महत्वपूर्ण आयामों—बुनियादी मानव आवश्यकताओं, कल्याण की नींव और अवसर में 12 घटकों के आधार पर राज्यों और जिलों का आकलन करता है. सूचकांक एक व्यापक ढाँचे का उपयोग करता है जिसमें राज्य स्तर पर 89 संकेतक और जिला स्तर पर 49 संकेतक शामिल हैं.

- **बुनियादी मानवीय आवश्यकताएं**—पोषण और बुनियादी चिकित्सा देखभाल, जल और स्वच्छता, व्यक्तिगत सुरक्षा और आश्रय के सन्दर्भ में राज्यों और जिलों के प्रदर्शन का आकलन करती हैं.
- **फाउंडेशन ऑफ वेलबीइंग**—बुनियादी ज्ञान तक पहुँच, सूचना और संचार तक पहुँच, स्वास्थ्य और कल्याण और पर्यावरणीय गुणवत्ता के घटकों में देश द्वारा की गई प्रगति का मूल्यांकन करता है.
- **अवसर**—व्यक्तिगत अधिकारों, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद, समावेशिता और उन्नत शिक्षा तक पहुँच पर केन्द्रित है.

एसपीआई स्कोर के आधार पर, राज्यों और जिलों को सामाजिक प्रगति के 6 स्तरों के तहत् रैंक किया गया है. टीयर 1—बहुत उच्च सामाजिक प्रगति; टीयर 2—उच्च सामाजिक प्रगति; टीयर 3—ऊपरी मध्य सामाजिक प्रगति; टीयर 4—निम्न मध्य सामाजिक प्रगति, टीयर 5—कम सामाजिक प्रगति और टीयर 6—बहुत कम सामाजिक प्रगति.

पुदुचेरी का देश में उच्चतम एसपीआई स्कोर 65·99 है, जिसका श्रेय व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद, आश्रय, और जल और स्वच्छता जैसे घटकों में इसके उल्लेखनीय प्रदर्शन को दिया जाता है. लक्षद्वीप और गोवा क्रमशः 65·89 और 65·53 के स्कोर के साथ इसके पीछे हैं. झारखण्ड और बिहार ने सबसे कम, क्रमशः 43·95 और 44·47 स्कोर दर्ज किया.

बुनियादी मानवीय आवश्यकताओं के परिमाण के लिए, गोवा, पुदुचेरी, लक्षद्वीप और चंडीगढ़ अन्य राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों की तुलना में जल और स्वच्छता और आश्रय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 4 राज्य हैं. इसके अलावा, गोवा का जल और स्वच्छता के लिए उच्चतम घटक स्कोर है, इसके बाद केरल है, पोषण और बुनियादी चिकित्सा देखभाल घटक में जिसका उच्चतम स्कोर है. आश्रय और व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए, चंडीगढ़ और नगालैण्ड क्रमशः प्रबल दावेदार के रूप में उभरे हैं.

मिजोरम, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और गोवा कल्याण की नींव के लिए सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों के रूप में उभरे हैं. बुनियादी ज्ञान घटक तक पहुँच के आयाम के भीतर, पंजाब का उच्चतम घटक स्कोर 62·92 है, जबकि दिल्ली 71·30 के स्कोर के साथ सूचना और संचार तक पहुँच की सूची में सबसे ऊपर है. स्वास्थ्य और कल्याण के लिए, राजस्थान का उच्चतम घटक स्कोर 73·74 है. पर्यावरणीय गुणवत्ता के लिए, पूर्वोत्तर क्षेत्र के शीर्ष तीन राज्य मिजोरम, नगालैण्ड और मेघालय हैं.

अंत में, तमिलनाडु ने अवसर आयाम के लिए 72·00 का उच्चतम घटक स्कोर हासिल किया है. इस आयाम के भीतर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का व्यक्तिगत अधिकारों के लिए उच्चतम घटक स्कोर है, जबकि सिक्किम समावेशिता की सूची में सबसे ऊपर है. पुदुचेरी को इस आयाम में दो घटकों में उच्चतम स्कोर, अर्थात् व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद और उन्नत शिक्षा तक पहुँच की उपलब्धि में देखना सराहनीय है.

राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों का सामजिक प्रगति सूचकांक में स्कोर और रैंक		
राज्य	एसपीआई	रैंक
टीयर-I : अति उच्च सामाजिक प्रगति		
पुदुचेरी	65·99	1
लक्षद्वीप	65·89	2
गोवा	65·53	3
सिक्किम	65·1	4
मिजोरम	64·19	5
तमिलनाडु	63·33	6
हिमाचल प्रदेश	63·28	7
चंडीगढ़	62·37	8
केरल	62·05	9
टीयर-II : उच्च सामाजिक प्रगति		
जम्मू-कश्मीर	60·76	10
पंजाब	60·23	11
दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव	59·81	12
लद्दाख	59·53	13
नगालैण्ड	59·24	14
अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह	58·76	15
टीयर-III : ऊपरी मध्य सामाजिक प्रगति		
उत्तराखण्ड	58·26	16
कर्नाटक	56·77	17
अरुणाचल प्रदेश	56·56	18
दिल्ली	56·28	19
मणिपुर	56·27	20
टीयर-IV : निम्न मध्य सामाजिक प्रगति		
हरियाणा	54·15	21
गुजरात	53·81	22
आंध्र प्रदेश	53·6	23
मेघालय	53·22	24
पश्चिम बंगाल	53·13	25
तेलंगाना	52·11	26
त्रिपुरा	51·7	27
छत्तीसगढ़	51·36	28
महाराष्ट्र	50·86	29
राजस्थान	50·69	30
टीयर-V : निम्न सामाजिक प्रगति		
उत्तर प्रदेश	49·16	31
ओडिशा	48·19	32
मध्य प्रदेश	48·11	33
टीयर-VI : बहुत कम सामाजिक प्रगति		
असम	44·92	34
बिहार	44·47	35
झारखण्ड	43·95	36

2015-16 के बाद से कुछ प्रमुख संकेतकों के प्रदर्शन में बदलाव का मूल्यांकन करके, रिपोर्ट भारत में सामाजिक प्रगति की एक व्यापक तस्वीर प्रस्तुत करती है. इसके अलावा, रिपोर्ट देश के 112 आकांक्षी जिलों द्वारा की गई प्रगति पर प्रकाश डालती है, जिससे उन्हें अपने सामाजिक प्रगति पर नजर रखने और उन क्षेत्रों को समझने में मदद मिलती है जिन पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है.

रिपोर्ट के निष्कर्ष एक मजबूत कार्यप्रणाली और गहन शोध और विश्लेषण पर आधारित हैं, जो आने वाले वर्षों में नीति-निर्माताओं के लिए सूचित निर्णय लेने का मार्ग प्रशस्त करते हैं. यह सामाजिक प्रगति यात्रा में अगले चरण की शुरूआत को भी चिह्नित करते हैं और देश में सामाजिक प्रगति के कारण को आगे बढ़ाने की उम्मीद करते हैं.

अपनी प्रारम्भिक टिप्पणी में, डॉ. अमित कपूर, मानद अध्यक्ष, प्रतिस्पर्धात्मकता संस्थान और लेक्चरर, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय ने समझाया, "सामाजिक प्रगति सूचकांक रिपोर्ट कार्य करने का एक स्वतंत्र निकाय है जहाँ सामाजिक प्रगति के 3 स्तम्भों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है—बुनियादी मानवीय आवश्यकताएं, कल्याण की नींव और अवसर. भारतीय सन्दर्भ में इतनी गहराई और विश्लेषण के साथ सामाजिक मापदंडों को देखने वाला कोई सूचकांक नहीं रहा है. अगला कदम समय के साथ परिवर्तनों और उन परिवर्तनों के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए इन संकेतकों का एक लम्बवत् मूल्यांकन करना है."

इंडेक्स में सोशल प्रोग्रेस इंडेक्स के सीईओ माइकल ग्रीन का योगदान है, जिन्होंने कहा, "सोशल प्रोग्रेस इंडेक्स रिपोर्ट बेंचमार्किंग की शक्ति को उजागर करती है और एक उपकरण प्रदान करती है, जो भारत के लोगों के लिए मापनीय और व्यावहारिक कार्य उत्पन्न करने के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर सरकारों के लिए प्रासंगिक है. यह आर्थिक और सामाजिक प्रगति पर ध्यान केन्द्रित करके समावेशी विकास लाने की दिशा में काम करने के लिए सरकार, व्यवसायों और नागरिक समाज के लिए एक आम भाषा के रूप में कार्य कर सकता है."

जनपदवार सामाजिक प्रगति का विश्लेषण

जिला-स्तरीय विश्लेषण के लिए, जिलों को 6 स्तरों के आधार पर वर्गीकृत किया गया है—

टीयर-1 बहुत उच्च सामाजिक प्रगति. इन जिलों का एसपीआई स्कोर 64·19-72·90 के बीच है. (जनपद-58)—टीयर-1 में ऐसे जिले शामिल हैं, जिन्होंने सामाजिक प्रगति के सन्दर्भ में करीब-करीब पूर्ण स्कोर प्राप्त किए हैं. आईजोल (मिजोरम) ने 72·90 का उच्चतम एसपीआई स्कोर प्राप्त किया है मिजोरम के 5 और जिले इस श्रेणी में शामिल हैं, जिनके नाम लुंगी (69·80), चम्फाई (67·93), सेरछिप (67·77), सैहा (65·79) और ममित (64·84) हैं. मिजोरम के जिलों के उल्लेखनीय प्रदर्शन का श्रेय घटकों में इसकी उपलब्धियों को दिया जा सकता है, विशेष रूप से व्यक्तिगत सुरक्षा, समावेशिता, पर्यावरणीय गुणवत्ता, आश्रय, जल और स्वच्छता और व्यक्तिगत अधिकार.

उत्तराखण्ड के 69 प्रतिशत से अधिक जिलों (9) में बहुत उच्च सामाजिक प्रगति देखी गई है, जबकि अरुणाचल प्रदेश के 30 प्रतिशत जिले (6) इस श्रेणी में आते हैं. इस वर्ग में अधिकांश जिले अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मणिपुर, मिजोरम और नगालैण्ड जैसे उत्तर-पूर्वी राज्यों के हैं.

नागपुर महाराष्ट्र का एकमात्र जिला है जिसने 65·57 के एसपीआई स्कोर के साथ बहुत उच्च सामाजिक प्रगति हासिल की है. इसे यह स्थान जल और स्वच्छता, आश्रय और व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद के सन्दर्भ में इसकी उपलब्धियों के परिणामस्वरूप प्राप्त हुआ है.

कुल मिलाकर, इस श्रेणी के अन्तर्गत आने वाले जिलों ने आश्रय, समावेशिता, जल और स्वच्छता और व्यक्तिगत सुरक्षा के मामले में असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है.

टीयर-2 उच्च सामाजिक प्रगति. इन जिलों का एसपीआई स्कोर 60·18-64·10 के बीच है (जनपद-114)—उच्च सामाजिक प्रगति स्तर में 114 जिले शामिल हैं, जिन्होंने आश्रय, जल और स्वच्छता, व्यक्तिगत सुरक्षा, व्यक्तिगत अधिकार, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद और समावेशिता जैसे विभिन्न घटकों में उच्च स्कोर प्राप्त किया है.

पंजाब के 77 प्रतिशत से अधिक जिले (जनपद-17) इस श्रेणी के हैं, मोहाली ने राज्य के भीतर उच्चतम एसपीआई स्कोर 64·10 प्राप्त किया है. इसका श्रेय जल और स्वच्छता, व्यक्तिगत अधिकार और सूचना और संचार तक पहुँच जैसे घटकों में जिले के उल्लेखनीय प्रदर्शन को दिया जा सकता है.

हालाँकि, पंजाब राज्य में सामाजिक प्रगति क्षेत्र में प्रदर्शन में सुधार के लिए स्वास्थ्य और कल्याण, पर्यावरण गुणवत्ता और उन्नत शिक्षा तक पहुँच जैसे घटकों में अभी भी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है.

इसके अलावा, तमिलनाडु के 34·37 प्रतिशत से अधिक जिले (11 जनपद) सामाजिक प्रगति के टीयर-2 से सम्बन्धित हैं, जिसमें इरोड ने 64·05 का उच्चतम एसपीआई स्कोर प्राप्त किया है, इसके बाद कांचीपुरम (63·92) और कोयम्बटूर (63·87) का स्थान है. तमिलनाडु ने आश्रय, व्यक्तिगत अधिकार, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद और समावेशिता के घटकों में उच्च अंक प्राप्त किए हैं.

जम्मू-कश्मीर के 40 प्रतिशत से अधिक जिले (8 जनपद) सूचकांक की उच्च सामाजिक प्रगति श्रेणी के हैं. इनमें से शोपियाँ का उच्चतम एसपीआई स्कोर 63·11 है, जिसका श्रेय जल और स्वच्छता, पर्यावरण गुणवत्ता और समावेशिता में जिले की उपलब्धियों को जाता है.

टीयर-3 ऊपरी मध्य सामाजिक प्रगति. इन जिलों में एसपीआई स्कोर 56·40-60·02 की सीमा में है (जनपद-135)—उच्च मध्य सामाजिक प्रगति श्रेणी से सम्बन्धित जिलों ने व्यक्तिगत अधिकार, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद और आश्रय जैसे घटकों में यथोचित प्रदर्शन किया है. हालाँकि, जिलों ने पोषण और बुनियादी चिकित्सा देखभाल, बुनियादी ज्ञान तक पहुँच, स्वास्थ्य और कल्याण और उन्नत शिक्षा तक पहुँच जैसे घटकों में अपेक्षाकृत कम स्कोर किया है.

इस श्रेणी में नगालैण्ड के वोखा जिले का उच्चतम एसपीआई स्कोर 60·02 है, इसके बाद शिवगंगा (तमिलनाडु) का एसपीआई स्कोर 60·00 और पेरेन (नगालैण्ड) का एसपीआई स्कोर 59·98 है. टीयर-3 जिले तमिलनाडु में आश्रय, व्यक्तिगत अधिकार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद के मामले में अच्छा प्रदर्शन किया है. इसी तरह, नगालैण्ड में, टीयर-3 जिलों ने समग्रता, पर्यावरणीय गुणवत्ता और व्यक्तिगत सुरक्षा जैसे घटकों में अच्छा प्रदर्शन किया है.

टीयर-4 निम्न मध्य सामाजिक प्रगति. इन 147 जिलों का एसपीआई स्कोर 52·23-56·36 के बीच है—टीयर-4 जिलों ने पानी और स्वच्छता, आश्रय, व्यक्तिगत सुरक्षा, व्यक्तिगत अधिकार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद जैसे घटकों में अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन किया है. इसके अलावा, उन्नत शिक्षा, पोषण और बुनियादी चिकित्सा देखभाल और पर्यावरण गुणवत्ता घटकों तक पहुँच के सन्दर्भ में इन जिलों की स्थिति में सुधार करने के लिए बहुत कुछ करने की आवश्यकता है.

इस श्रेणी में कबीरधाम (छत्तीसगढ़) का उच्चतम एसपीआई स्कोर 56·36 है, इसके बाद डिंडीगुल (तमिलनाडु) का एसपीआई स्कोर 56·32 और अकोला (महाराष्ट्र) का एसपीआई स्कोर 56·30 है. महाराष्ट्र के 39 प्रतिशत से अधिक जिले (14) सामाजिक प्रगति की इस श्रेणी के हैं, जबकि असम के 21 प्रतिशत जिले (7) इस श्रेणी के हैं.

टीयर-5 निम्न सामाजिक प्रगति. इन 171 जिलों का एसपीआई स्कोर 47·44-52·16 के बीच है—टीयर-5 जिलों ने व्यक्तिगत अधिकार, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद और समावेशन जैसे घटकों में अच्छा प्रदर्शन किया है. कम स्कोर के कारण इन जिलों को पोषण और पोषण तक पहुँच, बुनियादी चिकित्सा देखभाल, साथ ही उन्नत शिक्षा तक पहुँच में सुधार पर काम करने की जरूरत है. उत्तर प्रदेश के 47 प्रतिशत से अधिक जिले (35) इस श्रेणी के हैं, जबकि मध्य प्रदेश के 51 प्रतिशत जिले इस श्रेणी में आते हैं.

टीयर-6 बहुत कम सामाजिक प्रगति. इन 82 जिलों का एसपीआई स्कोर 38·77-47·40 के बीच है—टीयर-6 जिलों में पोषण, बुनियादी चिकित्सा देखभाल और उन्नत शिक्षा तक पहुँच जैसे घटकों में सबसे कम स्कोर हैं. जिलों ने व्यक्तिगत अधिकारों और सूचना और संचार तक पहुँच में भी खराब प्रदर्शन किया है. बिहार के 71 प्रतिशत से अधिक जिले (27) इस श्रेणी के हैं. जल और स्वच्छता और व्यक्तिगत सुरक्षा के मामले में अच्छा स्कोर करने के बावजूद, बिहार के जिलों का उन्नत शिक्षा और पोषण और बुनियादी चिकित्सा देखभाल तक पहुँच में बहुत कम स्कोर है. इसके अलावा, उत्तर प्रदेश के लगभग 19 प्रतिशत जिले (14) इस श्रेणी के हैं.

आकांक्षी जनपदों में सामाजिक प्रगति का विश्लेषण

आकांक्षी जनपद कार्यक्रम 2018 में लॉन्च किया गया. यह कार्यक्रम इन एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स के सामाजिक-आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के लिए साक्ष्य-आधारित शासन रणनीतियों पर केन्द्रित है. सामाजिक प्रगति के आयामों में 112 आकांक्षी जिलों के प्रदर्शन का आकलन किया गया है ताकि भविष्य में नीति निर्माण प्रक्रिया को मजबूत किया जा सके.

सामाजिक प्रगति के उच्च स्तर को प्राप्त करने के लिए ADP जिलों पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है. सामाजिक प्रगति के सन्दर्भ में आकांक्षी जिलों के प्रदर्शन का विश्लेषण करने से उन हस्तक्षेपों को उजागर करना सम्भव हो जाएगा, जो ऐसे जिलों को सामाजिक प्रगति मुख्यधारा का विकास के स्तर तक ऊपर उठा सकते हैं. हालांकि हस्तक्षेप तंत्र हर जिले के लिए भिन्न हो सकता है, एसपीआई साक्ष्य-आधारित हस्तक्षेपों का मार्ग चलाता है.

आकांक्षी जिले अपनी सामाजिक चुनौतियों के मामले में देश के बाकी जिलों से अलग हैं, जिन्हें अन्य ऐसे जिलों की तुलना में तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है, जो अपनी सामाजिक प्रगति के मामले में अपेक्षाकृत अधिक उन्नत हैं.

112 एडीपी जिलों में से केवल 27 जिलों ने सामाजिक प्रगति सूचकांक में राष्ट्रीय औसत से ऊपर स्कोर किया है. इन 27 जिलों में से केवल 5 जिलों को शीर्ष 100 जिलों में जगह मिली है, जिनमें से देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के केवल दो जिले टीयर-1 यानी अति उच्च सामाजिक प्रगति में आते हैं.

दूसरी ओर, एडीपी जिलों के विश्लेषण में पाया गया कि बिहार और झारखण्ड के अधिकांश जिले देश भर के निचले 20 जिलों में हैं. बिहार (13) और झारखण्ड (19) जिनमें राज्यों में क्रमशः कुल 38 और 24 जिलों में से सबसे अधिक ADP जिले हैं. उनके किसी भी जिले ने सामाजिक प्रगति के टीयर 1, 2 और 3 में स्कोर नहीं किया है. इसलिए, राष्ट्रीय स्तर और ADP जिलों में उनका प्रदर्शन बहुत निम्न मध्य, निम्न और बहुत निम्न श्रेणियों में है.

●●●

UPKAR'S
Towards New Horizons
MODERN ESSAYS
(For Academic and Competitive Examinations, particularly for Indian Civil Services and State Services Examinations)

Code : 387
Price : ₹ 140/-

By : Brij Kishore Goyal

It Contains Essays
- Political and Historical
- Socio-Political, Social, Economic, Educational, Scientific and Environmental
- Reflective, Literary and Personality Development
- Biographical

UPKAR PRAKASHAN, AGRA–5

फोकस 3

वैश्विक जैव विविधता प्रारूप (जीबीएफ)

✍ डॉ. के. पी. सिंह

संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन के पक्षकारों के 15वें सम्मेलन (कॉप-15) का आयोजन 7–19 दिसम्बर, 2022 को कनाडा के मॉन्ट्रियल में किया गया. इस आयोजन में बनी सहमति कागजों पर तो काफी प्रभावशाली नजर आती है, लेकिन उसका क्रियान्वयन अत्यधिक कठिन सिद्ध हो सकता है. हालांकि जैव विविधता संरक्षण के वित्तीयन हेतु एक व्यापक व्यवस्था बनाने की बात तो कही गई है, लेकिन उसके बावजूद इस पर अमल कर पाना अपने आप में दुरूह कार्य हो सकता है. यह ऐतिहासिक समझौता पेरिस जलवायु संधि की तर्ज पर किया गया है और इसमें ऐसे 23 लक्ष्य तय किए गए हैं, जो 2030 तक स्थलीय, आन्तरिक जलीय और तटीय तथा समुद्री पारिस्थितिकी को हुए 30 प्रतिशत नुकसान की भरपाई कर उसे बहाल करने पर लक्षित हैं और साथ ही अहम् जैव विविधता को होने वाले भावी नुकसान को रोकने के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट करते हैं. इन लक्ष्यों को प्राप्त कर पाना आसान नहीं है, विशेष तौर तब जब अब तक केवल 17 प्रतिशत स्थलीय और 10 प्रतिशत से भी कम समुद्री क्षेत्रों का बचाव किया जा पा रहा है. दुनिया के महत्वपूर्ण जैव संसाधन पूरी तरह बचाव से रहित हैं.

नए वैश्विक जैव विविधता प्रारूप (जीबीएफ) में यह परिकल्पना की गई है कि 2030 तक सभी सार्वजनिक एवं निजी स्रोतों से न्यूनतम 200 अरब डॉलर की राशि प्रति वर्ष जुटाई जाएगी और इसकी सहायता से पृथ्वी की पारिस्थितिकी को जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी. यह भी अति महत्वाकांक्षी लक्ष्य नजर आता है, क्योंकि विकसित देश 2009 में जलवायु परिवर्तन पर नियंत्रण के लिए उत्सर्जन कम करने के क्रम में सालाना 100 अरब डॉलर का फंड जुटाने पर सहमत हुए थे, लेकिन इस मामले में कोई सकारात्मक अनुभव कम-से-कम अब तक तो नहीं रहा है. समग्र रूप से देखा जाए, तो जीबीएफ में 23 लक्ष्य तय किए गए हैं जिनमें से अनेक मात्रात्मक हैं जिससे उनकी प्रगति को आँकना आसान है.

जैव विविधता को नुकसान पहुँचाने वाले उद्योगों की सब्सिडी में सालाना 500 अरब डॉलर तक की कमी करना और कीटनाशकों तथा हानिकारक रसायनों के इस्तेमाल को आधा करना इन लक्ष्यों में शामिल है. इसके अलावा इसमें वैश्विक स्तर पर होने वाली खाद्य पदार्थों की बरबादी में 50 प्रतिशत की कमी लाने और जरूरत से अधिक खपत तथा कचरा उत्पादन में अहम् कटौती की बात कही गई है. यह फ्रेमवर्क इस बात की भी माँग करता है कि बड़े कारोबारी और निजी निवेशक नियमित रूप से अपने उन कदमों का खुलासा करें, जो प्रकृति को प्रभावित करते हैं और उसका संरक्षण करते हैं.

इसमें दो राय नहीं है कि इन कदमों की जरूरत है और इससे भी अधिक ये ऐसे कठिन काम हैं जिनके बारे में कहना आसान है, लेकिन करना कठिन. उनका असली महत्व तभी आँका जा सकता है जब उन्हें पृथ्वी की जैव विविधता की मौजूदा कमजोर दशा के परिदृश्य में देखा और परखा जाए. वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर द्वारा जारी 2022 की लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट के अनुसार हमारी जैव विविधता की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है. इसके मुताबिक करीब 34,000 पौधे और 5,200 पशुओं की प्रजातियाँ विलुप्त होने के कगार पर हैं. इसमें पक्षियों की तमाम किस्में शामिल हैं. बुरी बात यह है कि वन्य जीवों की आबादी 1970 से अब तक 69 प्रतिशत घटी है. इसके लिए उनके प्राकृतिक आवास नष्ट होना, खतरनाक गतिविधियाँ, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन आदि प्रमुख वजह हैं.

भारत इस तथ्य से राहत महसूस कर सकता है कि लक्ष्यों को वैश्विक स्तर पर लागू करने का उसका सुझाव मान लिया गया. विभिन्न देशों को यह स्वतंत्रता दी गई है कि वे इन्हें अपने हालात, प्राथमिकता और क्षमता के अनुसार अपनाएं. यह बात भी ध्यान देने लायक है कि भारत कुछ अन्य विकासशील देशों तथा अपेक्षाकृत धनाढ्य और विकसित देश जापान के साथ मिलकर मत्स्य पालन तथा कृषि सब्सिडी को बाहर रखने में कामयाब रहा. इससे भी अहम् बात यह है कि वनों में रहने वाले लोगों के जेनेटिक संसाधनों के इस्तेमाल से होने वाले मौद्रिक और गैर-मौद्रिक लाभ की साझेदारी तथा जेनेटिक संसाधनों से सम्बद्ध पारम्परिक ज्ञान के संरक्षण को जीबीएफ का हिस्सा बनाया गया है. बहरहाल, नए जैव विविधता समझौते के हानि-लाभ से परे इस दिशा में प्रगति के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति अहम् है. वरना पृथ्वी का प्राकृतिक सन्तुलन बिगड़ेगा और सम्पूर्ण मानव एवं पशु जगत् गहन संकट में फँस जाएगा.

जैव विविधता रणनीतियाँ और कार्य योजनाएं (NBSAPs)

सरकारों और प्रासंगिक हितधारकों को एक साथ लाकर, यह सहभागिता, जल्द ही अपनाए जाने वाले, वैश्विक जैव विविधता उद्देश्यों और लक्ष्यों और अंततः 2050 तक प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने की वैश्विक दृष्टि की उपलब्धि में योगदान देगी.

सहभागिता का नेतृत्व देश के स्तर पर किया जाएगा और 'सम्पूर्ण-सरकार' और 'सम्पूर्ण-समाज' दृष्टिकोण सुनिश्चित करते हुए जैव विविधता रणनीतियाँ और कार्य योजनाओं (एनबीएसएपी) में राजनीतिक गति आएगी.

कोलम्बिया और जर्मनी की सरकारों, संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी), संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और अन्य भागीदार, एनबीएसएपी त्वरक साझेदारी के डिजाइन, विकास, संरचना, संचालन और निगरानी में सहायता करेंगे.

कुनमिंग-मॉन्ट्रियल ग्लोबल बायो-डायवर्सिटी फ्रेमवर्क

वैश्विक जैव विविधता ढाँचा 2019 में जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं (IPBES) पर अंतर सरकारी विज्ञान-नीति मंच द्वारा जारी जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं की वैश्विक मूल्यांकन रिपोर्ट पर एक अनुक्रिया है, वैश्विक जैव विविधता आउटलुक का 5वाँ संस्करण, और कई अन्य वैज्ञानिक दस्तावेज ऐसे साक्ष्य प्रदान करते हैं, जो इस बात के पर्याप्त प्रमाण हैं कि जारी प्रयासों के बावजूद, मानव इतिहास में अभूतपूर्व दर से जैव विविधता दुनिया भर में बिगड़ रही है.

जैसा कि IPBES ग्लोबल असेसमेंट रिपोर्ट ने स्थिति की गम्भीरता को निम्नलिखित प्रकार बताया है—

मूल्यांकन किए गए जानवरों और पौधों के समूहों में औसतन लगभग 25 प्रतिशत प्रजातियाँ परिसंकटमय स्थिति में है. विगत एक दशक में जैव विविधता को बचाए रखने के लिए कोई सार्थक प्रयास न किए जाने से 10 लाख से अधिक प्रजातियाँ विलुप्त प्राय हो गईं हैं. इस तरह की कार्यवाही के बिना, प्रजातियों के विलुप्त होने की वैश्विक दर में और तेजी आएगी, जो पिछले 10 मिलियन

वर्षों में आई औसत क्षति से कम-से-कम दसियों से सैकड़ों गुना अधिक है.

जीवमंडल, जिस पर समग्र रूप से मानवता निर्भर करती है, सभी स्थानिक पैमानों पर एक असाधारण डिग्री तक परिवर्तित हो रहा है. जैव विविधता-प्रजातियों के भीतर, प्रजातियों के बीच और पारिस्थितिक तंत्र की विविधता-मानव इतिहास में किसी भी समय की तुलना में तेजी से घट रही है.

प्रकृति को संरक्षित, पुनर्स्थापित और स्थायी रूप से उपयोग किया जा सकता है जबकि अन्य वैश्विक सामाजिक लक्ष्यों को एक साथ परिवर्तनकारी परिवर्तन को बढ़ावा देने वाले तत्काल और ठोस प्रयासों के माध्यम से पूरा किया जाता है. सबसे बड़े वैश्विक प्रभाव के साथ प्रकृति में परिवर्तन के प्रत्यक्ष चालक भूमि और समुद्र के उपयोग में परिवर्तन, जीवों के प्रत्यक्ष शोषण, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और विदेशी प्रजातियों के आक्रमण (सबसे अधिक प्रभाव वाले लोगों से शुरू) रहे हैं. वे 5 प्रत्यक्ष चालक अंतर्निहित कारणों की एक शृंखला से उत्पन्न होते हैं, परिवर्तन के अप्रत्यक्ष चालक, जो बदले में, सामाजिक मूल्यों और व्यवहारों द्वारा रेखांकित होते हैं. प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष चालकों में परिवर्तन की दर क्षेत्रों और देशों के बीच भिन्न होती है.

वैश्विक जैव विविधता प्रारूप के लक्ष्य और उद्देश्य

इस ढाँचे का उद्देश्य सरकारों, उप-राष्ट्रीय और स्थानीय सरकारों द्वारा तत्काल और परिवर्तनकारी कार्यवाही को उत्प्रेरित, सक्षम और प्रेरित करना है, और जैव विविधता के नुकसान को रोकने और उलटने के लिए सभी समाज की भागीदारी के साथ, इसके विजन, मिशन में निर्धारित परिणामों को प्राप्त करने के लिए, उद्देश्यों और लक्ष्यों, और इस तरह जैविक विविधता पर कन्वेंशन के 3 उद्देश्यों और इसके प्रोटोकॉल में योगदान करना है.

यह प्रारूप कार्यवाही और परिणाम-उन्मुख है, और इसका उद्देश्य नीतियों, लक्ष्यों, टार्गेट, राष्ट्रीय जैव विविधता रणनीतियों और कार्य योजनाओं के संशोधन, विकास, अद्यतन और कार्यान्वयन के सभी स्तरों पर मार्गदर्शन और प्रचार करना और सभी स्तरों पर अधिक पारदर्शी और जिम्मेदार तरीके से प्रगति की निगरानी और समीक्षा की सुविधा प्रदान करना है.

यह ढाँचा जैविक विविधता पर कन्वेंशन और इसके प्रोटोकॉल, अन्य जैव विविधता सम्बन्धी सम्मेलनों, अन्य प्रासंगिक बहुपक्षीय समझौतों और अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों के बीच उनके अधिदेशों का सम्मान करते हुए सुसंगतता, पूरकता और सहयोग को बढ़ावा देता है, और कार्यान्वयन को बढ़ाने के लिए विविध तत्वों के बीच सहयोग और साझेदारी के अवसर पैदा करता है.

फ्रेमवर्क का 2050 विजन और 2030 मिशन

ढाँचे का विजन प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने की दुनिया है जहाँ "2050 तक, जैव विविधता को महत्व दिया जाना, संरक्षित किया जाना है, बहाल किया जाना है और बुद्धिमानी से उपयोग किया जाना है, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखना है, ताकि एक स्वस्थ ग्रह को बनाए रखा जा सके और सभी लोगों के लिए आवश्यक लाभ सुनिश्चित किया जा सके."

मिशन 2030 तक की अवधि के लिए है जबकि विजन 2050 तक की रूपरेखा का है—

जैव विविधता के नुकसान को रोकने और उलटने के लिए तत्काल कार्यवाही करने के लिए प्रकृति को लोगों और ग्रह के लाभ के लिए जैव विविधता के संरक्षण और स्थायी रूप से उपयोग करके, और आनुवंशिक संसाधनों के उपयोग से लाभों के उचित और न्यायसंगत बँटवारे को सुनिश्चित करते हुए, प्रदान करते हुए कार्यान्वयन के आवश्यक साधन जुटाने पर केन्द्रित है.

2050 के लिए कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक लक्ष्य

लक्ष्य ए—सभी पारिस्थितिक तंत्रों की अखंडता, कनेक्टिविटी और लचीलापन बनाए रखना, उसमें वृद्धि करना है, या बहाल करना है, 2050 तक प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र के क्षेत्र में काफी वृद्धि हो सके; ज्ञात खतरे वाली प्रजातियों के मानव प्रेरित विलुप्त होने को रोका जा सके और 2050 तक, विलुप्त होने की दर और सभी प्रजातियों का जोखिम 10 गुना कम किया जाना और देशी जंगली प्रजातियों की बहुतायत स्वस्थ और लचीले स्तर तक बढाया जाना; जंगली और पालतू प्रजातियों की आबादी के भीतर अनुवांशिक विविधता को बनाए रखा जाना, और उनकी अनुकूली क्षमता की रक्षा करना है.

लक्ष्य बी—यह सुनिश्चित करना कि 2050 तक जैव विविधता का निरन्तर उपयोग और प्रबंधन किया जाता है और पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों और सेवाओं सहित लोगों के लिए प्रकृति के योगदान को महत्व दिया जाता है, बनाए रखा जाता है और बढ़ाया जाता है, जो वर्तमान में गिरावट के साथ बहाल किया जा रहा है, वर्तमान और भावी पीढ़ियों के लाभ के लिए सतत् विकास की उपलब्धि का समर्थन करता है.

लक्ष्य सी—आनुवंशिक संसाधनों के उपयोग से मौद्रिक और गैर-मौद्रिक लाभ, और आनुवंशिक संसाधनों पर डिजिटल अनुक्रम की जानकारी, और आनुवंशिक संसाधनों से जुड़े पारम्परिक ज्ञान, जैसा लागू हो, उचित और समान रूप से साझा किया जाता है, जिसमें स्वदेशी लोगों के साथ सामंजस्य भी शामिल है और स्थानीय समुदायों, और 2050 तक इसमें काफी हद तक वृद्धि सुनिश्चित करना, जबकि आनुवंशिक संसाधनों से जुड़े पारम्परिक ज्ञान को उचित रूप से संरक्षित किया जाना है, जिससे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सहमत पहुँच और लाभ-साझाकरण उपकरणों के अनुसार जैव विविधता के संरक्षण और टिकाऊ उपयोग में योगदान मिलता है.

लक्ष्य डी—कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता ढाँचे को पूरी तरह से लागू करने के लिए वित्तीय संसाधनों, क्षमता-निर्माण, तकनीकी और वैज्ञानिक सहयोग, और प्रौद्योगिकी तक पहुँच और हस्तांतरण सहित कार्यान्वयन के पर्याप्त साधन सभी पक्षों, विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए सुरक्षित और समान रूप से सुलभ किए जाने हैं. विशेष रूप से सबसे कम विकसित देशों और छोटे द्वीपीय विकासशील राज्यों के साथ-साथ अर्थव्यवस्थाओं वाले देश जो संक्रमणकालीन अवस्था में हैं, प्रति वर्ष 700 बिलियन डॉलर के जैव विविधता वित्त अन्तर को धीरे-धीरे कम करना है और कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता ढाँचे और जैव विविधता के लिए विजन 2050 के साथ वित्तीय प्रवाह को संरेखित करना है.

कुनमिंग-मॉन्ट्रियल 2030 वैश्विक टार्गेट

1. जैव विविधता के खतरों को कम करना

टार्गेट 1—यह सुनिश्चित करना कि सभी क्षेत्र सहभागी एकीकृत जैव विविधता समावेशी स्थानिक योजना और/या प्रभावी प्रबंधन प्रक्रियाओं के तहत् भूमि और समुद्र उपयोग परिवर्तन को सम्बोधित करते हैं, उच्च पारिस्थितिक अखंडता के पारिस्थितिक तंत्र सहित उच्च जैव विविधता वाले क्षेत्रों के नुकसान को 2030 तक शून्य के करीब लाने के प्रति प्रतिबद्धता जताते हैं, जबकि स्वदेशी

लोगों और स्थानीय समुदायों के अधिकारों का सम्मान करना.

टार्गेट 2—यह सुनिश्चित करना कि जैव विविधता और पारिस्थितिक तंत्र कार्यों और सेवाओं, पारिस्थितिक अखंडता और कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए 2030 तक खराब स्थलीय, अन्तर्देशीय जल, और तटीय और समुद्री पारिस्थितिक तंत्र के कम-से-कम 30 प्रतिशत क्षेत्रों को प्रभावी बहाली के अधीन लाया जाए.

टार्गेट 3—यह सुनिश्चित करना और प्रणाली को सक्षम बनाना कि 2030 तक कम-से-कम 30 प्रतिशत स्थलीय, अंतर्देशीय जल, और तटीय और समुद्री क्षेत्रों, विशेष रूप से जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र कार्यों और सेवाओं के लिए विशेष महत्व के क्षेत्रों को पारिस्थितिक रूप से प्रतिनिधि, अच्छी तरह से जुड़े और प्रभावी ढंग से संरक्षित और प्रबंधित किया जा रहा है.

टार्गेट 4—ज्ञात खतरे वाली प्रजातियों के मानव प्रेरित विलुप्त होने को रोकने के लिए तत्काल प्रबंधन कार्यवाही सुनिश्चित करना और प्रजातियों की वहाली और संरक्षण के लिए, विशेष रूप से खतरे वाली प्रजातियों में, विलुप्त होने के जोखिम को काफी कम करने के साथ-साथ देशी आबादी के भीतर और बीच आनुवंशिक विविधता को बनाए रखने और बहाल करने के लिए, जंगली और पालतू प्रजातियों को उनकी अनुकूलन क्षमता बनाए रखने के लिए, जिसमें स्व-स्थाने और पूर्व-स्थाने संरक्षण और स्थायी प्रबंधन प्रथाओं के माध्यम से, और सह-अस्तित्व के लिए मानव-वन्य जीव संघर्ष को कम करने के लिए मानव-वन्य जीव बातचीत को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करना शामिल है.

टार्गेट 5—यह सुनिश्चित करना कि जंगली प्रजातियों का उपयोग, कटाई और व्यापार टिकाऊ, सुरक्षित और कानूनी है, अतिदोहन को रोकना, गैर-लक्षित प्रजातियों और पारिस्थितिक तंत्र पर प्रभाव को कम करना, और रोगजनकों के फैलाव के जोखिम को कम करना, सम्मान और सुरक्षा करते हुए पारिस्थितिकी तंत्र के दृष्टिकोण को लागू करना स्वदेशी लोगों और स्थानीय समुदायों द्वारा प्रथागत स्थायी उपयोग शामिल है.

टार्गेट 6—विदेशी प्रजातियों की शुरूआत के मार्गों की पहचान और प्रबंधन करके जैव विविधता और पारिस्थितिक तंत्र सेवाओं पर आक्रामक विदेशी प्रजातियों के प्रभावों को खत्म करना, कम करना.

टार्गेट 7—2030 तक प्रदूषण के जोखिम और सभी स्रोतों से होने वाले प्रदूषण के नकारात्मक प्रभाव को कम करना.

टार्गेट 8—जैव विविधता पर जलवायु परिवर्तन और समुद्र के अम्लीकरण के प्रभाव को कम करना और शमन, अनुकूलन और आपदा जोखिम कम करने की कार्यवाहियों के माध्यम से इसके लचीलेपन को बढ़ाना.

2. स्थायी उपयोग और लाभ-साझाकरण के माध्यम से लोगों की जरूरतों को पूरा करना

टार्गेट 9—यह सुनिश्चित करना कि जंगली प्रजातियों का प्रबंधन और उपयोग सम्पोषण युक्त है.

टार्गेट 10—यह सुनिश्चित करना कि कृषि, जलीय कृषि, मत्स्य पालन और वानिकी के तहत् क्षेत्रों का प्रबंधन सतत् रूप से किया जाता है.

टार्गेट 11—लोगों के लिए प्रकृति के योगदान को पुनर्स्थापित करना, बनाए रखना और बढ़ाना, जैसे—वायु, जल और जलवायु का नियमन, मृदा स्वास्थ्य, परागण और रोग जोखिम में कमी लाना .

टार्गेट 12—हरी और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में हरे (स्थलीय) और नीले स्थानों (जलीय) के क्षेत्र और गुणवत्ता और कनेक्टिविटी, पहुँच और लाभों में महत्वपूर्ण रूप से वृद्धि करना है.

टार्गेट 13—सभी स्तरों पर प्रभावी कानूनी, नीतिगत, प्रशासनिक और क्षमता निर्माण के उपाय करना .

3. कार्यान्वयन और मुख्य धारा में लाने के लिए उपकरण और समाधान

टार्गेट 14—नीतियों, नियमों, योजना और विकास प्रक्रियाओं, गरीबी उन्मूलन रणनीतियों, रणनीतिक पर्यावरणीय आकलन, पर्यावरणीय प्रभाव आकलन और सरकार के सभी स्तरों के भीतर और सभी क्षेत्रों में उपयुक्त, राष्ट्रीय लेखांकन में जैव विविधता और इसके कई मूल्यों का पूर्ण एकीकरण सुनिश्चित करना.

टार्गेट 15—व्यापार को प्रोत्साहित करने और सक्षम करने के लिए कानूनी, प्रशासनिक या नीतिगत उपाय करना, और विशेष रूप से बड़ी और अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनियों और वित्तीय संस्थानों को सुनिश्चित करने के लिए उपाय करना.

टार्गेट 16—यह सुनिश्चित करना कि लोगों को स्थायी उपभोग विकल्प बनाने के लिए प्रोत्साहित और सक्षम किया जाए.

टार्गेट 17—जैविक विविधता पर सम्मेलन के अनुच्छेद 8 (जी) में निर्धारित जैव सुरक्षा उपायों के लिए क्षमता को मजबूत करना और सभी देशों में लागू करना और जैव प्रौद्योगिकी से निपटने और इसके लाभों के वितरण के उपायों को कन्वेंशन के अनुच्छेद 19 में निर्धारित किया गया है.

टार्गेट 18—ऐसे प्रोत्साहनों एवं सब्सिडी को 2025 तक चिह्नित करना, जो जैव विविधता के लिए हानिकारक है. उचित, प्रभावी और न्यायसंगत तरीके से प्रोत्साहनों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना या उन्हें 2030 तक प्रति वर्ष कम-से-कम 500 बिलियन डॉलर स्तर तक सीमित करना और उसमें उत्तरोत्तर कमी लाना.

टार्गेट 19—प्रभावी, समय पर और आसानी से सुलभ तरीके से, सभी स्रोतों से वित्तीय संसाधनों के स्तर में पर्याप्त और उत्तरोत्तर वृद्धि करना. वर्ष 2030 तक 200 बिलियन डॉलर जुटाना

टार्गेट 20—क्षमता निर्माण और विकास को मजबूत करना, प्रौद्योगिकी तक पहुँच और हस्तांतरण, और नवाचार और तकनीकी और वैज्ञानिक सहयोग के विकास और पहुँच को बढ़ावा देना.

टार्गेट 21—यह सुनिश्चित करना कि सर्वोत्तम उपलब्ध डेटा, सूचना और ज्ञान, निर्णय निर्माताओं, चिकित्सकों और जनता के लिए सुलभ हैं.

टार्गेट 22—निर्णय लेने में पूर्ण, न्याय-संगत, समावेशी, प्रभावी और लिंग-उत्तरदायी प्रतिनिधित्व और भागीदारी सुनिश्चित करना.

टार्गेट 23—लैंगिक-उत्तरदायी दृष्टिकोण के माध्यम से ढांचे के कार्यान्वयन में लैंगिक समानता सुनिश्चित करना जहाँ सभी महिलाओं और लड़कियों के पास समान अधिकार और भूमि और प्राकृतिक संसाधनों तक पहुँच और उनके समान अधिकारों को मान्यता देने सहित कन्वेंशन के 3 उद्देश्यों में योगदान करने के लिए समान अवसर और क्षमता है. जैव विविधता से सम्बन्धित कार्यवाही, संलग्नता, नीति और निर्णय लेने के सभी स्तरों पर पूर्ण, न्यायसंगत, सार्थक और सूचित भागीदारी और नेतृत्व.

जैव विविधिता संरक्षण एवं सतत् रूप से बहाली हेतु यह पहल स्वागत योग्य है, लेकिन इसका कार्यान्वयन उतना आसान नहीं है जितना कि समझा गया है. जैव विविधता संरक्षण हेतु वितीय संसाधन जुटाना सर्वाधिक कठिन कार्य है. विकसित देश अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर जो सहमति दिखाते हैं घोषणा करते हैं उस पर अमल नहीं करते. ●●●

ऐतिहासिक व्यक्तित्व एवं ऐतिहासिक स्थल

ऐतिहासिक व्यक्तित्व

पन्ना धाय

चित्तौड़गढ़ के इतिहास में जहाँ पद्मिनी के जौहर की अमरगाथाएं, मीरा के भक्तिपूर्ण गीत गूँजते हैं वहीं पन्ना धाय की स्वामीभक्ति की कहानी भी अपना अलग स्थान रखती है.

प्रमुख तथ्य

- राजस्थान में ही नहीं अपितु भारतीय संस्कृति में पन्ना धाय का नाम मातृत्व, बलिदान, साहस एवं वात्सल्य का प्रतीक बन गया है. पन्ना धाय समर्पण एवं त्याग की प्रतिमूर्ति थी.
- महाराणा सांगा की मृत्यु के बाद मेवाड़ में अस्थिरता रही. सांगा के बाद रतनसिंह शासक बना, लेकिन सन् 1531 में उसकी मृत्यु हो गई.
- उसके बाद विक्रमादित्य मेवाड़ का शासक बना, लेकिन राजा व उसकी माँ हाड़ी रानी कर्मवती के व्यवहार से मेवाड़ के सामन्त व जनता असन्तुष्ट थी.
- बहादुरशाह के आक्रमण के कारण भी मेवाड़ को अपार जन-धन की हानि उठानी पड़ी. सांगा के भाई पृथ्वीराज के औरस पुत्र बनवीर ने सन् 1536 में विक्रमादित्य की हत्या करके मेवाड़ के सिंहासन पर अधिकार कर लिया. वह विक्रमादित्य के छोटे भाई बालक उदयसिंह की भी हत्या करके निश्चिन्त हो राज्य भोगना चाहता था.
- पन्ना उदयसिंह की धात्री माँ थी और कर्मवती के जौहर के बाद उदयसिंह की सार-सँभाल की जिम्मेदारी पन्ना धाय पर आ गई थी.
- उदयसिंह मेवाड़ का भावी उत्तराधिकारी था. अतः, बनवीर इस उत्तराधिकारी को भी समाप्त करके अपने राज्य को सुरक्षित करना चाहता था, लेकिन पन्ना धाय एक वीरांगना थी. अतः उसने स्वामी भक्ति के अनुकरणीय लगन से उदयसिंह की रक्षा की.
- उदयसिंह की आयु का ही पन्ना धाय का पुत्र चन्दन था. पन्ना धाय का आवास चित्तौड़ के किले में कुम्भा महल में था. पन्ना धाय को जब जनाना खाने से चीखें निकलती सुनाई दीं, तो वह समझ गई कि रक्त पिपासु बनवीर हत्या के उद्देश्य से उदयसिंह को तलाश रहा है. उसने तुरन्त बालक उदयसिंह को एक टोकरी में सुलाकर उसे पत्तियों से ढँक कर अपने विश्वस्त नौकर को उसे सुरक्षित महलों से बाहर निकालने का दायित्व सौंपा. राजसी वस्त्र पहनकर अपने पुत्र चन्दन को उदयसिंह के पलंग पर सुला दिया. सत्ता लोलुप बनवीर के आते ही पन्ना धाय ने अपने पुत्र की तरफ हाथ से संकेत कर दिया. बनवीर ने तलवार से पन्ना धाय के बालक को उदयसिंह समझकर हत्या कर दी. नन्हें बालक के शव का पन्ना ने तुरन्त अंतिम संस्कार कर दिया और स्वयं बालक उदयसिंह एवं स्वामी भक्त सेवक के पास पहुँचकर देवलिया के जागीदार रामसिंह के पास पहुँची. वहाँ उसे पूरा सम्मान मिला. वहाँ से उदयसिंह को वह सुरक्षित स्थान कुम्भलगढ़ ले गई. किलेदार आशा देपुरा का भांजा बनकर उदयसिंह वहाँ बड़ा हुआ.
- पन्ना धाय द्वारा किए गए इस त्याग जैसे बलिदान का उदाहरण कहीं पर भी देखने को नहीं मिलता. पन्ना धाय के इस अविस्मरणीय बलिदान के कारण ही उसी दिन से पन्ना धाय को मेवाड़ की वीरांगना के रूप में सम्मान मिल रहा है.

लाल बहादुर शास्त्री

लाल बहादुर शास्त्री भारतीय राजनेता, महान् स्वतंत्रता सेनानी और जवाहरलाल नेहरू के बाद भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे. वे एक ऐसी हस्ती थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में देश को न सिर्फ सैन्य गौरव का तोहफा दिया, बल्कि औद्योगीकरण की राह भी दिखाई. शास्त्रीजी किसानों को जहाँ देश का अन्नदाता मानते थे, वहीं देश के सीमा प्रहरियों के प्रति भी उनके मन में अगाध प्रेम था जिसके चलते उन्होंने 'जय जवान, जय किसान' का नारा दिया.

प्रमुख तथ्य

- श्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर, 1904 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी से 7 मील दूर एक छोटे से रेलवे टाउन, मुगलसराय में हुआ था.
- उनके पिता एक स्कूल शिक्षक थे. जब लाल बहादुर शास्त्री केवल डेढ़ वर्ष के थे तभी उनके पिता का देहांत हो गया था. उनकी माँ अपने तीनों बच्चों के साथ अपने पिता के घर जाकर बस गईं.
- उस छोटे-से शहर में लाल बहादुर की स्कूली शिक्षा कुछ खास नहीं रही, लेकिन गरीबी की मार पड़ने के बावजूद उनका बचपन पर्याप्त रूप से खुशहाल बीता. उन्हें वाराणसी में चाचा के साथ रहने के लिए भेज दिया गया था ताकि वे उच्च विद्यालय की शिक्षा प्राप्त कर सकें. घर पर सब उन्हें नन्हे के नाम से पुकारते थे. वे कई मील की दूरी नंगे पाँव से ही तय कर विद्यालय जाते थे, यहाँ तक कि भीषण गर्मी में जब सड़कें अत्यधिक गर्म हुआ करती थीं, तब भी उन्हें ऐसे ही जाना पड़ता था.
- बड़े होने के साथ-ही लाल बहादुर शास्त्री विदेशी दासता से आजादी के लिए देश के संघर्ष में अधिक रुचि रखने लगे. वे भारत में ब्रिटिश शासन का समर्थन कर रहे भारतीय राजाओं की महात्मा गांधी द्वारा की गई निंदा से अत्यंत प्रभावित हुए. लाल बहादुर शास्त्री जब केवल 11 वर्ष के थे तब से ही उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर कुछ करने का मन बना लिया था.
- गांधीजी ने असहयोग आंदोलन में शामिल होने के लिए अपने देशवासियों से आह्वान किया था, इस समय लाल बहादुर शास्त्री केवल 16 वर्ष के थे. उन्होंने महात्मा गांधी के इस आह्वान पर अपनी पढ़ाई छोड़ देने का निर्णय कर लिया था. उनके इस निर्णय ने उनकी माँ की उम्मीदें तोड़ दीं. उनके परिवार ने उनके इस निर्णय को गलत बताते हुए उन्हें रोकने की बहुत कोशिश की, लेकिन वे इसमें असफल रहे. लाल बहादुर शास्त्री ने अपना मन बना लिया था.
- लाल बहादुर शास्त्री ब्रिटिश शासन की अवज्ञा में स्थापित किए गए कई राष्ट्रीय संस्थानों में से एक वाराणसी के काशी विद्या पीठ में शामिल हुए. यहाँ वे महान् विद्वानों एवं देश के राष्ट्रवादियों के प्रभाव में आए. विद्या पीठ द्वारा उन्हें प्रदत्त स्नातक की डिग्री का नाम 'शास्त्री' था, लेकिन लोगों के दिमाग में यह उनके नाम के एक भाग के रूप में बस गया.
- 1927 में उनकी शादी हो गई. उनकी पत्नी ललिता देवी मिर्जापुर की थीं, जो उनके अपने शहर के पास ही था. उनकी शादी सभी तरह से पारम्परिक थी. दहेज के नाम पर एक चरखा एवं हाथ से बुने हुए कुछ मीटर कपड़े थे. वे दहेज के रूप में इससे ज्यादा कुछ और नहीं चाहते थे.

- 1930 में महात्मा गांधी ने नमक कानून को तोड़ते हुए दांडी यात्रा की. इस प्रतीकात्मक सन्देश ने पूरे देश में एक तरह की क्रांति ला दी. लाल बहादुर शास्त्री विह्वल ऊर्जा के साथ स्वतंत्रता के इस संघर्ष में शामिल हो गए. उन्होंने कई विद्रोही अभियानों का नेतृत्व किया एवं कुल 7 वर्षों तक ब्रिटिश जेलों में रहे. आजादी के इस संघर्ष ने उन्हें पूर्णतः परिपक्व बना दिया.
- 1946 में जब कांग्रेस सरकार का गठन हुआ तो इस 'छोटे से डायनमो' को देश के शासन में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए कहा गया. उन्हें अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश का संसदीय सचिव नियुक्त किया गया और जल्द ही वे गृह मंत्री के पद पर भी आसीन हुए. कड़ी मेहनत करने की उनकी क्षमता एवं उनकी दक्षता उत्तर प्रदेश में एक लोकोक्ति बन गई.
- वे 1951 में नई दिल्ली आ गए एवं केन्द्रीय मंत्रिमण्डल के कई विभागों का प्रभार सँभाला—रेल मंत्री; परिवहन एवं संचार मंत्री; वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री; गृह मंत्री एवं नेहरूजी की बीमारी के दौरान बिना विभाग के मंत्री रहे. उनकी प्रतिष्ठा लगातार बढ़ रही थी.
- एक रेल दुर्घटना, जिसमें कई लोग मारे गए थे, के लिए स्वयं को जिम्मेदार मानते हुए उन्होंने रेल मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था. देश एवं संसद ने उनके इस अभूतपूर्व पहल को काफी सराहा. तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने इस घटना पर संसद में बोलते हुए लाल बहादुर शास्त्री की ईमानदारी एवं उच्च आदर्शों की काफी तारीफ की. उन्होंने कहा कि उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री का इस्तीफा इसलिए नहीं स्वीकार किया क्योंकि जो कुछ हुआ वे इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं बल्कि इसलिए स्वीकार किया है, क्योंकि इससे संवैधानिक मर्यादा में एक मिसाल कायम होगी. रेल दुर्घटना पर लम्बी बहस का जवाब देते हुए लाल बहादुर शास्त्री ने कहा, "शायद मेरे लम्बाई में छोटे होने एवं नम्र होने के कारण लोगों को लगता है कि मैं बहुत दृढ़ नहीं हो पा रहा हूँ. यद्यपि शारीरिक रूप से मैं मजबूत नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं आन्तरिक रूप से इतना कमजोर भी नहीं हूँ."
- अपने मंत्रालय के कामकाज के दौरान भी वे कांग्रेस पार्टी से सम्बन्धित मामलों को देखते रहे एवं उसमें अपना भरपूर योगदान दिया. 1952, 1957 एवं 1962 के आम चुनावों में पार्टी की निर्णायक एवं जबर्दस्त सफलता में उनकी सांगठनिक प्रतिभा एवं चीजों को नजदीक से परखने की उनकी अद्भुत क्षमता का बड़ा योगदान था.
- वर्ष 1965 में भारत पाकिस्तान युद्ध के दौरान देश खाद्यान्न की भारी कमी का सामना कर रहा था. इस समय अमरीका की तरफ से भी खाद्य आपूर्ति में कटौती का अतिरिक्त दबाव था. इस संकट का सामना करते हुए लाल बहादुर शास्त्री ने घोषणा की कि अगले कुछ दिनों के लिए वह अपने पूरे परिवार के साथ शाम का भोजन छोड़ देंगे.
- 30 से अधिक वर्षों तक अपनी समर्पित सेवा के दौरान लाल बहादुर शास्त्री अपनी उदात्त निष्ठा एवं क्षमता के लिए लोगों के बीच प्रसिद्ध हो गए. विनम्र, दृढ़, सहिष्णु एवं जबर्दस्त आन्तरिक शक्ति वाले शास्त्री जी लोगों के बीच ऐसे व्यक्ति बनकर उभरे जिन्होंने लोगों की भावनाओं को समझा. वे दूरदर्शी थे, जो देश को प्रगति के मार्ग पर लेकर आए.
- लाल बहादुर शास्त्री महात्मा गांधी के राजनीतिक शिक्षाओं से अत्यंत प्रभावित थे. अपने गुरु महात्मा गांधी के ही लहजे में एक बार उन्होंने कहा था—"मेहनत प्रार्थना करने के समान है." महात्मा गांधी के समान विचार रखने वाले लाल बहादुर शास्त्री भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठ पहचान हैं.

पांडुरंग खानखोजे

प्रमुख तथ्य

- खानखोजे का जन्म नवम्बर 1884 में वर्धा में एक मराठी ब्राह्मण परिवार में हुआ था, जहाँ उनके पिता एक याचिका-लेखक के रूप में काम करते थे. खानखोजे ने अपना बचपन वर्धा में बिताया, जहाँ उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए नागपुर जाने से पहले अपनी प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय की शिक्षा पूरी की.
- वह उस समय बाल गंगाधर तिलक के राष्ट्रवादी कार्यों से प्रेरित थे.
- खानखोजे ने क्रांतिकारी तरीकों और सैन्य रणनीति में आगे के प्रशिक्षण के लिए विदेश जाने का फैसला किया.
- जापान और चीन के राष्ट्रवादियों के साथ समय बिताने के बाद, खानखोजे अंततः अमरीका चले गए, जहाँ उन्होंने कृषि के छात्र के रूप में वाशिंगटन स्टेट कॉलेज (जिसे अब वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी कहा जाता है) में दाखिला लिया और 1913 में स्नातक किया.
- विदेश में खानखोजे का प्रारम्भिक राष्ट्रवादी कार्य 1908 के आस-पास के समय का है जब उन्होंने पंडित कांशी राम के साथ पोर्टलैंड, ओरेगन में इंडियन इंडिपेंडेंस लीग की स्थापना की थी.
- उनके कार्यों ने उन्हें उस समय संयुक्त राज्य अमरीका में अन्य भारतीय राष्ट्रवादियों के करीब लाया, जिनमें तारक नाथ दास भी शामिल थे.
- अमरीका में, खानखोजे ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में एक भारतीय बौद्धिक शिक्षक लाला हरदयाल से मुलाकात की. हरदयाल ने एक प्रचार अभियान शुरू किया था, जिसमें एक समाचार-पत्र प्रकाशित किया गया था जिसमें भारत की स्थानीय भाषाओं में देशभक्ति के गीत और लेख शामिल थे. इन्हीं प्रारम्भिक प्रयासों से वर्ष 1913 में गदर पार्टी उभर कर आई.
- पांडुरंग खानखोजे वर्ष 1913 में विदेशों में रहने वाले भारतीयों द्वारा स्थापित गदर पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक थे, सामान्यतः गदर पार्टी के सदस्य पंजाब से सम्बन्धित थे. इसका उद्देश्य भारत में अंग्रेजों के खिलाफ क्रांतिकारी लड़ाई का नेतृत्व करना था.

खानखोजे और मेक्सिको के मध्य सम्बन्ध

- अमरीका में सैन्य अकादमी में खानखोजे ने मेक्सिको के कई लोगों से मुलाकात की. खानखोजे '1910 की मेक्सिकन क्रांति' से प्रेरित थे, जिसने तानाशाही शासन को उखाड़ फेंका था.
- जब वे भारतीय स्वतंत्रता के विचार पर चर्चा करने के उद्देश्य से अमरीका में भारतीय कृषक-मजदूरों से मिलने जा रहे थे, तो उन्होंने मेक्सिको के श्रमिकों से भी मुलाकात की थी.
- वह पेरिस में भीकाजी कामा से मिले और अन्य नेताओं के साथ रूस में व्लादिमीर लेनिन से मुलाकात कर भारत की स्वतंत्रता के लिए समर्थन माँगा. वह यूरोप में निर्वासन का सामना कर रहे थे और वह भारत नहीं जा सकते थे इस दौरान उन्होंने मेक्सिको में शरण माँगी.
- मेक्सिको में कुछ मित्रों की सहायता से उन्हें मेक्सिको सिटी के पास चैपिंगो में नेशनल स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर में प्रोफेसर नियुक्त किया गया. उन्होंने मकई, गेहूँ, दाल और रबर पर शोध किया, शीत और सूखा प्रतिरोधी किस्मों का विकास किया तथा मेक्सिको में हरित क्रांति लाने के प्रयास में शामिल थे.

- बाद में 20वीं शताब्दी में भारत में हरित क्रांति के जनक कहे जाने वाले अमरीकी कृषि विज्ञानी डॉ. नॉर्मन बोरलॉग ने मेक्सिकन गेहूँ की किस्म का भारत में उपयोग शुरू किया गया. खानखोजे मेक्सिको में एक कृषि वैज्ञानिक के रूप में प्रतिष्ठित थे.
- प्रसिद्ध मेक्सिकन कलाकार डिएगो रिवेरा ने भित्ति चित्रों में खानखोजे को चित्रित किया गया था, जिसमें 'अवर डेली ब्रेड' शीर्षक भी शामिल था, जिसमें प्रमुख रूप से उन्हें एक मेज के चारों ओर बैठे लोगों के साथ भोजन करते हुए दिखाया गया था.

अलाउद्दीन हुसैन शाह

बंगाल के मुस्लिम शासकों में श्रेष्ठ और विख्यात अलाउद्दीन हुसैन शाह को माना जाता है. उसने कानून एवं व्यवस्था को फिर से लागू किया और हिन्दुओं को ऊँचे-ऊँचे पद देकर एक उदार नीति अपनाई. उसका वजीर एक विद्वान् हिन्दू था. गोपीनाथ बसु उसका मंत्री, मुकुन्ददास चिकित्सक, केशव क्षत्री प्रधान अंगरक्षक, अनूप टकशाल अधीक्षक आदि थे.

प्रमुख तथ्य

- दो विद्वान् भाई रूप और सनातन जो पवित्र वैष्णव माने जाते थे, उनके प्रमुख अधिकारी थे.
- 1494 ई. में उसने खलीफतुल्ला की उपाधि धारण की.
- उसने गौड के स्थान पर इकदला को अपनी राजधानी बनाया.
- उसने लोदीयों द्वारा पराजित जौनपुर के शर्की सुल्तान को शरण प्रदान की.
- वह बंगाल की गद्दी पर बैठने वालों में से अधिक लोकप्रिय शासकों में से था.
- अपने राज्य के आन्तरिक शासन में पुनः व्यवस्था स्थापित करने के उद्देश्य से उसने राजमहल के संरक्षकों की शक्ति को दबाया.
- हुसैन शाह एक ज्ञानी एवं बुद्धिमान पुरुष था. उसके शासनकाल में बंगाल साहित्य का सबसे अधिक विकास हुआ.
- हिन्दुओं के प्रति विशेष उदारता के कारण उसे कृष्ण का अवतार, नृपति तिलक और जगत् भूषण आदि उपाधियाँ प्रदान की गई.
- 'सत्यपीर' नाम के एक आन्दोलन की शुरूआत भी हुसैन शाह की थी.
- अलाउद्दीन हुसैन शाह की वर्ष 1519 ई. में मृत्यु हो गई.

ऐतिहासिक स्थल

फतेहपुर सीकरी

प्रमुख तथ्य

- फतेहपुर सीकरी नगर मुगल सम्राट् अकबर द्वारा बसाया गया था. यह उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में स्थित है.
- 1572 में गुजरात विजय के बाद अकबर ने इसका नाम फतेहपुर सीकरी (विजय नगरी) रखा और 1572 से 1585 ई. तक फतेहपुर सीकरी पूरी तरह बनकर तैयार हुआ.
- इस नगर का वास्तुकार वहाउद्दीन था. फतेहपुर सीकरी सभी इमारतें मुख्य रूप से लाल पत्थर की बनी हुई हैं और केवल सजावट के लिए या किन्हीं अंश पर जोर देने के लिए ही इनमें सफेद संगमरमर का प्रयोग किया गया है.
- फतेहपुर सीकरी की स्थापत्य कला की मुख्य विशेषता उसमें तीरा-ब्रेकटों एवं पटी छतों की हिन्दू शैली और मेहराबी गुम्बद इस्लामी शैली का एक नया समन्वय है.
- यहाँ अकबर ने कई भवनों का निर्माण करवाया जिसमें प्रमुख हैं—दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, पंचमहल, जामा मस्जिद, बुलंद दरवाजा, शेख सलीम चिश्ती का मकबरा, जोधाबाई महल, मरियम महल, नौ महल आदि.
- फतेहपुर सीकरी के भवनों को दो श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है—पहला धार्मिक व दूसरा लौकिक भवन. धार्मिक भवनों में जामा मस्जिद प्रमुख है. लौकिक भवनों में महल, प्रशासकीय कार्यालय, सराएं तथा मंडप आदि आते हैं. प्रशासकीय भवनों में दफ्तरखाना और दीवान-ए-खास विशेष रूप से उल्लेखनीय है. आवासीय भवनों व महलों में जोधाबाई का महल, बीरबल की कोठी, मरियम की कोठी एवं पंचमहल अधिक सुन्दर हैं.

फतेहपुर सीकरी के प्रमुख निर्माण कार्य

- **दीवान-ए-आम**—इसका निर्माण एक कुर्सी पर किया गया है. इसके सामने एक बरामदें की योजना है जिसके ऊपर लाल पत्थरों के छज्जे निर्मित हैं. इसमें पत्थर की सुन्दर जालियाँ भी बनाई गई हैं. अकबर इसमें अपना दरबार किया करता था.
- **दीवान-ए-खास**—लाल पत्थरों से निर्मित दीवान-ए-खास की निर्माण योजना फतेहपुर सीकरी में निर्मित अन्य भवनों से भिन्न है. यह एक वर्गाकार भवन है. इसकी आन्तरिक बनावट अद्वितीय हैं इसके कक्ष के बीच में एक नक्काशीदार स्तम्भ है. इसके शीर्ष पर जैन शैली के मेहराबदार, ब्रैकिटों पर टिका पत्थर का एक गोल चबूतरा है. दीवान-ए-खास के अन्दर बने सिंहासन के स्तम्भ में बौद्ध तथा हिन्दू वास्तुकला की झलक दिखाई देती है जिसमें शीर्ष पर कमल के ऊपर बैठी देवी मूर्ति की कल्पना की जाती थी. यह कान्हेरी की बौद्ध गुफाओं में आमतौर पर देखने को मिलता है.
- **जोधाबाई का महल**—जोधाबाई का महल अकबर द्वारा निर्मित फतेहपुर सीकरी के भवनों में सबसे बड़ा है. इस भवन से तत्कालीन स्थापत्यकला शैली के पूर्ण विकसित रूप का पता चलता है. यह एक आयताकार भवन है जिसकी लम्बाई 320 फीट, चौड़ाई 215 फीट तथा ऊँचाई 32 फीट है. महल की चहारदीवारी अधिक सादी व सुदृढ़ है. महल के चारों कोने पर चपटे गुम्बद हैं इसकी निर्माण शैली में भारतीय शैली के कोष्ठकों का प्रयोग किया गया है.
- **मरियम का महल**—इसमें कमरों में अतिरिक्त कई आँगन अथवा स्नानागार की योजना है. इसके चारों ओर स्तम्भों पर बरामदें स्थित हैं. स्तम्भों पर हाथी, पशु की आकृतियाँ, युद्ध, जुलूस, शिकार और परियों का चित्र अंकित हैं. इन चित्रों के कारण इसे अकबर का रंगीन महल या चित्रालय भी कहा जाता था.
- **जामा मस्जिद**—नवीन राजधानी फतेहपुर सीकरी की सबसे महत्वपूर्ण भवन जामा मस्जिद है. इसे 'रोमान्स इन द स्टोन' या पत्थर में रूमानी कथा कहा गया है. अकबर ने अपनी दीन-ए-इलाही की घोषणा यहीं से की थी. इसका मानचित्र सुप्रसिद्ध मक्का की मस्जिद पर आधारित है.
- **बुलंद दरवाजा**—बुलंद दरवाजा जामा मस्जिद के दक्षिणी द्वार में निर्मित भारत का सबसे ऊँचा प्रवेश द्वार है. 42 फीट ऊँची चौकी जो सीढ़ियों से युक्त है पर बना 134 फीट ऊँचा यह दरवाजा जमीन से कुल 176 फीट ऊँचा है. इसका निर्माण अकबर ने 1573 में अपनी गुजरात विजय की स्मृति में कराया था. 1601 ई. में असीरगढ़ के विजय के बाद इस दरवाजे की ऊँचाई और बढ़ा दी गई. इसीलिए इसे गुजरात विजय और दक्षिण विजय दोनों का प्रतीक माना जाता है. इसके निर्माण में लाल व काले बलुआ पत्थर का प्रयोग हुआ है.

चिदम्बरम

तंजावुर से लगभग 110 किमी दूर स्थित चिदम्बरम का यह पवित्र शहर अपने द्रविड़ वास्तुकला वाले मन्दिरों के लिए प्रसिद्ध है. यहाँ का मुख्य आकर्षण चिदम्बरम नटराज मन्दिर है, जो भगवान शिव को समर्पित है. वर्तमान मन्दिर 10वीं शताब्दी में बनाया गया था जब चिदम्बरम चोल राजवंश की राजधानी थीं.

प्रमुख तथ्य

- यह पूरे राज्य में फैले उन 5 मन्दिरों में से एक है, जो वायु, जल, पृथ्वी, अग्नि और आकाश का प्रतिनिधित्व करते हैं.
- इस मन्दिर में भगवान शिव को नृत्य के देवता नटराज के रूप में पूजा जाता है, जबकि बाकी स्थानों पर शिवलिंग की पूजा की जाती है.
- इस मन्दिर में भगवान गोविंदराज पेरुमल के रूप में भगवान विष्णु की भी पूजा की जाती है.
- नाट्यशास्त्र पर आधारित कला में चिदम्बरम मन्दिर में उत्कीर्णित नटराज की शताधिक नृत्य की भंगिमाओं का निर्माण साहित्य एवं कला की दृष्टि से अद्वितीय एवं अप्रतिम है.
- 7वीं शताब्दी से लेकर 16वीं सदी तक चिदंबरम मंदिर के विकास में पांड्य, चोल, विजयनगर के नरेशों, स्थानीय महाजनों तथा जनगण का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिन्होंने मन्दिर के स्तम्भों और दीवारों पर नटराज की नृत्य मुद्रा की प्रतिमाओं को नाट्यशास्त्रीय आधार पर उत्कीर्ण कराया.
- अरिंजय चोला ने चिदम्बरम मन्दिर के शिव पर तमिल भजन लिखा था.
- चिदम्बरम मन्दिर में नटराज की तांडव नृत्य की 108 मुद्राएं को भरत के नाट्यशास्त्र में वर्णित भंगिमाओं का मूर्तरूप हैं.
- चिदम्बरम मन्दिर के संरक्षकों ने शब्द को शिल्प में रूपांतरित करने की जिस प्रतिमा कला का विकास भारत में किया है वह स्वयं में भारतीय संस्कृति का एक अकेला मानदंड है.

अजन्ता

प्रमुख तथ्य

- महाराष्ट्र प्रान्त के औरंगाबाद जिले में अजन्ता नाम की पहाड़ी है. हैदराबाद के समीप जलगाँव नामक रेलवे स्टेशन से लगभग 37 मील की दूरी पर फरदापुर नामक ग्राम है. यहाँ से 2 मील दक्षिण-पश्चिम की ओर अजन्ता नामक ग्राम बसा है. इसी के नाम पर पहाड़ी का नाम अजन्ता पड़ गया.
- यहाँ पर्वत को काटकर 29 गुफाएं बनाई गई हैं जिनकी छतों और दीवारों पर अत्युत्कृष्ट चित्रकारियाँ मिलती हैं.
- अजन्ता में अब केवल 6 गुफाओं (9, 10, 16, 17, 1-2) के चित्र ही अवशिष्ट हैं, अन्य नष्ट हो गए हैं.
- इनका समय ईसा-पूर्व प्रथम शती से लेकर 7वीं शती ईस्वी तक है.
- 9वीं-10वीं गुफाओं के चित्र सर्वप्राचीन हैं जिसका समय ईसा पूर्व प्रथम शती है. इन गुफाओं के चित्रों में एक राजकोष जुलूस का चित्र प्रसिद्ध है.
- 16वीं-17वीं गुफाओं के चित्र गुप्तकाल के हैं और वे कला की दृष्टि से सर्वोत्तम हैं.
- 'मरणासन्न राजकुमारी' (Dying Princess) तथा 'माता और शिशु' (Mother and Child) नामक चित्र अत्यन्त सुन्दर, आकर्षक एवं प्रभावोत्पादक है. भारतीय तथा विदेशी दोनों ही कलाविदों ने इनकी प्रशंसा की है.
- पहली-दूसरी गुफाओं के चित्र 7वीं शती के हैं.
- यहाँ के चित्रों में चालुक्य नरेश पुलकेशिन् द्वितीय द्वारा फारसी दूत-मण्डल का स्वागत करते हुए दिखाया गया चित्र प्रसिद्ध है.
- इस प्रकार समग्ररूप से अजन्ता की चित्रकला बड़ी प्रशंसनीय है. यहाँ के भित्ति चित्र विश्व इतिहास में सर्वथा बेजोड़ हैं.
- चित्रकला के अतिरिक्त अजन्ता से मूर्तिकला के भी सुन्दर उदाहरण मिलते हैं.

अफसढ़

प्रमुख तथ्य

- यह स्थान बिहार राज्य के गया जिले में है.
- यहाँ से एक लेख मिला है, जो परवर्ती अथवा उत्तर गुप्त वंश के इतिहास पर महत्वपूर्ण प्रकाश डालता है.
- यह लेख आदित्यसेन द्वारा खुदवाया गया था. इसमें उत्तरगुप्तों की वंशावली कृष्णगुप्त से लेकर आदित्यसेन के समय तक मिलती है.
- साथ-ही-साथ यह लेख मौखरि तथा उत्तरगुप्तों के संघर्ष पर भी प्रकाश डालता है.
- आदित्यसेन की उपलब्धियों का वर्णन इसमें मिलता है जहाँ बताया गया है कि "उसके श्वेतछत्र से सम्पूर्ण पृथ्वी सदा ढँकी रहती थी". इस लेख से ज्ञात होता है कि आदित्यसेन की माता श्रीमती तथा उसकी पत्नी कौणदेवी ने क्रमशः एक विहार तथा तड़ाग का निर्माण करवाया था.
- लेख में कोई तिथि अंकित नहीं है.

●●●

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग

स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला) मुख्य परीक्षा

उपकार प्रकाशन की सहायक पुस्तकें

Code 2642
₹ 190.00

Code 2593
₹ 200.00

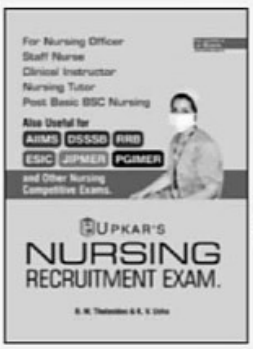

Code 3012
₹ 165.00

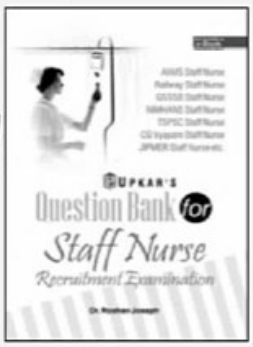

Code 1983
₹ 199.00

उपकार प्रकाशन, आगरा-5
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

भारतीय इतिहास, कला एवं संस्कृति

सूफीवाद

सुर्खियों में क्यों ?

हाल ही में सूफीवाद पर 'इन सर्च ऑफ द डिवाइनः लिविंग हिस्ट्रीज ऑफ सूफीज़्म इन इंडिया' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई है.

सूफीवाद इस्लाम का एक आध्यात्मिक रहस्यवाद है तथा यह एक धार्मिक सम्प्रदाय है जो ईश्वर की आध्यात्मिक खोज पर ध्यान केन्द्रित करता है और भौतिकवाद को नकारता है. सूफीवाद इस्लाम के भीतर एक उदारवादी सुधार आंदोलन था, जिसकी उत्पत्ति फारस में हुई थी. सूफीवाद भारत में 10-11वीं शताब्दी में आया और 12वीं शताब्दी में लोकप्रिय हुआ.

प्रमुख तथ्य

- दुनिया में सबसे पहले सूफियों की पहचान अरब में हुई. सूफी लोगों को 8वीं और 9वीं शताब्दी के दौर से ही देखा जा रहा है.
- भारत में सूफी परम्परा की शुरूआत 12वीं शताब्दी के आखिर में हुई. तुर्की आक्रमण के दौरान सूफी भारत आए, जिसे महमूद गजनवी की पंजाब विजय से जोड़कर देखा जाता है. लम्बे वक्त तक सूफी लोगों को उनके पहनावे यानी ऊनी कपड़ों के जरिए पहचाना जाता था. लेकिन बाद में सूफी को लेकर लोगों के अलग-अलग मत सामने आए.
- **'सूफी'** शब्द की उत्पत्ति अरबी शब्द **'सफा'** से हुई है, जिसके दो अर्थ हैं– पहला, ऐसे व्यक्ति जो ऊनी वस्त्र पहनते हैं और दूसरा, शुद्धता और पवित्रता, सूफीवाद कुरान की उदार व्याख्या, जिसे 'तरीकत' कहा जाता है, के साथ जुड़ा हुआ है. शरीयत में कुरान की रूढ़िवादी व्याख्या की गई है. सूफीवाद का मानना है कि 'हक' (ईश्वर) और 'खलक' (आत्मा) एक ही है.
- सूफीवाद के सिद्धांत **'ईश्वर की प्राप्ति'** पर आधारित है, जिसे हिन्दू या मुसलमान में भेद किए बिना ईश्वर से प्रेम, उसकी प्रार्थना, उपवास और अनुष्ठानों के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है. साथ ही सूफीवाद में इस बात पर बल दिया गया है कि ईश्वर और उसके भक्तों के बीच कोई मध्यस्थ नहीं होना चाहिए.
- सूफीवाद इस्लाम का एक आध्यात्मिक रहस्यवाद है तथा यह एक धार्मिक सम्प्रदाय है, जो ईश्वर की आध्यात्मिक खोज पर ध्यान केन्द्रित करता है और भौतिकवाद को नकारता है.
- यह इस्लामी रहस्यवाद का एक रूप है जो तपस्या पर जोर देता है. इसमें भगवान की भक्ति पर बहुत जोर दिया गया है.
- सूफीवाद में आत्म-अनुशासन को धारणा के माध्यम से ईश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक आवश्यक शर्त माना जाता है.
- 12वीं ईस्वी की शुरूआत में फारस में कुछ धार्मिक लोग खलीफा के बढ़ते भौतिकवाद के कारण तपस्या की ओर मुड़ गए. उन्हें 'सूफी' कहा जाने लगा.
- भारत में सूफी आंदोलन 1300 ईस्वी में शुरू हुआ और 15वीं शताब्दी में दक्षिण भारत में आया.
- सूफीवाद में आत्म-अनुशासन को ईश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक आवश्यक शर्त माना जाता था, जबकि रूढ़िवादी मुसलमान बाहरी आचरण पर जोर देते हैं, सूफी आंतरिक शुद्धता पर जोर देते हैं.
- मुल्तान और पंजाब शुरूआती केन्द्र थे और बाद में यह कश्मीर, बिहार, बंगाल और दक्कन में फैल गया.

सूफी मत से सम्बन्धित शब्द

सूफी शब्द	अर्थ
तसव्वुफ	*सूफीवाद*
शेख/पीर/मुर्शिद	*धर्मगुरु*
मुरीद	*शिष्य*
खलीफा	*उत्तराधिकारी*
खानकाह	*धर्मशाला (विशेष रूप से किसी मठ द्वारा संचालित)*
शमां	*सांगीतिक कार्यक्रम*
रक्स	*नृत्य*
फना	*स्वविनाश*

विभिन्न सूफी सिलसिले, उसके संस्थापक और उनके आदर्शों की सूची

सिलसिला	संस्थापक	आदर्श
चिश्ती	***ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती***	*इस सिलसिले के संत एवं अनुयायी शासक वर्ग से अलग रहते थे. इस सिलसिले के संत महबूब-ए-इलाही ने संगीत गायन की विधा 'शमां' को लोकप्रिय बनाया.*
सुहरावर्दी	***शेख शहाबुद्दीन सुहरावर्दी***	*इन लोगों का शासक वर्ग से घनिष्ठ सम्बन्ध था.*
कादिरी	***शेख निजमत उल्लाह***	*ये लोग इस्लाम की बुनियादी बातों का दृढ़ता से पालन करते थे.*
नक्शबन्दी	***ख्वाजा पीर मोहम्मद***	*रूढ़िवादी सिलसिला. मुजद्दिद ने शिया के दर्शन वहादत-उल-शहदूद का विरोध किया था. उन्होंने 'लाल-ए-खाफिद' नामक पुस्तक लिखी थी. उन्हें जहाँगीर ने गिरफ्तार किया था.*
फिरदौसी	***शेख सरफुद्दीन याह्या***	*सुहरावादी सिलसिला की शाखा*
रशानिया (अकबर के शासनकाल में)	***मियां बयाजिद अंसारी (पीर रोशन)***	*खैर-उल-बयान के लेखक*
महदवी	***मुल्ला मोहम्मद महदी***	*रूढ़िवादी मुसलमानों का विरोध किया.*
रिसी	***नुरूद्दीन नूरानी (वली)***	*रूढ़िवादी मुसलमानों का विरोध किया.*
कलन्दरिया	***अबू वली कलन्दर***	*इस सिलसिले के घुम्मकड़ भिक्षुओं को 'दरवेश' कहा जाता है.*
सत्तारी	***अब्दुल्लाह सत्तारी***	*खुदा के साथ सीधे सम्पर्क का दावा किया.*

वर्तमान समय में सूफीवाद की प्रासंगिकता

- समाज में बढ़ती असहिष्णुता और हिंसा के साथ सूफ़ीवाद वर्तमान समय में और भी महत्वपूर्ण हो गया है.
- सूफीवाद ईश्वर के प्रति प्रेम और भक्ति में विश्वास करता है. इसके आदेश में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है. यह तालिबान द्वारा अनुसरण किए जाने वाले इस्लाम के हिंसक और कट्टरपंथी रूप के विपरीत है.
- यह किसी भी सामाजिक वर्गीकरण जैसे– धर्म, जाति, वर्ग या लिंग में विश्वास नहीं करता है. लोगों में बढ़ते मतभेदों के बीच सूफीवाद सभी मनुष्यों की आवश्यक समानता का संदेश देता है.
- यह सामाजिक कल्याण पर जोर देता है जिसके परिणामस्वरूप धर्मार्थ प्रकृति के कार्यों के साथ-साथ अनाथालय और महिला सेवा-केन्द्रों की स्थापना करना है. निजामुद्दीन औलिया धर्म या जाति से परे जरूरतमंदों के बीच उपहार बाँटने के लिए प्रसिद्ध थे.
- ऐसे समय में जब सत्ता के लिए संघर्ष प्रचलित पागलपन है, सूफीवाद लोगों को उनके नैतिक दायित्वों की याद दिलाता है. कलह और संघर्षपूर्ण इस दुनिया में यह शांति एवं सद्भाव का संदेश देता है.
- सूफीवाद द्वारा ध्यान पर अत्यधिक बल दिया गया. ध्यान हमारे शरीर और दिमाग में बढ़ते तनाव को शांति और सन्तुलन प्रदान करता है जो भावनात्मक बल प्रदान कर व्यक्ति की भलाई और समग्र स्वास्थ्य दोनों का लाभ पहुँचा सकता है.

श्री अरबिंदो

सुर्खियों में क्यों ?

हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री ने आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में श्री अरबिंदो की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में पुडुचेरी में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया. इसी अवसर पर प्रधानमंत्री ने श्री अरबिंदो के सम्मान में एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया.

अरविन्द घोष या श्री अरबिंदो एक महान् योगी एवं दार्शनिक थे. इन्होंने युवा अवस्था में स्वतंत्रता संग्राम में क्रान्तिकारी के रूप में भाग लिया, किन्तु बाद में यह एक योगी बन गए और इन्होंने पांडिचेरी में एक आश्रम स्थापित किया. वेद, उपनिषद् ग्रन्थों आदि पर टीका लिखी. योग साधना पर मौलिक ग्रन्थ लिखे. उनका पूरे विश्व में दर्शनशास्त्र पर बहुत प्रभाव रहा है और उनकी साधना पद्धति के अनुयायी सब देशों में पाए जाते हैं. यह कवि भी थे और गुरु भी.

प्रमुख तथ्य

- श्री अरबिंदो का जन्म 15 अगस्त, 1872 को कलकत्ता में हुआ था. अरविंद के पिता का नाम केडी घोष और माता का नाम स्वमलता था.
- अरविंद घोष ना केवल आध्यात्मिक प्रकृति के धनी थे, बल्कि उनकी उच्च साहित्यिक क्षमता उनकी माँ की शैली की थी. उनके पिता एक डॉक्टर थे. जब अरविन्द घोष 5 वर्ष के थे उन्हें दार्जिलिंग के लोरेटो कान्वेंट स्कूल में भेज दिया गया. 2 वर्ष के बाद 1879 में अरविन्द घोष को उनके भाई के साथ उच्च शिक्षा के लिए इंगलैण्ड भेज दिया गया.
- अरविन्द ने अपनी पढ़ाई लंदन के सेंट पॉल स्कूल से पूरी की. वर्ष 1890 में 18 वर्ष की उम्र में अरविन्द को कैम्ब्रिज में प्रवेश मिल गया. यहाँ पर उन्होंने स्वयं को यूरोपीय क्लासिक्स के एक छात्र के रूप में प्रतिष्ठित किया.
- अपने पिता की इच्छा का पालन करने के लिए, उन्होंने कैम्ब्रिज में रहते हुए आईसीएस के लिए आवेदन भी दिया. उन्होंने 1890 में पूरे विश्वास के साथ भारतीय सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण की. हालाँकि वह घुड़सवारी की परीक्षा में विफल रहे और इसलिए उन्हें भारत सरकार की सिविल सेवा में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली.
- 1902 में अहमदाबाद के कांग्रेस सत्र में अरविन्द बाल गंगा तिलक से मिले जहाँ वो वास्तव में उनकी अद्भुत और क्रांतिकारी व्यक्तित्व से बहुत प्रभावित हुए. बाल गंगाधर तिलक से प्रभावित होकर वो भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष से जुड़ गए.
- 1916 में वो पुनः कांग्रेस से जुड़ गए और ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए आक्रामक राष्ट्रवाद के लिए लाला लाजपत राय और बिपिन चन्द्र पाल के साथ एक मुख्य समर्थक बन गए. उन्होंने लोगों से आगे बढ़कर स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने का आग्रह किया. उन्होंने अंग्रेजों से कोई मदद और समर्थन नहीं लिया, क्योंकि वह हमेशा 'स्वराज' में भरोसा करते थे.
- सन् 1903 में वे क्रांतकारी गतिविधियों में शामिल हो गए. अंग्रेजो ने भयभीत होकर सन 1908 में उन्हें और उनके भाई को अलीपुर जेल भेजा. यहाँ उन्हें दिव्य अनुभूति हुई. जेल से छूटकर अंग्रेजी में 'कर्मयोगी' और बंगला भाषा में 'धर्म' पत्रिकाओं का सम्पादन किया. उन्होंने 'काशवाहिनी' नामक रचना की. उन्होंने सन् 1912 तक सक्रिय राजनीति में भाग लिया. इसके बाद उनकी रुचि गीता, उपनिषद् और वेदों में हो गई.
- बाद में उन्होंने पुदुचेरी (फ्रांसीसी उपनिवेश) में शरण ली तथा राजनीतिक गतिविधियों का त्याग कर दिया और आध्यात्मिक गतिविधियों को अपना लिया.
- उन्होंने पुदुचेरी में मीरा अल्फासा से मुलाकात की और उनके आध्यात्मिक सहयोग से 'योग समन्वय' हुआ. योग समन्वय का उद्देश्य जीवन से पलायन या सांसारिक अस्तित्व से बचना नहीं है, बल्कि इसके बीच रहते हुए भी हमारे जीवन में आमूलचूल परिवर्तन करना है.
- कई भारतीयों ने द्वितीय विश्व युद्ध को औपनिवेशिक कब्जे से छुटकारा पाने हेतु एक उपयुक्त समय के रूप में देखा तथा अरबिंदो ने अपने हमवतन लोगों से मित्र राष्ट्रों का समर्थन करने और हिटलर की हार सुनिश्चित करने के लिए कहा.
- पुदुचेरी में उन्होंने आध्यात्मिक साधकों के एक समुदाय की स्थापना की, जिसने वर्ष 1926 में श्री अरबिंदो आश्रम के रूप में आकार लिया.
- उनका मानना था कि पदार्थ, जीवन और मन के मूल सिद्धांतों को स्थलीय विकास के माध्यम से सुपरमाइंड के सिद्धांत द्वारा अनंत और परिमित दो क्षेत्रों के बीच एक मध्यवर्ती शक्ति के रूप में सफल किया जाएगा.

साहित्यिक रचनाएं

- *वंदे मातरम नामक एक अंग्रेजी अखबार (वर्ष 1905 में).*
- *योग के आधार*
- *भगवतगीता और उसका संदेश*
- *मनुष्य का भविष्य विकास*
- *पुनर्जन्म और कर्म*
- *सावित्री : एक किंवदंती और एक प्रतीक*
- *आवर ऑफ गॉड*

- 5 दिसम्बर, 1950 को पुदुचेरी में उनका निधन हो गया.

पर्यावरण एवं प्रदूषण

कुनमिंग–मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क (Kunming-Montreal Global Biodiversity Framework—GBF)

सुर्खियों में क्यों ?

हाल ही में जैव विविधता पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय के पक्षकारों के 15वें सम्मेलन (COP15) में 'कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क' (Kunming –Montreal Global Biodiversity Framework—GBF) को अपनाया गया है.

प्रमुख तथ्य

- हाल ही में जैव विविधता पर सम्मेलन (CBD) के पक्षकारों के सम्मेलन (COP15) में कुनमिंग-मॉन्ट्रियल ग्लोबल बायोडायवर्सिटी फ्रेमवर्क (GBF) को अपनाया गया.
- यह एक वैश्विक समझौता है, जो 2030 तक जैव विविधता के लिए कार्रवाई और फंडिंग का मार्गदर्शन करेगा.

जीबीएफ फंड

कुनमिंग-मॉन्ट्रियल ग्लोबल बायो-डायवर्सिटी फ्रेमवर्क (जीबीएफ) के कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए ग्लोबल एनवायरनमेंट फैसिलिटी (GEF) द्वारा एक विशेष ट्रस्ट फंड की स्थापना की जाएगी. प्रतिनिधियों ने GBF के भीतर आनुवंशिक संसाधनों (DSI) पर डिजिटल अनुक्रम सूचना के प्रदाताओं और उपयोगकर्ताओं के बीच लाभों के समान बँटवारे के लिए एक बहुपक्षीय कोष स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है, जिसे 2024 में COP16 में अंतिम रूप प्रदान किया जाएगा.

कुनमिंग-मॉन्ट्रियल ग्लोबल बायो-डायवर्सिटी फ्रेमवर्क

- कुनमिंग-मॉन्ट्रियल ग्लोबल बायो-डायवर्सिटी फ्रेमवर्क (GBF) के अंतर्गत 23 लक्ष्यों को निर्धारित किया गया है, जिन्हें सदस्य देशों को 2030 तक प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है.
- GBF के यह लक्ष्य, 2010 के आइची जैव विविधता लक्ष्यों (Aichi Biodiversity Targets) को प्रतिस्थापित करेंगे.

लक्ष्य

- जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों और सेवाओं के लिए विशेष महत्व के क्षेत्रों पर बल देने के साथ विश्व की कम-से-कम 30% भूमि, अंतर्देशीय जल, तटीय क्षेत्रों और महासागरों का संरक्षण और प्रबंधन करना. वर्तमान में दुनिया के क्रमशः 17% और 10% स्थलीय और समुद्री क्षेत्र संरक्षण के अंतर्गत हैं.
- उच्च पारिस्थितिक अखण्डता के पारिस्थितिक तंत्र सहित उच्च जैव विविधता महत्व के क्षेत्रों के नुकसान को लगभग शून्य तक कम करना.
- वैश्विक खाद्य अपशिष्ट को आधा करना तथा अपशिष्ट उत्पादन को महत्वपूर्ण रूप से कम करना.
- अतिरिक्त पोषक तत्वों और कीटनाशकों एवं अत्यधिक खतरनाक रसायनों द्वारा उत्पन्न समग्र जोखिम को 50% तक कम करना.
- सार्वजनिक और निजी, सभी स्रोतों से घरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता से सम्बन्धित वित्त पोषण के लिए प्रति वर्ष कम-से-कम 200 बिलियन डॉलर प्राप्त करना.
- अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रवाह को, विकसित से विकासशील देशों, विशेष रूप से कम विकसित देशों, छोटे द्वीप विकासशील राज्यों और संक्रमणकालीन अर्थव्यवस्था वाले देशों में 2025 तक कम-से-कम 20 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष और 2030 तक कम-से-कम 30 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष तक बढ़ाना.
- प्राथमिक आक्रामक विदेशी प्रजातियों की शुरूआत को रोकना और अन्य ज्ञात या सम्भावित आक्रामक विदेशी प्रजातियों की शुरूआत और स्थापना को 50% तक कम करना तथा द्वीपों और अन्य प्राथमिकता वाले स्थलों पर आक्रामक विदेशी प्रजातियों का उन्मूलन या नियंत्रण करना.
- संचयी प्रभावों पर विचार करते हुए, 2030 तक सभी स्रोतों से होने वाले प्रदूषण के जोखिमों और प्रदूषण के नकारात्मक प्रभाव को उस स्तर तक कम करना जो जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों और सेवाओं के लिए हानिकारक नहीं हैं.
- खाद्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, विज्ञान आधारित एकीकृत कीट प्रबंधन के माध्यम से कीटनाशकों और अत्यधिक खतरनाक रसायनों से होने वाले समग्र जोखिम को 50% तक कम करना.
- प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने, कम करने और समाप्त करने की दिशा में कार्य करना.
- जैव विविधता पर जलवायु परिवर्तन और समुद्र के अम्लीकरण के प्रभाव को कम करना.
- कृषि, जलीय कृषि, मत्स्य पालन और वानिकी के क्षेत्रों को, जैव विविधता के सतत् उपयोग के माध्यम से प्रबंधित करना.
- उत्पादन प्रणालियों के लचीलेपन एवं दीर्घकालिक दक्षता और उत्पादकता तथा खाद्य सुरक्षा के लिए प्रकृति के योगदान को बनाए रखना.
- आनुवंशिक संसाधनों के उपयोग और आनुवंशिक संसाधनों पर डिजिटल अनुक्रम सूचना के साथ-साथ पारम्परिक ज्ञान से उत्पन्न होने वाले लाभों का उचित और समान साझाकरण सुनिश्चित करने के लिए सभी स्तरों पर प्रभावी कानूनी, नीतिगत, प्रशासनिक और क्षमता-निर्माण के उपाय करना.
- जैव विविधता पर नकारात्मक प्रभावों को उत्तरोत्तर कम करने, सकारात्मक प्रभावों को बढ़ाने तथा व्यापार और वित्तीय संस्थानों के लिए जैव विविधता से सम्बन्धित जोखिमों को कम करने और उत्पादन के स्थायी पैटर्न को सुनिश्चित करने के प्रावधानों को बढ़ावा देना.
- जैव विविधता पर सम्मेलन (CBD) के अनुच्छेद 8(जी) में निर्धारित जैव सुरक्षा उपायों के लिए सभी देशों में क्षमता स्थापित करना.
- लैंगिक-उत्तरदायी दृष्टिकोण के माध्यम से कार्यान्वयन में लैंगिक समानता सुनिश्चित करना, जहाँ सभी महिलाओं और लड़कियों के पास समान अधिकार हो और भूमि, प्राकृतिक संसाधनों तक पहुँच और उनके समान अधिकारों को मान्यता प्राप्त हो.

दीर्घकालिक लक्ष्य

जैव विविधता के लिए 2050 विजन से सम्बन्धित ढाँचे में 2050 के लिए चार दीर्घकालिक लक्ष्य भी निर्धारित किए गए हैं–

- 2050 तक प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र के क्षेत्र में वृद्धि करते हुए, सभी पारिस्थितिक तंत्रों की अखण्डता, कनेक्टिविटी और लचीलेपन को बनाए रखना या बढ़ाना.
- ज्ञात खतरे वाली प्रजातियों के मानव प्रेरित विलुप्त होने को रोकना तथा 2050 तक, प्रजातियों की विलुप्त होने की दर और जोखिम को दस गुना तक कम करना.
- संरक्षण और टिकाऊ प्रबंधन प्रथाओं के माध्यम से जंगली और पालतू प्रजातियों की आनुवंशिक विविधता को बनाए रखना.
- 2050 तक, वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लाभ के लिए जैव विविधता का निरन्तर उपयोग और प्रबंधन करना तथा पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों और सेवाओं के योगदान के महत्व को बनाए रखना और बढ़ाना.
- आनुवंशिक संसाधनों के उपयोग से मौद्रिक और गैर-मौद्रिक लाभ और आनुवंशिक संसाधनों पर डिजिटल अनुक्रम की जानकारी तथा आनुवंशिक संसाधनों से जुड़े पारम्परिक ज्ञान से प्राप्त लाभ को स्वदेशी लोगों और स्थानीय समुदायों के साथ उचित और समान रूप से साझाकरण को 2050 तक लगातार बढ़ाना.
- अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सहमत, पहुँच और लाभ-साझाकरण उपकरणों के अनुसार, जैव विविधता के संरक्षण और स्थायी उपयोग में योगदान देना, जिससे आनुवंशिक संसाधनों से जुड़े पारम्परिक

ज्ञान का उचित रूप से संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके.

- कुनमिंग-मॉन्ट्रियल ग्लोबल बायो-डायवर्सिटी फ्रेमवर्क (जीबीएफ) में वैश्विक जैव-विविधता ढाँचे को पूरी तरह से लागू करने के लिए वित्तीय संसाधनों, क्षमता-निर्माण, तकनीकी और वैज्ञानिक सहयोग और प्रौद्योगिकी तक पहुँच और हस्तांतरण सहित कार्यान्वयन के पर्याप्त साधन सुरक्षित करना, जो सभी पक्षों, विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए भी समान रूप से सुलभ हों.

जैव विविधता पर कन्वेंशन (CBD)

CBD जैव विविधता के संरक्षण के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि है जो वर्ष 1993 से लागू है और 196 देशों द्वारा इसकी पुष्टि की गई है. यह देशों के लिए जैव विविधता की रक्षा, सतत् उपयोग सुनिश्चित करने और उचित एवं न्यायसंगत लाभ साझाकरण को बढ़ावा देने हेतु दिशा-निर्देश निर्धारित करता है. इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन पर वर्ष 2015 के पेरिस समझौते के समान जैव विविधता के नुकसान को रोकने और प्रतिपूर्ति के लिए एक ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल करना है. CBD सचिवालय मॉन्ट्रियल, कनाडा में स्थित है.

CBD के तहत् पक्षकार (देश) नियमित अंतराल पर बैठक करते हैं और इन बैठकों को पक्षकारों का सम्मेलन (COP) कहा जाता है. वर्ष 2000 में बायोसेफ्टी पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल के रूप में ज्ञात अभिसमय के लिए एक पूरक समझौता अपनाया गया था. यह 11 सितम्बर, 2003 को लागू हुआ. प्रोटोकॉल आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी से उत्पन्न संशोधित जीवों द्वारा उत्पन्न सम्भावित जोखिमों से जैवविविधता की रक्षा करना चाहता है.

आनुवंशिक संसाधनों तक पहुँच और उनके उपयोग (Access to Genetic Resources and the Fair and Equitable Sharing of Benefits Arising from their Utilization—ABS) से प्राप्त होने वाले लाभों के उचित और न्यायसंगत साझाकरण पर नागोया प्रोटोकॉल को COP10 में नागोया, जापान में वर्ष 2010 में अपनाया गया था. यह 12 अक्टूबर, 2014 को लागू हुआ. यह प्रोटोकॉल न केवल CBD के तहत् शामिल आनुवंशिक संसाधनों और उनके उपयोग से उत्पन्न होने वाले लाभों पर लागू होता है, बल्कि आनुवंशिक संसाधनों से जुड़े उस पारम्परिक ज्ञान (Traditional Knowledge—TK) को भी कवर करता है, जो CBD और इसके उपयोग से होने वाले लाभों से आच्छादित हैं.

वर्ष 2010 में नागोया में CBD की कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (COP)–10 में वर्ष 2011–2020 हेतु 'जैव विविधता के लिए रणनीतिक योजना' को अपनाया गया. इसमें पहली बार विषय विशिष्ट 20 जैव विविधता लक्ष्यों–जिन्हें आइची जैव विविधता लक्ष्य के रूप में भी जाना जाता है, को अपनाया गया.

भारत में CBD के प्रावधानों को प्रभावी बनाने हेतु वर्ष 2002 में जैविक विविधता अधिनियम अधिनियमित किया गया.

स्टेट ऑफ फाइनेंस फॉर नेचर रिपोर्ट (State of Finance for Nature Report)

सुर्खियों में क्यों ?

हाल ही में स्टेट ऑफ फाइनेंस फॉर नेचर रिपोर्ट का दूसरा संस्करण जारी किया गया. यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UN Environment Programme—UNEP) द्वारा जर्मनी के संघीय आर्थिक सहयोग और विकास मंत्रालय (BMZ) की द इकोनॉमिक ऑफ लैंड डीग्रेडेशन पहल, 'संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय' (United Nations Convention to Combat Desertification—UNCCD) और यूरोपीय आयोग द्वारा संयुक्त रूप से जारी की गई थी.

प्रमुख तथ्य

रिपोर्ट के प्रमुख बिंदु–

- वर्तमान में लगभग 133 बिलियन अमरीकी डॉलर वार्षिक प्रकृति-आधारित समाधानों (NbS) के माध्यम से व्यय होते हैं (2020 को आधार वर्ष के रूप में उपयोग करते हुए). इसमें वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 0·10% शामिल है.
- स्थायी वानिकी जैसी गतिविधियों के साथ मिश्रित जैव विविधता और परिदृश्य की रक्षा के लिए धन का उपयोग होता है.
- NbS वित्त जलवायु वित्त की तुलना में बहुत कम है और सार्वजनिक वित्त पर अधिक निर्भर करता है.
- इन निवेशों में सार्वजनिक कोष 86% और निजी वित्त 14% है.
- सार्वजनिक वित्तीय सेवा प्रदाताओं में सरकार, विकास वित्त संस्थान (DFIs), पर्यावरण/जलवायु निधि शामिल हैं.
- इसके लिए सार्वजनिक क्षेत्र के खर्च में संयुक्त राज्य अमरीका और चीन का वर्चस्व है, इसके बाद जापान, जर्मनी और आस्ट्रेलिया का स्थान है.
- ब्राजील, भारत और सऊदी अरब जैसे देश भी बड़ी मात्रा में पैसा खर्च कर रहे हैं, लेकिन वे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर तुलनीय डेटा की रिपोर्ट नहीं करते हैं.

प्रकृति आधारित समाधान (NbS)

इस प्रकार NbS सतत् विकास लक्ष्यों को रेखांकित करता है, क्योंकि वे महत्वपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र सेवाओं, जैव विविधता और ताजे पानी तक पहुँच, बेहतर आजीविका, स्वस्थ आहार तथा स्थायी खाद्य प्रणालियों से खाद्य सुरक्षा (जैविक कृषि) का समर्थन करते हैं. साथ ही NbS जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने के समग्र वैश्विक प्रयास का एक अनिवार्य घटक है. NbS सामाजिक-पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए स्थायी प्रबंधन और प्रकृति के उपयोग को संदर्भित करता है, जो आपदा जोखिम में कमी, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के नुकसान से लेकर खाद्य और जल सुरक्षा के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य को कवर करता है. NbS लोगों और प्रकृति के बीच सामंजस्य बनाता है, पारिस्थितिक विकास को सक्षम बनाता है और जलवायु परिवर्तन के प्रति समग्र जन-केन्द्रित प्रतिक्रिया का प्रतिनिधित्व करता है.

सिफारिशें

- भविष्य की जलवायु, जैव विविधता और भूमि क्षरण लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सार्वजनिक और निजी अभिकर्ताओं को अपने वार्षिक निवेश को कम-से-कम चार गुना बढ़ाने की आवश्यकता होगी. वर्ष 2050 तक वार्षिक निवेश को 536 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँच जाना चाहिए.
- कर सुधार, कृषि नीतियों और व्यापार से सम्बन्धित शुल्कों का पुनः उपयोग करना और कार्बन बाजारों की क्षमता का दोहन करना.
- अन्तर्राष्ट्रीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्राकृतिक वनस्पतियों की बहाली और वनरोपण आवश्यक है. वार्षिक निवेश आवश्यकताओं का सबसे महत्वपूर्ण घटक नए वनों की स्थापना लागत है, क्योंकि यह कुल लागत का 80% हिस्सा है.
- वर्तमान राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान संशोधनों, राष्ट्रीय अनुकूलन योजनाओं और घरेलू क्षेत्रीय कानूनों में प्रकृति-आधारित समाधानों को शामिल करने का समर्थन करना.
- प्रकृति में पूँजी प्रवाह को उस स्तर तक बढ़ाने के लिए सार्वजनिक नीति के साथ

निजी वित्त को संरेखित करना जो तीनों रियो सम्मेलनों के लक्ष्यों को पूरा कर सके.

- NbS के लिए वित्तीय स्थिति की लेबलिंग, ट्रैकिंग, रिपोर्टिंग और सत्यापन के लिए एक व्यापक प्रणाली और ढाँचे की आवश्यकता है.
- यह भविष्य के निर्णय लेने के लिए एक इनपुट के रूप में डेटा तुलनीयता और गुणवत्ता में सुधार करेगा.
- इसके अलावा, जोखिम को कम करके और हानिकारक वित्तीय प्रवाह को कम करने और प्रोत्साहित करने तथा सकारात्मक वित्तीय प्रवाह को बढ़ाने की आवश्यकता है.

आर्थिक एवं वित्तीय अवधारणाएं

ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (Open Network for Digital Commerce—ONDC)

सुर्खियों में क्यों ?

हाल ही में, केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने डिजिटल कॉमर्स हेतु वक्त नेटवर्क (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स/ONDC) के साथ एक जिला एक उत्पाद (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट/ODOP) पहल के एकीकरण का आह्वान किया. ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC) उन प्लेटफार्मों पर 'कम शुल्क' अधिरोपित करेगा जो नेटवर्क के 'रख-रखाव और विकास' में योगदान देंगे. यह नेटवर्क देश में दो सबसे बड़ी ई-कॉमर्स फर्मों यूएस-आधारित अमेजन और घरेलू फ्लिपकार्ट जैसे निजी ई-कॉमर्स द्वारा नेटवर्क पर विक्रेताओं एवं लॉजिस्टिक्स भागीदारों से लिए जाने वाले अनिवार्य कमीशन को कम करने का प्रयास करेगा.

प्रमुख तथ्य

ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC)

- यह वाणिज्य मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (Department of Promotion of Industry and Internal Trade—DPIIT) द्वारा स्थापित एक ओपन ई-कॉमर्स प्रोटोकॉल है.
- ONDC के तहत् यह परिकल्पना की गई है कि एक भागीदार ई-कॉमर्स साइट (उदाहरण के लिए—अमेजन) पर पंजीकृत खरीदार किसी अन्य प्रतिभागी ई-कॉमर्स साइट (उदाहरण के लिए फ्लिपकार्ट) पर विक्रेता से सामान खरीद सकता है.
- वर्तमान में एक ही प्लेटफॉर्म के माध्यम से होने वाले लेन-देन के लिए खरीदारों और विक्रेताओं को एक ही एप पर उपस्थित होना आवश्यक होता है. उदाहरण के लिए किसी खरीदार को अमेजन (Amazon) पर किसी विक्रेता से उत्पाद खरीदने के लिए अमेजन के ही एप या वेबसाइट पर जाना होगा.

उद्देश्य

- ई-कॉमर्स का लोकतंत्रीकरण और विकेन्द्रीकरण.
- विक्रेताओं, विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्यमों के साथ-साथ स्थानीय व्यवसायों के लिए समावेशिता और पहुँच.
- उपभोक्ताओं के लिए विकल्पों और निर्भरता में वृद्धि.

ONDC के फायदे

- ONDC सभी ई-कॉमर्स ऑपरेटरों के लिए एकसमान अवसर प्रदान करने और देश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (Micro, Small and Medium Enterprises—MSMEs) तथा छोटे व्यापारियों के लिए डिजिटल बाजार तक पहुँच के विस्तार का इच्छुक है.
- ONDC रिटेल, फूड और मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने तथा व्यवसायों को रूपांतरित करने के लिए दिग्गज प्लेटफॉर्मों के एकाधिकार को तोड़कर आपूर्तिकर्ताओं व उपभोक्ताओं को सशक्त बनाएगा.
- उपभोक्ता सम्भावित रूप से किसी भी विक्रेता, उत्पाद या सेवा को एक साझा मंच पर खोज सकते हैं, जिससे उपभोक्ताओं के लिए चयन की स्वतंत्रता में वृद्धि होती है.
- ONDC ओपन-सोर्स कार्यप्रणाली पर विकसित ओपन नेटवर्क को बढ़ावा देने, खुले विनिर्देशों एवं नेटवर्क प्रोटोकॉल का उपयोग करने तथा किसी विशिष्ट प्लेटफॉर्म से स्वतंत्र रहने पर लक्षित है. यह यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) जैसे ओपन सोर्स-आधार पर कैटलॉगिंग, वेंडर मैच और प्राइस डिस्कवरी के लिए प्रोटोकॉल तय करेगा.

ONDC से सम्बन्धित चुनौतियाँ

- UPI के विपरीत ONDC को लागू करने के लिए एक जटिल पारिस्थितिकी तंत्र है.
- संतोषजनक सेवा प्रदानकर्ता के लिए मौजूदा ग्राहकों से पदग्राही ग्राहकों को बदलना मुश्किल होगा.
- हो सकता है कि नेटवर्क सहभागी प्रारम्भ में महत्वपूर्ण बाजार विकास निवेश न करें.
- विक्रेता आधार में वृद्धि से नेटवर्क पर खरीदार के अनुभव में सुधार नहीं होगा.
- नेटवर्क पर मुद्रीकरण बहुत स्पष्ट नहीं है.
- खरीदार और विक्रेता पक्षों के बेमेल होने के कारण अधिक ग्राहक बनाना चुनौतीपूर्ण होगा.
- जवाबदेही पर स्पष्टता का अभाव, विशेष रूप से ग्राहकों की शिकायतों और रिटर्न को सम्बोधित करने के मामले में.

एक जिला एक उत्पाद (ODOP) पहल

पृष्ठभूमि—*एक जिला एक उत्पाद (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट/ओडीओपी) पहल का परिचालन रूप से 'निर्यात केन्द्र के रूप में जिलों' पहल के साथ विलय कर दिया गया है.*

वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) पहल के बारे में—*वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) एक पहल है जिसे आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम के रूप में देखा जाता है.*

अधिदेश—*एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना का उद्देश्य एक जिले की वास्तविक क्षमता को वास्तविकता में परिवर्तित करना, आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना एवं रोजगार तथा ग्रामीण उद्यमिता सृजित करना है.*

कार्यान्वयन—*ओडीओपी पहल डीजीएफटी, वाणिज्य विभाग द्वारा उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड/डीपीआईआईटी) के साथ एक प्रमुख हितधारक के रूप में कार्यान्वित की जा रही है. वाणिज्य विभाग डीजीएफटी के माध्यम से एक जिला एक उत्पाद की पहल को प्रोत्साहित करने हेतु राज्य एवं केन्द्र सरकार की एजेंसियों के साथ जुड़ रहा है. ओडीओपी पहल के तहत् राज्यों में राज्य निर्यात संवर्धन समिति (स्टेट एक्सपोर्ट प्रमोशन कमेटी/एसपीईसी) एवं जिला निर्यात संवर्धन समिति (डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट प्रमोशन कमेटी/डीईपीसी) का गठन किया गया है. जिला निर्यात संवर्धन समिति (डीईपीसी) का गठन पश्चिम बंगाल राज्य के जिलों को छोड़कर भारत के सभी जिलों में किया गया है.*

विपणन मार्ग—*ओडीओपी योजना के तहत् सभी उत्पाद नेफेड बाजार, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म एवं सम्पूर्ण भारत के प्रमुख खुदरा विक्रय केन्द्रों पर उपलब्ध होंगे.*

भविष्य के लिए अनुशंसाएं

- प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के साथ प्रतिस्पर्द्धा करने के लिए सरकार द्वारा ई-कॉमर्स हेतु एक बेहतर डिजिटल स्पेस बनाया जाना चाहिए.
- उपभोक्ताओं के साथ-साथ विक्रेताओं के लाभ के लिए विभिन्न भाषाओं और उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस को ध्यान में रखते हुए एक उचित डिजिटल शिक्षा नीति बनाना महत्वपूर्ण है.
- लाखों किराना स्टोरों को प्लेटफॉर्म पर लाने के लिए बड़े पैमाने पर वित्तपोषित किए जाने की आवश्यकता है.
- सूचना विषमता, अपारदर्शी मूल्य निर्धारण, गुणवत्ता सम्बन्धी चिंताओं और क्रेता-विक्रेता विवादों जैसे मुद्दों को हल करने के लिए माँग एवं आपूर्ति पक्षों को एक सुरक्षित एकल खिड़की तक पहुँचने में सक्षम बनाया जाना चाहिए.

भारत विकास रिपोर्ट (India Development Report)

सुर्खियों में क्यों ?

विश्व बैंक ने 'नेविगेटिंग द स्टॉर्म' शीर्षक से प्रकाशित भारत विकास रिपोर्ट में, यह अनुमान लगाया है कि 2022-23 में भारत की अर्थव्यवस्था में 6·9% तक वृद्धि होगी. इस रिपोर्ट में अक्टूबर 2022 में, विश्व बैंक ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद के विकास के अनुमान को 7·5% से घटाकर 6·5% कर दिया था.

प्रमुख तथ्य

- विश्व बैंक (WB) ने अपने नवीनतम 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट-नेविगेटिंग द स्टॉर्म' में वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान भारत के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के विकास के अनुमान को अक्टूबर 2022 के अपडेट में 6·5% से बढ़ाकर 6·9% कर दिया. WB ने रूस-यूक्रेन युद्ध, बढ़ती वैश्विक ब्याज दरों और उच्च मुद्रास्फीति के बीच भारत के वित्त वर्ष पूर्वानुमान को 7·5% से घटाकर 6·5% कर दिया.
- वैश्विक उथल-फथल के बीच किसी भी अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसी द्वारा भारत के विकास के पूर्वानुमान का यह पहला अपग्रेड है.
- हालाँकि, स्थिर बाजार कीमतों पर भारत की वास्तविक GDP वृद्धि वित्त वर्ष 2023-24 में पहले के अनुमानित 7% की तुलना में 6% धीमी रहेगी.

विश्व बैंक (WB)

अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (IBRD) तथा अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की स्थापना एक साथ वर्ष 1944 में अमरीका के न्यू हैम्पशायर में ब्रेटन वुड्स सम्मेलन के दौरान हुई थी. विश्व बैंक समूह विकासशील देशों में गरीबी को कम करने और साझा समृद्धि का निर्माण करने वाले स्थायी समाधानों के लिए काम कर रहे पाँच संस्थानों की एक अनूठी वैश्विक साझेदारी है.

सदस्य

- *189 देश इसके सदस्य हैं.*
- *भारत भी इसका सदस्य है.*

प्रमुख रिपोर्ट

- *ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (प्रकाशन बंद).*
- *मानव पूँजी सूचकांक.*
- *विश्व विकास रिपोर्ट.*

इसके पाँच विकास संस्थान

- *अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (IBRD)*
- *अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ (IDA)*
- *अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम (IFC)*
- *बहुपक्षीय गारंटी एजेंसी (MIGA)*
- *निवेश विवादों के निपटान के लिए अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र (ICSID)*
- *भारत इसका सदस्य नहीं है.*

- FY2023-24 में स्थिर कारक कीमतों पर भारत की वास्तविक GDP वृद्धि 4% होगी.
- विशेष रूप से, भारत को 2047 तक एक विकसित देश बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 8% और उससे अधिक की दर से बढ़ने की आवश्यकता है.

रिपोर्ट के मुख्य अंश

- भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत नीतिगत सुधारों और विवेकपूर्ण नियामक उपायों के कारण वैश्विक चुनौतियों के लिए उल्लेखनीय रूप से लचीली रही है. इन ने इसे अन्य उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (EME) जैसे—चीन, मैक्सिको, ब्राजील की तुलना में अच्छी स्थिति में रखा है, जो Q2FY23 में कम हो गया था.
- मजबूत घरेलू माँग के कारण यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनी रहेगी.
- संयुक्त राज्य अमरीका (US), यूनाइटेड किंगडम (UK) और चीन जैसे प्रमुख व्यापार भागीदारों में धीमी वृद्धि; रूस-यूक्रेन युद्ध और शिपिंग कंटेनरों की वैश्विक कमी और आपूर्ति बाधाओं के कारण लगातार वैश्विक आपूर्ति व्यवधानों के बावजूद निर्यात ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया.
- अक्टूबर 2022 में निजी खपत और निवेश में मजबूती से वृद्धि जारी रही.
- बिजली उत्पादन और माल यातायात पूर्व-महामारी के स्तर से मजबूती से ऊपर रहा.

प्रमुख आँकडे

- वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में 13·5% की तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था 6·3% की दर से बढ़ी.
- व्यावसायिक सेवाओं, खुदरा व्यापार, परिवहन, होटल और रेस्टोरेंट और सार्वजनिक प्रशासन के सम्पर्क-गहन क्षेत्रों में वृद्धि के बीच Q2FY3 में 10·5% की तुलना में सेवा क्षेत्र में साल-दर-साल 9·3% का विस्तार हुआ.
- अनियमित मानसून के मौसम और गेहूँ और चावल उत्पादों पर निर्यात प्रतिबंध के बावजूद कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर 4·6% हो गई.
- दूसरी ओर, बाहरी माँग में कमी, वैश्विक आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और उच्च इनपुट लागत से विनिर्माण क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना जारी रहा, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन में 4·3% संकुचन हुआ.
- मुद्रास्फीति अक्टूबर 2022 में घटकर 6·7% हो गई, लेकिन यह अभी भी RBI के 2-6% के सहिष्णुता बैंड से ऊपर है.
- थोक मूल्य सूचकांक (WPI) अप्रैल 2021 से दोहरे अंकों में रहा है और H1FY23 में औसतन 14·2% रहा है. WPI उन कीमतों को ट्रैक करता है जिन पर व्यवसाय एक दूसरे को बेचते हैं.
- केन्द्र सरकार राजस्व संग्रह में मजबूत वृद्धि के कारण FY23 के लिए DGP के 6·4% के अपने राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पूरा करने के लिए ट्रैक पर है, जिसमें 9·5% की वृद्धि हुई है और 12·2% खर्च हुआ है.
- सरकारी घाटा FY22 में 10·3% और FY21 में 13·3% से घटकर FY23 में 9·6% रहने का अनुमान है.
- सार्वजनिक ऋण भी FY21 में 87·6% के शिखर से, FY23 में GDP के 84·3% तक गिरने का अनुमान है.
- 500 बिलियन डॉलर से अधिक के साथ, भारत के पास दुनिया में अन्तर्राष्ट्रीय

भंडार की सबसे बड़ी होल्डिंग्स में से एक है. हालाँकि 2022 में उनमें लगभग 13% की गिरावट आई है, फिर भी वे लगभग आठ महीने का आयात कवर प्रदान करते हैं.

अन्य एजेंसियों द्वारा भारत के विकास का पूर्वानुमान

- अक्टूबर 2022 में, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने अपने विश्व आर्थिक आउटलुक में वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भारत के आर्थिक विकास के अनुमान को घटाकर 6·8% और वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 6·1% कर दिया था.
- फिच रेटिंग ने ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक 2022 के अपने दिसम्बर संस्करण में अपेक्षा से अधिक मजबूत होने के बीच FY23 में भारत के विकास के अनुमान को 7% तक बनाए रखा. हालाँकि, यह 2023-24 में 2% और 2024-25 में 6·9% तक धीमा हो जाएगा. फिच ने अनुमान लगाया है कि वैश्विक विकास सितम्बर 2022 में 1·7 प्रतिशत के अपने पहले के प्रक्षेपण से 2023 में केवल 1·4 प्रतिशत तक फिसलने की उम्मीद है.
- नवम्बर 2022 में, मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने 2022 के लिए भारत के GDP की वृद्धि दर के अनुमान को 7·7% से घटाकर 7% कर दिया. इसमें 2023 में वृद्धि दर घटकर 4·8% और फिर 2024 में बढ़कर 6·4% रहने का अनुमान है.
- गोल्डमैन सैक्स ने भारतीय अर्थव्यवस्था को कैलेंडर वर्ष 2023 में 5·9% तक बढ़ने का अनुमान लगाया.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

बेस एडिटिंग (Base Editing)

सुर्खियों में क्यों ?

हाल ही में लंदन के ग्रेट ऑरमंड स्ट्रीट अस्पताल के डॉक्टरों ने टी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (T-cell Acute Lymphoblastic Leukemia—T-ALL) से पीड़ित मरीज में कैंसर थेरेपी के एक नए रूप 'बेस एडिटिंग' (Base Editing) नामक एक तकनीक का इस्तेमाल किया है.

प्रमुख तथ्य

बेस एडिटिंग

- बेस/क्षार एक प्रकार से जीवन की भाषा है. जिस तरह वर्णमाला के अक्षर शब्दों के उच्चारण से अर्थ प्रदान करते हैं, उसी तरह हमारे डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड (DNA) में अरबों आधार मानव शरीर के लिए निर्देश पुस्तिका का वर्णन करते हैं. बेस के क्रम में असंतुलन से कैंसर हो सकता है.
- बेस एडिटिंग की तकनीक का उपयोग करके जेनेटिक कोड में केवल एक बेस की आण्विक संरचना को बदला जा सकता है, यह इसके आनुवंशिक निर्देशों को प्रभावी ढंग से बदल सकता है.
- बेस हमारे शरीर के निर्माण का आधार (language of life) है. बेस चार प्रकार के होते हैं—एडेनिन (A), साइटोसिन (C), गुआनिन (G) और थाइमिन (T).
- ये हमारे जेनेटिक कोड के बिल्डिंग ब्लॉक्स हैं. जिस तरह वर्णमाला के अक्षर अर्थ वाले शब्दों का उच्चारण करते हैं, उसी तरह हमारे DNA के अरबों बेस हमारे शरीर के लिए निर्देश पुस्तिका को बयां करते हैं.
- बेस एडिटिंग वैज्ञानिकों को जेनेटिक कोड के एक सटीक हिस्से को जूम करने और फिर सिर्फ एक बेस की आण्विक संरचना को बदलने, इसे दूसरे में बदलने और जेनेटिक निर्देशों में बदलाव की अनुमति देता है.
- डॉक्टरों और वैज्ञानिकों की बड़ी टीम ने इस टूल का उपयोग एक नए प्रकार के T-सेल को इंजीनियर करने के लिए किया जो एलिसा की कैंसरग्रस्त T-कोशिकाओं को खोजने और मारने में सक्षम था.
- इन T-कोशिकाओं को शरीर के संरक्षक माना जाता है यानी खतरों की तलाश करना और नष्ट करना, लेकिन एलिसा के लिए, ये खतरे बन गए थे और नियंत्रण से बाहर हो रहे थे.

T-कोशिकाएं (T-Cells)

- *T-कोशिकाएं एक प्रकार की श्वेत रक्त कोशिका होती है.*
- *T-कोशिकाएं प्रतिरक्षा प्रणाली का हिस्सा है और बोन मेरो में स्टेम कोशिकाओं से विकसित होती हैं.*
- *वे शरीर को संक्रमण से बचाने में मदद करती हैं और कैंसर से लड़ने में मदद कर सकती हैं.*
- *इसे T-लिम्फोसाइट्स और थाइमोसाइट भी कहा जाता है.*
- *T-कोशिकाएं दशकों से मनुष्यों में प्रतिरक्षा होमियोस्टैसिस को बनाए रखते हैं, लेकिन सूजन या ऑटोइम्यून बीमारियों के लिए भी जिम्मेदार हो सकते हैं.*

- क्लस्टर्ड रेगुलरली इंटरस्पेस्ड शॉर्ट पालिंड्रोमिक रिपीट (CRISPR) तकनीक सबसे लोकप्रिय तकनीकों में से एक है जो जीन में बदलाव करने में सक्षम है, जिससे त्रुटियों को ठीक किया जा सकता है. कुछ बेस को सीधे बदलने में सक्षम होने के लिए इस पद्धति में और सुधार किया गया है जैसे कि C को G और T को A में बदला जा सकता है.

CRISPR तकनीक

- क्रिस्पर कैस-9 तकनीक ('Clustered Regularly Interspaced Short Palindromic Repeats' and 'CRISPR—Associated Protein 9') जीन एडिटिंग की वह तकनीक है, जिसका उपयोग किसी जीव के जीनों में परिवर्तन करने या उसके आनुवंशिक गठन में फेर-बदल करने में किया जा सकता है. इसकी खोज वर्ष 2012 में की गई थी. जीनोम एडिटिंग या जीन एडिटिंग तकनीक जीनोम में लक्षित स्थानों पर आनुवंशिक सामग्री को जोड़ने, हटाने या बदलने की अनुमति देती है.
- क्रिस्पर तकनीक में कैस-9 जीन या आनुवंशिक कैंची के द्वारा विशेष तरीके से तैयार किए गए अणु खराब डी.एन.ए. स्ट्रैंड को खोज लेते हैं तथा एंजाइम की सहायता से लक्षित डी.एन.ए. स्ट्रैंड को काट दिया जाता है. अतः आनुवंशिक रूप से मिलने वाले बीमारी से ग्रसित जीन को काटकर अलग करके रोग मुक्ति प्राप्त की जा सकती है.
- डी.एन.ए. सिरा के जिस विशिष्ट भाग को काटा या हटाया जाता है उसमें प्राकृतिक रूप से पुनर्निर्माण, मरम्मत या बनने की प्रवृत्ति होती है. क्रिस्पर कैस-9 प्रणाली अन्य मौजूदा जीनोम सम्पादन विधियों की तुलना में तेज, सस्ता, अधिक सटीक और कुशल है.
- विदित है कि स्ट्रेप्टोकॉक्कस प्योजेंस (Streptococcus Pyogenes) (एक प्रकार का बैक्टीरिया, जो मनुष्यों के लिए सबसे अधिक नुकसान का कारण बनता है) का अध्ययन करते हुए, एमैनुएल चार्पेंटियर ने एक अज्ञात अणु ट्रांस-एक्टिवेटिंग क्रिस्पर आर.एन.ए. (TracrRNA) की खोज की थी, जिसे वर्ष 2011 में प्रकाशित किया गया था. ये 'TracrRNA' बैक्टीरिया की प्राचीन प्रतिरक्षा प्रणाली क्रिस्पर–कैस-9 का हिस्सा था, जो अपने डी.एन.ए. को विघटित करके वायरस को निष्क्रिय कर देता था.

क्रिस्पर तकनीक से होने वाले लाभ

- कैंसर ग्रस्त जीन को काटकर उसके स्थान पर स्वस्थ जीन को प्रतिस्थापित किया जा सकता है, जिससे यह प्रौद्योगिकी कैंसर उपचार के लिए भी महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकती है. (चीन में पहली बार फेफडों के कैंसर का इलाज करने के लिए जीन एडिटिंग तकनीक का प्रयोग किया गया.)
- क्रिस्पर कैस-9 को एच.आई.वी, कैंसर, सिकल सेल एनीमिया आदि रोगों के निदान हेतु कारगर उपाय के रूप में देखा जा रहा है. मलेरिया को दूर करने के लिए भी जीन एडिटिंग का उपयोग किया गया है. यह तकनीक प्रतिरक्षा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण भाग है.
- क्रिस्पर कैस-9 का उपयोग कर जानवरों, पौधों और सूक्ष्मजीवों के डी.एन.ए. को बेहद सटीक रूप से परिवर्तित किया जा सकता है. इस तकनीक ने पहले से ही फसल उत्पादन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे सूखे की स्थिति से निपटने हेतु तथा कीटों का सामना करने के लिए फसलों के आनुवंशिक कोड को बदला गया है.
- हाल ही में, चीन ने जीन एडिटिंग का प्रयोग एच.आई.वी. संक्रमित जीन तथा भ्रूण में जीन को संशोधित करने में किया, जिसने अन्तर्राष्ट्रीय विवाद को जन्म दिया है. वैज्ञानिक एवं नैतिक दृष्टि से इसे उचित नहीं माना जा सकता, क्योंकि इस तकनीक का प्रयोग केवल गम्भीर बीमारियों के निदान के लिए किया जा सकता है.
- हालाँकि एच.आई.वी. एक गम्भीर बीमारी है, लेकिन इसके वायरस को औषधियों द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है. महत्वपूर्ण बात यह है कि जीन एडिटिंग द्वारा एच.आई.वी. संक्रमण को पूरे तरीके से खत्म किया जा सकता है, परन्तु इस प्रकार की जीन एडिटिंग के निश्चित तौर पर कुछ हानिकारक परिणाम भी होंगे, जिनसे निपटने के लिए अभी हमारे पास कोई तकनीक उपलब्ध नहीं है.

चैटबॉट (Chatbot)

सुर्खियों में क्यों ?

हाल ही में Open AI us ChatGPT नामक एक नया चौटबॉट पेश किया है, जो एक 'संवादात्मक' आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) है और मानव की तरह ही प्रश्नों का उत्तर देगा.

प्रमुख तथ्य

- 'Chatbot' शब्द को अगर दो हिस्सों में बाँटा जाए, तो इसका विभाजन होगा Chat और Bot.Chat का मतलब होता है बातचीत और Bot का मतलब होता है Robot. इस तरह Chatbot का मतलब होता है बातचीत करने वाला robot. ये कोई Physical robot नहीं होता है. Chatbot एक तरह का Computer program है जिसे मानवीय संवाद के लिए बनाया गया है.
- चैटबॉट्स, जिसे चैटरबॉट्स भी कहा जाता है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का एक रूप है जिसका उपयोग मैसेजिंग एप में किया जाता है.
- यह टूल ग्राहकों को सुविधा प्रदान करता है, ये स्वचालित प्रोग्राम हैं, जो ग्राहकों के साथ मानव की तरह बातचीत करते हैं और इसमें संलग्न होने के लिए नाममात्र/न के बराबर शुल्क अदा करना होता है. फेसबुक मैसेंजर में व्यवसायों द्वारा या अमेजन के एलेक्सा जैसे आभासी सहायकों के रूप में उपयोग किए जाने वाले चैटबॉट प्रमुख उदाहरण हैं.
- चैटबॉट दो तरीकों में से एक में काम करते हैं–मशीन लर्निंग के माध्यम से या निर्धारित दिशा-निर्देशों के साथ.
- हालाँकि AI तकनीक में प्रगति के कारण निर्धारित दिशा-निर्देशों का उपयोग करने वाले चैटबॉट एक ऐतिहासिक पदचिह्न बन रहे हैं.

प्रकार

निर्धारित दिशा-निर्देशों के साथ चैटबॉट

- यह केवल अनुरोधों और शब्दावली की एक निर्धारित संख्या का जवाब दे सकता है, क्योंकि यह प्रोग्रामिंग कोड जितना ही बुद्धिमान है.
- सीमित बॉट का एक उदाहरण स्वचालित बैंकिंग बॉट है, जो कॉल करने वाले से यह समझने के लिए कुछ प्रश्न पूछता है कि कॉलर क्या करना चाहता है ?

मशीन लर्निंग चैटबॉट

- चैटबॉट जो मशीन लर्निंग के माध्यम से कार्य करता है, उसमें कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क होता है, जो मानव मस्तिष्क के तंत्रिका नोड्स से प्रेरित होता है.
- बॉट को स्वतः सीखने के लिए प्रोग्राम किया गया है, क्योंकि इसे नए संवादों और शब्दों से परिचित कराया जाता है.
- वास्तव में जैसे ही चैटबॉट को नई आवाज या टेक्स्ट संवाद प्राप्त होते हैं, पूछताछ की संख्या जिसका वह उत्तर दे सकता है, की सटीकता बढ़ जाती है.
- मेटा (जैसाकि अब फेसबुक की मूल कम्पनी के रूप में जाना जाता है) में एक मशीन लर्निंग चैटबॉट है, जो कम्पनियों को मैसेंजर एप के माध्यम से अपने उपभोक्ताओं के साथ बातचीत करने के लिए एक मंच प्रदान करता है.

टी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (T-cell Acute Lymphoblastic Leukemia—T-ALL)

- *यह अस्थि मज्जा में स्टेम कोशिकाओं को प्रभावित करता है, जो एक विशेष प्रकार की श्वेत रक्त कोशिकाओं (White Blood Cells—WBC) का उत्पादन करते हैं जिन्हें टी-लिम्फोसाइट्स (टी-सेल) कहा जाता है. टी-सेल संक्रमित कोशिकाओं को मारकर, अन्य प्रतिरक्षा कोशिकाओं को सक्रिय करके और प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को विनियमित करके व्यक्ति को प्रतिरक्षा प्रदान करती हैं.*
- *T-ALL एक तीव्र और प्रगतिशील प्रकार का रक्त कैंसर है जिसमें T-सेल प्रतिरक्षा में मदद करने के बजाय स्वस्थ कोशिकाओं को नष्ट करना शुरू कर देती हैं (यह T-कोशिकाओं का सामान्य कार्य है).*
- *इसका आमतौर पर कीमोथेरेपी, विकिरण चिकित्सा और स्टेम सेल/अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण द्वारा इलाज किया जाता है.*

उपकार
छत्तीसगढ़
सहायक शिक्षक
भर्ती परीक्षा

Code 2725
₹ 350.00

- नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित
- पिछला प्रश्न-पत्र हल सहित
- परीक्षोपयोगी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश

उपकार प्रकाशन, आगरा–5
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

ChatGPT

- ChatGPT 'अनुवर्ती प्रश्नों' का उत्तर दे सकता है और 'अपनी गलतियों को स्वीकार कर सकता है, गलत धारणाओं को चुनौती दे सकता है साथ ही अनुचित अनुरोधों को अस्वीकार कर सकता है.' यह कम्पनी के GPT 3·5 सीरीज के लैंग्वेज लर्निंग मॉडल (LLM) पर आधारित है.
- GPT का मतलब जनरेटिव प्री-ट्रेन्ड ट्रांसफॉर्मर-3 है और यह एक तरह का कम्प्यूटर लैंग्वेज मॉडल है जो इनपुट के आधार पर मानव-समान पाठ करने के लिए गहन शिक्षण तकनीकों पर निर्भर करता है.
- मॉडल को यह भविष्यवाणी करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है कि भविष्य में क्या होगा और इसलिए तकनीकी रूप से ChatGPT के साथ 'बातचीत' की जा सकती है.
- चैटबॉट को रेनफोर्समेंट लर्निंग फ्रॉम ह्यूमन फीडबैक (RLHF) का उपयोग करके भी प्रशिक्षित किया गया था.

उपयोग

- इसका उपयोग वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों जैसे डिजिटल मार्केटिंग, ऑनलाइन सामग्री निर्माण, ग्राहक सेवा प्रश्नों का उत्तर देने या यहाँ तक कि डीबग कोड में मदद करने के लिए भी किया जा सकता है.
- मानव जैसी बोलने की शैली की नकल करते हुए बॉट कई तरह के सवालों का जवाब दे सकता है.
- इसे बेसिक ई-मेल, पार्टी प्लानिंग लिस्ट, सीवी और यहाँ तक कि कॉलेज निबंध और होमवर्क के प्रतिस्थापन के रूप में देखा जा रहा है.
- इसका उपयोग कोड लिखने के लिए भी किया जा सकता है.

सीमाएं

- उक्त चैटबॉट में भी लगभग सभी AI मॉडल की तरह नस्लीय और लैंगिक पूर्वाग्रह सम्बन्धी समस्याएं हैं.
- चैटबॉट के उत्तर व्याकरणिक रूप से सही होते हैं और इसकी पठन सम्बन्धी समझ भी अच्छी है, परन्तु इसमें संदर्भ सम्बन्धी समस्या है, जो काफी हद तक सच है.
- ChatGPT कभी-कभी गलत जानकारी डेटा है और इसका ज्ञान वर्ष 2021 से पहले हुई वैश्विक घटनाओं तक ही सीमित है.

चैटबॉट (Chatbot) के लाभ

- चैटबॉट ग्राहक सेवा प्रदान करने और सप्ताह में 7 दिन 24 घण्टे समर्थन करने के लिए सुविधाजनक हैं.
- वे फोन लाइनों को भी मुफ्त करते हैं तथा लम्बे समय में समर्थन करने के लिए लोगों को काम पर रखने की तुलना में बहुत कम खर्चीले होते हैं.
- AI और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण का उपयोग करते हुए चैटबॉट यह समझने में बेहतर हो रहे हैं कि ग्राहक क्या चाहते हैं तथा उन्हें वह सहायता प्रदान कर रहे हैं जिसकी उन्हें आवश्यकता है.
- कम्पनियाँ भी चैटबॉट को पसंद करती हैं, क्योंकि वे ग्राहकों के प्रश्नों, प्रतिक्रिया समय, संतुष्टि आदि के बारे में डेटा एकत्र कर सकती हैं.

चैटबॉट (Chatbot) की हानियाँ

- यहाँ तक कि प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण के साथ वे ग्राहक के इनपुट को पूरी तरह से नहीं समझ सकते हैं और असंगत उत्तर प्रदान कर सकते हैं.
- कई चैटबॉट्स उन प्रश्नों के दायरे में भी सीमित हैं जिनका वे जवाब देने में सक्षम हैं.
- चैटबॉट लागू करने और बनाए रखने के मामले में महँगे हो सकते हैं, क्योंकि उन्हें लगातार अनुकूलित एवं अपडेट करना होता है.
- AI में भावनाओं का समावेशन अभी चुनौतीपूर्ण है, हालाँकि AI द्वारा अनैतिक और हेट स्पीच के खतरे बने हुए हैं.

●●●

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा वर्ष 2023 में आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं का वार्षिक कैलेण्डर

क्र.सं.	परीक्षा का नाम	परीक्षा की प्रस्तावित तिथियाँ
1.	चिकित्साधिकारी, आयुर्वेद (स्क्रीनिंग) परीक्षा, 2022	08.01.2023
2.	सहायक अभियोजन अधिकारी (मुख्य) परीक्षा, 2022	09.01.2023 से 10.01.2023 तक
3.	आरक्षित	22.01.2023
4.	आरक्षित	29.01.2023
5.	उ.प्र. न्यायिक सेवा सिविल जज (जू.डि.) प्रारम्भिक परीक्षा, 2022	12.02.2023
6.	आरक्षित	26.02.2023
7.	आरक्षित	05.03.2023
8.	खान निरीक्षक (मुख्य) परीक्षा, 2022	19.03.2023
9.	आरक्षित	26.03.2023
10.	आरक्षित	02.04.2023
11.	आरक्षित	09.04.2023
12.	आरक्षित	30.04.2023
13.	आरक्षित	07.05.2023
14.	सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा एवं सहायक वन संरक्षक/क्षेत्रीय वन अधिकारी प्रारम्भिक परीक्षा, 2023	14.05.2023
15.	आरक्षित	21.05.2023
16.	उ.प्र. न्यायिक सेवा सिविल जज (जू.डि.) मुख्य परीक्षा, 2022	23, 24 व 25 मई, 2023
17.	आरक्षित	04.06.2023
18.	आरक्षित	11.06.2023
19.	आरक्षित	18.06.2023
20.	आरक्षित	09.07.2023
21.	आरक्षित	23.07.2023
22.	आरक्षित	30.07.2023
23.	आरक्षित	13.08.2023
24.	आरक्षित	27.08.2023
25.	आरक्षित	10.09.2023
26.	सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2023	23.09.2023 से
27.	आरक्षित	01.10.2023
28.	सहायक वन संरक्षक एवं क्षेत्रीय वन अधिकारी मुख्य परीक्षा, 2023	09.10.2023 से
29.	आरक्षित	15.10.2023
30.	आरक्षित	27.10.2023
31.	आरक्षित	05.11.2023
32.	आरक्षित	19.11.2023
33.	आरक्षित	19.12.2023

नोटः–विशेष परिस्थितियों में तिथियों में परिवर्तन किया जा सकता है.

भारतीय वित्तीय प्रणाली : संरचनात्मक सुधार और सम्भावनाएं

—डॉ. ओ.पी. शर्मा

प्रत्येक राष्ट्र की **'वित्तीय प्रणाली'** वित्तीय संसाधनों के संग्रहण, नियमन और नियंत्रण तथा प्रभावी प्रबंधन से सम्बन्ध रखती है तथा यह वित्तीय कार्य पद्धतियों एवं वित्तीय व्यवहारों में विद्यमान सम्बन्धों की व्याख्या करती है. साथ ही देश की वित्तीय संस्थानों, वित्तीय सेवाओं, निवेशकों एवं बचतकर्ताओं की नवीन प्रवृत्तियों को भी उजागर करती है. वित्तीय प्रणाली की सुदृढ़ता एवं प्रभावशीलता पर ही प्रत्येक राष्ट्र के आर्थिक व सामाजिक विकास की दशा एवं दिशा सुनिश्चित होती है.

'भारतीय वित्तीय प्रणाली' की प्रभावोत्पादकता बढ़ाने तथा इसकी निष्पादन क्षमता को सुधारने के लिए प्रारम्भ से ही अनेक प्रकार के संरचनात्मक एवं संगठनात्मक प्रयास किए जाते रहे हैं. समय-समय पर क्रियान्वित किए जाने वाले सुधार कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप आज देश की बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान रखती है.

वैश्विक परिदृश्य को झकझोरने वाली 'महामारी' के पश्चात् परिवर्तित परिवेश में आज भारतीय वित्तीय प्रणाली बदलती हुई जरूरतों के मुताबिक सुधार एवं संवर्द्धन के लिए प्रतिबद्ध प्रतीत हो रही है. कोविड उपरान्त एक नवीन एवं परिपक्व कलेवर के रूप में पुनः सुदृढ़ता की ओर अग्रसर होने वाली भारतीय वित्तीय प्रणाली निम्नांकित संरचनात्मक सुधारों के बलबूते पर देश-विदेश में प्रगति के उदीयमान प्रतिमान रेखांकित कर रही है—

- ग्राहक सेवाओं को प्रौद्योगिकी आधारित प्रौन्नत स्वरूप में प्रदान करना,
- प्रभावी मानव नियोजन को प्रोत्साहित करना,
- सुदृढ़ वित्तीय अभिशासन को बढ़ावा देना,
- सरलीकृत साख व्यवस्था को अंजाम देना,
- पारदर्शितापूर्ण कार्य-प्रणाली को लागू करना,
- वित्तीय विनियामक संरचना को प्रभावी बनाना,
- त्वरित जवाबदेयता सुनिश्चित करना,
- डिजिटल बैंकिंग को प्राथमिकता देना,
- कृत्रिम बुद्धिमता (ए.आई.) तकनीक आधारित उत्पादों को बढ़ावा देना,
- ब्लॉक चैन प्रौद्योगिकी को प्रयुक्त करना,
- भारतीय डिजिटल रुपए का शुभारम्भ करना,
- स्वच्छ और स्मार्ट बैंकिंग के लिए ईज एजेण्डा (EASE Agenda) को लागू करना,
- गैर-बैंकिंग वित्तीय उत्पादों की शृंखला उपलब्ध कराना आदि.

देश की वित्तीय प्रणाली को प्रभावी एवं सफल बनाने के लिए क्रियान्वित उपर्युक्त संरचनात्मक सुधारों की वजह से भारतीय वित्तीय प्रणाली में अनेक प्रकार के सकारात्मक परिवर्तन परिलक्षित हो रहे हैं, उनमें से कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तन निम्नानुसार हैं—

● **कैशलेस इकोनॉमी की ओर बढ़ते कदम**—हमारे देश में कुछ वर्षों से 'रोकड़ रहित अर्थव्यवस्था' (Cashless Economy) की मुहिम तीव्र गति से बढ़ती जा रही है. अर्थात् सभी वित्तीय लेन-देनों का निष्पादन डिजिटल स्वरूप में किए जाएं, न कि नकद रोकड़ के रूप में. डिजिटल आधारित वित्तीय व्यवहारों के कारण जहाँ एक ओर भुगतान करने वाले तथा भुगतान प्राप्त करने वाले के समय एवं श्रम की बचत होती है, वहीं दूसरी ओर रोकड़ लाने-ले जाने में विद्यमान असुविधाओं और जोखिमों से भी बच सकते हैं. पारदर्शिता को बढ़ावा देने वाली यह डिजिटल भुगतान प्रणाली देश में व्याप्त कालाबाजारी और भ्रष्टाचार को न्यून करने में भी सहायक सिद्ध हो रही है.

आज हमारे देश के बहुआयामी मिशन 'रोकड़ रहित अर्थव्यवस्था' को सफल एवं प्रभावी बनाने के लिए डिजिटल भुगतान करने से सम्बन्धित अनेक प्रकार के उपकरण एवं संसाधन उपलब्ध हैं, **उदाहरणार्थ**—मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, बैंक प्रीपेड कार्ड, बैंकिंग कार्ड्स, यू.एस.एस.डी., पी.ओ.एस., आई.पी.एस., माइक्रो एटीएम, भीम एप, यू.पी.आई. आदि.

उपर्युक्त सभी डिजिटल भुगतान तकनीकों में सर्वाधिक लोकप्रिय तकनीक हैं—यूपीआई अर्थात् 'Unified Payment Interface System'. इस तकनीक का उपयोगकर्ता बिना बैंक विवरण के भी यूपीआई ऐप की सहायता से किसी भी समय पर भुगतानों का लेन-देन कर सकता है. वर्तमान में सेवा योग्य यूपीआई एप्स के प्रमुख उदाहरण हैं—Google Pay, Mobikwik, Phone Pe, Paytm, BHIM आदि.

उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि आज देश में सम्पन्न होने वाले कुल डिजिटल भुगतानों में से 84 प्रतिशत भुगतान यूपीआई एप्स के माध्यम से हो रहे हैं. **जुलाई, अगस्त** और **सितम्बर, 2022** की तिमाही में कुल ₹ 36·08 लाख करोड़ के डिजिटल भुगतानों में से 84 प्रतिशत भुगतान यूपीआई आधारित रहे हैं. इसी प्रकार **अप्रैल–जून 2022** की तिमाही में भी 20·57 अरब डिजिटल लेन-देन हुए थे जिनमें से 83 प्रतिशत लेन-देन यूपीआई एप्स के माध्यम से ही सम्पन्न हुए.

जुलाई-सितम्बर 2022 की तिमाही में सम्पन्न डिजिटल भुगतानों में हिस्सेदारी

डिजिटल भुगतान तकनीकों के नाम	कुल डिजिटल लेन-देनों में हिस्सेदारी
● यूपीआई (Person to Person–P2P)	49 प्रतिशत
● यूपीआई (Person to Merchant–P2M)	35 प्रतिशत
● डेबिट कार्ड	5 प्रतिशत
● क्रेडिट कार्ड	3 प्रतिशत
● पीपीआई (Pre-Payment Instruments)	2 प्रतिशत
● अन्य	6 प्रतिशत

डिजिटल भुगतान प्रणाली में एक अन्य महत्वपूर्ण तकनीक **POS (Point of Sale)** भी दिन-प्रतिदिन लोकप्रिय बनती जा रही है. **पीओएस** अर्थात् विक्रय बिन्दु तकनीक में मशीनों के माध्यम से भुगतानों का लेन-देन होता है. **अप्रैल–जून, 2022** की तिमाही में पीओएस तकनीक से सम्पन्न डिजिटल पेमेन्ट्स में निजी, सरकारी व अन्य बैंकों की सहभागिता को निम्नांकित तालिका से स्पष्ट किया जा सकता है—

पीओएस व्यवहारों में विभिन्न बैंकों की सहभागिता

बैंकों के नाम	कुल पीओएस व्यवहारों में हिस्सेदारी
● निजी बैंक	74 प्रतिशत
● सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (PSBUBs)	18 प्रतिशत
● पेमेंट बैंक	7 प्रतिशत
● विदेशी बैंक	1 प्रतिशत
● स्मॉल फाइनेंस बैंक	0 प्रतिशत

दी गई तालिका से स्पष्ट है कि पीओएस व्यवहारों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान निजी क्षेत्र में संचालित बैंकों का रहा है, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र में संचालित बैंकों की एक-चौथाई से भी कम सहभागिता दर्ज हुई है. दूसरी ओर लघु वित्तीय बैंकों की पीओएस लेन-देनों में नगण्य भूमिका रही है.

सारांशतः कहा जा सकता है कि भारतीय वित्तीय प्रणाली के स्वरूप को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाला 'Cashless Mission' अपने वांछित लक्ष्य प्राप्ति में काफी हद तक सफल रहा है, फिर भी डिजिटल भुगतान प्रणाली में व्याप्त जोखिमों यथा—वैयक्तिक पहचान से सम्बन्धित तथ्यों का चोरी होना, ऑनलाइन फ्रॉड, भुगतानों की पुनरावृत्ति, तकनीकी खामियों से होने वाला नुकसान आदि को दूर करने के लिए प्रभावी उपाय किए जाने चाहिए.

● **डिजिटल लेंडिंग में निरन्तर अभिवृद्धि**—देश की वित्तीय प्रणाली की दशा और दिशा सुनिश्चित करने वाले संरचनात्मक सुधारों (Structural Reforms) में एक महत्वपूर्ण सुधार कार्यक्रम है. ऋण वितरण व्यवस्था का डिजिटलाइजेशन करना. अर्थात् सम्पूर्ण ऋण वितरण प्रणाली को ऑनलाइन स्वरूप प्रदान करना ताकि औपचारिकताओं में व्यतीत होने वाले समय एवं श्रम की बर्बादी को रोका जा सके तथा सम्पूर्ण प्रक्रिया को पारदर्शी एवं भावी संदर्भ हेतु सुरक्षित बनाया जा सके.

'Fintech Association for Consumer Empowerment (FACE) द्वारा जारी अद्यतन प्रतिवेदन के अनुसार **जुलाई–सितम्बर 2022** की तिमाही में भारतीय फिनटेक कम्पनियों (Financial-Technical Companies) द्वारा कुल ₹ 14016 करोड़ के ऋण डिजिटल भुगतान पद्धति से वितरित किए गए, जबकि, 2021 की समान तिमाही में यह ऋण राशि केवल ₹ 4435 करोड़ ही थी. अतः स्पष्ट है कि एक वर्ष की अवधि में ही डिजिटल लेंडिंग की मात्रा तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ चुकी है. इसी प्रकार देश में उपलब्ध ऑनलाइन प्लेटफार्म्स से ऋण प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की संख्या में भी निरन्तर इजाफा हो रहा है,

उदाहरणार्थ—वर्ष 2021 की जुलाई–सितम्बर तिमाही में डिजिटल प्रणाली से ऋण प्राप्त करने वालों की संख्या केवल 65·56 लाख ही थी, जो बढ़कर अप्रैल–जून 2022 की तिमाही में 153·13 लाख तक पहुँच गई और वर्ष 2022 की जुलाई–सितम्बर तिमाही में 162·95 लाख तक हो गई है अर्थात् एक वर्ष में डिजिटल ऋण लाभार्थियों की संख्या में लगभग 2·5 गुना वृद्धि दर्ज हुई है. डिजिटल लेंडिंग में हो रही अनवरत् वृद्धि को अग्रांकित तालिका से भी स्पष्ट किया जा सकता है—

डिजिटल ऋण वितरण में वृद्धि पर एक नजर

समयावधि	डिजिटल ऋण का मूल्य
● जुलाई 2021 से सितम्बर 2021 तक	₹ 4,435 करोड़
● अप्रैल 2022 से जून 2022 तक	₹ 11,296 करोड़
● जुलाई 2022 से सितम्बर 2022 तक	₹ 14,016 करोड़

उपर्युक्त, तालिका से स्पष्ट है कि एक वर्ष के समय अन्तराल में अर्थात् जुलाई–सितम्बर, 2021 से जुलाई–सितम्बर, 2022 डिजिटल ऋण की मात्रा में करीब 316 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है. इसी प्रकार 2022 में भी दो तिमाही के समय अन्तराल में करीब 124 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

● **संधारणीय या संवहनीय निवेश मॉडल की ओर बढ़ता आकर्षण**—सभी विकसित राष्ट्रों की तर्ज पर भारत में भी वित्तीय मापदण्डों पर आधारित परम्परागत निवेश निर्णयों के स्थान पर संधारणीय या संवहनीय या स्थिर निवेश निर्णयों को प्राथमिकता दी जा रही है. फलस्वरूप आज हमारे देश में **'वित्त केन्द्रित निवेश मॉडल'** के स्थान पर **'संधारणीय निवेश मॉडल'** (Sustainable Investment Model) दिन-प्रतिदिन लोकप्रिय बनता जा रहा है.

वस्तुतः **'संधारणीय निवेश मॉडल'** आर्थिक विकास एवं सामाजिक संवर्द्धन के साथ न्यून कार्बन उत्सर्जन तथा सुस्थिर विकास पर बल देता है. साथ ही यह मॉडल देश में पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिकीय सन्तुलन, संधारणीय भविष्य सृजन, ग्रीन बैंकिंग, ग्रीन हाउस प्रभावों का न्यूनीकरण आदि की भी अनुशंसा करता है. इस नवीन निवेश मॉडल को गति प्रदान करने के लिए भारत सरकार, रिजर्व बैंक, सेबी आदि द्वारा समय-समय पर अनेक प्रयास किए जाते रहे हैं.

'सेबी' द्वारा 2021 में 'संरक्षित भविष्य की अवधारणा' को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से **'व्यावसायिक उत्तरदायित्व एवं सुस्थिरता प्रतिवेदन'** (Business Social Responsibility and Sustainable Report—BRSR) प्रस्तुत करने के लिए औद्योगिक प्रतिष्ठानों से अनुरोध किया गया और इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए गए. उल्लेखनीय है कि ये दिशा-निर्देश वर्ष 2021-22 के लिए ऐच्छिक थे, किन्तु वर्ष 2022-23 इनका अनुपालन करना कानूनन अनिवार्य कर दिया गया है. प्रारम्भ में यह अनिवार्यता एम.कैप. (Market Capitalisation—M.Cap.) के आधार पर एक हजार सूचीबद्ध कम्पनियों पर ही लागू की गई है.

मूलतः 'बी.आर.एस.आर.' की अवधारणा ई.एस.जी. (Environment Social and Governance—ESG) के मापदण्डों से सम्बद्ध है और इन मापदण्डों के प्रकटीकरण की शृंखला में निम्नांकित का प्रकटीकरण करना अनिवार्य है—

- कार्बन उत्सर्जन स्तर
- अपशिष्ट प्रबन्धन प्रक्रिया
- सामग्री जोखिम प्रबन्धन
- लैगिंग वैभिन्नता निवारण के कार्य
- साइबर सुरक्षा का स्तर
- निगमीय सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) की प्रगति
- निगम अभिशासन की प्रगति
- हित धारकों के लिए वित्तीय एवं गैर-वित्तीय सूचनाओं का सम्प्रेषण आदि.

आशा है कि आने वाले समय में देश के सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों पर बी.आर.एस. आर. की अनिवार्यता लागू कर दी जाएगी और देश में संधारणीय निवेश मॉडल और अधिक आकर्षक एवं लोकप्रिय बन जाएगा.

● **भारतीय डिजिटल मुद्रा का अभ्युदय**—वर्तमान डिजिटल क्रांति के युग में वैश्विक स्तर पर डिजिटल करेंसी के चलन की चर्चाएं जोर-शोर से हो रही हैं. इसी तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए भारत सरकार द्वारा केन्द्रीय **बजट 2022-23** में 'भारतीय डिजिटल करेंसी' जारी करने की घोषणा की गई और इसका नाम **'Central Bank Digital Currency (CBDC)'** सुनिश्चित किया गया. यह डिजिटल मुद्रा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा गारन्टी लीगल टैंडर के समान महत्व रखती है.

सीबीडीसी के प्रकार

● **होलसेल सीबीडीसी-डब्ल्यू (CBDC-W)**—इसका प्रयोग केवल देश की चयनित वित्तीय संस्थानों द्वारा किया जाएगा. इसका शुभारम्भ नवम्बर 2022 से एक पायलट परीक्षण के बतौर किया जा चुका है.

● **रिटेल सीबीडीसी (CBDC-R)**—**1 दिसम्बर, 2022** से देश के 4 चुनिंदा शहरों यथा—नई दिल्ली, मुम्बई, बेंगलूरू तथा भुवनेश्वर में रिटेल डिजिटल रूपी के लिए पायलट परीक्षण शुरू कर दिया गया है. परीक्षण के द्वितीय चरण में अहमदाबाद, गंगटोक, गोहाटी, हैदराबाद, इंदौर, कोच्चि, लखनऊ, पटना और शिमला को भी सम्मिलित कर दिया जाएगा.

रिजर्व बैंक द्वारा प्रथम चरण के लिए बैंकों—एस.बी.आई., आई.सी.आई.सी.आई., यश बैंक और आई.डी.एफ.सी. फर्स्ट बैंक को अधिकृत किया गया है तथा आगामी चरण में बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया, एच.डी.एफ.सी. बैंक तथा कोटक महिन्द्रा बैंक को भी अधिकृत करने का निर्णय लिया गया है.

उल्लेखनीय है कि उपर्युक्त अधिकृत बैंकों द्वारा अपने रिटेल ग्राहकों के लिए 'डिजिटल

वॉयलेट्स' जारी किए जाएंगे, जिनके माध्यम से ग्राहकों द्वारा डिजिटल रूपी के लिए निम्नांकित दो प्रकार से व्यवहारों का निष्पादन किया जा सकता है—

(i) Person-to-Person (P2P) और
(ii) Person-to-Merchant (P2M)

हालाँकि ग्राहकों द्वारा अपने वॉयलट में उपलब्ध राशि को अन्य किसी भी स्वरूप में परिवर्तित कराया जा सकता है, किन्तु उन्हें इस राशि पर कागजी मुद्रा शेष की भाँति किसी भी प्रकार का ब्याज नहीं मिलेगा और इसका स्वभाव किसी निजी कम्पनी द्वारा संचालित 'इलेक्ट्रॉनिक वॉलेट' की भाँति होगी. इसके उपरान्त भी यह डिजिटल मुद्रा आरबीआई की ओर से गारन्टीयुक्त होगी.

सीबीडीसी के सम्भावित लाभ

- सस्ती एवं विश्वसनीय मुद्रा-विकल्प का उपलब्ध होना
- डिजिटल अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने में सहायक
- अन्तर्राष्ट्रीय डिजिटल व्यवहारों को सुगम व सरल बनाने में सहायक
- कागजी मुद्रा की भाँति विनिमय एवं रूपान्तरण सुविधा उपलब्ध
- ₹ 50 हजार से अधिक लेन-देनों के लिए पैन कार्ड की जरूरत नहीं
- प्रति लेन-देन लागत न्यून हो जाएगी
- जाली मुद्रा के प्रचलन पर रोक लगेगी
- कागजी मुद्रा की प्रिंटिंग का खर्चा बच जाएगा
- विनियमित, पारदर्शी और वैधानिक भुगतान-विकल्प उपलब्ध हो जाएगा.

● **ईज़ (EASE) सुधार कार्यक्रमों का निरन्तर विस्तार**—भारतीय वित्तीय प्रणाली को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने में देश के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (Public Sector Undertaking Banks—PSUBs) का प्रारम्भ से ही सराहनीय योगदान रहा है. इन बैंकों की कार्यक्षमता एवं कार्य प्रणाली को सुधारने के लिए हालांकि भारत सरकार अनेक प्रकार के प्रयास करती रही है, किन्तु इनकी सम्पूर्ण निष्पादन क्षमता को सुधारने तथा इनके संगठनात्मक ढाँचे को वैश्विक स्तर का बनाने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा 2017 में ईज़ सुधार कार्यक्रमों (Enhanced, Access and Service Excellence—EASE) का शुभारम्भ किया गया और जून 2022 तक इन कार्यक्रमों के 5 संस्करण सरकार द्वारा क्रियान्वित किए जा चुके हैं.

मूलतः ईज़ सुधार कार्यक्रमों में सरलीकृत साख वितरण व्यवस्था बनाना, परिणाम आधारित निष्पादन मूल्यांकन को बढ़ावा देना, ग्राहक सेवाओं को नवीनतम तकनीकों से जोड़ना, प्रभावी एवं वैज्ञानिक मानव नियोजन करना, स्वस्थ एवं विवेकपूर्ण ऋण वितरण प्रणाली विकसित करना, वैज्ञानिक जोखिम प्रबन्धन करना, त्वरित एवं पारदर्शितापूर्ण जवाबदेयता सुनिश्चित करना, सुदृढ़ अभिशासन को लागू करना, डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देना, क्लाउड आधारित आई.टी. के उपयोग को बढ़ावा देना आदि पर विशेष बल दिया जा रहा है.

हाल ही में 1 जून, 2022 को केन्द्रीय वित्त मंत्री द्वारा 'EASE 5·0' का शुभारम्भ किया गया. **'बढ़ी हुई पहुँच और सेवा उत्कृष्टता'** के नाम से लोकप्रिय बन चुके 'ईज़ 5·0' के अन्तर्गत निम्नांकित बातों पर विशेष जोर दिया गया है—

- एकीकृत एवं समावेशी बैंकिंग का परिवेश तैयार करना
- ग्राहक केन्द्रित प्रयासों को बढ़ाना
- लघु उद्योगों और कृषि गतिविधियों को वित्तीय सहायता में प्राथमिकता देना
- ईज़ नेक्स्ट प्रोग्राम (EASE Next Programme) को सफल एवं प्रभावी बनाना
- स्मार्ट एवं स्वच्छ लैंडिंग को बढ़ावा देना
- ग्राहकों के द्वार पर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना
- विश्लेषणात्मक साख एवं ऋण व्यवस्था लागू करना
- ए.आई. आधारित तकनीकों को प्रोत्साहित करना
- गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों के साथ प्रभावी तालमेल स्थापित करना आदि.

आशा है 'ईज़ एजेण्डा' से देश के सार्वजनिक बैंकों की कुल निष्पादन क्षमता में व्यापक सुधार सम्भव होगा तथा देश में विवेकपूर्ण एवं संस्थागत बैंकिंग को बढ़ावा मिलेगा. सहक्रियात्मक एवं ग्राहक केन्द्रित ईज़ एजेण्डा को लागू करने से भारतीय सरकारी बैंकों की कुशलता एवं दक्षता अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनने की सम्भावनाएं भी प्रबल परिलक्षित हो रही हैं. अपेक्षा यह भी की जा रही है कि यह 'ईज़ एजेण्डा' भारतीय डिजिटल मुद्रा को प्रभावी एवं सफल बनाने में भी सहायक सिद्ध होगा तथा देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था को सही दिशा प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा.

● **फिनटेक कम्पनियों का नियमित विकास एवं विस्तार**—वर्तमान भारतीय वित्तीय प्रणाली को प्रगति के शिखर तक ले जाने के लिए **फिनटेक** (Financial and Technology Companies) कम्पनियों द्वारा अतुलनीय सहयोग प्रदान किया जा रहा है. इन कम्पनियों के द्वारा परम्परागत बैंकिंग और वित्तीय सुविधाओं के साथ-साथ तकनीकी परामर्श सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं. आज भारतीय फिनटेक बाजार को एशिया महाद्वीप का सबसे बड़ा एवं आकर्षक बाजार माना जाता है तथा इसे वैश्विक स्तर पर अमरीका के बाद द्वितीय दर्जा प्राप्त है.

आज हमारे देश में अनेक विख्यात फिनटेक कम्पनियाँ यथा—बैंक बाजार, पॉलिसी बाजार, पेटीएम, कवर फॉक्स, लेण्डिग कार्ट, क्रेडेक्स, फेयर सेन्ट, केपिटल फ्लोट, रोजरपे, बिल डेस्क, ई-पेलेटर, मोबीक्विक, पाइन लेब्स, मनी टेप, जेस्टमनी, कैशफ्री पेमेंट्स, ब्लेकसॉयल आदि सफलतापूर्वक संचालित की जा रही हैं. एक सर्वे के अनुसार आज भारतीय फिनटेक कम्पनियों का कुल वैल्युएशन लगभग 110 बिलियन अमरीकन डॉलर है जिसके 2025 तक 180 बिलियन डॉलर तक पहुँचने की सम्भावना है.

वित्तीय और तकनीकी स्वभाव की सेवाएं उपलब्ध कराने वाली उपर्युक्त फिनटेक कम्पनियों द्वारा प्रदत्त सेवाओं में निम्नांकित सेवाएं प्रमुख हैं—

● **रेगटेक (Regtech)**—विनियामक प्रौद्योगिकी (Regulatory Technology) से सम्बन्धित सेवाएं प्रदान करने वाली ऐसी कम्पनियाँ 'Saas' (Software-as-a-Service) नामक क्लाउड कम्प्यूटिंग तकनीक का उपयोग करती हैं तथा इनके द्वारा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बहुत ही कम लागत पर अद्यतन तथा सटीक विनियामकों की जानकारी उपलब्ध करायी जाती है.

प्रमुख उदाहरण—फिनचैट कम्पनी, रेग रूम, अमारियोस, कैपिटेक कम्पनी, सिटी फाल्कन, क्लॉज मैच, क्यो लैब, कोलाज बायोटेक आदि.

● **नियो बैंकिंग (Neo-Banking)**—'नियो-बैंकिंग सेवाएं' वर्तमान फिनटेक कम्पनियों की कार्यशैली का अहम् हिस्सा बन चुकी हैं. इन सेवाओं में मूल्य संवर्द्धन सेवाओं एवं First-tech-Solutions Services को प्राथमिकता दी जाती है. पूर्णतः आभासीय स्वभाव वाली नियो-बैंकिंग सेवाएं पूर्व में स्थापित बैंक का साझेदार बनकर प्रदान की जाती है. इन सेवाओं की लोकप्रियता टीन एजर्स, यूथ क्लास, ब्ल्यू कॉलर वर्कर्स, विद्यार्थी वर्ग, गिग वर्कर्स आदि में निरन्तर बढ़ती जा रही है. नियो-बैंकिंग की गति एवं प्रगति को देखते हुए कहा जाता है कि 'नियो-बैंकिंग' की गति एवं प्रगति को देखते हुए कहा जाता है कि 'नियो-बैंकिंग' आगामी युग की नूतन बैंकिंग क्रांति के रूप में उभरने वाली है.

गौरतलब तथ्य यह भी है कि हालाँकि भारतीय वित्तीय प्रणाली में स्थान बनाने के लिए आतुर नियो-बैंकिंग प्रणाली पर भारतीय रिजर्व बैंक का प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं है फिर भी आर. बी.आई. साझेदार बैंक के माध्यम से इस पर अप्रत्यक्ष निगरानी एवं नियंत्रण अवश्य रखता है.

फिनटेक कम्पनियाँ निम्नांकित अन्य सेवाएं प्रदान करते हुए भारतीय वित्तीय प्रणाली के संवर्द्धन एवं परिवर्धन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है—

- बीमा नेट
- वित्तीय समावेशन
- क्राउड फण्डिंग
- बजटिंग एप्स
- इनवेस्ट टेक
- डिजिटल वेल्थ प्रबंधन
- डिजिटल ऋण एवं भुगतान आदि ●●●

संचार नेटवर्क लेख

भारतीय संचार क्षेत्र में 2022 की उपलब्धियाँ

—डॉ. एस.एस.एस. चौहान

5जी सेवाएं

5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी

जुलाई 2022 में आयोजित 8वीं स्पेक्ट्रम नीलामी के साथ भारत में 5जी सेवाओं की शुरूआत की नींव रखी गई. भारत सरकार ने नीलामी के लिए 72,098 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम रखा था, जिसमें से 51,236 मेगाहर्ट्ज (कुल का 71%) ₹ 1,50,173 करोड़ की बोली राशि के साथ बेचा गया. यह किसी एक नीलामी से अब तक की सर्वाधिक नीलामी आय है. इसके अलावा, इस नीलामी में सबसे अधिक बैंड यानी 22 एलएसए (लाइसेंस सेवा क्षेत्रों) में 10 अलग-अलग बैंड एक साथ नीलामी के लिए रखे गए (यानी, 600 मेगाहर्ट्ज, 700 मेगाहर्ट्ज, 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 1800 मेगाहर्ट्ज, 2100 मेगाहर्ट्ज, 2300 मेगाहर्ट्ज), 2500 मेगाहर्ट्ज, 3300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज).

दूरसंचार सुधारों और स्पष्ट नीति दिशा के कारण 2022 की स्पेक्ट्रम नीलामी में अब तक की सबसे अधिक बोली लगी. 8वीं नीलामी से प्राप्त स्पेक्ट्रम पर शून्य स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क जैसे हालिया सुधार, अनिवार्य अग्रिम भुगतानों को हटा देना, न्यूनतम सीमा अवधि (10 वर्ष) के बाद स्पेक्ट्रम को सरेंडर करने की क्षमता, आसान भुगतान विकल्प जैसे वार्षिक किश्तों की संख्या में वृद्धि (20 वार्षिक किश्तों में भुगतान), पिछले बकाया पर अधिस्थगन के विकल्प आदि ने सफल स्पेक्ट्रम नीलामी में योगदान दिया. दूरसंचार सम्पर्कता (टेलीकॉम कनेक्टिविटी) के लिए स्पेक्ट्रम बहुत महत्वपूर्ण है और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए स्पेक्ट्रम की बेहतर उपलब्धता से सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार की उम्मीद है.

5जी सेवाओं का शुभारम्भ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 1 अक्टूबर, 2022 को भारत में 5जी सेवाओं की शुरूआत की गई थी. शिक्षा, स्वास्थ्य, श्रमिक सुरक्षा, स्मार्ट कृषि आदि के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं तथा स्टार्ट-अप द्वारा विकसित 5जी उपयोग की सुविधा अब पूरे देश में हो जाएगी.

स्वदेशी 5जी टेस्ट बेड

भारत की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए और 5जी लागू करने के लिए, दूरसंचार विभाग ने आगे बढ़कर 5 स्थानों सीआईआईटी/मद्रास, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी कानपुर और आईआईएससी बेंगलूरू में 'स्वदेशी 5जी टेस्ट बेड' स्थापित करने की बहु-संस्थान सहयोगी परियोजना के लिए वित्तीय अनुदान को मंजूरी दी.

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वदेशी 5G टेस्ट बेड 17 मई, 2022 को राष्ट्र को समर्पित किया गया.

भारतीय शिक्षा जगत् और उद्योग उत्पादों, प्रोटोटाइप, एल्गोरिदम और सेवाओं को मान्य करने के लिए स्वदेशी 5G टेस्ट बेड का उपयोग कर सकते हैं. चूँकि भारत 5जी प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर हो गया है, इस स्वदेशी टेस्ट बेड का विकास 5जी आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

2022 में भारतीय दूरसंचार परिदृश्य

टेलीफोन सदस्यता में वृद्धि

- कुल टेलीफोन कनेक्शन मार्च 2014 में 93·30 करोड़ से बढ़कर अक्टूबर 2022 में 117·02 करोड़ हो गए, जो उक्त अवधि में 25·42 प्रतिशत की वृद्धि थी. अक्टूबर 2022 में मोबाइल कनेक्शन की संख्या 114·4 करोड़ पर पहुँच गई. टेली-घनत्व जो मार्च 2014 में 75·23 प्रतिशत था वह अक्टूबर 2022 में 84·67 प्रतिशत हो गया.
- शहरी टेलीफोन कनेक्शन मार्च 2014 में 55·52 करोड़ से बढ़कर अक्टूबर 2022 में 64·99 करोड़ हो गए जो 17·06 प्रतिशत की वृद्धि थी. ग्रामीण टेलीफोन कनेक्शन में वृद्धि 37·69 प्रतिशत थी, जो शहरी वृद्धि से दोगुनी है. ये कनेक्शन मार्च 2014 में 37·78 करोड़ से बढ़कर अक्टूबर 2022 में 52·02 करोड़ हो गए. ग्रामीण टेली-घनत्व मार्च 2014 में 44 प्रतिशत से बढ़कर अक्टूबर 2022 में 57·91 प्रतिशत हो गया.

इंटरनेट और ब्रॉडबैंड पैठ में छलांग

- इंटरनेट कनेक्शन मार्च 2014 में 25·15 करोड़ से बढ़कर जून 2022 में 83·69 करोड़ हो गया, जिसमें 232 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई.
- मार्च 2014 में ब्रॉडबैंड कनेक्शन 6·1 करोड़ थे जो सितम्बर 2022 में बढ़कर 81·62 करोड़ हो गए, जिसमें 1,238 प्रतिशत की वृद्धि हुई.
- प्रति ग्राहक प्रति जीबी वायरलेस डेटा औसत राजस्व प्राप्ति दिसम्बर 2014 में ₹ 268·97 से घटकर जून 2022 में ₹ 10·29 हो गई जो 96·17 प्रतिशत से अधिक की कमी थी.
- प्रति वायरलेस डेटा सब्सक्राइबर की औसत मासिक डेटा खपत जून 2022 में 266 गुना बढ़कर 16·40 जीबी हो गई. यह मार्च 2014 में 61·66 एमबी थी.

बीटीएस और टावर्स

- मोबाइल बेस ट्रांसीवर स्टेशनों (बीटीएस) की संख्या 09-12-2022 तक 23·98 लाख है.
- मोबाइल टावरों की संख्या 09-12-2022 को 7·4 लाख है.

विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) में वृद्धि

दूरसंचार क्षेत्र में एफडीआई (इक्विटी प्रवाह) 2021-22 के दौरान 668 मिलियन अमरीकी डॉलर की तुलना में 2022-23 (अप्रैल से सितम्बर) के दौरान 694 मिलियन अमरीकी डॉलर था.

दूरसंचार सुधार

(i) इंडियन टेलीग्राफ राइट ऑफ वे (संशोधन) नियम, 2022—5जी रोल-आउट को तेजी से सक्षम करने के लिए इंडियन टेलीग्राफ राइट ऑफ वे (संशोधन) नियम, 2022 टेलीग्राफ इंफ्रास्ट्रक्चर की तेज और आसान तैनाती की सुविधा प्रदान करेगा. इन संशोधित नियमों में अन्य बातों के साथ-साथ छोटे सेल और टेलीग्राफ लाइन की स्थापना के लिए स्ट्रीट फर्नीचर के उपयोग के प्रावधान शामिल हैं. देश भर में एकरूपता लाने के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदाताओं द्वारा आरओडब्ल्यू की अनुमति लेने के शुल्क को एक समान और युक्ति संगत बनाया गया है.

(ii) वायरलेस प्लानिंग और समन्वय सुधार—सरकार ने वायरलेस लाइसेंसिंग पर निम्नलिखित प्रक्रियात्मक सुधार किए हैं—

- नवाचार, विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न फ्रीक्वेंसी बैंडों को लाइसेंस मुक्त करना निम्नानुसार है—
- 865-868 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम को आईओटी और एम2एम, आरएफआईडी

आदि अनुप्रयोगों की सुविधा के लिए लाइसेंस मुक्त किया गया.

- 9 KHz से 30 MHz बैंड को कॉन्टैक्टलेस इंडक्टिव चार्जिंग आदि के लिए लाइसेंस मुक्त किया गया.
- 433-434·79 मेगाहर्ट्ज बैंड को विभिन्न शॉर्ट-रेंज डिवाइसेस (एसआरडी) अनुप्रयोगों के लिए लाइसेंस मुक्त किया गया.
- सरकार ने नेशनल फ्रीक्वेंसी एलोकेशन प्लान 2022 भी जारी किया है, जो स्पेक्ट्रम के उपयोगकर्ताओं को प्रासंगिक फ्रीक्वेंसी और उसमें दिए गए मापदंडों के अनुसार अपने नेटवर्क की योजना बनाने के लिए मार्गदर्शन देगा.

(iii) उपग्रह सुधार—उपग्रह आधारित सेवाओं के तेजी से उभरते क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने और नागरिकों के लिए सस्ती सेवाओं के प्रावधान में तेजी लाने के लिए, रोल आउट के विभिन्न चरणों में शुल्कों की बहुलता को सीमित करके कारोबारी सुगमता (ईज-ऑफ-डूइंग-बिजनेस) में मदद के लिए उपग्रह आधारित संचार सेवाओं में सुधार किए गए हैं.

अब तक, उपग्रह का उपयोग ज्यादातर स्थिर-उपयोग तक ही सीमित रहा है. सरकार ने चलती प्लेटफॉर्म पर उपयोगकर्ता टर्मिनल स्टेशन (स्टेशनों) के प्रावधान को सक्षम करने के लिए वाणिज्यिक वीएसएटी लाइसेंस के दायरे में वृद्धि की है. ये टर्मिनल निम्नलिखित प्रकार के हो सकते हैं—

- वाहन पर लगे 'पूरी तरह से मोबाइल' या,
- केवल ब्रीफकेस आकार पोर्टेबल 'रोकें और ले जाएं' जैसे.

मौजूदा प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए, उपग्रह से सम्बन्धित निकासी प्रक्रियाओं को कारगर बनाने के वास्ते महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए हैं. यह स्पेक्ट्रम आवंटन और सम्बन्धित मंजूरी में मौजूदा समय लेने वाली प्रक्रिया को काफी कम कर देगा. नेटवर्क के संचालन में समय बचाने के लिए स्व-प्रमाणन की शुरूआत की गई है.

(iv) पूरे देश में राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) आवेदनों और अनुमतियों की प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिए **'गति शक्ति संचार' पोर्टल का शुभारम्भ** प्रधानमंत्री मोदी के सबसे महत्वपूर्ण दृष्टिकोणों में से एक है देश भर में ब्रॉडबैंड सेवाओं के लिए सार्वभौमिक और समान पहुँच, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में, बनाना. इस दृष्टि को पूरा करने के लिए, यह अनिवार्य है कि देश भर में डिजिटल संचार अवसंरचना की सुचारू और कुशल तैनाती की सुविधा के द्वारा बुनियादी ढाँचे की रीढ़ तैयार की जाए.

सेंट्रलाइज्ड राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) अनुमोदन के लिए 'गति शक्ति संचार' पोर्टल अब सभी 36 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के साथ काम कर रहा है और रेलवे मंत्रालय, सड़क परिवहन मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय-डीजीएमओ से भी जुड़ा है.

(v) 5जी रोलआउट के लिए प्रधानमंत्री गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान प्लेटफॉर्म—टेलीकॉम सम्पत्तियों को पीएम गति शक्ति (नेशनल मास्टर प्लान) प्लेटफॉर्म पर मैप किया जा रहा है. अब तक कोई 10 लाख रूट किलोमीटर ओप्टिकल फाइबर केबिल (ओएफसी) सार्वजनिक क्षेत्र संस्थानों द्वारा बिछाया गया है. बीएसएनएल, बीबीएनएल, रेलटेल, गेल, पावरग्रिड को मैप किया गया है. सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लगभग 20 लाख टेलीकॉम टावरों को 'फाइबराइज्ड' और 'नॉन फाइबराइज्ड' जैसे विवरणों के साथ मैप किया गया है.

प्रधानमंत्री गतिशक्ति एनएमपी पर बीआईएसएजी द्वारा विकसित टूल एक विशेष अनफाइबराइज्ड टावर के लिए आवश्यक लम्बाई और निकटतम ओएफसी के मार्ग की गणना करता है. इससे मदद मिलती है—

- अनफाइबराइज्ड टावरों का फाइबराइजेशन यानी निकटतम उपलब्ध ओएफसी को निकटतम अनफाइबराइज्ड टावर से जोड़ने के लिए.
- बिक्री योग्य ओएफसी रखने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान अपने ओएफसी को आसानी से प्रदर्शित और बेच सकते हैं.
- जो कम्पनियाँ अपने अनफाइबराइज्ड टावरों को जोड़ने के लिए उपलब्ध ओएफसी खरीदने का विकल्प तलाशना चाहती हैं, वे बिना अधिक प्रयास के ऐसा कर सकती हैं.

इसके अलावा, राज्य सरकारों द्वारा बिछाए गए स्ट्रीट फर्नीचर (जैसे बिजली के खंभे, बस शेल्टर, ट्रैफिक लाइट आदि) का उत्तरोत्तर मानचित्रण किया जा रहा है. दूरसंचार विभाग एनएमपी प्लेटफॉर्म को राज्य एनएमपी प्लेटफॉर्म के साथ एकीकृत किया जा रहा है ताकि राज्यों की विभिन्न सम्पत्तियाँ जैसे स्ट्रीट फर्नीचर, सरकारी भूमि आदि एनएमपीडीओटी प्लेटफॉर्म पर दिखाई दें. एनएमपी प्लेटफॉर्म पर विभिन्न उपकरण विकसित किए गए हैं जो टीएसपी के लिए 5जी रोलआउट को आसान बनाएंगे. उदाहरण के लिए—

सबसे छोटी दूरी का उपकरण—यह उपकरण जरूरत के बिन्दु से निकटतम ओएफसी की दूरी दिखाता है, जो एक गैर-फाइबरीकृत मोबाइल टावर या 5जी सेल/पोल के लिए एक नई साइट हो सकती है.

5जी योजना उपकरण—यह उपकरण रुचि के शहर में अनुकूलन योग्य आकार के ग्रिड बनाता है. स्ट्रीट फर्नीचर और मोबाइल टावरों की परत को ओवरलैप करके, एक टीएसपी देख सकता है कि किस ग्रिड में 5जी पोल लगाने के लिए कोई सम्पत्ति नहीं है और एक नए पोल/बुनियादी ढाँचे की आवश्यकता है.

आरओडब्ल्यू (मार्ग का अधिकार) टूल—इस टूल का उपयोग करके, एक टीएसपी यह देख सकता है कि ओएफसी बिछाने या मोबाइल टावर स्थापना के मार्ग के अंतर्गत आने वाली राज्य स्थानीय निकाय जैसी कौनसी एजेंसियाँ हैं?

परियोजनाएं और पहल

1. भारतनेट के माध्यम से गाँवों में सेवा वितरण—2022 में प्रगति—

- देश में सभी ग्राम पंचायतों (लगभग 2·6 लाख) को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए फ्लैगशिप भारतनेट परियोजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है. चरण-I दिसम्बर 2017 में 1 लाख ग्राम पंचायतों को कवर करते हुए पूरा हो गया है.
- परियोजना के तहत्, 31.10.2022 तक, 6,00,898 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई जा चुकी है, कुल 1,90,364 ग्राम पंचायतें ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) से जुड़ी हुई हैं और 1,77,665 ग्राम पंचायतें ओएफसी पर सेवा के लिए तैयार हैं. इसके अलावा, 4,466 ग्राम पंचायतों को सैटेलाइट मीडिया से जोड़ा गया है. कुल ग्राम 1,82,131 पंचायतें सेवा के लिए तैयार हैं.

2. कवर न किए गए गाँवों में मोबाइल सेवाएं—(i) वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों (LWT) में मोबाइल टावरों की स्थापना—20-08-2014 को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में 2199 स्थानों में मोबाइल सेवाओं (2जी आधारित) के प्रावधान के लिए एक परियोजना को मंजूरी दी गई थी. इसके बाद जून 2016 में अतिरिक्त 156 साइटों के लिए मोबाइल सेवाओं के प्रावधान को मंजूरी दी गई. वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों-I के तहत् स्वीकृत 2,355 स्थलों में से 2,343 स्थल विकिरण कर रहे हैं. मौजूदा 2जी साइट्स को 4जी में अपग्रेड करने की मंजूरी दे दी गई है. वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों-II के तहत्, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और ओडिशा राज्य में 232 स्थानों को कवर करते हुए 224 मोबाइल टावर और सम्बन्धित बुनियादी ढाँचे को स्थापित और चालू किया गया है.

(ii) मोबाइल सेवाओं से आच्छादित 354 में से 275 गाँव—जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, गुजरात, उत्तराखंड, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में गाँवों को कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए सरकार ने 354 गाँवों को जोड़ने की मंजूरी दी. अक्टूबर 2022 तक 354 अछूते गाँवों में से 275 को 254 मोबाइल टावर लगाकर कवरेज प्रदान किया जा चुका है. इस योजना के तहत् '55 कवर नहीं किए गए गाँवों' को कवर करने के लिए अतिरिक्त मंजूरी के आदेश दिए गए हैं. अक्टूबर 2022 तक, इन 55 गाँवों में से 19 गाँवों को 19 मोबाइल टावर और सम्बन्धित बुनियादी ढाँचे लगाकर कवर किया गया है.

(iii) एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट स्कीम के तहत् 502 कवर नहीं किए गए गाँवों में 4जी आधारित मोबाइल सेवा—4 राज्यों-उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान के एस्पिरेशनल जिलों के 502 कवर नहीं किए गए गाँवों में 4जी आधारित मोबाइल सेवा के प्रावधान के लिए इसमें योजना बनाई गई है. अक्टूबर 2022 तक इस परियोजना के तहत् 106 मोबाइल टावर लगाकर 132 गाँवों को कवर किया जा चुका है.

नवम्बर 2021 में सरकार ने आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र और ओडिशा जैसे 5 राज्यों के आकांक्षी जिलों के 7,287 कवर नहीं किए गए गाँवों में 4जी मोबाइल सेवा प्रदान करने के लिए और मंजूरी दे दी है.

(iv) देश भर के कवर न किए गए गाँवों में 4जी मोबाइल सेवाओं की संतृप्ति—देश भर के कवर न किए गए गाँवों में 4जी मोबाइल सेवाओं की संतृप्ति के लिए परियोजना को मंजूरी दे दी गई है. यह परियोजना दूर-दराज और दुर्गम क्षेत्रों में 24,680 गाँवों में 4जी मोबाइल सेवाएं उपलब्ध कराएगी. परियोजना में पुनर्वास, नई बस्तियाँ, मौजूदा ऑपरेटरों द्वारा सेवाओं की वापसी आदि के कारण अतिरिक्त गाँवों को शामिल करने का प्रावधान है. इसके अलावा, केवल 2जी/3जी कनेक्टिविटी वाले 6,279 गाँवों को 4जी में अपग्रेड किया जाएगा.

इस परियोजना को बीएसएनएल द्वारा आत्मनिर्भर भारत के 4जी प्रौद्योगिकी स्टैक का उपयोग करके निष्पादित किया जा रहा है और इसे यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड के माध्यम से वित्त पोषित किया गया है. दिसम्बर 2023 तक इस परियोजना को पूरा कर लेने का लक्ष्य रखा गया है.

(v) पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए व्यापक दूरसंचार विकास योजना—भारत सरकार पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए एक व्यापक दूरसंचार विकास योजना लागू कर रही है. इस योजना के तहत्, राष्ट्रीय राजमार्ग से लगते असम, मणिपुर, मिजोरम, नगालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, और उत्तर-पूर्व के अरुणाचल प्रदेश के क्षेत्रों के कवर न किए गए गाँवों में 2004 टावर स्थापित करके 2जी पर मोबाइल कनेक्टिविटी प्रदान की जानी है.

मेघालय के कवर न किए गए गाँवों में मोबाइल सेवा और राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ निर्बाध कवरेज की परियोजना को 23-05-2018 को मंजूरी दी गई थी और 4जी मोबाइल सेवा के प्रावधान के लिए 04-09-2020 को 1,164 कवर न किए गए गाँवों और राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ 11 साइटों के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाता को काम दिया गया था. कुल 1,094 टावर लगाकर 1,481 अछूते गाँवों को कवर करने का दायरा बढ़ाया गया है. अक्टूबर 2022 तक 475 गाँवों को कवर करते हुए कुल 316 टावर लगाए जा चुके हैं.

अरुणाचल प्रदेश के 2,374 कवर न किए गए गाँवों और असम के 2 जिलों (कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ) में 4जी मोबाइल सेवाओं के प्रावधान के लिए एक अन्य परियोजना को मंजूरी दी गई. इसका सर्वे पूरा हो चुका है. अरुणाचल प्रदेश में, 27 गाँवों को कवर करते हुए 19 टावर चालू किए गए हैं, जबकि असम में 67 गाँवों को कवर करते हुए 54 साइटों को चालू किया गया है.

देश के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के राज्यों को उच्च गुणवत्ता और उच्च गति का इंटरनेट उपलब्ध कराने के लिए यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड से भारत संचार निगम लिमिटेड ने 18.08.2021 को बांग्लादेश के साथ बांग्लादेश सबमरीन केबल कम्पनी लिमिटेड, बांग्लादेश से अगरतला के लिए इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिए 10 जीबीपीएस इंटरनेशनल बैंडविड्थ हायरिंग के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. पहला 10 जीबीपीएस का लिंक 26-11-2021 को और दूसरा 10 जीबीपीएस लिंक 21-04-2022 को चालू किया गया.

3. द्वीपों में कनेक्टिविटी—(अ) अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में राष्ट्रीय राजमार्ग-4 (पूर्ववर्ती एनएच 223) के साथ 85 कवर न किए गए गाँवों में, 4जी मोबाइल सेवाओं का प्रावधान और निर्बाध मोबाइल कवरेज.

चिह्नित 85 गैर-जनसंख्या वाले गाँवों में 4जी प्रौद्योगिकी पर मोबाइल सेवाएं प्रदान करने के लिए 10 या उनसे अधिक और 42 टावरों को खुले राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ मोबाइल कनेक्टिविटी में अंतराल को पाटने के लिए 4जी मोबाइल सेवाएं प्रदान करने के वास्ते 82 टावरों की स्थापना के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए गए. आज तक, 124 टावर साइटों की सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुकाबले 105 टावर साइटों [गाँव-58, राजमार्ग-47] को मंजूरी दी गई है. परियोजना का समापन 14-05-2023 को होना है.

(ब) अंडमान और निकोबार और लक्षद्वीप द्वीप समूह में उपग्रह बैंडविड्थ की स्थिति—

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह—बीएसएनएल द्वारा 9-09-2021 को सैटेलाइट बैंडविड्थ को 4 जीबीपीएस तक सफलतापूर्वक लागू किया गया.

लक्षद्वीप द्वीप—14-8-2021 को सैटेलाइट बैंडविड्थ को 1·71 जीबीपीएस तक बढ़ाने का काम सफलतापूर्वक लागू कर दिया गया है.

मंत्रिमंडल की मंजूरी दिनांक 9-12-2020 के अनुसार, कोच्चि और लक्षद्वीप द्वीप समूह (केएलआई परियोजना) के बीच सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर केबल कनेक्टिविटी प्रदान की जानी है, जिसमें कवारती और दस अन्य द्वीप शामिल हैं, अर्थात् कल्पेनी, अगत्ती, अमिनी, एंड्रोथ, मिनिकॉय, बंगाराम, बित्रा, चेतलत, किलतान और कदमत. इस परियोजना को मई 2023 तक यानी 15 अगस्त, 2020 को माननीय प्रधानमंत्री की घोषणा की तारीख से 1,000 दिनों के भीतर लागू करने का लक्ष्य मई 2023 है. .

4. प्रधानमंत्री-वाणी के तहत् लगाए गए एक्सेस पॉइंट—सरकार ने 09-12-2020 को प्रधानमंत्री के वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस (प्रधानमंत्री-वानी) के ढाँचे के तहत् सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क के माध्यम से ब्रॉडबैंड के प्रसार के प्रस्ताव को मंजूरी दी.

प्रधानमंत्री-वाणी ढाँचे के तहत्, 22-9-22 तक हॉटस्पॉट की कुल संख्या 1,14,069 तक पहुँच गई है.

5. दूरसंचार पीएलआई योजना के तहत् डिजाइन-आधारित विनिर्माण—17-02-2021 को 'दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना' को 5 वर्ष की अवधि के लिए ₹ 12,195 करोड़ के परिव्यय के साथ मंजूरी दी गई थी. योजना निर्दिष्ट उत्पादों की बिक्री पर 4 से 7 प्रतिशत प्रोत्साहन प्रदान करती है. यह योजना 'मेक इन इंडिया' को प्रोत्साहित करने के लिए दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों के लक्षित क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करते हुए घरेलू विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के तहत् उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के आधार पर तैयार की गई है.

केन्द्रीय बजट 2022-23 में 5जी उत्पादों के लिए डिजाइन आधारित निर्माण की घोषणा की गई. इसने भारत में डिजाइन और निर्मित उत्पादों के लिए मौजूदा प्रोत्साहनों के ऊपर एक प्रतिशत का अतिरिक्त प्रोत्साहन प्रदान किया. तदनुसार, दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों के लिए पीएलआई योजना के तहत् 5जी उत्पादों के डिजाइन आधारित निर्माण की सुविधा के लिए दूरसंचार विभाग ने 28 एमएसएमई सहित

कुल 42 कम्पनियों को मंजूरी दी है. जिनमें से 17 कम्पनियों को डिजाइन-आधारित विनिर्माण मानदंड के तहत् एक प्रतिशत के अतिरिक्त प्रोत्साहन के लिए मंजूरी दी गई है. इन 42 कम्पनियों ने योजना अवधि के दौरान ₹ 4,115 करोड़ के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है. इससे दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों की ₹ 2·45 लाख करोड़ की अतिरिक्त बिक्री होने और योजना अवधि के दौरान 44,000 से अधिक अतिरिक्त रोजगार सृजित होने की उम्मीद है.

6. दूरसंचार प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीटीडीएफ) योजना—टीटीडीएफ का उद्देश्य ग्रामीण-विशिष्ट संचार प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों में अनुसंधान एवं विकास को वित्त पोषित करना और दूरसंचार पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण और विकास के लिए शिक्षाविदों, स्टार्ट-अप्स, अनुसंधान संस्थानों और उद्योग के बीच तालमेल बनाना है. इसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी स्वामित्व और स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देना, प्रौद्योगिकी सह-नवाचार की संस्कृति बनाना, आयात कम करना, निर्यात के अवसरों को बढ़ावा देना और बौद्धिक सम्पदा का निर्माण करना भी है. यह अनुसंधान, डिजाइन, प्रोटोटाइप, उपयोग के मामलों, पायलटों और अवधारणा परीक्षण के प्रमाण सहित अन्य के लिए पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में मदद करेगी. यह योजना भारतीय संस्थाओं को घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वदेशी तकनीकों को प्रोत्साहित करने और शामिल करने के लिए अनुदान देती है.

(स) वैश्विक सूचकांकों में भारत की रैंकिंग—

नेटवर्क रेडीनेस इंडेक्स 2022 (15-11-2022 को जारी)—एनआरआई-2022 में भारत, 2021 में 67वें स्थान से, 2022 में 61वें स्थान पर पहुँच गया. भारत के लिए एनआरआई स्कोर भी 2021 में 49·74 से बढ़कर 2022 में 51·19 हो गया. यह रिपोर्ट 15-11-2022 को जारी हुई है.

(ध) भविष्य के लिए योजना

(i) दूरसंचार विधेयक-दूरसंचार क्षेत्र में नया कानूनी ढाँचा—दूरसंचार क्षेत्र के लिए मौजूदा नियामक ढाँचा भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 पर आधारित है. 'टेलीग्राफ' के युग के बाद से दूरसंचार की प्रकृति, इसके उपयोग और प्रौद्योगिकियों में भारी बदलाव आया है. अब हम 4जी और 5जी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, इंडस्ट्री 4·0, एम-2-एम कम्युनिकेशंस, मोबाइल एज कम्प्यूटिंग आदि जैसी नई तकनीकों के युग में जी रहे हैं. ये तकनीकें भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए नए अवसर पैदा कर रही हैं. इसलिए, भारत को 21वीं सदी की वास्तविकताओं के अनुरूप एक कानूनी ढाँचे की आवश्यकता है. संचार मंत्रालय ने एक आधुनिक और भविष्य के लिए तैयार कानूनी ढाँचा विकसित करने के लिए एक सार्वजनिक परामर्श प्रक्रिया शुरू की. जुलाई 2022 में, 'भारत में दूरसंचार को नियंत्रित करने वाले एक नए कानूनी ढाँचे की आवश्यकता' पर एक परामर्श पत्र प्रकाशित किया गया था और टिप्पणियों को आमंत्रित किया गया था.

परामर्श और विचार-विमर्श के आधार पर, संचार मंत्रालय ने अब भारतीय दूरसंचार विधेयक, 2022 का एक मसौदा तैयार किया है, जिसे आगे के परामर्श के लिए सार्वजनिक डोमेन में रखा गया है. मसौदा तैयार करते समय, आस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ, यूनाइटेड किंगडम, सिंगापुर, जापान और संयुक्त राज्य अमरीका में सम्बन्धित विधानों की भी गहराई से जाँच की गई है. विधेयक का उद्देश्य भारत में दूरसंचार को नियंत्रित करने वाले मौजूदा कानूनी ढाँचे को बदलना है, जिसमें भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885, वायरलेस टेलीग्राफी अधिनियम, 1933 और टेलीग्राफ तार (गैर-कानूनी कब्जा) अधिनियम, 1950 शामिल हैं.

(ii) उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाओं का प्रक्षेपण—उन क्षेत्रों में जहाँ स्थलीय कनेक्टिविटी उपलब्ध नहीं है, उपग्रह ही एकमात्र बैकहॉल तकनीक उपलब्ध हो सकती है. सैटेलाइट बैकहॉल सबसे दूरस्थ समुदायों को जोड़ने के लिए उपग्रह-आधारित बैंडविड्थ प्रदाताओं पर निर्भर करता है. उपयोग की जाने वाली तकनीक के सटीक प्रकार के आधार पर, अन्य बैकहॉल प्रौद्योगिकियों के लिए आवश्यक महँगी और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण बुनियादी ढाँचे के निर्माण की आवश्यकता के बिना, उपग्रह बैकहॉल को जल्दी से तैनात किया जा सकता है.

अग्रणी वीएसएटी (वेरी स्माल अपर्चर टर्मिनल) ऑपरेटर स्वदेशी हाई थ्रुपुट उपग्रहों का उपयोग करके उपग्रह प्रौद्योगिकी में प्रगति का प्रभावी ढंग से लाभ उठा रहे हैं और वे उत्तर-पूर्व, जम्मू-कश्मीर और अन्य क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान करेंगे. बीबीएनएल और बीएसएनएल इसरो के एचटीएस उपग्रहों जीसैट-11 और जीसैट-19 का उपयोग भारतनेट परियोजना के तहत् लगभग 6,700 ग्राम पंचायत/क्षेत्रों को कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए काम कर रहे हैं, जो अन्य माध्यमों से सुलभ नहीं थे. दूरस्थ और पर्वतीय क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए निकट भविष्य में लियो/मेओ उपग्रहों से ब्रॉडबैंड सेवाओं के शुरू होने की उम्मीद है.

(iii) दूरसंचार सुरक्षा संचालन केन्द्र (टीएसओसी) के माध्यम से साइबर सुरक्षा—दूरसंचार विभाग ने राष्ट्रीय दूरसंचार बुनियादी ढाँचे पर हमलों की भविष्यवाणी और पहचान करने के उद्देश्य से दूरसंचार सुरक्षा संचालन केन्द्र की स्थापना के लिए एक योजना को मंजूरी दी है. इसका उपयोग दूरसंचार नेटवर्क पर साइबर हमलों और उन मशीनों की पहचान करने के लिए किया जाता है जो इस तरह के हमलों की शुरूआत कर रही हैं या हमले झेल रही हैं. अवरुद्ध एप्लिकेशन, कुछ एप्लिकेशन द्वारा प्रदान किए गए दुर्भावनापूर्ण संचार आदि की उपस्थिति की पहचान करने के लिए भी इसका उपयोग किया जाता है. यह टेलीकॉम कम्प्यूटर सिक्योरिटी इंसिडेंट रिस्पांस टीम को इनपुट प्रदान करने का मुख्य स्रोत भी है, जो राष्ट्रीय दूरसंचार अवसंरचना की रक्षा के लिए दूरसंचार विभाग द्वारा स्थापित एक ढाँचा है.

(iv) धोखाधड़ी प्रबंधन और उपभोक्ता संरक्षण पोर्टल के लिए टेलीकॉम एनालिटिक्स के माध्यम से उपभोक्ता संरक्षण—दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा ग्राहकों को दूरसंचार संसाधनों का उचित आवंटन सुनिश्चित करने और उनके हितों की रक्षा करने के लिए कई उपाय किए हैं. धोखाधड़ी में कमी सुनिश्चित करना. मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार, व्यक्तिगत मोबाइल ग्राहक अपने नाम पर अधिकतम 9 मोबाइल कनेक्शन पंजीकृत कर सकते हैं. इस पोर्टल को ग्राहकों की मदद करने, उनके नाम पर काम कर रहे मोबाइल कनेक्शनों की संख्या की जाँच करने और उनके अतिरिक्त मोबाइल कनेक्शन, यदि कोई हो, को नियमित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के लिए विकसित किया गया है. हालाँकि, ग्राहक अधिग्रहण फॉर्मको सँभालने की प्राथमिक जिम्मेदारी सेवा प्रदाताओं की है. ●●●

विश्व व्यापार संगठन और भारत

✍ अनीश भसीन

विश्व व्यापार संगठन (WTO) एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है, जो विश्व व्यापार के लिए नियम बनाता है. दुनिया के सभी देशों को व्यापार हेतु मंच मुहैया कराने के मकसद से 1 जनवरी, 1995 को इसका गठन हुआ. इसे प्रशुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौता (GATT) की जगह बनाया गया. विश्व व्यापार संगठन के–वर्तमान में 164 सदस्य हैं भारत इसका संस्थापक सदस्य है. विश्व व्यापार संगठन का हाल ही में 12वाँ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (MC-12) 12 से 17 जून, 2022 को जेनेवा में सम्पन्न हुआ. इस सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने किया. वर्तमान में डब्ल्यू.टी.ओ. (WTO) की महानिदेशक न्गोजी ओकोंजो-इवेला (Ngozi Okonjo Iweala) है, वह इस संगठन के महानिदेशक पद पर नियुक्त होने वाली पहली महिला हैं.

विश्व व्यापार समझौता (World Trade Agreement)

'गैट' का आठवाँ दौर पुंता डेला एस्टे (उरुग्वे) में सितम्बर 1986 में प्रारम्भ हुआ था. इस दौर की वार्ता की विभिन्न बैठकें मॉण्ट्रियल, जेनेवा ब्रुसेल्स आदि में सम्पन्न की गई. इस वार्ता की समाप्ति के लिए चार वर्षों की अवधि सन् 1986 से 1990 तक निर्धारित की गई थी. उरुग्वे राउंड (Urugvay Round) को दिसम्बर 1990 की ब्रुसेल्स बैठक में अपने निष्कर्ष देने थे, किन्तु यह वार्ता अनेक विवादों के चलते लम्बी चली. अंततः 'गैट' के तत्कालीन महा-निदेशक आर्थर डंकल (Arthur Dunkel) को इस समस्या के समाधान का दायित्व सौंपा गया. 20 दिसम्बर, 1991 को आर्थर डंकल ने नए सिरे से सदस्य देशों के सामने आपसी सहमति के लिए एक विस्तृत दस्तावेज प्रस्तुत किया. इन प्रस्तावों को ही 'डंकल प्रस्ताव' अथवा 'ड्राफ्ट फाइनल एक्ट' (Draft Final Act) कहा जाता है. 15 अप्रैल, 1994 को मोरक्को के (Morocco) मराकश शहर (Marrakash) में 123 देशों ने 'गैट' के 'उरुग्वे वार्ता समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए. इसके परिणामस्वरूप 1 जनवरी, 1995 में 'गैट' के स्थान पर 'विश्व व्यापार संगठन' (World Trade Organisation) की स्थापना कर दी गई.

गैट तथा विश्व व्यापार संगठन में अन्तर

1. 'गैट' की कोई कानूनी हैसियत नहीं थी, जबकि 'विश्व व्यापार संगठन' को कानूनी दर्जा प्राप्त है.
2. 'गैट' एक ऐसा मंच था, जहाँ सदस्य देश व्यापार समस्याओं पर विचार करने और उन्हें हल करने के लिए दशक में केवल एक ही बार मिलते थे, जबकि डब्ल्यू.टी.ओ. (WTO) सुस्थापित नियमबद्ध संगठन है, जहाँ निर्णय समयबद्ध होते हैं.

'ट्रिप्स' (TRIPS) क्या है ?

'ट्रिप्स' (TRIPS) अर्थात् 'बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार सम्बन्धी पहलू' (Trade Related Aspects of Intellectual Property Rights–TRIPS) डब्ल्यू.टी.ओ. (WTO) द्वारा संचालित अन्तर्राष्ट्रीय संधि है, जिसमें बौद्धिक सम्पत्ति के अधिकारों के न्यूनतम मानकों को तय किया गया है. इसे वर्ष 1994 में गैट के 8वें चक्र/दौर (उरुग्वे राउंड) के अन्त में तय किया गया था. ट्रिप्स सात प्रकार की बौद्धिक सम्पत्ति अधिकारों (Intellectual Property Rights) की चर्चा करता है, जो इस प्रकार है–

- *प्रतिलिपि प्राप्त करने (कॉपीराइट) और उससे सम्बन्धित अधिकार (Copyright and Related Rights)–प्रतिलिप्याधिकार*
- *ट्रेडमार्क (Trademark)*
- *भौगोलिक उपदर्शन (Geographical Indication)*
- *औद्योगिक डिजाइन (Industrial Design)*
- *पेटेंट (Patents)*
- *इंटीग्रेटेड सर्किट की डिजाइन (Design Topography of Integrated Circut)*
- *अप्रकाशित सूचना का संरक्षण/ट्रेड सीक्रेट (Trade Secret/Protection of Undisclosed Information)*

'ट्रिप्स' 'डब्ल्यू.टी.ओ.' के सदस्य देशों को बौद्धिक सम्पत्ति के अधिकारों के अनुपालन के लिए बाध्य करता है, जिसमें भारत भी शामिल है. इसलिए भारत ने बौद्धिक संपदा अधिकार से सम्बन्धित कई कानूनों को संशोधित किया है.

3. 'गैट' की अस्थायी प्रकृति के विपरीत 'विश्व व्यापार संगठन' एक स्थायी संगठन है. इसकी स्थापना सदस्य देशों की संसदों द्वारा अनुमोदित एक अन्तर्राष्ट्रीय संधि (International Treaty) के आधार पर की गई है.
4. 'गैट' के अन्तर्गत विवाद निपटारा प्रणाली बिलम्बकारी थी, जबकि डब्ल्यू.टी.ओ. (WTO) की यह प्रणाली शीघ्रगामी है.
5. 'गैट' के नियम केवल वस्तुओं के व्यापार पर ही लागू होते थे, जबकि 'विश्व व्यापार संगठन' के अन्तर्गत केवल वस्तुओं तथा सेवाओं का व्यापार ही नहीं आता वरन् बौद्धिक संपदा अधिकार (Intellectual Property Right) सम्बन्धी विषय भी आते हैं.
6. 'गैट' का एक लघु कार्यालय था, जिसे महानिदेशक देखता था, जबकि डब्ल्यूटीओ (WTO) का एक विशाल कार्यालय/मुख्यालय (Headquater) है.

'विश्व व्यापार संगठन' के कार्य

1. व्यापार एवं प्रशुल्क से सम्बन्धित किसी भी मसले पर सदस्यों के बीच विचार-विमर्श हेतु एक मंच के रूप में कार्य करना.
2. वैश्विक आर्थिक नीति-निर्माण में अधिक सामंजस्य भाव लाने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) तथा विश्व बैंक (World Bank) के साथ सहयोग करना.
3. विश्व व्यापार समझौता एवं बहुपक्षीय समझौते के कार्यान्वयन, प्रशासन एवं परिचालन हेतु सुविधाएं प्रदान करना.
4. विवादों के निपटारे से सम्बन्धित नियमों एवं प्रक्रियाओं को प्रशासित करना.

'विश्व व्यापार संगठन' की संरचना

'विश्व व्यापार संगठन' की संरचना में निम्न अंग प्रमुख हैं–

1. **मंत्रिस्तरीय सम्मेलन** (Ministerial Conference)–यह 'विश्व व्यापार संगठन' का सर्वोच्च नीति निर्माता अंग है, जिसमें सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं, जो कम-से-कम 2 वर्ष में एक बार मिलते हैं. यह संगठन की सम्पूर्ण कार्य-प्रणाली को संचालित करता है. संगठन का 12वाँ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (MC-12) 12–17 जून, 2022 को जेनेवा में आयोजित हुआ.
2. **सामान्य परिषद्** (General Council)–संगठन के प्रशासनिक कार्य संचालन हेतु एक 'सामान्य-परिषद्' है, जिसमें प्रत्येक सदस्य राष्ट्र का एक स्थायी प्रतिनिधि होता है. इसकी बैठक सामान्यतः महीने में एक बार जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड) में होती है.

3. **सचिवालय (Secretariat)**—संगठन के सचिवालय का मुखिया महानिदेशक **(Director General)** होता है. इसका कार्यकाल 4 वर्ष का होता है. वह बजट, वित्त और प्रशासन समिति को वार्षिक बजट के अनुमान और वित्तीय विवरण प्रस्तुत करता है. वर्तमान में 1 मार्च, 2021 से न्गोजी ओकोंजो इवेला (नाइजीरिया) डब्ल्यू.टी.ओ. की महानिदेशक हैं. वह डब्ल्यू.टी.ओ. की पहली महिला महानिदेशक हैं. वह संगठन की सातवीं महानिदेशक हैं.

विश्व व्यापार संगठन की प्रमुख समितियाँ

डब्ल्यू.टी.ओ. के कार्य संचालन हेतु अनेक महत्वपूर्ण समितियाँ हैं, जिनमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण दो समितियाँ इस प्रकार हैं—

- **विवाद निपटारा समिति (Dispute Settlement Body)**—इस समिति का कार्य विभिन्न देशों के मध्य व्यापार नियमों के उल्लंघन की शिकायतों का निपटारा करना है. इसके लिए यह विभिन्न देशों के विरुद्ध डब्ल्यू.टी.ओ. (WTO) के व्यापार नियमों के उल्लंघन की शिकायतों के गहन अध्ययन के लिए विशेषज्ञों की समिति गठित कर सकता है.
- **व्यापार नीति समीक्षा समिति (Trade Policy Review Body)**—इस समिति का कार्य सदस्य देशों की व्यापार नीति की समीक्षा करना है. संगठन के सभी सदस्य इस समिति के सदस्य होते हैं. समिति द्वारा व्यापार नीति की 2 वर्ष में एक बार समीक्षा की जाती है.

इन दो समितियों के अलावा डब्ल्यू.टी.ओ. (WTO) का एक अपीलीय निकाय (Appellate Body) भी है, जिसकी स्थापना वर्ष 1995 में विवादों के निपटारे को नियन्त्रित करने वाले नियमों और प्रक्रियाओं की समझ (DSV) के अनुच्छेद 17 के तहत् की गई थी. यह सात व्यक्तियों का एक स्थायी निकाय है जो विश्व व्यापार संगठन के सदस्यों द्वारा लाए गए विवादों में पैनल द्वारा जारी रिपोर्टों से अपीलों की सुनवाई करता है. अपीलीय निकाय जिनेवा में स्थित है. वर्तमान में अपीलीय निकाय अपनी चल रही रिक्तियों को देखते हुए अपीलों की समीक्षा करने में असमर्थ है.

'विश्व व्यापार संगठन' के मंत्रिस्तरीय सम्मेलन

सम्मेलन	तिथि/वर्ष	स्थान
पहला सम्मेलन	9–13 दिसम्बर, 1996	सिंगापुर
दूसरा सम्मेलन	18–20 मई, 1998	जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)
तीसरा सम्मेलन	30 नवम्बर–3 दिसम्बर, 1999	सिएटल (अमरीका)
चौथा सम्मेलन	9–14 नवम्बर, 2001	दोहा (कतर)
पाँचवाँ सम्मेलन	10–14 सितम्बर, 2003	कानकून (मैक्सिको)
छठवाँ सम्मेलन	13–18 दिसम्बर, 2005	हाँगकाँग (चीन)
सातवाँ सम्मेलन	30 नवम्बर–3 दिसम्बर, 2009	जेनेवा
आठवाँ सम्मेलन	15–17 सितम्बर, 2011	जेनेवा
नौवाँ सम्मेलन	3–7 दिसम्बर, 2013	बाली (इण्डोनेशिया)
दसवाँ सम्मेलन	15–19 दिसम्बर, 2015	नैरोबी (कीनिया)
ग्यारहवाँ सम्मेलन	10–13 दिसम्बर, 2017	ब्यूनस आयर्स (अर्जेंटीना)
बारहवाँ सम्मेलन	12–16 जून, 2022	जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)

'दोहा डेवलपमेंट एजेंडा' (DDA) क्या है ?

'दोहा विकास (डेवलपमेंट) एजेंडा' डब्ल्यू.टी.ओ. (WTO) के मध्य व्यापार वार्ता का नवीनतम दौर (Round) है. इसका उद्देश्य व्यापार बाधाओं को निम्न करके एवं संशोधित व्यापार नियमों की शुरूआत के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार प्रणाली में अहम् सुधार करना है. 'दोहा राउंड' को आधिकारिक तौर पर नवम्बर 2001 में दोहा (कतर) में विश्व व्यापार संगठन के चौथे मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (MC-4) में शुरू किया गया था. दोहा राउंड को 'दोहा राउंड एजेंडा' के रूप में भी जाना जाता है. इसका एक मौलिक उद्देश्य विकासशील देशों (Developing) की व्यापारिक सम्भावनाओं में सुधार करना है.

भारत द्वारा सम्मेलन (MC-12) में उठाए गए प्रमुख बिन्दु/मुद्दे

डब्ल्यू.टी.ओ. के 12वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमण्डल की अगुवाई वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने की. इस सम्मेलन में भारत द्वारा उठाए गए प्रमुख मुद्दे इस प्रकार रहे—

कृषि पर समझौता (Agreement on Agriculture–AoA) (एक दृष्टि में)

'कृषि पर समझौता' (AoA) व्यापार बाधाओं को दूर करने एवं पारदर्शी बाजार पहुँच एवं वैश्विक बाजारों के एकीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए डिजाइन (Design) किया गया. यह समझौता (AoA) 3 स्तम्भों पर (तीन प्रकार की सब्सिडी) पर आधारित है, जो इस प्रकार है—

- ***ग्रीन बॉक्स सब्सिडी (Green Box Subsidy)**—ऐसी सब्सिडी जो कम-से-कम बाजार विकृत करने वाली नहीं है. इसमें आय सहायता भुगतान, सुरक्षा कार्यक्रम एवं पर्यावरण कार्यक्रमों के तहत् भुगतान एवं कृषि अनुसन्धान व विकास सब्सिडी जैसे उपाय शामिल हैं.*
- ***ब्लू बॉक्स सब्सिडी (Blue Box Subsidy)**—यह उत्पादन सीमित करने वाली सब्सिडी एक आधार वर्ष में उपज (या) पशुधन की संख्या के आधार पर भुगतान को कवर करती है. यूरोपीय संघ (EU) सक्रिय रूप से इस पद्धति का उपयोग कर रहा है.*
- ***एम्बर बॉक्स सब्सिडी (Amber Box Subsidy)**—यह व्यापार विकृत करने वाली सब्सिडी है, जिन पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है.*

- **खाद्य सुरक्षा पर**—भारत आश्वासन चाहता है कि विश्व व्यापार संगठन को विकासशील और गरीब देशों में गरीब नागरिकों को खिलाने के उद्देश्य से सरकार समर्थित खाद्य खरीद कार्यक्रमों के लिए सब्सिडी नियमों पर फिर से बातचीत करनी चाहिए. इस सम्मेलन में भारत ने खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए

विश्व व्यापार संगठन के महानिदेशक

क्र.सं.	महानिदेशक	कार्यकाल
1.	पीटर सदरलैण्ड (आयरलैण्ड)	1 जुलाई, 1993* से 1 मई, 1995 तक
2.	रिनेरी रुगेरो (इटली)	1 मई, 1995 से 1 सितम्बर, 1999 तक
3.	माइक मूर (न्यूजीलैण्ड)	1 सितम्बर, 1999 से 1 सितम्बर, 2002 तक
4.	सुपाचाई पानिच-पाकड़ी (थाइलैण्ड)	1 सितम्बर, 2002 से सितम्बर, 2005 तक
5.	पास्कल लामी (फ्रांस)	1 सितम्बर, 2005 से सितम्बर, 2013 तक
6.	राबर्टो एजेवेडो (ब्राजील)	1 सितम्बर, 2013 से 31 अगस्त, 2020 तक
7.	न्गोजीं ओकोजो इवेला (नाइजीरिया)	1 मार्च, 2021 से वर्तमान तक

नोट— पीटर सदरलैण्ड 1 जुलाई, 1993 से 'गैट' के महानिदेशक थे. 'गैट' 1 जनवरी, 1995 से विश्व व्यापार संगठन में रूपान्तरित हुआ.*

सार्वजनिक भंडारण (पीएसएच) के मुद्दे के स्थायी समाधान पर जोर दिया.

पीएसएच (PSH) कार्यक्रम एक नीतिगत उपाय होता है, जिसके तहत् सरकार किसानों से चावल एवं गेहूँ जैसे फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर खरीदती है और इसका भडारण करके गरीबों में अनाज वितरित करती है. हालांकि डब्ल्यू.टी.ओ. का कृषि पर समझौता MSP पर अनाज खरीदने की सरकार की क्षमता को सीमित कर देता है. वैश्विक व्यापार नियमों के अनुसार डब्ल्यू.टी.ओ. के सदस्य देश खाद्य सब्सिडी खर्च 1986–88 के संदर्भ मूल्य पर आधारित उत्पादन मूल्य के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए.

- **डब्ल्यू.टी.ओ. सुधारों पर**–भारत का मानना है कि डब्ल्यू.टी.ओ. (WTO) के सुधारों पर चर्चा को अपने मूलभूत सिद्धान्तों को मजबूत करने पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए. इस समय विशेष और विभेदक उपचार (S & DT) को आरक्षित करना, जिसमें आम सहमति-आधारित निर्णय लेना, गैर-भेदभाव और विशेष एवं विभेदक उपचार के परिणामस्वरूप विरासत में मिली असमानताओं के असन्तुलन को बढ़ाना नहीं चाहिए.
- **ई-कॉमर्स लेनदेन पर**–भारत ने डब्ल्यू.-टी.ओ. से ई-कॉमर्स (e-Commerce) लेनदेन पर सीमा शुल्क स्थगन के विस्तार की समीक्षा करने के लिए कहा है, जिसमें डिजिटल रूप से कारोबार करने वाली वस्तुएं और सेवाएं शामिल हैं.
- **प्रतिकूल मत्स्य पालन सब्सिडी को कम करने पर समझौता**–यह समझौता वैश्विक मछली स्टॉक की बेहतर सुरक्षा के लिए अगले चार वर्षों के लिए अवैध, गैर-सूचित और अनियमित तरीके से मछली पकड़ने पर प्रतिकूल सब्सिडी पर अंकुश लगाएगा. भारत और अन्य विकासशील देश इस समझौते में कुछ रियासतें हासिल करने में सफल रहें. इस समझौते के तहत् छोटे पैमाने पर मछली पकड़ने वाले मछुआरों तथा पारम्परिक किसानों को किसी भी प्रतिबंध का सामना अब नहीं करना पड़ेगा.
- **'कोविड-19' (Covid-19) वैक्सीन उत्पादन पर समझौता**–इस सम्मेलन के दौरान डब्ल्यू.टी.ओ. के सदस्य 5 वर्ष के लिए पेटेंट (Patent) धारक की सहमति के बिना 'कोविड-19' टीकों पर बौद्धिक सम्पदा पेटेंट को अस्थायी रूप से माफ करने पर सहमत हुए. यह समझौता वर्ष 2020 में भारत और द. अफ्रीका द्वारा लाए गए मूल प्रस्ताव का एक 'वाटर डाउन' संस्करण है. यह टीके, उपचार और परीक्षणों पर व्यापक बौद्धिक संपदा छूट चाहते थे.

विश्व व्यापार संगठन में भारत की भूमिका (बिन्दुवार)

- भारत प्रशुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौते (GATT, 1947) और इसकी जगह/स्थान लेने वाले संगठन विश्व व्यापार संगठन (WTO, 1995) का एक संस्थापक सदस्य (Founding Membet) रहा है.
- भारत डब्ल्यू.टी.ओ. (WTO) के सब्सिडी (Subsidy) नियमों में सुधार के प्रयासों का नेतृत्व करता है. भारत का मानना है कि खाद्य एवं कृषि सब्सिडी का पूरी तरह से खात्मा सम्भव नहीं है. इसके लिए भारत अपनी खाद्य जरूरतों और गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों का हवाला देता रहा है.
- भारत खाद्य सब्सिडी की सीमा का आकलन करने के फॉर्मूले में संशोधन करने की माँग भी करता रहा है, जिसका आधार वर्ष 1986-88 के अन्तर्राष्ट्रीय मूल है, जो अब अव्यवहारिक है. भारत बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली (Ttade) को अधिक निष्पक्ष एवं समावेशी बनाने का भी आह्वान करता है.
- डब्ल्यू.टी.ओ. की भेदभाव वाली नीति को लेकर भी भारत ने अपनी असहमति जताई है. भारत ने हाल ही में मत्स्य सहायिकी पर संगठन के प्रारूप को अस्वीकृत किया है.
- भारत डब्ल्यू.टी.ओ. (WTO) में सार्वजनिक स्टॉकहोल्डिंग सब्सिडी पर स्थायी समाधान की माँग भी कर रहा है.
- भारत (डब्ल्यू.टी.ओ. की कार्यप्रणाली में) गैर-व्यापार मुद्दों (Non-Ttade Essues) को शामिल करने के विरुद्ध रहा है, जो लम्बे समय से संरक्षणवादी उपायों को लागू करने के लिए निर्देशित है. उल्लेखनीय है कि गैर-व्यापार मुद्दों के आधार पर ही स. रा. अमरीका (USA) और यूरोपीय यूनियन (EU) जैसे विकसित देश कुछ वस्तुओं के आयात पर प्रतिबन्ध लगाने का प्रयास कर रहे हैं, जैसे–वस्त्र, भोजन आदि, विशेष रूप से विकासशील राष्ट्रों से.
- विश्व व्यापार संगठन के साथ समझौते के अनुसार भारत ने अपने पेटेंट एक्ट (Patent Act, 1970) में वर्ष 1999 में संशोधन किया है. पेटेंट एक्ट में प्रमुख संशोधन वर्ष 2005 में किया गया और 'उत्पाद पेटेंट' (Product Patent) व्यवस्था लागू की गई.

भारत और विश्व व्यापार संगठन के बीच सम्बन्ध

भारत विश्व व्यापार संगठन का संस्थापक सदस्य देश है, तथा विकासशील देशों (Devoloping Countties) के समूह को प्रस्तुत करता है इसलिए कुछ प्रमुख समझौते जो कि भारत द्वारा हस्ताक्षरित किए गए हैं, उनका संक्षिप्त वर्णन इस प्रकार है–

(1) **टैरिफ एवं नान टैरिफ अवरोधों में कमी**–इस समझौते के अन्तर्गत विनिर्माण वस्तुओं के सन्दर्भ में ऊँची टैरिफ (Tariff) दरों का समयव तरीके से कम किया जाना तथा मात्रात्मक प्रतिबंधों (Quantative Restrictions–QRS) को हटा लिया जाना चाहिए जिससे दीर्घकाल में प्रतियोगी वातावरण डब्ल्यू.टी.ओ. (WTO) में स्थापित हो सके.

विश्व व्यापार संगठन के अनुरूप भारत सरकार ने देश के आयातों पर से मात्रात्मक प्रतिबंधों को समाप्त कर दिया है. इस सम्बन्ध में सरकार ने संगठन के निर्णय के परिप्रेक्ष्य में अमरीका के साथ दिसम्बर 1999 को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए. डब्ल्यू.टी.ओ. (WTO) के साथ किए गए समझौते का पालन करने हुए भारत द्वारा अधिकांश आयातों से मात्रात्मक प्रतिबंध (QRs) 1 अप्रैल, 2001 को हटाया गया.

(2) **व्यापार बौद्धिक संपदा अधिकार (TRIPs)**–भारत के दृष्टिकोण से 'ट्रिप्स' एक अत्यन्त चिन्ता का विषय क्षेत्र है. 'ट्रिप्स' में 7 प्रकार के बौद्धिक संपदा अधिकार (Intellectual Ptoperty Rights) की चर्चा की गई है. भारत (India) ने निम्न 8 अधिनियमों (Act's) के अन्दर बौद्धिक संपदा अधिकार सुरक्षित किए हैं, जो इस प्रकार हैं–

- Copywtite Act, 1957
- Patent Act, 1970
- Geogtaphical Indications of Goods (Ptotection) Act, 1999
- Ttade Matks Act, 1999
- Design Act, 2000
- Layout Design Act, 2000 (SIC)
- Ptotection of Plant Vatieties & Fatmets Rights Act, 2001
- Biological Diveisity Act, 2002

(3) **व्यापार सम्बन्धी निवेश उपाय**–इस समझौते के अनुसार मेजबान देश को विदेशी निवेश एवं घरेलू निवेश की विभेदात्मक नीतियों को दूर करना चाहिए. अर्थात् सभी देशों के मध्य मुफ्त विदेशी निवेश नीतियों का पालन होना चाहिए.

शेष पृष्ठ 125 पर

5जी तकनीक बदलेगी विकास की दशा व दिशा

—गजेन्द्र सिंह 'मधुसूदन'

तकनीकी नवाचारों से उत्पन्न गहन प्रभाव मानव और मशीन उत्पादकता के सकारात्मक प्रभावों से लेकर अंततः दुनिया भर के लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने तक रहे हैं. प्रिंटिंग मशीन और स्टीम इंजन ने पहली औद्योगिक क्रांति को, टेलीग्राफ और बिजली ने दूसरी औद्योगिक क्रांति को, कम्प्यूटर और इंटरनेट ने तीसरी औद्योगिक क्रांति को उत्प्रेरित किया था, जबकि इंटरनेट और तकनीक चालित 5जी चौथी औद्योगिक क्रांति को उत्प्रेरण और समर्थन प्रदान कर रही है. 5जी तकनीक विकास के विविध क्षेत्रों को अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं में योगदान बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है. चौथी औद्योगिक क्रांति स्थापित और उभरती दोनों तकनीकों द्वारा संचालित है, जिसमें इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, उन्नत डेटा एनालिटिक्स, रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, क्लाउड कम्प्यूटिंग, वर्चुअल और ऑगमेंटेड रियलिटी, 3डी प्रिंटिंग और ड्रोन शामिल हैं. जिस प्रकार, बिजली ने दूसरी और तीसरी औद्योगिक क्रांतियों को संचालित किया, क्योंकि नेटवर्क ने कई उपयोगकर्ताओं और अनुप्रयोगों तक पहुँचने वाले स्थानीय वितरण नेटवर्क के लिए उच्च वोल्टेज ट्रांसमिशन ग्रिड पर विशाल संयंत्रों को जोड़कर बड़े पैमाने की अर्थव्यवस्थाएं सृजित की हैं. उसी प्रकार, चौथी औद्योगिक क्रांति की पूरी क्षमता 5जी संचार नेटवर्क के व्यापक परिनियोजन के माध्यम से महसूस की जाएगी. 5जी कनेक्टिविटी के अभूतपूर्व स्तर को सक्षम करेगा, यह 5 प्रमुख कार्यात्मक ड्राइवरों-सुपरफास्ट ब्रॉडबैंड, अति विश्वसनीय-कम विलम्ब संचार, व्यापक मशीनी संचार, उच्च विश्वसनीयता/उपलब्धता और कुशल ऊर्जा उपयोग के साथ 4जी नेटवर्क को अपग्रेड करेगा. ये परिभाषित विशेषताएं विनिर्माण, परिवहन, सार्वजनिक सेवाएं, स्वास्थ्य, शिक्षा और कार्य संस्कृति जैसे कई क्षेत्रों को बदल देंगी.

5जी तकनीक का परिचय—5जी पाँचवीं पीढ़ी का मोबाइल नेटवर्क है. यह 4जी नेटवर्क के बाद एक नया वैश्विक वायरलेस मानक है. 5जी एक नए प्रकार के नेटवर्क को सक्षम बनाता है जिसे मशीनों, वस्तुओं और उपकरणों सहित सभी को एक साथ जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया है. 5जी तकनीक उच्च मल्टी-जीबीपीएस पीक डेटा स्पीड, अल्ट्रा लो लेटेंसी, अधिक विश्वसनीयता, विशाल नेटवर्क क्षमता और वृद्धिमान उपलब्धता का वायरलेस अनुभव प्रदान करती है. उच्च प्रदर्शन और बेहतर दक्षता नए उपयोगकर्ता अनुभवों को सशक्त बनाती है और नए उद्योगों को जोड़ती है. 5जी को 4जी एलटीई की तुलना में न केवल तेज, बेहतर मोबाइल ब्रॉडबैंड सेवाएं देने के लिए डिज़ाइन किया गया है, बल्कि मिशन-क्रिटिकल संचार और बड़े पैमाने पर आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) को जोड़ने जैसे नए सेवा क्षेत्रों में भी विस्तार कर सकता है. आईओटी कनेक्टेड ऑब्जेक्ट्स के तेजी से बढ़ते नेटवर्क को संदर्भित करता है, जो एम्बेडेड सेंसर का उपयोग करके वास्तविक समय में डेटा एकत्र और विनिमय करने में सक्षम हैं. जैसे थर्मोस्टेट्स, कार, लाइट, रेफ्रिजरेटर आदि सभी उपकरणों को आईओटी से जोड़ा जा सकता है. यह कई नई 5जी एनआर एयर इंटरफ़ेस डिज़ाइन तकनीकों द्वारा सक्षम है.

5जी ओएफडीएम (ऑर्थोगोनल फ्रीक्वेंसी-डिवीज़न मल्टीप्लेक्सिंग) पर आधारित है, जो हस्तक्षेप को कम करने हेतु कई अलग-अलग चैनलों में डिजिटल सिग्नल को मॉड्यूलेट करने की एक विधि है. 5जी ओएफडीएम सिद्धान्तों के साथ-साथ 5जी एनआर (न्यू रेडियो) एयर इंटरफेस का उपयोग करता है. न्यू रेडियो एकीकृत और अधिक सक्षम 5जी वायरलेस एयर इंटरफेस के लिए वैश्विक मानक है. 5जी व्यापक बैंडविड्थ तकनीकों जैसे उप-6 गीगा हर्टज़ और एमएम वेव का भी उपयोग करता है. 4जी एलटीई (लॉंग-टर्म इवोल्यूशन) की तरह, 5जी ओएफडीएम समान मोबाइल नेटवर्किंग सिद्धांतों के आधार पर काम करता है. हालाँकि, नया 5जी एनआर एयर इंटरफेस ओएफडीएम को और बेहतर बना सकता है, ताकि अधिक लचीलापन और मापनीयता प्रदान की जा सके. यह विभिन्न उपयोगों हेतु अधिक लोगों और चीजों को अधिक 5जी पहुँच प्रदान कर सकता है. 5जी स्पेक्ट्रम संसाधनों के उपयोग को बढ़ाकर, 4जी में उपयोग किए जाने वाले उप-3 से 100 गीगा हर्टज़ और उससे आगे तक व्यापक बैंडविड्थ लाएगा. 5जी दोनों निचले बैंड (जैसे उप-6 गीगा हर्टज़) और एमएम वेव (जैसे 24 गीगा हर्टज़ और ऊपर) में काम कर सकता है, जो अत्यधिक क्षमता, मल्टी-जीबीपीएस थ्रूपुट और कम विलम्बता लाएगा.

2019 में 5जी दूरसंचार उत्तरी अमरीका के कुछ स्थानों पर उपलब्ध था और 2020 की पहली छमाही में अमरीका ने राष्ट्रव्यापी कवरेज की घोषणा की थी. 5जी को रोल आउट करने वाला पहला वाहक वेरिजन 5जी था. ड्यूश टेलीकॉम ने सितम्बर 2019 में बर्लिन, डार्मस्टाड, म्यूनिख, बॉन और कोलोन में 5जी शुरू किया था. फ्रांस में दूरसंचार कम्पनियों ने 2021 में 5जी की वास्तविक उपलब्धता सुनिश्चित की है. यूके के कई शहरों में 2019 में 5जी शुरू किया गया, लेकिन इसका विस्तारित रूप 2020 में देखा गया. चाइना यूनिकॉम ने 2019 में कुछ स्थानों पर 5जी स्थापित किया और उसने नवम्बर 2021 तक 5,60,000 से अधिक 5जी बेस स्टेशनों को तैनात किया था. जीएसएमए इंटेलिजेंस के अनुसार दुनिया भर के 170 मोबाइल ऑपरेटरों ने 2021 के अंत तक 7 प्रतिशत आबादी के साथ वाणिज्यिक 5जी सेवाएं शुरू की हैं और अनुमान है कि 2025 के अंत तक 25 प्रतिशत वैश्विक आबादी 5जी की उपभोक्ता बन चुकी होगी. अब तक दुनिया भर में 67 देश 5जी लॉन्च कर चुके हैं. भारत सरकार द्वारा अगस्त 2022 में 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी सम्पन्न की गई है और इंडिया मोबाइल कांग्रेस के छठे संस्करण के उद्घाटन के दौरान 1 अक्टूबर, 2022 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 5जी सेवाओं का शुभारम्भ किया है. स्टैंडर्ड एण्ड पुअर्स का मानना है कि भारत दिसम्बर 2023 तक दुनिया का सबसे बड़ा 5जी बाजार बनने की क्षमता रखता है. दूरसंचार विभाग के अनुसार, 5जी का रोलआउट देश के तेरह शहरों—अहमदाबाद, बेंगलूरू, चंडीगढ़, दिल्ली, चेन्नई, गांधीनगर, गुरुग्राम, हैदराबाद, जामनगर, कोलकाता, लखनऊ, मुम्बई, पुणे में बहुत जल्द शुरू हो जाएगा. अडानी डेटा नेटवर्क के साथ तीन बड़ी टेलीकॉम कम्पनियाँ रिलायंस जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया ने 5जी स्पेक्ट्रम हासिल किया है और इनके साथ सैमसंग, नोकिया और एरिक्सन जैसी तकनीकी कम्पनियों ने भी भारत में 5जी पर काम करने की घोषणा की है.

5जी तकनीक की श्रेष्ठता—5जी एक एकीकृत, अधिक सक्षम एयर इंटरफेस है. इसे अगली पीढ़ी के उपयोगकर्ता अनुभवों को सक्षम करने, नए परिनियोजन मॉडल को सशक्त बनाने और नई सेवाएं देने के लिए एक विस्तारित क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है. उच्च गति, बेहतर विश्वसनीयता और नगण्य विलम्बता के साथ, 5जी मोबाइल पारिस्थितिकी तंत्र को नए क्षेत्रों में विस्तारित करेगा. यह सुरक्षित परिवहन, दूरस्थ स्वास्थ्य सेवा, स्मार्ट कृषि, डिजिटल लॉजिस्टिक्स सहित व्यवसाय और उद्योग के हर क्षेत्र को प्रभावित करेगी.

सूचना प्रौद्योगिक लेख

5जी तकनीक बदलेगी विकास की दशा व दिशा

—गजेन्द्र सिंह 'मधुसूदन'

तकनीकी नवाचारों से उत्पन्न गहन प्रभाव मानव और मशीन उत्पादकता के सकारात्मक प्रभावों से लेकर अंततः दुनिया भर के लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने तक रहे हैं. प्रिंटिंग मशीन और स्टीम इंजन ने पहली औद्योगिक क्रांति को, टेलीग्राफ और बिजली ने दूसरी औद्योगिक क्रांति को, कम्प्यूटर और इंटरनेट ने तीसरी औद्योगिक क्रांति को उत्प्रेरित किया था, जबकि इंटरनेट और तकनीक चालित 5जी चौथी औद्योगिक क्रांति को उत्प्रेरण और समर्थन प्रदान कर रही है. 5जी तकनीक विकास के विविध क्षेत्रों को अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं में योगदान बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है. चौथी औद्योगिक क्रांति स्थापित और उभरती दोनों तकनीकों द्वारा संचालित है, जिसमें इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, उन्नत डेटा एनालिटिक्स, रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, क्लाउड कम्प्यूटिंग, वर्चुअल और ऑगमेंटेड रियलिटी, 3डी प्रिंटिंग और ड्रोन शामिल हैं. जिस प्रकार, बिजली ने दूसरी और तीसरी औद्योगिक क्रांतियों को संचालित किया, क्योंकि नेटवर्क ने कई उपयोगकर्ताओं और अनुप्रयोगों तक पहुँचने वाले स्थानीय वितरण नेटवर्क के लिए उच्च वोल्टेज ट्रांसमिशन ग्रिड पर विशाल संयंत्रों को जोड़कर बड़े पैमाने की अर्थव्यवस्थाएं सृजित की हैं. उसी प्रकार, चौथी औद्योगिक क्रांति की पूरी क्षमता 5जी संचार नेटवर्क के व्यापक परिनियोजन के माध्यम से महसूस की जाएगी. 5जी कनेक्टिविटी के अभूतपूर्व स्तर को सक्षम करेगा, यह 5 प्रमुख कार्यात्मक ड्राइवरों-सुपरफास्ट ब्रॉडबैंड, अति विश्वसनीय-कम विलम्ब संचार, व्यापक मशीनी संचार, उच्च विश्वसनीयता/उपलब्धता और कुशल ऊर्जा उपयोग के साथ 4जी नेटवर्क को अपग्रेड करेगा. ये परिभाषित विशेषताएं विनिर्माण, परिवहन, सार्वजनिक सेवाएं, स्वास्थ्य, शिक्षा और कार्य संस्कृति जैसे कई क्षेत्रों को बदल देंगी.

5जी तकनीक का परिचय—5जी पाँचवीं पीढ़ी का मोबाइल नेटवर्क है. यह 4जी नेटवर्क के बाद एक नया वैश्विक वायरलेस मानक है. 5जी एक नए प्रकार के नेटवर्क को सक्षम बनाता है जिसे मशीनों, वस्तुओं और उपकरणों सहित सभी को एक साथ जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया है. 5जी तकनीक उच्च मल्टी-जीबीपीएस पीक डेटा स्पीड, अल्ट्रा लो लेटेंसी, अधिक विश्वसनीयता, विशाल नेटवर्क क्षमता और वृद्धिमान उपलब्धता का वायरलेस अनुभव प्रदान करती है. उच्च प्रदर्शन और बेहतर दक्षता नए उपयोगकर्ता अनुभवों को सशक्त बनाती है और नए उद्योगों को जोड़ती है. 5जी को 4जी एलटीई की तुलना में न केवल तेज, बेहतर मोबाइल ब्रॉडबैंड सेवाएं देने के लिए डिज़ाइन किया गया है, बल्कि मिशन-क्रिटिकल संचार और बड़े पैमाने पर आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) को जोड़ने जैसे नए सेवा क्षेत्रों में भी विस्तार कर सकता है. आईओटी कनेक्टेड ऑब्जेक्ट्स के तेजी से बढ़ते नेटवर्क को संदर्भित करता है, जो एम्बेडेड सेंसर का उपयोग करके वास्तविक समय में डेटा एकत्र और विनिमय करने में सक्षम हैं. जैसे थर्मोस्टेट्स, कार, लाइट, रेफ्रिजरेटर आदि सभी उपकरणों को आईओटी से जोड़ा जा सकता है. यह कई नई 5जी एनआर एयर इंटरफ़ेस डिज़ाइन तकनीकों द्वारा सक्षम है.

5जी ओएफडीएम (ऑर्थोगोनल फ्रीक्वेंसी-डिवीज़न मल्टीप्लेक्सिंग) पर आधारित है, जो हस्तक्षेप को कम करने हेतु कई अलग-अलग चैनलों में डिजिटल सिग्नल को मॉड्यूलेट करने की एक विधि है. 5जी ओएफडीएम सिद्धान्तों के साथ-साथ 5जी एनआर (न्यू रेडियो) एयर इंटरफेस का उपयोग करता है. न्यू रेडियो एकीकृत और अधिक सक्षम 5जी वायरलेस एयर इंटरफेस के लिए वैश्विक मानक है. 5जी व्यापक बैंडविड्थ तकनीकों जैसे उप-6 गीगा हर्टज़ और एमएम वेव का भी उपयोग करता है. 4जी एलटीई (लॉंग-टर्म इवोल्यूशन) की तरह, 5जी ओएफडीएम समान मोबाइल नेटवर्किंग सिद्धांतों के आधार पर काम करता है. हालाँकि, नया 5जी एनआर एयर इंटरफेस ओएफडीएम को और बेहतर बना सकता है, ताकि अधिक लचीलापन और मापनीयता प्रदान की जा सके. यह विभिन्न उपयोगों हेतु अधिक लोगों और चीजों को अधिक 5जी पहुँच प्रदान कर सकता है. 5जी स्पेक्ट्रम संसाधनों के उपयोग को बढ़ाकर, 4जी में उपयोग किए जाने वाले उप-3 से 100 गीगा हर्टज़ और उससे आगे तक व्यापक बैंडविड्थ लाएगा. 5जी दोनों निचले बैंड (जैसे उप-6 गीगा हर्टज़) और एमएम वेव (जैसे 24 गीगा हर्टज़ और ऊपर) में काम कर सकता है, जो अत्यधिक क्षमता, मल्टी-जीबीपीएस थ्रूपुट और कम विलम्बता लाएगा.

2019 में 5जी दूरसंचार उत्तरी अमरीका के कुछ स्थानों पर उपलब्ध था और 2020 की पहली छमाही में अमरीका ने राष्ट्रव्यापी कवरेज की घोषणा की थी. 5जी को रोल आउट करने वाला पहला वाहक वेरिजन 5जी था. ड्यूश टेलीकॉम ने सितम्बर 2019 में बर्लिन, डार्मस्टाड, म्यूनिख, बॉन और कोलोन में 5जी शुरू किया था. फ्रांस में दूरसंचार कम्पनियों ने 2021 में 5जी की वास्तविक उपलब्धता सुनिश्चित की है. यूके के कई शहरों में 2019 में 5जी शुरू किया गया, लेकिन इसका विस्तारित रूप 2020 में देखा गया. चाइना यूनिकॉम ने 2019 में कुछ स्थानों पर 5जी स्थापित किया और उसने नवम्बर 2021 तक 5,60,000 से अधिक 5जी बेस स्टेशनों को तैनात किया था. जीएसएमए इंटेलिजेंस के अनुसार दुनिया भर के 170 मोबाइल ऑपरेटरों ने 2021 के अंत तक 7 प्रतिशत आबादी के साथ वाणिज्यिक 5जी सेवाएं शुरू की हैं और अनुमान है कि 2025 के अंत तक 25 प्रतिशत वैश्विक आबादी 5जी की उपभोक्ता बन चुकी होगी. अब तक दुनिया भर में 67 देश 5जी लॉन्च कर चुके हैं. भारत सरकार द्वारा अगस्त 2022 में 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी सम्पन्न की गई है और इंडिया मोबाइल कांग्रेस के छठे संस्करण के उद्घाटन के दौरान 1 अक्टूबर, 2022 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 5जी सेवाओं का शुभारम्भ किया है. स्टैंडर्ड एण्ड पुअर्स का मानना है कि भारत दिसम्बर 2023 तक दुनिया का सबसे बड़ा 5जी बाजार बनने की क्षमता रखता है. दूरसंचार विभाग के अनुसार, 5जी का रोलआउट देश के तेरह शहरों—अहमदाबाद, बेंगलूरू, चंडीगढ़, दिल्ली, चेन्नई, गांधीनगर, गुरुग्राम, हैदराबाद, जामनगर, कोलकाता, लखनऊ, मुम्बई, पुणे में बहुत जल्द शुरू हो जाएगा. अडानी डेटा नेटवर्क के साथ तीन बड़ी टेलीकॉम कम्पनियाँ रिलायंस जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया ने 5जी स्पेक्ट्रम हासिल किया है और इनके साथ सैमसंग, नोकिया और एरिक्सन जैसी तकनीकी कम्पनियों ने भी भारत में 5जी पर काम करने की घोषणा की है.

5जी तकनीक की श्रेष्ठता—5जी एक एकीकृत, अधिक सक्षम एयर इंटरफेस है. इसे अगली पीढ़ी के उपयोगकर्ता अनुभवों को सक्षम करने, नए परिनियोजन मॉडल को सशक्त बनाने और नई सेवाएं देने के लिए एक विस्तारित क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है. उच्च गति, बेहतर विश्वसनीयता और नगण्य विलम्बता के साथ, 5जी मोबाइल पारिस्थितिकी तंत्र को नए क्षेत्रों में विस्तारित करेगा. यह सुरक्षित परिवहन, दूरस्थ स्वास्थ्य सेवा, स्मार्ट कृषि, डिजिटल लॉजिस्टिक्स सहित व्यवसाय और उद्योग के हर क्षेत्र को प्रभावित करेगी.

5जी कई मानकों पर 4जी से श्रेष्ठ है, चाहे सूचना संप्रेषण की तीव्रता हो या सामान्य गति हो, यह 4जी से बहुत अधिक तीव्र है. इसकी क्षमता भी 4जी से अधिक है. इसमें 4जी की तुलना में विलम्बता काफी कम है और यह विभिन्न सुविधाओं से युक्त एक एकीकृत मंच है, जो 4जी से अधिक सक्षम है. यह 4जी से बेहतर स्पेक्ट्रम का उपयोग करता है. इसमें 10 जीबीपीएस की डेटा दर है, जो 4जी और 4·5जी नेटवर्क पर 10 से 100 गुना गति में सुधार को दर्शाती है, विलम्बता अवधि बहुत कम 1 मिलीसेकंड (एक मिलीसेकंड एक सेकंड का 1,000वाँ हिस्सा) है और बैंडविड्थ प्रति यूनिट क्षेत्र में 1,000 गुना है, इसमें 4जी एलटीई की तुलना में प्रति यूनिट क्षेत्र में 100 गुना तक डिवाइस कनेक्शन क्षमता, 99·99 प्रतिशत उपलब्धता और 100 प्रतिशत कवरेज है. यह नेटवर्क ऊर्जा के उपयोग में 90 प्रतिशत तक की कमी करेगी. यह कम पॉवर वाले आईओटी डिवाइस के लिए 10 वर्ष तक की बैटरी लाइफ़ प्रदान करने की क्षमता से युक्त है.

जहाँ 4जी एलटीई ने 3जी की तुलना में अधिक तेज मोबाइल ब्रॉडबैंड सेवाएं देने पर ध्यान केन्द्रित किया, वहीं 5जी को एक एकीकृत, अधिक सक्षम प्लेटफॉर्म के रूप में डिजाइन किया गया है, जो न केवल मोबाइल ब्रॉडबैंड अनुभवों को बढ़ाता है, बल्कि मिशन-क्रिटिकल संचार और विशाल आईओटी जैसी नई सेवाओं का भी सँभालता है. 5जी मूल रूप से सभी प्रकार के स्पेक्ट्रम (लाइसेंस युक्त, साझा, लाइसेंस रहित) और बैंड (निम्न, मध्य, उच्च), परिनियोजन मॉडल की एक विस्तृत श्रृंखला (पारम्परिक मैक्रो-सेल से हॉटस्पॉट तक) प्रदान करता है और इंटरकनेक्ट करने के नए तरीके (जैसे डिवाइस-टू-डिवाइस और मल्टी-हॉप मेश) का भी समर्थन कर सकता है.

5जी को उपलब्ध स्पेक्ट्रम नियामक प्रतिमानों और बैंडों की एक विस्तृत श्रृंखला में स्पेक्ट्रम के हर बिट (1 गीगाहर्ट्ज से नीचे के निम्न बैंड से, 1 गीगाहर्ट्ज से 6 गीगाहर्ट्ज के मध्य बैंड तक, मिलीमीटर तरंग (मिमी वेव) के रूप में जाने जाने वाले उच्च बैंड तक) का अधिकतम लाभ उठाने के लिए डिजाइन किया गया है. यह 4जी की तुलना में बहुत अधिक तेज हो सकता है, जो 20 जीबीपीएस की पीक डेटा दर तक पहुँचा सकता है. इसको ट्रैफिक क्षमता और नेटवर्क दक्षता में 100 गुना वृद्धि का सँभालने के लिए डिजाइन किया गया है. रीयल-टाइम पहुँच प्रदान करने के लिए इसमें विलम्बता काफी कम है, इसमें एण्ड टू एण्ड लेटेंसी (विलम्बता) में 10 गुना तक कमी हो सकती है.

5जी तकनीक की सार्थकता—वैसे तो 5जी के अभिकल्पित उपयोग में मुख्यतः 3 प्रकार की कनेक्टेड सेवाओं-उन्नत मोबाइल ब्रॉडबैंड, मिशन-क्रिटिकल संचार और बड़े पैमाने पर आईओटी को शामिल किया गया है. लेकिन इसे परिभाषित क्षमता से अधिक भावी प्रयोगों की संगतता के लिए भी डिजाइन किया गया है, अर्थात् भविष्य की सेवाओं का लचीले ढंग से समर्थन करने की क्षमता जो अभी अज्ञात हैं. यह हमारे स्मार्टफोन को बेहतर बनाने के अलावा, तीव्र मोबाइल तकनीक, डेटा दरों में समानता, कम विलम्बता और प्रति बिट कम लागत के साथ वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और आंगमेन्टेड रियलिटी (एआर) जैसे नए इमर्सिव अनुभव प्रदान कर सकती है. 5जी कई नई सेवाओं को सक्षम कर सकती है, जो उद्योगों को अतिविश्वसनीय, सार्वभौमिक उपलब्धता, कम विलम्बता लिंक जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे, वाहनों और चिकित्सा प्रक्रियाओं के रिमोट कंट्रोलिंग मानक बदल सकता है. यह डेटा दर, शक्ति और गतिशीलता की क्षमता के माध्यम से बड़ी संख्या में एम्बेडेड सेंसर को मूल रूप से जोड़ने के लिए अत्यंत शार्प और कम लागत वाला कनेक्टिविटी समाधान प्रदान करता है.

2022 में वैश्विक स्तर पर एक औसत उपभोक्ता अपने स्मार्टफोन पर हर माह करीब 11 जीबी डेटा का उपयोग करने की उम्मीद है. यह वीडियो ट्रैफिक में विस्फोटक वृद्धि से प्रेरित है, क्योंकि मोबाइल मीडिया और मनोरंजन का स्रोत बन रहा है, साथ ही बड़े पैमाने पर विकास कनेक्टेड क्लाउड कम्प्यूटिंग और अनुभव जनित अनुप्रयोग भी बढ़ रहे हैं. इसके लिए अच्छी गति के साथ गुणवत्तापूर्ण डाटा प्रवाह दर आवश्यक हो गई है. हालाँकि 4जी ने हमारी मोबाइल पारिस्थितिकी को पूरी तरह से बदल दिया कि हम सूचनाओं का उपभोग कैसे करते हैं. पिछले एक दशक में हमने मोबाइल ऐप उद्योग में वीडियो स्ट्रीमिंग, राइड शेयरिंग, फूड डिलीवरी जैसी सेवाओं में ऊँची छलाँग के साथ डाटा प्रवाह की सीमाएं भी देखी हैं. 5जी चौथी पीढ़ी के पारितंत्र में निहित सीमाओं से मुक्त कर देगा और नए उद्योगों के लिए मोबाइल पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार करेगा. यह असीमित चरम वास्तविकता (एक्सआर), निर्बाध आईओटी क्षमताओं, नए उद्यम अनुप्रयोगों, स्थानीय इंटरेक्टिव सामग्री और तत्काल क्लाउड एक्सेस जैसे अत्याधुनिक उपयोगकर्ता अनुभवों में योगदान देगा.

5जी मौजूदा तारों के लिए वायरलेस मॉडम विकल्प प्रदान करके घरेलू इंटरनेट सेवा को बदल सकता है. इंटरनेट सेवा प्रदाता (आईएसपी) अब 5जी अवसंरचना का उपयोग करके या केबल समाधानों के लिए एक आकर्षक बैकहॉल विकल्प बनाते हुए ग्राहकों को सेवा प्रदान कर सकते हैं. स्मार्ट शहरों में रहने वाले लोगों की जीवन पारिस्थितिकी को बदलने के लिए मुख्य रूप से लोगों और चीजों के बीच अधिक कनेक्टिविटी, उच्च डेटा गति और ऑटोमोटिव सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में पहले से कम विलम्बता, अधिक सक्षमता, इन्फ्रास्ट्रक्चर, वीआर और मनोरंजन आदि में 5जी का उम्दा उपयोग किया जा सकता है.

5जी तकनीक का प्रभाव—उच्च डेटा गति और बेहतर नेटवर्क विश्वसनीयता के साथ 5जी का व्यवसायों पर जबर्दस्त प्रभाव पड़ेगा. यह व्यावसायिक दृष्टि से व्यापारिक सुगमता बढ़ाएगा, प्रशासन में पारदर्शिता लाएगा, प्रचालन की गतिशीलता बढ़ाएगा, उद्योग संस्कृति को सुदृढ़ता देने के साथ उसे बहुमुखी भी बनाएगा. इसके लाभ व्यवसायों की दक्षता में वृद्धि करेंगे, साथ ही उपयोगकर्ताओं को अधिक जानकारी तक तेजी से पहुँच प्रदान करेंगे. हालाँकि उद्योग के आधार पर, कुछ व्यवसाय 5जी क्षमताओं का पूर्ण उपयोग कर सकते हैं, विशेषकर, जिन्हें उच्च गति, कम विलम्बता और नेटवर्क क्षमता की आवश्यकता होती है. उदाहरण के लिए, स्मार्ट फैक्ट्रियाँ, परिचालन उत्पादकता और सटीकता बढ़ाने में मदद करने के लिए औद्योगिक ईथरनेट चलाने के लिए 5जी का उपयोग कर सकती हैं.

5जी तकनीक से औद्योगिक प्रगति में योगदान देने वाले तीन तरीके—पहला भविष्य में खुफिया माध्यम से तीव्र और प्रभावी निरीक्षण को सक्षम करना; **दूसरा**, कार्यस्थल सुरक्षा और कार्य संस्कृति में सुधार; **तीसरा**, परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाना हैं. इसके अतिरिक्त, 5जी में कार्बन फुटप्रिंट के प्रबंधन और डिजिटल डिवाइड को कम करने हेतु उद्योग को प्रभावित करने की क्षमता है.

5जी और वैश्विक अर्थव्यवस्था—5जी के दौर में वैश्विक अर्थव्यवस्था बहुमुखी संभावनाओं से भरी है और इससे अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों का प्रभावित होना लाजिमी है, विशेषकर बाजार चालित उद्योग क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा. वैसे तो यह तकनीक 16 आईएसआईसी उद्योगों को विशेष समर्थन देगी, लेकिन उद्योग क्षेत्र में कई आर्थिक और नियामक संरचनाएं हैं, जो 5जी समर्थित नए व्यापार मॉडल अपनाने को प्रभावित करेंगे. आईएचएस मार्किट का अनुमान है कि 5जी समर्थित उद्योगों की वैश्विक विक्रय गतिविधियाँ वर्ष 2035 में 13·2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच सकती हैं, जो 2035 में सकल वास्तविक वैश्विक उत्पादन का करीब 5·1 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करेंगी. इसमें माल और सेवाओं को बनाने व वितरित करने के साथ अंतिम उपयोगकर्ताओं को विक्रय के लिए आवश्यक मध्यवर्ती खरीद भी शामिल है. 5जी समर्थित वैश्विक बिक्री में विनिर्माण क्षेत्र की भूमिका प्रमुखता से रहेगी. उस समय के वैश्विक विक्रय 13·2 ट्रिलियन डॉलर में से विनिर्माण का हिस्सा करीब 4·8 ट्रिलियन डॉलर होगा, जो वैश्विक विक्रय गतिविधियों से अर्जित आय का 36

प्रतिशत होगा. इसके साथ ही अर्थव्यवस्था के विभिन्न आयामों को विस्तार भी मिलेगा. जैसे ड्रोन परिवहन क्षेत्र में बिक्री को सक्षम बनाएंगे और परिवहन क्षेत्र को विनिर्माण क्षेत्र से अतिरिक्त ड्रोन खरीदने की आवश्यकता होगी. चिकित्सा उपयोग में वृद्धि से विनिर्माण क्षेत्र से 5जी समर्थित पूरक उपकरणों पर खर्च की आवश्यकता होगी. वैश्विक बिक्री आय में सूचना एवं संचार क्षेत्र करीब 1·6 ट्रिलियन डॉलर के साथ 5जी समर्थित आर्थिक गतिविधि का दूसरा सबसे बड़ा हिस्सेदार होगा.

5जी तकनीक वैश्विक अर्थव्यवस्था के मौजूदा सकल वास्तविक वैश्विक उत्पादन में 2035 तक 5·1 प्रतिशत की अतिरिक्त वृद्धि कर सकती है. 5जी समर्थित उद्योगों की बिक्री में 2035 तक आतिथ्य क्षेत्र में 2·3 प्रतिशत के निचले स्तर से लेकर सूचना एवं संचार क्षेत्र में 10·9 प्रतिशत के उच्च स्तर तक वृद्धि सम्भावित है. विनिर्माण क्षेत्र का विशाल आकार 2035 में वैश्विक वास्तविक उत्पादन के 33 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार होगा, क्योंकि यह 5जी समर्थित उपकरणों के विनिर्माण में अधिकांश माध्यमिक (5जी के उपयोग में प्रयुक्त उपकरणों की बिक्री) साधन प्रदाता क्षेत्र होगा. इसके अलावा 5जी के समर्थन से 2035 तक सार्वजनिक सेवा या सरकारी क्षेत्र में 6·4 और कृषि उत्पादन में 5·9 प्रतिशत का मूल्यवर्धन हो सकता है, जो क्रमशः स्मार्ट सिटी और स्मार्ट कृषि परिनियोजन द्वारा संचालित होगा.

प्रत्यक्ष मूल्यवर्धन के साथ 5जी तकनीक कई उद्योगों में द्वितीयक सम्बन्धों को भी विकसित और समर्थित करेगी. जैसे स्वायत्त वाहनों और ड्रोन की उपलब्धता उपभोक्ताओं को चालक रहित कारों एवं मानव रहित वाहनों (यूएवी) की बिक्री को प्रोत्साहित करेगी. उन्हें दूरस्थ प्राकृतिक संसाधनों की निगरानी और अयस्कों के स्वायत्त परिवहन से लेकर सेल्फ-ड्राइविंग ट्रैक्टरों तक कृषि और खनन अनुप्रयोगों में भी तैनात किया जाएगा. इस तकनीक के समर्थन से चालक रहित परिवहन का वाणिज्यिक और उपभोक्ता वस्तुओं की डिलीवरी के लिए उपयोग किया जाएगा. सरकारी क्षेत्र में भी इसके प्रयोग बढ़ेंगे, जैसे नगरपालिकाएं स्वायत्त वाहनों को निगरानी कार्यों के लिए अपने ट्रांजिट सिस्टम में एकीकृत करेंगी. मैन्युफैक्चरिंग में ऑटोनॉमस वाहनों का इस्तेमाल इंट्रा-प्लांट स्टॉकिंग और रिट्रीवल सिस्टम में भी किया जाएगा. यह सब अंततः बीमा उद्योग को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेंगे, क्योंकि वाहन दुर्घटना दर में कमी आएगी.

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2018 में नियुक्त पैनल की रिपोर्ट के अनुसार, 5जी की सहायता से वर्ष 2035 तक भारत में 1 ट्रिलियन डॉलर का संचयी आर्थिक प्रभाव पैदा होने की उम्मीद है. यह मशीनों और विभिन्न क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ाकर आर्थिक स्तर पर भारत को भारी मात्रा में लाभ प्रदान करेगा. साथ ही दक्षता में वृद्धि होगी जिससे उत्पादन और राजस्व संग्रह में बढ़ोतरी होगी. 5जी पहली बार नेटवर्क परिनियोजन के लिए व्यावसायिक और तकनीकी क्षेत्रों को एक साथ एक स्तर पर लाएगा. पहले, दूरसंचार कम्पनियाँ आन्तरिक रूप से चर्चा कर नेटवर्क तैनात करती थी, लेकिन अब व्यवसायी वर्ग, प्रौद्योगिकी कम्पनियाँ और साइबर विशेषज्ञ नेटवर्क की तैनाती के लिये एक साथ कार्य करेंगे.

5जी तकनीक और मूल्य शृंखला—5जी तकनीक से निवेश के नए वैश्विक अवसर सृजित होंगे, क्योंकि विक्रय क्षमता को समर्थित करने के लिए मूल्य शृंखला में फर्मों द्वारा निरन्तर निवेश की आवश्यकता होगी ताकि मौलिक प्रौद्योगिकी आधार को लगातार उन्नत और मजबूत किया जा सके. 5जी मूल्य शृंखला में प्रौद्योगिकी फर्मों का एक व्यापक स्पेक्ट्रम शामिल होगा, जिनमें नेटवर्क संचालक, तकनीकों के प्रदाता, ओईएम उपकरण निर्माता, इंफ्रास्ट्रक्चर उपकरण निर्माता, सह सामग्री और एप्लिकेशन डेवलपर आदि शामिल हैं. इन सबके चलते वैश्विक मूल्य शृंखला एक व्यापक नेटवर्क कायम करेगी. आईएचएस मार्किट के 7 देशों—संयुक्त राज्य अमरीका, चीन, जापान, जर्मनी, दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस में किए गए आकलन से पता चलता है कि 2020 से 2035 के दौरान इन देशों के भीतर 5जी मूल्य शृंखला का हिस्सा बनने वाली फर्मों द्वारा अनुसंधान एवं विकास और कैपेक्स में सामूहिक निवेश औसतन 235 बिलियन डॉलर सालाना से अधिक होगा. इस तकनीक से अगले 15 वर्षों की अवधि में चीन और अमरीका के मूल्य शृंखला पर हावी होने की उम्मीद है, जो मूल्य शृंखला पर क्रमशः 1·7 ट्रिलियन और 1·3 ट्रिलियन डॉलर का निवेश करेंगे, जिसके चलते वैश्विक 5जी निवेश में चीन और अमरीका का क्रमशः 26·7 और 25·5 प्रतिशत हिस्सा होगा. जबकि अध्ययन में शामिल 7 प्रमुख देशों से इतर व्यय वैश्विक 5जी निवेश का करीब 21 प्रतिशत होगा.

5जी में निवेश सभी उद्योग क्षेत्रों में बिक्री को बल प्रदान करेगा, जो मूल्य शृंखला और इससे सम्बद्ध आपूर्ति नेटवर्क में बिक्री को बढ़ावा देगा. इस प्रक्रिया से वैश्विक अर्थव्यवस्था में 2035 तक अकेले मूल्य शृंखला से 3·8 ट्रिलियन डॉलर का आर्थिक उत्पादन होगा और 22·8 मिलियन नौकरियों का सृजन होगा. आबादी के आकार और निवेश को देखते हुए चीन में सबसे अधिक नौकरियों का सृजन होगा. यदि तकनीक समर्थित शीर्ष 7 अर्थव्यवस्थाओं पर गौर करें, तो 2035 तक चीन में 1534, अमरीका में 758, जापान में 436, दक्षिण कोरिया में 132, जर्मनी में 124, फ्रांस में 115, यूनाइटेड किंगडम में 90 बिलियन डॉलर का आर्थिक उत्पादन होगा और इस प्रक्रिया में सृजित रोजगारों पर गौर करें तो चीन में 129, अमरीका में 28, जापान में 24, दक्षिण कोरिया में 7·4, जर्मनी में 5·1, फ्रांस में 4·2, यूनाइटेड किंगडम में 4.1 लाख नौकरियों का सृजन होगा. विश्लेषण बताता है कि इन 7 देशों द्वारा किए गए निवेश का दुनिया के बाकी हिस्सों पर भी दूरगामी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा. कई विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाएं पहले से पुरानी तकनीक से ही विकास में छलाँग लगा रही हैं और तेजी से मोबाइल उन्मुख हो रही हैं, इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि 5जी समर्थित अर्थव्यवस्था में विकास को नई प्रेरणा और कई आयाम मिलेंगे. दुनिया के बाकी हिस्सों में मूल्य शृंखला प्रेरित आर्थिक गतिविधियाँ अमरीका की तुलना में थोड़ी कम रहेंगी.

भारतीय अर्थव्यवस्था में भी डिजिटलीकरण के बढ़ने से संवृद्धि के कई नए आयाम खुलेंगे और विकास की धारणीयता बढ़ेगी. पिछले 8 वर्षों में 22·05 करोड़ लोगों ने केन्द्र सरकार की विभिन्न नौकरियों हेतु आवेदन किया, जिसमें से केवल 7·22 लाख लोगों को नौकरी मिली है. इससे स्पष्ट है कि परम्परागत प्रणाली में नौकरियाँ सृजित करना बहुत मुश्किल है, जबकि डिजिटल अर्थव्यवस्था में काफी आसान है. मैकिंजी ग्लोबल इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 तक देश की डिजिटल प्रणाली से करीब 6·5 करोड़ नए रोजगार सृजित होंगे. इसी तरह, नीति आयोग की इंडियाज बूमिंग गिग एण्ड प्लेटफार्म रिपोर्ट, 2022 के अनुसार फिलहाल देश में 77 लाख गिग वर्कर हैं और डिजिटल प्रणाली के विस्तार से वर्ष 2029-30 तक 2·35 करोड़ कामगार अर्थव्यवस्था से जुड़ जाएंगे. अतः 5जी तकनीक भारत में विकास की पोषणीयता बढ़ाने के साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगी.

5जी और सतत् वैश्विक आर्थिक वृद्धि—5जी के सकारात्मक प्रभाव अर्थव्यवस्था के वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर परिलक्षित होना निश्चित है. विक्रय समर्थन और मूल्य शृंखला गतिविधियों के साथ वैश्विक अर्थव्यवस्था में सकारात्मक ऑफसेटिंग प्रभाव भी परिलक्षित होगा. जैसे वैश्विक अर्थव्यवस्था के कुछ क्षेत्रों में निवेश और खर्च का प्रभाव अन्य क्षेत्रों के विकास और उत्पादकता को सकारात्मक रूप से प्रेरित करेगा. 5जी से सम्बन्धित निवेशों के प्रभाव यदि वैश्विक जीडीपी में शुद्ध सकारात्मक योगदान देते हैं, तो निश्चित रूप से 5जी को वैश्विक विस्तार और विकास का स्रोत माना जा सकता है. आईएचएस मार्किट का अनुमान है कि 2020–35 के

दौरान, वैश्विक वास्तविक जीडीपी औसतन 2·7 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ेगी, जिसमें 5जी का योगदान करीब 0·2 प्रतिशत रहेगा, अर्थात् 2020 से 2035 तक 5जी हर वर्ष वैश्विक जीडीपी में करीब 2·9 ट्रिलियन डॉलर का योगदान देगा. यह दुनिया की सातवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था फ्रांस की वर्तमान जीडीपी के बराबर है. इस दृष्टि से अगले डेढ़ दो दशकों तक 5जी वैश्विक स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को सकारात्मक विस्तार और सतत् वृद्धि को समर्थन प्रदान करेगी.

5जी और सतत् विकास लक्ष्य—पर्याप्त आर्थिक लाभों के अलावा, 5जी प्लेटफॉर्म संयुक्त राष्ट्र के 17 सतत् विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को समर्थित कर व्यापक स्तर पर सामाजिक कल्याण को प्रभावित कर सकता है. यदि व्यवसाय और उद्यमी सार्वजनिक सुरक्षा के लिए 5जी तकनीक का प्रभावी ढंग से लाभ उठाते हैं या दूरस्थ स्वास्थ्य निगरानी और चिकित्सा निदान क्षमताएं, जो परीक्षण की जरूरतों को पूरा करती हैं और उपचार में तेजी लाती हैं, या सीमांत समुदायों को विश्वसनीय हाई-स्पीड इंटरनेट सेवा तक सस्ती पहुँच हेतु मौजूदा तकनीकों को आगे बढ़ाने में मदद की जाती है या जोखिम के क्षेत्रों में नौकरियों के लिए रोबोटिक्स का अधिकाधिक उपयोग करना अथवा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, गरीबी शमन, आर्थिक विकास, अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण जैसे कार्य संयुक्त राष्ट्र के एसडीजी को प्रभावित कर सकते हैं. संयुक्त राष्ट्र एसडीजी का उपयोग कई क्षेत्रों में सामाजिक विकास को वर्गीकृत करने के लिए किया गया है, जिनका विवरण सारणी-1, पर निम्न प्रकार है—

सारणी–1 संयुक्त राष्ट्र एसडीजी पर 5जी के सकारात्मक प्रभाव

उद्योग और एसडीजी	5जी समर्थित प्रभावी कारक	सकारात्मक प्रभाव
विनिर्माण क्षेत्र— एसडीजी 7, 8, 9, 12 और 13 को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा.	• स्मार्ट फैक्ट्री फ्लोर • मानव-से-रोबोट सहयोग • प्रेडिक्टिव मेंटीनेंस • डिजिटल ट्विंस • संवर्धित वास्तविकता • आभासी वास्तविकता • डिजिटल प्रदर्शन प्रबंधन	• उन्नत संभावी मेंटीनेंस से उपकरणों की उपलब्धता और थ्रूपुट में वृद्धि हो सकती है. साथ ही रिमोट मेंटीनेंस से परिचालन लागत कम हो सकती है. • डिजिटल प्रदर्शन प्रबंधन और डिजिटल मानक संचालन प्रक्रियाओं के परिणामस्वरूप परिचालन क्षमता में वृद्धि होती है. • भावी फैक्ट्रियों में स्मार्ट और स्वचालित विनिर्माण विकास के जोखिम कम कर सकते हैं. • निर्माण और वितरण की जटिलता में कमी हेतु इंटरनेट ऑफ थिंग्स और ऑटोमेशन के विकास के कारण स्मार्ट फैक्ट्रियों की ओर बढ़ा जा सकता है.
गतिशीलता क्षेत्र— एसडीजी 3, 7, 9 और 11 को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा.	• डिजिटल ट्विन (संभावी मेंटीनेंस) • उच्च घनत्व की प्लाटूनिंग और स्वचालन • प्राथमिकता के साथ स्मार्ट यातायात नियंत्रण • रिमोट चालित स्वास्थ्य निगरानी • व्यापक मीडिया कार इंफोटेनमेंट • हवाई टैक्सी • वाहन से वाहन मोबिलिटी	• स्वायत्त ड्राइविंग, क्योंकि स्वायत्त गतिशीलता से व्यक्तिगत उत्पादकता में वृद्धि होती है (ड्राइविंग पर कम समय व्यतीत होता है). • हरित और टिकाऊ गतिशीलता पर्यावरणीय प्रभावों को कम करती है. • कार और कम्प्यूटर की आदतों को बदलना, • हरित एजेंडा के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी • डिजिटल वाहन पारिस्थितिकी तंत्र • शहरीकरण और इंटरमोडैलिटी
स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र— एसडीजी 3, 4, 5, 8 और 9 को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा.	• दूरस्थ रोगी निगरानी • इंटरनेट ऑफ मेडिकल स्किल्स • रिमोट सर्जरी • इमेज स्थानांतरण • एआर/वीआर-सक्षम स्वास्थ्य सेवा • रोग प्रबंधन • वियरेबल और इंजेस्टिबल्स • ड्रोन समर्थित चिकित्सा सेवा वितरण	• सामाजिक–जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को पूरा करने के लिए कल्याण की बढ़ती लागत में कमी. • गुणवत्ता, रोगी सुरक्षा और डेटा भंडारण पर बढ़ती माँग को पूरा करने की क्षमता. • उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव, पसंद की स्वतंत्रता और वैकल्पिक सेवा प्रदाता. • एम-स्वास्थ्य (मोबाइल स्वास्थ्य) और टेलीमेडिसिन की व्यापक शुरूआत से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच में वृद्धि हुई है. • निवारक स्वास्थ्य देखभाल उपायों से दीर्घकालिक स्वास्थ्य देखभाल लागत में कमी आती है.
वित्तीय सेवा क्षेत्र— एसडीजी 4, 5, 8, 9 और 13 को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा.	• बैंकिंग लेन-देन हेतु मोबाइल बैंकिंग • भुगतान के लिए वियरेबल सर्विसेज • आभासी व्यक्तिगत वित्तीय सलाह • इंटरनेट ऑफ मूविंग थिंग्स • डिजिटल जमाएं और भुगतान • पीयर-टू–पीयर लेंडिंग • डिजिटल वॉलेट के रूप में मोबाइल • रिमोट टेलर	• पूँजी बाजार में छोटे निपटान चक्र से आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होती है. • वर्चुअल पर्सनलाइज्ड सर्विसेज और ऑल-इन-वन मोबाइल वॉलेट ग्राहक के अनुभव को बढ़ाते हैं. • ऑनलाइन भुगतान, ई-वॉलेट आदि के कारण फिनटेक प्रणाली का विस्तार. • ऑनलाइन लेन-देन और अनुकूलित वित्तीय समाधानों के साथ ग्राहक सम्बन्धों का विस्तार.

खुदरा क्षेत्र–एसडीजी 2, 3, 8, 12 और 13 को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा.	• उपभोक्ता 3डी कॉल/होलोग्राम • उपभोक्ता एआर/एमआर • स्वचालित चेकआउट • लेआउट अनुकूलन • स्मार्ट ग्राहक संबंध प्रबंधन • इनस्टोर पर्सनलाइज्ड प्रमोशन • इन्वेंटरी शृंकिंग प्रेवेंशन	• एआर/वीआर के उपयोग से उपभोक्ताओं को बेहतर अनुभव मिलता है. • कस्टमाइज्ड इनस्टोर विज्ञापनों से बिक्री में वृद्धि होती है. • ओमनी-चैनल खुदरा रणनीतियाँ और निजीकृत खुदरा अनुभव • तात्कालिकता की बढ़ती संस्कृति का प्रसार. • डिजिटल मोबाइल वॉलेट की बढ़ती प्रासंगिकता. • तीव्र-कॉमर्स शिपिंग और बढ़ती सदस्यता ई-कॉमर्स.
ऊर्जा क्षेत्र–एसडीजी 7, 8, 9 और 13 को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा.	• स्मार्ट ग्रिड प्रणाली • ड्रोन निगरानी क्षमता • स्मार्ट ऊर्जा प्रबंधन • जोखिम और मेंटीनेंस संवेदन • स्मार्ट विद्युत् वाहन • आवासीय स्मार्ट मीटर • स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग	• अक्षय ऊर्जा और स्मार्ट ग्रिड पर निर्भर छोटे संयंत्र विश्वसनीयता और उपलब्धता को बढ़ाते हैं. • आपूर्तिकर्ताओं के साथ माँग-पक्ष का एकीकरण आपूर्तिकर्ताओं के लिए व्यावसायिक अवसरों को खोलता है. • गैस नेटवर्क के डिजिटलीकरण से निर्णय लेने में तेजी आती है, जिससे सम्भावित नुकसान कम होता है. • विद्युतीकरण के साथ नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन और कार्यमुक्त सम्पत्तियों के साथ संरचनात्मक बदलाव. • नए विकेंद्रीकृत व्यापार मॉडल और बेहतर ग्राहक जुड़ाव. • उत्पादन और पारेषण परिसम्पत्तियाँ अक्सर दूरस्थ स्थानों में स्थित होती हैं, जिनकी स्मार्ट निगरानी व्यावसायिक दुर्घटनाओं को रोकती हैं.
मनोरंजन और मीडिया क्षेत्र– एसडीजी 3, 4 और 5 को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा.	• इमर्सिव मीडिया एप्लिकेशन (अल्ट्रा हाई-डेफिनिशन, एआर, वीआर) • स्टेडियम में लाइव अनुभव-कनेक्टेड हैप्टिक सुइट • 3डी होलोग्राफिक डिस्प्ले–गेमिंग (एआर और क्लाउड गेमिंग) • कार के लिए होम एंटरटेनमेंट सब्सक्रिप्शन • इन-वेन्यू मीडिया	• भावनात्मक सम्बन्धों को प्रस्फुटित करने वाली सामग्री से ग्राहक व्यय में वृद्धि होती है. • सामग्री सह-निर्माता के रूप में उपभोक्ता से उपभोक्ता जुड़ाव में वृद्धि होती है. • गेमीफिकेशन अन्य उद्योगों में प्रेरित होती है. • सामग्री के उपभोक्ता सामग्री सह-निर्माता के रूप में कार्य करते हैं. • मनोरंजन के तीव्र इंटरैक्टिव, इमर्सिव रूप और नए संवेदी आयाम. • नए प्लेटफॉर्म और मार्केट प्लेयर्स के जरिए डिजिटल कंटेंट का विस्तार.
एआर = संवर्धित वास्तविकता; वीआर = आभासी वास्तविकता; एमआर = मिश्रित वास्तविकता.		

शेष पृष्ठ 120 का

●●●

(4) कृषि पर समझौता–इस (कृषि) समझौते के अन्तर्गत सभी सदस्य देशों की बाजार पहुँच, निर्यात् सहायता, सरकारी सहायता को कृषि वस्तुओं के सन्दर्भ में कम करना होगा ताकि विश्व व्यापार मुक्त एवं प्रतियोगी वातावरण में आगे बढ सकें जिसके फलस्वरूप भारतीय कृषि वस्तुओं को विदेशी बाजार प्राप्त हो सके एवं वस्तुओं की गुणवत्ता बढ सके.

(5) व्यापार सुविधा समझौता (TFA)– भारत ने विश्व व्यापार संगठन के व्यापार सुगम बनाने के करार (Trade Facilitation Agreement–TFA) का अनुसमर्थन किया है, यह समझौता विश्व व्यापार संगठन के बाली मन्त्रिस्तरीय (MC-9) पैकेज, 2013 का एक भाग है. भारत ने वर्ष 2016 में इस समझौते की पुष्टि की. यह समझौता संगठन (WTO) के दो-तिहाई सदस्यों द्वारा अनुसमर्थन के बाद 22 फरवरी, 2017 को लागू हुआ. व्यापार सुविधा समझौते (TFA) का प्रमुख उद्देश्य सीमा शुल्क प्रक्रियाओं की गति देना और व्यापार को सुगम, तीव्र एवं सस्ता बनाना है. इस समझौते के प्रभावी होने से सदस्य देशों के व्यापार लागत में औसतन 14·3% की कमी आएगी. ●●●

UPKAR'S **An Objective History of**

English Literature

Through

Multiple-Choice Questions

For

PGT, TGT UGC-NET/SET and Ph.d. Entrance Test

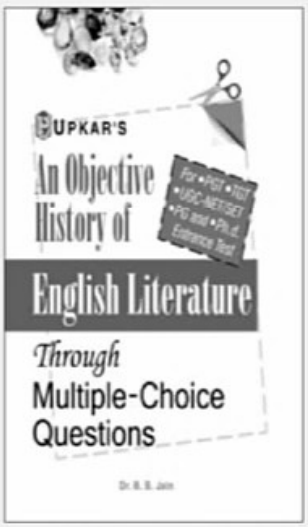

Code 1578 ₹ 170.00

By : Dr. B. B. Jain

UPKAR PRAKASHAN, AGRA-5 • **E mail : care@upkar.in** • **Website : www.upkar.in**

कृषि उद्यमिता के माध्यम से रोजगार एवं पर्यावरण प्रबंधन

—डॉ. आर.एस. सेंगर

राष्ट्रीय आय में योगदान के साथ ही साथ कृषि क्षेत्र के अन्तर्गत एक बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार एवं उन्हें आय प्रदान करने की अपार क्षमता विद्यमान है और इसके साथ ही कृषि भारतीय समाज के कमजोर वर्गों को आजीविका भी प्रदान करती है. वर्तमान में भारत कृषि एवं इसके सम्बद्ध क्षेत्रों में उत्पादन तथा उत्पादकता की दृष्टि से एक सुदृढ़ स्थिति में पहुँच चुका है. वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए कृषि उत्पादों का निर्यात (समुद्री एवं कृषि उत्पाद सहित) 50 बिलियन डॉलर को पार कर चुका है, जो अभी तक का सबसे अधिक कृषि उत्पाद का निर्यात है. वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) के द्वारा जारी किए गए अन्तिम आँकड़ों के अनुसार वर्ष 2021-22 के दौरान कृषि निर्यात 50·21 बिलियन डॉलर हो चुका है, जोकि एक शानदार वृद्धि है.

कृषि उद्यमिता, किसानों तथा कृषि क्षेत्र से सम्बन्धित होता है. यह किसानों के लिए न केवल एक अवसर है, अपितु कृषि क्षेत्र के उत्पादन एवं उत्पादकता के सुधार के लिए आवश्यक भी है. कृषि उद्यमिता का लाभ न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था को लाभ प्राप्त होगा, बल्कि इसके अन्तर्गत आने वाले प्राथमिक क्षेत्रों को विकास की गति को प्राप्त करने में भी सहायता प्राप्त होगी, जिसके परिणामस्वरूप ग्रामीण विकास में भी कृषि उद्यमिता मददगार सिद्ध होगी. कृषि उद्यमिता के विकास से प्रधानमंत्री के किसानों की आय में वृद्धि के विजन को भी बल मिलेगा.

भारत सरकार के द्वारा किसानों सहित सम्पूर्ण ग्राम समाज की आजीविका में सुधार तथा प्रति व्यक्ति प्रतिदिन आय में वृद्धि के लिए कृषि उद्यमिता के विकास को एक प्रमुख रणनीतिक क्षेत्र माना गया है और इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु गहन प्रयास भी किए जा रहे हैं. परिणामस्वरूप, कृषि उद्यमिता के माध्यम से ग्रामीण युवाओं, महिलाओं तथा समस्त कृषक समुदाय के आर्थिक सशक्तिकरण के नए द्वार खुले हैं.

कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों के उत्पादन एवं उत्पादकता में हुई इस रिकॉर्ड वृद्धि ने कृषि उद्यमिता में एक सकारात्मक और अहम् भूमिका निभाई है. कृषि उद्यमिता के लिए आवश्यक सेवाओं के विकास से ग्रामीण विकास के विभिन्न आयामों में भी तेजी तथा सुदृढ़ता आई है. इसलिए कृषि उद्यमिता को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के प्रमुख उत्प्रेरक एवं संवाहक के रूप में भी देखा जा रहा है. 30 जून, 2022 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा 'उद्यमी भारत' की घोषणा की गई, जो उद्यमिता के महत्व एवं इसकी क्षमता को रेखांकित करता है. अर्थशास्त्र में 'उद्यमिता' को उत्पादन के चार कारकों में से एक माना गया है और उद्यमिता का प्रतिफल मुनाफा होता है. एक उद्यमी का अन्तिम उद्देश्य लाभ को अधिकतम करना होता है. उद्यमी इस उद्देश्य के द्वारा उत्पादन के अन्य तत्वों यथा भूमि, श्रम एवं पूँजी को समुचित ढंग से व्यवस्थित करने के जोखिम को उठाने के लिए तैयार रहता है.

जैसा कि माना जाता है कि कृषि अभी भी भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों में से एक क्षेत्र है. स्थिर कीमतों देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि का योगदान वर्ष 2021-22 में 15·51 प्रतिशत है. ग्रामीण जनसंख्या का लगभग 70 प्रतिशत भाग अपनी आजीविका के लिए कृषि एवं इससे सम्बन्धित क्षेत्रों पर ही निर्भर करता है. गाँवों की अपेक्षाकृत खराब अवसंरचनात्मक सुविधाएं ग्रामीणों को शहरों की ओर पलायन के लिए विवश करती हैं. वहीं दूसरी ओर, शहरों में रोजगार के बेहतर अवसर भी ग्रामीणों को शहरी क्षेत्रों की ओर आकर्षित करते हैं और इसी कारण देश की कुल जनसंख्या में शहरी आबादी का हिस्सा 2·76 प्रतिशत की दर से वृद्धि कर रहा है. परिणामस्वरूप, कुल जनसंख्या में शहरी आबादी वर्ष 2001 में 27·81 से बढ़कर वर्ष 2011 में 31·16 प्रतिशत दर्ज की गई. इस प्रकार वर्ष 2001 एवं 2011 के बीच शहरी आबादी में 9·11 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गई, जो अब तक के किसी भी दशक के दौरान सबसे अधिक वृद्धि है. शहरी जनसंख्या में वर्ष 2001 से 2011 के दशक में वृद्धि के लगभग 56 प्रतिशत हिस्से का कारण गाँवों से शहरों की ओर पलायन, ग्रामीण बसावटों का शहरी क्षेत्रों में परिवर्तन एवं सीमा में बदलाव है.

इस पृष्ठभूमि में कृषि उद्यमिता खेती पर बोझ को कम करने तथा गाँवों से शहरों की ओर होने वाले पलायन को रोकने के उपायों में से एक सिद्ध हो सकती है. कृषि उद्यमिता का अर्थ खेती और इससे सम्बन्धित क्षेत्रों की उद्यमिता से होता है. कृषि और इससे सम्बन्धित क्षेत्रों में नए तथा नवोन्मेषी तरीकों, प्रक्रियाओं तथा तकनीकों को अपनाकर बेहतर उत्पादन और लाभ सुनिश्चित किया जा सकता है. इसके माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में प्रगतिशील बदलावों का शुभारम्भ होने की सम्भावना है. वैश्विक आपूर्ति शृंखला के तेजी से एकीकरण तथा पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यक अनुपालनों की वजह से कृषि एवं उससे सम्बन्धित क्षेत्रों में उद्यमियों की माँग में हाल ही के वर्षों में बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है. कृषि उद्यमी प्रकृति, बाजार और उपभोक्ता की प्राथमिकताओं में अनिश्चितता का जोखिम उठाते हैं. उनकी क्षमता, सही समय पर सूचना, घटनाओं के प्रति जानकारियों का उपयोग तथा नवोन्मेषी समाधानों एवं आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग से साबित होती है. कृषि उद्यमिता को बढ़ोत्तरी देकर यह सुनिश्चित् किया जा सकता है कि शीघ्र ही खराब होने वाली सामग्री की हानि को न्यूनतम किया जा सके, उपभोक्ता के लाभ में वृद्धि हो और मूल्य का पता प्रभावी ढ़ंग से लगाया जा सके. बाजार में विस्तार के साथ कृषि एवं सहायक सेवाएं क्षेत्रक जीविकोपार्जन का एक साधन मात्र न होकर एक व्यवसाय हो गया है. जिसमें कृषक की भूमिका एक उद्यमी की हो गई है.

वर्तमान समय में आत्मनिर्भर भारत के लिए आवश्यक है कि समग्र आर्थिक विकास की रूपरेखा का क्रियान्वयन किया जाए. इसके आयाम में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटक है. किसी भी अर्थव्यवस्था के विकास के लिए आवश्यक है कि कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्र में समान एवं संतुलित रूप से आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया जाए. इसका लाभ राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था एवं प्रत्येक व्यक्ति को सीधा प्राप्त हो, इसके बाद ही सही मायनों में समावेशी एवं दूरगामी विकास को भी आगे बढ़ाया जा सकेगा. अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार, आय एवं उत्पादन के क्षेत्र में उद्यमिता एक ऐसा घटक है, जो व्यापक, विधि तथा अपार सम्भावनाओं से युक्त है. निःसन्देह जीवित रहने तथा पोषण के लिए हम प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर ही निर्भर हैं, इसलिए आवश्यक है कि कृषि और उससे सम्बद्ध क्षेत्रों में उद्यमिता की सम्भावनाओं को पहचाना जाए और उन्हें बढ़ावा दिया जाए. कृषि उद्यमिता सबसे अधिक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके लिए भारत के समस्त क्षेत्रों में सम्भावनाएं विद्यमान हैं. विविधीकरण तथा नवाचार के प्रयोग के माध्यम से रोजगार एवं आर्थिक विकास के साथ समग्र विकास तथा आत्मनिर्भर भारत के लिए सशक्त और सुदृढ़ आधार प्रदान किया जा सकता है. हमें यह भी

समझना होगा कि कृषि के क्षेत्र में उद्यमिता कम लागत, सीमित पूँजी-निवेश प्रशिक्षण एवं नवाचार के माध्यम से इसे बढ़ावा दिया जा सकता है और यह रोजगार सृजन तथा परिसम्पत्ति निर्माण का आधार बन सकती है.

कृषि उद्यमिता और रोजगार की सम्भावनाएं

- औषधीय फसलों—नीम, तुलसी, गिलोय, अदरक एवं हल्दी आदि का उत्पादन.
- नकदी और वाणिज्य कृषि, उद्यानिकी फसलें.
- मत्स्य-पालन, मुर्गी-पालन, बकरी पालन, सूकर पालन तथा बीज प्रसंस्करण इत्यादि क्रियाएं.
- मधुमक्खी-पालन, जैविक उर्वरक एवं वर्मी कम्पोस्ट इत्यादि का उत्पादन.
- नर्सरी एवं पौध-रोपण कर व्यावसायिक गतिविधियों का विस्तार करना.
- पॉली हाउस अथवा ग्रीन हाउस तैयार कर बेमौसमी फल सब्जियों का उत्पादन करना.
- खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना जिसमें मसाला, सॉस, जैम, चटनी, अचार, पापड़ तथा मुरब्बा आदि को तैयार करना.
- कृषि आधारित औद्योगिक इकाइयाँ जैसे आटा मशीन, चावल मिल, तेल मिल, दाल मिल इत्यादि लगाना.
- आर्गेनिक खाद तथा रसायन मुक्त सब्जियाँ, फल एवं खाद्यान्न आदि का उत्पादन.

कृषि उद्यमिता के अवसर

कृषि के क्षेत्र में अनंत सम्भावनाएं विद्यमान हैं और इनमें सीमित पूँजी निवेश से अधिक-से-अधिक रोजगार के अवसरों का सृजन किया जा सकता है. कृषि को उद्यमिता के साथ जोड़ना, साथ ही अधिक-से-अधिक तकनीकी तथा नवाचार को शामिल करना जिससे उत्पादकता आय एवं रोजगार सम्भावनाओं का प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हो सके. वर्तमान के बदलते सामाजिक आर्थिक परिवेश के साथ लोगों की खानपान-शैली, दिनचर्या तथा खाद्यान्न आदि में भी व्यापक परिवर्तन आ रहा है. ऐसे में कृषि के साथ उद्यमिता को तेजी के साथ शामिल किया जा सकता है. इसके लिए भारत सरकार के द्वारा देश के सभी जिलों में कृषि उद्यमिता मंच की स्थापना की जा रही है. अब तक देश में 500 से अधिक कृषि उद्यमिता मंच की स्थापना के साथ प्रशिक्षण एवं रोजगार मूलक गतिविधियों को वृद्धि प्रदान की जा रही है. उपर्युक्त रणनीति के फलस्वरूप लगभग 2 लाख 40 हजार किसान उद्यमियों को प्रतिवर्ष कृषि उद्यमिता के माध्यम से रोजगार प्राप्त हो रहा है, जो स्वरोजगार के अतिरिक्त आर्थिक उत्पादन के साथ जुड़ रहे हैं. इसी प्रकार कृषि उद्यमिता पोर्टल लॉन्च किया गया है जिसके अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की सफलताओं की कहानियाँ, प्रशिक्षण सामग्री, नवाचार के प्रति दिशा-निर्देशों को आसानी के साथ प्राप्त किया जा सकता है.

कृषि उद्यमिता में संसाधनों का प्रबन्धन

कृषि क्षेत्र में उद्यमिता का समावेश करने से ही कृषि को अधिक लाभकारी उद्योग में परिवर्तित किया जा सकता है. कृषि उद्यमिता के प्रबन्धन से होने वाले नुकसान एवं घाटे को न्यूनतम स्तर तक लाया जा सकता है. इसके लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसके उपयोग में आने वाले समस्त संसाधनों का उचित प्रबन्धन किया जाए. इसके अन्तर्गत निम्नलिखित पहलुओं को शामिल किया जा सकता है—

प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन—कृषि के अन्तर्गत प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है, चूँकि कृषि के प्रारम्भिक एवं महत्वपूर्ण पक्ष के समस्त कार्य खुले में और मौसम के अनुसार ही किए जाते हैं. मिट्टी की गुणवत्ता तथा उसका प्रकार, जल की आपूर्ति, तापमान तथा आस-पास का पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिति के आधार पर प्राकृतिक संसाधनों के प्रबन्धन का निर्धारण किया जाता है. उद्यमिता के विकास तथा विस्तार के लिए उपर्युक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए ही कृषि विकास का रणनीतियों का निर्धारण करना आवश्यक होता है. यदि उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के अनुरूप खेती नहीं की जाती है, तो इसके प्रभाव से उत्पादन कम, लागत अधिक एवं कृषि के अन्तर्गत रोजगार के अवसर भी सीमित ही होते हैं. इसके लिए कृषि विभाग, मौसम विभाग तथा अन्य सम्बन्धित विभागों के मध्य समन्वय स्थापित कर विभिन्न प्रकार के प्रबन्धन के लिए मौसम विज्ञान केन्द्र और स्थानीय स्तर पर सूचना प्रसार तन्त्र की स्थापना की गई है. विभिन्न स्टार्टअप इस दिशा में अच्छा कार्य कर रहे हैं तथा किसानों को डिजिटल माध्यम से शिक्षित एवं जागरूक बना रहे हैं.

मानव संसाधन प्रबन्धन—कृषि उद्यमिता के विकास हेतु मानव संसाधन प्रबन्धन के माध्यम से कम निवेश के उपरांत भी अधिक -से-अधिक लाभ प्राप्त किया जा जाता है. इसके लिए कौशल विकास एवं दक्ष मानव संसाधन की आवश्यकता होती है. किसी भी प्रकार के उद्यम में कुशल मानव संसाधन के आधार पर उसके उत्पादन को कई गुना तक बढ़ाया जाना सम्भव है. इसके लिए प्रशिक्षण, शिक्षा के विभिन्न उपकरणों के संचालन के लिए प्रशिक्षण, फसलों का रख-रखाव, उसमें निवेश के बारे में जानकारी आदि के माध्यम से क्षमता का संवर्धन किया जा सकता है. अतः मानव संसाधन का प्रबन्धन करना भी आवश्यक होता है जिससे कि रोजगार सृजन तथा कार्यों का विभाजन भी निर्धारित हो जिससे कि सरल तरीके से कार्यों का समापन किया जा सके.

प्रौद्योगिकी संसाधन प्रबन्धन—बदलते समय और तकनीकी परिवेश के अनुसार सभी प्रकार की उद्यमिता के क्षेत्र में वृद्धि का समावेश अधिक-से-अधिक हो रहा है. इसका एक प्रत्यक्ष लाभ यह है कि इससे लागतों में कमी आती है और लाभ में वृद्धि होती है तथा कृषि उद्यमिता के अन्तर्गत भी प्रौद्योगिकी का उपयोग इसके प्रत्येक चरण में किया जा रहा है. मौसम अनुमान, मृदा परीक्षण, इस दौरान जुताई, खरपतवार नाशक, कीटनाशक, उर्वरक एवं सिंचाई में उच्च प्रौद्योगिकियों का उपयोग तथा कृषि पश्चात् उत्पादों का परिवहन, भण्डारण एवं वितरण के लिए त्वरित रूप से कार्य करने के लिए तकनीकी का उपयोग अति महत्वपूर्ण है.

प्रौद्योगिकी के आयाम में ऊर्जा परिवहन, संचार साधनों की व्यवस्था एवं उनकी उपलब्धता के साथ-साथ मौसम पूर्वानुमान प्रणाली और कृषि अभियांत्रिकी शोध संस्थानों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है. उद्यमिता प्रबन्धन में कौशल विकास भी अति आवश्यक पहलू हैं. इसके अन्तर्गत प्रशिक्षण, उपकरणों की उपलब्धता और उद्यमिता के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है. कौशल विकास के माध्यम से उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है और इससे लागत में कमी आती है. इसी प्रकार से वित्तीय प्रबन्धन के अन्तर्गत छोटे एवं मध्यम किसानों को विविध कार्यों के लिए वित्तीय संसाधनों की आवयकता होती है इसके लिए सहकारी बैंकिंग तथा ग्रामीण क्षेत्रों में किसान क्रेडिट कार्डों के साथ समय-समय पर अनुदान एवं आसान ऋण की सुविधाओं के माध्यम से रोजागार के अवसरों के सृजन में तीव्रता आएगी और अर्थव्यवस्था को भी लाभ प्राप्त होगा.

उद्यमिता एवं रोजगार

वर्तमान समय के अनुसार भारत विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या रखने वाला दूसरा राष्ट्र है तथा युवा जनसंख्या के मामले में सबसे आगे है. यदि कृषि के क्षेत्र में उद्यमिता की वृद्धि तीव्र गति से की जाती है, तो देश की युवा जनसंख्या नौकरी के लिए चक्कर काटने वाले बेरोजगार-से-रोजगार देने वाली हो जाएगी. कृषि के क्षेत्र में नर्सरी निर्माण, जैविक उर्वरक उत्पादन, ग्रीनहाउस खेती, खाद्य-प्रसंस्करण इकाइयाँ, मसाला उत्पादन, बागवानी, सामाजिक वानिकी, वर्मी कम्पोस्ट बनाना, विभिन्न प्रकार की पशुपालन इकाइयाँ तथा जैविक कृषि के क्षेत्र में सम्भावनाएं विद्यमान हैं. यदि नियोजित विकास एवं रोजगार के लिए कृषि सुधार के साथ ही उद्यमिता का विकास किया जाए, तो

कृषि की लागत में 30 प्रतिशत तक की कमी और रोजगारों के सृजन में 22 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी सम्भव है.

कृषि के क्षेत्र में रोजगार वृद्धि के लिए ऊर्जा, परिवहन तथा संचार का विस्तार आवश्यक है. इससे कृषि कार्यों में नवाचार के साथ तेजी के साथ बदलाव लाया जा सकता है और इसके लिए यह भी आवश्यक है कि इसके लिए वित्तीय प्रबन्धन की भी उचित व्यवस्था की जाए. वित्तीय प्रबन्धन के लिए सहकारिता की भूमिका, सूक्ष्म वित्तीय संस्थान, नाबार्ड, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और राष्ट्रीय बैंकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण होगी. इससे किसानों की आर्थिक सुरक्षा तथा आपदा प्रबन्धन के लिए अवसर प्राप्त होंगे और किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि सम्बन्धित औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए अनुदान तथा समय-समय पर प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की भूमिका महत्वपूर्ण है. भारत सरकार के द्वारा कराए गए सर्वेक्षण 2017 के अनुसार वर्तमान में कृषि उद्यमिता में 9·8 करोड़ भारतीय असंगठित रूप से, कृषि सम्बन्धित उद्योगों में, कार्यरत् हैं जिसका 80 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों से ही है. अतः ग्रामीण क्षेत्रों में औद्योगिकीकरण से रोजगार एवं युवाओं के पलायन को रोकने के लिए कृषि के क्षेत्र में उद्यमिता का विकास अत्यन्त आवश्यक है.

ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि उद्यमिता के लिए सरकार की ओर से पूँजी निवेश में अनुदान और ग्रामीण उद्यमिता नीति को व्यवहारिक रूप से लागू किए जाने से विकास को बहुआयामी गति प्राप्त होगी. उद्यमिता विकास और रोजगार सृजन के लिए ग्रामीए क्षेत्रों में पं. दीनदयाल कौशल केन्द्रों, जिले के अग्रणी बैंकों, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों (आरसेटी) के माध्यम से प्रशिक्षण, डिजिटल कौशल उन्नयन के कार्य को किया जा रहा है. इससे ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता को बढ़ावा मिल रहा है तथा डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग से नए मार्ग खुल रहे हैं. इसके अतिरिक्त, उत्पादकता एवं प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने और उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करने में भी कृषि उद्यमिता की भूमिका महत्वपूर्ण है.

मूलभूत सुविधाएं

ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि उद्यमिता के माध्यम से रोजगार बढ़ाने के लिए सड़क, संचार सुविधा, आधारभूत संरचना का विकास, सतत् ऊर्जा आपूर्ति पर बल दिया जा रहा है. इस प्रकार के विकास में निवेश के माध्यम से रोजगार सृजन कारगर साबित हो रही हैं. यह माना जाता है कि आधारभूत संरचना में बजट के 10 प्रतिशत निवेश से, कृषि और उद्यमिता विकास इन दोनों में भी उतनी ही तेज रफ्तार के साथ रोजगारों का सृजन होता है. सरकार की प्राथमिकता के अनुसार पूँजीगत निवेश तथा मानव संसाधन में निवेश के माध्यम से उद्यमिता का विकास सुदृढ़ता के साथ अग्रसर हो रहा है. वोकल फॉर लोकल अभियान, ग्रामीण क्षेत्रों के स्टार्टअप को प्रोत्साहन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में फूड पार्क्स की स्थापना इत्यादि के माध्यम से युवाओं और महिलाओं को आर्थिक सहायता तथा प्रशिक्षण के माध्यम से एक सकारात्मक माहौल का निर्माण हो रहा है.

नियोजन की रणनीति—इसमें कोई संशय नहीं कि कृषि क्षेत्र में उद्यमिता एवं रोजगार की अपार सम्भावनाएं विद्यमान हैं. पिछले कुछ वर्षों के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में, विशेष रूप से कृषि के क्षेत्र में, औद्योगिकीकरण का काफी विस्तार हुआ है. स्थानीय-स्तर पर कृषि उद्यमिता विकास और सफलता के कई उदाहरण सामने आए हैं, फिर भी विभिन्न ऐसे प्रश्न है जिनका समाधान किया जाना शेष है. ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि अभी भी मौसम पर अधिक निर्भर रहती है और इसके लिए मौसम के पूर्वानुमान की जानकारी सबसे अधिक महत्वपूर्ण है. त्वरित निवेश और लाभ के लिए वित्तीय समावेशन की आवश्यकता है जिससे कम ब्याज की दर पर ऋण प्राप्त हो सके और सभी प्रकार की समस्याओं का समग्र रहते इसका नियोजन किया जा सके. कृषि उत्पादों के रखरखाव, भण्ड़ारण, उसका परिवहन, विपणन की प्रक्रिया को आसान और सरल बनाया जाना चाहिए, जिससे कि अधिक-से-अधिक किसानों तथा ग्रामीणों को सरल और सकारात्मक माहौल में प्रोत्साहित किया जा सके.

भारतीय परिवेश में जलवायु परिवर्तन और मौसम की अनिश्चितता एक बहुत संवेदनशील पहलू है. इसके लिए एक सशक्त मौसम पूर्वानुमान प्रणाली और उस पूर्वानुमान को किसानों तथा उद्यमियों तक आसानी से पहुँचाने के लिए सूचना तंत्र का विकास सबसे महत्वपूर्ण है. आपदा प्रबन्धन एवं सूचना संचार के लिए तकनीकी पहलू और विभिन्न मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से इनका विकास किया जा रहा है, लेकिन जन-जन तक पहुँचाने के लिए इसमें और अभी मेहनत की आवश्यकता है. परिणामस्वरूप यह कहा जा सकता है कि कृषि के क्षेत्र में उद्यमिता और रोजगार सृजन को बढ़ावा भारत की समग्र व्यवस्था के विकास एवं समावेशी विकास के लिए मूलभूत अवसर एवं परिवेश का कार्य करेगा. इससे एक ओर तो मानव संसाधन प्रबन्धन होगा, तो वहीं दूसरी ओर आर्थिक क्षेत्र में भी समृद्धि आएगी. कृषि उद्यमिता के माध्यम से पर्यावरण प्रबन्धन में सहायता मिलेगी साथ ही दूरगामी विकास के लिए गति एवं दिशा प्राप्त होगी. ●●●

नवीन संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण

उपकार

हिन्दी साहित्य का तथ्यपरक अध्ययन

यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ./सेट, असिस्टेंट प्रोफेसर, के.वी.एस., एन. वी.एस., पी.जी.टी., टी.जी.टी., पी-एच.डी., राजभाषा निदेशक, हिन्दी अधिकारी, हिन्दी सहायक, संपादक, समाचार वाचक एवं संघ/राज्य लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं और विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए हिन्दी साहित्य की अनुपम पुस्तक.

लेखक : ओंकार नाथ वर्मा

कोड 2129 ₹ 380/-

विभिन्न परीक्षाओं के विगत् 15 वर्ष के प्रश्नों का भी समावेश.

प्रमुख आकर्षण

➡ आदिकाल ➡ भक्तिकाल ➡ रीतिकाल आधुनिककाल ➡ नाटक ➡ निबंध ➡ कहानी ➡ उपन्यास ➡ आलोचना ➡ हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ ➡ हिन्दी साहित्य की नवीन प्रवृत्तियाँ ➡ हिन्दी के पत्र और पत्रिकाएँ ➡ विविधा

उपकार प्रकाशन, आगरा-5
● E-mail : care@upkar.in
● Website : www.upkar.in

मिट्टी का स्वास्थ्य बढ़ाने हेतु पोषक तत्व प्रबंधन

किसी हरे पौधे के शरीर का विश्लेषण करने पर 80 से 90 प्रतिशत भाग पानी तथा 10 से 20 प्रतिशत भाग सूखा पदार्थ होता है. सूखे पदार्थ में 50 से 80 प्रतिशत कार्बन पदार्थ तथा शेष चिकनाई-तेल और प्रोटीन का भाग होता है. कार्बन पदार्थ में कार्बोहाइडेट होते हैं जिसमें शक्कर, स्टार्च और सेल्यूलोज आते हैं. इनके निर्माण में कार्बन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन तत्वों की आवश्यकता होती है. चर्बी-चिकनाई-तेल जैसे पदार्थों का निर्माण भी कार्बन, हाइड्रोजन तथा ऑक्सीजन तत्वों के संयोग से होता है. इसकी रचना गूढ़ होती हैं, अतः पाचन में कठिनाई होती है.

प्रोटीन की रचना भी गूढ़ होती हैं. इसके निर्माण में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, गंधक, कार्बन, हाइड्रोजन तथा ऑक्सीजन तत्वों की आवश्यकता होती है. इस प्रकार अधिक मात्रा में पौधे के शरीर में पाए जाने वाले पदार्थों में कार्बन, ऑक्सीजन, नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, गंधक तत्व अधिक मात्रा में होते हैं. इनके अतिरिक्त अन्य तत्व भी होते हैं, जो कम मात्रा में होते हैं. इन्हें जानने के लिए सूखे पदार्थ को जलाया जाता है जिसे पौधे ने मिट्टी से खनिज के रूप में प्राप्त किया था. राख के विश्लेषण पर निम्नलिखित तत्व होते हैं—

पोटाश, सोडियम, चूना (कैल्सियम), मैग्नीशियम, गंधक, फॉस्फोरस, लोहा (आयरन), क्लोरीन, बोरान, ताँबा, मैंगनीज, जिंक (जस्ता), मालीब्डेनम, निकिल, फ्लोरीन, वेनेडियम आदि. इससे स्पष्ट है कि राखें खनिज तत्वों का प्रमुख स्रोत है. यदि इनका सद्पयोग किया जाए तो मिट्टी को इनकी आपूर्ति निरन्तर होती रहेगी.

फसलें कितनी मात्रा में पोषक तत्व लेती हैं?

2,500 से 3,000 किग्रा उपज देने वाली गेहूँ की फसल मिट्टी से औसतन 70 से 100 किग्रा नाइट्रोजन इतना ही पोटाश और लगभग इसकी आधी मात्रा में फॉस्फोरस का पोषण करती है. यह लगभग 150-220 किग्रा यूरिया, 200-300 किग्रा सिंगल सुपर फॉस्फेट और 100-125 किग्रा म्यूरेट ऑफ पोटाश के बराबर है. इसके अलावा पोषक तत्वों के मिट्टी में घुलकर नीचे चला जाना, पानी को रिसने, पोषक तत्वों में स्थिरीकरण, बैक्टीरिया तथा रासायनिक क्रिया आदि कारणों से मिट्टी की उर्वराशक्ति की हानि होती है. सीधी बात यह है कि उपज जितनी अधिक होगी उर्वराशक्ति का ह्रास भी उतना अधिक होगा. निम्नलिखित आँकड़े दर्शाते हैं कि विभिन्न फसलों और औसत उपज देने के लिए किस अनुपात में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश पोषण करती है.

पोषक तत्वों का वर्गीकरण

मात्रा में आवश्यकता के आधार पर सभी तत्वों को तीन वर्गों में रखा गया है—

तत्वों की मात्रा किलोग्राम में

क्र.सं.	किस्में	नाइट्रोजन	फॉस्फोरस	पोटाश
1.	पुरानी किस्में (देशी)	2·60	1·29	3·08
2.	बौनी प्रजातियाँ	3·65	1·02	2·51

क्र.सं.	फसल	तत्वों की आवश्यकता (प्रति हेक्टेयर ग्राम में)			
		ताँबा	जस्ता	मैंगनीज	लोहा
1.	गेहूँ	24	60	120	400
2.	गेहूँ बौनी प्रजाति	38	100	180	500
3.	मक्का देशी	75	152	200	905
4.	मक्का संकर	92	165	340	1240
5.	बाजरा देशी	62	85	280	1430
6.	बाजरा संकर	86	110	580	1530

कुछ चुनी हुई फसलों द्वारा पोषक तत्वों का पोषण

क्र.सं.	फसल	उपज टन/हे.	तत्वों का पोषण (किग्रा/हेक्टेयर)		
			नाइट्रोजन	फॉस्फोरस	पोटाश
1.	गेहूँ	6·0	170	75	175
2.	जौ	4·8	150	55	150
3.	धान	6·0	100	50	180
4.	मक्का	8·4	200	80	230
5.	आलू	40·0	175	80	310
6.	टमाटर	40·0	110	30	150
7.	खीरा	35·0	60	45	100
8.	बैंगन	60·0	175	40	300
9.	लौकी	50·0	75	80	80
10.	गाजर	30·0	125	85	200
11.	प्याज	35·0	120	50	160
12.	पत्तागोभी	70·0	370	85	480
13.	फूलगोभी	25·0	250	100	315
14.	पालक	25·0	120	45	160
15.	फ्रैंचबीन	10·0	170	40	205
16.	मूँगफली	2·0	170	30	110
17.	सोयाबीन	3·0	220	40	170
18.	सरसों	3·0	165	70	150
19.	कॉफी	1·5	120	30	130
20.	चाय	2·5	160	40	90
21.	मिर्च (सूखा)	5·0	220	45	340
22.	कपास (रूई)	1·5	180	65	130
23.	जूट (रेसा)	2·0	65	30	160
24.	गन्ना	120·0	130	105	410
25.	सेब	28·0	100	45	180
26.	अंगूर	20·0	170	60	220
27.	नींबू	28·0	265	55	330
28.	अनान्नास	55·0	205	60	390
29.	बेल	40·0	250	60	1000

प्रमुख तत्व

इनकी आवश्यकता अत्याधिक मात्रा में होती है. इनमें कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन, नाइट्रोजन, फॉस्फोरस तथा पोटाश आते हैं. डॉ. बी. आर. मूर्ति, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् संस्थान, नई दिल्ली के अनुसार प्रति क्विंटल गेहूँ का अनाज उत्पन्न करने हेतु नाइट्रोजन फॉस्फोरस तथा पोटाश तत्वों की आवश्यकता निम्नांकित दशाएं अनुसार मात्रा में होती है.

गौण तत्व

इनकी आवश्यकता कुछ कम मात्रा में होती है. इनमें कैल्सियम (चूना), मैग्नीशियम तथा सल्फर (गंधक) आते हैं. प्रत्येक तत्वों की प्रति हेक्टेयर लगभग 60 किग्रा की आवश्यकता गेहूँ की फसल के लिए आती है.

लेश तत्व

इन तत्वों की आवश्यकता सूक्ष्म अथवा न्यूनतम मात्रा में होती है. इनके अन्तर्गत निम्नलिखित तत्व आते हैं—लोहा, ताँबा, जस्ता, मैंगनीज, बोरोन, मालीब्डेनम, क्लोरीन, फ्लोरीन, वेनेडियम फसलों के कुछ नाम एवं उनके लिए आवश्यक तत्वों की मात्रा निम्न प्रकार होती है—

एक हेक्टेयर खेत के ऊपर को 15 सेमी मिट्टी का भार लगभग 2000 टन होता है. इससे स्पष्ट होता है कि अधिक-से-अधिक उपज देने वाली प्रजातियों के द्वारा प्रति फसल सूक्ष्म तत्वों का मिट्टी से खिंचवा देशी जातियों को अपेक्षा अधिक है. यही कारण है कि उन्नतशील प्रजातियों तथा सघन कृषि के कारण तत्वों का खिंचवा मिट्टी से अधिक मात्रा में हो रहा है जिसके फलस्वरूप लेश तत्वों की कमी के लक्षण दिखाई देना प्रारम्भ हो गए हैं, परिणामतः उपज में कमी होना स्वाभाविक है. वर्तमान में अवलोकन उपरान्त यह पाया जा रहा है कि उत्पादन में स्थिरीकरण की स्थिति सी आ गई है अर्थात् न बढ़ रही है, न घट रही है.

पोषक तत्वों के प्राप्ति के स्रोत

प्राकृतिक रूप में प्रमुख तत्वों में कार्बन, हाइड्रोजन तथा आक्सीजन हवा तथा पानी से प्राप्त होते हैं. अतः इनकी पूर्ति पौधों की आवश्यकतानुसार स्वतः होती रहती है. नाइट्रोजन तत्व हवा तथा मिट्टी के जैविक पदार्थों से प्राप्त होता है. शेष तत्व मिट्टी के खनिज अंश तथा जैविक पदार्थ से प्राप्त होते हैं.

विभिन्न पोषक तत्वों के कार्य तथा पूर्ति में कमी होने पर पौधों पर प्रभाव

नाइट्रोजन

1. पौधों में बढ़वार होती है.
2. पत्तियों में हरा रंग पैदा होता है.
3. फॉस्फोरस तथा पोटाश के उपयोग में सहायक होता है.
4. भोजन तथा चारे की फसल में प्रोटीन की मात्रा में वृद्धि होती है.
5. पत्ती, फल या दाने का उत्पादन बढ़ जाता है.
6. दाने स्वस्थ गूदेदार होते हैं.
7. अधिक मात्रा में उपलब्ध होने पर डंठल मुलायम हो जाते हैं तथा तना कमजोर हो जाता है. फसल गिरने का भय हो जाता है. फसल देर में पकती है. रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है.

कमी का प्रभाव

1. जड़ों तथा तनों के ऊपरी भाग की बढ़वार रुक जाती है.
2. तने छोटे तथा पतले रह जाते हैं.
3. पत्तियाँ छोटी तथा पीली होने लगती है. सर्वप्रथम पौधों की निचली पत्तियाँ, नोंक से पीली होने लगती है.
4. दाने पिचक जाते हैं तथा उपज घट जाती है.

फॉस्फोरस

1. पौधों की शक्ति और क्षमता बढ़ाता है जिससे फसल के गुण में वृद्धि होती है. विशेषकर पके फलों का स्वाद अच्छा हो जाता है.
2. झकड़ा (द्वितीय जड़ों) के विकास में सहायक होता है. इससे फसल अधिक सूखा या ठंडक सहन कर पाती है तथा प्रारम्भ में पौधों की बाढ़ में तेजी आ जाती है.
3. पत्तियों के बढ़वार, बालियों के निकलने, बीज के निर्माण में शीघ्रता लाता है. फसलें शीघ्र पक जाती है. अतः ऐसे क्षेत्र मे जहाँ बुवाई विलम्ब से होती है और फसल उत्पादन हेतु अवधि कम हो, फॉस्फोरस अधिक मात्रा में प्रयोग करने से फसल शीघ्र पक जाती है.
4. दाना बड़ा आकार का हो जाता है. इससे उत्पादन भी बढ़ जाता है.
5. पौधों की वृद्धि अच्छी होती है, लम्बाई भी बढ़ जाती है. कल्ले अधिक निकलते हैं और अधिकांशतः में बाली भी निकलती है. बालियाँ लम्बी होती है तथा दानों की संख्या भी अधिक होती है.
6. दलहनी फसलों में नाइट्रोजन संस्थापन क्रिया को बढ़ावा देता है. जीवाणुओं की संख्या एवं कार्य में वृद्धि हो जाती है.

कमी का प्रभाव

1. पौधों की बढ़वार रुक जाती है. तने के सिरे व जड़ों की बढ़वार रुक जाती है.
2. पत्तियाँ परपल या कांसे के रंग की हो जाती है. तने कमजोर, दाना छोटा, फल कम मीठे हो जाते हैं. फूल कम आते हैं एवं फल कम लगते हैं.

पोटाश

1. पौधों में रोगों एवं कीड़ों के आक्रमण से बचने की अवरोधक क्षमता पैदा हो जाती है.
2. तना मजबूत और कड़ा होता है. दाना बड़े आकार का होता है.
3. पौधों में शर्करा निर्माण में सहायक होता हैं.
4. फॉस्फोरस की भाँति जड़ों के विकास में सहायक होता हैं.
5. नाइट्रोजन एवं फॉस्फोरस के प्रभाव को सन्तुलित करता है. पोटाश के कारण नाइट्रोजन मिट्टी में अधिक समय तक रूकता है तथा पौधों द्वारा अधिक मात्रा में ग्रहण किया जाता है.
6. पौधों के शरीर में होने वाले रासायनिक परिवर्तनों को नियंत्रित करता है. पौधों के अन्दर निर्मित पदार्थ को एक स्थान से दूसरे स्थान को ले जाने में सहायक होता है.
7. पौधे जल लेने में मितव्ययता करते हैं. सूखे की स्थिति में प्रोटोप्लाज्म से जल सुगमता से अलग नहीं हो पाता हैं और पौधों में सूखा सहन करने की क्षमता बढ़ जाती है.

कमी का प्रभाव

1. पोटाश की कमी धीरे-धीरे पौधों के युवाकाल में प्रकट होती है. बढ़वार रुक जाती हैं जड़े कम बढ़ती हैं.
2. नीचे की पत्तियाँ नोंक से जलने लगती हैं तथा क्रमशः पत्तियाँ किनारों से जलने लगती है, किन्तु बीच का भाग अधिक गहरे रंग का रहता है. अधिक नमी होने पर पत्तियों पर मृतक स्थान पैदा हो जाते हैं और अन्त में पत्तियाँ सूख जाती है.
3. प्रकाश-संश्लेषण की क्रिया कम हो जाती है तथा शर्करा निर्माण कम हो जाता है आलू जैसी फसलों में आलू कम संख्या में तथा छोटे आकार के हो जाते हैं. उपज के भण्डारण गुण में कमी आ जाती है.

कैल्सियम

1. शक्ति का द्योतक है. जड़ों के शीघ्र विस्तार एवं पौधें की बढ़वार हेतु आवश्यक है.
2. नाइट्रोजन को ग्रहण कराने में पौधों की सहायता करता है.
3. तनों में कड़ापन पैदा करता है.
4. अम्लीयता को दूर करता है.
5. भारी मिट्टी को हल्की तथा हल्की मिट्टी को भारी करता है.
6. मूँगफली जैसी फसलों में गर्भाधान क्रिया के पश्चात् मिट्टी में आने वाले सूत (थ्रेड) को मिट्टी के अन्दर जाने के लिए शक्ति देता है.

कमी का प्रभाव

1. कमी का प्रभाव पौधे के बढ़ते हुए भागों एवं नई पत्तियों पर परिलक्षित होता है.
2. नई पत्तियों पर चित्तियाँ पड़ जाती है. बुरी तरह क्षत-विक्षत होकर नोंक से मुड़ जाती हैं और शीघ्र कली मर जाती है. फूल गिर जाते हैं.

3. गुठली युक्त फसलों में गुठली नहीं पड़ती है.

मैग्नीशियम

1. पौधे में विशेषतः बीज निर्माण में फॉस्फोरस के वाहक के रूप में कार्य करता है.

2. पत्तियों में पर्ण हरित का मुख्य भाग है और इसके निर्माण में सहायक होता है जिससे पत्तियाँ हरे रंग की हो जाती हैं.

3. शर्करा के एक स्थान से दूसरे स्थान को जाने में सहायक होता है.

4. अन्य पोषक तत्वों के प्रचूर्ण को नियंत्रित करता है.

कमी का प्रभाव

1. पौधों की निचली पत्तियों पर कमी का प्रभाव प्रकट होता है. नसों के बीच में पीली धारियाँ प्रकट हो जाती हैं. मक्के की पत्तियों पर सफेद धारियाँ पड़ जाती हैं.

2. पत्तियाँ पहले ही गिरने लगती हैं और प्रभावित क्षेत्र सूखकर मर जाते हैं.

गंधक (सल्फर)

1. प्रोटीन का अंग है. यह अनेक प्रकार के प्रोटीन के निर्माण में आवश्यक है.

2. पर्ण हरित के निर्माण में सहायक है.

3. पौधे के अन्दर तेल के निर्माण में सहायक होता है.

4. दलहनी फसलों में जड़ों पर ग्रंथियाँ बनाने में सहायक होता है जिससे हवा से नाइट्रोजन से स्थापन अधिक होता है.

कमी का प्रभाव

1. कमी का लक्षण नई पत्तियों पर प्रकट होता है. नई पत्तियाँ पीली पड़ जाती है, जो असाधारण लम्बी, पतली और कड़ी हो जाती है.

2. फल हल्के हरे, बेडौल, मोटे छिलके के कम रसदार होते हैं.

लोहा (आयरन)

1. यह क्लोरोफिल संश्लेषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

2. दूसरे पोषक तत्वों के संश्लेषण के लिए महत्वपूर्ण है.

3. नाइट्रोजन मेटाकेलोजिम में एन्जाइमों की सक्रियता को बढ़ाता है.

कमी का लक्षण

1. नई पत्तियों पर दिखाई पड़ते हैं और पत्तियों में पीलापन हो जाता है.

2. नई पत्तियों में धीरे-धीरे सिरे से लेकर नीचे की पत्ती तक पीली धारियाँ पड़ जाती हैं, जो बाद में सफेद हो जाती है, किन्तु मुख्य नसें हरी रह जाती हैं.

3. अत्यधिक कमी होने पर पूरी पत्ती सफेद हो जाती है, और बढ़ रुक जाती है.

4. फल वृक्षों में क्लोरोसिस एवं नींबू में हरिद्रोग रोग हो जाता है.

मैंगनीज

1. क्लोरोफिल (पर्ण हरित) के निर्माण में सहायक होता है.

2. ऑक्सीकरण-अवकरण क्रियाओं में उत्प्रेरक का कार्य करता है.

कमी के लक्षण

1. कमियों के लक्षण पत्तियों पर पहले प्रकट होते हैं.

2. पत्तियों में हरी धारियों के साथ पीली सफेद धारियाँ एक के बाद एक बन जाती है.

3. अधिक कमी हो जाने पर सफेद धारियों पर अनेक छोटे-छोटे लाल भूरे धब्बे पड़ जाते हैं, जिनके आपस में मिलने पर पत्ती सीधी खड़ी फटने लगती है.

जिंक (जस्ता)

1. क्लोरोफिल (पर्ण हरित) के निर्माण प्रजनन सम्बन्धी क्रियाओं में सहायक होता हैं.

2. प्रोटीन के निर्माण में सहायक होता है.

कमी के लक्षण

1. गन्ने की फसल में पत्तियों की शिराओं के मध्यवर्ती भाग में हल्का पीला और आधार के पास रंग हरा होता है. ज्यादा कमी होने पर पत्तियों के बीच का शिरा भूरा लाल रंग का हो जाता है.

2. मक्का में श्वेत कलिका रोग हो जाता है.

3. फलदार वृक्षों में कमी अधिक पाई जाती है जिनमें फुनगियाँ गुच्छेदार हो जाती हैं.

4. धान में खैरा रोग हो जाता है.

5. जिंक की कमी के लक्षण पौधों के शैशवाकाल में ही प्रकट होते हैं और शीघ्रता से फैल जाते हैं. फसलें तुरन्त प्रभावित हो जाती हैं.

बोरान

1. कार्बोहाइड्रेट के संश्लेषण और कोश विभाजन में सहायक होता है.

2. कैल्सियम की घुलनशीलता, उसके प्रचुषण और पौधों में क्रियाशीलता को बढ़ाता है.

3. कैल्सियम और पोटाश के अनुपात को नियंत्रण करता है.

4. नाइट्रोजन के प्रचुषण को बढ़ाता है.

5. दलहनी फसलों की जड़ों में नोड्यूल्स (ग्रंथियों) की वृद्धि में सहायक होता है.

6. प्रोटीन के निर्माण में सहायक होता है.

कमी का प्रभाव

1. पौधों के नए भागों पर कमी के लक्षण दिखाई पड़ते हैं.

2. पत्तियाँ मोटी, चिकनी और उन पर भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं और नसें मोटी हो जाती हैं. ऊपरी पत्तियाँ मुड़कर विकृत हो जाती हैं.

3. अग्र कलिका की मृत्यु हो जाती है.

4. शलजम में भूरी गलन हो जाती है.

5. गोभी का फूल भूरा हो जाता है और तना खोखला हो जाता है.

6. चुकन्दर में हृदय गलन रोग होता है.

7. गेहूँ, जौ और मक्का में कलियों का विकास ठीक नहीं होता है. वे खोखली रह जाती है.

8. सेब, टमाटर, बेर और आलू में पानी सोखने के धब्बे पड़ जाते हैं और उनके अन्दर तन्तु फुसफसे हो जाते हैं.

ताँबा (कॉपर)

1. श्वास लेने की क्रिया को नियंत्रित करता है.

2. लोहे के उपयोग एवं विविध प्रकार की बीमारियों को रोकने में सहायक होता है.

3. पर्ण हरित के निर्माण में सहायक होता है.

4. पौधों के विकसित एवं प्रजनन क्रियाओं में प्रोत्साहित करता है.

कमी के प्रभाव

1. पत्तियाँ पीली पड़कर झड़ जाती हैं. शाखाएं भरने लगती हैं.

2. अनाज की फसलों में प्रायः कलियाँ विकृत और बांझ हो जाती हैं.

3. गन्ने की पत्तियों में नीचे मुड़न आ जाती हैं और पत्तियों पर धब्बे पड़ जाते हैं. पर्ण हरित का बनना बंद हो जाता है.

मालीब्डेनम

1. ऑक्सीकरण क्रिया को प्रोत्साहित करता है.

2. नाइट्रेट को एमाइड में बदलने के लिए आवश्यक है.

3. लोहे के प्रचुषण क्रिया में सहायक होता है.

4. बाल वाली फसलों में नाइट्रोजन संस्थापन क्रिया को प्रोत्साहित करता है.

5. शर्करा निर्माण के लिए आवश्यक है.

कमी का प्रभाव

1. दाल वाली फसलों में नाइट्रोजन संस्थापन कार्य शिथिल हो जाता है और पौधे पीले पड़ जाते हैं.

2. गोभी जैसे पौधों में पत्तियों का फैलाव कम हो जाता है.

क्लोरीन

1. फसल शीघ्र पकती है.

2. फसल के द्वारा वाष्पीकरण कम होता है.

3. पत्तियाँ अधिक भोजनशील नहीं हो पाती है.

4. प्रोटीन की मात्रा कम कर देता है.

5. पत्तियों में नीले, लाल और बैगनी रंग पैदा करता है.

मृदा उर्वरता एवं उत्पादन क्षमता

मृदा की उर्वरता से तात्पर्य मृदा की फसल पैदा करने की क्षमता स्तर से है जिसके आधार पर मृदाओं को अधिक उपजाऊ, उपजाऊ कम उपजाऊ एवं अनुपजाऊ वर्गों में विभाजित किया जाता है.

एक मृदा स्वतः उपजाऊ हो सकती है और उसमें अच्छी फसलें देने के लिए आवश्यक पोषक तत्व उचित मात्रा में हो सकते हैं, किन्तु फसल उत्पादन नियंत्रित करने वाले कारकों के प्रतिकूल प्रभाव से जितना उत्पादन अपेक्षित है, नहीं होता है. उदाहरण के लिए मृदा उपजाऊ है, किन्तु जलमग्न रहने के कारण अच्छी पैदावार लेना सम्भव नही है. इसी प्रकार एक भूमि कम उपजाऊ है पर उचित सिंचाई, खाद एवं उर्वरक की व्यवस्था होने पर अच्छी उपज होती है. अतः उत्पादन क्षमता भूमि व्यवस्था को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों के प्रभावों का परिणाम है.

भूमि का उर्वरापन किसी भी राष्ट्र की बहुमूल्य धरोहर है जहाँ भूमि में उर्वरापन ऊँचा है, सुरक्षित रखना हैं, जहाँ कम है, बढ़ाना हैं, जहाँ नहीं है विकसित करना है. इस प्रकार उर्वरापन दो प्रकार का हुआ.

1. स्थायी उर्वरापन, 2. अस्थायी उर्वरापन.

मृदा में स्थायी उर्वरापन भूमि में स्वतः अपने पैत्रिक चटट्ानों से प्राप्त होता है और अस्थायी उर्वरा उचित भूमि व्यवस्था द्वारा प्राप्त होता है. अतः बुद्धिमत्तापूर्ण भूमि व्यवस्था द्वारा प्राप्त होता है. अतः बुद्धिमत्तापूर्ण भूमि व्यवस्था के लिए आवश्यक है कि स्थायी उर्वरापन के स्तर और उन तरीकों एवं विधियों की जानकारी हो जिनके द्वारा स्थायी उर्वरापन विकसित किया जा सकता है.

उर्वरता की समस्या

मानव द्वारा कृषि प्रारम्भ करने के काल से ही खोई हुई उर्वराशक्ति को बनाए रखने की समस्या उसके सामने रही है. प्रारम्भ में खेती की उर्वरा शक्ति घटने पर एक स्थान छोड़कर दूसरे स्थान पर वनस्पतियों को जला. कर उनके राख की सहायता से छूमक खेती (शिफ्ट कल्टीवेशन) होती रही है. बाद में गाँव के रूप मे स्थायी रूप से बस जाने पर इस प्रकार की खेती करना सम्भव नहीं रहा. खेतों को खाली यानि पलिहार छोड़ने की प्रथा चालू हुई. क्रमशः दलहनी फसलों का महत्व समझ में आया और फसल चक्र में इनका प्रमुख स्थान हो गया. पशुपालन एवं कृषि के साथ-साथ विकास से मलमूत्र, राख, घास-फूस को सड़ाकर खाद बनाने का महत्व हुआ. पशु खादें जैसे—हड्डी, छोटी मछलियाँ, लकड़ी की राख, खड़ियाँ मिट्टी, तालाब की मिट्टी आदि का प्रयोग होने लगा.

पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों के प्रमुख कार्य एवं कमी के लक्षण

प्रमुख कार्य	कमी के लक्षण
नाइट्रोजन ● प्रोटीन, न्यूक्लिक अम्ल, क्लोरोफिल व एंजाइमस का आवश्यक अवयव. ● सभी जीवित कोशिकाओं के लिए आवश्यक. ● दूसरे पोषक तत्वों के पोषण में सहायक.	नीचे की पत्तियों के सिरे पीले पड़कर सूखने लगते हैं. पौधों में कल्ले कम निकलते हैं.
फॉस्फोरस ● ऊर्जा स्थानांतरण व प्रोटीन मेटाबोल्जिम. ● जड़ों की वृद्धि एवं विकास में आवश्यक. ● फल, फूल एवं बीजों के बनने हेतु आवश्यक जड़ों का विकास रुक जाता है.	बढ़वार का रुक जाना. नीचे की पत्तियों का नीले, हरे रंग का तथा ऊपर की पत्तियों का गहरे रंग का होना.
पोटाश ● प्रकाश-संश्लेषण, प्रोटीन के बनने, स्टार्च के निर्माण व शर्करा स्थानांतरण में आवश्यक. ● पौधों की रोग रोधक क्षमता का बढ़ाना. ● जड़ वाली फसलों के विकास व बीजों के बनने में आवश्यक.	नीचे की पत्तियों के किनारे सूख जाते हैं पौधे गिरने लगते हैं. फल व बीज का आकार कम हो जाता है. पौधों की बीमारियों से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है.
कैल्सियम ● कोशिका विभाजन में आवश्यक. ● कोशिका झिल्ली को बनाए रखने में सहायक. ● कार्बोहाइड्रेट निर्माण में सहायक नई कलिका सूख जाती है.	पौधों की नई पत्तियाँ सफेद रंग की हो जाती है. बढ़ने वाले अग्र भाग मर व मुड़ जाते हैं.
मैग्नीशियम ● क्लोरोफिल का आवश्यक अवयव. ● बहुत-सी एंजाइम क्रियाओं में सहायक.	पुरानी पत्तियाँ शिराओं के बीच में पीली पड़ जाता हैं और कभी-कभी पत्तियाँ सूख कर मुड़ जाती है. पौधों की ठंड सहन करने की क्षमता कम हो जाती है.
सल्फर (गन्धक) ● प्रोटीन, क्लोरोफिल एवं प्रकाश-संश्लेषण निर्माण में सहायक. ● आवश्यक अमीनों, अम्लों के निर्माण में सहायक. ● तिलहनी फसलों में तेल निर्माण में सहायक.	पौधों की नई पत्तियाँ पीली पड़ जाती हैं और पत्तियों के सिरे मुड़ जाते हैं. तने की बढ़वार रुक जाती है. तिलहनी फसलों में तेल की मात्रा हो जाती है.
लोहा ● क्लोरोफिल संश्लेषण में आवश्यक. ● दूसरे पोषक तत्वों के पोषण में सहायक. ● प्रोटीन के निर्माण में सहायक.	नई पत्तियाँ नसों के बीच में पीली पड़ जाती है और अधिक कमी में पूरी पत्ती सफेद हो जाती है. तना छोटा और मुलायम रह जाता है.
जस्ता ● पौधों में एंजाइम की क्रिया को बढ़ाता है. ● हॉर्मोन्स के बढ़ने में सहायक होता है. ● पौधों की उपापचय क्रिया में उत्प्रेरक का कार्य करता है.	पत्तियों का आकार छोटा रह जाता है. धान में खैरा रोग लग जाता है. नीबू वर्ग में (चितकबरे) पत्ते का एक रोग हो जाता है, पौधे बौने व झाड़ीनुमा हो जाते हैं.

मैगनीज • क्लोरोफिल निर्माण में आवश्यक. • पौधों के तन्तुओं में ऑक्सीकरण एवं रिडक्सन क्रियाओं में उत्प्रेरक का कार्य करता है. • कार्बोहाइड्रेट निर्माण में सहायक.	पत्तियाँ हरितहीनता के कारण सूखकर पारदर्शी हो जाती हैं. जई में ग्रे स्पेक रोग हो जाता है. पत्तियाँ झड़ने लगती हैं.
ताँबा • पौधों के श्वसन व लोहे के उपयोग में आवश्यक है. • अनेक हीनता सूचक रोगों को नियंत्रित करता है. • अनेक एंजाइमों में सक्रिय कारक का काम करता है.	मक्का में नई पत्तियाँ पीली व छोटी पड़ जाती हैं. नीबू प्रजाति के पौधों में वृद्धि रुक जाती है. फलों पर धब्बे बन जाते हैं.
मॉलीब्डिनम • दलहनी फसलों द्वारा वायुमण्डल से नाइट्रोजन के स्थिरीकरण में विशेष सहायता करता. • नाइट्रेट अपचयन के लिए आवश्यक है. • ऑक्सीकरण तथा रिडेक्सन की क्रियाओं में सहायक.	फूलगोभी में विपटेल का रोग हो जाता है, गेहूँ में अनेक बालियाँ खाली रह जाती हैं तथा उसमें दाने नही बनते. सर्वप्रथम नई पत्तियों के शीर्ष एवं किनारे पर हरितहीनता प्रकट होती है.
बोरोन • कैल्सियम को घुलनशील और जड़ों द्वारा उसके पोषण में सहायक है. • नाइट्रोजन के पोषण में सहायक है. • पोटाश कैल्सियम अनुपात का नियमन करता है.	पौधों की कोमल पत्तियाँ डंठल के पास कमजोर होकर गिर जाती हैं. फूलगोभी का सफेद रंग बादामी रंग का हो जाता है और डंठल में घाव बन जाते हैं.
क्लोरीन • शर्करा, चुकन्दर, गाजर, पत्तागोभी, जौ, गेहूँ, कपास आदि की समुचित वृद्धि के लिए आवश्यक है. • पादप उन्नति में जल धारण क्षमता को प्रभावित करता है. • उसकी उपस्थिति में फसलें जल्दी पकती हैं.	पत्तियाँ जलकर गिर जाती हैं. टमाटर की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ता है.
कोबाल्ट • पौधों द्वारा नाइट्रोजन स्थिरीकरण में आवश्यक हैं. • विटामिन बी 12 के निर्माण में आवश्यक है.	नाइट्रोजन स्थिरीकरण की मात्रा पर बुरा प्रभाव पड़ता है.

रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग सन् 1850 के लगभग प्रारम्भ हुआ. कारण भूमि के सम्बन्ध में भूमि व्यवस्था और क्षेत्र परीक्षणों से भूमि उर्वरापन के स्तर एवं रखरखाव के प्रति स्पष्ट ज्ञान होता जा रहा है. विभिन्न प्रकार के मिश्रित उर्वरकों उनके सही प्रयोग विधियों के सम्बन्ध में अधिक-से-अधिक ज्ञान होता गया. आज का कृषक पूर्ण वैज्ञानिक होकर अच्छी फसल उगाने की स्थिति में आता जा रहा है.

अतः लक्ष्यानुसार मिट्टी का परीक्षण के द्वारा भूमि की उर्वराशक्ति के स्तर को ध्यान में रखते हुए आवश्यक मात्रा में सन्तुलित उर्वरक के साथ कम्पोस्ट खाद एवं जैविक उर्वरक प्रयोग करने की संस्तुति पर विशेष बल दिया जा रहा है, क्योंकि सघन खेती से भूमि की उर्वरता का ह्रास होना स्वाभाविक है. भूमि की उर्वराशक्ति को बनाए रखने ही टिकाऊ खेती के लिए मूलमंत्र है जिससे आने वाले दिनों में अधिक उत्पादन कर देश की बढ़ती हुई जनसंख्या को खाद्यानों से भर पेट भोजन देकर उनकी भूख को मिटाया जा सकता है, साथ ही साथ भूमि का स्वास्थ्य एवं उपजाऊ शक्ति को बढ़ाया जा सकता है. ●●●

Read Upkar's

LEARN TO WRITE CORRECT ENGLISH

(English-Hindi Medium)

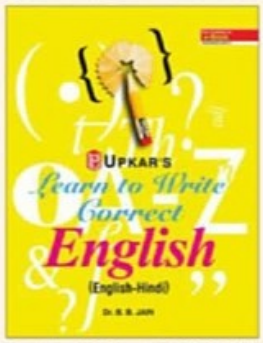

Code 394 ₹ 280.00

CORRECT ENGLISH: HOW TO WRITE IT

(English Medium)

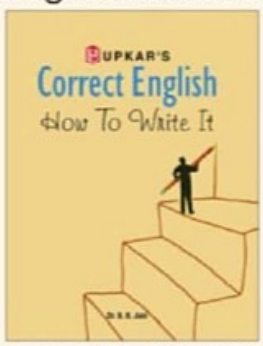

Code 448 ₹ 290.00

LEARN TO WRITE CORRECT ENGLISH

(English-Bangla)

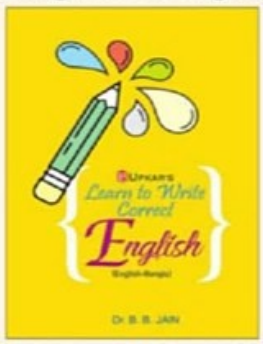

Code 481 ₹ 275.00

By : Dr. B.B. Jain

As the Latest and All Comprehensive Books for All Competitive Examinations.

Purchase from nearest bookseller or get the copy by V.P.P. sending M. O. of ₹100/- on the following address

UPKAR PRAKASHAN, AGRA–5

सार संग्रह

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

1. सिंधु घाटी के उत्खनन में सर्वप्रथम कहाँ से माप और तौल के मानकीकृत उपकरण प्राप्त हुए ? *—लोथल*
2. 'अपवाह तंत्र' का निर्माण सबसे पहले किस सभ्यता के लोगों ने किया था ? *—सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों ने*
3. बुद्ध ने किसकी इच्छा को ध्यान में रखकर स्त्रियों को संघ में प्रवेश की अनुमति दी थी ? *—प्रजापति गौतमी*
4. तमिल का गौरव-ग्रंथ 'जीवक-चिंतामणि' किस धर्म से सम्बन्धित है ? *—बौद्ध*
5. चित्रकला की गंधार शैली का सूत्रपात किसके द्वारा किया गया था ? *—महायान सम्प्रदाय द्वारा*
6. कौन चार खान अलाउद्दीन खिलजी के अति विश्वसनीय सेनापति थे ? *—अल्प खाँ, उलूग खाँ, नुसरत खाँ, जफर खाँ*
7. किसने लिखा है कि बाबर की मृत्यु विष देने से हुई ? *—गुलबदन बेगम ने*
8. 'विक्रमशिला विहार' का संस्थापक कौन था ? *—धर्मपाल*
9. बौद्ध गुफाओं में सबसे अच्छी सुरक्षित गुफा कार्ले है जो स्थित है ? *—महाराष्ट्र में*
10. ऋग्वेद के किन सूक्तों में भारतीय नाटक की अंकुर अवस्था का होना माना जाता है ? *—संवाद-सूक्त*

राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

11. किस अधिनियम के कारण सार्वजनिक रोष की लहर उभरी जिसके फलस्वरूप जालियांवाला बाग में ब्रिटिश द्वारा जनसंहार की घटना घटी ? *—दि रौलेट एक्ट*
12. भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान बलिया में किसके नेतृत्व में समानान्तर सरकार की स्थापना की गई ? *—चित्तू पांडे के नेतृत्व में*
13. लोगों में राष्ट्र प्रेम की भावना जगाने के लिए शिवाजी तथा गणपति महोत्सव का आयोजन किसने किया था ? *—बाल गंगाधर तिलक ने*
14. "All India Depressed Classes Federation" की स्थापना कब और किसने की थी ? *—1920 में बी.आर. अम्बेडकर ने*
15. किसने कांग्रेस को 'जनता के अत्यन्त अल्पमत' (Micr-scopic Minority) का प्रतिनिधि कहा था ? *—लॉर्ड डफरिन ने*
16. आल इण्डिया किसान सभा की स्थापना कब हुई तथा इसका प्रथम अधिवेशन कहाँ हुआ ? *—1936 में, लखनऊ में*
17. जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड के बाद पंजाब में फैली अशान्ति की जाँच के लिए कांग्रेस द्वारा नियुक्त आयोग के अध्यक्ष कौन थे ? *—मोतीलाल नेहरू*
18. महात्मा गांधी एवं सरदार पटेल के द्वारा खेड़ा आन्दोलन प्रारम्भ करने का प्रमुख कारण क्या था ? *—ब्रिटिश सरकार द्वारा मनमाने लगान-निर्धारण तथा उसे माफ करने से इनकार करने के कारण*
19. भारत सेवक समाज की स्थापना किस वर्ष हुई थी तथा इसके संस्थापक कौन थे ? *—1905 में, गोपालकृष्ण गोखले*
20. "ठीक उस समय जब उत्साह अपनी पराकाष्ठा पर था पीछे हटने का आदेश देना, राष्ट्रीय विपत्ति से कुछ कम नहीं था." यह कथन है *—सुभाषचंद्र बोस का*
21. 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान हजारीबाग जेल की दीवार फांदकर आन्दोलन में भाग लेने वाले वरिष्ठ कांग्रेस समाजवादी नेता कौन थे ? *—जय प्रकाश नारायण*

भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान

21. संविधान के किस अनुच्छेद में यह अंकित है कि इंडिया अर्थात् 'भारत राज्यों का एक संघ होगा ? *—अनुच्छेद 1*
22. भारत के संविधान का कौनसा अनुच्छेद अस्पृश्यता का उन्मूलन करता है तथा किसी भी रूप में इसके आचरण का निषेध करता है ? *—अनुच्छेद 17*
23. किस अनुच्छेद के अन्तर्गत राष्ट्रपति का निर्वाचन होता है ? *—अनुच्छेद 54*
24. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में मौलिक कर्तव्यों की चर्चा की गई है ? *—अनुच्छेद 51(A) में*
25. किस सामाजिक बुराई को दूर करने के लिए 'शारदा एक्ट' बनाया गया था ? *—बाल-विवाह*
26. भारतीय संविधान के अंग 'नीति-निर्देशक सिद्धान्तों' का स्रोत क्या है ? *—आयरलैण्ड का संविधान*
27. किस संविधान संशोधन के तहत् सिक्किम को भारत का 22वाँ राज्य घोषित किया गया ? *—36वाँ (1975)*
28. संविधान बनाने वाली प्रारूप समिति (Draft Committee) के अध्यक्ष कौन थे ? *—डॉ. भीमराव अम्बेडकर*
29. "राज्य के नीति निर्देशक तत्व एक ऐसा चेक है जिसका भुगतान बैंक की सुविधानुसार किया जाएगा" यह कथन किसका है ? *—के. टी. शाह का*
30. संविधान के किस अनुच्छेद में भारत के 'नियंत्रक-महालेखा परीक्षक' के कर्तव्य और शक्तियाँ वर्णित हैं ? *—अनुच्छेद 149*

भारत एवं विश्व का भूगोल

31. विश्व का सबसे बड़ा नदी द्वीप कौनसा है ? *—माजुली द्वीप (यह असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर स्थित है)*
32. कौनसी जलसंधि यूरोप को अफ्रीका से विभाजित करती है ? *—जिब्राल्टर (जिब्राल्टर की जलसंधि अटलांटिक महासागर को भूमध्य सागर से जोड़ती है)*
33. त्सुशिमा जलसंधि या पूर्वी चैनल कोरिया जलसंधि का एक चैनल है, जो कोरिया और जापान के बीच स्थित है, जोड़ता है *—जापान के सागर, पीला सागर और पूर्वी चीन सागर को*
34. चीन अपनी सीमा साझा करता है *—अफगानिस्तान, भूटान, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, लाओस, मंगोलिया, म्यांमार, नेपाल, उत्तर कोरिया, रूस, ताजिकिस्तान और वियतनाम के साथ*
35. 'चाबहार बंदरगाह' कहाँ स्थित है ? *—ओमान की खाड़ी में*

36. किस ग्रह को अप्रत्यक्ष ग्रह (वील्ड प्लेनेट) के नाम से भी जाना जाता है ? *—शुक्र ग्रह*
37. बृहस्पति का कौनसा उपग्रह, सौरमण्डल का सबसे बड़ा उपग्रह है ? *—गैनिमीड*
38. किस ग्रह को लाल ग्रह के रूप में भी जाना जाता है ? *—मंगल ग्रह को*
39. किस तत्व की उपस्थिति के कारण मंगल ग्रह लाल रंग का दिखता है ? *—आयरन ऑक्साइड की*
40. तमिलनाडु का जयनकोदम किस खनिज के लिए प्रसिद्ध है ? *—लिग्नाइट*

पर्यावरण एवं जैव विविधता

41. दो भिन्न समुदायों के बीच का संक्रांति क्षेत्र क्या कहलाता है ? *—इकोटोन*
42. कार्टाजेना एक अन्तर्राष्ट्रीय संधि है, जिसका सम्बन्ध है *—जैव सुरक्षा प्रोटोकॉल से*
43. इकोमार्क किन भारतीय उत्पादों को दिया जाता है ? *—पर्यावरण अनुकूल*
44. वह वर्णक, जो वनस्पति को पराबैंगनी किरणों के दुष्प्रभाव से बचाता है *—फाइकोसायनिन*
45. सागरीय प्रवाल विरंजन (कोरल ब्लीचिंग) का सबसे अधिक प्रभावी कारक कौनसा है ? *—सागरीय जल के तापमान में वृद्धि*
46. सर्वाधिक जैव विविधता कहाँ पाई जाती है ? *—उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों में*
47. एक मनुष्य के जीवन को पूर्णरूप से धारणीय करने के लिए आवश्यक न्यूनतम भूमि को क्या कहते हैं ? *—पारिस्थितीयक पदछाप*
48. वह प्रक्रिया जिसके द्वारा किसी क्षेत्र में पाई जाने वाली वनस्पति और जन्तु प्रजातियों के समुदाय समय के साथ दूसरे समुदाय में परिवर्तित हो जाते हैं, कहलाता है *—पारिस्थितिकीय अनुक्रम*
49. सबसे स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र कौनसा है ? *—समुद्र*
50. पारिस्थितिकीय अनुक्रम शब्द का प्रथम प्रयोग किसने किया था ? *—हुल्ट ने*

भारतीय अर्थव्यवस्था

51. विभिन्न सरकारी विभागों और सेवाओं पर व्यय, ऋण पर ब्याज का भुगतान और सब्सिडी पर व्यय को कहा जाता है *—राजस्व व्यय*
52. जब सरकार द्वारा व्यक्तियों या समूहों को किसी भी प्रकार की नकद या कर छूट दी जाती है, तो इसे कहा जाता है *—सब्सिडी*
53. भारत सरकार का वह कोष है जिसमें सरकार की समस्त राजस्व प्राप्तियाँ, सरकार द्वारा जारी किए गए ट्रेजरी बिल्स और वसूले गए ऋण आदि को शामिल किया जाता है, कहा जाता है *—समेकित कोष (Consolidated Fund)*
54. एक ऐसी नीति, जोकि सरकार की आय, सार्वजनिक व्यय (रक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली पानी सड़क इत्यादि), कर की दरों (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष), सार्वजनिक ऋण, घाटे की वित्त व्यवस्था से सम्बन्धित होती है, कहलाती है *—सब्सिडी*
55. सरकारें अपने खर्च और आय के बीच के अंतर को कम करने के लिए ऐसी प्रक्रिया है जिसमें सरकार अपने नियंत्रण में सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पीएसयू) की सम्पत्ति बेचकर अपना धन जुटाती है, कहलाती है *—विनिवेश*
56. देश की सीमाओं के भीतर उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य (आमतौर पर एक वित्तीय वर्ष में), कहलाती है *—सकल घरेलू उत्पाद (GDP)*
57. वित्त मंत्रालय द्वारा तैयार बजट को सबसे पहले रखा जाता है *—लोक सभा में*
58. वे राजस्व प्राप्तियाँ, जो कर के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से प्राप्त होती हैं, वे कहलाती है *—गैर-कर प्राप्तियाँ*
59. बजट को आधिक्य का बजट कब कहा जाता है ? *—अनुमानित प्राप्तियाँ > अनुमानित व्यय*
60. नोटों के प्रिंटिंग के खिलाफ भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निम्नलिखित में से कौनसा सिस्टम बनाए रखा जाता है ? *—न्यूनतम रिजर्व प्रणाली*

सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी

61. आँख के रेटिना की परम्पनरागत कैमरा के किस भाग से तुलना की जा सकती है ? *—फिल्म*
62. किस रक्त समूह को सार्वत्रिक दाता कहा जाता है ? *—O*
63. अपमार्जक है *—साबुन*
64. त्वचा की सबसे ऊपरी परत को क्या कहते हैं ? *—एपीडर्मिस*
65. धातुएं विद्युत् की सुचालक क्यों होती हैं ? *—इनमें मुक्त इलेक्ट्रॉन होते हैं*
66. दुनिया का सबसे तेज सुपरकम्प्यूटर 'फ्रंटियर' किस देश में विकसित किया गया है ? *—यूएसए*
67. विटामिन 'ए' एवं 'बी' के आविष्कारक कौन थे ? *—मैकुलन*
68. कौनसा विटामिन गर्म करने पर नष्ट हो जाता है ? *—विटामिन 'सी'*
69. मछलियों के यकृत के तेल में कौनसी विटामिन की बहुलता होती है ? *—विटामिन 'ए', 'डी'*
70. पहाड़ी पर चढ़ता एक व्यक्ति आगे की ओर झुक जाता है, क्योंकि *—संतुलन बनाने के लिए*

शिक्षा एवं बाल मनोविज्ञान

71. बालक को सामाजिक गुणों को सीखने में सहायता करता है *—खेल व पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएं*
72. खेल-खेल में ज्ञान प्रदान करने की पद्धति कौनसी है ? *—मॉण्टेसरी*
73. अनुभव द्वारा व्यवहार में परिवर्तन कहलाता है *—सीखना*
74. अवधान का सम्बन्ध किससे होता है ? *—मानसिक विकास से*
75. एक परिस्थिति में अर्जित ज्ञान का दूसरी परिस्थिति में उपयोग कहलाता है *—सिखने में स्थानांतरण*
76. कक्षा शिक्षण में पाठ प्रस्तावना सोपान सीखने के किस नियम पर आधारित है ? *—तत्परता का नियम*
77. तथ्यात्मक ज्ञान को सीखने में सर्वप्रथम आवश्यकता होती है *—भाषाई विकास की*
78. कौशल आत्मक अधिगम के लिए प्रमुख आवश्यकता होती है *—शारीरिक विकास की*
79. बालक शीघ्रता से निर्णय लेने की क्षमता सीखता है *—किशोरावस्था में*
80. कोह्ल्बर्ग के अनुसार किस अवस्था में नैतिकता बाह्य कारकों द्वारा निर्धारित होती है ? *—पूर्व पारम्परिक अवस्था*

सम्प्रेषण/संचार

81. सम्प्रेषण निष्कपटता का उच्चतम अंश पाया जाता है
—मेटा-सम्प्रेषण में
82. 'सामीप्य' (प्रोक्सेमिक्स) सम्बन्धित है
—अशाब्दिक सम्प्रेषण से
83. प्रभावी अन्तरवैयक्तिक सम्प्रेषण का मुख्य तत्व है
—सक्रिय श्रवण
84. जनप्रवाद (ग्रेप्वाइन) सम्प्रेषण की विशेषता है
—समूह सदस्यों की सामाजिक आवश्यकताओं को सन्तुष्ट करने को उद्दत, किसी भी दिशा में जाने की छूट, शामिल लोगों के स्व-हितों को पूरा करने के लिए व्यापक रूप से प्रयुक्त
85. पार्श्विक सम्प्रेषण सम्बन्धित है
—संगठनात्मक पारिस्थितिकी से
86. वैध मानक आकार के निरपेक्ष न्यायवाक्य में यदि मुख्य पद निष्कर्ष में व्याप्त है, तो उसे व्याप्त होना होगा
—मुख्य आधार वाक्य में
87. कालिक सम्प्रेषण का अध्ययन जाना जाता है
—क्रोनेमिक्स के रूप में
88. उर्ध्वगामी सम्प्रेषण में निस्पंदन है
—संघटनात्मक मौन का उदाहरण
89. सम्प्रेषण प्रक्रिया में सन्देश रूपांतरण की सफलता की जाँच की जाती है *—प्रतिपुष्टि द्वारा*
90. पार समितियाँ रूप है *—पार्श्विक सम्प्रेषण का*

खेलकूद

91. मैराथन दौड़ में कितनी दूरी तक दौड़ना होता है ?
—42·195 किमी
92. हॉकी में पेनाल्टी स्ट्रोक कितनी दूरी से मारा जाता है ?
—8 गज
93. मैराथन दौड़ की दूरी होती है *—26 मील 385 गज*
94. पोलो के मैदान का आकार होता है *—270 मी× 180 मी*
95. ओलम्पिक खेलों में तैराकी के स्विमिंग पुल में कुल कितने लेन होते हैं ? *—8*
96. शतरंज के एक बोर्ड में कितने वर्ग होते हैं ? *—64*
97. बैडमिंटन के कार्क का वजन कितना होता है ?
—4·74 से 5·51 ग्राम
98. पूर्ण आकार के गोल्फ के मैदान में कितनी संख्या में होल्स होते हैं ? *—18*
99. क्रिकेट के खेल में पॉपिंग क्रीज की माप होती है ? *—4 फुट*
100. आधुनिकरण ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल सर्वप्रथम कहाँ आयोजित किए गए थे ? *—एथेंस*

कृषि

101. हल्दी तथा प्याज में क्रमशः किस प्रकार का स्तम्भ रूपांतरण पाया जाता है ? *—प्रकंद, शल्ककंद*
102. द्विबीजपत्री तने के संवहनी पूलों के बीच के क्षेत्र को क्या कहते हैं ? *—मज्जा किरणों*
103. प्रकाश संश्लेषण की दर किस प्रकाश में सबसे कम तथा किस प्रकाश में सर्वाधिक होती है ?
—हरे एवं पीले प्रकाश में न्यूनतम तथा नीले एवं लाल प्रकाश में अधिकतम
104. पौधे का कौनसा भाग पानी और खनिज लवण अवशोषित करता है ? *—जड़*
105. गेहूँ में क्रोमोसोम की संख्या होती है *—42*
106. सबसे पुराना फल कौनसा है ? *—खजूर*
107. नारियल का वानस्पतिक नाम है ? *—कोकस न्यूसीफेरा*
108. बिना बीज के फलों को विकसित करने की क्रिया को क्या कहते हैं ? *—टिशू-कल्चर*
109. 'धान की डलिया' किस राज्य को कहा जाता है ?
—छत्तीसगढ़ को
110. सिल्क का सबसे बड़ा उत्पादक देश कौनसा है ? *—चीन*

कम्प्यूटर ज्ञान

111. 'क्रॉलिंग', 'इंडेक्सिग और रैंकिंग' शब्द किससे सम्बन्धित हैं ? *—सर्च इंजिन से*
112. Microsoft Word फाइल में क्लिपबोर्ड की सामग्री को पेस्ट करने के लिए किस कीबोर्ड शॉर्टकट का प्रयोग किया जाता है ? *—Ctrl + V का*
113. जब Microsoft Excel वर्कशीट के प्रकोष्ठों (सेल्स) में संख्याएं प्रविष्ट की जाती हैं, तो वे पूर्व निर्धारित स्थिति (बाई डिफॉल्ट) द्वारा ..... होती हैं. *—दाईं ओर संरेखित*
114. वर्ड में किसी डॉक्यूमेंट में किसी विशिष्ट शब्द या मुहावरे को ढूँढ़ने के लिए सबसे सरल और त्वरित तरीका है
—फाइंड कमांड का उपयोग करना
115. एक डिजिटल वाच में किस तरह का कम्प्यूटर हो सकता है ?
—इम्बेडेड कम्प्यूटर
116. हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का संयोजन है, जो कम्प्यूटिंग डिवाइसेज के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को सुगम बनाता है *—नेटवर्क*
117. डम्ब टर्मिनल क्या है ? *—सेंट्रल कम्प्यूटर*
118. इंटरनेट का अर्थ है *—नेटवर्कों का बड़ा नेटवर्क*
119. मदरबोर्ड के जिस भाग में इनपुट और आउटपुट कार्ड लगाते है, उसे क्या कहते हैं ? *—एक्सपेंसन स्लॉट*
120. 'सी प्रोग्राम' को किसकी सहायता से मशीन कोड में परिवर्तित किया जाता है ? *—कम्पाइलर*

विविध

121. प्रसिद्ध वार्षिक मेला 'गंगा सागर मेला' भारत के किस राज्य में आयोजित किया जाता है ? *—पश्चिम बंगाल*
122. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के संस्थापक कौन थे ?
—सर सैयद अहमद खान
123. हेमिस महोत्सव किस राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश में मनाया जाता है ? *—लद्दाख*
124. हर नवमी, छरी, बहू मेला, दोस्मोचे आदि उत्सव किस राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश में मनाए जाते हैं ? *—जम्मू-कश्मीर*
125. राखदुमनी, गोची महोत्सव आदि उत्सव किस राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश में मनाए जाते हैं ? *—हिमाचल प्रदेश*
126. याओशांग, पोराग, चवांग कुट आदि उत्सव किस राज्य/केन्द्र-शासित प्रदेश में मनाए जाते हैं ? *—मणिपुर*
127. एलिफेंटा की गुफाएं किस देवता को समर्पित हैं ? *—शिव*
128. लहो नृत्य किस प्रांत एक लोक नृत्य है ? *—मेघालय का*
129. चरवा नृत्य किस प्रांत का एक लोक नृत्य है ? *—मिजोरम का*
130. दलखाई नृत्य किस प्रांत एक लोक नृत्य है ? *—ओडिशा का*

●●●

एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा, 2021 (13-4-2022) (चरण-I) का हल प्रश्न-पत्र

(प्रथम पाली)

सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति

1. दिए गए चार अक्षर-समूहों में से तीन किसी-न-किसी प्रकार से समान हैं और एक असंगत है. उस असंगत अक्षर-समूह का चयन कीजिए–
   (A) BUMD (B) WPHY
   (C) MFXO (D) GZSH

2. दिए गए विकल्पों में से उस अक्षर-समूह को चुनिए, जो निम्नलिखित शृंखला में प्रश्नवाचक चिह्न (?) के स्थान पर आ सकता है–
   ECDR, BGYW, YKTB, VODG, ?, PWEQ
   (A) SSKM (B) SRJL
   (C) SSJL (D) RSIL

3. पाँच दोस्त H, I, J, K और L एक स्कूल के शीर्ष रैंक धारक हैं. H का रैंक K के रैंक के ठीक ऊपर और L के रैंक के ठीक नीचे है. शीर्ष रैंक पर है और J सबसे निचले रैंक पर नहीं है. उनमें से सबसे निचले रैंक पर कौन है ?
   (A) J (B) K
   (C) M (D) L

4. 98 विद्यार्थियों की एक कक्षा में, सभी विद्यार्थी तीन खेलों-स्नूकर, शतरंज और टेनिस, में से कम-से-कम एक खेल खेलते हैं. 42 विद्यार्थी स्नूकर खेलते हैं, 49 टेनिस खेलते हैं और 43 शतरंज खेलते हैं. कोई भी और केवल दो खेल खेलने वाले विद्यार्थियों की कुल संख्या 29 है. 5 विद्यार्थी तीनों खेल खेलते हैं. केवल स्नूकर और केवल शतरंज खेलने वाले विद्यार्थियों की संख्या समान है. 11 विद्यार्थी केवल स्नूकर और टेनिस खेलते हैं. 6 विद्यार्थी केवल स्नूकर और शतरंज खेलते हैं. कितने विद्यार्थी केवल टेनिस खेलते हैं ?
   (A) 20 (B) 21
   (C) 23 (D) 22

5. उस विकल्प का चयन कीजिए, जो तीसरी संख्या से उसी प्रकार सम्बन्धित है जैसे दूसरी संख्या पहली संख्या से सम्बन्धित है.
   27 : 576 :: 19 : ?
   (A) 328 (B) 256
   (C) 543 (D) 498

6. उस सही विकल्प का चयन कीजिए, जो दिए गए शब्दों को उसी क्रम में दर्शाता है जिस क्रम में वे अंग्रेजी शब्दकोश में होते हैं.
   1. Magnetic 2. Magnify
   3. Magnet 4. Magical
   5. Majesty
   (A) 4, 3, 1, 2, 5
   (B) 3, 1, 4, 2, 5
   (C) 4, 3, 2, 1, 5
   (D) 4, 1, 3, 2, 5

7. जब दर्पण को निम्नांकित चित्र के अनुसार 'AB' पर रखा गया है, तो दी गई आकृति के दर्पण में निर्मित सही प्रतिबिम्ब का चयन कीजिए–

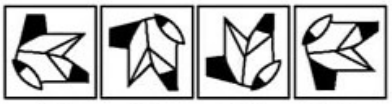

(A) (B) (C) (D)

8. निम्नांकित पैटर्न का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और दिए गए विकल्पों में से उस संख्या का चयन कीजिए जो उसमें प्रश्नवाचक चिह्न (?) के स्थान पर आ सकती है ?

15	81	12
18	99	15
17	120	?

   (A) 13 (B) 9
   (C) 16 (D) 11

9. उस विकल्प का चयन कीजिए जिसमें दी गई आकृति सन्निहित है (घुमाने की अनुमति नहीं है)–

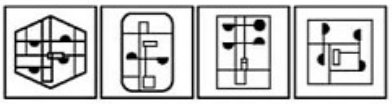

(A) (B) (C) (D)

10. एक ही पासे की दो अलग-अलग अवस्थाएं दिखाई गई हैं, जिसमें छः फलकों पर 1 से 6 संख्याएं अंकित हैं. उस संख्या का चयन कीजिए, जो संख्या '3' वाले फलक के विपरीत वाले फलक पर होगी–

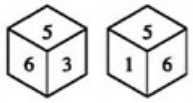

   (A) 2 (B) 4
   (C) 6 (D) 1

11. दिए गए कथनों और निष्कर्षों को ध्यानपूर्वक पढ़िए. यह मानते हुए कि कथनों में दी गई जानकारी सत्य है, भले ही वह सामान्य रूप से ज्ञात तथ्यों से भिन्न प्रतीत होती हो, तय कीजिए कि दिए निष्कर्षों में से कौनसे निष्कर्ष कथनों का तार्किक रूप से अनुसरण करते हैं ?
   कथन :
   सभी कर्मचारी करदाता हैं.
   कुछ कर्मचारी किसान हैं.
   कुछ किसान डॉक्टर हैं.
   निष्कर्ष :
   I. कोई किसान करदाता नहीं है.
   II. कुछ किसान करदाता हैं.
   (A) दोनों निष्कर्ष अनुसरण करते हैं
   (B) या तो निष्कर्ष I या II अनुसरण करते है
   (C) केवल निष्कर्ष I अनुसरण करता है
   (D) केवल निष्कर्ष II अनुसरण करता है

12. किसी निश्चित कूट भाषा में, 'FOREST' को 'GUSITU' लिखा जाता है और 'MANGROVE' को 'NEOHSUWI' लिखा जाता है. उसी भाषा में 'REINCARNATE' को कैसे लिखा जाएगा ?
   (A) SIOODESOEUI
   (B) SIOODESOEFF
   (C) QIOQDESOEUF
   (D) SFOFDESOBUI

13. निम्नलिखित समीकरण को सन्तुलित करने के लिए दो चिह्नों को आपस में बदलने की आवश्यकता है ?
   72 × 18 9 + 19 – 39 = 16
   (A) – और × (B) और ×
   (C) + और × (D) – और +

14. एक महिला की ओर इशारा करते हुए रीना ने कहा, "वह मेरे ससुर की इकलौती बेटी है." महिला रीना से किस प्रकार सम्बन्धित है ?

(A) बहन (B) पुत्री
(C) ननद (D) माँ

15. एक निश्चित कूट भाषा में, 'POTATO' को 32-30-40-2-40-30 के रूप में कूटबद्ध किया जाता है और 'TURNIP' को 40-42-36-28-18-32 के रूप में कूटबद्ध किया जाता है. उसी भाषा में, 'RADISH' को किस प्रकार कूटबद्ध किया जाएगा ?

(A) 18-1-8-38-18
(B) 36-1-4-19-16
(C) 18-2-4-19-18
(D) 36-2-8-18-38-16

16. उस विकल्प का चयन कीजिए, जो तीसरे पद से उसी प्रकार सम्बन्धित है जैसे दूसरा पद पहले पद से सम्बन्धित है.

IVORY : ZWSPJ :: CREAM : ?

(A) NFDQB (B) SNFDB
(C) DSFCN (D) BQDZL

17. दिए गए विकल्पों में से वह संख्या चुनिए, जो निम्नलिखित श्रेणी में प्रश्नवाचक चिह्न (?) के स्थान पर आ सकती है.

24, ? 52, 312, 320

(A) 42 (B) 30
(C) 35 (D) 48

18. एक पासे के दो ओरिएंटेशन दिखाए गए हैं. यह पासा किस विकल्प आकृति को रेखाओं के अनुदिश मोड़कर प्राप्त किया जा सकता है ?

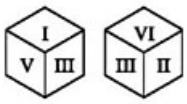

(A)

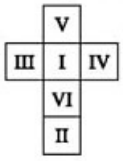

(B)

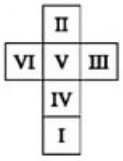

(C)

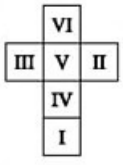

(D)

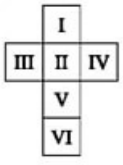

19. किसी निश्चित कूट भाषा में, 'this is fact' को 'cuz duz ruz' लिखा जाता है, 'fact is fictional' को 'guz ruz cuz' लिखा जाता है और 'doubt is clear' को 'cuz kuz buz' लिखा जाता है उसी भाषा में 'this is fictional' को कैसे लिखा जाएगा ?

(A) duz guz ruz
(B) duz buz cuz
(C) kuz guz nuz
(D) duz guz cuz

20. निम्नलिखित आकृतियों में कागज के एक टुकड़े को मोड़ने का क्रम (आकृति i में) दर्शाया गया है और मुड़े हुए कागज को काटने की विधि (आकृति ii में) दर्शाई गई है. उस विकल्प का चयन कीजिए, जो आकृति (ii) के खुले हुए रूप से सर्वाधिक मिलता-जुलता हो.

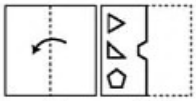

(i) (ii)

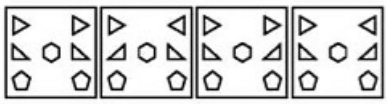

(A) (B) (C) (D)

21. दिए गए विकल्पों में से वह संख्या चुनिए, जो निम्नलिखित श्रेणी में प्रश्नवाचक चिह्न (?) के स्थान पर आ सकती है.

74, 74, 72, 24, ?, 4

(A) 21 (B) 20
(C) 15 (D) 9

22. दिए गए विकल्पों में से उस आकृति का चयन कीजिए, जो निम्नवत् शृंखला में प्रश्नवाचक चिह्न (?) को प्रतिस्थापित कर सकती है.

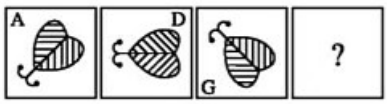

(A) (B) (C) (D)

23. निम्नलिखित अक्षर शृंखला में प्रश्नवाचक चिह्न (?) के स्थान पर कौनसा अक्षर आएगा ?

E, J, N, Q, S, ?

(A) U (B) V
(C) S (D) T

24. निम्नलिखित समीकरण को सन्तुलित करने के लिए किन दो चिह्नों को आपस में बदलने की आवश्यकता है ?

$28 + 14 \times 7 \div 5 - 18 = 20$

(A) + और × (B) ÷ और +
(C) ÷ और × (D) ÷ और –

25. उस वेन आरेख का चयन कीजिए, जो निम्नलिखित वर्गों के बीच के सम्बन्ध को सर्वोत्तम रूप से दर्शाता है.

एथलीट, लड़के, विद्यार्थी

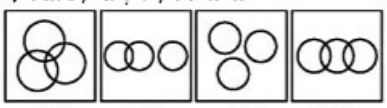

(A) (B) (C) (D)

सामान्य जागरूकता

26. मेडागास्कर ………… महासागर में स्थित है.

(A) अटलांटिक (B) भारतीय
(C) आर्कटिक (D) प्रशान्त

27. भारत के संविधान में निम्नलिखित में से कौनसा संशोधन भाषा के आधार पर भारतीय राज्यों के पुनर्गठन को संवैधानिक रूप से बदलने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ पारित किया गया था ?

(A) दसवाँ संशोधन
(B) सातवाँ संशोधन
(C) चौथा संशोधन
(D) छठा संशोधन

28. निम्नलिखित में से किसने मार्च 2021 में अल ऐन 2021 पैरा शूटिंग विश्व कप (Al Aln 2021 Para Shooting World Cup) में P4 स्वर्ण जीता ?

(A) मनीष नरवाल
(B) राहुल जाखड़
(C) दीपेन्द्र सिंह
(D) सिंहराज अधाना

29. केन्द्रीय बजट 2021-22 के अनुसार, 2021-22 में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का ………… प्रतिशत होने का अनुमान है.

(A) 6·8 (B) 7·2
(C) 7·6 (D) 5·1

30. मिट्टी की अम्लीय प्रकृति ………… की उच्च सान्द्रता द्वारा दर्शाई जाती है.

(A) नाइट्रोजन (B) हाइड्रोजन
(C) फास्फोरस (D) ऑक्सीजन

31. आर्थिक सर्वेक्षण 2020-2021 के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत की वास्तविक जीडीपी (GDP) ………… तक बढ़ने का अनुमान है.

(A) 7% (B) 3%
(C) 9% (D) 11%

32. दंतिदुर्ग एक ………… शासक था, जिसने मलखेड में अपनी राजधानी की स्थापना की.

(A) सातवाहन (B) राष्ट्रकुट
(C) प्रतिहार (D) पाल

33. निम्नलिखित में से कौनसा भारतीय अधिनियम वर्ष 2005 में पारित किया गया था ?
(A) प्रतिस्पर्धा अधिनियम
(B) घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम
(C) जैव विविधता अधिनियम
(D) धन शोधन निवारण अधिनियम

34. निम्नलिखित में से किस स्थान पर दिन और रात के तापमान में अन्तर सबसे अधिक होने की सम्भावना है ?
(A) माउंट एवरेस्ट
(B) चिल्का झील
(C) थार रेगिस्तान
(D) अंडमान व निकोबार द्वीप समूह

35. भारत में कहाँ पर कर्तन दहन प्रणाली (slash and burn) कृषि को 'कुरुवा' कहा जाता है ?
(A) हिमालय बेल्ट
(B) पश्चिमी घाट
(C) ओडिशा राज्य
(D) झारखण्ड राज्य

36. ..... पंजाब राज्य के संगीत का वोकल रूप है.
(A) टप्पा (B) भजन
(C) गज़ल (D) कव्वाली

37. ₹ 7,904 करोड़ के दान के साथ, ... को 'एडेलगिव हुरुन इंडिया परोपकार सूची 2020' द्वारा भारत में सबसे उदार परोपकारी घोषित किया गया.
(A) मुकेश अंबानी
(B) शिव नडार
(C) कुमार मंगला बिरला
(D) अजीम प्रेमजी

38. ऋग्वेद में ऋषि विश्वामित्र और देवी के रूप में पूँजी जाने वाली दो नदियों के बीच संवाद के रूप में एक भजन है. ये कौनसी नदियाँ हैं ?
(A) रावी और चिनाब
(B) अलकनंदा और भागीरथी
(C) ब्यास और सतलुज
(D) गंगा के यमुना

39. निम्नलिखित में से कौन पहले डॉ शान्ति स्वरूप भटनागर पुरस्कार विजेता थे ?
(A) सी वी रमन
(B) एम एन साहा
(C) के एस कृष्णन
(D) एस चन्द्रशेखर

40. निम्नलिखित में से किस रबी फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) के पिछले वर्ष की तुलना में 2021-22 के विपणन सत्र में ₹ 50 प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई थी ?
(A) चना (B) गेहूँ
(C) जौ (D) कुसुम

41. ..... का लक्ष्य 2024 तक हर ग्रामीण घर में नल के पानी का कनेक्शन प्रदान करना है.
(A) जल जीवन मिशन
(B) जल शक्ति अभियान
(C) अटल भूजल योजना
(D) जल क्रान्ति अभियान

42. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के दौरान, निम्नलिखित में से कौनसी घटना सबसे पहले हुई थी ?
(A) खेड़ा सत्याग्रह
(B) डांडी यात्रा
(C) बंगाल का विभाजन
(D) साइमन कमीशन का आगमन

43. गुरु हेमकुंड साहिब की छत एक उलटे ..... के आकार में है.
(A) कमल (B) गुलाब के फूल
(C) गेंदे के फूल (D) सूरजमुखी

44. ..... एक ऐसे वातावरण को सन्दर्भित करता है जिसमें ऑक्सीजन आसानी से उपलब्ध हो.
(A) अवायवीय (Anaerobic)
(B) वायवीय (Aerobic)
(C) अम्लन (Acidification)
(D) मानवोदभवी (Anthropogenic)

45. भारत के संविधान का ..... संशोधन ग्राम सभा को राज्य विधान-मंडल द्वारा सौंपे गए कार्यों और शक्तियों को निष्पादित करने के लिए पंचायत राज प्रणाली की स्थापना के रूप में परिकल्पित करता है.
(A) 74वाँ (B) 71वाँ
(C) 73वाँ (D) 72वाँ

46. ..... विकिरण बेल्ट चुम्बकीय रूप से फँसे हुए अत्यधिक ऊर्जावान आवेशित कणों की विशाल पट्टी हैं, जो पृथ्वी को घेरे रहते हैं.
(A) क्विपर (Kuiper)
(B) चिनूक (Chinook)
(C) वैन एलेन (Van Allen)
(D) ऑरोरा (Aurora)

47. बैडमिंटन खिलाड़ी ..... ने मार्च 2021 में ऑल इंगलैण्ड ओपन पुरुष एकल खिताब जीता.
(A) ली ज़ी जिया (Lee Zii Jia)
(B) मोमटा केंटो (Momota Kento)
(C) ली चोंग वेई (Lee Chong Wei)
(D) विक्टर एक्सेलसेन (Viktor Axelsen)

48. ..... बल के परास का घातांक 10^{-16m} होता है.
(A) गुरुत्वीय
(B) दुर्बल नाभिकीय
(C) प्रबल नाभिकीय
(D) विद्युत् चुम्बकीय

49. अप्रैल 2021 तक की स्थिति के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन लंदन में नेहरू सेंटर के निदेशक हैं ?
(A) अमिताभ घोष (B) अमीश त्रिपाठी
(C) विक्रम सेठ (D) चेतन भगत

50. ..... को 24 सितम्बर, 2019 को स्वच्छ भारत अभियान के लिए बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन से 'ग्लोबल गोलकीपर' पुरस्कार प्राप्त हुआ.
(A) नरेन्द्र मोदी
(B) प्रणब मुखर्जी
(C) मनमोहन सिंह
(D) रामनाथ कोविंद

संख्यात्मक अभियोग्यता

51. यदि नौ-अंक वाली संख्या $7x79251y8$, 36 से पूर्णतः विभाज्य है, तो y के अधिकतम मान के लिए, $(10x^2 - 3y^2)$ का मान ज्ञात कीजिए–
(A) 289 (B) 490
(C) 298 (D) 192

52. निम्नलिखित व्यंजक का मान ज्ञात कीजिए–

$$\frac{\tan^3 45° + 4\cos^3 60°}{2\,\text{cosec}^2 45° - 3\sec^2 30° + \sin 30°}$$

(A) $1+\sqrt{2}$ (B) $\frac{4}{3}$
(C) $\frac{3}{4}$ (D) 3

53. दिया गया बार ग्राफ 2014 से 2018 तक 5 वर्षों में किसी कम्पनी के आय और व्यय (₹ करोड़ में) को दर्शाता है. बार ग्राफ का अध्ययन कीजिए और उसके बाद दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए–

5 वर्षों में किसी कम्पनी का आय और व्यय
(₹ करोड़ में)

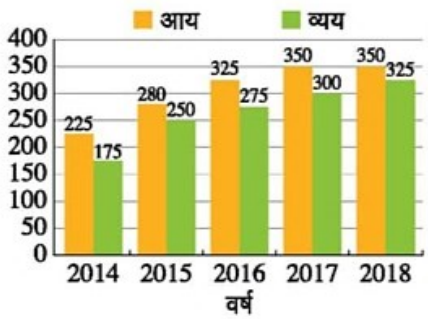

निम्नलिखित में से किस वर्ष में व्यय का आय से अनुपात न्यूनतम है ?

(A) 2018 (B) 2016
(C) 2014 (D) 2017

54. यदि $5\left(1-\frac{x}{5}\right)-(5-x)-\frac{1}{200}$ of $(20-x)=0{\cdot}08$ है, तो x का मान क्या है ?

(A) 36 (B) 24
(C) 9 (D) 18

55. 400 कर्मचारियों वाली एक फैक्ट्री में पुरुष कर्मचारियों की संख्या का महिला कर्मचारियों से अनुपात 5 : 3 है. फैक्ट्री में 87·5% नियमित कर्मचारी हैं. यदि 92% पुरुष कर्मचारी नियमित कर्मचारी हैं, तो नियमित महिला कर्मचारियों का प्रतिशत कितना है ?

(A) 85% (B) 78%
(C) 87·5% (D) 80%

56. निम्नलिखित पाई चार्ट, प्रतिदिन बेचे जाने वाले बेनिला केक और चॉकलेट केक की कुल संख्या का प्रतिशत-वार वितरण दर्शाता है. एक सप्ताह में बेचे गए केक की कुल संख्या 10,500 है. निम्नवत् पाई चार्ट का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए–

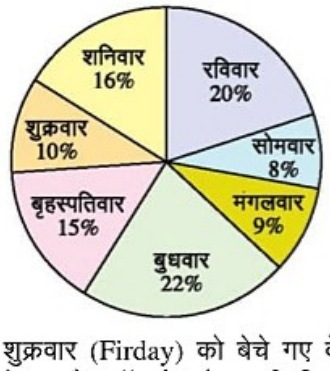

शुक्रवार (Firday) को बेचे गए वेनिला केक और चॉकलेट केक की बिक्री का अनुपात 4 : 3 है. यदि एक बेनिला केक का मूल्य ₹ 9 और एक चॉकलेट केक का मूल्य ₹ 10 है, तो शुक्रवार (Friday) को सभी वेनिला केके और चॉकलेट के को बेचकर अर्जित कुल राशि ₹ ····· है.

(A) 9,900
(B) 8,900
(C) 10,000
(D) 11,000

57. यदि $x+y+z=18$, $xyz=81$ और $xy+yz+zx=90$ है, तो $x^3+y^3+z^3+xyz$ का मान क्या है ?

(A) 1225 (B) 1250
(C) 1321 (D) 1296

58. यदि एक वर्ग के विकर्ण की लम्बाई $(a+b)$ है, तो वर्ग का क्षेत्रफल कितना होगा ?

(A) $\frac{1}{2}(a^2+b^2)+ab$
(B) a^2+b^2
(C) a^2+b^2+2ab
(D) $\frac{1}{2}(a^2+b^2)$

59. किसी राशि पर साधारण ब्याज, राशि का एक चौथाई है और प्रतिशत प्रति वर्ष ब्याज दर, वर्षों की संख्या की 4 गुनी है. यदि ब्याज की दर में 2% की वृद्धि होती है, तो ₹ 5,000 पर 3 वर्षों के लिए साधारण ब्याज (₹ में) कितना होगा ?

(A) 1,800 (B) 300
(C) 1,500 (D) 2,000

60. एक दुकानदार किसी वस्तु के अंकित मूल्य पर 28% की छूट देने के बाद भी 20% का लाभ प्राप्त करता है. यदि वह एक वस्तु को बेचने पर ₹ 3,080 का लाभ प्राप्त करता है, तो वस्तु का विक्रय मूल्य (₹ में) क्या होगा ?

(A) 18,480 (B) 18,840
(C) 10,884 (D) 14,880

61. ΔABC में, भुजा BC पर D एक ऐसा बिन्दु है कि $\angle ADC = \angle BAC$ है. यदि CA = 12 सेमी, CD = 8 सेमी, तो CB (सेमी में) का माप बताइए–

(A) 18 (B) 15
(C) 10 (D) 12

62. एक वृत्त की जीवाएं AB और CD आगे बढ़ाए जाने पर बिन्दु P पर मिलती हैं. यदि AB= 6·3 सेमी, BP = 4·5 सेमी और CD = 3·6 सेमी है, तो PD की लम्बाई (सेमी में) कितनी है ?

(A) 5·4 सेमी (B) 3·5 सेमी
(C) 4·8 सेमी (D) 3·1 सेमी

63. एक चाय बेचने वाला ₹ 9 प्रति कप चाय बेचकर 50% लाभ कमाता था. जब सामग्री की कीमत में 25% की वृद्धि हुई, तो उसने ₹ 10 प्रति कप मूल्य पर चाय बेचना शुरू कर दिया. अब उसका प्रतिशत लाभ क्या है ?

(A) 25 (B) $33\frac{1}{3}$
(C) 30 (D) $33\frac{2}{3}$

64. कोई ट्रेन एकसमान चाल से 225 किमी की दूरी $2\frac{1}{2}$ घण्टों में तय करती है. ट्रेन को उसी चाल से 450 किमी की दूरी तय करने में कितना समय (घण्टों में) लगेगा ?

(A) 4 (B) 6
(C) 3 (D) 5

65. 20 सेमी व्यास वाले वृत्त में, जीवा AB और CD एक-दूसरे के समानान्तर हैं. BC, व्यास है. यदि AB वृत्त के केन्द्र से 6 सेमी की दूरी पर है, तो जीवा CD की लम्बाई (सेमी में) ज्ञात कीजिए ?

(A) 12 (B) 8
(C) 20 (D) 16

66. 32 सेमी व्यास वाला एक बेलनाकार बर्तन आंशिक रूप से पानी से भरा है. 12 सेमी त्रिज्या वाला एक ठोस धातु का गोला इसमें गिराया जाता है. बर्तन में पानी का स्तर (सेमी में) कितना ऊपर उठेगा ?

(A) 2·25 (B) 27
(C) 72 (D) 9

67. 13, a, b, c चार अलग-अलग संख्याएं हैं और संख्याओं के प्रत्येक जोड़े (13, a); (13, b); (13, c) का म.स. 13 है, जहाँ a, b, c प्रत्येक 60 से कम है और $a<b<c$ है. $\frac{a+c}{b}$ का मान क्या है ?

(A) 2 (B) 3·5
(C) 5 (D) 4·5

68. 120 मीटर की ऊँचाई पर उड़ने वाली एक पतंग एक डोरी से जुड़ी है, जो क्षैतिज से 60° का कोण बनाती है. डोरी की लम्बाई (मीटर में) कितनी है ?

(A) $90\sqrt{3}$ (B) $75\sqrt{3}$
(C) $84\sqrt{3}$ (D) $80\sqrt{3}$

69. दिए गए पाई चार्ट परिवार A और परिवार B के विभिन्न मदों पर किए जाने वाले मासिक घरेलू खर्च को दर्शाते हैं. परिवार A और परिवार B का मासिक खर्च क्रमशः ₹ 50,000 और ₹ 75,000 है. चार्ट का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

परिवार A के विभिन्न मदों पर किया जाने वाला मासिक घरेलू खर्च ₹ 50,000

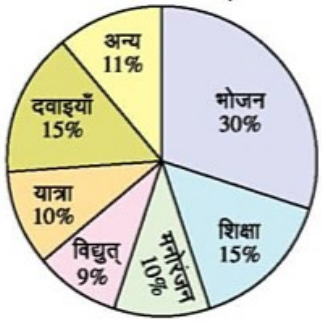

परिवार B के विभिन्न मदों पर किया जाने वाला मासिक घरेलू खर्च ₹ 75,000

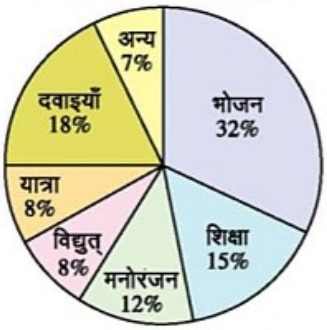

यदि दोनों परिवारों के मासिक व्यय को एक साथ जोड़ दिया जाए, तो दोनों परिवारों के मनोरंजन (Entertainment) पर होने वाला व्यय, दोनों परिवारों के कुल मासिक व्यय का कितना प्रतिशत होगा ? अपना उत्तर निकटतम पूर्णांक में दीजिए–

(A) 10% (B) 11%
(C) 23% (D) 22%

). यदि 4 आदमी और 6 लड़के किसी काम को 8 दिनों में कर सकते हैं और 6 आदमी और 4 लड़के उसी काम को 7 दिनों में कर सकते हैं, तो 5 आदमी और 4 लड़के उसी काम को कितने दिन में करेंगे ?

(A) 5 (B) 6
(C) 8 (D) 7

1. एक त्रिभुज ABC में D और E, BC पर ऐसे बिन्दु हैं कि AD = AE और $\angle BAD = \angle CAE$ है. यदि AB = $(2p + 3)$, BD = $2p$, AC = $(3q - 1)$ और CE = q है, तो $(p + q)$ का मान ज्ञात कीजिए–

(A) 3 (B) 4·5
(C) 2 (D) 3·6

2. A, B और C एक व्यवसाय शुरू करते हैं. A कुल पूँजी का $33\frac{1}{3}$ %, B शेष पूँजी का 25% और C शेष पूँजी का निवेश करता है. यदि वर्ष के अन्त में कुल लाभ ₹ 2,19,000 है, तो A का हिस्सा (₹ में) ज्ञात कीजिए–

(A) 79,000 (B) 65,000
(C) 71,000 (D) 73,000

3. यदि $5 \sin \theta - 4 \cos \theta = 0$, $0° < \theta < 90°$ है, तो $\frac{5 \sin \theta + 2 \cos \theta}{5 \sin \theta + 3 \cos \theta}$ का मान बताइए–

(A) $\frac{3}{7}$ (B) $\frac{6}{7}$
(C) $\frac{2}{7}$ (D) $\frac{4}{7}$

74. निम्नांकित हिस्टोग्राम 30 अंकों की एक परीक्षा में 40 छात्रों द्वारा प्राप्त किए गए अंकों को दर्शाता है. किसी छात्र को परीक्षा पास करने के लिए कम-से-कम 10 अंक प्राप्त करने होंगे.
कितने छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है और 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं ?
30 अंकों की परीक्षा में प्राप्त अंक

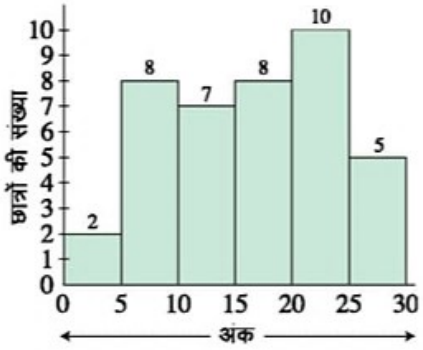

(A) 15 (B) 17
(C) 7 (D) 10

75. पाँच संख्याओं का औसत 30 है. यदि उनमें से एक संख्या निकाल दी जाए, तो औसत 31 हो जाता है. निकाली गई संख्या ज्ञात कीजिए–

(A) 24 (B) 31
(C) 30 (D) 26

English Comprehension

76. Select the most appropriate meaning of the given idiom.
Stone's throw
(A) Hurt slightly
(B) Large hurdle
(C) Short distance
(D) Difficult problem

77. The following sentence has been divided into parts. One of them contains an error. Select the part that contains the error from the given options.
This question / is quite too / simple for me / to answer.
(A) simple for me
(B) is quite too
(C) The question
(D) to answer

78. Select the option that expresses the given sentence indirect speech.
Manan said that he had no work to do that day.
(A) Manan says, "I had no work to do that day."
(B) Manan said, "I have no work to do that day."
(C) Manan said, "I have no work to do today."
(D) Manan said, "Have I no work to do today ?"

79. Select the most appropriate ANTONYM of the given word.
Ascent
(A) Present (B) Resent
(C) Descent (D) Patent

80. Select the option that can be used as a one-word substitute for the given group of words.
Study of insects
(A) Entomology (B) Biology
(C) Geology (D) Ecology

81. Select the most appropriate synonym of the given word.
Solemn
(A) Dignified (B) Frivolous
(C) Excited (D) Trivial

82. Select the most appropriate option to substitute the Bold segment in the given sentence. If there is no need to substitute it, select 'No substitution required'.
The old lady needed love and care **beyond** money.
(A) beside
(B) besides
(C) No substitution required
(D) beneath

83. Select the option that expresses the given sentence in passive voice.
The Smiths have put up a huge Christmas tree.
(A) A huge Christmas tree is being put up by the Smiths
(B) A huge Christmas tree was put up by the Smiths
(C) A huge Christmas tree is put up by the Smiths
(D) A huge Christmas tree has been put up by the Smiths

84. Select the correct passive voice of the given sentence.
Preeti invited Ritu for a party.
(A) Preeti has been invited for a party by Ritu
(B) Preeti was invited for a party by Ritu
(C) Ritu was invited for a party by Preeti
(D) Ritu is invited for a party by Preeti

85. Select the most appropriate ANTONYM of the given word.
CLENCH
(A) Relax (B) Clasp
(C) Tighten (D) Hold

86. The following sentence has been split into four segments. Identify the segment that contains a grammatical error.
Your eldest sister / lives in / a big city, / does she ?
(A) a big city
(B) lives in
(C) does she
(D) You eldest sister

87. The following sentence has been divided into parts. One of them may contain an error. Select the part that contains the error from the given options. If you don't find any error, mark 'No error' as you answer.
There is a very little time / for them to prepare / for the show.
(A) for them to prepare
(B) for the show
(C) There is a very little time
(D) No error

88. Select the most appropriate option that can subsitute the bold segment in the given sentence. If there is no need to substitute it, select 'No substitution required'.
I imagine you have learnt a valuable lesson from this experience, **didn't you ?**
(A) have you ?
(B) No substitution required
(C) did you ?
(D) haven't you ?

89. Given below are four sentences which are jumbled. Pick the option that gives their correct order.
1. It is a Park quite different from any other we have seen.
2. One difference is that it is made from nearly 250 tons of scrap.
3. Another difference is that it is powered by wind and solar energy.
4. A new Park called Bharat Darshan Park has been thrown open to the public in New Delhi.
(A) 2, 1, 3, 4 (B) 1, 3, 4, 2
(C) 4, 2, 3, 1 (D) 4, 1, 2, 3

90. Select the most appropriate option to fill in the blank.
Harish's voice ..... in the empty rooms of their new house.
(A) reverted (B) resounded
(C) relapsed (D) resorted

91. Select the the INCORRECTLY spelt word.
(A) Asile (B) Attar
(C) Attick (D) Adorn

92. Select the option that can be used as a one-word substitute for the given group of words.
Drawings or writing scribbled on walls in public places
(A) Graffiti (B) Posters
(C) Hoardings (D) Sketches

93. Select the most appropriate meaning of the given idiom.
Dark horse
(A) A mean person
(B) A slow runner
(C) An unexpected winner
(D) An honest fellow

94. Select the most appropriate synonym of the given word.
Lacuna
(A) Apathy (B) Misfortune
(C) Languor (D) Hiatus

95. The following sentence has been split into four segments. Identify the segment that contains a grammatical error.
If he wants / farther information, / send him / to me.
(A) to me
(B) send him
(C) If he wants
(D) farther information

Directions—(Q. 96 to 100) In the following passage, some words have been deleted. Read the passage carefully and select the most appropriate option to fill in each blank.

If you thought that yoga was all about bending and twisting your body in odd shapes, it's time to rethink. Yoga is ...(1)... more. In very simple words, giving care ...(2)... your body, mind and breath is yoga. Derived ...(3)... the Sankrit word 'yuj' which means 'to unite or integrate', yoga is ...(4)... 5,000-year-odd Indian body of knowledge. Yoga is all about harmonising the body ...(5)... the mind and breath through means of various breathing exercises, yoga poses (asaanas) and meditation.

96. Select the most appropriate option to fill in blank no. 1.
(A) much (B) few
(C) many (D) all

97. Select the most appropriate option to fill in blank no. 2.
(A) for (B) to
(C) on (D) at

98. Select the most appropriate option to fill in blank no. 3.
(A) from (B) out
(C) by (D) of

99. Select the most appropriate option to fill in blank no. 4.
(A) the (B) one
(C) a (D) an

100. Select the most appropriate option to fill in blank no. 5.
(A) across (B) with
(C) on (D) at

उत्तर व्याख्या सहित

1. (D) B U M D ⇒ B C D
W P H Y ⇒ W X Y
M F X O ⇒ M N O
G Z S H ⇒ G H I

2. (C)
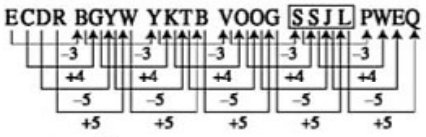

3. (B)

4. (B)

5. (B) जिस प्रकार, $(27-3)^2 = (24)^2$
$= 576$
उसी प्रकार, $(19-3)^2 = (16)^2$
$= 256$

6. (A) Magical, Magnet, Magnetic, Magnify, Majesty
⇒ 4, 3, 1,2, 5
7. (C)
8. (A) जिस प्रकार,
$(15)^2 - (12)^2 = 225 - 144$
$= 81$
तथा, $(18)^2 - (15)^2 = 324 - 225$
$= 99$
उसी प्रकार,
$(17)^2 - (13)^2 = 289 - 169$
$= 120$
9. (A)
10. (D) संख्या '3' वाले फलक के विपरीत वाले फलक पर संख्या '1' होगी.

11. (D)

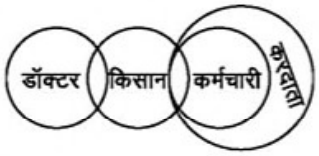

∴ केवल निष्कर्ष II अनुसरण करता है.
12. (A) जिस प्रकार,

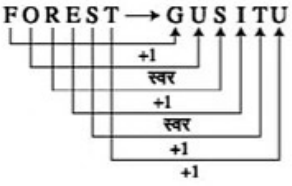

तथा,

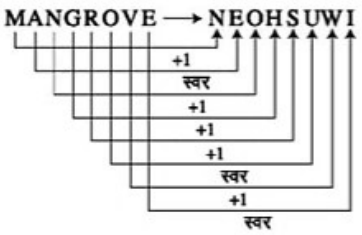

उसी प्रकार,

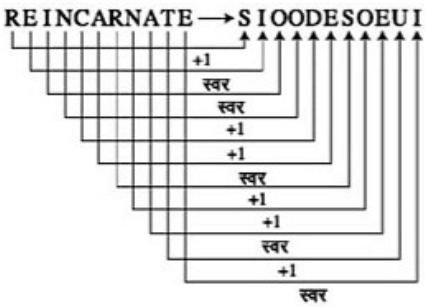

13. (B) $72 \times 18 \div 9 + 19 - 39 = 16$
विकल्प (B) के अनुसार चिह्नों को आपस में बदलने पर,
$\Rightarrow 72 \div 18 \times 9 + 19 - 39 = 16$
$\Rightarrow 4 \times 9 + 19 - 39 = 16$
$\Rightarrow 36 + 19 - 39 = 16$
$\Rightarrow 36 - 20 = 16$
$\Rightarrow 16 = 16$
14. (C)

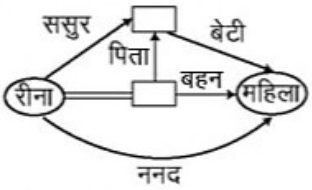

15. (D) जिस प्रकार,
$P \rightarrow 16 \times 2 = 32$
$O \rightarrow 15 \times 2 = 30$
$T \rightarrow 20 \times 2 = 40$
$A \rightarrow 1 \times 2 = 2$
$T \rightarrow 20 \times 2 = 40$
$O \rightarrow 15 \times 2 = 30$
तथा $T \rightarrow 20 \times 2 = 40$
$U \rightarrow 21 \times 2 = 42$
$R \rightarrow 18 \times 2 = 36$
$N \rightarrow 14 \times 2 = 28$
$I \rightarrow 9 \times 2 = 18$
$P \rightarrow 16 \times 2 = 32$
उसी प्रकार,
$R \rightarrow 18 \times 2 = 36$
$A \rightarrow 1 \times 2 = 2$
$D \rightarrow 4 \times 2 = 8$
$I \rightarrow 9 \times 2 = 18$
$S \rightarrow 19 \times 2 = 38$
$H \rightarrow 8 \times 2 = 16$
16. (B) जिस प्रकार,

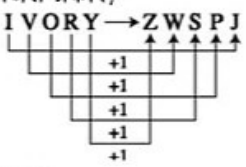

उसी प्रकार,

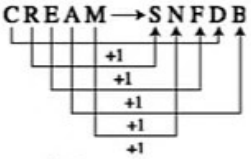

17. (D) 24 48 52 312 320
×2 +4 ×6 +8
18. (A)
19. (D) This is Fact → cuz duz ruz
Fact is Fictional → huz ruz cuz
doubt is clear → cuz kuz buz
तब
This is Fictional → duz guz cuz
20. (D)
21. (B) 74, 74, 72, 24, 20, 4 (सम संख्याएं)
22. (D)
23. (D) E J N Q S T
+5 +4 +3 +2 +1
24. (C) $28 + 14 \times 7 \div 5 - 18 = 20$
विकल्प (C) के अनुसार चिह्नो को आपस में बदलने पर,
$\Rightarrow 28 + 14 \div 7 \times 5 - 18 = 20$
$\Rightarrow 28 + 2 \times 5 - 18 = 20$
$\Rightarrow 28 + 10 - 18 = 20$
$\Rightarrow 38 - 18 = 20$
$\Rightarrow 20 = 20$
25. (A)

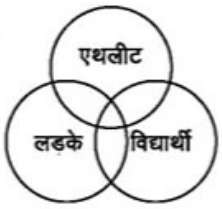

26. (B) मेडागास्कर या 'मेडागास्कर गणराज्य' (पुराना नाम–मालागासी गणराज्य फ्रांसीसी : Republique malgache) **'हिन्द महासागर (भारतीय)'** में अफ्रीका के पूर्वी तट पर स्थित एक द्वीपीय देश है. मुख्य द्वीप जिसे मेडागास्कर कहा जाता है, विश्व का चौथा सबसे बड़ा द्वीप है.
27. (B) **सातवें संशोधन** द्वारा पारित किया गया था–
* 25 मार्च, 1953 को, भारत के तत्कालीन प्रधानमन्त्री जवाहरलाल नेहरू ने भारत के पहले भाषायी राज्य आन्ध्र प्रदेश के निर्माण की घोषणा की थी.
* तीन वर्ष बाद संसद ने संविधान (सातवाँ संशोधन) अधिनियम, 1956 पारित किया. इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य भाषा के आधार पर भारतीय राज्यों के पुनर्गठन को संवैधानिक रूप से सांकेतिक शब्दों में बदलना था.
* संशोधन ने विभिन्न राज्यों की नई सीमाओं को निर्धारित करने के लिए **पहली अनुसूची** सहित संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों को संशोधित किया.

28. (A) **'मनीष नरवाल'** ने मार्च 2021 में अल ऐन 2021 पैरा शूटिंग विश्व कप में P4 स्वर्ण जीता था.
* मनीष नरवाल हरियाणा राज्य के बल्लभगढ़, सोनीपत से है.
* इन्होंने 2021 पैराशूटिंग वर्ल्ड कप में P4 मिक्स 50 m पिस्टल Sh1 इवेंट के अन्दर गोल्ड मेडल हासिल करके विश्व रिकॉर्ड बनाया.

29. (A) वित्त मन्त्री निर्मला सीतारमण ने गत एक फरवरी को बजट पेश करते समय अनुमान जताया था कि वर्ष 2021-22 में राजकोषीय घाटा ₹ 15,91,089 करोड़ यानि सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का 6·8% रहने का अनुमान जताया था.
* हालाँकि, इसमें संशोधन करते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए 6·9 प्रतिशत का टारगेट तय किया गया.
* सरकार ने कोविड-19 की वजह से राजकोषीय घाटे का लक्ष्य इतना अधिक रखा था.

30. (B) मिट्टी की अम्लीय प्रकृति **'हाइड्रोजन'** की उच्च सान्द्रता द्वारा दर्शायी जाती है.
* मिट्टी की अम्लीयता एक प्राकृतिक गुण है, जो फसलों के पैदावार पर महत्वपूर्ण असर डालता है.
* अधिक वर्षा के कारण भूमि की ऊपरी सतह से क्षारीय तत्व जैसे–कैल्सियम, मैग्नीशियम आदि पानी में वह जाते हैं जिसके कारण मृदा का Ph मान 6·5 से

कम हो जाता है, ऐसी भूमि को अन्तीय मृदा कहते हैं.

31. (D) आर्थिक सर्वेक्षण 2020-21 के अनुसार वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत की वास्तविक जीडीपी (GDP) 4·11% तक बढ़ने का अनुमान लगाया गया था.

32. (B) दंतिदुर्ग एक **'राष्ट्रकूट'** शासक था, जिसने मानखेड में अपनी राजधानी की स्थापना की थी.
    * दंतिदुर्ग ने 736 ई. में राष्ट्रकूट वंश की स्थापना की थी.
    * चालुक्य शासक विक्रमादित्य ने दंतिदुर्ग को **पृथ्वी बल्लभ** या खड़वालोक की उपाधि दी थी.

33. (B) 'घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम' वर्ष 2005 में पारित किया गया था.
    * यह भारत की संसद द्वारा पारित एक अधिनियम है, जिसका उद्देश्य घरेलू हिंसा से महिलाओं को बचाना है और पीड़ित महिलाओं को कानूनी सहायता उपलब्ध कराना है.
    * यह 26 अक्टूबर, 2006 को लागू हुई थी.

34. (C) दिए गए विकल्पों में 'थार रेगिस्तान' पर रात और दिन के तापमान में अन्तर सबसे अधिक होने की सम्भावना है.
    * रेत ऊष्मा की अच्छी अवशोषक है, जो दिन में सूर्य की ऊष्मा को अवशोषित करके गर्म हो जाती है तथा रात में अधिक ऊष्मा विकिरण द्वारा ठंडी हो जाती है. जिस कारण रेगिस्तान दिन में गर्म और रात में ठंडा रहता है.
    * 'थार रेगिस्तान' भारत का सबसे बड़ा रेगिस्तान है, जोकि भारत के राजस्थान राज्य में स्थित है.
    * इसे 'The Great Indian Desert' के नाम से भी जाना जाता है.

35. (D) भारत के **'झारखण्ड'** राज्य में 'कर्तन दहन प्रणाली (Slash and bwin) कृषि को 'कुरुवा' कहा जाता है.
    * 'कर्तन दहन प्रणाली' के अन्तर्गत किसान जमीन के टुकड़े को साफ करके अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए अनाज व अन्य खाद्य फसलें उगाते हैं. जब मृदा की उर्वरता कम हो जाती है, तो किसान उस भूमि के टुकड़े से स्थानान्तरित हो जाते हैं और कृषि के लिए भूमि का दूसरा टुकड़ा साफ करते हैं.
    * उत्तर पूर्वी राज्यों असम, मेघालय, मिजोरम और नगालैण्ड में इसे 'झूम' कहा जाता है.
    * मणिपुर में 'पामलू' और छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले और अंडमान निकोबार द्वीप समूह में 'दीपा' कहा जाता है.
    * भारत में यह प्रारम्भिक किस्म की खेती अनेक नामों से जानी जाती है, जैसे– मध्य प्रदेश में 'बेबर' या 'दहिया' आन्ध्र प्रदेश में 'पोडु' अथवा 'पेंडा' पश्चिमी घाट में 'कुमारी' हिमालय क्षेत्र में 'खिल', झारखण्ड में 'कुरुवा' और उत्तर पूर्वी प्रदेशों में 'झूम' आदि.

36. (A) 'टप्पा' पंजाब राज्य के संगीत का वोकल रूप है.
    * टप्पा भारत की प्रमुख पारम्परिक संगीत शैलियों में से एक है.
    * टप्पा की उत्पत्ति पंजाब में ऊँट सवारों के लोक गीतों से हुई है.

37. (D) ₹ 7,904 करोड़ के दान के साथ, 'अजीम प्रेमजी' को 'एडेलगिव हुरुन इंडिया परोपकार सूची 2020' द्वारा भारत में सबसे उदार परोपकारी घोषित किया गया था.
    * 'अजीम प्रेमजी' विप्रो के संस्थापक हैं. विप्रो लिमिटेड, भारत की तीसरी सबसे बड़ी आईटी कम्पनी है, जिसका मुख्यालय बेंगलूरू में है.

38. (C) 'व्यास और सतलुज' नदियों के बीच संवाद के रूप में एक भजन है.
    * यह संवाद ऋग्वेद के तीसरे मंडल का 33वाँ सूक्त है.

39. (C) 'डॉ के एस कृष्णन' पहले शान्ति स्वरूप भटनागर पुरस्कार विजेता थे.
    * जोकि इन्हें भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में दिया गया था.
    * शान्तिस्वरूप भटनागर पुरस्कार प्रत्येक वर्ष दिया जाता है. यह पुरस्कार प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक शान्तिस्वरूप भटनागर की स्मृति में 1957 से दिया जाता है.
    * यह पुरस्कार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं असाधारण प्रतिभा के धनियों को सामने लाने के लिए दिया जाता है.

40. (B) रबी की फसल 'गेहूँ' के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में पिछले वर्ष की तुलना में 2021-22 के विपणन सत्र में ₹ 50 प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई थी.
    * वर्तमान गेहूँ के लिए MSP 2021-22 की तुलना में 2022-23 में ₹ 40 प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है.

41. (A) 'जल जीवन मिशन' का लक्ष्य 2024 तक हर ग्रामीण घर में नल के पानी का कनेक्शन प्रदान करना है.
    * वर्ष 2019 में लॉन्च किया गया यह मिशन वर्ष 2024 तक 'कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन' के माध्यम से प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रतिदिन 55 लिटर पानी की आपूर्ति की परिकल्पना करता है.
    * यह मिशन 'जल शक्ति मन्त्रालय' के अन्तर्गत आता है.

42. (C) भारतीय राष्ट्रीय के दौरान, दिए गए विकल्पों में 'बंगाल का विभाजन' सबसे पहले हुई थी.
    * बंगाल का विभाजन–1905
    * खेड़ा सत्याग्रह–1918
    * साइमन कमीशन का आगमन–1928
    * डांडी यात्रा–1930

43. (A) गुरु हेमकुंड साहिब की छत एक उलटे 'कमल' के आकार में है.
    * हेमकुंड साहिब चमोली जिला उत्तराखंड, भारत में स्थित सिखों का एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थान है.
    * श्री हेमकुंड साहिब यानि सिखों के 10वें (आखिरी) गुरु श्री गुरु गोबिन्द सिंह की तपस्थली है.
    * इसे सिख तीर्थों की सबसे कठिन यात्रा कहा जाता है, जोकि 15 हजार 200 फीट ऊँचे ग्लेशियर पर स्थित है.

44. (B) 'वायवीय' एक ऐसे वातावरण को सन्दर्भित करता है जिसमें ऑक्सीजन आसानी से उपलब्ध होता है.

45. (C) भारत के संविधान का **'73वाँ'** संशोधन ग्राम सभा को राज्य विधानमण्डल द्वारा सौंपे गए कार्यों और शक्तियों को निष्पादित करने के लिए पंचायत राज प्रणाली की स्थापना के रूप में परिकल्पित करता है.
    * यह अधिनियम 1992 में पारित किया गया और यह भारत में पंचायती राज व्यवस्था लागू करने के दिशा में एक बड़ा कदम था, जोकि 24 अप्रैल, 1993 से लागू हुआ.

46. (C) 'वेन एलेन' विकिरण बेल्ट चुम्बकीय रूप से फँसे हुए अत्यधिक ऊर्जावान आवेशित कणों की विशाल पट्टी है.
    * किसी भी ग्रह के चुम्बकीय क्षेत्र के कारण ग्रह के चारों तरफ आवेशित एवं ऊर्जावान कणों की एक 'रेडिऐशन बेल्ट' पाई जाती है 'वॉन एलन रेडिएशन' पृथ्वी के चारों ओर विकिरण बेल्ट को संदर्भित करता है.
    * इन बेल्टों की खोज वर्ष 1958 में डॉ. जेम्स वॉन एलन तथा उनकी टीम द्वारा की गई थी.

47. (A) बैडमिंटन खिलाड़ी **'ली जी जिया'** ने मार्च 2021 में ऑल इंगलैण्ड ओपन पुरुष एकल खिताब जीता.
    * ली ज़ी जिया मलेशियाई बैडमिंटन खिलाड़ी है. 2019 के पूर्व एशियाई खेलों में पुरुष एकल स्वर्ण पदक विजेता भी हैं.

48. (B) 'दुर्बल नाभिकीय' बल के परास का घातांक 10^{-16m} होता है.
    * यह प्रकृति की चार मूल बलों– (गुरुत्वाकर्षण बल, विद्युत-चुम्बकीय बल, नाभिकीय बल तथा दुर्बल बल) में एक है.
    * यह किन्ही दो मूल कणों (न्यूट्रॉन या प्रोटॉन) के बीच कार्य करता है. इन बलों के कारण एक न्यूट्रॉन, एक इलेक्ट्रॉन और एक कण (एंटीन्यूट्रिनो), उत्सर्जित करके प्रोटॉन में बदल सकता है.
    * दुर्बल बल की परास (16^{-16m}) बहुत कम होती है.

49. (B) अप्रैल 2021 तक की स्थिति के अनुसार, 'अमीश त्रिपाठी' लंदन में नेहरु सेंटर के निदेशक हैं.

50. (A) 'नरेन्द्र मोदी' को 24 सितम्बर, 2019 को स्वच्छ भारत अभियान के लिए बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन से 'ग्लोबल गोलकीपर' पुरस्कार प्राप्त हुआ.
* स्वच्छ भारत अभियान 2 अक्टूबर, 2014 को आरम्भ किया गया था.
* इस पुरस्कार का उद्देश्य सतत् विकास लक्ष्य (SDG) को प्राप्त करने की दिशा में तेजी लाने के लिए दुनिया भर के नेताओं को एक साथ लाना है.

51. (C) $\because \quad 36 = 4 \times 9$

y के अधिकतम मान के लिए

$$\frac{y8}{4} = \frac{88}{4}$$

तब, $y = 8$

तथा $7x7925188$ में

$$2 + x = 9$$
$$x = 7$$
$$\therefore \quad (10x^2 - 3y^2) = [10 \times 49 - 3 \times 64)$$
$$= [490 - 192]$$
$$= 298$$

52. (D) $$\frac{\tan^3 45° + 4\cos^3 60°}{2\,\text{cosec}^2 45° - 3\sec^2 30° + \sin 30°}$$

$$= \frac{(1)^3 + 4\left(\frac{1}{2}\right)^3}{2\left(\sqrt{2}\right)^2 - 3\left(\frac{2}{\sqrt{3}}\right)^2 + \frac{1}{2}}$$

$$= \frac{1 + \frac{1}{2}}{4 - 4 + \frac{1}{2}}$$

$$= \frac{3}{2} \times 2 = 3$$

53. (C) वर्ष 2014 में $= \frac{175}{225}$

$$= \frac{7}{9} = 0{\cdot}78$$

वर्ष 2016 में $= \frac{275}{325}$

$$= \frac{11}{13} = 0{\cdot}8$$

वर्ष 2017 में $= \frac{300}{350}$

$$= \frac{12}{14} = 0{\cdot}8$$

वर्ष 2018 में $= \frac{325}{350}$

$$= \frac{13}{14} = 0{\cdot}9$$

54. (A) यदि $5\left(1 - \frac{x}{5}\right) - (5 - x) - \frac{1}{200}$ का $(20 - x)$ $= 0{\cdot}08$

$$\Rightarrow (5 - x) - (5 - x) - \frac{1}{200} \times (20 - x)$$
$$= 0{\cdot}08$$
$$\Rightarrow \quad -(20 - x) = 16$$
$$\Rightarrow \quad x = 16 + 20$$
$$= 36$$

55. (D) $\because$ पुरुष कर्मचारी $= 400 \times \frac{5}{8}$

$$= 250$$

तब, महिला कर्मचारी $= 150$

नियमित कर्मचारी $= 400 \times \frac{87{\cdot}5}{100}$

$$= 350$$

नियमित पुरुष कर्मचारी $= 250 \times \frac{92}{100}$

$$= 230$$

तब नियमित महिला कर्मचारी

$$= 350 - 230$$
$$= 120$$

$\therefore$ अभीष्ट प्रतिशत $= \frac{120}{150} \times 100$

$$= 80\%$$

56. (A) शुक्रवार को बेचे गए कुल केक

$$= 10{,}500 \times \frac{10}{100}$$
$$= 1050$$

$\therefore$ वेनिला केक $= 150 \times 4 = 600$

चॉकलेट केक $= 150 \times 3 = 450$

शुक्रवार को कुल अर्जित राशि

$$= 600 \times 9 + 450 \times 10$$
$$= 5400 + 4500$$
$$= ₹\,9{,}900$$

57. (D) $x^3 + y^3 + z^3 + xyz$

$$= 4xyz + (x + y + z)\,[(x + y + z)^2 - 3(xy + yz + zx)]$$
$$= 4(81) + 18[(18)^2 - 3(90)]$$
$$= 324 + 18[324 - 270]$$
$$= 324 + 18 \times 54$$
$$= 324 + 972 = 1296$$

58. (A) $\because$ वर्ग का विकर्ण $= (a + b)$

तब वर्ग का क्षेत्रफल $= \frac{d^2}{2}$

$$= \frac{1}{2}(a^2 + b^2 + 2ab)$$
$$= \frac{1}{2}(a^2 + b^2) + ab$$

59. (A) $\because$ S.I. $= p/4$

तथा $r = 4t$

तब S.I. $= \frac{p \times 4t \times t}{100}$

$$\frac{p}{4} = \frac{p \times 4t^2}{100}$$
$$16t^2 = 100$$
$$t = \frac{10}{4},$$
$$r = 10\%$$

$\therefore$ अभीष्ट साधारण ब्याज

$$= \frac{5000 \times 12 \times 3}{100}$$
$$= 1{,}800$$

60. (A) वस्तु का क्रय मूल्य $= 3080 \times \frac{100}{20}$

$$= ₹\,15400$$

$\therefore$ वस्तु का विक्रय मूल्य $= 15400 \times \frac{120}{100}$

$$= ₹\,18480$$

61. (A) CA = 12 सेमी

CD = 8 सेमी

$\because \quad \angle ADC = \angle BAC$

और $\quad \angle ACD = \angle ACB$

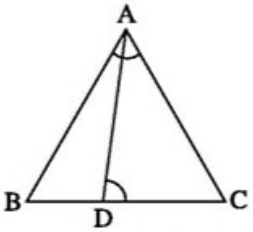

$\therefore \quad \Delta CAB \sim \Delta CDA$

$\therefore \quad \frac{CA}{CB} = \frac{CD}{CA}$

$$\frac{12}{CB} = \frac{8}{12}$$
$$CB = \frac{12 \times 12}{8}$$
$$= 18 \text{ सेमी}$$

62. (A) $\because \quad AP \times BP = CP \times DP$

$$10{\cdot}8 \times 4{\cdot}5 = x \times (x + 3{\cdot}6)$$
$$\Rightarrow 5{\cdot}4 \times (5{\cdot}4 + 3{\cdot}6) = x \times (x + 3{\cdot}6)$$

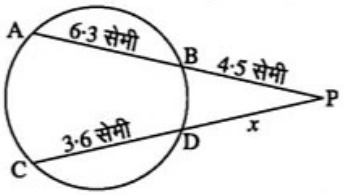

$\therefore \quad x = 5{\cdot}4$ सेमी

63. (B) चाय का लागत मूल्य $= 9 \times \frac{100}{150}$

$$= ₹\,6$$

चाय का नया लागत मूल्य $= 6 \times \frac{125}{100}$

$$= ₹\,7{\cdot}5$$

नया लाभ $= 10 - 7{\cdot}5$

$$= ₹\,2{\cdot}5$$

$\therefore$ लाभ प्रतिशत $= \frac{2{\cdot}5}{7{\cdot}5} \times 100$

$$= \frac{100}{3}$$
$$= 33\frac{1}{3}$$

64. (D) 450 किमी की दूरी तय करने में लगा समय $= 2\frac{1}{2} \times \frac{450}{225}$

$$= \frac{5}{2} \times 2$$
$$= 5 \text{ घण्टे}$$

65. (D) जीवा CD की लम्बाई = 2×8

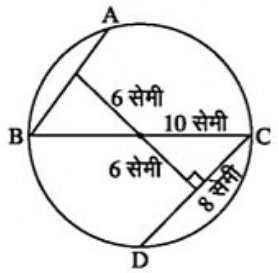

$= 16$ सेमी

66. (D) $\because \frac{4}{3}\pi \times 12 \times 12 \times 12$

$= \pi \times 16 \times 16 \times h$

$h = \frac{144}{16} = 9$ सेमी

67. (A) माना $a = 26$

$b = 39$

$c = 52$

तब, $\frac{a+c}{b} = \frac{26+52}{39} = \frac{78}{39}$

$= 2$

68. (D) $\because \sin 60° = \frac{BC}{AC}$

$\frac{\sqrt{3}}{2} = \frac{120}{x}$

$\Rightarrow x = 80\sqrt{3}$ मीटर

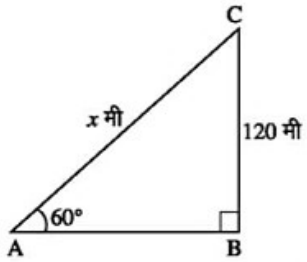

∴ डोरी की लम्बाई = $80\sqrt{3}$ मीटर

69. (B) $\because$ दोनों परिवार के मनोरंजन पर होने वाला व्यय $= 5000 + 9000$

$= ₹\ 14,000$

∴ अभीष्ट प्रतिशत $= \frac{14,000}{1,25,000} \times 100$

$= \frac{14}{5} \times 4 = 11\%$

70. (C) $\because (4M + 6B)8 = (6M + 4B)7$

$\Rightarrow 32M + 48B = 42M + 28B$

$\Rightarrow 10M = 20B$

$\Rightarrow M = 2B$

$\downarrow \quad \downarrow$

$(2) \quad (1)$

तब कुल काम $= (4 \times 2 + 6 \times 1) \times 8$

$= 14 \times 8 = 112$

∴ 5 आदमी और 4 लड़के उसी काम को करेंगे $= \frac{112}{14} = 8$ दिन

71. (A) $\because AD = AE$

तब $\angle ADE = \angle AED$

तथा $\angle ADB = \angle AEC$

∴ $\angle B = \angle C$

$\Rightarrow (3p + 3) = (3q - 1)$ ...(i)

तथा $2p = q$ ...(ii)

$q + 3 = 3q - 1$

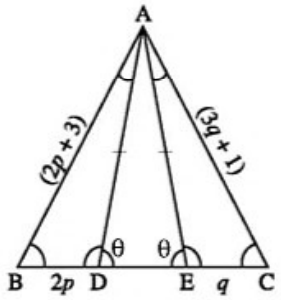

$\Rightarrow 2q = 4$

$q = 2 \quad p = 1$

∴ $(p + q) = 1 + 2 = 3$

72. (D) A का हिस्सा $= 219000 \times \frac{33\frac{1}{3}}{100}$

$= \frac{2,19,000}{3}$

$= ₹\ 73,000$

73. (B) यदि $5 \sin \theta - 4 \cos \theta = 0$

तब, $5 \sin \theta = 4 \cos \theta$

$\Rightarrow \tan \theta = \frac{4}{5}$

$\sin \theta = \frac{4}{\sqrt{41}}$

तब $\cos \theta = \frac{5}{\sqrt{41}}$

$\therefore \frac{5 \sin \theta + 2 \cos \theta}{5 \sin \theta + 3 \cos \theta} = \frac{5 \times 4 + 2 \times 5}{5 \times 4 + 3 \times 5}$

$= \frac{30}{35} = \frac{6}{7}$

74. (C) $\because$ अभीष्ट अंक = 10 से 15 तक

∴ अभीष्ट छात्र = 7

75. (D) निकाली गई संख्या

$= 30 - 4(31 - 30)$

$= 30 - 4 = 26$

76. (C) 77. (B)

78. (C) Direct speech also known as quotation marks or inverted commas.

79. (C) Ascent Antonym down.

80. (A) Entomology mean it is the study of insects and their relationship to humans the environment and other organisms.

81. (A) Dignified mean behaving in a calm.

82. (B) 83. (D)

84. (C) Receives the action of the verb and was thrown in passive voice.

85. (A) Relax mean to become calmer and less worried.

86. (C) 87. (C) 88. (D) 89. (D) 90. (B)

91. (C)

92. (A) Words Graffiti means drawings especially humorous rude or political on walls doors etc in public places.

93. (C) Dark house means a competitor about whom little know but who unexpectedly wins.

94. (D) Lacuna Synonym blank.

95. (D) 96. (A) 97. (B) 98. (A) 99. (C)

100. (B) ●●●

Read Upkar's Books For

N.D.A./C.D.S. EXAMINATIONS

Including Previous Years' Solved Papers

	Code	₹
Upkar s N.D.A. Exam. (By : Dr. H.P. Sharma & Yash Srivastava)	1594	570/-
Upkar s N.D.A. Exam. (By : Jain & Gupta)	306	555/-
Upkar s Practice Work Book N.D.A. Exam.	346	299/-
Upkar s Combined Defence Services Exam.	305	405/-
Upkar s SSB Interviews The A to Z Guide to Final Selection (By : Colonel Bhaskar Gupta)	1915	370/-

UPKAR PRAKASHAN ☎ Agra 2530966 ● E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा, 16-10-2022 का हल प्रश्न-पत्र

(प्रथम पाली)

1. निम्नलिखित में से किस अधिनियम ने बैंकों के राष्ट्रीयकरण के लिए शर्तें निर्धारित कीं ?
(A) बैंकिंग कम्पनियाँ (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तान्तरण) अधिनियम, 1970
(B) भारतीय रिजर्व बैंक (सार्वजनिक स्वामित्व में हस्तान्तरण) अधिनियम
(C) बैंकिंग विनियमन अधिनियम
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

2. 1991 में नई आर्थिक नीति (एन.ई.पी.) के तहत् उदारीकरण और निजीकरण की पहल का प्राथमिक परिणाम निम्नलिखित में से कौनसा था ?
(A) राजकोषीय नीति सुधार
(B) मौद्रिक नीति सुधार
(C) वैश्वीकरण
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3. निम्नलिखित में से किसे भारत में हरित क्रान्ति के जनक के रूप में जाना जाता है ?
(A) डॉ. अरुण कृष्णन
(B) एम.एस. स्वामीनाथन
(C) वर्गीज कुरियन
(D) सैम पित्रोदा

4. भारतीय संविधान के लिए DPSP (राज्य नीति के निदेशक सिद्धान्त) निम्नलिखित में से किस संविधान से प्रेरित थे ?
(A) यू.एस.ए.
(B) फ्रांस
(C) आयरलैंड
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

5. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 में कौनसा अधिकार शामिल है ?
(A) संवैधानिक उपचारों का अधिकार
(B) वाक् और अभिव्यक्ति स्वतंत्रता का अधिकार
(C) शोषण के विरुद्ध अधिकार
(D) धर्म की स्वतन्त्रता का अधिकार

6. संसदीय प्रणाली में कार्यपालिका किसके प्रति उत्तरदायी होती है ?
(A) विधानमण्डल
(B) जनता
(C) न्यायपालिका
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

7. निम्नलिखित में से कौनसी भारतीय संविधान की मुख्य विशेषता नहीं है ?
(A) लिखित और विस्तृत संविधान
(B) द्वि-स्तरीय सरकार
(C) एकल नागरिकता
(D) सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार

8. एक हॉर्स पॉवर लगभग कितने वाट के बराबर होता है ?
(A) 746 वाट
(B) 748 वाट
(C) 756 वाट
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

9. निम्नलिखित में से कौनसी एक रासायनिक अभिक्रिया नहीं है ?
(A) कोयले का जलना
(B) भोजन का पचना
(C) कागज का जलना
(D) पानी का भाप में रूपान्तरण

10. पायरिया निम्नलिखित में से किसका रोग है ?
(A) नाक (B) मसूड़ों
(C) हृदय (D) फेफड़ों

11. फ्लोएम एक ऊतक है, जो निम्नलिखित में से किसमें पाया जाता है ?
(A) पौधों
(B) स्तनधारियों
(C) जानवरों के प्रजनन अंगों
(D) कीटों

12. भारत की पंचायती राज व्यवस्था में कितने स्तर हैं ?
(A) एक स्तर (B) तीन स्तर
(C) दो स्तर (D) चार स्तर

13. निम्नलिखित में से कौनसा भिन्न सबसे बड़ा है ?
(A) $\frac{13}{16}$ (B) $\frac{7}{8}$
(C) $\frac{31}{40}$ (D) $\frac{63}{80}$

14. $\frac{(6{\cdot}73)^3 - (4{\cdot}38)^3}{(6{\cdot}73)^2 + 6{\cdot}73 \times 4{\cdot}38 + (4{\cdot}38)^2}$
(A) 2·35 (B) 4·35
(C) 3·35 (D) 5·35

15. 19 का कितना प्रतिशत 7·6 है ?
(A) 40 प्रतिशत (B) 48 प्रतिशत
(C) 60 प्रतिशत (D) 35 प्रतिशत

16. 60 से 80 के बीच की सभी अभाज्य संख्याओं का औसत है–
(A) 70·2 (B) 72·2
(C) 71·2 (D) 73·2

17. $\sqrt{12{\cdot}0409} - \sqrt{1{\cdot}2544} =$
(A) 2·35 (B) 2·25
(C) 1·35 (D) 1·25

18. निम्नलिखित में से कौनसा एसिड कार बैटरी में प्रयोग किया जाता है ?
(A) एसीटिक एसिड
(B) हाइड्रोक्लोरिक एसिड
(C) नाइट्रिक एसिड
(D) सल्फ्यूरिक एसिड

19. 'श्वेत' और 'स्वेद' का अर्थ है–
(A) स्वक्ष और पसीना
(B) सफेद और मनमाना
(C) सफेद और पसीना
(D) निजी और सफेद

20. 'खाक में मिलना'–मुहावरे का अर्थ है–
(A) सब कुछ नष्ट हो जाना
(B) बेचैन या परेशान होना
(C) दबी हुई बात फिर से उभरना
(D) अकड़ में रहना

21. 'अनिल' का पर्यायवाची शब्द है–
(A) पवन (B) चक्रवात
(C) अनल (D) पावस

22. 'गुप्त' का विलोम शब्द है–
(A) निष्ठ (B) जानना
(C) प्रकट (D) गूढ़

23. 'सद्भावना' का सन्धि-विच्छेद क्या होगा ?
(A) सम् + भावना
(B) सत् + भावना
(C) स + द्भावना
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Directions—(Q. 24 and 25) Read the passage carefully and answer the corresponding questions :

For the past week Elizabeth would come home from work and discover that her apartment smelled like cigarette smoke. She did not know where the smell was coming from. Elizabeth didn't smoke. No one else had the key to her apartment

to smoke inside while she was at work. The smell of smoke especially bothered her because she had asthma. One day Elizabeth stayed home from work because she was expecting a package. When she woke up that morning, the apartment smelled fine. At one in the afternoon, Elizabeth went into the kitchen to make a sandwich for lunch. That was when she noticed the smell of cigarette smoke. She called the building's superintendent. By the time he arrived at Elizabeth's apartment, the whole place smelled like cigarette smoke. The superintendent told Elizabeth that he was pretty sure the smoke was coming up through the vents from her new downstar's neighbour. The new neighbour was a smoker. The superintendent told Elizabeth that there was nothing to be done. The building was really old and the vents couldn't be scaled. It was also perfectly legal for the down-stair's neighbour to smoke in his apartment. He suggested that Elizabeth should buy an air filter and see if that would help. Elizabeth bought an air filter but didn't find it to be enough. Her asthma was getting worse. Her clothes and furniture were beginning to smell like cigarette smoke too. Elizabeth decided to go downstairs to talk to the neighbour. She was going to ask him not to smoke in his apartment. Elizabeth knocked on the door. When he opened the door, a huge wave of cigarette smoke came out. Elizabeth began coughing violently. The neighbour gave Elizabeth a disgusted look. "Are you trying to get me sick?" The neighbour asked her, Elizabeth couldn't believe what he was saying. "No, but you are ?" She said.

24. Elizabeth's new neighbour lived ..... .
    (A) besides her house
    (B) upstairs
    (C) downstairs
    (D) next to her

25. Elizabeth was suffering from ..... .
    (A) Pneumonta
    (B) Asthma
    (C) Bronechitis
    (D) Cardiovascular disease

26. Choose the correct antonym— 'Mourn'
    (A) Joy
    (B) Vitalize
    (C) Motivate
    (D) None of the above

27. Give one word substitute for the following—
    "One who sells articles at public sales".
    (A) Auctionor (B) Juggler
    (C) Shopkeeper (D) Auctioneer

28. Choose the correct synonym— 'Exile'
    (A) Banishment (B) Expose
    (C) Mystery (D) Proof

29. दोनों कथनों को पढ़िए और तय कीजिए कि निम्नलिखित में से कौनसा उत्तर विकल्प इन दोनों कथनों के बीच सम्बन्ध को सही ढंग से दर्शाता है ?
    कथन :
    I. पुलिस प्राधिकरण ने हाल ही में शहर में सुबह के समय चौकसी बढ़ा दी है.
    II. शहर में छोटे-मोटे अपराधों की घटनाओं में काफी कमी आई है.
    (A) कथन I कारण है और कथन II इसका प्रभाव है
    (B) कथन I और II दोनों स्वतन्त्र कारण हैं
    (C) कथन II कारण है और कथन I इसका प्रभाव है
    (D) दोनों कथन I और II किसी सामान्य कारण के प्रभाव हैं

30. विषम चुनिए—
    3, 13, 17, 23, 33, 67
    (A) 13 (B) 23
    (C) 17 (D) 33

31. 6 : 10 पर घड़ी की घण्टे की सुई और मिनट की सुई के बीच का कोण ज्ञात कीजिए—
    (A) 138° (B) 125°
    (C) 115° (D) 180°

32. यदि A को 26 के रूप में कोडित किया जाता है, B को 25 के रूप में कोडित किया जाता है, C को 24 के रूप में कोडित किया जाता है ..... और Z को 1 के रूप में कोडित किया जाता है, तो MOBILE के लिए कोड खोजें.
    (A) 152214181252
    (B) 122518152214
    (C) 181522141225
    (D) 141225181522

33. द अनामलाई रीड-टेल नाम की डैमजल फ्लाई की एक नई प्रजाति की खोज किस राज्य में की गई है ?
    (A) केरल
    (B) असम
    (C) तमिलनाडु
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

34. गोपी ने विवेक से कहा, "वह व्यक्ति मेरी माँ के इकलौते भाई का पिता है." गोपी उन्हें क्या कहेगी ?
    (A) मामा
    (B) पिता
    (C) नाना
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

35. INS तरकश ने लाल सागर में ..... नौसेना के जहाजों अल्माज़ (पीसी 411) और निमेर (पीसी 413) के साथ एक समुद्री साझा अभ्यास का आयोजन किया.
    (A) ओमान (B) जापान
    (C) सूडान (D) फ्रांस

36. 'जागृति' निम्नलिखित में से किस क्षेत्र से सम्बन्धित शुभंकर है ?
    (A) आयकर
    (B) उपभोक्ता जागरूकता
    (C) जलवायु परिवर्तन
    (D) क्रिप्टो मुद्रा

37. महाराष्ट्र में स्थित औरंगाबाद का नया नाम लिखिए—
    (A) संभाजी नगर (B) धुले
    (C) धाराशिव (D) सतारा

38. भारतीय पारम्परिक विज्ञान पर किस देश के सर्वदलीय संसदीय समूह को आयुर्वेद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया ?
    (A) यू.के. (B) यू.ए.ई.
    (C) चीन (D) रूस

39. टाटा पॉवर सोलर ने किस राज्य में भारत की सबसे बड़ी फ्लोटिंग (तैरती) सौर ऊर्जा परियोजना शुरू की ?
    (A) असम (B) बिहार
    (C) केरल (D) ओडिशा

40. हिमाचल प्रदेश में 21 दिवसीय संयुक्त अभ्यास वज्र प्रहार 2022 किन देशों के बीच सम्पन्न हुआ ?
    (A) भारत और रूस
    (B) भारत और फ्रांस
    (C) भारत और यूनाइटेड किंगडम
    (D) भारत और संयुक्त राज्य अमरीका

41. निम्नलिखित में से किस कम्पनी ने जुलाई 2022 में, भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए भारतीय

ओलम्पिक संघ (IOA) के साथ दीर्घकालिक साझेदारी की घोषणा की ?
(A) रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड
(B) विप्रो
(C) टाटा एंटरप्राइज
(D) ओ.एन.जी.सी.

42. जुलाई 2022 में कॉफी बोर्ड ने कॉफी फसलों की जलवायु प्रतिरोधी किस्मों को विकसित करने के लिए किसके साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं ?
(A) टी.एन.ए.यू.
(B) इसरो
(C) डी.आर.डी.ओ.
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

43. निम्नलिखित में से कौनसा देश भारत के साथ सबसे लम्बी अन्तर्राष्ट्रीय सीमा साझा करता है ?
(A) बांग्लादेश
(B) भूटान
(C) नेपाल
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

44. निम्नलिखित में से कौनसी इज़रायल की राजधानी है ?
(A) जेरूसलेम
(B) बगदाद
(C) डबलिन
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

45. 'डाक कर्मयोगी' पोर्टल का उद्देश्य है–
(A) शिकायत निवारण
(B) लगभग 4 लाख ग्रामीण डाक सेवकों की क्षमताओं में वृद्धि
(C) सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ताओं को पुरस्कार
(D) जनता की भागीदारी

46. निम्नलिखित में से किस राज्य में विधान परिषद् है ?
(A) झारखण्ड (B) कर्नाटक
(C) ओडिशा (D) गुजरात

47. किस दिन को भारतीय वायु सेना दिवस के रूप में मनाया जाता है ?
(A) 8 फरवरी (B) 8 सितम्बर
(C) 8 अक्टूबर (D) 8 नवम्बर

48. निम्नलिखित में से किसे भारत का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है ?
(A) कूर्ग (B) श्रीनगर
(C) मसूरी (D) दार्जिलिंग

49. ..... कला मथुरा से स्टेंसिलिंग की पारम्परिक कला है.
(A) कजरी
(B) लघु कला
(C) सांझी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

50. निम्नलिखित में से 2014 में बनाया गया भारत का 29वाँ राज्य कौनसा है ?
(A) तेलंगाना (B) झारखण्ड
(C) उत्तराखण्ड (D) सिक्किम

51. निम्नलिखित में से किस व्यक्ति ने प्रसिद्ध पुस्तक "द स्टोरी ऑफ माई एक्सपेरिमेंट्स विद ट्रुथ" लिखी है ?
(A) महर्षि दयानन्द सरस्वती
(B) जवाहरलाल नेहरू
(C) महात्मा गांधी
(D) सरदार वल्लभभाई पटेल

52. वायुमण्डल में ग्रीनहाउस गैसें पृथ्वी के अधिकांश उत्सर्जित ..... को अवशोषित करती हैं, जो निचले वायुमण्डल को गर्म करती हैं.
(A) पराबैंगनी विकिरण
(B) अवरक्त विकिरण
(C) दृश्यमान प्रकाश
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

53. वॉलीबाल निम्नलिखित में से किस देश का राष्ट्रीय खेल है ?
(A) इंडोनेशिया
(B) नेपाल
(C) अर्जेंटीना
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 54 से 58 तक) निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

मादक पदार्थों के प्रयोग की लत आज के युवाओं में तेजी से फैल रही है. कई बार फैशन की खातिर दोस्तों के उकसावे पर लिए गए ये मादक पदार्थ अकसर जानलेवा होते हैं. स्कूल-कॉलेजों या पास-पड़ोस में गलत संगति के दोस्तों के साथ ही गुटखा, सिगरेट, शराब, गाँजा, भाँग, अफीम और धूम्रपान सहित चरस, स्मैक, कोकीन, ब्राउन सुगर जैसे घातक मादक पदार्थों के सेवन की ओर अपने आप कदम बढ़ जाते हैं. पहले उन्हें मादक पदार्थ फ्री में उपलब्ध कराकर इसका लती बनाया जाता है और फिर लती बनने पर वे इसके लिए चोरी से लेकर अपराध तक करने को तैयार हो जाते हैं. माँ-बाप द्वारा दिया गया जेब खर्च कम पड़ने लगता है. नशे के लिए उपयोग में लाई जाने वाली सुइयाँ एच.आई.वी. का कारण भी बनती हैं, जो अंततः एड्स का रूप धारण कर लेती हैं. कई बार तो बच्चे घर के ही सदस्यों से नशे की आदत सीखते हैं. उन्हें लगता है कि जो बड़े कर रहें हैं, वह ठीक है और फिर वे भी घर में ही चोरी आरम्भ कर देते हैं. चिकित्सकीय आधार पर देखें, तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है. ये ऐसे उत्तेजना लाने वाले पदार्थ हैं, जिनकी लत के प्रभाव में व्यक्ति अपराध तक कर बैठता है. ऐसे युवा उच्छृंखल, हिंसक, अनुशासनहीन, झगड़ालू, स्वास्थ्य के प्रति लापरवाह और शारीरिक एवं मानसिक रूप से कमजोर होते हैं. मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं, अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है. कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है. नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है. भारत के अनेक राज्यों में युवा वर्ग में इन नशीली वस्तुओं का प्रयोग बढ़ता जा रहा है. कॉलेज ही नहीं स्कूलों तक ये बीमारी पहुँच चुकी है. भारत के कई राज्यों में गाँजा व अफीम की खेती होती है और हेरोइन आदि का व्यापार चुले आम चल रहा है. कहाँ जा रही है हमारी युवा पीढ़ी ?

54. आज की युवा पीढ़ी में मादक पदार्थों के प्रयोग की लत पड़ रही है. दिए गए कारणों में से इस लत का कौनसा कारण उचित नहीं लगता ?
(A) यदा-कदा पान-सुपारी का सेवन
(B) परिवार का धनी होना और बच्चों को अनियंत्रित जेब खर्च मिलना
(C) स्कूल कॉलेज के आस-पास मादक पदार्थों की उपलब्धता
(D) नशा करने वाले साथियों की संगति

55. मादक पदार्थों का सेवन करने वाले युवाओं को किस बीमारी का खतरा होता है ?
1. शारीरिक अक्षमता
2. पागलपन और सुषुप्ति
3. एच.आई.बी. और एड्स
4. मानसिक असन्तुलन
(A) 1–2–3
(B) इनमें से कोई नहीं
(C) 2–3–4
(D) उपर्युक्त सभी

56. आपकी दृष्टि में मादक द्रव्यों का सेवन करने वाले बच्चों के लिए सबसे ज्यादा कौन दोषी है ?
(A) राज्य पुलिस
(B) बच्चों के माँ-बाप
(C) बच्चों के मित्र
(D) राज्य सरकार

57. भारत के अनेक राज्यों में युवा वर्ग में इन नशीली वस्तुओं का प्रयोग बढ़ता जा रहा है. इसके पीछे सबसे प्रबल कारण कौनसा है ?
(A) राज्य सरकारें अपने राज्य में नशीली वस्तुओं के उत्पादन और प्रयोग को रोकने में समर्थ नहीं है और इसी कारण से नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है

(B) ऊँची फीस वसूलने वाले शहर के अच्छे-अच्छे स्कूल और कॉलेज बच्चों के आचरण एवं नैतिकता पर बिलकुल ध्यान नहीं देते.

(C) माँ-बाप बच्चों पर ध्यान नहीं देते कि उनके बच्चे क्या कर रहे हैं, किन लोगों के साथ रहते हैं और किन लोगों के साथ उनका उठना-बैठना है

(D) स्कूलों और कॉलेजों के आस-पास स्मैक सप्लाई होती है और पुलिस कुछ नहीं करती है. इसी कारण ये प्रवृत्ति बढ़ रही है

58. मादक द्रव्यों की लत पड़ने के बाद युवकों में कौनसी प्रवृत्ति प्रमुखता से दिखाई देती है ?

1. अनुशासनहीनता और हिंसा में शामिल होना.
2. स्वास्थ्य के प्रति सजगता.
3. मानसिक सन्तुलन खो देना.
4. चोरी करने की आदत.

(A) 1, 2, 3
(B) यह सभी
(C) 1, 3, 4
(D) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

निर्देश–(प्रश्न 59 से 63 तक) निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

लोग नियमित बचत करते रहने के बावजूद अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संघर्ष करते रह जाते हैं. अपने जीवन के वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए यह जानना जरूरी है कि हम उन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कितनी बचत कर रहे हैं और उसे कहाँ निवेश कर रहे हैं, जिससे कि हम अपने निर्धारित उद्देश्य के अनुसार पैसा जोड़ सकें. साधारण भाषा में समझा जाए, तो बचत और निवेश में अन्तर इतना ही है कि जो राशि आप अपनी नियमित आय से बचाकर अलग रख लेते हैं, वह बचत है और यदि आप अपनी उस बचत को कुछ रिटर्न प्राप्त करने के लिए ऐसा कुछ खरीदते हैं, जोकि भविष्य में आपकी सम्पत्ति बन सके, वह निवेश है. बचत अल्पकालिक लक्ष्यों के लिए है. बैंक और पोस्ट ऑफिस के बचत खातों या अन्य किसी जगह पर सीमित समय तक रखा गया पैसा बचत होता है, जो सुरक्षित होता है और आवश्यकता पड़ने पर आसानी से निकाला जा सकता है. गृहिणियों द्वारा बचाकर किचन में चावल के मर्तबान में रखा पैसा या साड़ियों की परतों के बीच छिपाकर रखा गया पैसा भी बचत की श्रेणी में ही आएगा. बचत में रखा पैसा जब चाहिए हो तब सहजता से उपलब्ध होता है. अकसर यह बचत अल्पकालीन लक्ष्यों या आपातकालीन जरूरतों के लिए होती है. बचत में रखा गया आपका पैसा निवेश के मुकाबले अधिक सुरक्षित रहता है. इसमें बहुत कम या ना के बराबर जोखिम होता है. बचत में आपको रिटर्न बहुत कम मिलता है, क्योंकि सभी बचत योजनाओं में ब्याज की दर कम होती है. इसमें आपको बहुत ही कम रिटर्न मिलता है जिससे मुद्रास्फीति भी कवर नहीं हो पाती है. दीर्घकालिक आर्थिक लक्ष्यों के लिए निवेश किया जाता है. मुख्य बचत और निवेश में अन्तर यही है कि निवेश में आप उच्च पैटर्न प्राप्त कर सकते हैं निवेश में ऊँचे रिटर्न की सम्भावना के साथ रिस्क भी रहता है. निवेश से आप लम्बे समय तक मुद्रास्फीति को पछाड़ कर अपने धन में बुद्धि कर सकते हैं. म्युचूअल फंड और एस.आई.पी. आदि निवेश के प्रारम्भिक तरीके हैं. जमीन, सोना, कमोडिटीज या शेयर आदि में निवेश करने के लिए अधिक धन और अनुशासन की आवश्यकता होती है और रिस्क भी ज्यादा रहता है, परन्तु सही तरीके से किया गया निवेश सम्पदा में कई गुनी वृद्धि कर सकता है. निवेश किया गया पैसा एकदम से उपलब्ध नहीं रहता है और इसे बेचकर दुबारा पैसा बनाने में समय भी लग सकता है. उन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समय सीमा निर्धारित करनी चाहिए. कोई सपना ऐसा नहीं होता जो पूरा ना किया जा सके.

59. रमेश ने पाँच हजार रुपए के शेयर खरीदे. इस आधार पर निम्नलिखित में से कौनसे विकल्प सही हैं ?

1. रमेश ने जोखिम रहित निवेश किया है.
2. रमेश की यह बचत जोखिम वाली है.
3. शेयर खरीदना बचत है.
4. शेयर खरीदना निवेश है.

(A) 4 (B) 2, 4
(C) 1, 4 (D) 1, 2, 3

60. अनुच्छेद के आधार पर बताइए कि दीर्घकालीन लक्ष्यों को पाने के लिए, निवेश के विषय में निम्नलिखित में से कौनसा तथ्य अशुद्ध है ?

1. दीर्घकालीन लक्ष्यों की प्राप्ति लघु बचत द्वारा ही सम्भव हो सकती है.
2. दीर्घकालीन लक्ष्यों की प्राप्ति दीर्घकालीन अच्छे निवेश द्वारा ही सम्भव हो सकती है.
3. दीर्घकालीन लक्ष्यों की प्राप्ति सम्भव नहीं है, क्योंकि दीर्घकालीन निवेश में धन हानि का जोखिम (खतरा) होता है.
4. बचत निवेश की तुलना में ज्यादा अच्छी है, क्योंकि निवेश में जोखिम शामिल है, जो गाँठ के पैसे को भी ले जाएगा.

(A) 1, 3, 4 (B) 1, 2, 3
(C) 1, 2, 4 (D) सभी अशुद्ध हैं

61. निम्नलिखित में से बताइए कि कौनसा विकल्प निवेश का उदाहरण नहीं है ?

(A) म्यूचुअल फण्ड और एस.आई.पी.
(B) कमोडिटीज और शेयर की खरीद-बिक्री
(C) जमीन या सोना खरीदना
(D) सेविंग्स बैंक खाते में रखा धन

62. अनुच्छेद के आधार पर बताइए कि निम्नलिखित में निवेश की कौनसी सही विशेषताएं हैं ?

1. निवेश से दीर्घकालिक आर्थिक लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं.
2. निवेश अल्पावधि में धनार्जन का तरीका होता है.
3. गृहिणियों द्वारा परिवार के खर्चों में की गई राशि अच्छा निवेश है.
4. निवेश में ऊँचे रिटर्न की सम्भावना के साथ रिस्क भी रहता है.

(A) 1 और 4 (B) 1 और 3
(C) 2 और 3 (D) 2 और 4

63. निम्नलिखित में से बताइए कि कौनसा विकल्प निवेश का उदाहरण है ?

(A) पोस्ट ऑफिस में 5 वर्ष की अवधि तक के लिए रखा गया धन
(B) बच्चों के पिग्गी बॉक्स में रखा पैसा
(C) सेविंग्स बैंक खाते में रखा धन
(D) सोने के गहने खरीदना

निर्देश–(प्रश्न 64 से 68 तक) निम्नलिखित लाइन ग्राफ (रेखा आलेख) का अध्ययन कीजिए, जो 2011 से 2016 तक छह वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष की शुरूआत में स्कूल में शामिल होने और स्कूल छोड़ने वाले छात्रों की संख्या देता है.

2010 में स्कूल की प्रारम्भिक संख्या = 3000

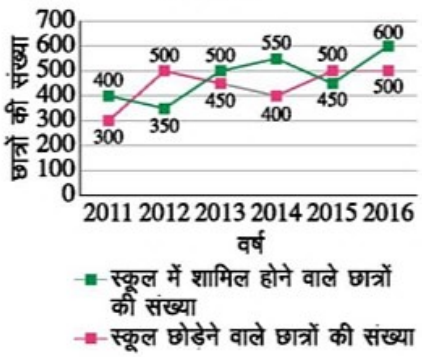

64. किस वर्ष में, पिछले वर्ष की तुलना में स्कूल छोड़ने वाले छात्रों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि/गिरावट अधिकतम है ?
(A) 2011 (B) 2013
(C) 2012 (D) 2014

65. 2012 से 2013 तक स्कूल की संख्या में लगभग कितने प्रतिशत की वृद्धि/कमी हुई ?
(A) 1·1% (B) 2·1%
(C) 1·7% (D) 2·3%

66. 2014 के दौरान स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या थी–
(A) 2750 (B) 3050
(C) 2850 (D) 3150

67. दी गई अवधि के दौरान किसी भी वर्ष में स्कूल में शामिल होने वाले छात्रों की न्यूनतम संख्या का स्कूल छोड़ने वाले छात्रों की अधिकतम संख्या से अनुपात कितना है ?
(A) 7 : 10 (B) 5 : 8
(C) 7 : 9 (D) 5 : 7

68. 2013 में स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या, 2016 में स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या का कितने प्रतिशत थी ?
(A) 87% (B) 90·50%
(C) 89·12% (D) 93·75%

निर्देश–(प्रश्न 69 से 73 तक) दण्ड आलेख का अध्ययन कीजिए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

विगत वर्षों में कम्पनी द्वारा मोबाइल का उत्पादन (लाख में)

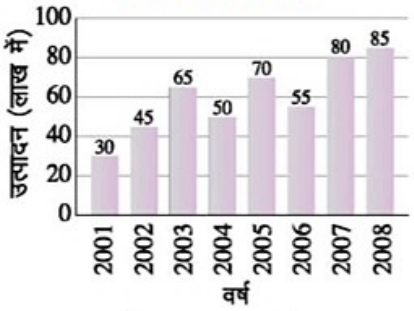

69. 2005 और 2006 का औसत उत्पादन निम्नलिखित में से किस वर्ष के युग्म के औसत उत्पादन के ठीक बराबर था ?
(A) 2006 और 2007
(B) 2004 और 2006
(C) 2004 और 2005
(D) 2002 और 2007

70. 2003 से 2004 तक मोबाइल के उत्पादन में लगभग प्रतिशत गिरावट कितनी थी ?
(A) 21% (B) 27%
(C) 23% (D) 29%

71. पिछले वर्ष की तुलना में किस वर्ष उत्पादन में प्रतिशत वृद्धि सबसे अधिक थी ?
(A) 2002 (B) 2005
(C) 2003 (D) 2007

72. दिए गए कितने वर्षों में मोबाइल का उत्पादन दिए गए वर्षों के औसत उत्पादन से अधिक था ?
(A) 1 (B) 3
(C) 2 (D) 4

73. 2001 की तुलना में 2008 में मोबाइल के उत्पादन में अनुमानित प्रतिशत वृद्धि कितनी थी ?
(A) 166·67% (B) 195%
(C) 183·33% (D) 200%

निर्देश–(प्रश्न 74 से 78 तक) हमें विभिन्न पाँच कम्पनियाँ और इन कम्पनियों में काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या दी गई है. तालिका में हमें लेखा एवं अनुसंधान विभाग में कार्यरत् पुरुष एवं महिला कर्मचारियों का प्रतिशत भी दिया गया है.

कम्पनी	कर्मचारी	लेखा		अनुसंधान	
		पुरुष	महि-लाएं	पुरुष	महि-लाएं
A	450	12	14	9	7
B	700	19	10	11	13
C	550	28	14	4	7
D	600	31	9	6	4
E	350	12	18	3	7

74. यदि लेखा विभाग में कम्पनी E के 60% कर्मचारियों के पास MBA की डिग्री है और अनुसंधान विभाग में उसी कम्पनी के 40% कर्मचारियों के पास MBA की डिग्री है, तो कम्पनी E में कितने कर्मचारियों के पास MBA की डिग्री है ?
(A) 92 (B) 77
(C) 106 (D) 66

75. कम्पनी A के लेखा कर्मचारियों की कुल संख्या कम्पनी E के अनुसंधान कर्मचारियों की कुल संख्या से लगभग कितने प्रतिशत अधिक है ?
(A) 231·21% (B) 234·29%
(C) 238·54% (D) 228·67%

76. कम्पनी A और C दोनों के लेखा विभाग में कार्यरत् कुल पुरुष कर्मचारियों का कम्पनी B और D दोनों के अनुसंधान विभाग में कार्यरत् कुल महिला कर्मचारियों से अनुपात कितना है ?
(A) 208 : 115
(B) 27 : 187
(C) 43 : 188
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

77. सभी कम्पनियों (कम्पनी D को छोड़कर) में लेखा विभाग की महिला कर्मचारियों की कुल मिलाकर संख्या और सभी कम्पनियों (कम्पनी A और E को छोड़कर) में अनुसंधान विभाग के पुरुष कर्मचारियों की कुल मिलाकर संख्या के बीच का अन्तर कितना है ?
(A) 128
(B) 142
(C) 138
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

78. लेखा विभाग में कम्पनी B की महिला कर्मचारियों की संख्या का अनुसंधान विभाग में कम्पनी C के पुरुष कर्मचारियों की संख्या से अनुपात कितना है ?
(A) 5 : 2 (B) 13 : 4
(C) 35 : 11 (D) 4 : 13

निर्देश–(प्रश्न 79 से 83 तक) निम्नांकित तालिका गरीबी रेखा और लिंग के आधार पर पाँच राज्यों A, B, C, D और E की जनसंख्या का प्रतिशत वितरण देती है–

राज्य	गरीबी रेखा के नीचे की जनसंख्या का प्रतिशत	पुरुषों एवं महिलाओं का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		पु : म	पु : म
A	30	5 : 6	6 : 7
B	20	3 : 5	4 : 5
C	25	1 : 2	2 : 3
D	20	3 : 2	4 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

79. राज्य D में गरीबी रेखा से ऊपर आने वाली महिलाओं की संख्या क्या होगी, यदि यह ज्ञात हो कि राज्य D की जनसंख्या 7 मिलियन है ?
(A) 2·4 मिलियन (B) 3 मिलियन
(C) 1·3 मिलियन (D) 3·6 मिलियन

80. यदि राज्य C के लिए गरीबी रेखा से ऊपर आने वाले पुरुषों की जनसंख्या 1·5 मिलियन है, तो राज्य C की कुल जनसंख्या कितनी है ?
(A) 4·5 मिलियन
(B) 5·25 मिलियन
(C) 5 मिलियन
(D) 5·75 मिलियन

81. यदि राज्य B के लिए गरीबी रेखा से नीचे के पुरुषों की जनसंख्या 2·4 मिलियन और राज्य E के लिए 6 मिलियन है, तो राज्यों B और E की कुल जनसंख्या अनुपात में है–
(A) 2 : 3 (B) 1 : 2
(C) 3 : 5 (D) 1 : 4

82. यदि राज्य C की कुल जनसंख्या 4 मिलियन है, तो राज्य C में गरीबी रेखा से ऊपर आने वाली महिलाओं की कुल संख्या ज्ञात कीजिए–
(A) 1·2 मिलियन (B) 2 मिलियन
(C) 1·8 मिलियन (D) 2·4 मिलियन

83. राज्य A के लिए गरीबी रेखा से ऊपर आने वाले पुरुषों की लगभग जनसंख्या क्या होगी यदि राज्य A के लिए गरीबी रेखा से ऊपर आने वाली महिलाएं 1·8 मिलियन हैं ?
(A) 2· 1 मिलियन
(B) 3·55 मिलियन
(C) 2·5 मिलियन
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

84. गौतम बुद्ध को ज्ञान किस नदी के तट पर प्राप्त हुआ था ?
(A) गंगा (B) गंडक
(C) पुनपुन (D) निरंजना

85. हर्षवर्धन के शासनकाल के दौरान निम्नलिखित में से कौनसी नई राजधानी थी, जो थानेसर से स्थानान्तरित हुई थी ?
(A) कन्नौज (B) पाटलिपुत्र
(C) मगध (D) कुरुक्षेत्र

86. निम्नलिखित में से किस सेना की ताकत 'छापामार (गुरिल्ला) रणनीति' थी ?
(A) मराठा (B) ब्रिटिश
(C) मुगल (D) नायक

87. हड़प्पा सभ्यता के दौरान डांसिंग गर्ल (नर्तकी) की कांस्य प्रतिमा बनाने के लिए ..... तकनीक का इस्तेमाल किया गया था.
(A) पत्थर की नक्काशी
(B) हाथीदाँत नक्काशी
(C) लकड़ी की नक्काशी
(D) मोम लोपी ढलाई (कास्टिंग)

88. पूर्ण स्वराज की माँग करने वाले प्रथम कार्यकर्ता का नाम लिखिए–
(A) मघफूर अहमद अजाज़ी
(B) बिपिन चन्द्र पाल
(C) बाल गंगाधर तिलक
(D) हसरत मोहानी

89. निम्नलिखित में से किसे स्वदेशी आन्दोलन का प्रमुख कारण माना जाता है ?
(A) महिला शिक्षा के बजाय पुलिस और रेलवे के लिए वित्त पोषण
(B) कलकत्ता निगम अधिनियम, 1899
(C) बंगाल को विभाजित करने का निर्णय
(D) पंजाब भूमि हस्तान्तरण अधिनियम, 1900

90. ब्रिटिश ने निम्नलिखित में से किस भाषा को भारतीय समाज में प्रस्तुत करने की उत्सुकता दिखाई ?
(A) संस्कृत
(B) हिन्दी
(C) अंग्रेजी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

91. भारत सरकार अधिनियम, 1935 के प्रावधानों में ब्रिटिश सरकार के अन्तिम अधिकार का एक उदाहरण कौनसा था ?
(A) प्रान्तीय सरकारों पर गवर्नर के लिए विशेष शक्तियाँ
(B) प्रान्तीय स्तर पर द्वैधशासन का उन्मूलन
(C) संघीय बैंक की स्थापना
(D) शक्ति का विभाजन

92. फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना निम्नलिखित में से किसके द्वारा की गई थी ?
(A) महात्मा गांधी
(B) सुभाषचन्द्र बोस
(C) सरदार वल्लभभाई पटेल
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

93. खिलाफत मुद्दे को उठाने के महात्मा गांधी के निर्णय के पीछे मुख्य कारण था–
(A) हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच अधिक एकता लाने के लिए
(B) ईसाइयों और मुसलमानों के बीच अधिक एकता लाने के लिए
(C) हिन्दुओं और ईसाइयों के बीच अधिक एकता लाने के लिए
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

94. भारत में निम्नलिखित में से किस स्थान पर दिन और रात के तापमान में व्यापक अन्तर पाया जा सकता है ?
(A) थार मरुस्थल
(B) केरल
(C) अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह
(D) गोवा

95. विश्व को कितने प्रमुख काल क्षेत्रों (टाइम ज़ोन) में विभाजित किया गया है ?
(A) 12
(B) 30
(C) 24
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

96. निम्नलिखित में से कौनसा जनसंख्या परिवर्तन का घटक नहीं है ?
(A) रुग्णता (B) प्रवसन
(C) मृत्यु (D) जन्म

97. लक्षद्वीप की राजधानी निम्नलिखित में से कौनसी है ?
(A) कवरत्ती (B) आइजॉल
(C) सिलवासा (D) पोर्ट ब्लेयर

98. 'स्थिरता के साथ विकास' के उद्देश्य से, निम्नलिखित में से कौनसी पंचवर्षीय योजना शुरू की गई थी ?
(A) चौथी पंचवर्षीय योजना
(B) छठी पंचवर्षीय योजना
(C) तीसरी पंचवर्षीय योजना
(D) पाँचवीं पंचवर्षीय योजना

99. निम्नलिखित में से किसमें व्यक्तियों या व्यक्तियों के समूह के स्वामित्व वाले व्यवसाय शामिल हैं ?
(A) सार्वजनिक क्षेत्र
(B) राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम
(C) निजी क्षेत्र
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

100. उस जंगल का नाम बताइए जिसे 'पृथ्वी ग्रह के फेफड़े' के रूप में जाना जाता है–
(A) टैगा वन
(B) टुंड्रा वन
(C) अमेजन वर्षा वन
(D) उत्तर-पूर्वी भारत के वर्षा वन

उत्तर व्याख्या सहित

1. (A) "बैंकिंग कम्पनियाँ (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तान्तरण) अधिनियम, 1970" अधिनियम ने बैंकों के राष्ट्रीयकरण के लिए शर्तें निर्धारित कीं.
2. (C)
3. (B) 'एम. एस. स्वामीनाथन' भारत के आनुवांशिक विज्ञानी हैं जिन्हें भारत की हरित क्रान्ति का जनक माना जाता है.
4. (C) 'आयरलैंड' के संविधान से DPSP (राज्य नीति के निदेशक सिद्धान्त) प्रेरित है.
5. (B)
6. (A) 'विधानमंडल' संसदीय प्रणाली में कार्यपालिका के लिए उत्तरदायी होती है.
7. (B) द्वि-स्तरीय सरकार भारतीय संविधान की मुख्य विशेषता नहीं है.
8. (A) 9. (D) 10. (B) 11. (A) 12. (B)
13. (B) सभी विकल्पों के हरों को समान करने पर सबसे बड़ी भिन्न ज्ञात होगी–

$\therefore$ (A) $\frac{13\times5}{16\times5} = \frac{65}{80}$

(B) $\frac{7\times10}{8\times10} = \frac{70}{80}$

(C) $\frac{31\times2}{40\times2} = \frac{62}{80}$

(D) $\frac{63}{80}$

अतः $\frac{7}{8}$ सबसे बड़ी भिन्न है.

14. (A) $\frac{(6\cdot73)^3-(4\cdot38)^3}{(6\cdot73)^2+6\cdot73\times4\cdot38+(4\cdot38)^2}$

हम जानते हैं–

$a^3-b^3 = (a-b)(a^2+ab+b^2)$

इसलिए,

$$= \frac{(6{\cdot}73-4{\cdot}38)((6{\cdot}73)^2+6{\cdot}73\times4{\cdot}38+(4{\cdot}38)^2)}{(6{\cdot}73)^2+6{\cdot}73\times4{\cdot}38+(4{\cdot}38)^2}$$

$= (6{\cdot}73 - 4{\cdot}38)$

$= 2{\cdot}35$

15. (A) माना 19 का $x\%$ = 7·6

तो $19 \times x\% = 7{\cdot}6$

$\Rightarrow \frac{19 \times x}{100} = 7{\cdot}6$

$\Rightarrow x = \frac{7{\cdot}6 \times 100}{19}$

$\Rightarrow x = 40$

अतः 19 का 40%, 7·6 है.

16. (A) प्रश्नानुसार,

60 से 80 के बीच की अभाज्य संख्याओं का योग

$= 61 + 67 + 71 + 73 + 79$

$= 351$

अतः अभीष्ट औसत $= \frac{351}{5}$

$= 70{\cdot}2$

17. (A) $\sqrt{12{\cdot}0409} - \sqrt{1{\cdot}2544}$

$= 3{\cdot}47 - 1{\cdot}12$

$= 2{\cdot}35$

18. (D) 'सल्फ्यूरिक एसिड' कार की बैटरी में प्रयोग एसिड है.

19. (C) 20. (A)

21. (A) पवन, वायु, हवा आदि शब्द अनिल के पर्यायवाची शब्द हैं.

22. (C) 'प्रकट', गुप्त का विलोम शब्द है.

23. (B) 24. (C) 25. (B)

26. (A) 'Joy' is the correct antonym of 'Mourn'.

27. (D)

28. (A) Banishment is the correct synonym of 'Exile'.

29. (A) कथन I कारण है और कथन II इसका प्रभाव है.

30. (D) 33 को छोड़कर अन्य सभी अभाज्य संख्याएं है.

31. (B) हम जानते हैं घण्टे की सुई और मिनट की सुई के बीच का कोण θ है,

तो मिनट $= \frac{2}{11}[30 \times \text{घण्टा} \pm \theta]$

यहाँ मिनट = 10

घण्टा = 6

तथा θ = कोण

$\Rightarrow 10 = \frac{2}{11}[30 \times 6 \pm \theta]$

$\frac{10 \times 11}{2} = 180 \pm \theta$

$\Rightarrow 55 - 180 = \theta$

$\Rightarrow +125 = +\theta$

$\Rightarrow \theta = 125°$

32. (D)

जिस प्रकार, A = 26

B = 25

C = 24

तथा Z = 1

इसी प्रकार,

M	O	B	I	L	E
↓	↓	↓	↓	↓	↓
14	12	25	18	15	22

33. (A)

34. (C)

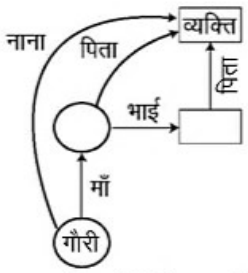

अतः वह व्यक्ति गौरी के नाना हैं.

35. (C) 36. (B) 37. (A) 38. (A)

39. (C) 'केरल' में टाटा पॉवर सोलर ने भारत की सबसे बड़ी फ्लोटिंग सौर ऊर्जा परियोजना शुरू की.

40. (D) 41. (A) 42. (B)

43. (A) 'बांग्लादेश' भारत के साथ सबसे लम्बी अन्तर्राष्ट्रीय सीमा साझा करता है.

44. (A) 'जेरूसलेम' इज़रायल की राजधानी है.

45. (B) लगभग 4 लाख ग्रामीण डाक सेवकों की क्षमता में वृद्धि.

46. (B) कर्नाटक राज्य में विधान परिषद् है.

47. (C) '8 अक्टूबर' को भारतीय वायु सेना दिवस के रूप में मनाया जाता है.

48. (B) 'कूर्ग' को भारत का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है.

49. (C) 'सांझी' कला मथुरा से स्टेंसिलिंग की पारम्परिक कला है.

50. (A) 'तेलंगाना' 2014 में बनाया गया भारत का 29वाँ राज्य है.

51. (C) 52. (B) 53. (B) 54. (A) 55. (D)

56. (B)

57. (C) माँ-बाप बच्चों पर ध्यान नहीं देते कि उनके बच्चे क्या कर रहे हैं, किन लोगों के साथ रहते हैं और किन लोगों के साथ उनका उठना-बैठना है.

58. (C) 59. (A) 60. (A)

61. (D) "सेविंग बैंक खाते में रखा धन" निवेश का उदाहरण नहीं है.

62. (A)

63. (D) "सोने के गहने खरीदना" निवेश का उदाहरण है. लाइन ग्राफ (64 से 68) दिया है, वर्ष 2010 में स्कूल की प्रारम्भिक संख्या = 3000.

64. (C) 2012 में वृद्धि $= \frac{500-300}{300} \times 100$

$= \frac{200}{3} = 66{\cdot}67\%$

2012 में गिरावट $= \frac{500-450}{500} \times 100$

$= \frac{50}{5} = 10\%$

2014 में गिरावट $= \frac{450-400}{450} \times 100$

$= \frac{50}{4{\cdot}5} = 11{\cdot}11\%$

2015 में वृद्धि $= \frac{500-450}{400} \times 100$

$= \frac{100}{4} = 25\%$

अतः वर्ष 2012 में पिछले वर्ष की तुलना में स्कूल छोड़ने वाले छात्रों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि अधिकतम है.

65. (C) वर्ष 2012 में स्कूल में छात्रों की संख्या $= 3000 + 400 - 300 + 350 - 500$

$= 2950$

तथा वर्ष 2013 में स्कूल में छात्रों की संख्या $= 2950 + 500 - 450$

$= 3000$

अतः वृद्धि प्रतिशत

$= \frac{3000 - 2950}{2950} \times 100$

$= \frac{50}{2950} \times 100$

$= 1{\cdot}6949\%$

$= 1{\cdot}7\%$

66. (D) वर्ष 2014 के दौरान स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या

$= 3000 + 400 - 300 + 350 - 500 + 500 - 450 + 550 - 400$

$= 3150$

67. (A) दी गई अवधि में वर्ष 2012 में स्कूल में सबसे कम छात्र शामिल हुए

$= 350$

तथा 2012 व 2015 में स्कूल छोड़ने वाले सबसे अधिक छात्र = 500

अतः अभीष्ट अनुपात = 350 : 500

= 7 : 10

68. (D) वर्ष 2013 में स्कूल में छात्रों की संख्या

$= 3000 + 400 + 350 + 500 - 300 - 500 - 450$

$= 3000$

तथा वर्ष 2016 में स्कूल में छात्रों की संख्या

$= 3000 + 400 + 350 + 500 + 550 + 450 + 600 - 300 - 500 - 450 - 400 - 500 - 500$

$= 3200$

अतः अभीष्ट प्रतिशत $= \frac{3000}{3200} \times 100$

$= 93{\cdot}75\%$

69. (D) वर्ष 2005 और 2006 का औसत उत्पादन

$$= \frac{70+55}{2}$$

$$= \frac{125}{2} = 62{\cdot}5$$

2002 और 2007 का औसत उत्पादन

$$= \frac{45+80}{2}$$

$$= \frac{125}{2} = 62{\cdot}5$$

अतः 2002 और 2007 का औसत उत्पादन, वर्ष 2005 और 2006 के बराबर है.

70. (C) वर्ष 2003 और 2004 का उत्पादन
= 65 और 50 लाख अन्तर (गिरावट)
= 65 – 50 = 15 लाख

अतः प्रतिशत गिरावट $= \frac{15}{65} \times 100$

$$= \frac{3 \times 100}{13}$$

$$= 23{\cdot}07\%$$

$$= 23\%$$

71. (A) वर्ष 2001 और 2002 का उत्पादन
= 30 और 45 लाख

उत्पादन वृद्धि = 45 – 30
= 15 लाख

अतः प्रतिशत वृद्धि $= \frac{15}{30} \times 100$

$$= 50\%$$

अतः वर्ष 2002 का उत्पादन वृद्धि 50% हुई है. अन्य वर्षों से सबसे अधिक.

72. (D) दिए गए वर्षों का कुल उत्पादन
= 30 + 45 + 65 + 50 + 70 + 55 + 80 + 85
= 480 लाख

औसत $= \frac{480}{8}$

= 60 लाख

अतः 60 लाख से अधिक उत्पादन करने वाले वर्ष = 2003, 2005, 2007 और 2008

73. (C) वर्ष 2001 और 2008 का उत्पादन
= 30 और 85 लाख

अन्तर (वृद्धि) = 85 – 30
= 55 लाख

अतः 2001 की तुलना में 2008 में उत्पादन प्रतिशत वृद्धि

$$= \frac{55}{30} \times 100$$

$$= 183{\cdot}33\%$$

74. (B) कम्पनी E के लेखा विभाग में कर्मचारी प्रतिशत = 12 + 18
= 30%

तो कम्पनी E में लेखा विभाग MBA वाले कर्मचारियों का प्रतिशत

$$= \frac{30 \times 60}{100}$$

$$= 18\%$$

कम्पनी E के अनुसंधान विभाग में कर्मचारी प्रतिशत = 3 + 7 = 10%

तो कम्पनी E के अनुसंधान विभाग में MBA वाले कर्मचारियों का प्रतिशत

$$= \frac{10 \times 40}{100} = 4\%$$

∴ MBA डिग्री वाले कर्मचारियों का कुल प्रतिशत = 18 + 4 = 22%

अतः कम्पनी E में MBA डिग्री पास कुल कर्मचारी $= \frac{350 \times 22}{100}$

= 77

75. (B) कम्पनी A के लेखा कर्मचारियों की कुल संख्या

$$= \frac{(12+14) \times 450}{100}$$

$$\Rightarrow \frac{26 \times 450}{100} = 117$$

और कम्पनी E के अनुसंधान कर्मचारियों की कुल संख्या

$$= \frac{(3+7) \times 350}{100}$$

$$= \frac{10 \times 350}{100} = 35$$

अतः अभीष्ट प्रतिशत

$$= \frac{117-35}{35} \times 100$$

$$= \frac{82}{35} \times 100$$

$$= 234{\cdot}286\%$$

$$= 234{\cdot}29\%$$

76. (A) कम्पनी A के लेखा विभाग के पुरुष कर्मचारियों की संख्या

$$= \frac{450 \times 12}{100} = 54$$

कम्पनी C के लेखा विभाग के पुरुष कर्मचारियों की संख्या

$$= \frac{550 \times 28}{100}$$

= 154

कुल कर्मचारी = 54 + 154
= 208

तथा कम्पनी B और D के अनुसंधान विभाग के महिला कर्मचारियों की

कुल संख्या $= \frac{700 \times 13}{100} + \frac{600 \times 4}{100}$

= 91 + 24
= 115

अतः अभीष्ट अनुपात = 208 : 115

77. (C) प्रश्नानुसार,
सभी कम्पनियों (कम्पनी D को छोड़कर) में लेखा विभाग की महिला कर्मचारियों की कुल संख्या

$$= \frac{450 \times 14}{100} + \frac{700 \times 10}{100} + \frac{550 \times 14}{100} + \frac{350 \times 18}{100}$$

= 63 + 70 + 77 + 63
= 273

तथा कम्पनी A और E को छोड़कर अन्य में अनुसंधान विभाग के पुरुष कर्मचारियों की कुल संख्या

$$= \frac{700 \times 11}{100} + \frac{550 \times 4}{100} + \frac{600 \times 6}{100}$$

= 77 + 22 + 36
= 135

दोनों के बीच अन्तर
= 273 – 135
= 138

78. (C) लेखा विभाग में कम्पनी B की महिला कर्मचारियों की संख्या

$$= \frac{700 \times 10}{100}$$

= 70

अनुसंधान विभाग में कम्पनी C के पुरुष कर्मचारियों की संख्या $= \frac{550 \times 4}{100}$

= 22

अतः दोनों के मध्य अनुपात = 70 : 22
= 35 : 11

79. (A) दिया है, राज्य D की जनसंख्या
= 7 मिलियन

तो गरीबी रेखा से ऊपर आने वालों की कुल जनसंख्या

$$= \frac{7 \times (100-20)}{100}$$

$$= \frac{7 \times 80}{100}$$

= 5·6 मिलियन

अतः राज्य D में गरीबी रेखा के ऊपर आने वाली महिलाओं की कुल जनसंख्या

$$= \frac{5{\cdot}6}{4+3} \times 3$$

$$= \frac{5{\cdot}6}{7} \times 3$$

= 2·4 मिलियन

80. (C) दिया है, राज्य C में गरीबी रेखा के ऊपर जाने वाले पुरुषों की जनसंख्या
= 1·5 मिलियन

तो राज्य C में गरीबी रेखा के ऊपर आने वालों की कुल जनसंख्या

$$= \frac{1{\cdot}5}{2} \times (2+3)$$

$$= \frac{1{\cdot}5}{2} \times 5$$

= 3·75 मिलियन

हम जानते हैं राज्य C की गरीबी रेखा से ऊपर की जनसंख्या का प्रतिशत

= 100 – 25
= 75%

तो राज्य C की कुल जनसंख्या

$$= \frac{3{\cdot}75}{75} \times 100$$

= 5 मिलियन

81. (B) दिया है, राज्य B और E के लिए गरीबी रेखा के नीचे के पुरुषों की जनसंख्या

= 2·4 मिलियन और 6 मिलियन

तो राज्य B की कुल जनसंख्या

$$= \frac{2\cdot4}{3} \times 8 \times \frac{100}{20}$$

= 32 मिलियन

तथा राज्य E की कुल जनसंख्या

$$= \frac{6}{5} \times 8 \times \frac{100}{15}$$

= 64 मिलियन

अतः राज्य B और E की जनसंख्या अनुपात

= 32 मीटर : 64 मीटर

= 1 : 2

82. (C) दिया है, राज्य C की कुल जनसंख्या

= 4 मिलियन

तो राज्य C में गरीबी रेखा के ऊपर की जनसंख्या

$$= \frac{4 \times (100 - 25)}{100}$$

= 3 मिलियन

अतः राज्य C में गरीबी रेखा के ऊपर महिलाओं की जनसंख्या

$$= \frac{3 \times 3}{2 + 3}$$

$$= \frac{9}{5} \text{ मिलियन}$$

= 1·8 मिलियन

83. (D) दिया है, राज्य A में गरीबी रेखा के ऊपर महिलाओं की जनसंख्या

= 1·8 मीटर

राज्य A में गरीबी रेखा के ऊपर जाने वाले पुरुषों की जनसंख्या

$$= 1\cdot8 \times \frac{6}{7}$$

= 1·54 मिलियन

84. (D) 'निरंजना' नदी के तट पर गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ.

85. (A) 86. (A) 87. (D) 88. (D) 89. (C)

90. (C) 91. (B) 92. (B) 93. (A)

94. (A) 'थार मरुस्थल' में दिन और रात के तापमान में व्यापक अन्तर पाया जाता है.

95. (C)

96. (A) 'रुग्णता' जनसंख्या परिवर्तन का घटक नहीं है.

97. (A) 'कवरत्ती' लक्षद्वीप की राजधानी है.

98. (A) 99. (C)

100. (C) 'अमेजन वर्षा वन' को 'पृथ्वी ग्रह के फेफड़े' के रूप में जाना जाता है.

●●●

हथियारों को अधिग्रहित करने की होड़ में भारत

9 दिसम्बर, 2022 को अरुणाचल प्रदेश के तवांग क्षेत्र में चीन द्वारा अनाधिकृत रूप से की गई घुसपैठ की कोशिश से उपजे तनाव के बीच भारत–चीन के बीच सैन्य तनाव एक बार पुनः चरम पर है. पाकिस्तान और चीन के साथ भारत के संबंध कटुतापूर्ण हैं. किसी भी अप्रत्याशित परिस्थिति से निपटने के लिए भारत पाकिस्तान से लगने वाली सीमा पर सामरिक तथा चीन से लगने वाली सीमा पर और सैन्य रूप से अपनी स्थिति को मजबूत करना चाहता है.

सीमा पर झड़पें

- अगस्त 2017 में डोकलाम में भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प
- फरवरी 2019 में पुलवामा (जम्मू एवं कश्मीर) में आत्मघाती हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद
- लद्दाख में चीनी सैनिकों के साथ संघर्ष में 20 भारतीय जवान शहीद
- 9 दिसम्बर, 2022 को तवांग में झड़पें

पश्चिमी एवं उत्तरी तथा उत्तर पूर्वी सीमा पर उत्पन्न चुनौतियों के चलते भारत के रक्षा व्यय में भारी वृद्धि

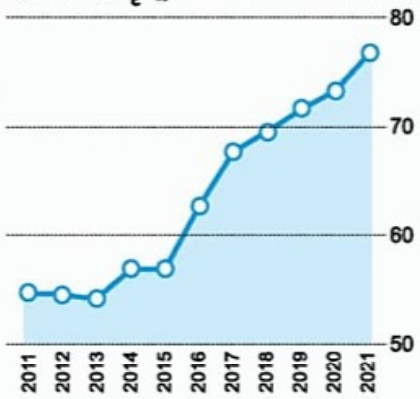

विश्व में सैन्य खर्चे के मामले में भारत तीसरे स्थान पर

(2021 में सर्वाधिक सैन्य व्यय वाले 10 शीर्ष देश)

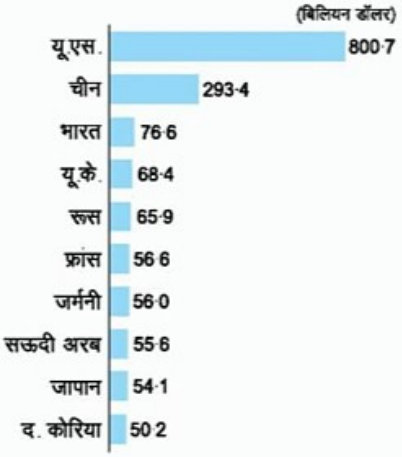

भारत का रक्षाव्यय कुल जीडीपी का 2·66%

(विभिन्न देशों के जीडीपी के सापेक्ष रक्षा व्यय % में)

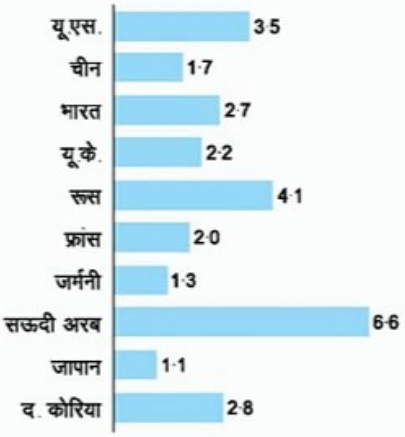

भारत सर्वाधिक हथियार आयात करने वाले देशों में से एक

(2017-21 के दौरान हथियारों के कुल आयात में % हिस्सा)

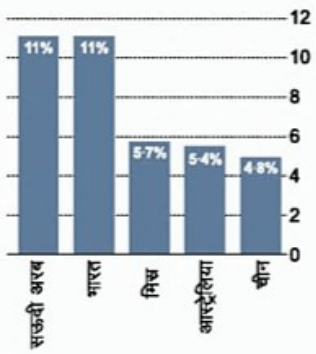

तीन वर्षों में भारत के रक्षा उत्पादन में तीन गुना वृद्धि

(IBEF के अनुसार भारत रक्षा उत्पादन)

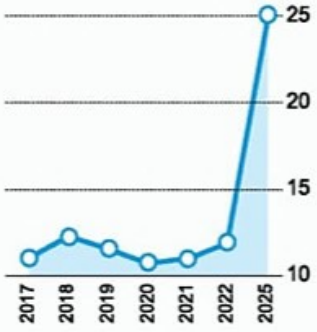

भारत में रक्षा उत्पादन में लगीं बड़ी कम्पनियाँ

हथियारों की बिक्री बिलियन डॉलर

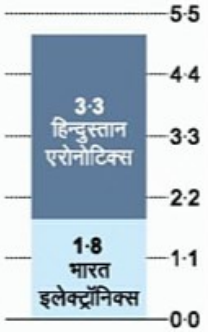

सामान्य अध्ययन

1. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I	सूची-II
(a) ऐनिमोमीटर	1. भूकम्प
(b) सिस्मोग्राफ	2. वायुमण्डलीय दाब
(c) बैरोमीटर	3. वायु वेग
(d) हाइग्रोमीटर	4. आर्द्रता

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	4	1	2	3
(C)	4	1	3	2
(D)	3	1	2	4

2. निम्नलिखित में से कौनसा एक सुमेलित नहीं है ?
(A) डेसिबल – ध्वनि की प्रबलता की इकाई
(B) अश्व शक्ति – शक्ति की इकाई
(C) समुद्री मील – नौसंचालन में दूरी की इकाई
(D) सेल्सियस – ऊष्मा की इकाई

3. मानव नेत्र में आइरिस (Iris) के कार्य के सन्दर्भ में कौनसा कथन सही है ?
(A) यह रेटिना पर बने उल्टे प्रतिबिम्ब को सीधा करने का कार्य करता है
(B) यह नेत्र में प्रवेश करने वाला प्रकाश की मात्रा को नियन्त्रित करता है
(C) यह फोकस दूरी को समायोजित करके वस्तु का वास्तविक प्रतिबिम्ब बनाता है
(D) यह प्रकाश को शोषित करके उसके आन्तरिक परावर्तन को रोकता है

4. प्रकाश-विद्युत् प्रभाव की खोज निम्नलिखित में से किसने की थी ?
(A) हैनरिच रूडोल्फ हर्ट्ज
(B) अल्बर्ट आइन्सटाइन
(C) जे.सी. मैक्सवेल
(D) उपर्युक्त में से किसी ने नहीं

5. निम्नलिखित में से कौनसा/से तत्व सोलर सेल में उपयोग किया जाता है/किए जाते हैं ?
1. सिलिकॉन 2. सीरियम
3. एस्टैटीन 4. वैनेडियम

कूट :
(A) केवल 1
(B) केवल 3 और 4
(C) केवल 1, 2 और 3
(D) उपर्युक्त सभी

6. बत्ती वाले स्टोव में किरोसिन के बत्ती में ऊपर चढ़ने का कारण है–
(A) परासरण
(B) विसरण
(C) पृष्ठ तनाव
(D) जीवद्रव्य संकुचन

7. निम्नलिखित में से किसकी तरंग लम्बाई सबसे अधिक होती है ?
(A) इन्फ्रारेड
(B) एक्स-किरणें
(C) दृष्टिगोचर प्रकाश
(D) रेडियो तरंगें

8. निम्नलिखित में से कौनसा/से कोलाइड/कोलाइड्स का/के उदाहरण है/हैं ?
1. वाहनों से निकलने वाला धुआँ
2. शेविंग क्रीम
3. पनीर
4. बादल
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2, 3 और 4
(C) केवल 4
(D) 1, 2, 3 तथा 4

9. निम्नलिखित में से कौनसा तत्व सभी अम्लों में निश्चित रूप से उपस्थित होता है ?
(A) हाइड्रोजन
(B) क्लोरीन
(C) सल्फर
(D) सोडियम

10. संक्षारण की समस्या को कम करने के लिए निम्नलिखित में से कौनसा तरीका प्रयोग में लाया जा सकता है ?
1. पेंटिंग तथा ऑइलिंग
2. गैल्वनीकरण
3. एनोडीकरण
4. इलेक्ट्रोलाइसिस
5. मिश्रधातु का निर्माण

कूट :
(A) केवल 1, 2, 3 और 4
(B) केवल 1, 2, 3 और 5
(C) केवल 1, 2, 4 और 5
(D) केवल 1, 3, 4 और 5

11. श्वेत फॉस्फोरस अँधेरे में किस कारण से दीप्त होता है ?
(A) अक्रिस्टलीय अभिलक्षण
(B) मंद ऑक्सीकरण
(C) उच्च ज्वलन ताप
(D) विद्युत् का उत्तम सुचालक गुण

12. वोटिंग स्याही में निम्नलिखित में से किस रसायन का उपयोग होता है ?
(A) सिल्वर नाइट्रेट
(B) सिल्वर ब्रोमाइड
(C) सिल्वर क्लोराइड
(D) सिल्वर सल्फेट

13. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. हमारे दंत क्षय हेतु अम्ल जिम्मेदार होते हैं.
2. दाँतों के मध्य फँसे खाद्य पदार्थ अम्ल निर्मोचित करने में सहायक होते हैं.
उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) केवल 1 और 2
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

14. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I (अम्ल का नाम)	सूची-II (पदार्थ का नाम जिसमें पाया जाता है)
(a) फॉर्मिक अम्ल	1. चींटी का डंक
(b) कैल्सियम हाइड्रॉक्साइड	2. चूने का पानी
(c) टार्टरिक अम्ल	3. साबुन
(d) सोडियम हाइड्रॉक्साइड	4. इमली और अंगूर
	5. खाने का सोडा

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	4	3
(B)	1	2	4	5
(C)	4	3	1	5
(D)	4	5	1	3

15. लिक्विड पेट्रोलियम गैस के घटकों में शामिल है/हैं ?
1. मीथेन 2. प्रोपेन
3. ब्यूटेन 4. ब्यूटालीन
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1
(B) केवल 1, 2 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 2, 3 और 4

16. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

सामान्यतः प्रयुक्त/उपयुक्त पदार्थ	–	उनमें पाए जाने वाले सम्भावित अवांछनीय रसायन
1. लिपिस्टक	–	सीसा
2. शीतल पेय	–	ब्रोमीनित वनस्पति तेल
3. चाइनीज फास्ट फूड	–	मोनोसोडियम ग्लूटामेट

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौनसा/से सुमेलित है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) केवल 1, 2 और 3

17. निम्नलिखित में से कौनसी विषाणुजनित बीमारियों का वाहक मच्छर होते हैं ?
1. मलेरिया
2. डेंगू
3. चिकनगुनिया
4. पीत ज्वर
5. जापानी इनसेफेलाइटिस
कूट :
(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 1, 2 और 4
(C) केवल 2 और 4
(D) केवल 2, 3, 4 और 5

18. एम्फिसाइमा निम्नलिखित में से किसे प्रभावित करता है ?
(A) यकृत (B) वृक्क
(C) फेफड़ा (D) मस्तिष्क

19. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. दही प्रोबायोटिक का एक उदाहरण है.
2. प्रोबायोटिक प्राकृतिक रूप से हमारे शरीर में पाए जाते हैं.
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) केवल 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1, न तो 2

20. निम्नलिखित में से कौनसा सुमेलित नहीं है ?
(A) आयोडीन-123 : मोतियाबिंद का उपचार
(B) कोबाल्ट-60 : कैंसर का उपचार
(C) फॉस्फोरस-32 : ल्यूकीमिया थेरेपी
(D) सोडियम-24 : रक्त प्रवाह का अनुरेखण

21. निम्नलिखित में से कौन एक जड़ नहीं है ?
(A) गाजर (B) मूली
(C) आलू (D) शलजम

22. मसूड़ों से रक्तस्राव, दाँतों का गिरना, अस्थियों का भंगुर होना एवं घाव भरने में देरी निम्नलिखित में से किस विटामिन की कमी से होता है ?
(A) विटामिन C (B) विटामिन K
(C) विटामिन D (D) विटामिन B

23. निम्नलिखित में से कौनसा सरीसृप वर्ग का जन्तु नहीं है ?
(A) कछुआ
(B) ऑस्ट्रिच
(C) उड़न छिपकली
(D) किंग कोबरा

24. निम्नलिखित में से किस प्राकृतिक पदार्थ से लौह (Fe) विद्यमान होता है ?
(A) क्लोरोफिल (B) कोलैजन
(C) केराटिन (D) मायोग्लोबिन

25. जीन के भीतर अनुक्रम-आधार परिवर्तन कहलाता है–
(A) प्रजनन (B) प्रतिरूपण
(C) उत्परिवर्तन (D) संयोजन

26. हड़प्पा सभ्यता की उत्पत्ति के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा जोड़ा सही नहीं है ?
(A) एम. रफीक मुगल – हड़प्पा सभ्यता ने मेसोपोटामिया सभ्यता से प्रेरणा ली
(B) ई.जे.एच. मैके – सुमेर लोगों का पलायन
(C) मार्टीमर ह्वीलर – पश्चिमी एशिया से सभ्यता के विचार का प्रवसन
(D) अमलानन्द घोष – हड़प्पा सभ्यता का उद्भव पूर्व हड़प्पा सभ्यता की परिपक्वता के परिणामस्वरूप हुआ

27. हेलियोडोरस का वेसनगर अभिलेख सन्दर्भित है–
(A) संकर्षण तथा वासुदेव से
(B) संकर्षण तथा प्रद्युम्न से
(C) संकर्षण, प्रद्युम्न तथा वासुदेव से
(D) केवल वासुदेव से

28. तोल्काप्पियम ग्रन्थ सम्बन्धित है–
(A) प्रशासन से
(B) विधि से
(C) व्याकरण और काव्य से
(D) उपर्युक्त सभी से

29. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I (दक्षिण भारत के समुद्रगुप्त के समकालीन नरेश)	सूची-II (उनके राज्य)
(a) धनंजय	1. अवमुक्त
(b) नीलराज	2. कांची
(c) उग्रसेन	3. कुस्तलपुर
(d) विष्णुगोपा	4. पालक्का

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	3	1	4	2
(D)	4	3	2	1

30. मौर्य मन्त्रिपरिषद् में निम्नलिखित में से कौन राजस्व इकट्ठा करने से सम्बन्धित था ?
(A) समाहर्ता (B) व्यभारिका
(C) अंतपाल (D) प्रदेष्टा

31. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I (राजवंश)	सूची-II (राजधानी)
(a) शुंग वंश	1. महोबा
(b) सातवाहन वंश	2. बनवासी
(c) कदम्ब वंश	3. पैठन
(d) चन्देल वंश	4. पाटलिपुत्र

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	3	2	1
(B)	4	2	3	1
(C)	1	4	2	3
(D)	1	2	3	4

32. चोल शासकों के शासनकाल में निम्नलिखित में से कौनसा वारियम् उद्यान प्रशासन का कार्य देखता था ?
(A) पोन वारियम्
(B) एरि वारियम्
(C) टोट्ट वारियम्
(D) सम्वत्सर वारियम्

33. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I	
(a) ताजुल मासिर	
(b) खजाइन-उल-फतूह	

(c) तारीख-ए-मुबारकशाही
(d) फतवा-ए-जहाँदारी

सूची-II

1. जियाउद्दीन बरनी
2. हसन निजामी
3. अमीर खुसरो
4. याहिया बिन अहमद सरहिंदी

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	4	1
(B)	2	4	1	3
(C)	2	1	4	3
(D)	1	3	4	2

34. निम्नलिखित में से कौन शेख फरीद का सर्वाधिक ख्यातिलब्ध शिष्य, जिसने दिल्ली के सात सुल्तानों का शासन देखा था ?
(A) निजामुद्दीन औलिया
(B) शेख नासिरुद्दीन चिराग
(C) शेख सलीम चिश्ती
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

35. अकबर द्वारा दीवान का पूर्णरूपेण दर्जा दिया जाने वाला प्रथम व्यक्ति था–
(A) आसफ खाँ
(B) मुनीम खाँ
(C) मुजफ्फर खाँ तुरबती
(D) राजा टोडरमल

36. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. दिल्ली सल्तनत के राजस्व प्रशासन में राजस्व वसूली के प्रभारी को 'आमिल' कहा जाता था.
2. दिल्ली के सुल्तानों की इक्ता प्रणाली एक प्राचीन देशी संस्था थी.
3. 'मीर बख्शी' का पद दिल्ली के खिलजी सुल्तानों के शासनकाल में अस्तित्व में आया.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 3
(D) केवल 1, 2 और 3

37. निम्नलिखित में से कौन हैदराबाद के स्वतन्त्र राज्य का संस्थापक था ?
(A) कमरूद्दीन खाँ
(B) मोहम्मद अमीन खाँ
(C) असद खाँ
(D) चिनकिलिच खाँ

38. सरंजामी प्रथा किससे सम्बन्धित थी ?
(A) मराठा भू-राजस्व प्रथा
(B) तालुकदारी प्रथा
(C) कुतुबशाही प्रशासन
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

39. निम्नलिखित में से कौन एक सुमेलित है ?

लेखक – पुस्तकें

(A) वैलेंटाइन शिरोल – द इण्डियन स्ट्रगल
(B) रफीक जकारिया – द मैन हू डिवाइडेड इण्डिया
(C) सुभाष चन्द्र बोस – इण्डियन अनरेस्ट
(D) वी. डी. सावरकर – अनहैप्पी इण्डिया

40. निम्नलिखित में से कौन 'स्वराज पार्टी' के गठन से सम्बन्धित थे ?
1. सुभाष चन्द्र बोस
2. सी.आर. दास
3. जवाहरलाल नेहरू
4. मोतीलाल नेहरू

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1, 2, 3 और 4
(B) केवल 1, 2 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 2 और 4

41. **कथन (A) :** 'भारत छोड़ो आन्दोलन' भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन की पराकाष्ठा थी.
कारण (R) : भारत छोड़ो आन्दोलन के पश्चात् शक्ति हस्तान्तरण की प्रक्रिया की खोज समय का तकाजा थी.
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए–

कूट :

(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

42. निम्नलिखित में से कौनसी तिथि को मुस्लिम लीग ने 'पाकिस्तान दिवस' मनाया था ?
(A) 25 अप्रैल, 1920
(B) 5 फरवरी, 1922
(C) 14 जनवरी, 1942
(D) 23 मार्च, 1943

43. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से सम्बन्धित निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए–
1. 1929 का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन
2. गांधी-इर्विन समझौता
3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कराची अधिवेशन
4. राजगुरु की फाँसी

नीचे दिए गए कूट से इन घटनाओं के सही कालानुक्रम का चयन कीजिए–

कूट :

(A) 1, 2, 4, 3 (B) 2, 1, 3, 4
(C) 4, 3, 2, 1 (D) 1, 2, 3, 4

44. प्रथम अखिल भारतीय समाजवादी युवा कांग्रेस का सभापति कौन था ?
(A) सुभाष चन्द्र बोस
(B) आचार्य नरेन्द्र देव
(C) जवाहरलाल नेहरू
(D) जे.बी. कृपलानी

45. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I

(a) सुभाष चन्द्र बोस
(b) बल्लभभाई पटेल
(c) इकबाल
(d) बटुकेश्वर दत्त

सूची-II

1. सेन्ट्रल असेम्बली में बम फेंका जाना
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का हरिपुर अधिवेशन
3. ऑपरेशन पोलो
4. 1930 का मुस्लिम लीग का अधिवेशन

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	4	1
(B)	1	2	3	4
(C)	4	3	2	1
(D)	3	4	2	1

46. निम्नलिखित में से किसे पेरिस की रॉयल एशियाटिक सोसायटी की सदस्यता प्रदान की गई थी ?
(A) दादाभाई नौरोजी
(B) माइकल मधुसूदन दत्त
(C) राजा राममोहन राय
(D) विवेकानन्द

47. भारत में औपनिवेशिक शासन के दौरान शैक्षणिक संस्थाओं के सन्दर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए–

(संस्थान) (संस्थापक)

1. बनारस का संस्कृत कॉलेज – विलियम जोन्स
2. कलकत्ता मदरसा – वॉरेन हेस्टिंग्स
3. फोर्ट विलियम कॉलेज – ऑर्थर वेलेजली

उपर्युक्त युग्मों में से कौनसा/से सही सुमेलित है/हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2

(C) 1 और 3
(D) केवल 3

48. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I (घटनाएं)	सूची-II (तिथियाँ)
(a) बैरकपुर विद्रोह	1. जुलाई 1806
(b) बरहामपुर विद्रोह	2. नवम्बर 1824
(c) संथाल विद्रोह	3. 1855-56
(d) बेल्लोर विद्रोह	4. फरवरी 1857

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	4	3	1
(B)	2	1	4	3
(C)	3	4	2	1
(D)	1	2	4	3

49. किसने कहा कि "यदि भगवान अस्पृश्यता को सहन करते हैं, तो मैं उन्हें कभी भगवान नहीं मानूँगा ?"
(A) बी.आर. अम्बेडकर
(B) बाल गंगाधर तिलक
(C) लाला लाजपत राय
(D) महात्मा गांधी

50. 'ब्रिटिश इण्डियन एसोसिएशन' के प्रथम अध्यक्ष कौन थे ?
(A) सुरेन्द्र नाथ बनर्जी
(B) गोपाल कृष्ण गोखले
(C) राधा कान्त देव
(D) आनन्द मोहन बोस

51. हिमालय की मुख्य चोटियाँ नीचे दी गई हैं. इन्हें उच्च से निम्न ऊँचाई के क्रम में व्यवस्थित कीजिए–
1. कंचनजंगा 2. नंगा पर्वत
3. नंदा देवी 4. धौलागिरि
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(A) 1, 4, 2, 3 (B) 1, 2, 4, 3
(C) 4, 1, 2, 3 (D) 2, 3, 1, 4

52. 'पश्चिमी घाट' के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. यह प्रायद्वीपीय पठार में बहने वाली बड़ी-बड़ी नदियों का स्रोत है.
2. आकृति की दृष्टि से यह एक सम्पूर्ण इकाई है.
3. यह दीवार की भाँति खड़ा है, जिसे केवल दर्रों से ही पार किया जा सकता है.
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 1, 2 और 3

53. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (नदी बेसिन)	सूची-II (नगर)
(a) भागीरथी	1. लैंसडाउन
(b) अलकनंदा	2. नरेन्द्र नगर
(c) नयार	3. उत्तरकाशी
(d) गंगा	4. पौड़ी

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	4	2
(B)	3	4	1	2
(C)	2	4	1	3
(D)	2	1	4	3

54. निम्नलिखित में से किन-किन राज्यों में काली मृदा पाई जाती है ?
1. गुजरात
2. महाराष्ट्र
3. आन्ध्र प्रदेश
4. पंजाब
कूट :
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1, 2 और 3
(C) केवल 1, 3 और 4
(D) केवल 1, 2, 3 और 4

55. निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. भारत में तटीय वन अण्डमान और निकोबार द्वीप समूहों में पाए जा सकते हैं.
2. तटीय वनों के वृक्ष की जड़ें श्वसन करने के लिए रूपान्तरित हो जाती है.
कूट :
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

56. भारत में निम्नलिखित खानों में से कौनसी ताँबा उत्पादन के लिए जानी जाती है/हैं ?
1. मलाजखण्ड
2. खेतड़ी
3. कोडरमा
नीचे दिए गए विकल्प में से सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 2
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 1 और 3
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

57. निम्नलिखित में से कौनसा बन्दरगाह ज्वारनदमुख पर स्थित है ?
(A) कांडला
(B) मर्मागाओ
(C) कोलकाता-हल्दिया
(D) तूतीकोरिन

58. निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. करेवा निक्षेप जम्मू-कश्मीर में पाए जाते हैं.
2. करेवा जाफरान की कृषि के लिए प्रसिद्ध है.
कूट :
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

59. निम्नलिखित में से कौन सुमेलित नहीं है ?
(A) बनिहाल दर्रा – पीरपंजाल श्रेणी
(B) फोतु ला – जास्कर श्रेणी
(C) खार्दुंग ला – लद्दाख श्रेणी
(D) जेलेप ला – कैलाश श्रेणी

60. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
सूची-I (जल-विद्युत् परियोजना)
(a) मैथन परियोजना
(b) सलाल परियोजना
(c) राणा प्रताप सागर परियोजना
(d) टिहरी परियोजना
सूची-II (नदी)
1. चंबल नदी
2. भागीरथी नदी
3. बराकर नदी
4. चेनाब नदी
कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	4	3
(B)	2	4	1	3
(C)	3	1	4	2
(D)	3	4	1	2

61. भारतीय रेलवे के मध्य रेलवे मण्डल का मुख्यालय कहाँ स्थित है ?
(A) जबलपुर (B) मुम्बई
(C) सिकन्दराबाद (D) प्रयागराज

62. निम्नलिखित युग्मों में कौनसा/से सुमेलित नहीं है/हैं ?

जनजाति	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र
1. बोंबा	– जम्मू-कश्मीर
2. बगारा	– तमिलनाडु
3. गरसिया	– राजस्थान
4. चांग	– नगालैण्ड

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) केवल 1, 2 और 4
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

63. पेनगंगा तथा गोदावरी घाटियों के निम्न भागों में मुख्यतः किस प्रकार की चट्टानें पाई जाती हैं ?
(A) आर्कियन समूह की चट्टानें
(B) धारवाड़ समूह की चट्टानें
(C) कुड़प्पा समूह की चट्टानें
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

64. निम्नलिखित में से कौनसे भारतीय राज्य चीन की सीमा को स्पर्श करते हैं ?
1. पश्चिम बंगाल 2. सिक्किम
3. हिमाचल प्रदेश 4. उत्तराखण्ड

कूट :
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1, 2 और 4
(C) केवल 1, 2 और 3
(D) केवल 2, 3 और 4

65. आठ डिग्री चैनल निम्नलिखित में से किसको पृथक् करता है ?
(A) भारत को श्रीलंका से
(B) लक्षद्वीप को मालदीव से
(C) अण्डमान को निकोबार द्वीप समूह से
(D) इन्दिरा पॉइंट को इण्डोनेशिया से

66. मेरियाना खाई (गर्त) किस महासागर तल में स्थित है ?
(A) दक्षिणी अटलाण्टिक महासागर
(B) पश्चिमी प्रशान्त महासागर
(C) पूर्वी प्रशान्त महासागर
(D) उत्तरी अटलाण्टिक महासागर

67. निम्नलिखित में से कौनसी महासागरीय धारा हिन्द महासागर से सम्बन्धित है ?
(A) फ्लोरिडा धारा
(B) कनारी धारा
(C) अगुलहास धारा
(D) क्यूराईल धारा

68. दक्षिणी अफ्रीका का पोस्टमास्बुर्ग और उसका समीपवर्ती क्षेत्र निम्नलिखित में से किस खनिज का उत्पादक है ?
(A) यूरेनियम (B) बॉक्साइट
(C) मैंगनीज (D) अभ्रक

69. निम्नलिखित में से किस देश समूह की सीमा इजरायल से लगी हुई हैं ?
(A) लेबनान, सीरिया, जोर्डन, मिस्र
(B) मिस्र, टर्की, जोर्डन, साइप्रस
(C) लेबनान, सीरिया, टर्की, जोर्डन
(D) टर्की, सीरिया, इराक, यमन

70. निम्नलिखित युग्मों में कौन सही सुमेलित नहीं है ?
(A) गिनी-बिसाऊ – बिसाऊ
(B) ताइवान – ताइपेई
(C) निकारागुआ – मानागुआ
(D) मालदीव – मालाबो

71. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (नगर)	सूची-II (नदी)
(a) खारतुम	1. जैरे
(b) ब्राजावेले	2. नील
(c) रॉटर्डम	3. सीन
(d) पेरिस	4. राइन

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	4	3
(B)	1	2	3	4
(C)	4	3	2	1
(D)	3	4	1	2

72. निम्नलिखित में से कौन जल लवणता प्रवणता को दर्शाता है ?
(A) थर्मोक्लाइन
(B) हेलोक्लाइन
(C) पाइक्नोक्लाइन
(D) केमेक्लाइन

73. निम्नलिखित झीलों में से कौन विश्व की प्राचीनतम तथा सबसे गहरी झील है ?
(A) बैकाल झील
(B) ह्यूरॉन झील
(C) विक्टोरिया झील
(D) विनीपेग झील

74. निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित नहीं है ?
(A) विश्व का सबसे ऊँचा जलप्रपात – टुगेला प्रपात
(B) विश्व की सबसे बड़ी ताजे जल की झील – सुपीरियर झील
(C) विश्व की सबसे ऊँची नावगम्य झील – टिटकाका झील
(D) विश्व की दूसरी सबसे गहरी झील – टंगानिका झील

75. निम्नलिखित में से कौनसा मरुस्थल दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित है ?
(A) कालाहारी (B) गोबी
(C) चिहुआहुआन (D) सहारा

76. लखनऊ जिले की सीमा निम्नलिखित में से किस जिले की सीमा को स्पर्श नहीं करती है ?
(A) बलिया (B) उन्नाव
(C) हरदोई (D) बाराबंकी

77. उत्तर प्रदेश में किस प्रकार की पंचायत राज व्यवस्था है ?
(A) त्रिस्तरीय (B) द्विस्तरीय
(C) एक स्तरीय (D) चार स्तरीय

78. निम्नलिखित में से कौन उत्तर प्रदेश का (जनसंख्या की दृष्टि से) तीसरा सबसे बड़ा जनपद है ?
(A) मुरादाबाद (B) लखनऊ
(C) इलाहाबाद (D) गाजियाबाद

79. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सुमेलित नहीं है ?

नगर/कस्बा		नदी
(A) बिठुर	–	गंगा
(B) गोरखपुर	–	राप्ती
(C) जौनपुर	–	सई
(D) कौशाम्बी	–	यमुना

80. उत्तर प्रदेश की निम्नलिखित जनजातियों में से कौन बहु-विवाह व्यवस्था को आचरित करती है ?
(A) जौनसारी (B) भोक्सा
(C) राजी (D) कोरवा

81. निम्नलिखित में से कौन एक सुमेलित नहीं है ?

(A) देवा	–	बाराबंकी
(B) आल्हा	–	महोबा
(C) करमा	–	मथुरा
(D) कजरी	–	मिर्जापुर

82. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I (केन्द्र)	सूची-II (उद्योग)
(a) आंवला	1. पॉलीफाइबर
(b) मोदीनगर	2. उर्वरक
(c) बाराबंकी	3. रबड़
(d) कानपुर	4. विस्फोटक

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	1	4
(C)	3	2	4	1
(D)	4	3	2	1

83. कन्हैयालाल मणिकलाल केन्द्रीय हिन्दी संस्थान स्थित है–
(A) आगरा में (B) बरेली में
(C) गोरखपुर में (D) मेरठ में

84. उत्तर प्रदेश में पाए जाने वाले प्रमुख खनिज हैं–
(A) ताँबा एवं ग्रेफाइट
(B) लाइमस्टोन तथा डोलोमाइट
(C) रॉक फॉस्फेट तथा डोलोमाइट
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

85. निम्नलिखित बायोम को भूमध्य से ध्रुव की ओर व्यवस्थित कीजिए–
1. सवाना 2. प्रेयरी
3. टुंड्रा 4. टैगा
कूट :
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 1, 3, 2, 4
(C) 1, 2, 4, 3 (D) 2, 1, 3, 4

86. इनमें से कौन पारिस्थितिकी तन्त्र के घटक हैं ?
1. मृदा
2. उत्पादक
3. अकार्बनिक पदार्थ
4. तापमान
कूट :
(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 3 और 4
(C) केवल 1, 2 और 4
(D) केवल 1, 2, 3 और 4

87. पर्यावरण में सन्तुलन बनाए रखने में निम्नलिखित में से कौनसी प्राकृतिक प्रक्रियाएं हैं ?
1. ऊर्जा एवं पोषक तत्वों का चक्रीय प्रवाह.
2. भोजन, आवरण एवं जल संसाधनों को प्राप्त करने के लिए प्रतिस्पर्द्धा.
3. उत्पादकों की संख्या उपभोक्ताओं से हमेशा अधिक होती है.
कूट :
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

88. खाद्य शृंखला में किस प्रदूषण का दीर्घकालिक सान्द्रण 'CNS सिन्ड्रोम रोग' जिसमें कोमा (Coma) तथा मृत्यु होती है, के लिए उत्तरदायी है ?
(A) पारा प्रदूषण
(B) सीसा प्रदूषण
(C) फ्लुओराइड प्रदूषण
(D) आर्सेनिक प्रदूषण

89. निम्नलिखित में से किन राष्ट्रीय उद्यानों में प्रोजक्ट टाइगर के तहत् बाघ हैं ?
1. सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान
2. सिमलीपाल राष्ट्रीय उद्यान
3. वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान
4. पिन घाटी राष्ट्रीय उद्यान
कूट :
(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 1, 2 और 4
(C) केवल 3 और 4
(D) केवल 1, 3 और 4

90. निम्नलिखित में से किस राज्य में भारत का सबसे बड़ा 'वन्यजीव बचाव केन्द्र' (गोरेवाड़ा चिड़ियाघर) स्थापित किया गया है ?
(A) कर्नाटक (B) महाराष्ट्र
(C) गुजरात (D) आन्ध्र प्रदेश

91. निम्नलिखित में से कौन अम्लीय वर्षा का कारक (कारण) बन जाता है ?
(A) ओजोन
(B) अमोनिया
(C) सल्फर डाइऑक्साइड
(D) कार्बन मोनोऑक्साइड

92. मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. यह ओजोन क्षयकारी पदार्थों (ओ.डी.एस.) के उत्पादन को विनियमित करने से सम्बन्धित है.
2. इसे विश्व के प्रत्येक राष्ट्र द्वारा अंगीकृत किया गया है.
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) केवल 1 और 2
(D) न तो 1 और न ही 2

93. भारत ने जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना अपनाई है. इसके अन्तर्गत शामिल है–
(A) मात्र अल्पकरण उपाय
(B) मात्र अभिग्रह उपाय
(C) अल्पीकरण एवं अभिग्रहण उपाय दोनों
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

94. ग्रीनहाउस प्रभाव में निम्न गैसों के प्रत्यक्ष योगदान का बढ़ता हुआ सही क्रम क्या है ?
(A) ओजोन, मीथेन, जलवाष्प, कार्बन डाइऑक्साइड
(B) मीथेन, ओजोन, जलवाष्प, कार्बन डाइऑक्साइड
(C) मीथेन, ओजोन, कार्बन डाइऑक्साइड, जलवाष्प
(D) ओजोन, मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड, जलवाष्प

95. MIKE संरक्षण कार्यक्रम इनमें से किस जीव से सम्बद्ध है ?
(A) बाघ (B) मगरमच्छ
(C) हाथी (D) गैंडा

96. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए–
1. समुद्री गाय (डुआंग)
– कच्छ की खाड़ी
2. भौंकने वाले मृग
– सुन्दरवन जीव मण्डल
3. सिरूवानी पहाड़ियाँ
– मन्नार की खाड़ी जैव मण्डल
उपर्युक्त युग्मों में से कौनसा निचय से सुमेलित है/हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3
(D) केवल 1, 2 और 3

97. निम्नलिखित में से कौन रामसर स्थल नहीं है ?
(A) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान
(B) चन्द्र ताल
(C) मानस राष्ट्रीय उद्यान
(D) चिल्का झील

98. निम्न पोषण स्तर से उच्च पोषण स्तर पर जाने में उपभोक्ताओं की संख्या घटती जाती है. इसका प्रत्यक्ष कारण है–
(A) सीमित बायोमास
(B) ऊर्जा प्रवाह
(C) पारिस्थितिक तन्त्र की वहनीय क्षमता
(D) सीमित पोषक तत्व

99. निम्नलिखित में से कौनसा/से रासायनिक यौगिक तम्बाकू के धुएँ (सिगरेट) में पाए जा सकते हैं ?
1. निकोटिन
2. कार्बन मोनोऑक्साइड
3. सायनाइड
कूट :
(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 1, 2 और 3

100. भारत में सी.ए.जी. (नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक) कार्य करते हैं–
(A) नागरिक स्वतन्त्रता के संरक्षक के रूप में
(B) लोक-वित्त संरक्षण के रूप में
(C) सरकार के मुख्य विधिक सलाहकार के रूप में
(D) उपर्युक्त सभी के संरक्षक के रूप में

101. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है–
कथन (A) : राज्य सभा का विघटन नहीं होता.
कारण (R) : उसके (यथासम्भव) एक-तिहाई सदस्य हर दूसरे वर्ष सेवानिवृत्त हो जाते हैं.
आगे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है

(B) (A) और (R) दोनों सहीं हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है

(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है

(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है

102. निम्नलिखित युग्मों से कौनसा सुमेलित नहीं है ?

(A) हिन्दू विवाह अधिनियम – 1955

(B) हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम – 1956

(C) 73वाँ संविधान संशोधन – शहरी क्षेत्रों के स्थानीय निकायों के चुनाव में महिलाओं के लिए स्थानों का आरक्षण

(D) सती (निरोध) अधिनियम – 1987

103. निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रीय विकास परिषद् की रचना करते हैं ?

1. प्रधानमंत्री
2. अध्यक्ष, वित्त आयोग
3. संघीय मन्त्रिमण्डल
4. राज्यों के मुख्यमंत्री

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 1, 2 और 3

(B) केवल 1, 3 और 4

(C) केवल 2 और 4

(D) केवल 1, 2, 3 और 4

104. भारत के संविधान में लोक सभा में अनुसूचित जनजातियों के लिए व्यवस्था की गई है–

(A) अनुच्छेद 330 में

(B) अनुच्छेद 331 में

(C) अनुच्छेद 332 में

(D) अनुच्छेद 333 में

105. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है–

कथन (A) : भारत एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतन्त्रात्मक गणराज्य है.

कारण (R) : इसे 42वें संविधान संशोधन 1976 द्वारा 'सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न लोकतन्त्रात्मक गणराज्य के स्थान पर प्रतिस्थापित किया गया है.

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है

(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

106. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I

(a) संविधान का भाग XV

(b) संविधान का भाग XVI

(c) संविधान का भाग XVII

(d) संविधान का भाग XVIII

सूची-II

1. आपात उपबन्ध
2. राजभाषा
3. कुछ वर्गों के सम्बन्ध में विशेष उपबन्ध
4. निर्वाचन

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	1	2
(B)	4	3	2	1
(C)	1	2	3	4
(D)	2	1	4	3

107. भारतीय संविधान में 'राज्यों की संघ' की संकल्पना को लप्त किया गया है–

(A) अमरीका के संविधान से

(B) आस्ट्रेलिया के संविधान से

(C) ब्रिटिश नार्थ अमरीका अधिनियम से

(D) स्विट्जरलैण्ड के संविधान से

108. निम्नलिखित पर विचार कीजिए–

1. भारत की संविधान सभा ने राष्ट्रीय ध्वज का प्रारूप 22 जुलाई, 1947 को अपनाया था.
2. राष्ट्रीय ध्वज के बीच चक्र में 21 तीलियाँ हैं.
3. राष्ट्रीय ध्वज की चौड़ाई-लम्बाई का अनुपात 3 : 4 है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 1

(C) 2 और 3

(D) केवल 2

109. निम्नलिखित में से कौनसी मद भारत के संविधान की समवर्ती सूची में है ?

(A) जनसंख्या नियन्त्रण और परिवार नियोजन

(B) लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता

(C) प्रति व्यक्ति कर

(D) निखात निधि

110. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (संविधान का अनुच्छेद)

(a) अनुच्छेद 54

(b) अनुच्छेद 75

(c) अनुच्छेद 155

(d) अनुच्छेद 164

सूची-II (अंतर्वस्तु)

1. भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन
2. प्रधानमंत्री और मन्त्रिपरिषद् की नियुक्ति
3. राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति
4. राज्य के मुख्यमंत्री और मन्त्रि-परिषद् की नियुक्ति
5. राज्य विधान सभाओं की संरचना

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	1	2	4	5
(C)	2	1	3	5
(D)	2	1	4	3

111. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद अल्पसंख्यकों को अपनी मनपसन्द शिक्षण संस्थान को स्थापित एंव संचालित करने के अधिकार को संरक्षण प्रदान करता है ?

(A) अनुच्छेद 19 (B) अनुच्छेद 26

(C) अनुच्छेद 29 (D) अनुच्छेद 30

112. निम्नांकित में से कौनसा सही सुमेलित नहीं है ?

(A) बन्दी प्रत्यक्षीकरण – 'टू हैव दि बॉडी ऑफ'

(B) परमादेश – 'वी कमाण्ड'

(C) प्रतिषेध – 'टू बी सर्टिफाइड'

(D) अधिकार पृच्छ – बाई ह्वाइट अथॉरिटी

113. निम्नलिखित में से भारत में मौलिक कर्तव्य कौनसा है ?

(A) न्यापालिका से कार्यपालिका का पृथक्करण

(B) हमारी मिली जुली संस्कृति की समृद्ध विरासत को संरक्षित करना

(C) बच्चों के लिए मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा

(D) छुआछूत की परम्परा को समाप्त करना

114. "राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्त एक ऐसा चेक है, जो बैंक की सुविधानुसार अदा किया जाता है." किसने कहा था ?

(A) बी.आर. अम्बेडकर ने

(B) के.एम. मुंशी ने

(C) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने
(D) के.टी. शाह ने

115. भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषता है–
1. कृषि की प्रधानता
2. उद्योग की प्रधानता
3. न्यून प्रति व्यक्ति आय
4. वृहद बेरोजगारी
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1, 2 और 3
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) केवल 1, 3 और 4

116. भारत में राष्ट्रीय आय समंकों का आकलन किया जाता है–
(A) नीति आयोग द्वारा
(B) वित्त आयोग द्वारा
(C) रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा
(D) केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (CSO) द्वारा

117. समावेशी संवृद्धि के लिए आवश्यक है–
(A) अधो-संरचनात्मक सुविधाओं का विकास
(B) कृषि का पुनरुद्धार
(C) शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसी सामाजिक सेवाओं की अधिकाधिक उपलब्धता
(D) उपर्युक्त सभी

118. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
(A) यह किसी भी देश को ऋण प्रदान कर सकता है
(B) यह केवल विकसित देशों को ऋण प्रदान करता है
(C) यह केवल सदस्य देशों को ऋण प्रदान करता है
(D) यह किसी देश के केन्द्रीय बैंक को ऋण प्रदान कर सकता है

119. राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम केन्द्र सरकार द्वारा किस वर्ष में प्रारम्भ किया गया है ?
(A) 2018 (B) 2017
(C) 2020 (D) 2019

120. समन्वित बाल विकास परियोजना के अन्तर्गत निम्नलिखित में से कौनसा एक सम्मिलित नहीं है ?
(A) पूरक पोषण
(B) टीकाकरण
(C) पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा
(D) परिवार नियोजन

121. लघु उद्योगों के लिए बनी निम्न समितियों को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए और नीचे दिए हुए कूटों में सही उत्तर चुनिए–
1. नायक समिति
2. आबिद हुसैन समिति
3. एस.एस. कोहली समिति
4. कार्वे समिति
कूट :
(A) 1, 2, 4, 3 (B) 3, 2, 1, 4
(C) 4, 2, 1, 3 (D) 1, 2, 3, 4

122. 'संवृद्धि की सीमा' की अवधारणा का प्रतिपादन किसके द्वारा किया गया था ?
(A) क्लब ऑफ रोम
(B) यूनेस्को
(C) ब्रेटलैंड आयोग
(D) एजेण्डा-21

123. बहुआयामी निर्धनता सूचकांक में सम्मिलित होता है–
1. स्वास्थ्य 2. शिक्षा
3. जीवन-स्तर
नीचे दिए हुए कूटों में से सही उत्तर चुनिए–
(A) केवल 1 सही है
(B) केवल 2 और 3 सही हैं
(C) केवल 1 और 2 सही हैं
(D) केवल 1, 2 और 3 सही हैं

124. 'सबके लिए सतत् ऊर्जा दशक' पहल है–
(A) संयुक्त राष्ट्र संघ का
(B) भारत का
(C) जर्मनी का
(D) विश्व बैंक का

125. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–
सूची-I (योजना)
(a) पी.एम. जन आरोग्य अभियान
(b) पी.एम. वय वंदना योजना
(c) पी.एम. रोजगार प्रोत्साहन योजना
(d) स्वच्छ भारत अभियान
सूची-II (प्रारम्भ वर्ष)
1. 2015 2. 2018
3. 2017 4. 2014
कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	1	4
(B)	1	2	3	4
(C)	2	3	4	1
(D)	2	4	3	1

126. आईसीसी टी-20 विश्व कप 2022 में कुल कितने शतक लगे हैं ?
(A) 4 (B) 3
(C) 2 (D) 1

127. अगला आईसीसी टी-20 विश्व कप 2024 का आयोजन किस देश की मेजबानी में आयोजित होगा ?
(A) दक्षिण अफ्रीका
(B) भारत
(C) इंगलैण्ड
(D) अमरीका व वेस्टइण्डीज

128. ऑस्ट्रा-हिन्द 2022 का संयुक्त युद्धाभ्यास किस देश के साथ भारत ने सम्पन्न किया ?
(A) फ्रांस (B) जापान
(C) आस्ट्रेलिया (D) मलेशिया

129. 17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन जनवरी 2023 में कहाँ सम्पन्न होगा ?
(A) इन्दौर (B) सूरत
(C) लखनऊ (D) नागपुर

130. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार शरत कमल अचंत (टेबल टेनिस) को प्रदान किया गया.
2. वर्ष 2022 में कुल 20 लोगों को अर्जुन पुरस्कार प्रदान किए गए.
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) केवल 1 और 2
(D) न तो 1 और न ही 2

131. भारत के कितने लोगों को अभी तक (वर्ष 2022 तक) नोबेल पुरस्कार मिल चुका है ?
(A) 4 (B) 5
(C) 3 (D) 8

132. 36वें राष्ट्रीय खेल 2022 का आयोजन कहाँ सम्पन्न हुआ ?
(A) गुजरात (B) हरियाणा
(C) केरल (D) असम

133. भारतीय क्रिकेट कन्ट्रोल बोर्ड का नया अध्यक्ष कौन बना है ?
(A) सौरव गांगुली
(B) रोजर बिन्नी
(C) वी.वी.एस. लक्ष्मण
(D) अमरनाथ

134. वर्ष 2022 का बुकर पुरस्कार किसे प्रदान किया गया है ?
(A) शेहान करुणातिलका
(B) वी.एस. नायपाल
(C) एलेक्सिया पुटेलास
(D) करीम बेंजेमा

135. वर्तमान में (नवम्बर 2022 तक) महारत्न कम्पनियों की संख्या कितनी है ?
(A) 10 (B) 12
(C) 13 (D) 14

136. विपणन वर्ष 2023-24 के लिए गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) कितना निर्धारित किया गया है ?
(A) ₹ 2015 (B) ₹ 2215
(C) ₹ 2340 (D) ₹ 2125

137. ग्लोबल हंगर इण्डेक्स (2022) रिपोर्ट में भारत को कौनसी रैंक प्रदान की गई है ?
(A) 54वीं (B) 64वीं
(C) 96वीं (D) 107वीं

138. निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
(A) जॉर्जिया मेलोनी इटली की नई प्रधानमंत्री बनी हैं
(B) भारतीय मूल के ऋषि सुनक ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बने हैं
(C) लुइज इनासियो लूला द सिल्वा ब्राजील के नए राष्ट्रपति बने हैं
(D) उर्ल्फ क्रिस्टर्सन फ्रांस के नए प्रधानमंत्री नियुक्त हुए हैं

139. केन्द्र सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) को अधिक प्रभावी तथा पारदर्शी बनाए जाने के उद्देश्य से किस समिति का गठन किया ?
(A) इन्दु मल्होत्रा समिति
(B) सुधीर कुमार सक्सेना समिति
(C) अग्रवाल समिति
(D) भूरे लाल समिति

140. अन्तर्राष्ट्रीय पुलिस एक्सपो 2022 का आयोजन भारत के किस नगर में सम्पन्न हुआ ?
(A) लखनऊ (B) जयपुर
(C) कोलकाता (D) नई दिल्ली

141. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश का पहला भूकम्प स्मारक 'स्मृति वन' किस स्थान पर देश को समर्पित किया ?
(A) नई दिल्ली (B) भुज
(C) शिमला (D) नैनीताल

142. पीएम श्री स्कूल योजना पर विचार कीजिए–
1. विद्यालयी शिक्षा प्रणाली का प्रोन्नयन कर विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य को ध्यान में रख कर तैयार की गई.
2. पीएम श्री स्कूल योजना की घोषणा 2 अक्टूबर, 2022 को की गई.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) केवल 1 और 2
(D) न तो 1 और न ही 2

143. भारत के किस नगर में केन्द्र-राज्य विज्ञान सम्मेलन, 2022 का आयोजन किया गया ?
(A) भोपाल (B) चेन्नई
(C) भुवनेश्वर (D) अहमदाबाद

144. 'तारागिरि' निम्नलिखित में से क्या है ?
(A) लड़ाकू विमान
(B) युद्धपोत
(C) सुपर सोनिक मिसाइल
(D) प्रक्षेपण यान

145. भारत में विलुप्त घोषित चीतों का पुनर्वास के लिए 8 चीतों को किस देश से मँगाया गया ?
(A) जर्मनी (B) दक्षिण अफ्रीका
(C) नामीबिया (D) लीबिया

146. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. कसाबा कोरोसी संयुक्त राष्ट्र संघ में 13 सितम्बर, 2022 से संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें अध्यक्ष सर्वसम्मति से बने हैं.
2. भारत की श्रीमती विजयलक्ष्मी पण्डित संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली महिला अध्यक्ष बनी थीं.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2
(D) न तो 1 और न ही 2

147. 'आई2यू2' समूह में निम्नलिखित में से कौन एक देश शामिल नहीं है ?
(A) भारत (B) इजरायल
(C) यूगोस्लाविया (D) अमरीका

148. जी-20 के अनुसन्धान मन्त्रियों की बैठक अक्टूबर 2022 में कहाँ आयोजित हुई थी ?
(A) जकार्ता में
(B) समरकंद में
(C) नई दिल्ली में
(D) शंघाई में

149. अमरीकी अन्तरिक्ष नासा (NASA) ने किस वर्ष अपना मंगल मिशन भेजने का लक्ष्य निर्धारित किया ?
(A) 2025 (B) 2028
(C) 2033 (D) 2035

150. शिंजो आबे किस देश के पूर्व प्रधानमंत्री रहे हैं, जिनकी 8 जुलाई, 2022 को गोली मारकर हत्या कर दी गई ?
(A) रूस
(B) जापान
(C) दक्षिण अफ्रीका
(D) ब्राजील

उत्तर व्याख्या सहित

1. (D) सही सुमेलन इस प्रकार हैं–
   * ऐनिमोमीटर – वायु वेग
   * सिस्मोग्राफ – भूकम्प
   * बैरोमीटर – वायुमण्डलीय दाब
   * हाइग्रोमीटर – आर्द्रता.

2. (D) सेल्सियस ताप मापने का मात्रक है. ऊष्मा का मात्रक 'कैलोरी' होता है. नौसंचालन में प्रयुक्त दूरी को मापने की इकाई 'समुद्री मील' है. 'शक्ति' का मात्रक 'जूल/सेकण्ड' होता है, जिसे वाट कहते हैं. 1 अश्व शक्ति 746 वाट के समतुल्य होता है. ध्वनि की प्रबलता को 'डेसिबल' मात्रक में मापते हैं.

3. (B) आँखों में प्रकाश कोर्निया से होकर ही प्रवेश करता है. कोर्निया के पीछे एक रंगीन अपारदर्शी झिल्ली या पर्दा होता है, जिसे परितारिका या आइरिस (Iris) कहते हैं. आइरिस पुतली के साइज को साथ ही नेत्र में प्रवेश करने वाले प्रकाश की मात्रा को नियन्त्रित करता है.

4. (A) हैनरिच हर्ट्ज ने प्रकाश-विद्युत् प्रभाव की खोज की, जिसको व्याख्या बाद में आइन्सटाइन ने की.आवृत्ति के S.I. मात्रक का नाम इन्हीं के सम्मान में 'हर्ट्ज' रखा गया था.

5. (A) सोलर सेल द्वारा प्रकाश ऊर्जा को सीधे विद्युत् ऊर्जा में रूपान्तरित किया जाता है.
   सौर सेल को बनाने के लिए सिलिकॉन का उपयोग किया जाता है, जो प्रचुर मात्रा में उपलब्ध, परन्तु सौर सेलों को बनाने में उपयोग होने वाले विशिष्ट श्रेणी के सिलिकॉन की उपलब्धता सीमित है.

6. (C) बत्ती वाले स्टोव में किरोसीन के बत्ती में ऊपर चढ़ने का कारण तेल का पृष्ठ तनाव है. पृष्ठ तनाव के कारण केशिकार्षण होता है, जिसके फलस्वरूप द्रव पतली-से-पतली नली में प्रवेश कर ऊपर चढ़ सकता है.

7. (D) विद्युत् चुम्बकीय स्पेक्ट्रम में शामिल विभिन्न विकिरणों का तरंगदैर्घ्य के सन्दर्भ में अवरोही क्रम इस प्रकार है–रेडियो तरंगें > माइक्रोवेव > अवरक्त विकिरण > दृश्य-प्रकाश > पराबैंगनी विकिरण > एक्स किरण > गामा किरण.
   स्पष्ट है कि रेडियो तरंगों की तरंगदैर्घ्य सर्वाधिक तथा गामा किरणों की तरंगदैर्घ्य न्यूनतम होती है.

8. (D) सभी कोलाइड्स के उदाहरण हैं– कोहरा, बादल, शेविंग क्रीम, धुँआ, रबड़ स्पंज जेली, मक्खन आदि कुछ अन्य कोलाइड्स के सामान्य उदाहरण हैं.

9. (A) सभी अम्लों में हाइड्रोजन तत्व निश्चित रूप से उपस्थित होता है. इसी कारण धातु के साथ अभिक्रिया करने पर लगभग सभी अम्ल हाइड्रोजन गैस उत्पन्न करते हैं.

10. (B) अपने पर्यावरण के साथ रासायनिक प्रतिक्रिया द्वारा पदार्थों का धीरे-धीरे विनाश ही संक्षारण कहलाता है. पेंटिंग, ऑयलिंग, ग्रीजिंग, गैल्वनीकरण, एनोडीकरण, विद्युत्

लेपन, मिश्रधातु निर्माण आदि का प्रयोग क्षय रोकने में किया जा सकता है.

11. (B) श्वेत फॉस्फोरस ऑक्सीजन की उपस्थिति में मंद गति से ऑक्सीकृत होता है और प्रकाश उत्सर्जन करता है. अतः श्वेत फॉस्फोरस अँधेरे में दीप्त होता है. यह गुण 'रसोसंदीप्ति' कहलाता है. यह जल में अघुलनशील, लेकिन कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) में विलेय है.

12. (A) सिल्वर नाइट्रेट ($AgNO_3$) पराबैंगनी प्रकाश के सम्पर्क में त्वचा पर धब्बा लगा देता है, जिससे उसे धोना असम्भव हो जाता है और जब बाह्य त्वचा कोशिकाएँ समाप्त होती हैं. केवल तभी यह धब्बा हटता है. अतः वोटिंग स्याही में इसका प्रयोग किया जाता है.

13. (C) सामान्यतः हमारे मुख में जीवाणु पाए जाते हैं. खाने के बाद दाँत साफ न करने पर यह दाँतों के बीच फँसे भोजन की शर्करा का विघटन कर अम्ल निर्मोचित करते हैं. ये अम्ल धीरे-धीरे दाँतों को क्षति पहुँचाते हैं. चॉकलेट, ठण्डे पेय तथा चीनी मुक्त मिठाइयाँ व अन्य पदार्थ भी दन्त क्षय के लिए उत्तरदायी होते हैं.

14. (A) कुछ प्रमुख अम्ल एवं सम्बन्धित पदार्थों के नाम निम्नलिखित हैं–
    * एसिटिक अम्ल – सिरका
    * फॉर्मिक अम्ल – चींटी का डंक
    * साइट्रिक अम्ल – नींबू कुल के फल (संतरा, नींबू)
    * टार्टरिक अम्ल – इमली, अंगूर, केला, कच्चे आम आदि.

क्षारक का नाम	पदार्थ का नाम
सोडियम हाइड्रॉक्साइड	साबुन
कैल्सियम हाइड्रॉक्साइड	चूने का पानी

15. (D) मीथेन CNG का प्रमुख घटक है. LPG के घटक प्रोपेन, प्रोपीलीन (Propylene), ब्यूटेन और ब्यूटालीन (Butylene) हैं.

16. (D) लिपस्टिक में सीसा (LED), शीतल पेय में ब्रोमीनित वनस्पति तेल और चाइनीज फास्टफूड में मोनोसोडियम ग्लूटामेट पाया जाता है. अतः तीनों युग्म सुमेलित हैं.

17. (D) डेंगू, चिकनगुनिया, पीत ज्वर और जापानी इनसेफेलाइटिस विषाणु जनित रोग हैं, जिनका प्रसार मच्छर करते हैं. मलेरिया प्रोटोजोआ जनित रोग है, जिसका प्रसार मादा एनाफेलिज (मच्छर) करते हैं.

18. (C) एम्फिसाइमा मुख्यतः धुआँ आदि के अन्तःश्वसन से जुड़ा होता है. एम्फिसाइमा के सबसे अधिक मामले सिगरेट पीने या लम्बे समय तक वायु प्रदूषण के सम्पर्क में रहने के कारण उत्पन्न होते हैं. यह रोग फेफड़े में वायु कोष्ठ को क्षतिग्रस्त कर देता है.

19. (C) प्रोबायोटिक ऐसे सूक्ष्मजीव हैं, जिनका सेवन करने पर वे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं. हाल के समय में दुग्ध रहित और किण्वनरहित प्रोबायोटिक उत्पन्न किए गए हैं, जिनमें नास्ता में लिए जाने वाले अनाज और स्नैक्स हैं, जबकि अन्य प्रोबायोटिक उत्पाद हैं–केफीर, योगर्ट, कॉम्बुचा कीमची आदि.

20. (A) आयोडीन-123, आयोडीन का एक रेडियोधर्मी संस्थानिक (आइसोटोप) है, इसका प्रयोग मस्तिष्क की इमेजिंग के लिए किया जाता है, न कि मोतियाबिंद के उपचार में अतः युग्म 1 सुमेलित नहीं है.

21. (C) आलू तना है, जबकि गाजर, मूली, शलजम, शकरकंद और टेपियोका जड़ें हैं. इन्हें हम खाने में प्रयोग करते हैं.

22. (A) विटामिन C जल में घुलनशील विटामिन है, जो नींबू वंश के खट्टे फलों, आँवला, टमाटर, पपीता, आलू, अमरूद ब्रोकली, किवी आदि में पाया जाता है. यह चर्म को स्वस्थ रखने, कोलेजन तन्तुओं के निर्माण, दाँतों के डेन्टीन के निर्माण आदि में उपयोगी होता है. शरीर में इसकी कमी से स्कर्वी रोग हो जाता है. इसकी कमी से मसूड़ों में रक्तस्राव, दाँतों का गिरना, घाव भरने में देरी आदि लक्षण दिखाई देने लगते हैं.

23. (B) कछुआ, उड़न छिपकली, घरेलू छिपकली, किंग कोबरा (सर्प) तथा कैमेलियॉन सरीसृप हैं, जबकि ऑस्ट्रिच, सफेद स्टोर्क तथा नर गुच्छेदार बत्तख पक्षी वर्ग के अन्तर्गत आते हैं.

24. (D) क्लोरोफिल का आवश्यक घटक मैंगनीशियम है, केराटिन एक प्रकार का प्रोटीन है. मायोग्लोबिन स्तनियों के पेशीय ऊतकों में पाया जाने वाला प्रोटीन है तथा आयरन इसका मुख्य घटक है.

25. (C) जीन के भीतर अनुक्रम-आधार परिवर्तन 'उत्परिवर्तन' कहलाता है. वस्तुतः उत्परिवर्तन की प्रक्रिया से DNA में सतत् रूप से परिवर्तन होते रहते हैं.

26. (A) हड़प्पा सभ्यता की उत्पत्ति के सन्दर्भ में अनेक विद्वानों ने अलग-अलग मत प्रस्तुत किए हैं. एम. रफीक मुगल का मानना है कि हड़प्पा सभ्यता का विकास रावी नदी क्षेत्र में हड़प्पा में हुआ. इन्होंने इस पुरानी मान्यता का खण्डन किया है कि हड़प्पा सभ्यता ने पश्चिमी मेसोपोटामिया सभ्यता से प्रेरणा ली.

27. (D) भागवत धर्म से सम्बद्ध प्रथम उपलब्ध प्रस्तर स्मारक विदिशा (वेसनगर) का **गरुड़ स्तम्भ** है. इससे पता चलता है कि तक्षशिला के यवन राजदूत हेलियोडोरस ने भागवत धर्म ग्रहण किया तथा इस स्तम्भ की स्थापना करवाकर उसकी पूजा की थी. इस पर उत्कीर्ण लेख में हेलियोडोरस को **'भागवत'** तथा वासुदेव को **'देवदेवस'** अर्थात् देवताओं का देवता कहा गया है.

28. (C) 'तोल्काप्पियम' के प्रणयनकर्ता तोल्काप्पियर ऋषि अगस्त्य के बारह योग्य शिष्यों में से एक थे. यह एक तमिल व्याकरण ग्रन्थ है. इसकी रचना सूत्त शैली में की गई है.

29. (C) सही सुमेलन इस प्रकार हैं–
    * धनंजय – कुस्तलपुर
    * नीलराज – अवमुक्त
    * उग्रसेन – पालक्का
    * विष्णुगोपा – कांची

30. (A) मौर्य मन्त्रिपरिषद् में राजस्व एकत्र करने का कार्य समाहर्ता के द्वारा किया जाता था. अन्तपाल सीमा रक्षक या सीमावर्ती दुर्गों की देखभाल करता था, जबकि प्रदेष्टा विषयों या कमिश्नरियों का प्रशासक था.

31. (A) सही सुमेलन हैं–
    * राजवंश – राजधानी
    * शुंग – पाटलिपुत्र
    * सातवाहन – पैठन
    * कदम्ब – बनवासी
    * चन्देल – महोबा

32. (C) चोलकालीन गाँवों की गतिविधियों की देख-रेख एक कार्यकारिणी समिति करती थी, जिसे 'वारियम' कहा जाता था. उद्यान प्रशासन का कार्य देखने वाली समिति को 'टोट्टवारियम' कहा जाता है, जबकि सम्वत्सर वारियम को वार्षिक समिति, एरि वारियम को तालाब समिति तथा पोन वारियम को स्वर्ण समिति कहते थे.

33. (A) सही सुमेलन हैं–
    * ताजुल मासिर – हसन निजामी
    * खजाइन-उल-फतूह – अमीर खुसरो
    * तारीख-ए-मुबारकशाही – याहिया विन अहमद सरहिन्दी
    * फतवा-ए-जहाँदारी – जियाउद्दीन बरनी

34. (A) शेख फरीद के शिष्य शेख निजामुद्दीन औलिया ने दिल्ली के सात से अधिक सुल्तानों का शासन देखा. शेख निजामुद्दीन औलिया को महबूब-ए-इलाही (ईश्वर का प्रिय) और 'सुल्तान-उल-औलिया' (संतों का राजा) भी कहा जाता है.

35. (C) 'दीवान' शब्द फारसी भाषा का है और खलीफा उमर के काल में मुसलमान ने इसे अपनाया था. वे इसका प्रयोग खजाना विभाग के लिए करते थे. अकबर के शासनकाल के 9वें वर्ष से लेकर 30वें वर्ष तक दीवान पर मुजफ्फर खाँ तुरबती, राजा टोडरमल एवं ख्वाजा शाह मंसूर के हाथों आता-जाता रहा. मुजफ्फर खाँ सरकारी सोपान में दीवान के पद को स्थान दिलाने में सफल रहा. 'दीवान' आर्थिक मामलों एंव राजस्व का सर्वोच्च अधिकारी होता था.

36. (A) दिल्ली सल्तनत के राजस्व प्रशासन में प्रत्येक परगना (ग्रामों का समूह) पर एक आमिल या अमलगुजार की नियुक्ति की जाती थी, जो परगने के राजस्व संग्रह का कार्य करता था. इक्ता प्रणाली भारत की प्राचीन देशी संस्था न होकर अरब की मौलिक प्रणाली थी, जिसका उद्भव पश्चिमी एशिया (ईरान) में हुआ था. इसे दिल्ली सल्तनत में इल्तुतमिश द्वारा लागू किया गया था. मीर बख्शी (सैन्य विभाग का प्रमुख और मनसबदारों का प्रमुख) मुगल काल का पद है, न कि सल्तनत काल का. सल्तनतकाल में सैन्य विभाग का प्रमुख दीवान-ए-आरिज कहलाता था.

37. (D) हैदराबाद के स्वतन्त्र राज्य की स्थापना 1724 ई. में चिनकिलिज खाँ उर्फ निजामुलमुल्क ने की थी. अक्टूबर 1724 में शूकरखेडा के युद्ध में दक्कन के मुगल गवर्नर मुबारिज खाँ के मारे जाने के बाद निजामुलमुल्क दक्कन का वास्तविक शासक बन गया था.

38. (A) मराठा काल में 'सरंजामी प्रथा' भू-राजस्व प्रशासन से सम्बन्धित थी. इस काल में मराठा जागीरदारों को सरंजामी भूमि उनके निर्वहन के लिए प्रदान की जाती थी.

39. (B) वैलेंटाइन शिरोल ने 'इण्डियन अनरेस्ट' नामक पुस्तक की रचना की. 'द मैन हू डिवाइडेड इण्डिया' के लेखक रफीक जकारिया हैं. सुभाष चन्द्र बोस ने 'द इण्डियन स्ट्रगल' नामक पुस्तक की रचना की थी तथा वी.डी. सावरकर द्वारा रचित प्रचार पुस्तिका हिन्दुत्व है. 'अनहैप्पी इण्डिया' के लेखक लाला लाजपत राय हैं.

40. (D) असहयोग आन्दोलन की असफलता के बाद स्वराज पार्टी (कांग्रेस-खिलाफात स्वराज पार्टी) का गठन जनवरी 1923 में सी.आर. दास और मोतीलाल नेहरू ने किया. सी.आर. दास इसके अध्यक्ष तथा मोतीलाल नेहरू इसके महासचिव थे. स्वराज पार्टी ने अपने को कांग्रेस के अभिन्न हिस्से के रूप में प्रचारित किया. साथ ही अहिंसा और असहयोग के प्रति अपनी वचनबद्धता को दोहराया.

41. (A) निःसन्देह भारत छोड़ो आन्दोलन को सरकार ने बर्बरतापूर्वक कुचला फिर भी 1947 में स्वाधीनता का जो स्वर्ण विद्वान हुआ, उसमें इस आन्दोलन का ही सबसे बड़ा योगदान था. अगस्त 1942 में दी गई भारत छोड़ो आन्दोलन की ललकार ने ठीक 5 वर्ष बाद अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया.

42. (D) 22–24 मार्च, 1940 को मुस्लिम लीग का अधिवेशन लाहौर में हुआ. इसकी अध्यक्षता मुहम्मद अली जिन्ना ने की. 23 मार्च, 1940 को इस अधिवेशन में भारत से अलग एक मुस्लिम राष्ट्र 'पाकिस्तान' की माँग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया. इसी तिथि की स्मृति में 23 मार्च, 1943 को मुस्लिम लीग द्वारा 'पाकिस्तान दिवस' मनाया गया.

43. (A) कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन दिसम्बर 1929 में तथा गांधी-इर्विन समझौता 5 मार्च, 1931 को हुआ था, जबकि कांग्रेस के कराची अधिवेशन 26–31 मार्च, 1931 को तथा 23 मार्च, 1931 को भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फाँसी दे दी गई थी.

44. (C) 'प्रथम अखिल भारतीय समाजवादी युवा कांग्रेस' कलकत्ता में 27 दिसम्बर, 1928 को सम्पन्न हुई थी. इस कांग्रेस की अध्यक्षता पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने की थी.

45. (A) सही सुमेलन इस प्रकार है–
   * सुभाष चन्द्र बोस – भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का हरिपुर अधिवेशन
   * बल्लभभाई पटेल – ऑपरेशन पोलो (हैदराबाद का भारत में विलय के दौरान)
   * इकबाल – 1930 का मुस्लिम लीग का इलाहाबाद अधिवेशन
   * बटुकेश्वर दत्त – सेन्ट्रल असेम्बली में बम फेंका जाना.

46. (B) पेरिस की रॉयल एशियाटिक सोसायटी की सदस्यता माइकल मधुसूदन दत्त को प्रदान की गई थी. La Society Asiatique (द एशियन सोयायटी) की स्थापना 1822 ई. में की गई थी. वर्ष 1829 के शाही शासन द्वारा इसकी स्थापना की पुष्टि कर दी गई थी.

47. (B) युग्मों का सही सुमेलन इस प्रकार हैं–
   1. बनारस का संस्कृत कॉलेज – जोनाथन डंकन (1791 ई.)
   2. कलकत्ता मदरसा – वॉरेन हेस्टिंग्स (1781 ई.)
   3. फोर्ट विलियम कॉलेज – लॉर्ड रिचर्ड कोले वेलेजली (1800 ई.)

48. (A) बैरकपुर में विद्रोह नवम्बर 1824 में हुआ. बरहामपुर का विद्रोह फरवरी 1857 में हुआ. संथालों का विद्रोह सिद्धू तथा कान्हू के नेतृत्व में 1855-56 ई. में हुआ. 1806 ई. में सैनिकों ने अपने सामाजिक तथा धार्मिक रीति-रिवाजों में हस्तक्षेप करने के कारण बेल्लोर में विद्रोह कर मैसूर के राजा का झंडा फहरा दिया था.

49. (B) छुआछूत उन्मूलन के लिए आयोजित एक सम्मेलन में तिलक ने कहा था, "यदि भगवान भी छुआछूत को बरदाश्त करें, तो मैं भगवान को नहीं मानूँगा." तिलक को लोग प्रायः **'लोकमान्य'** और भारत का **'बेताज बादशाह'** कहते थे.

50. (C) 'ब्रिटिश इण्डियन एसोसिएशन' की स्थापना अक्टूबर 1851 में कलकत्ता में हुई थी. इसके संस्थापक सदस्य राधाकान्त देव, देवेन्द्र नाथ टैगोर, हरिश्चन्द्र मुखर्जी, राजेन्द्रलाल मित्र आदि थे. इसके प्रथम अध्यक्ष राधा कान्त देव थे.

51. (A) हिमालयी चोटियों में से निम्न ऊँचाई का क्रम है–
   * कंचनजंगा (8,598 मीटर)
   * धौलागिरि (8,172 मीटर)
   * नंगा पर्वत (8,126 मीटर)
   * नंदा देवी (7,817 मीटर)

52. (D) पश्चिमी घाट पश्चिमी तट के समानान्तर उत्तर-दक्षिण दिशा में ताप्ती नदी से कन्याकुमारी तक विस्तृत है. यह दीवार की भाँति खड़ा एक ढलाननुमा है, जिसे केवल दर्रों से ही पार किया जा सकता है. आकृति की दृष्टि से यह सम्पूर्ण इकाई है तथा प्रायद्वीपीय पठार में पूर्व की ओर बहने वाली बड़ी-बड़ी नदियों का स्रोत है. अतः सभी कथन सही हैं.

53. (B) उत्तरकाशी, भागीरथी नदी बेसिन में; पौड़ी, अलकनंदा नदी बेसिन में; लैंसडाउन, नयार नदी बेसिन में तथा नरेन्द्र नगर गंगा नदी बेसिन में अवस्थित है.

54. (B) काली मृदाएँ दक्कन के पठार के अधिकतर भाग में पाई जाती हैं. इसमें महाराष्ट्र के कुछ हिस्से, गुजरात, आन्ध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु के कुछ भाग शामिल हैं.
   गोदावरी और कृष्णा नदी के ऊपरी भागों तथा दक्कन के पठार के उत्तरी-पश्चिम भाग में गहरी काली मृदा पाई जाती है.

55. (C) तटीय तथा दलदली वन अण्डमान और निकोबार द्वीप समूहों तथा गंगा एवं ब्रह्मपुत्र के डेल्टा क्षेत्र में पाए जाते हैं. इनकी जड़ें श्वसन करने के लिए स्वयं रूपान्तरित हो जाती हैं.

56. (B) सही सुमेलन इस प्रकार है–
   * मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में स्थित मलाजखण्ड देश का सबसे बड़ा ताँबे का स्रोत है.
   * खेतड़ी खान राजस्थान के झुंझुनूं जिले में स्थित है. यह हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड द्वारा विकसित ताँबा खनन परियोजना के लिए जाना जाता है.
   * झारखण्ड की कोडरमा खानों को अभ्रक उत्पादन के लिए जाना जाता है.

57. (B) मर्मागाओ (Mormugao) बन्दरगाह गोवा में अरब सागर के तट पर जुआरी नदी के मुहाने पर स्थित ज्वारनदमुखी बन्दरगाह है.

58. (C) करेवा निक्षेप जम्मू-कश्मीर में पाए जाते हैं, जिनका उपयोग केसर की स्थानीय किस्म जाफरान की कृषि में किया जाता है.

59. (D) जेलेप ला भारत में सिक्किम जिले तथा चीन में तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के बीच ऊँचा पर्वतीय दर्रा है. यह भारत को तिब्बत की राजधानी ल्हासा से जोड़ने वाले मार्ग पर है.

60. (D) सही सुमेलन इस प्रकार है–
   * मैथन परियोजना (धनवान झारखण्ड) – बराकर नदी
   * सलाल परियोजना (जम्मू-कश्मीर) – चेनाब नदी
   * राणा प्रताप सागर परियोजना (राजस्थान) – चम्बल नदी
   * टिहरी परियोजना (उत्तराखण्ड) – भागीरथी नदी

61. (B) भारतीय रेलवे के 'मध्य रेलवे मण्डल' का मुख्यालय 'मुम्बई' में है.

62. (B) बगाटा जनजाति मुख्यतः आन्ध्र प्रदेश और ओडिशा में निवास करती है. बगाता आदिवासी मुख्य रूप से बगाटा भाषा बोलते हैं, परन्तु ये तेलुगू एवं ओडिया भाषा भी बोलते हैं.

63. (C) कुडप्पा क्रम (आन्ध्र प्रदेश) की चट्टानें निम्न नदियों के गहरे बेसिन में पाई जाती हैं–
   * पेनगंगा व गोदावरी घाटियाँ के निम्नवर्ती भागों में.

* ओडिशा की तलचर श्रेणियाँ तथा नर्मदा एवं सोन के ऊपरी हिस्से में.
* अरावली श्रेणी के पश्चिम में.

64. (D) चीन की सीमा को स्पर्श करने वाले भारतीय राज्य या केन्द्रशासित प्रदेश हैं– लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश.

65. (B) आठ डिग्री चैनल लक्षद्वीप (भारत) को मालदीव से अलग करता है.

66. (B) मेरियाना खाई (गर्त)–यह पश्चिमी प्रशान्त महासागर में मेरियाना द्वीप समूह के पूर्व में स्थित विश्व का सबसे गहरा महासागरीय गर्त है, जिसकी गहराई लगभग 11,022 मीटर है.

67. (C) सही सुमेलन इस प्रकार है–
* कनारी धारा – अटलाण्टिक महासागर
* फ्लोरिडा धारा – अटलाण्टिक महासागर
* अगुलहास धारा – हिन्द महासागर
* क्यूराईल धारा – प्रशान्त महासागर

68. (C) दक्षिणी अफ्रीका का पोस्टमास्बुर्ग और उसका समीपवर्ती क्षेत्र मैंगनीज का प्रमुख उत्पादक है. दक्षिण अफ्रीका में बॉक्साइट न के बराबर पाया जाता है तथा यहाँ यूरेनियम के भण्डार इसके पश्चिमी क्षेत्र में हैं.

69. (A) इजरायल निम्न देशों की सीमा से लगा हुआ है–लेबनान, सीरिया, जार्डन, मृतसागर, फिलिस्तीन, मिस्र.

70. (D)

देश		राजधानी
गिनी-बिसाऊ	–	बिसाऊ
ताइवान	–	ताइपेई
निकारागुआ	–	मानागुआ
मालदीव	–	माले

71. (A) सही सुमेलित हैं–
* खारतुन – नील
* ब्राजावेले – जैरे
* रॉटर्डम – राइन
* पेरिस – सीन

72. (B) हेलोक्लाइन जल लवणता प्रवणता को दर्शाता है.

73. (A) साइबेरिया की बैकाल झील विश्व की सबसे गहरी झील है. इसकी गहराई 4700 फीट है. यह दरार घाटी में स्थित है.

74. (A) विश्व का सबसे ऊँचा जलप्रपात वैनेजुएला के वोलिवर राज्य में स्थित **एंजिल जलप्रपात** है, जिसकी ऊँचाई 979 मीटर है.

75. (A) कालाहारी मरुस्थल विश्व के विशालतम मरुस्थलों में से एक है जिसका क्षेत्र 5,20,000 वर्ग किमी है. यह बोत्सवाना अफ्रीका के मध्य में स्थित है. यह दक्षिणी गोलार्द्ध में अवस्थित है.

76. (A) लखनऊ जिले की सीमा पूर्व में बाराबंकी जिले को, पश्चिम में उन्नाव जिले को दक्षिणी भाग में रायबरेली जिले को तथा उत्तर में सीतापुर एवं हरदोई जिलों की सीमा स्पर्श करती है.

77. (A)

78. (D) जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश के पाँच शीर्ष जिले–इलाहाबाद > मुरादाबाद > गाजियाबाद > आजमगढ़ > लखनऊ.

79. (C) जौनपुर नगर से प्रवाहित होने वाली मुख्य नदी गोमती है, जबकि राई नदी प्रतापगढ़ से होकर जौनपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवाहित होते हुए गोमती से मिल जाती है. अन्य प्रश्नगत युग्म सुमेलित हैं.

80. (A) जौनसारी जनजाति से संयुक्त परिवार का प्रचलन होता है. इन जनजातियों में बहुपति प्रथा पाई जाती है. यह पुरुष प्रधान समाज होता है, जिसमें सबसे बड़ा भाई ढोगड़ा या स्याणा (परिवार का प्रमुख) होता है.

81. (C) करमा, सोनभद्र एवं मिर्जापुर के आदिवासियों का लोकनृत्य है. आल्हा बुन्देलखण्ड क्षेत्र की प्रसिद्ध वीर रस कथा है. इस वीर रस कथा में महोबा के वीर भाइयों आल्हा और ऊदल की वीरता का वर्णन किया जाता है. देवा बाराबंकी से सम्बन्धित है तथा कजरी मिर्जापुर से सम्बन्धित है. यह (कजरी) सावन के महीने में गाया जाने वाला मधुर लोकगीत है, जिसे मुख्यतः महिलाओं द्वारा गाया जाता है.

82. (B) सुमेलित क्रम इस प्रकार है–
* आंवला – उर्वरक
* मोदीनगर – रबड़
* बाराबंकी – पॉली फाइबर
* कानपुर – विस्फोटक

83. (A) कन्हैयालाल मणिकलाल मुंशी हिन्दी अध्ययन एवं भाषा विज्ञान संस्थान आगरा में स्थित है.

84. (B) उत्तर प्रदेश में पाए जाने वाले प्रमुख खनिज लाइमस्टोन एवं डोलोमाइट हैं. वस्तुतः खनिज संसाधन की दृष्टि से उत्तर प्रदेश एक निर्धन राज्य है. यहाँ देश के कुल खनिज उत्पादन का लगभग 1 प्रतिशत खनिज प्राप्त होता है. डोलोमाइट मिर्जापुर, बांदा एवं सोनभद्र जिलों में पाया जाता है. उत्तर प्रदेश चूना पत्थर के संचित भण्डार की दृष्टि से देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है. सीमेंट श्रेणी का चूना पत्थर मुख्यतः मिर्जापुर एवं सोनभद्र जिलों में मिलता है.

85. (C) भूमध्य रेखा से ध्रुवों की ओर बायोम का सही क्रम होगा–सवाना, प्रेयरी, टैगा, टुंड्रा.

86. (D) वह प्रत्येक पदार्थ जो किसी सजीव के चारों ओर रहता है या इसके सम्पूर्ण जीवन काल में इसे प्रभावित करता है समग्र रूप से उसका वातावरण कहलाता है, जिसमें जैविक और अजैविक दोनों घटक होते हैं–
* अजैविक घटक–ऊर्जा, जल, तापमान, मृदा आदि.
* जैविक घटक–हरित पादप, गैर-हरित पादप उपभोक्ता अपघटक आदि.

87. (B) प्रकृति, ऊर्जा के एकसमान दिशा में प्रवाह तथा पोषक तत्वों के चक्रण से पारिस्थितिकी तन्त्र को स्थिर रखती है, जब किसी जीवधारी की संख्या बढ़ती है, तो संसाधन जैसे–भोजन, आवरण एवं जल के लिए प्रतिस्पर्द्धा बढ़ती है. इस प्रकार प्रकृति जनसंख्या की वृद्धि को अपने नियन्त्रण में रखती है.

88. (B) सीसा प्रदूषण यकृत तथा वृक्क को प्रभावित करता है तथा हीमोग्लोबिन के निर्माण में कमी करता है. इससे कई प्रकार के रोग होते हैं.

89. (A) पिन वैली राष्ट्रीय उद्यान हिमाचल प्रदेश के लाहुल और स्पीति जिले में अपस्थित है. यह शीत मरुस्थल जैवमण्डल रिजर्व के तहत् स्पीति घाटी के मरुस्थलीय आवास में स्थित है. अन्य सभी राष्ट्रीय उद्यानों में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत् बाघ हैं.

90. (B) भारत का सबसे बड़ा 'वन्यजीव बचाव केन्द्र' (गोरेवाड़ा चिड़ियाघर) महाराष्ट्र में नागपुर के नजदीक गोरेवाड़ा में स्थापित किया गया है.

91. (C)

92. (C) मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल ओजोन परत के संरक्षण के लिए वियना कन्वेंशन के तहत् आता है.
* यह 15 सितम्बर, 1987 को अपनाया गया था. यह दुनिया भर के 197 देशों द्वारा पुष्टि की जाने वाली एकमात्र संयुक्त राष्ट्र सन्धि है. अतः कथन (2) सही है.
* ओजोन परत को क्षयित करने वाले पदार्थों पर मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल एक लैंडमार्क बहुपक्षीय पर्यावरण समझौता है, जो लगभग 100 मानव निर्मित रसायनों के उत्पादन और खपत को नियन्त्रित करता है, जिन्हें ODS (Ozone Depleting Substances) कहते हैं. अतः कथन (1) सही है.

93. (C) जलवायु परिवर्तन पर विशेष रूप से गठित प्रधानमंत्री परिषद् द्वारा तैयार 'जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना' को दिनांक 30 जून, 2008 को जारी किया गया. इसमें अल्पीकरण एवं अभिग्रहण दोनों उपाए शामिल हैं,

94. (D) ग्रीनहाउस प्रभाव में अपने प्रत्यक्ष योगदान के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण गैसें हैं–

यौगिक	सूत्र	योगदान (%)
जलवाष्प एवं बादल	H_2O	36–72%
कार्बन डाइऑक्साइड	CO_2	9–26%
मीथेन	CH_4	4–9%
ओजोन	O_3	3–7%

95. (C) मॉनीटरिंग ऑफ इललीगल किलिंग ऑफ एलीफेंट्स (MIKE) कार्यक्रम 2003 में दक्षिण एशिया में साइट्स के अधिदेश के तहत् आरम्भ किया गया था.

96. (A) सिरुवानी पहाड़ियाँ नीलगिरि जीव मण्डल में स्थित हैं. इसमें वायनाड वन्यजीव आरक्षित क्षेत्र, नागरहोल, वांदीपुर, मुदुमलाई निलम्बूर का वन से ढका भाग, ऊपरी नीलगिरी पठार, साइलेंट वैली और सिरुवानी पहाड़ियाँ शामिल हैं.

97. (C) मानस राष्ट्रीय उद्यान असम में स्थित है तथा यह रामसर स्थल नहीं है. अन्य सभी रामसर स्थल हैं.

98. (B) एक पोषण स्तर से दूसरे पोषण स्तर में केवल 10 प्रतिशत ऊर्जा स्थानान्तरित होती है. अतः यह ऊर्जा प्रवाह किसी पोषण स्तर पर उपभोक्ताओं की संख्या सीधे तौर पर निर्धारित करता है.

99. (D) तम्बाकू के धुएँ में 4,000 से अधिक रसायन होते हैं और इनमें से कम-से-कम 69 रसायन कैंसर का कारण बन सकते हैं. ये हैं निकोटिन, कार्बन मोनोऑक्साइड, सायनाइड इत्यादि.

100. (B) संविधान सभा में डॉ. अम्बेडकर ने कहा था कि "नियन्त्रक-महालेखा परीक्षक भारत के संविधान के अधीन सर्वाधिक महत्व का अधिकारी होगा." वह सार्वजनिक धन का संरक्षण होगा और उसका यह कर्तव्य होगा कि वह यह देखे कि भारत की या किसी राज्य की संचित निधि में से समुचित विधानमण्डल के प्राधिकार के बिना एक पैसा भी खर्च नहीं किया जाए.

101. (A) राज्य सभा एक स्थायी सदन है, इसे भंग नहीं किया जा सकता है. इसके सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष तक का होता है. प्रत्येक 2 वर्ष बाद इसके एक-तिहाई सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो जाता है. इसके सदस्यों की आयु कम-से-कम 30 वर्ष होनी चाहिए.

102. (C) हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 में हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम 1956 में तथा सती (निरोध) अधिनियम 1987 में लागू हुआ था. शहरी क्षेत्रों में स्थानीय निकायों के चुनाव में महिलाओं के लिए स्थानों का आरक्षण 73वें नहीं, बल्कि 74वाँ संविधान संशोधन द्वारा किया गया था.

103. (B) राष्ट्रीय विकास परिषद् का गठन 6 अगस्त, 1952 में किया गया था. राष्ट्रीय विकास परिषद् की रचना में निम्नलिखित सदस्यों का प्रावधान है–
   1. प्रधानमंत्री (इसके अध्यक्ष या प्रमुख के रूप में)
   2. संघीय मन्त्रिमण्डल के सभी मन्त्रिगण.
   3. सभी राज्यों के मुख्यमंत्री.
   4. सभी केन्द्रशासित राज्यों के मुख्यमंत्री/प्रशासक तथा नीति आयोग के सदस्य

104. (A) भारतीय संविधान में लोक सभा में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था अनुच्छेद 330 में की गई है, जबकि ऐसा ही राज्यों को विधान सभाओं के सन्दर्भ में अनुच्छेद 332 द्वारा किया गया है.

105. (A) भारतीय संविधान की प्रस्तावना के अनुसार, भारत एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतन्त्रात्मक गणराज्य है. 42वें संविधान संशोधन द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, पंथनिरपेक्ष और अखण्डता शब्द जोड़े गए.

106. (B) सही सुमेलन इस प्रकार है–
   * संविधान का भाग XV – निर्वाचन
   * संविधान का भाग XVI – कुछ वर्गों के सम्बन्ध में विशेष उपबन्ध
   * संविधान का भाग XVII – राजभाषा
   * संविधान का भाग XVIII – आपात उपबन्ध

107. (C) भारतीय संविधान में 'राज्यों का संघ' की संकल्पना ब्रिटिश नॉर्थ अमरीका एक्ट (कनाडा) से प्रेरित है. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1(1) के अनुसार, भारत 'राज्यों का संघ' है.

108. (B) भारत की संविधान सभा ने अपने चौथे अधिवेशन (14 जुलाई, 1947 से 31 जुलाई, 1947 तक) में 22 जुलाई, 1947 को भारत का राष्ट्रीय ध्वज स्वीकार किया. राष्ट्रीय ध्वज के बीच चक्र में 24 तीलियाँ हैं तथा राष्ट्रीय ध्वज की लम्बाई-चौड़ाई का अनुपात 3 : 2 है.

109. (A) जनसंख्या नियन्त्रण और परिवार नियोजन-समवर्ती सूची तथा लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता, प्रति व्यक्ति कर एवं निखात निधि-राज्य सूची के अन्तर्गत आते हैं.

110. (A) अनुच्छेद 54–भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन, अनुच्छेद 75–प्रधानमंत्री और मन्त्रिपरिषद् की नियुक्ति, अनुच्छेद 155–राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति, अनुच्छेद 164–राज्य के मुख्यमंत्री एंव मन्त्रिपरिषद् की नियुक्ति. राज्य की विधान सभाओं की संरचना अनुच्छेद 170 में वर्णित है.

111. (D) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 30 के तहत् अपनी रुचि की शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन करने का अधिकार धर्म या भाषा पर आधारित सभी अल्पसंख्यक वर्गों को प्रदान किया गया है.

112. (C) 'टू बी सर्टिफाइड' उत्प्रेषण रिट के लिए प्रयुक्त शब्दार्थ है, न कि प्रतिषेध रिट के लिए. शेष युग्म सही सुमेलित हैं.

113. (B) प्रश्नगत विकल्पों में से हमारी मिली-जुली संस्कृति की समृद्ध विरासत को संरक्षित करना एवं महत्व प्रदान करना मौलिक कर्तव्य है. यह अनुच्छेद 51क(च) के तहत् शामिल किया गया है.

114. (D) के.टी. शाह ने कहा था कि "राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्त एक ऐसा चेक है, जो बैंक की सुविधानुसार अदा किया जाता है."

115. (D) उद्योग की प्रधानता, विकसित अर्थव्यवस्था का अभिलक्षण है, चूँकि भारत की अर्थव्यवस्था विकासशील है. अतः यह भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषता नहीं है, जबकि शेष तीनों लक्षण भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषता को बताते हैं.

116. (D) केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (CSO) का गठन 2 मई, 1951 को किया गया था, जो भारत की राष्ट्रीय आय की गणना करता है. CSO द्वारा समाकलित राष्ट्रीय आय एवं सम्बन्धित तथ्य राष्ट्रीय आय के तीन आयामों पर प्रकाश डालते हैं–देशीय उत्पाद, कारक आय के रूप में इसका वितरण तथा अन्तिम उपभोग एवं पूँजी निर्माण के रूप में इसका उपयोग.

117. (D) समावेशी विकास का आशय समाज के सभी वर्गों तक संसाधन एवं सुविधाओं की पहुँच से है. अतः (A), (B) एवं (C) तीनों विकल्प सही हैं.

118. (C) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की स्थापना विश्व बैंक के साथ ब्रेटनवुड्स समझौते के तहत् वर्ष 1945 में की गई थी, परन्तु इसने मई 1946 से कार्य करना प्रारम्भ किया. यह अपने सदस्य देशों को व्यापार शेष में उत्पन्न अल्पकालिक और दीर्घकालिक घाटों को पूरा करने के लिए ऋण तथा अन्य विभिन्न सुविधाओं के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय तरलता उपलब्ध कराता है.

119. (D) तात्कालिक केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री हर्षवर्द्धन द्वारा राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम की शुरूआत 10 जनवरी, 2019 को की गई. इस कार्यक्रम के तहत् 102 प्रदूषित शहरों को अगले 5 वर्षों में स्वच्छ करने का निर्णय लिया गया. PM (Partiwalte Matter) 2·5 तथा PM 10 की अनुमानित कटौती दर 20·30% रखा गया.

120. (D) समन्वित बाल विकास सेवा परियोजना की शुरूआत अक्टूबर 1975 में की गई थी. इस योजना के अन्तर्गत बाल विकास के आवश्यक 6 अवयवों पर संसाधन उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान किया गया है. इसमें 5 अवयव हैं–1. पूरक आहार, 2. स्कूल पूर्व औपचारिक शिक्षा, 3. स्वास्थ्य शिक्षा, 4. नियमित स्वास्थ्य जाँच, 5. परामर्श सुविधाएं.

121. (C)

समितियाँ	स्थापना वर्ष
कार्वे समिति	1955
आबिद हुसैन समिति	1988
नायक समिति	1991
एस.एस. कोहली समिति	2015

122. (A) 'संवृद्धि की सीमा' की अवधारणा का प्रतिपादन 'क्लब ऑफ रोम' द्वारा 1972 में किया गया.

123. (D)

124. (A) 'सबके लिए सतत् ऊर्जा दशक' 2014–24 संयुक्त राष्ट्र संघ की पहल है.

125. (A)

योजना	वर्ष
पी.एम. जन आरोग्य अभियान	2018
पी.एम. वयवंदना योजना	2017
पी.एम. रोजगार प्रोत्साहन योजना	2015
स्वच्छ भारत अभियान	2014

126. (C) अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (ICC) के टी-20 क्रिकेट के आठवें विश्व कप का आयोजन आस्ट्रेलिया की मेजबानी में 16 अक्टूबर–13 नवम्बर, 2022 का हुआ. इस विश्व कप के दौरान कुल दो सेंचुरी (शतक) लगे हैं–
   1. रिली रोसूव (दक्षिण अफ्रीका –109 रन

2. ग्लेन फिलिप्स (न्यूजीलैण्ड) – 104 रन

127. (D) आईसीसी टी-20 का अगला विश्व कप, 2024 में **अमरीका व वेस्टइण्डीज** की संयुक्त मेजबानी में प्रस्तावित है.

128. (C) आस्ट्रेलिया व भारत की संयुक्त सेनाओं का संयुक्त अभ्यास राजस्थान में महाजन फील्ड फायरिंग रेत में 28 नवम्बर से 11 दिसम्बर, 2022 तक सम्पन्न हुआ. दोनों देशों के बीच इस शृंखला का यह पहला ही संयुक्त अभ्यास है. प्रतिवर्ष इसका आयोजन एक-दूसरे के क्षेत्र में बारी-बारी से किया जाएगा.

129. (A) भारत का 17वाँ प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 8–10 जनवरी, 2023 को इन्दौर (म.प्र.) में सम्पन्न होगा. इस सम्मेलन की थीम–

'Diaspora, Reliable Partners for India's progress in Amrit Kall' है. यह सम्मेलन अब 2-2 वर्ष के अन्तराल पर आयोजित किया जाता है.

* 8–10 जनवरी, 2023 को इन्दौर में होने वाले 17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में गुयाना के राष्ट्रपति **मोहम्मद इरफान अली** मुख्य अतिथि होंगे.

130. (A)

* खेलों के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए वर्ष 2022 का मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार **शरत, कमल, अचंत** (टेबल टेनिस) को प्रदान किया गया.

* खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार पिछले 4 वर्षों की अवधि में अच्छे प्रदर्शन, नेतृत्व खेल और अनुशासन की भावना दिखाने के लिए दिया जाता है. वर्ष 2022 में यह पुरस्कार 25 खिलाड़ियों को प्रदान किया गया.

131. (B) भारत के केवल पाँच नागरिकों को ही अभी तक नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है.

नोबेल पुरस्कार पाने वाले भारतीय/भारतीय मूल के व्यक्ति

रबीन्द्रनाथ टैगोर	1913	साहित्य
सी.वी. रमण	1930	भौतिकी
हरगोविन्द खुराना*	1968	चिकित्सा
मदर टेरेसा	1979	शान्ति
एस. चन्द्रशेखर*	1983	भौतिकी
अमर्त्य सेन	1998	अर्थशास्त्र
वी.एस. नायपॉल*	2001	साहित्य
वेंकटरमन रामकृष्णन*	2009	रसायन विज्ञान
कैलाश सत्यार्थी	2014	शान्ति
अभिजीत बनर्जी*	2019	अर्थशास्त्र

* हरगोविन्द खुराना, एस. चन्द्रशेखर, वेंकटरमन रामकृष्णन व अभिजीत बनर्जी पुरस्कार की घोषणा से पूर्व ही अमरीकी नागरिकता ग्रहण कर चुके थे, जबकि वी.एस. नायपॉल त्रिनिडाड एवं टुबेगो में जन्मे ब्रिटिश नागरिक थे तथा उनके पूर्वज भारत से वहाँ जा बसे थे.

132. (A) देश के 36वें राष्ट्रीय खेलों का सफल आयोजन गुजरात में 29 सितम्बर–12 अक्टूबर, 2022 को छः शहरों–अहमदाबाद, गाँधीनगर, सूरत, बड़ोदरा, राजकोट व भावनगर में सम्पन्न हुए. इस खेल प्रतियोगिता में सेना ने 61 स्वर्ण, 35 रजत और 32 कांस्य पदक सहित कुल 128 पदक हासिल कर पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया. आगामी 37वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन गोवा में प्रस्तावित है.

133. (B) भारतीय क्रिकेट कन्ट्रोल बोर्ड (BCCI) के नए अध्यक्ष रोजर बिन्नी अक्टूबर 2022 में चुने गए हैं. इस पद हेतु उनका यह चुनाव बीसीसीआई की मुम्बई में 18 अक्टूबर, 2022 को सम्पन्न वार्षिक आम सभा में निर्विरोध ही हुआ. इस पद पर सौरव गांगुली, जो 2019 से यह पद सँभाले हुए थे, का स्थान उन्होंने लिया है.

134. (A) साहित्य (उपन्यास लेखन) के क्षेत्र का वर्ष 2022 का प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार श्रीलंका के लेखक शेहान करुणातिलका को अक्टूबर 2022 में प्रदान किया गया. 50 हजार पाउण्ड का यह पुरस्कार उनके उपन्यास **'द सेवेन मून्स ऑफ माली अल्मेडा'** (The Seven Moons of Maali Almeida) के लिए प्रदान किया गया.

135. (B) ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड को महारत्न कम्पनी का दर्जा (सितम्बर 2022 में) मिलने से देश में महारत्न कम्पनियों की संख्या जहाँ 11 से बढ़कर 12 हो गई है, वहीं नवरत्न कम्पनियों की संख्या भी 13 से घटकर 12 रह गई है. महारत्न कम्पनियाँ निम्नलिखित हैं–

1. भारतीय इस्पात प्राधिकार (SAIL)
2. भारतीय तेल निगम (IOC)
3. कोल इण्डिया लिमिटेड (CIL)
4. गेल (इण्डिया) लिमिटेड (GAIL)
5. पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया (PGCIL)
6. हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL)
7. पॉवर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (PFC)
8. तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ONGC)
9. राष्ट्रीय ताप विद्युत् निगम (NTPC)
10. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL)
11. भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL)
12. ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (REC).

136. (D)

रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य

उपज	न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)	
	फसल वर्ष (2021-22)/ विपणन वर्ष (2022-23)	फसल वर्ष (2022-23)/ विपणन वर्ष (2023-24)
गेहूँ	2015	2125
जौ	1635	1735
चना	5230	5335
मसूर	5500	6000
रेपसीड एवं सरसों	5050	5450
सूरजमुखी	5441	5650

137. (D) विभिन्न राष्ट्रों में भूख (Hunger) की स्थिति को निरूपित करने वाली वर्ष 2022 की ग्लोबल हंगर इण्डेक्स रिपोर्ट विश्वभर में 15 अक्टूबर, 2022 को जारी हुई. इस रिपोर्ट के अनुसार भारत में भूख की स्थिति न केवल गम्भीर अभी बनी हुई है, बल्कि पिछले वर्ष की तुलना में और खराब हुई है. पिछले वर्ष 128 देशों में भुखमरी की रैंकिंग में **भारत का जहाँ 101वाँ स्थान था.** इस वर्ष 121 देशों में **107वाँ स्थान भारत** का बताया गया है.

138. (D) मॉडरेट पार्टी के नेता उल्फ क्रिस्टर्सन स्वीडन के नए प्रधानमंत्री 18 अक्टूबर, 2022 को बने हैं.

139. (C) 8 जुलाई, 2022 को केन्द्र सरकार ने पूर्व कृषि सचिव संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) को अधिक प्रभावी तथा पारदर्शी बनाए जाने के उद्देश्य एक समिति का गठन किया गया.

* समिति में कुल 26 सदस्य बनाए गए हैं. इनमें केन्द्र और राज्य सरकारों के प्रतिनिधि, कृषि वैज्ञानिक व कृषि अर्थशास्त्रियों को शामिल किया गया है.

* इसका उद्देश्य शून्य आधारित कृषि को भी बढ़ावा देना है.समिति फसल विविधीकरण के चार विभिन्न बिन्दुओं पर सुझाव देगी.

140. (D) 6-7 जुलाई, 2022 के दौरान नई दिल्ली के प्रगति मैदान में रक्षा से जुड़े अत्याधुनिक हथियारों की 2 दिवसीय प्रदर्शनी अन्तर्राष्ट्रीय पुलिस एक्सपो का आयोजन हुआ. भारत सहित 18 देशों की विश्वस्तरीय कम्पनियों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया.

141. (B) अगस्त 2022 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के भुज में भारत का पहला भूकम्प स्मारक 'स्मृति वन' नाम से देश को समर्पित किया.

* यहाँ जनवरी 2001 में भुज में आए विनाशकारी भूकम्प में अपनी जान गँवाने वाले 12 हजार से अधिक लोगों के नाम दर्ज किए गए हैं.

142. (A) विद्यालयी शिक्षा प्रणाली का प्रोन्नयन कर विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य के

लिए तैयार करने के उद्देश्य से पीएम श्री (PM Shri Pradhan Mantri School for Risig India) योजना की घोषणा प्रधानमंत्री ने 5 सितम्बर, 2022 को शिक्षक दिवस के अवसर पर की.

* इस योजना के तहत् केन्द्र/राज्य/केन्द्रशासित, क्षेत्र/स्थानीय निकाय द्वारा संचालित चुनिंदा स्कूलों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पूरी भावना समाहित करते हुए विकास कर इन्हें मॉडल स्कूलों की तरह विकसित किया जाएगा.

143. (D) 10-11 सितम्बर, 2022 के दौरान अहमदाबाद के साइंस सिटी में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्वावधान में केन्द्र-राज्य विज्ञान सम्मेलन का आयोजन हुआ.

144. (B) 11 सितम्बर, 2022 को मझगाँव डॉक शिप बिल्डर्स लिमिटेड (MDL) द्वारा निर्मित स्टेल्थ (रडार की नजर में बचने में सक्षम) युद्धपोत तारागिरि का जलावतरण किया गया.

* 149 मीटर लम्बे व 17·8 मीटर चौड़े तथा 1 गैस टर्बाइनों से संचालित इस युद्धपोत की विस्थापन क्षमता लगभग 6670 टन है.
* नौसेना की परियोजना 17-ए के तहत् निर्मित यह तीसरा युद्धपोत है.

145. (C) जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भारत में एक ऐतिहासिक पहल सितम्बर 2022 में उस समय हुई, जब 70 वर्ष पूर्व देश में विलुप्त घोषित चीतों का पुनप्रर्वास देश में हुआ.

* इसके लिए अफ्रीकी राष्ट्र नामीबिया से 8 चीते वायुसेना से बोइंग मालवाहक विमान द्वारा 17 सितम्बर, 2022 को भारत लाए गए, जिन्हें मध्य प्रदेश में श्योपुर स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में बसाया गया है.

146. (C) हंगरी के राजनयिक कसाबा कोरोसी संयुक्त राष्ट्र संघ में 13 सितम्बर, 2022 से प्रारम्भ हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र के अध्यक्ष सर्वसम्मति से 7 जून, 2022 को निर्वाचित हुए थे.

* 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा के वह 77वें अध्यक्ष हैं.
* भारत को महासभा की अध्यक्षता का अवसर 1953 में मिला था, जब भारत की श्रीमती विजयलक्ष्मी पण्डित संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली महिला अध्यक्ष बनी थीं, वह 8वें सत्र की अध्यक्ष बनी थीं.

147. (C) 14 जुलाई, 2022 को भारत, इजरायल, संयुक्त अरब अमीरात व अमरीका के समूह आई2यू2 (I2U2) का शिखर सम्मेलन वर्चुअली आयोजित किया गया.

* इस समूह का लक्ष्य वैश्विक खाद्य संकट से निपटना है.

148. (A) 28 अक्टूबर, 2022 को इण्डोनेशिया की राजधानी जकार्ता में जी-20 के अनुसन्धान मन्त्रियों की बैठक सम्पन्न हुई.

* इस बैठक में स्पष्ट किया गया कि भारत की 1 दिसम्बर, 2022 से प्रभावी अध्यक्षता के दौरान स्थायी ऊर्जा, जैव विविधता, ब्लू इकोनॉमी के लिए वैज्ञानिक चुनौतियों एवं अवसर आदि प्रमुख विषय होंगे.

149. (C) अमरीकी अन्तरिक्ष एजेन्सी नासा (NASA) द्वारा जुलाई 2022 में मंगल मिशन वर्ष 2033 की घोषणा की गई.

* इस मिशन का लक्ष्य वर्ष 2033 तक मंगल ग्रह से 30 मार्टियन रॉक लाने की है. यह नमूना लाल ग्रह के जेजेरो क्रेटर से लिया जाएगा.
* मिशन 2033 के तहत् वर्ष 2028 में पृथ्वी से लैण्डर का प्रक्षेपण किया जाएगा, जो 2030 में मंगल पर उतरेगा.

150. (B) जापान के सबसे लम्बे समय तक प्रधानमंत्री रहे शिंजो आबे की 8 जुलाई, 2022 को पश्चिमी जापान के नारा शहर में उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह उच्च सदन के लिए होने वाले चुनाव के सिलसिले में एक चुनावी रैली में सम्बोधन कर रहे थे.

* शिंजो आबे सितम्बर 2006 से सितम्बर 2007 के दौरान तथा दिसम्बर 2012 से सितम्बर 2020 तक जापान के प्रधानमंत्री रहे थे. ●●●

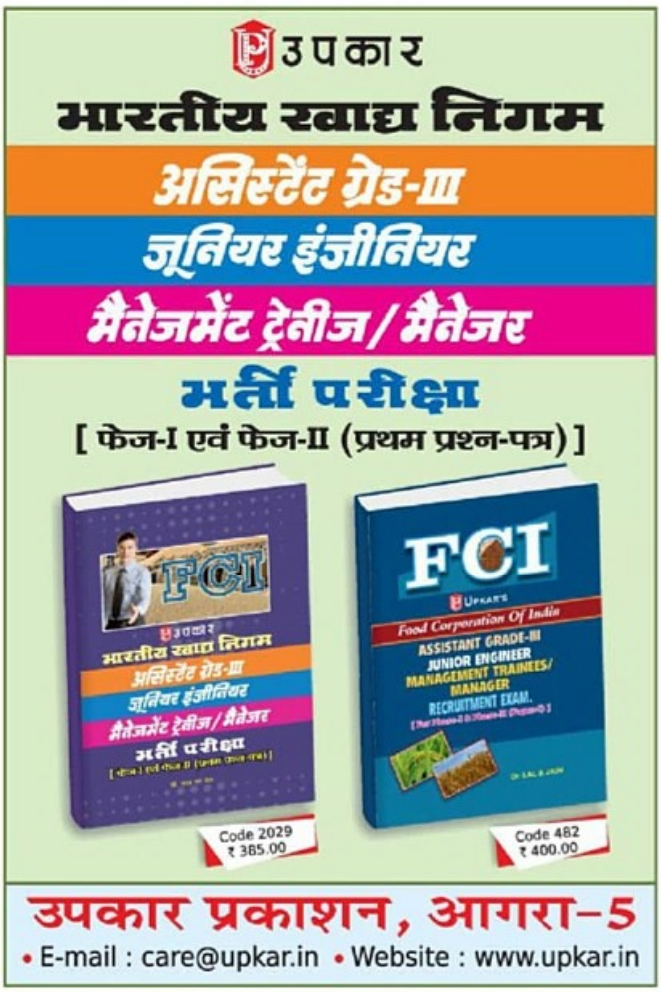

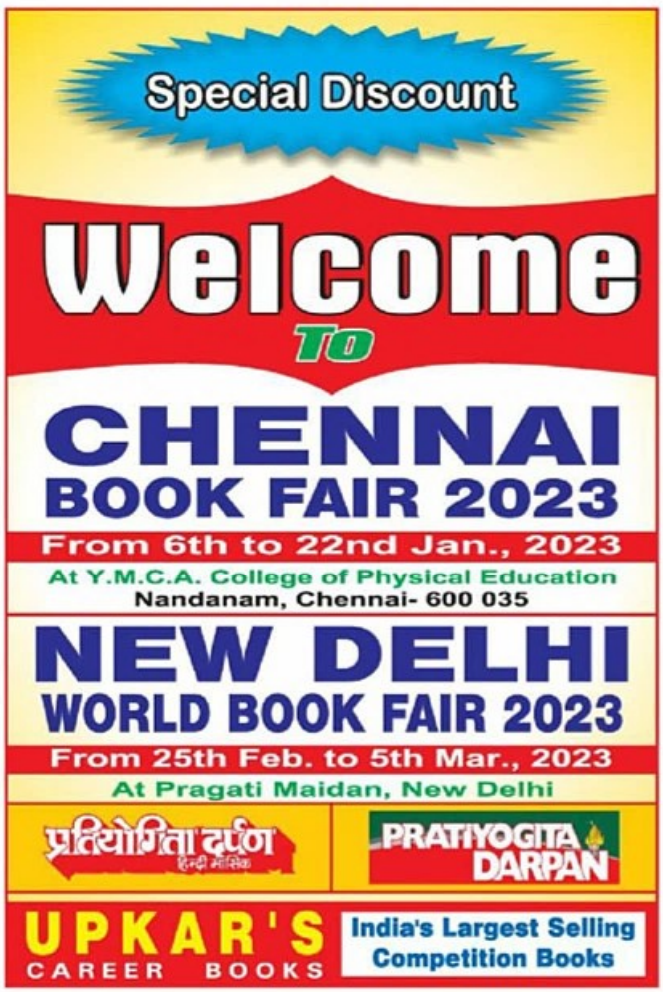

आगामी बैंक पी.ओ., एम.बी.ए. आदि परीक्षाओं के लिए विशेष हल प्रश्न

उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

1. रेपो दर में विगत महीनों में लगातार वृद्धि से बैंकों ने अपने ऋणों व जमाओं पर ब्याज दरों में वृद्धि की है. सरकार ने अपनी लघु बचत योजनाओं पर भी ब्याज वृद्धि 1 जनवरी, 2023 से की है. राष्ट्रीय बचत-पत्रों (NSC) पर सालाना ब्याज दर कितनी की गई है ?
   (A) 6·0 प्रतिशत (B) 6·5 प्रतिशत
   (C) 7·0 प्रतिशत (D) 7·5 प्रतिशत
2. डाकघर बचत खातों पर ब्याज दर अब कितने प्रतिशत है ?
   (A) 4·0 प्रतिशत (B) 4·5 प्रतिशत
   (C) 5·0 प्रतिशत (D) 5·5 प्रतिशत
3. पब्लिक प्रॉविडेंट फण्ड (PPF) पर ब्याज दर में कोई परिवर्तन 1 जनवरी, 2023 से नहीं किया गया है. यह दर कितने प्रतिशत पर बरकरार है ?
   (A) 6·6 प्रतिशत (B) 7·1 प्रतिशत
   (C) 7·6 प्रतिशत (D) 8·1 प्रतिशत
4. सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न कम्पनी ओएनजीसी के चेयरमैन पद पर किसकी नियुक्ति दिसम्बर 2022 में की गई है ?
   (A) अरुण कुमार सिंह
   (B) चन्द्रशेखर अय्यर
   (C) श्याम श्रीनिवासन
   (D) हर्ष मारी वाला
5. नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेन्ट एक्ट निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है ?
   (A) बीमा (B) बैंकिंग
   (C) करारोपण (D) रीयल एस्टेट
6. चालू वर्ष 2023 को निम्नलिखित में से किस रूप में मनाया जा रहा है ?
   (A) मत्स्यिकी एवं मत्स्य पालन के अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
   (B) अन्तर्राष्ट्रीय रक्तदाता वर्ष
   (C) जैव विविधता हेतु अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
   (D) मोटे अनाजों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
7. प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना दिसम्बर 2022 में समाप्त हुई है. इस योजना के तहत् लगभग कितने लोगों को प्रतिमाह 5 किग्रा गेहूँ/चावल मुफ्त उपलब्ध कराया जा रहा था ?
   (A) 51 करोड़ (B) 61 करोड़
   (C) 71 करोड़ (D) 81 करोड़
8. नए वर्ष में गेहूँ की सरकारी खरीद अप्रैल माह में प्रारम्भ होगी. इसके लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य कितने रुपए प्रति क्विंटल इस वर्ष 2023 में निर्धारित है ?
   (A) ₹ 1925 (B) ₹ 2025
   (C) ₹ 2125 (D) ₹ 2225
9. निम्नलिखित में से किस उद्योग समूह ने एनडीटीवी की लगभग 29 प्रतिशत हिस्सेदारी प्रवर्त्तकों से खरीदी है ?
   (A) रिलायंस (B) अडाणी
   (C) गोदरेज (D) टाटा
10. विश्व की सबसे शक्तिशाली 100 महिलाओं की फोर्ब्स की वर्ष 2022 की सूची में शामिल भारत की 6 महिलाओं में श्रीमती सोमा मंडल का भी नाम है. सोमा मंडल भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की किस कम्पनी की सीएमडी है ?
   (A) सेल (SAIL)
   (B) गेल (GAIL)
   (C) नेल्को (NALCO)
   (D) एचएएल (HAL)
11. मिताली एक्सप्रेस रेलगाड़ी भारत व किस अन्य देश के बीच प्रचालित रेलगाड़ी है ?
   (A) पाकिस्तान (B) बांग्लादेश
   (C) भूटान (D) नेपाल
12. पद का दुरुपयोग कर बैंक के साथ धोखाधड़ी के मामले में श्रीमती चंदा कोचर को सीबीआई ने दिसम्बर 2022 में गिरफ्तार किया है. श्रीमती कोचर निम्नलिखित में से किस बैंक की प्रबन्ध निदेशक रही थीं ?
   (A) एक्सेस बैंक
   (B) आईसीआईसीआई बैंक
   (C) एचडीएफसी बैंक
   (D) इंडसइंड बैंक
13. सरकार द्वारा संचालित मनरेगा (MGNREGA) योजना का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किससे है ?
   (A) शहरी आवास
   (B) ग्रामीण आवास
   (C) ग्रामीण रोजगार
   (D) वृद्धावस्था पेंशन
14. उद्योग व्यापार जगत् के अग्रणी संगठन 'फिक्की' (FICCI) के अध्यक्ष पद पर किसने कार्यभार दिसम्बर 2022 में सँभाला है ?
   (A) सुभ्र कांत पंडा
   (B) संजीव मेहता
   (C) अनीश शाह
   (D) ए. सक्थिवेल
15. निम्नलिखित में कौनसा उद्योग व्यापार जगत् के उद्यमियों का संगठन नहीं है ?
   (A) PHDCCI
   (B) TRAI
   (C) ASSOCHAM
   (D) AIMA
16. भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की कितनी कम्पनियों को महारत्न कम्पनी का दर्जा प्राप्त है ?
   (A) 6 (B) 10
   (C) 11 (D) 12
17. भारतीय वायुसेना के लिए राफेल विमान किस देश से खरीदे गए हैं ?
   (A) फ्रांस (B) इजरायल
   (C) रूस (D) अमरीका
18. जैव विविधता से सम्बन्धित कॉप-15 (CoP-15) सम्मेलन दिसम्बर 2022 में किस शहर में सम्पन्न हुआ ?
   (A) शर्म अल शेख (मिस्र)
   (B) मॉंट्रियल (कनाडा)
   (C) इस्तांबुल (टर्की)
   (D) आबू धाबी (संयुक्त अरब अमीरात)
19. सिडबी (SIDBI) है, एक–
   (A) बीमा कम्पनी
   (B) उद्यमियों का एक संगठन
   (C) श्रम संगठन
   (D) विकास बैंक
20. विश्व में गेहूँ का सबसे बड़ा उत्पादक राष्ट्र कौनसा है ?
   (A) भारत (B) चीन
   (C) यूक्रेन (D) रूस
21. भारत में गेहूँ का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य कौनसा है ?
   (A) हरियाणा (B) पंजाब
   (C) उत्तर प्रदेश (D) मध्य प्रदेश
22. दिसम्बर 2022 में मौद्रिक नीति की द्वैमासिक समीक्षा के तहत् निम्नलिखित में से किस दर में 0·35 प्रतिशत बिन्दु की वृद्धि रिजर्व बैंक द्वारा की गई है ?
   1. रेपो दर
   2. बैंक दर
   3. सीमांत स्थायी सुविधा दर
   4. रिजर्व रेपो दर

शेष पृष्ठ 175 पर

समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए–
   1. हाथी मृत्यु ऑडिट : तमिलनाडु
   2. TOFI कार्यक्रम : हरियाणा
   3. लखपति दीदी कार्यक्रम : उत्तराखण्ड
   4. हर घर गंगा जल योजना : बिहार

   उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
   (A) 1 (B) 2
   (C) 3 (D) 4

2. ग्लोबल पार्टनरशिप ऑफ आर्टीफीशियल इंटेलीजेन्स की 2022-23 की अध्यक्षता निम्नलिखित में से किस देश को मिली है ?
   (A) भारत
   (B) जापान
   (C) जर्मनी
   (D) संयुक्त राष्ट्र अमरीका

3. 26 नम्बर, 2022 को संविधान दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ई-न्यायालय परियोजना के तहत् कतिपय पहलों का शुभारम्भ किया है–
   I. वर्चुअल जस्टिस क्लॉक
   II. जस्टिस मोबाइल एप्प 2·0
   III. डिजिटल न्यायालय
   IV. एस 3 डब्ल्यू ए.ए.एस. वेबसाइट

   उपर्युक्त में से शामिल हैं–
   (A) केवल I एवं II
   (B) केवल III एवं IV
   (C) केवल I एवं IV
   (D) I, II, III एवं IV सभी

4. गुजरात में दिसम्बर 2022 में हुए राज्य विधान सभा के चुनावों में रिकॉर्ड विधान सभा सीटों (157) पर जीत हासिल करके भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात राज्य में लगातार 29 वर्षों तक शासन करने का रिकॉर्ड बनाया है. आजादी के बाद से अब तक भारत में किस राजनीतिक दल ने किसी राज्य में सर्वाधिक अवधि तक शासन किया है ?
   (A) गुजरात (भारतीय जनता पार्टी)
   (B) प. बंगाल (सीपीएम)
   (C) त्रिपुरा (सीपीएम)
   (D) ओडिशा (बीजू जनता दल)

5. 8-9 दिसम्बर, 2022 को बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवात मैंडोस (Mandaus) ने निम्नलिखित में से किस राज्य को सर्वाधिक प्रभावित किया ?
   (A) प. बंगाल (B) ओडिशा
   (C) आन्ध्र प्रदेश (D) तमिलनाडु

6. निम्नलिखित में से कौनसा कथन 'उनाकोटि' के बारे में सही नहीं है ?
   (A) त्रिपुरा स्थित 'उनाकोटि' को पूर्वोत्तर भारत का अंगकोरवाट कहा जाता है
   (B) 7वीं-9वीं शताब्दी के बीच विकसित उनाकोटि शैव तीर्थाटन स्थल है
   (C) उनाकोटि का अर्थ 'एक करोड़ से एक कम' के रूप में लगाया जाता है
   (D) यहाँ मुख्य रूप से शिव की मूर्तियाँ हैं

7. वैदिक सिटी की स्थापना निम्नलिखित में से किस शहर में की जा रही है ?
   (A) वाराणसी (B) हरिद्वार
   (C) अयोध्या (D) उज्जैन

8. निम्नलिखित में से किसे 'समृद्धि एक्सप्रेस वे' नाम दिया गया है ?
   (A) प्रयागराज–मेरठ एक्सप्रेस वे
   (B) नागपुर–मुम्बई एक्सप्रेस वे
   (C) दिल्ली–मुम्बई एक्सप्रेस वे
   (D) मेरठ–दिल्ली एक्सप्रेस वे

9. 12 दिसम्बर, 2022 को संसद द्वारा पारित ऊर्जा संरक्षण (संशोधन) विधेयक 2022 के अनुसार कम-से-कम ..... के विद्युत् कनेक्शन वाली इमारतों के लिए नवीकरणीय स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने का प्रावधान किया गया है.
   (A) 25 किलोवाट (B) 50 किलोवाट
   (C) 75 किलोवाट (D) 100 किलोवाट

10. उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा दिए जाने की नीति के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
    I. राज्य के 18 शहरों को सौर शहरों के रूप में विकसित किया जाएगा.
    II. पहले चरण में नोएडा और अयोध्या को सौर सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा.
    (A) केवल I (B) केवल II
    (C) I एवं II दोनों (D) न I और न II

11. यूरोपीय संघ कार्बन सीमा समायोजन तन्त्र (CBAM) के तहत् निम्नलिखित में किस उत्पाद पर कार्बन शुल्क लगाए जाने की तैयारी कर रहा है ?
    I. सीमेण्ट
    II. लौह एवं इस्पात
    III. रासायनिक उर्वरक
    IV. बिजली
    V. हाइड्रोजन

    सही कूट हैं–
    (A) केवल I, II एवं III
    (B) केवल I, II एवं IV
    (C) केवल II एवं IV
    (D) I, II, III, IV एवं V सभी

12. फीफा विश्व कप 2022 का फाइनल मैच निम्नलिखित में से किन टीमों के बीच 18 दिसम्बर, 2022 को खेला गया ?
    (A) फ्रांस एवं मोरक्को
    (B) अर्जेण्टाइना एवं फ्रांस
    (C) कतर एवं ब्राजील
    (D) इंगलैण्ड एवं ब्राजील

13. भारत-आस्ट्रेलिया मुक्त व्यापार समझौता किस दिनांक से प्रभावी हो गया ?
    (A) 2 अप्रैल, 2022
    (B) 1 जून, 2022
    (C) 15 जुलाई, 2022
    (D) 29 दिसम्बर, 2022

14. वर्तमान में केन्द्र सरकार द्वारा निम्नलिखित में से कौनसा उपकर/अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाया जा रहा है ?
    I. स्वास्थ्य एवं शिक्षा उपकर
    II. पेट्रोल एवं डीजल पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क
    III. सड़क एवं बुनियादी ढाँचा उपकर
    IV. राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक शुल्क
    V. कच्चे तेल पर उपकर
    VI. कृषि अवसंरचना और विकास उपकर
    VII. जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर

    सही कूट हैं–
    (A) I, III, IV एवं VII
    (B) I, II, III, IV, V, VI एवं VII
    (C) II, V एवं VII
    (D) I, II, VI एवं VII

15. निम्नलिखित में से किस निकाय द्वारा 'नमामि गंगे (स्वच्छ गंगा पहल हेतु राष्ट्रीय मिशन) को विश्व के शीर्ष 10 उद्धार फ्लैगशिप कार्यक्रमों में शामिल किया गया है ?
    (A) विश्व बैंक
    (B) संयुक्त राष्ट्र संघ

(C) यू.एस.-एड.
(D) बिल गेटस फाउण्डेशन

16. समाचारों की सुर्खियों में रहे "Loss and Damage Fund" का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किससे है ?
(A) घाटे में चल रही औद्योगिक इकाइयों के पुनर्वास से
(B) सार्वजनिक उपक्रमों में अनिवार्यतः सृजित एक वित्तीय तंत्र से
(C) जलवायु परिवर्तन के परिणाम-स्वरूप होने वाली क्षति एवं हानि की भरपायी किए जाने से
(D) प्रतिवर्ष होने वाली दैवीय आपदाओं के बाद पुनर्निर्माण पुनर्विकास एवं पुनर्स्थापना से

17. 20 दिसम्बर, 2022 को जारी विश्व बैंक की "2022 इन नाइन चार्टस" नामक रिपोर्ट के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
I. 2022 के अन्त तक विश्व में 68·5 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में जीवन यापन कर सकते हैं.
II. विश्व 1970 के बाद से अपने समय की सबसे बड़ी मंदी में है.
III. विश्व की कुल जनसंख्या का 7% (लगभग 57·4 करोड़) वर्ष 2030 तक गम्भीर गरीबी में होगा.
उपर्युक्त में से सही हैं–
(A) केवल I व II
(B) केवल II एवं III
(C) केवल I एवं III
(D) I, II एवं III सभी

18. विश्व बैंक द्वारा दिसम्बर 2022 में जारी एक रिपोर्ट के सन्दर्भ में निम्न-लिखित में से कौनसा कथन सही है ?
I. वर्तमान में विश्व के 73·3 करोड़ लोगों के पास बिजली नहीं है.
II. वर्ष 2030 तक विश्व के 67 करोड़ बिना बिजली के रह रहे होंगे.
(A) केवल I (B) केवल II
(C) I एवं II दोनों (D) न I और न II

19. प्रधानमंत्री की आर्थिक परामर्शदात्री परिषद् (EAC-PM) द्वारा तैयार किए गए सामाजिक प्रगति सूचकांक (SPI) 2022 में निम्नलिखित में से कौनसा राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र पहले स्थान पर है ?
(A) पुदुचेरी (B) तमिलनाडु
(C) गोवा (D) केरल

20. प्रधानमंत्री की आर्थिक परामर्शदात्री परिषद् ने इंस्टीट्यूट फॉर कम्पेटी-टिवनेस एण्ड सोशल प्रोग्रेस इम्पेरेटिव द्वारा तैयार की गई सामाजिक प्रगति सूचकांक रिपोर्ट 2022 में निम्नलिखित में से कौनसा जनपद पहले स्थान पर है ?
(A) बेंगलूरू (B) शिमला
(C) आइजोल (D) सोलन

21. इमा कीथल के बारे में निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए–
I. इमा कीथल 500 वर्ष पुराना केवल विवाहित महिलाओं द्वारा संचालित बाजार है.
II. 1533 में स्थापित यह बाजार मणिपुर राज्य की राजधानी इम्फाल में स्थित है.
3. इसे मदर्स मार्केट या खैरबंद बाजार भी कहते हैं.
सही कथन हैं–
(A) केवल I
(B) केवल I एवं II
(C) केवल II एवं III
(D) I, II एवं III सभी

22. 'बम चक्रवात' (Bomb Cyclone) क्या है ?
(A) केन्द्रीय दाब 24 घंटे के भीतर कम-से-कम 24 मिलीबार गिरने के परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाला बर्फीला तूफान
(B) गहरे समुद्र में किसी विस्फोटक के गिरने से उत्पन्न होने वाला विक्षोभ
(C) ऐसा बम जो चक्रवात जैसी परिस्थितियाँ उत्पन्न कर सकता है
(D) कम तीव्रता वाला नाभिकीय हथियार

23. भारत में सुशासन दिवस कब मनाया जाता है ?
(A) 25 सितम्बर (B) 14 नवम्बर
(C) 19 नवम्बर (D) 25 दिसम्बर

24. भारतीय रिजर्व बैंक की "ट्रेण्ड एण्ड प्रोस्पेक्टस ऑफ बैंकिंग इन इण्डिया फॉर 2021-22" रिपोर्ट के अनुसार 30 सितम्बर, 2022 को भरात के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल गैर-निष्पादनीय अस्तियाँ सकल अग्रिमों का कितने प्रतिशत थीं ?
(A) 5·0% (B) 5·75%
(C) 6·37% (D) 7·25%

25. भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल गैर-निष्पादनीय आस्तियाँ 2017-18 में 9 प्रतिशत के स्तर से सितम्बर 2022 में 5·0 प्रतिशत के स्तर पर आ गई हैं, ऐसा मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस कारण से हुआ है ?
I. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा खराब और न वसूले जा सके ऋणों की बहुत बड़ी धनराशि बट्टे खाते में डाल दिए जाना
II. निजी क्षेत्र के बैंकों द्वारा ऋणों का उच्चीकरण आस्ति गुणवत्ता में सुधार कर लेना.
III. डूबन्त ऋणों की बड़े पैमाने पर वसूली.
सही कूट हैं–
(A) केवल I
(B) I एवं II केवल
(C) केवल III
(D) I, II एवं III सभी

26. अमृत भारत स्टेशन योजना के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
I. रेल मंत्रालय देश के 1000 से अधिक छोटे स्टेशनों का विकास करेगा.
II. प्रस्तावित स्टेशनों पर रूफ टॉप प्लाजा, लम्बे प्लेटफार्म, ब्लास्टलेस ट्रैक तथा 5G कनेक्टीविटी जैसी सुविधाएं विकसित की जाएगी.
उपर्युक्त में से सही कथन हैं–
(A) केवल I (B) केवल II
(C) I एवं II दोनों (D) न I एवं न II

27. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
I. 1 जनवरी, 2023 से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गत खाद्यान्नों का निःशुल्क वितरण बन्द कर दिया गया है.
II. 1 जनवरी, 2023 से 31 दिसम्बर, 2023 तक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत सार्व-जनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत वितरित खाद्यान्न लाभार्थी परिवारों को निःशुल्क मिलेगा.
उपर्युक्त में से सही कथन हैं–
(A) केवल I (B) केवल II
(C) I एवं II दोनों (D) न I और न II

28. देश का कौनसा भारत का पहला 'हर घर जल' प्रमाणित जनपद है ?
(A) बुरहानपुर मध्य प्रदेश
(B) जोधपुर राजस्थान
(C) मथुरा उत्तर प्रदेश
(D) करनाल उत्तर प्रदेश

29. सितम्बर 2022 में निम्नलिखित में से किस राज्य/संघशासित क्षेत्र को देश का पहला "स्वच्छ सुजल प्रदेश" घोषित किया गया ?
(A) चण्डीगढ़
(B) अण्डमान निकोबार द्वीप समूह
(C) हरियाणा
(D) सिक्किम

30. जल जीवन मिशन के अन्तर्गत निम्न-लिखित में किस राज्य के प्रत्येक घर में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति नलों से होती है ?
I. गोवा II. तेलंगाना
III. गुजरात IV. हरियाणा
सही कूट हैं—
(A) केवल I एवं IV
(B) केवल II एवं III
(C) केवल I
(D) I, II, III एवं IV सभी

31. कृषि क्षेत्र के लिए संस्थागत ऋण प्रवाह के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
I. कृषि क्षेत्र के लिए संस्थागत ऋण प्रवाह का लक्ष्य जनवरी 2022 में ₹ 16·5 लाख करोड़ था जिसे दिसम्बर 2022 में बढ़ाकर ₹ 18·5 लाख करोड़ कर दिया गया.
II. किसान क्रेडिट कार्ड से 4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर अल्पकालीन कार्यशील पूँजी ऋण का लाभ पशुपालन और मत्स्य पालन करने वाले कृषकों को भी मिलता है.
सही कूट हैं—
(A) केवल I (B) केवल II
(C) I एवं II दोनों (D) न I और न II

32. वर्ष 2021-22 में भारत के कृषि सम्बद्ध निर्यात का मूल्य कितना रहा है ?
(A) $ 50·24 बिलियन डॉलर
(B) $ 41·86 बिलियन डॉलर
(C) $ 30·13 बिलियन डॉलर
(D) $ 25·83 बिलियन डॉलर

33. निम्नलिखित से किसे नेपाल का प्रधान-मंत्री नियुक्त किया गया है ?
(A) पुष्प कमल दहल 'प्रचण्ड'
(B) खड्ग प्रसाद शर्मा ओली
(C) शेर बहादुर देउबा
(D) राजेन्द्र लिंगडेन

34. मुडवानी बाँध ईको पार्क तथा अनन्या वाटिका ईको-रेस्टोरेशन पार्क सह पिट झील समाचारों की सुर्खियों में रहे हैं. ऐसा निम्नलिखित में से किस कारण से हुआ है ?
(A) ये दोनों क्षेत्र सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला/लिग्नाइट द्वारा विकसित खनन पर्यटन प्रोन्नयन का हिस्सा है
(B) इन क्षेत्रों को प्राकृतिक पर्यटन के रूप में विकसित किया गया है
(C) इन क्षेत्रों को पक्षी विहार के रूप में विकसित किया गया है
(D) इन केन्द्रों पर पर्यावरण पुनर्वहाली का प्रशिक्षण दिया जाता है

35. भारत के गणतंत्र दिवस 2023 समारोह में निम्नलिखित में से किसे मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है ?
(A) सं. रा. अमरीका के राष्ट्रपति जो बाइडन
(B) यू. के. के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक
(C) मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल-सीसी
(D) इण्डोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो

36. जन विश्वास विधेयक 2022. 22 दिसम्बर, 2022 को लोक सभा में पेश किया गया. इस विधेयक के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
(A) कारोबारी सुगमता बढ़ाने के उद्देश्य से 42 अधिनियमों के 183 प्रावधानों को संशोधित करके लघु अपराधों में सजा के प्रावधान को समाप्त करना
(B) सरकारी विभागों/मंत्रालयों की जनता के प्रति अधिक जवाब देह बनाना
(C) सरकारी तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार को नियन्त्रित करना
(D) स्थानीय शासन का सुदृढ़ीकरण करना

37. केवल विवाहित महिलाओं द्वारा संचालित इमाकीथल बाजार कहाँ स्थित है ?
(A) पणजी (गोवा)
(B) कोच्चि (केरल)
(C) इम्पाल (मणिपुर)
(D) बालासोर (ओडिशा)

38. इण्डियन प्रीमियर लीग की लघु नीलामी में निम्नलिखित में से किस क्रिकेटर को सर्वाधिक बोली लगाकर खरीदा गया ?
(A) इंगलैण्ड के हरफनमौला क्रिकेटर सैम कुरन
(B) इंगलैण्ड टीम के कप्तान बेन स्ट्रोक्स
(C) केन विलियम सन
(D) निकोलस पूरन

39. निम्नलिखित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के युग्मों पर विचार कीजिए–
I. CoP 19 ऑफ सिटीज : 14-25 नवम्बर, 2022
II. CoP 27 यू.एन.एफ.सी.सी : 6-18 नवम्बर, 2022
सही कूट हैं—
(A) केवल I (B) केवल II
(C) I एवं II दोनों (D) न I और न II

40. ग्लोबल ऑफ शोर विण्ड एलायंस (GoWA) की पहल किसके द्वारा की गई है ?
I. अन्तर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेन्सी
II. डेनमार्क सरकार
III. वैश्विक पवन ऊर्जा परिषद्
IV. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम
सही कूट हैं—
(A) केवल I, II एवं III
(B) केवल II, III एवं IV
(C) केवल I
(D) I, II, III एवं IV सभी

उत्तर व्याख्या सहित

1. (D) तमिलनाडु सरकार ने हाथियों की मौत का ऑडिट कराए जाने के लिए एक फ्रेमवर्क प्रारम्भ किया है. हरियाणा वनों के बाहर वृक्ष (TOFI) कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है. उत्तराखण्ड सरकार ने 2025 तक महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों की 1·25 लाख महिलाओं के कल्याणार्थ लखपति दीदी कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है. बिहार सरकार ने गया एवं राजगिरि जनपदों के प्रत्येक घर में नलों से गंगा जल पहुँचाने की मुहिम चलाई है.
2. (A) 3. (D)
4. (B) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-मार्क्सवादी ने प. बंगाल में लगातार 34 वर्षों तक शासन किया है.
5. (D)
6. (D) यहाँ शिलाओं पर शिव, पार्वती, गणेश के कलाकृतियाँ उकेरी गई हैं.
7. (C) आवास-विकास परिषद् अयोध्या-लखनऊ राजमार्ग के किनारे 1450 एकड़ में शाहनवाजपुर व माझा बरेहटा गाँव में वैदिक सिटी की स्थापना करने जा रही है. प्रस्तावित वैदिक सिटी में 1000 आवासीय इकाइयों के लिए फ्लैट, भवन व भूखण्ड तैयार किए जाएंगे. 4000 से अधिक श्रद्धालुओं के लिए धर्मशाला व गेस्ट हाउस भूखण्डों का प्रावधान है. वैदिक सिटी में 116 बड़े भूखण्ड राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के आजमों व अखाड़ों के लिए आरक्षित किए जाएंगे. परियोजना को महाराजा दशरथ की समाधि स्थल से जोड़ा जाएगा.
8. (B) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 दिसम्बर, 2022 को नागपुर-मुम्बई समृद्धि एक्सप्रेस वे के पहले चरण का उद्घाटन किया. कुल 520 किमी लम्बा पहला चरण नागपुर को अहमदनगर के शिरडी से जोड़ता है.
9. (D) 10. (C) 11. (D) 12. (C)
13. (D) भारत-आस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (AI-ECTA) 2 अप्रैल, 2022 को हस्ताक्षरित हुआ था. दोनों देशों की संसद द्वारा इसकी प्रतिपुष्टि किए जाने के बाद यह 29 दिसम्बर, 2022 से प्रभावित हो गया.
14. (B) उपकर एवं अतिरिक्त शुल्क केन्द्र सरकार द्वारा लगाए एवं वसूले जाते हैं, लेकिन ये विभाज्य पूल का हिस्सा नहीं है.

इसलिए ये वित्त आयोग द्वारा कर राजस्व को केन्द्र एवं राज्यों के बीच बँटवारे का हिस्सा नहीं है. वित्तीय वर्ष 2020-21 में उपकरों से प्राप्त कुल राजस्व ₹ 296884 करोड़ था (वस्तु एवं सेवा कर क्षतिपूर्ति उपकर को छोड़कर) जो केन्द्र सरकार के 2020-21 के शुद्ध कुल कर राजस्व प्राप्तियों ₹ 16·33 लाख करोड़ का 18·2 प्रतिशत था.

15. (B) विश्व उद्धार दिवस (14 दिसम्बर, 2022) के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) तथा संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन के समन्वयन में संयुक्त राष्ट्र पारिस्थितिक उद्धार दशक की पहल के अन्तर्गत नमामि गंगे पहल को चुना गया.

16. (C) 17. (D) 18. (C)

19. (A) 12 संघटकों के राज्यस्तरीय 89 सूचकों तथा जनपद स्तरीय 49 सूचकों के आधार पर 65·99 स्कोर के साथ पुदुचेरी पहले स्थान पर, लक्षद्वीप दूसरे (65·89) तथा गोवा तीसरे स्थान (65·53) पर है.

20. (C) 21. (D)

22. (A) 23 दिसम्बर, 2022 के बाद से सं.रा. अमरीकी तथा कनाडा में उत्पन्न बर्फीले तूफान, शीतलहरी और – 45·6°C तापमान के साथ जो मौसमी परिवर्तन आए हैं उसे बम चक्रवात का नाम दिया गया है. ऐसे तूफान उस समय उत्पन्न होते हैं जब निम्न दाब वाली वायुराशि उच्च दाब वाली वायुराशि से मिलती है जब पवनें उच्च दाब से निम्न दाब की ओर बढ़ती हैं, तो जो स्थिति उत्पन्न होती है उसे मौसम विज्ञानी 'बॉम्बोजेनेसिस', भी कहा जाता है.

23. (D) पूर्व प्रधानमंत्री (स्व.) अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में प्रतिवर्ष 25 दिसम्बर को सुशासन दिवस (Good Governance Day) मनाया जाता है.

24. (A) 25. (D)

26. (C) अमृत भारत स्टेशन योजना अन्तर्गत रेलवे स्टेशन के भवनों के ऊपर प्लाजा का प्रावधान होगा, 5G मोबाइल सेवाओं के लिए फ्री वाई-फाई सेवा, चौड़ी सड़कें, अवांछित ढाँचों को हटाया जाना, उचित और आकर्षक मार्गदर्शक, समर्पित पैदल मार्ग, सुनियोजित पार्क, समुन्नत प्रकाश व्यवस्था, 760-840 मिमी ऊँचे तथा 600 मीटर लम्बे प्लेटफार्म, दिव्यांगजनों के लिए विशेष सुविधाओं का प्रावधान होगा.

27. (C) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत् देश की 75% ग्रामीण आबादी तथा 50% शहरी आबादी को प्रति यूनिट 5 किग्रा गेहूँ/चावल/मोटा अनाज प्रतिमाह क्रमशः ₹ 2 ₹ 3 ₹ 1 प्रति किग्रा की दर से मिल रहा है. इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजनान्तर्गत प्रति लाभार्थी परिवार प्रति यूनिट 5 किग्रा गेहूँ/चावल/मोटा अनाज प्रतिमाह अप्रैल 2020 से निःशुल्क मिल रहा था. अब यह सुविधा बन्द कर दी गई है, किन्तु सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत खाद्यान्नों का वितरण निःशुल्क होगा.

28. (A) जुलाई 2022 में बुरहानपुर जनपद को ऐसे जनपद के रूप में प्रमाणित किया गया जहाँ के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के प्रत्येक घर में स्वच्छ पेयजल का आपूर्ति नलों के द्वारा होती है. यह प्रमाण-पत्र पाने वाला बुरहानपुर देश का पहला जनपद है.

29. (B) 30. (A) 31. (C)

32. (A) भारत से कृषि एवं सम्बद्ध निर्यात 2020-21 में 41·86 बिलियन अमरीकी डॉलर से 19·99% बढ़कर 2021-22 में 50·24 बिलियन डॉलर हो गया.

33. (A) 1 दिसम्बर, 2022 में हुए चुनावों के बाद त्रिशंकु संसद में CPN-UML के नेता पुष्प कमल दहल 'प्रचण्ड' को नेपाल की राष्ट्रपति विद्या भण्डारी द्वारा 26 दिसम्बर, 2022 को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई गई.

34. (A) प्रकृति, समाज, वनों एवं वन्यजीवों के साथ सामंजस्य बैठाने के लिए भारत सरकार के खान मंत्रालय ने कोयला/लिग्नाइट के भण्डार समाप्त हो जाने पर बन्द हो चुकी खानों को ईको-पार्क, जल-क्रीड़ा, भूमिगत खान पर्यटन गोल्फ मैदान, एडवेंचर एवं पक्षी विहार के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है. इसी के तहत् नार्दर्न कोलफील्डस लि. द्वारा सिंगरौली में मुडवानी बाँध ईको-पार्क तथा दक्षिण-पूर्वी कोलफील्डस द्वारा अनन्या वाटिका ईको-रेस्टोरेशन पार्क सह पिट झील (डोला) को पर्यटक स्थलों के रूप में विकसित किया है.

35. (C) 36. (A) 37. (C)

38. (A) पंजाब किंग्स ने ₹ 18·5 करोड़ की बोली लगाकर सैम कुरन को अपनी टीम में शामिल कर दिया.

39. (C) यू.एन.एफ.सी.सी. का CoP 27 सम्मेलन शर्म अलशेख (मिस्र) 6-18 नवम्बर, 2022 को सम्पन्न हुआ, जबकि कन्वेंशन ऑन इण्टरनेशनल ट्रेड इन एन्डैंजर्ड स्पीज ऑफ वाल्ड फौना एण्ड फलोरा का CoP Citis सम्मेलन 14-25 नवम्बर, 2022 को पनामा शहर में सम्पन्न हुआ.

40. (A)

●●●

शेष पृष्ठ 171 का

निम्नलिखित कूट में से सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 1
(B) केवल 1 व 2
(C) केवल 1, 2 व 3
(D) 1, 2, 3 व 4 सभी

23. चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में कितने प्रतिशत वृद्धि का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक ने दिसम्बर 2022 में व्यक्त किया है ?

(A) 6·8 प्रतिशत (B) 7·0 प्रतिशत
(C) 7·2 प्रतिशत (D) 7·4 प्रतिशत

24. लम्बे समय तक सार्वजनिक क्षेत्र में रही एयर इंडिया अब टाटा संस के पूर्ण स्वामित्व वाली कम्पनी है. विमानन क्षेत्र की निम्नलिखित में से किस कम्पनी का विलय एयर इंडिया में होने जा रहा है ?

(A) इंडिगो (B) विस्तारा
(C) गोएयर (D) इण्डिगो

25. निम्नलिखित में से किस देश/क्षेत्र के साथ भारत का स्वतंत्र व्यापार समझौता दिसम्बर 2022 में प्रभावी हुआ है ?

(A) आस्ट्रेलिया
(B) ब्रिटेन
(C) संयुक्त अरब अमीरात
(D) आसियान

उत्तरमाला

1. (C) 2. (A) 3. (B) 4. (A) 5. (B)
6. (D) 7. (D) 8. (C) 9. (B) 10. (A)
11. (B) 12. (B) 13. (C) 14. (A) 15. (B)
16. (D) 17. (A) 18. (B) 19. (D) 20. (B)
21. (C) 22. (C) 23. (A) 24. (B) 25. (A)

●●●

उपकार

नवीन प्रस्तुति

उत्तर प्रदेश

सामान्य ज्ञान एक दृष्टि में

(नवीन आँकड़ों एवं तथ्यों सहित)

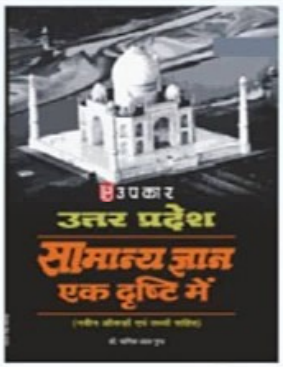

लेखक : डॉ. मानिक लाल गुप्त

कोड 2451
₹ 50/-

अति विशिष्ट सामग्री के साथ

उपकार प्रकाशन, आगरा–5

● E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

Just Released

परीक्षोपयोगी सीरीज-7

प्रतियोगिता दर्पण

का अतिरिक्तांक

संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग की प्रारम्भिक व मुख्य परीक्षाओं हेतु

समसामयिक घटनाचक्र

नवीन संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण

{सितम्बर 2022 में प्रकाशित}

करेन्ट अफेयर्स 2022

Vol. 3

राष्ट्रीय | अन्तर्राष्ट्रीय | आर्थिक एवं वाणिज्यिक परिदृश्य

समसामयिक सामान्य ज्ञान | खेलकूद

Code No. 817
₹ 130.00

Code No. 808
₹ 150.00

अन्य विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए भी समान रूप से उपयोगी

समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

Scan the QR Code with your mobile and open the link to see the range of extra issues.

ORPD002S

Download FREE QR Scanner app from the app store

प्रतियोगिता दर्पण | 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005
फोन : (0562) 2531101, 2530966 • E-mail : care@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in
• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • हल्द्वानी मो. 07060421008

कृषि एवं किसान कल्याण क्षेत्र की उपलब्धियाँ

रिकॉर्ड खाद्यान्न और बागवानी उत्पादन

खाद्यान्न उत्पादन जनवरी 2022 के 308·65 मिलियन टन से बढ़कर दिसम्बर 2022 में 315·72 मिलियन टन (चौथे अग्रिम अनुमानों के अनुसार) हो गया है जो अब तक का सर्वाधिक खाद्यान्न उत्पादन है. तीसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार, बागवानी उत्पादन 2020-21 के दौरान 331·05 मिलियन एमटी था जिसे 2021-22 के दौरान बढ़ाकर 342·33 मिलियन एमटी तक पहुँचा दिया गया. यह भारतीय बागवानी के लिए अब तक का सर्वाधिक उत्पादन है.

उत्पादन लागत का डेढ़ गुना एमएसपी तय करना

- सरकार ने 2018-19 से अखिल भारतीय औसत उत्पादन लागत पर कम-से-कम 50 प्रतिशत लाभ के साथ सभी अनिवार्य खरीफ, रबी और अन्य वाणिज्यिक फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि की है.
- धान (सामान्य) के लिए एमएसपी जनवरी 2022 में ₹ 1,940 प्रति क्विंटल था जिसे बढ़ाकर दिसम्बर 2022 में ₹ 2,040 प्रति क्विंटल कर दिया गया है.
- गेहूँ का एमएसपी जनवरी 2022 के ₹ 2,015 प्रति क्विंटल से बढ़ाकर दिसम्बर 2022 में ₹ 2,125 प्रति क्विंटल कर दिया गया.

खाद्य तेलों के लिए राष्ट्रीय मिशन की शुरूआत-ऑयल पाम

एनएमईओ को ₹ 11,040 करोड़ के कुल परिव्यय के साथ मंजूरी दी गई है. इससे अगले 5 वर्षों में पूर्वोत्तर राज्यों में 3·28 लाख हेक्टेयर और शेष भारत में 3·22 हेक्टेयर के साथ ऑयल पाम वृक्षारोपण के तहत् 6·5 लाख हेक्टेयर का अतिरिक्त क्षेत्र आएगा. मिशन का ध्यान मुख्य रूप से उद्योग द्वारा सुनिश्चित खरीद से जुड़े किसानों को एक सरल मूल्य निर्धारण फार्मूले के साथ ताजे फलों के गुच्छों (एफएफबी) की व्यवहार्य कीमतें प्रदान करना है. यदि उद्योग द्वारा भुगतान किया गया मूल्य अक्टूबर 2037 तक व्यवहार्य मूल्य से कम है तो केन्द्र सरकार किसानों की व्यवहार्यता अंतर भुगतान के माध्यम से क्षतिपूर्ति करेगी.

किसानों से खरीद में वृद्धि

फसल वर्ष 2020-21 के लिए, सरकार ने अपनी नोडल एजेंसियों के माध्यम से 12,11,619·39 मीट्रिक टन दलहन और तिलहन की खरीद की, जिसका एमएसपी ₹ 6,830·18 करोड़ है, जिससे 7,06,552 किसानों को लाभ हुआ, जबकि वर्ष 2021-22 में 31,08,941·96 मीट्रिक टन दलहन, तिलहन और खोपरा जिसका न्यूनतम समर्थन मूल्य ₹ 17,093·13 करोड़ था उसने 14,68,699 किसानों को लाभान्वित किया है. इसके अलावा, खरीफ 2021-22 मौसम के तहत् जनवरी 2022 तक खरीदे गए 2,24,282·01 मीट्रिक टन दलहन और तिलहन जिसका एमएसपी ₹ 1380·17 करोड़ था उससे 1,37,788 किसान लाभान्वित हुए, जबकि खरीफ 2022-23 खरीद मौसम के तहत् दिसम्बर 2022 तक ₹ 915·79 करोड़ मूल्य की एमएसपी पर 1,03,830·50 मीट्रिक टन दलहन, तिलहन और खोपरा की खरीद की गई जिससे 61,339 किसानों को लाभ मिला है.

प्रधानमंत्री किसान योजना के माध्यम से किसानों को आय सहायता

- प्रधानमंत्री-किसान योजना 2019 में शुरू की गई थी जोकि किसानों को ₹ 6,000 प्रति वर्ष 3 समान किस्तों में प्रदान करने वाली आय सहायता योजना है.
- प्रधानमंत्री-किसान योजना में, जनवरी 2022 में 11·74 करोड़ से अधिक किसानों को ₹ 1·82 लाख करोड़ जारी किए गए, जबकि दिसम्बर 2022 तक 11 करोड़ से अधिक पात्र किसानों को अब तक ₹ 2 लाख करोड़ से अधिक जारी किए जा चुके हैं.

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई)

- पीएमएफबीवाई 2016 में किसानों के लिए उच्च प्रीमियम दरों और कैपिंग के कारण बीमा राशि में कटौती की समस्याओं को दूर करने के लिए शुरू की गई थी.
- कार्यान्वयन के बाद से, 29·39 करोड़ आवेदक किसानों का नाम दर्ज किया गया और 9·01 करोड़ (अस्थायी) से अधिक आवेदक किसानों को जनवरी 2022 तक ₹ 1,04,196 करोड़ से अधिक के दावे प्राप्त हुए, जिनकी संख्या दिसम्बर 2022 में बढ़कर 38 करोड़ नामांकित आवेदक किसानों तक पहुँच गई और आवेदन करने वाले 12·24 करोड़ (अस्थायी) से अधिक किसानों को ₹ 1,28,522 करोड़ से अधिक के दावे प्राप्त हुए.
- जनवरी 2022 तक किसानों द्वारा प्रीमियम के हिस्से के रूप में लगभग ₹ 21,532 करोड़ का भुगतान किया गया था, जिसके एवज में उन्हें ₹ 1,04,196 करोड़ (अस्थायी) से अधिक के दावों का भुगतान किया गया था, इस प्रकार किसानों द्वारा भुगतान किए गए प्रीमियम के प्रत्येक ₹ 100 के लिए, उन्हें दिसम्बर 2022 तक दावों के रूप में ₹ 484 प्राप्त हुए. किसानों द्वारा प्रीमियम के हिस्से के रूप में लगभग ₹ 25,192 करोड़ का भुगतान किया गया था, जिसके बदले उन्हें ₹ 1,28,522 करोड़ (अस्थायी) से अधिक के दावों का भुगतान किया गया, इस प्रकार किसान द्वारा किए गए प्रत्येक ₹ 100 के प्रीमियम के भुगतान पर उन्हें दावे के रूप में करीब ₹ 510 मिले हैं.

कृषि क्षेत्र के लिए संस्थागत ऋण

- कृषि क्षेत्र के लिए संस्थागत ऋण जनवरी 2022 में ₹ 16·5 लाख करोड़ था, जिसे दिसम्बर 2022 में बढ़ाकर ₹ 18·5 लाख करोड़ कर दिया गया है.
- अल्पकालिक कार्यशील पूँजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए 4 प्रतिशत प्रति वर्ष ब्याज पर किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से रियायती संस्थागत ऋण का लाभ पशुपालन और मत्स्य पालन करने वाले किसानों को भी दिया गया है.
- किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से सभी पीएम-किसान लाभार्थियों को शामिल करने पर ध्यान देने के साथ रियायती संस्थागत ऋण प्रदान करने के लिए फरवरी 2020 से एक विशेष अभियान चलाया गया है. जनवरी 2022 तक, ₹ 3,19,902 करोड़ की स्वीकृत क्रेडिट सीमा के साथ 291·67 लाख नए केसीसी आवेदन स्वीकृत किए गए थे, जो दिसम्बर 2022 में ₹ 4,33,426 करोड़ की स्वीकृत क्रेडिट सीमा के साथ अभियान के हिस्से के रूप में बढ़कर 376·97 लाख स्वीकृत केसीसी आवेदन हो गए.

किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराना

पोषक तत्वों के अधिकतम उपयोग के लिए वर्ष 2014-15 में मृदा स्वास्थ्य कार्ड

योजना शुरू की गई थी. निम्नलिखित संख्या में किसानों को कार्ड जारी किए गए.

(i) चक्र-I (2015 से 2017)–10·74 करोड़
(ii) चक्र-II (2017 से 2019)–11·97 करोड़
(iii) आदर्श ग्राम कार्यक्रम (2019-20)–19·64 लाख

बायोस्टिमुलेंट्स के प्रसार के लिए नियमावली जारी की गई है. उर्वरक नियंत्रण आदेश के तहत् नैनो यूरिया को शामिल किया गया है.

देश में जैविक खेती को बढ़ावा देना

- देश में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए 2015-16 में परम्परागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) शुरू की गई. जनवरी 2022 तक 30,934 क्लस्टर बनाए गए और 6·19 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया गया जिससे 15·47 लाख किसान लाभान्वित हुए, जो दिसम्बर 2022 में बढ़कर 32,384 क्लस्टर हो गए जिससे 16·19 लाख किसानों को लाभान्वित करते हुए 6·53 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया गया है. इसके अलावा, नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत् 1,23,620 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया गया है और प्राकृतिक खेती के तहत् 4·09 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया गया है. उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और झारखण्ड में किसान, नदी जल प्रदूषण को नियंत्रित करने के साथ-साथ किसानों को अतिरिक्त आय प्रदान करने के लिए गंगा नदी के दोनों किनारों पर जैविक खेती की है.
- सरकार ने भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति (बीपीकेपी) योजना के माध्यम से स्थायी प्राकृतिक कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देने का भी प्रस्ताव किया है. प्रस्तावित योजना का उद्देश्य खेती की लागत में कटौती करना, किसान की आय में वृद्धि करना और संसाधन संरक्षण और सुरक्षित और स्वस्थ मिट्टी, पर्यावरण और भोजन सुनिश्चित करना है.
- पूर्वोत्तर क्षेत्र (एमओवीसीडीएनईआर) में मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट शुरू किया गया है. जनवरी 2022 तक, 153,116 किसानों को मिलाकर 170 किसान उत्पादक कम्पनियाँ बनाई गई हैं और 155,495 हेक्टेयर क्षेत्र को शामिल किया गया है, जबकि दिसम्बर 2022 तक, 379 किसान उत्पादक कम्पनियाँ गठित की गई हैं जिसमें 1,89,039 किसानों को शामिल करते हुए और 1,72,966 हेक्टेयर क्षेत्र को शामिल किया गया है.
- इसके अलावा, सस्ती कीमत पर जैविक प्रमाणीकरण की सुविधा और दृष्टिकोण को अपनाने में आसान बनाने के लिए, 2015 के दौरान एक नई भागीदारी गारंटी प्रणाली (पीजीएस) प्रमाणन शुरू किया गया था. यह पीजीएस प्रणाली दुनिया में अद्वितीय है और दुनिया में सबसे बड़ा सहभागी जैविक प्रमाणन कार्यक्रम है. पीजीएस प्रमाणीकरण के तहत जनवरी 2022 तक 11 लाख लघु एवं सीमांत किसानों को जबकि दिसम्बर 2022 तक 13·98 लाख लघु एवं सीमांत किसानों को पीजीएस प्रमाणीकरण के तहत् प्रमाणित किया गया है. छोटे और सीमांत किसानों को अपने जैविक उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं को बेचने में सहायता करने के लिए एक जैविक खेती पोर्टल शुरू किया गया है. जनवरी 2022 तक लगभग 5·73 लाख किसानों को पोर्टल पर पंजीकृत किया गया जबकि 6·09 लाख किसानों को दिसम्बर 2022 तक पोर्टल पर किसानों का पंजीकरण किया जा चुका है.
- इसके अलावा, वृहद क्षेत्र प्रमाणन कार्यक्रम के तहत डिफॉल्ट जैविक क्षेत्रों जैसे द्वीप, सुदूरवर्ती, पहाड़ी क्षेत्रों का त्वरित प्रमाणीकरण शुरू किया गया है. इससे छोटे किसान 3 वर्ष की सामान्य प्रमाणन अवधि की प्रतीक्षा किए बिना तुरन्त प्रमाणित उत्पादों का विपणन कर सकेंगे. अंडमान के कार निकोबार द्वीप समूह में लगभग 14,445 हेक्टेयर अब प्रमाणित उत्पादों के विपणन के लिए क्षेत्र में सीमांत किसानों की मदद करने वाले कार्यक्रम के तहत् प्रमाणित हैं. एलएसी के तहत् लद्दाख से 5,000 हेक्टेयर क्षेत्र का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और ₹ 11·475 लाख की धनराशि जारी की गई है. किसानों को जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रमाणीकरण के लिए प्रत्येक किसान के लिए सहायता शुरू की गई है. लक्षद्वीप के 2,700 हेक्टेयर क्षेत्र की पूरी खेती योग्य भूमि को एलएसी के तहत् जैविक के रूप में प्रमाणित किया गया है. हाल ही में सिक्किम में प्रमाणन जारी रखने और फंड के लिए 60,000 हेक्टेयर क्षेत्र को भी सहायता दी गई है और ₹ 96·39 लाख जारी किए, जो दुनिया का एकमात्र 100 प्रतिशत जैविक राज्य है.

कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ)

- एआईएफ की स्थापना के बाद से, जनवरी 2022 तक, इस योजना ने देश में 16,000 से अधिक परियोजनाओं के लिए ₹ 11,891 करोड़ के कृषि बुनियादी ढाँचे को मंजूरी दी, जबकि दिसम्बर 2022 तक देश में 18,133 से अधिक परियोजनाओं के लिए ₹ 13,681 करोड़ के कृषि बुनियादी ढाँचे को मंजूरी दी गई.
- योजना के समर्थन से, विभिन्न कृषि बुनियादी ढाँचों का निर्माण किया गया और कुछ बुनियादी ढाँचे पूर्ण होने के अंतिम चरण में है.
- जनवरी 2022 तक, 4,748 गोदामों, 591 कस्टम हायरिंग केन्द्रों, 155 परख इकाइयों, 550 प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयों, 306 छँटाई और ग्रेडिंग इकाइयों, 267 कोल्ड स्टोर परियोजनाओं और लगभग 2,420 अन्य प्रकार की फसल कटाई के बाद की प्रबंधन परियोजनाओं और सामुदायिक कृषि सम्पत्तियों की स्थापना की गई थी जो दिसम्बर 2022 में बढ़कर 8,076 गोदामों, 2,788 प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयों, 1,860 कस्टम हायरिंग केन्द्रों, 937 छँटाई और ग्रेडिंग इकाइयों, 696 कोल्ड स्टोर परियोजनाओं, 163 परख इकाइयों और लगभग 3,613 अन्य प्रकार की फसल कटाई के बाद की प्रबंधन परियोजनाओं और सामुदायिक कृषि सम्पत्तियों तक बढ़ गई.

कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) का प्रसार

प्रधानमंत्री ने 29 फरवरी, 2020 को वर्ष 2027-28 तक ₹ 6,865 करोड़ के बजट परिव्यय के साथ 10,000 नए एफपीओ के गठन और प्रसार के लिए एक नई केन्द्रीय क्षेत्र की योजना शुरू की.

नई एफपीओ योजना के तहत् जनवरी, 2022 तक कुल 2,110 एफपीओ पंजीकृत किए गए थे, जो दिसम्बर 2022 तक बढ़कर 4,016 एफपीओ हो गए.

राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम)

आत्मनिर्भर भारत अभियान के हिस्से के रूप में 2020 में **एक राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम)** शुरू किया गया है. मधुमक्खी पालन क्षेत्र के लिए 2020-2021 से 2022-2023 की अवधि के लिए ₹ 500 करोड़ आवंटित किए गए हैं. मधुमक्खी पालन क्षेत्र के लिए 70 परियोजनाएं आवंटित की गई हैं. एनबीएचएम के तहत् वित्त पोषण के लिए लगभग ₹ 118·00 करोड़ की सहायता से 70 परियोजनाओं को मंजूरी/स्वीकृति दी गई जबकि दिसम्बर 2022 तक लगभग ₹ 139·23

करोड़ की सहायता से 114 परियोजनाओं को एनबीएचएम के तहत् वित्त पोषण के लिए मंजूर/स्वीकृत किया गया है.

प्रति बूँद अधिक फसल

2015-16 के दौरान प्रति बूँद अधिक फसल (पीडीएमसी) योजना शुरू की गई जिसका उद्देश्य सूक्ष्म सिंचाई प्रौद्योगिकियों यानी ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली के माध्यम से खेतों में पानी के उपयोग की दक्षता को बढ़ाना है. पीडीएमसी योजना के माध्यम से सूक्ष्म सिंचाई के तहत् जनवरी 2022 तक 60 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को शामिल किया गया जिसे दिसम्बर 2022 में बढ़ाकर 69·55 लाख हेक्टेयर कर दिया गया.

सूक्ष्म सिंचाई कोष

नाबार्ड के साथ ₹ 5,000 करोड़ के प्रारम्भिक कोष का एक सूक्ष्म सिंचाई कोष बनाया गया है. 2021-22 की बजट घोषणा में, निधि के कोष को बढ़ाकर ₹ 10,000 करोड़ किया जाना था. जनवरी 2022 तक, 12·83 लाख हेक्टेयर में ₹ 3,970·17 करोड़ की परियोजनाओं की मंजूरी दी गई जबकि दिसम्बर 2022 तक 17·09 लाख हेक्टेयर को कवर करने वाली 4,710·96 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है.

कृषि यंत्रीकरण

- कृषि का आधुनिकीकरण करने और खेती के कार्यों की नीरसता को कम करने के लिए कृषि यंत्रीकरण अत्यंत महत्वपूर्ण है. 2014-15 से मार्च 2022 की अवधि के दौरान कृषि यंत्रीकरण के लिए ₹ 5,490·82 करोड़ की राशि आवंटित की गई है.
- जनवरी 2022 तक किसानों को सब्सिडी पर उपलब्ध कराई गई मशीनों और उपकरणों की संख्या 13,78,755 थी, जो दिसम्बर 2022 में बढ़कर 13,88,314 हो गई है.
- किसानों को किराए पर मशीनें और उपकरण उपलब्ध कराने के लिए दिसम्बर 2022 में 18,824 कस्टम हायरिंग सेंटर, 403 हाई-टेक हब और 16,791 फार्म मशीनरी बैंक काम कर रहे हैं, जबकि जनवरी 2022 तक 16,007 कस्टम हायरिंग सेंटर, 378 हाई-टेक हब और 16,309 कृषि मशीनरी बैंक उपलब्ध थे.
- चालू वर्ष 2022-23 के दौरान 65,302 मशीनों का सब्सिडी पर वितरण करने के लिए, अब तक लगभग ₹ 504·43 करोड़ की राशि 2,804 सीएचसी, 12 हाई-टेक हब और 1,260 ग्राम स्तरीय फार्म मशीनरी बैंकों की स्थापना के लिए जारी की जा चुकी है.
- फसलों की पराली जलाने के कारण वायु प्रदूषण को दूर करने के लिए पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और एनसीटी दिल्ली की सरकार के प्रयासों में सहयोग करने के लिए, 2018-19 से 2021-22 तक की अवधि के दौरान इन राज्यों को मशीनीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से पराली प्रबंधन के लिए ₹ 2,440·07 करोड़ की धनराशि जारी की गई है. फसलों की पराली प्रबंधन मशीनों के 38,422 कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) स्थापित किए गए हैं और इन 4 राज्यों के इन सीएचसी और अलग-अलग किसान को 2·07 लाख से अधिक मशीनों की आपूर्ति की गई है. चालू वर्ष में, ₹ 698·10 करोड़ की राशि जारी की गई है और राज्यों ने फसलों की पराली के मूल स्थान और बाहर प्रबंधन के लिए 47,500 फसल पराली प्रबंधन मशीनों की आपूर्ति करने का लक्ष्य रखा है.
- कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकियों के अद्वितीय लाभों को देखते हुए, कीटनाशकों और पोषक तत्वों के छिड़काव में ड्रोन के उपयोग के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) 21.12.2021 को सार्वजनिक की गई, जो ड्रोन के प्रभावी और सुरक्षित संचालन के लिए संक्षिप्त निर्देश प्रदान करती है.
- इस तकनीक को किसानों और इस क्षेत्र के अन्य हितधारकों के लिए सस्ती बनाने के लिए, ड्रोन की 100 प्रतिशत लागत की वित्तीय सहायता के साथ-साथ आकस्मिक व्यय को किसान के खेतों पर इसके प्रदर्शन के लिए उप-मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन (एसएमएएम) के तहत बढ़ाया गया है.
- ड्रोन एप्लिकेशन के माध्यम से कृषि सेवाएं प्रदान करने के लिए, कृषि सहकारी समिति के एफपीओ और ग्रामीण उद्यमियों के तहत् कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) द्वारा ड्रोन खरीद के लिए ड्रोन की मूल लागत का 40 प्रतिशत और अधिकतम ₹ 4·00 लाख तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है. सीएचसी स्थापित करने वाले कृषि स्नातक ड्रोन की लागत के 50 प्रतिशत की दर से अधिकतम ₹ 5·00 लाख तक की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के हकदार हैं. उपर्युक्त के अलावा, कोई भी किसान वित्तीय सहायता का हकदार है और छोटे और सीमांत किसानों, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के किसानों, महिला किसानों और पूर्वोत्तर राज्यों के किसानों को ड्रोन की लागत के 50 प्रतिशत की दर से अधिकतम ₹ 5·00 लाख तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है. अन्य किसानों को ड्रोन की लागत के 40 प्रतिशत की दर से अधिकतम ₹ 4·00 लाख तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है.
- एसएमएएम के कोष से अब तक किसान ड्रोन प्रचार के लिए ₹ 124·26 करोड़ की राशि जारी की जा चुकी है, जिसमें 79,070 हेक्टेयर भूमि में उनके प्रदर्शन के लिए 317 ड्रोन की खरीद और सब्सिडी पर किसानों को 239 ड्रोन की आपूर्ति और किराए पर किसानों को ड्रोन सेवाएं प्रदान करने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को 1,519 ड्रोन की आपूर्ति की गई.

ई-राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) विस्तार प्लेटफार्म की स्थापना

- दिसम्बर 2022 तक, 22 राज्यों और 3 केन्द्र शासित प्रदेशों की 1,260 मंडियों को ई-नाम प्लेटफॉर्म पर एकीकृत किया गया है, जो जनवरी 2022 में 18 राज्यों और 3 केन्द्र शासित प्रदेशों की 1,000 मंडियाँ थीं.
- जनवरी 2022 तक ई-नाम पोर्टल पर 1·72 करोड़ किसान और 2·13 लाख व्यापारी पंजीकृत थे, जो दिसम्बर 2022 में बढ़कर 1·74 करोड़ से अधिक किसान और 2·37 लाख व्यापारी हो गए हैं।
- दिसम्बर 2022 तक ई-नाम प्लेटफॉर्म पर कुल 6·80 करोड़ मीट्रिक टन और 20·05 करोड़ संख्या (बांस, पान के पत्ते, नारियल, नींबू और स्वीट कॉर्न) का सामूहिक रूप से लगभग ₹ 2·33 लाख करोड़ का व्यापार दर्ज किया गया है, जबकि कुल मात्रा 5·37 करोड़ मीट्रिक टन और 12·29 करोड़ संख्या (बाँस, सुपारी, नारियल, नींबू और स्वीट कॉर्न) सामूहिक रूप से लगभग ₹ 1·72 लाख करोड़ का व्यापार जनवरी 2022 में दर्ज किया गया था.

कृषि उपज रसद में सुधार, किसान रेल की शुरूआत.

रेल मंत्रालय ने विशेष रूप से शीघ्र खराब होने वाली कृषि बागवानी वस्तुओं को लाने-ले जाने के लिए किसान रेल शुरू की. पहली किसान रेल जुलाई 2020 में शुरू की गई थी. जनवरी 2022 तक 155 रूटों पर 1,900 सेवाएं संचालित की गईं, जिन्हें दिसम्बर 2022 में 167 रूटों पर बढ़ाकर 2,359 सेवाएं कर दिया गया.

एमआईडीएच-क्लस्टर विकास कार्यक्रम

क्लस्टर विकास कार्यक्रम (सीडीपी) को बागवानी समूहों की भौगोलिक विशेषज्ञता का लाभ उठाने और पूर्व-उत्पादन, उत्पादन, कटाई के बाद, रसद, ब्रांडिंग और विपणन गतिविधियों के एकीकृत और बाजार-आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है. एमओए और एफडब्ल्यू ने 55 बागवानी समूहों की पहचान की है, जिनमें से 12 को सीडीपी के पायलट चरण के लिए चुना गया है. राज्य सरकार की सिफारिश पर, सभी क्लस्टरों के लिए क्लस्टर विकास एजेंसियों की नियुक्ति की गई है. सभी 12 क्लस्टरों की क्लस्टर गैप आकलन रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया गया है. कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए कार्यान्वयन एजेंसियों (आईए) का चयन करने के लिए सभी 12 क्लस्टरों के लिए रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) जारी की गई है और इस सम्बन्ध में, उनके प्रस्तावों को अपलोड करने के लिए आवेदन विंडो खोली गई है.

कृषि और सम्बद्ध क्षेत्र में स्टार्ट-अप इको सिस्टम बनाना

- जनवरी 2022 तक विभिन्न नॉलेज पार्टनर्स (केपी) और एग्रीबिजनेस इन्क्यूबेटर्स (आर-एबीआई) द्वारा 799 स्टार्टअप्स को अंतिम रूप से चुना गया और दिसम्बर 2022 में उनकी संख्या बढ़कर 1,055 स्टार्टअप हो गई.
- दिसम्बर 2022 तक ₹ 6,317·91 लाख की अनुदान सहायता सम्बन्धित केपी और आर-एबीआई को डीए और एफडब्ल्यू द्वारा समर्थन के रूप में किस्तों में जारी की गई है, जबकि जनवरी 2022 में यह 3,790·11 लाख थी.

कृषि और सम्बद्ध कृषि-वस्तुओं के निर्यात में उपलब्धि

देश ने कृषि और सम्बद्ध वस्तुओं के निर्यात में जबर्दस्त वृद्धि देखी है. पिछले वर्ष 2020-21 की तुलना में, कृषि और सम्बद्ध निर्यात 2020-21 के 41·86 बिलियन अमरीकी डॉलर से 19·99 प्रतिशत बढ़कर 2021-22 में 50·24 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है.

पिछले वर्ष की तुलना में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज करने वाली प्रमुख वस्तुओं में गेहूँ 273·54 प्रतिशत (567·93 से 2,121·46 मिलियन अमरीकी डॉलर), बासमती चावल के अलावा 27·29 प्रतिशत (4,810·80 से 6,123·82 मिलियन अमरीकी डॉलर), अवशेष सहित कच्चा कपास 48·43 प्रतिशत (1,897·21 से 2,816·24 मिलियन अमरीकी डालर), कैस्टर ऑयल 28·16 प्रतिशत (917·24 से 1,175·51 मिलियन अमरीकी डॉलर), अन्य अनाज 53·82 प्रतिशत (705·38 से 1,085·05 मिलियन अमरीकी डॉलर), कॉफी 41·84 प्रतिशत (719·66 से 1,020·74 मिलियन अमरीकी डॉलर), ताजे फल 14·11 प्रतिशत (768·54 से 876·96 मिलियन अमरीकी डॉलर) शामिल हैं.

अप्रैल-अक्टूबर 2022 के दौरान कृषि और सम्बद्ध वस्तुओं का निर्यात 30·21 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा जो 2021-22 की समान अवधि में 11 प्रतिशत की वृद्धि होकर 26·98 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया.

●●●

वैश्विक कचरा उत्पादन

आने वाले वर्षों में वैश्विक स्तर पर कचरा उत्पादन में बहुत अधिक वृद्धि होगी इसमें सर्वाधिक वृद्धि उच्च आय वाले देशों में होगी, प्रतिव्यक्ति कचरा उत्पादन उत्तरी अमरीका में सर्वाधिक होगा. वैश्विक कचरे में एक– तिहाई से अधिक कचरा खाद्य एवं हरित कचरे के रूप में होगा. भारत में भी कचरे की मात्रा में वृद्धि होने की सम्भावना है, लेकिन कचरे के स्वच्छ निस्तारण में भी उल्लेखनीय रूप से सुधार होगा.

सन् 2050 तक कचरा उत्पादन 3·4 बिलियन टन से अधिक हो सकता है

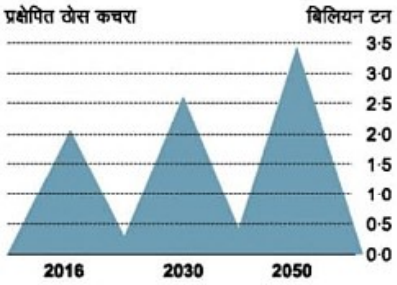

कचरे का सर्वाधिक उत्पादन उच्च आय समूह द्वारा होगा

आय स्तर के अनुसार कचरे का हिस्सा

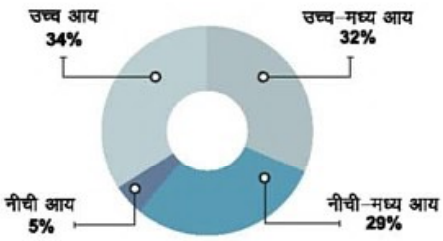

विश्व के विमिन्न क्षेत्रों में कचरा उत्पादन का अनुमान

क्षेत्रानुसार प्रक्षेपण

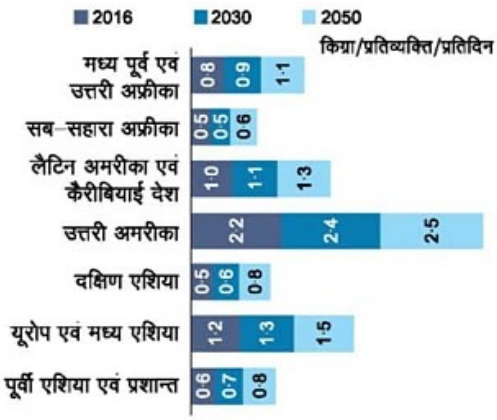

सर्वाधिक कचरा खाद्य एवं हरित कचरे के रूप में

वैश्विक कचरा में प्रतिशत हिस्सेदारी

कचरे का प्रकार (%)

*खाद्य एवं हरित कचरा सभी प्रकार का जैविक और हरित कचरा है जो या तो पादपों से निकलता है या पशुओं से

भारत में कचरा उत्पादन

नगरीय ठोस कचरा का अनुमान

मिलियन टन

महाराष्ट्र

2020 में सर्वाधिक नगरीय ठोस कचरा पैदा करने वाले पाँच शीर्ष राज्य

भारत में कचरे का निस्तारण

(प्रतिशत में)

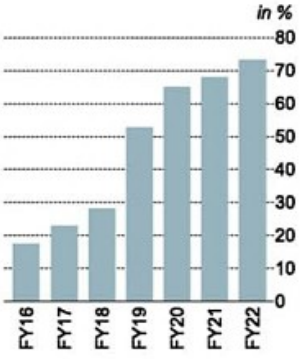

स्रोत: विश्व बैंक, नीति आयोग एवं स्टैटिस्टा

भूमि संसाधन विभाग (ग्रामीण विकास मंत्रालय) की वर्ष 2022 की उपलब्धियाँ

भूमि संसाधन विभाग दो योजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है. ये हैं—(i) डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) और (ii) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई) का वाटरशेड विकास घटक.

इन योजनाओं और इनकी उपलब्धियों का संक्षिप्त सारांश नीचे सूचीबद्ध है—

I. डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआर-एमपी)—केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत् भूमि संसाधन विभाग (डीओएलआर) की एक सूचना के अनुसार देश के 94 प्रतिशत से अधिक गाँवों में भूमि अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण पूरा हो चुका है. 29 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों (देश के कुल 6,56,792 गाँवों में से 6,20,166 गाँवों) में यानी 94 प्रतिशत से अधिक क्षेत्रों में रिकॉर्ड ऑफ राइट्स (अधिकार अभिलेख) पूरा कर लिया गया है.

इसी तरह 27 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों (कुल 5,254 उप-पंजीयन कार्यालयों (एसआरओ) में से 4,905 उप-पंजीयन कार्यालयों) में पंजीकरण का कम्प्यूटरीकरण का कार्य 93 प्रतिशत से अधिक पूरा हो गया है. इसके अलावा 20 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों (कुल 5,254 उप-पंजीयन कार्यालयों में से 3,983 उप-पंजीयन कार्यालयों) में भूमि अभिलेखों के साथ उप-पंजीयक कार्यालयों (एसआरओ) के एकीकरण का कार्य 75 प्रतिशत से अधिक पूरा कर लिया गया है.

21 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों (कुल 1,66,61,435 मानचित्रों में से 1,17,33,176 मानचित्र) में 70 प्रतिशत से अधिक भू-कर सम्बन्धी मानचित्रों का डिजिटलीकरण किया गया है.

भू-कर सम्बन्धी मानचित्र, जिसे **भू-नक्शा** भी कहा जाता है, **भूमि रिकॉर्ड का एक डिजिटल रूप है, जो भूमि के टुकड़े के विभिन्न हिस्सों की सभी सीमाओं को उनकी लम्बाई, क्षेत्र और दिशा के आधार पर दिखाता है.** इन मानचित्रों से कोई व्यक्ति अपनी जरूरतों के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में भूमि के टुकड़ों के स्वामित्व की स्थिति देख सकता है.

डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (पहले राष्ट्रीय भूमि रिकॉर्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम) को 1 अप्रैल, 2016 से केन्द्र द्वारा 100 प्रतिशत वित्तीय पोषण के साथ केन्द्रीय क्षेत्र योजना के रूप में संशोधित और रूपांतरित किया गया था.

इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक एकीकृत भूमि सूचना प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के लक्ष्य से एक आधुनिक, व्यापक और पारदर्शी भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली विकसित करना है. साथ ही, इसके उद्देश्यों में (i) भूमि पर रियल टाइम जानकारी में सुधार करना, (ii) भूमि संसाधनों का वांछित उपयोग करना, (iii) जमींदारों और पूर्वेक्षकों, दोनों को लाभ पहुँचाना, (iv) नीति और योजना में सहायता करना, (v) भूमि विवाद को कम करना, (vi) धोखाधड़ी/बेनामी लेन-देन की जाँच करना, (vii) राजस्व/पंजीकरण कार्यालयों के भौतिक दौरे की जरूरत को समाप्त करना, और (viii) विभिन्न संगठनों/एजेंसियों के साथ सूचना साझा करने में सक्षम बनाना है. **सरकार ने डीआईएलआरएमपी के विस्तार को 5 वर्ष यानी 2021-22 से 2025-26 तक के लिए मंजूरी दी है.**

एकीकृत भूमि सूचना प्रबंधन प्रणाली भूमि के मालिकों, सम्बन्धित अधिकारियों/एजेंसियों और इच्छुक व्यक्तियों/उद्यमियों आदि को सम्बन्धित जमीन के किसी भी भूखण्ड की उचित व्यापक स्थिति की जानकारी देने को लेकर सभी उपलब्ध, प्रासंगिक जानकारी के लिए ऑनलाइन एकल खिड़की के माध्यम से पहुँच प्रदान करती है. इसके घटकों में आमतौर पर बैंकों, अदालतों, सर्किल दरों, पंजीयन, आधार नम्बर (सहमति से) आदि को जोड़ना शामिल है. यह प्रणाली देश के 321 जिलों में पहले ही शुरू की जा चुकी है.

विशिष्ट भूमि पार्सल पहचान संख्या (यूएलपीन) या भू-आधार

विशिष्ट भूमि पार्सल पहचान संख्या (यूएलपीआईएन) प्रणाली पार्सल की चोटी के भू-निर्देशांक के आधार पर हर एक भूमि पार्सल के लिए एक 14-अंकीय अल्फा-न्यूमेरिक अद्वितीय आईडी है. यह अन्तर्राष्ट्रीय मानक है और इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स कोड मैनेजमेंट एसोसिएशन (ईसीसीएमए) मानक व ओपन जियोस्पेशियल कंसोर्टियम (ओजीसी) मानक का अनुपालन करता है. इसे पूरे देश में लागू किया जा रहा है. यूएलपीन में भूमि खण्ड के आकार और देशांतरीय व अक्षांशीय विवरण के अलावा स्वामित्व का विवरण भी होगा. यह अचल सम्पत्ति लेन-देन की सुविधा प्रदान करेगा, सम्पत्ति कराधान के मुद्दों के समाधान में सहायता करेगा और आपदा योजना व प्रतिक्रिया प्रयासों आदि में सुधार करेगा.

यूएलपीआईएन को अब तक 24 राज्यों में लागू किया जा चुका है. इनमें आंध्र प्रदेश, झारखण्ड, गोवा, बिहार, ओडिशा, सिक्किम, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा, त्रिपुरा, छत्तीसगढ़, जम्मू और कश्मीर, असम, मध्य प्रदेश, नगालैण्ड, मिजोरम, तमिलनाडु, पंजाब, दादरा और नागर हवेली व दमन और दीव, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड हैं. इसके अलावा यूएलपीआईएन का प्रायोगिक परीक्षण अन्य 8 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों में किया गया है.

सामान्य दस्तावेज पंजीकरण प्रणाली (एनजीडीआरएस)

प्रलेखों/दस्तावेजों के पंजीकरण की एकसमान प्रक्रिया के लिए 'एक राष्ट्र एक पंजीकरण सॉफ्टवेयर यानी राष्ट्रीय सामान्य दस्तावेज पंजीकरण प्रणाली (एनजीडीआरएस)' को राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों में कार्यान्वित किया जा रहा है. नवम्बर 2022 तक एनजीडीआरएस को अब तक 17 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों में लागू किया जा चुका है. इनमें पंजाब, अंडमान और निकोबार, मणिपुर, गोवा, झारखण्ड, मिजोरम, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, दादरा और नगर हवेली, जम्मू और कश्मीर, छत्तीसगढ़, त्रिपुरा, लद्दाख, बिहार, असम, मेघालय और उत्तराखण्ड हैं.

भूमि अभिलेख/पंजीकरण डाटाबेस के साथ ई-न्यायालयों को जोड़ना

भूमि रिकॉर्ड और पंजीकरण डेटाबेस के साथ ई-न्यायालयों को जोड़ने का उद्देश्य इन्हें प्रामाणिक प्रत्यक्ष जानकारी उपलब्ध कराना है. इसके परिणामस्वरूप मामलों का त्वरित निपटान होगा और आखिरकार भूमि विवादों में कमी आएगी. इसके अन्य लाभों में शामिल हैं—(i) न्यायालयों के लिए रिकॉर्ड ऑफ राइट्स, भूमि-सन्दर्भित व विरासत डेटा सहित भूमि कर से सम्बन्धित मानचित्र के ठोस और प्रामाणिक साक्ष्य को लेकर प्राथमिक (फर्स्ट हैंड) जानकारी की उपलब्धता, (ii) मामले को दर्ज करने के निर्णय के साथ-साथ विवादों के निपटान के लिए उपयोगी जानकारी, (iii) देश में भूमि विवादों की संख्या को कम करना और व्यापार करने और जीवन जीने में सुगमता को बढ़ावा देना.

विभाग में गठित एक समिति के जरिए भूमि रिकॉर्ड और पंजीकरण डेटा बेस के साथ ई-न्यायालयों को जोड़ने के लिए प्रायोगिक परीक्षण को विधि विभाग के सहयोग से 3 राज्यों—हरियाणा, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में सफलतापूर्वक पूरा किया गया है.

अब तक 26 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों को भूमि रिकॉर्ड एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर और पंजीकरण डेटाबेस के साथ ई-कोर्ट एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर के एकीकरण के लिए सम्बन्धित

उच्च न्यायालयों से जरूरी मंजूरी प्राप्त हुई है. इन राज्यों में त्रिपुरा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, असम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नगालैंड, हिमाचल प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, मणिपुर, पश्चिम बंगाल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, तेलंगाना, झारखण्ड, दिल्ली, सिक्किम, मेघालय, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, पुदुचेरी और आंध्र प्रदेश शामिल हैं.

सभी राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों में संविधान की अनुसूची VIII की सभी भाषाओं में भूमि अभिलेखों का लिप्यंतरण वर्तमान में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में रिकॉर्ड ऑफ राइट्स स्थानीय भाषाओं में हैं. भाषा सम्बन्धी बाधाएं सूचनाओं तक पहुँच और उन्हें समझने योग्य रूप में उपयोग के लिए गम्भीर चुनौतियाँ प्रस्तुत करती हैं. देश के भूमि प्रशासन में भाषाई बाधाओं की समस्या को दूर करने के लिए सरकार ने सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस कम्प्यूटिंग (सी-डैक) पुणे की तकनीकी सहायता के साथ स्थानीय भाषा में उपलब्ध रिकॉर्ड ऑफ राइट्स को संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त 22 भाषाओं में से किसी भी भाषा में लिप्यंतरित करने की पहल की है. इस सम्बन्ध में 8 राज्यों में प्रायोगिक परीक्षण को संचालित किया जा रहा है. ये राज्य हैं—बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, पुडुचेरी, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, त्रिपुरा व केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर. इसे जल्द ही पैन-इंडिया आधार पर उपर्युक्त पहल शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है.

II. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई) का वाटरशेड विकास घटक—भूमि संसाधन विभाग वर्षा सिंचित और अवक्रमित क्षेत्रों के विकास के लिए 2009-10 से केन्द्र प्रायोजित योजना (सीएसएस) 'एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम' (आईडब्ल्यूएमपी) लागू कर रहा था.

2015-16 में आईडब्ल्यूएमपी को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की व्यापक योजना के वाटरशेड विकास घटक के रूप में मिलाया गया था. इसमें अन्य बातों के साथ-साथ कई गतिविधियाँ शामिल हैं. इनमें टीला क्षेत्र उपचार, जल निकासी लाइन उपचार, मिट्टी व नमी संरक्षण, वर्षा जल संचयन, नर्सरी लगाना, वनीकरण, बागवानी, चरागाह विकास और सम्पत्ति रहित व्यक्तियों के लिए आजीविका आदि हैं. वाटरशेड विकास कार्यक्रम भूमि निम्नीकरण, मृदा अपरदन, जल की कमी, जलवायु सम्बन्धी अनिश्चितताओं आदि की समस्याओं का सबसे उपयुक्त समाधान साबित हुआ है. **यह कार्यक्रम विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने, गरीबी कम करने और आजीविका में सुधार करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देता है.**

डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई 1·0 के तहत्, लगभग 295 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में 6,382 परियोजनाओं को लागू करके महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त की गई हैं.

2014-15 और 2021-22 के बीच 7·65 लाख जल संचयन संरचनाओं का निर्माण/कायाकल्प किया गया है. साथ ही, 16·41 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र को सुरक्षात्मक सिंचाई के दायरे में लाया गया है. इनसे 36·34 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं. इसके अलावा लगभग 1·63 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को वृक्षारोपण (वनीकरण/बागवानी आदि) के तहत् लाया गया है. साथ ही, 3·36 लाख हेक्टेयर कृषि योग्य बंजर भूमि को पूर्ण वाटरशेड विकास परियोजनाओं के तहत् उपचारित किया गया है और इससे 2018-19 से 2021-22 तक 388·66 लाख मानव दिवसों को सृजित किया गया है. पूरी की गई इन परियोजनाओं के अंतिम मूल्यांकन से वाटरशेड हस्तक्षेपों, जल तालिका, फसल उत्पादकता, दूध उत्पादन और प्रति व्यक्ति आय आदि में काफी सुधार दिखता है. डब्ल्यूडीसी 1·0 को 31 मार्च, 2021 को बंद कर दिया गया था.

डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई 2·0—सरकार ने 2021-22 से 2025-26 की अवधि के लिए 49·5 लाख हेक्टेयर के भौतिक लक्ष्य और केन्द्रीय हिस्से के रूप में ₹ 8,134 करोड़ के सांकेतिक वित्तीय परिव्यय के साथ डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई 2·0 कार्यक्रम को जारी रखने की मंजूरी दी है.

डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई 2·0 के तहत 2021-22 से 2025-26 के दौरान 28 राज्यों और 2 केन्द्रशासित प्रदेशों (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में लगभग 49·5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में कुल 1,110 वाटरशेड विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी गई. इस योजना की शुरूआत के बाद 2021-22 और 2022-23 (12.12.2022 तक) की अवधि के दौरान केन्द्रीय हिस्से के तहत् राज्यों को ₹ 1,537·41 करोड़ की धनराशि जारी की गई है. ●●●

Just Released

सामान्य अध्ययन परीक्षोपयोगी सीरीज-13

Code 828 ₹245/-

प्रतियोगिता दर्पण अतिरिक्तांक

सामान्य अध्ययन

खेलकूद

संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण

IAS, PCS, TGT (शारीरिक शिक्षा), PGT (शारीरिक शिक्षा), UGC-NET (शारीरिक शिक्षा), SSC, Railway, B.Ed. आदि केन्द्रीय व राज्य स्तरीय परीक्षाओं के लिए सामान्य रूप से उपयोगी।

प्रमुख आकर्षण
● 2020 से 2022 तक की खेलकूद गतिविधियाँ ● खेल मैदानों की माप ● कप/ट्रॉफियाँ ● खेल शब्दावली ● खेल पुरस्कार ● स्टेडियम ● प्रसिद्ध खिलाड़ी ● खेलकूद संक्षिप्त इतिहास ● खेलों के बारे में विस्तृत जानकारी ● 22वें राष्ट्रमण्डल खेल (2022) ● एशिया कप क्रिकेट (2022)

विभिन्न 67 टॉपिकों के साथ

प्रतियोगिता दर्पण | 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005
फोन : (0562) 2530966, 2531101 ● E-mail : care@pdgroup.in ● Website : www.pdgroup.in
● नई दिल्ली 23251844, 43259035 ● हैदराबाद 24557283 ● पटना 2303340 ● हल्द्वानी मो. 07060421008

कि जीन इंजीनियरिंग क्या है और इससे डिजाइनर प्लांट्स किस प्रकार तैयार किए जाते हैं ?

☛ वैज्ञानिकों ने विभिन्न फसलों, फूलों, पेड़-पौधों में इच्छित गुण डालने में सफलता प्राप्त कर ली है. वस्तुतः, वैज्ञानिकों ने सृष्टि का रहस्य जान लिया है, जो पेड़-पौधों सहित सभी जीवधारियों में विभिन्न विशेषताओं को उत्पन्न करता है. ऐसा जीन (Genes) के कारण होता है, जो डी.एन.ए. से बने होते हैं. जीवधारियों और पेड़-पौधों में इन्हीं जीनों के कारण अलग-अलग विशेषताएं, पीढ़ी-दर-पीढ़ी, चलती रहती हैं. अब विभिन्न जीवधारियों के बीच जीनों की अदला-बदली को जीन इंजीनियरिंग कहते हैं.

कैलिफोर्निया (अमरीका) स्थित एक जीन प्रयोगशाला में कुछ वैज्ञानिक विंटर फ्लाउंडर नामक एक मछली का जीन टमाटर तथा तम्बाकू के पौधों में डालने में कामयाब हुए हैं. यह मछली बर्फीले पानी में भी मजे से रह सकती है, क्योंकि प्रकृति ने इसके शरीर में एक ऐसा 'अनोखा जीन' डाल रखा है, जो एक खास प्रोटीन बनाकर मछली को जमने नहीं देता है. जब वैज्ञानिकों ने यह जीन तम्बाकू एवं टमाटर के पौधों में डाल दिया, तो ये पौधे भी बर्फीला तापमान झेल पाने में समर्थ हो गए.

कि कॉलेजियम सिस्टम क्या है ?

☛ सुप्रीम कोर्ट और हाइकोर्ट में जजों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम सिस्टम है, जिसमें प्रधान न्यायाधीश सहित सुप्रीम कोर्ट के 4 जज होते हैं. न्यायिक प्रणाली में लोकतंत्र स्थापित करने के लिए वर्ष 1993 में कॉलेजियम सिस्टम को लागू किया गया. उसी समय सुप्रीम कोर्ट के 5 सदस्यों की एक टीम बनाई गई थी. कॉलेजियम सिस्टम के जरिए न्यायाधीशों की नियुक्ति निष्पक्ष रूप से की जाती है. साथ ही यह कानून के शासन को भी सुनिश्चित करती है.

कॉलेजियम प्रणाली जिन जजों का चुनाव करती है उन्हें राष्ट्रपति के पास भेजा जाता है और उनकी मंजूरी मिलने के बाद जजों की नियुक्ति की जाती है.

2014 में केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में जजों का नियुक्ति और तबादलों को लेकर राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम बनाया था. 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार कर दिया, जिसे लेकर कोर्ट ने कहा था कि राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग न्यायपालिका के कामकाज में हस्तक्षेप है.

कि पॉक्सो एक्ट (POCSO Act) क्या है ?

☛ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (POCSO–The Protection of Children from Sexual Offences Act) 2012, के द्वारा नाबालिग बच्चों के प्रति यौन उत्पीड़न, यौन शोषण और पोर्नोग्राफी जैसे यौन अपराध और छेड़छाड़ के मामलों में कार्रवाई की जाती है. इस कानून के अन्तर्गत अलग-अलग अपराध के लिए अलग-अलग सजा निर्धारित की गई है. इस कानून के दायरे में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से किसी भी तरह का यौन व्यवहार शामिल है. यह कानून लड़के और लड़की को समान रूप से सुरक्षा प्रदान करता है.

पॉक्सो कानून के तहत् सभी अपराधों की सुनवाई, एक विशेष न्यायालय द्वारा कैमरे के सामने बच्चे के माता-पिता या जिन लोगों पर बच्चा भरोसा करता है, उनकी मौजूदगी में करने का प्रावधान है.

कानून बनने के बाद POCSO एक्ट में बदलाव भी हुए हैं. बदलाव के बाद 16 वर्ष से कम उम्र की लड़की से रेप करने पर न्यूनतम सजा को 10 वर्ष से बढ़ाकर 20 वर्ष किया गया है. गम्भीर पेनेट्रेटिव यौन प्रताड़ना (Aggravated penetrative sexual assault) के मामले में मृत्युदण्ड का प्रावधान किया गया.

कि एम्निओसिंटेसिस (Amniocentesis) क्या है और इसकी क्या उपयोगिता है ?

☛ एम्निओसिंटेसिस एक ऐसी तकनीक है, जिसके द्वारा माँ के गर्भ में पल रहे शिशु के परितः स्थित द्रव को हटाया जाता है. पहले इसका उपयोग माँ के पेट से द्रव को कम करने के लिए होता था, जिससे उस पर पड़ने वाले दबाव को कम किया जा सके. आजकल इसका उपयोग 'जीनों की छँटनी' (Genetic screening) के रूप में किया जा रहा है, जिससे गर्भस्थ शिशु में आई विकृतियों को ठीक किया जा सके. इससे गर्भस्थ शिशु के लिंग का निर्धारण भी हो जाता है.

एम्निओसिंटेसिस के लिए एक पतली सुई (Hollow Needle) को सावधानीपूर्वक एम्निओटिक गुहा में डाला जाता है और इस तरह वहाँ से कुछ द्रव खींच लिया जाता है. इस द्रव में गर्भस्थ शिशु की कुछ विकासशील कोशिकाएं भी होती हैं. इन कोशिकाओं को द्रव से अलग कर तथा उन्हें ऊतक संवर्द्धन तकनीक (Tissue Culture Method) से विकसित कर अधिक कोशिकाएं प्राप्त कर ली जाती हैं. इन कोशिकाओं के गुणसूत्रों का सूक्ष्म विश्लेषण यह बता देता है कि गर्भस्थ शिशु का लिंग क्या है ? साथ ही, यह उनमें उपस्थित किसी खास गड़बड़ी (जैसे–डाउन्स सिंड्रोम) को भी बता देती है. संवर्द्धित कोशिका तथा एम्निओटिक द्रव का रासायनिक विश्लेषण आनुवंशिक बीमारियों को उद्घाटित कर देती है.

कि लाइडार किस प्रकार की प्रणाली है और इसके उपयोग क्या हैं ?

☛ लाइडार एक दूर-संवेदन (Remote sensing) प्रणाली है, जिसमें लेसर किरणों का उपयोग किया जाता है. दूर-संवेदन विधि से प्राप्त हुए विशेष प्रकार के चित्रों से पर्यावरण की विभिन्न विशेषताओं के विश्लेषण में सहायता मिलती है. लाइडार देश में पर्यावरण-प्रबंधन की एक सशक्त वैज्ञानिक प्रणाली है.

लाइडार के अनगिनत उपयोग हैं. पेड़-पौधों की ऊँचाई, उनकी प्रजाति, जलवायु और उनके उगने के स्थान पर निर्भर करती है और इनके आधार पर लाइडार से अनेक सूचनाएं प्राप्त की जा सकती हैं. इन सूचनाओं से वनाच्छादित क्षेत्र का वर्गीकरण भी किया जा सकता है. लाइडार से प्रकाश-संश्लेषण की दृष्टि से सक्रिय विकिरण अवशोषण का सही-सही अनुमान लगाया जा सकता है और उस क्षेत्र का पता लगाया जा सकता है जहाँ से इस तरह के विकिरण का अधिकतम अवशोषण हो रहा है. लाइडार आँकड़ों से जमीन से ऊपर बायोमास का पता लगाने के लिए जैव-भौतिक मानदण्डों के मॉडल तैयार करने के लिए आवश्यक आँकड़े प्राप्त होते हैं, जिनसे बहुत शुद्धता से बायोमास का अनुमान लगाया जाता है.

लाइडार प्रणाली किसी खास प्रजाति, विशेष रूप से लुप्तप्राय प्रजाति के और दुर्लभ जीव-जन्तुओं की आवास सम्बन्धी विशेषताओं का पता लगाने में बहुत उपयोगी है.

●●●

UPKAR'S
Multi-Dimensional
REASONING
(VERBAL & NON-VERBAL)
Useful for Various Competitive Exams.
By : Dr. Lal, Mishra & Kumar
Code No. 1624 ₹ 380/-
UPKAR PRAKASHAN, AGRA-5
E-mail : care@upkar.in Website : www.upkar.in

अपना ज्ञान बढ़ाइए

प्रश्न–जैविक हथियार क्या होते हैं और ये परम्परागत हथियारों की तुलना में किस तरह अधिक घातक होते हैं ?

उत्तर–जैविक हथियार प्राकृतिक रूप से विद्यमान होते हैं तथा प्रयोगशाला में विकसित एवं उत्पादित किए जाते हैं. ये जैविक हथियार विषाणु, कवक या प्रोटोजोआ युक्त हो सकते हैं. ये मानव-शरीर या पशु-पक्षियों के शरीर में प्रवेश करके रोग पैदा कर सकते हैं तथा वनस्पतियों और फसलों को नष्ट कर देते हैं.

इन जैविक तत्वों का उत्पादन, पुनर्उत्पादन और संवर्द्धन करना काफी आसान होता है तथा इन्हें एक बड़े भौगोलिक क्षेत्र में हवा-जल संक्रमण व पशु-मानव संक्रमण द्वारा तेजी से फैलाया जा सकता है. परम्परागत सैन्य हथियारों की तुलना में जैविक और रासायनिक हथियारों की घातकता इसलिए अधिक होती है कि जिन लोगों पर इन हथियारों से हमला किया जाता है वे इनसे सर्वथा अनभिज्ञ होते हैं तथा उनके पास इनसे बचाव का कोई उपाय भी नहीं होता है.

नाभिकीय बमों की तुलना में जैविक हथियारों के निर्माण में प्रयुक्त संसाधन और औजार काफी सस्ते होते हैं तथा आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं. इस कारण ही इन हथियारों को 'गरीबों का नाभिकीय बम' भी कहते हैं. इस प्रकार ये हथियार किसी अन्य हथियार से अधिक खतरनाक, सस्ते, आसानी से निर्मित, वितरित करने योग्य तथा व्यापक सम्भावनाओं वाले होते हैं. जैविक हथियारों के इस्तेमाल का मुद्दा सबसे पहले खाड़ी युद्ध के दौरान सामने आया, जब अमरीकी अधिकारियों ने संदेह व्यक्त किया कि ईराक के पास ऐसे हथियारों का विशाल भण्डार है. इसके बाद अन्य कई राष्ट्रों जैसे–अमरीका, लीबिया, सीरिया, उत्तर कोरिया, ईरान, चीन, रूस इत्यादि ने जैविक हथियारों पर कार्य करने के लिए प्रयोगशालाएं स्थापित कीं.

अनेक जैविक रोगाणु ऐसे हैं, जो एक बार वायुमण्डल में छोड़ देने पर अनन्त काल तक फलते-फूलते रहते हैं. प्लेग, भ्रंश घाटी बुखार, क्यू बुखार, पूर्वी इन्सेफलाइटिस, एंथ्रेक्स तथा छोटी चेचक कुछ परम्परागत जैविक हथियार हैं. रासायनिक अभिकारकों से अलग जो निर्जीव जीवाणु और विषाणु होते हैं, संक्रामक एवं प्रजनक हो सकते हैं. यदि वे वातावरण में स्थापित हो जाते हैं, तो उनकी संख्या अन्य हथियारों के विपरीत अपने आप ही क्रमशः बढ़ने लगती है और तब वे लम्बे समय तक काफी खतरनाक बने रह सकते हैं.

प्रश्न–रंग क्रांति क्या है ?

उत्तर–रंग क्रांति पूर्वी यूरोप के पूर्व साम्यवादी देशों में 2000 के दशक में प्रारम्भ हुए विद्रोहों की शृंखला को संदर्भित करता है, किन्तु मध्य-पूर्व और एशिया में लोकप्रिय आन्दोलनों के संदर्भ में भी इसका प्रयोग किया जाता है. इसके तहत् स्वतंत्र चुनाव तथा सत्तावादी नेताओं को हटाने के लिए बड़े पैमाने पर आन्दोलन हुए. इस शृंखला में शामिल अन्य क्रांतियाँ हैं–

- **ऑरेंज क्रांति**–यह नवम्बर 2004 से जनवरी 2005 के बीच यूक्रेन में हुए विरोध प्रदर्शनों को संदर्भित करती है.
- **ट्यूलिप क्रांति**–इसे पहली किर्गिज क्रांति भी कहा जाता है. इसके कारण वर्ष 2005 की शुरूआत में किर्गिस्तान के राष्ट्रपति को पद से हटा दिया गया था.
- **जैस्मिन क्रांति**–यह क्रांति ट्यूनीशिया में दिसम्बर 2010 से जनवरी 2011 के बीच घटित हुई. यह विद्रोह देश में अंतर्निहित भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, मुद्रा-स्फीति और राजनीतिक स्वतन्त्रता की कमी के विरोध में था.

प्रश्न–उच्च प्रवाह क्षमता उपग्रह (HTS) क्या हैं ?

उत्तर–उच्च प्रवाह क्षमता उपग्रह (HTS) एक संचार उपग्रह है, जो पारम्परिक संचार उपग्रहों या स्थिर उपग्रह सेवा की तुलना में अधिक प्रवाह क्षमता प्रदान करता है. जब समान मात्रा में कक्षीय स्पेक्ट्रम का उपयोग किया जाता है, तो यह पारम्परिक उपग्रहों की तुलना में उच्च डेटा प्रोसेसिंग और स्थानांतरण क्षमता को संदर्भित करता है. एक उपग्रह इंटरनेट सेवा प्रदाता ह्यूजेस कम्युनिकेशंस इण्डिया (HCI) ने इसरो द्वारा संचालित उपग्रहों के लिए भारत की पहली उच्च प्रवाह क्षमता उपग्रह (HTS) ब्रॉडबैंड सेवा शुरू की है. यह दूर-दराज के स्थानों तक ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी का विस्तार करेगी जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा. यह सेवा सामुदायिक इंटरनेट पहुँच के लिए वाई-फाई हॉटस्पॉट, प्रबंधित एसडी-वैन (SD-WAN) समाधान, मोबाइल नेटवर्क पहुँच बढ़ाने और छोटे व्यवसायों के लिए सैटेलाइट इंटरनेट जैसे अनुप्रयोगों का समर्थन करेगी.

प्रश्न–मानव विकास सूचकांक (Human Development Index) क्या है ?

उत्तर–मानव विकास सूचकांक (Human Development Index) एक सूचकांक है जिसका उपयोग देशों को 'मानव विकास' के आधार पर आंकने के लिए किया जाता है. इस सूचकांक से इस बात का पता चलता कि कोई देश विकसित है या विकासशील अथवा अविकसित है. मानव विकास सूचकांक जीवन प्रत्याशा, शिक्षा और प्रति व्यक्ति आय संकेतों का एक समग्र आँकड़ा है, जो मानव विकास के चार स्तरों पर देशों को श्रेणीबद्ध करने में उपयोग किया जाता है. जिस देश की जीवन-प्रत्याशा, शिक्षा-स्तर और जीडीपी प्रति व्यक्ति अधिक होती है उसे उच्च श्रेणी प्राप्त होती है.

इस प्रकार मानव विकास सूचकांक जीवन प्रत्याशा, शिक्षा और आय सूचकांकों का एक संयुक्त सांख्यिकी सूचकांक है जिसे मानव विकास के तीन आधार पर तैयार किया जाता है. इसे अर्थशास्त्री महबूब उल हक द्वारा तैयार किया गया था, जिसका 1990 में अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन द्वारा समर्थन किया गया और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा प्रकाशित किया गया.

प्रश्न–'जनहित याचिका (Public Interest Litigation—PIL)' है ?

उत्तर–जनहित याचिका (PIL) मानव अधिकारों और समानता को आगे बढ़ाने या व्यापक सार्वजनिक चिंता के मुद्दों को उठाने के लिए कानून का उपयोग है. 'जनहित याचिका (Public Interest Litigation—PIL)' की अवधारणा अमरीकी न्यायशास्त्र से ली गई है.

भारतीय कानून में PIL का मतलब जनहित की सुरक्षा के लिए याचिका या मुकदमा दर्ज करना है. यह पीड़ित पक्ष द्वारा नहीं, बल्कि स्वयं न्यायालय या किसी अन्य निजी पक्ष द्वारा विधिक अदालत में पेश किया गया मुकदमा है. यह न्यायिक सक्रियता के माध्यम से अदालतों द्वारा जनता को दी गई शक्ति है. इसे केवल सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय में दायर किया जा सकता है. यह रिट याचिका से अलग है, जो व्यक्तियों या संस्थानों द्वारा अपने लाभ के लिए दायर की जाती है, जबकि जनहित याचिका आम जनता के लाभ के लिए दायर की जाती है. जनहित याचिका की अवधारणा भारत के संविधान के अनुच्छेद 39 A में निहित सिद्धान्तों के अनुकूल है ताकि कानून की मदद से त्वरित सामाजिक न्याय की रक्षा और उसे विस्तारित किया जा सके. वे क्षेत्र जहाँ जनहित याचिका दायर की जा सकती है–प्रदूषण, आतंकवाद, सड़क सुरक्षा, निर्माण सम्बन्धी खतरे आदि. ●●●

प्रथम पुरस्कृत निबन्ध

असफलता से सीखना सफलता ही तो है

✍ गजेन्द्र शर्मा

सफलता और असफलता जीवन के दो पहलू होते हैं. जीवन-संघर्ष का परिणाम इन दोनों पहलुओं के इर्द-गिर्द ही संचालित होता है. आज जो लोग सफलता के पायदान पर खड़े हैं सम्भव है उन्होंने वहाँ तक पहुँचने के लिए अनेक असफलताओं का भी सामना किया हो और जो लोग आज असफल हैं हो सकता है कि कल उनका नाम सफलतम व्यक्तियों की सूची में सबसे ऊपर हो. वास्तव में यह व्यक्ति का दृष्टिकोण, सतत् परिश्रम, दृढ़ आत्म-विश्वास, धैर्य, उत्साह और अनुशासन ही है, जो व्यक्ति को असफलता के गर्त से निकाल कर सफलता के शीर्ष पर पहुँचाने में मदद करता है.

सफलता प्राप्त करने और उसे बनाए रखने के लिए विनय और अनुभव की आवश्यकता होती है. ये दोनों ही गुण किसी अन्य साधन की अपेक्षा व्यक्ति के स्वयं की विफलताओं से अधिक प्रभावी तरीके से ग्रहण किए जा सकते हैं. शायद यही कारण है कि असफलता को जीवन में सबसे बड़ा पथप्रदर्शक बताया गया है. असफलता व्यक्ति के अहंकार को समाप्त कर उसे विनयशील बनाती है और सफलता को बनाए रखने के लिए विनय का होना अत्यंत आवश्यक है. इस दृष्टिकोण से तो जीवन में असफलता का भी महत्व होता है. अतः यह याद रखना चाहिए कि असफलता कोई अभिशाप नहीं, अपितु सफलता की एक बुनियादी आवश्यकता है. जरा विचार कीजिए कि यदि कोई व्यक्ति जीवन में कभी असफल ही न हो, तो क्या होगा? ऐसा होने पर वह व्यक्ति जीवन के अनेक अनुभवों से वंचित रह जाएगा. धैर्य, सहनशीलता, परिस्थितियों की समझ इत्यादि गुण असफलता की गोद में ही पल्लवित होते हैं. जिस व्यक्ति ने कभी असफलता का सामना ही नहीं किया, वह असफलताओं से मिलने वाली इन महत्वपूर्ण शिक्षाओं से वंचित रह जाता है और भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने की उसकी क्षमता और इन चुनौतियों से उबरकर बाहर आने की उसकी योग्यता दोनों ही कम हो जाती हैं. इसलिए कहा भी गया है कि "जीवन का वास्तविक अनुभव असफलता के कठोर हाथों में ही होता है."

असफलता से सीखना

संसार एक कर्मभूमि है और यहाँ हर व्यक्ति अपनी योग्यता व क्षमतानुसार कर्म करता है और कर्मानुकूल परिणाम प्राप्त करता है. सफलता प्राप्त करना हर व्यक्ति का अभीष्ट होता है और इसके लिए वह प्रयास भी करता है, लेकिन कई बार अनेक प्रयत्नों के बावजूद भी इच्छित लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो पाती. यही वो समय होता है जब व्यक्ति अपने दृष्टिकोण के द्वारा अपने भाग्य का निर्धारण करता है. यदि व्यक्ति अपनी असफलता को ही अपना भाग्य मानकर, विषादग्रस्त होकर निष्क्रिय हो जाता है, तो ऐसा व्यक्ति जीवन में कभी भी सफलता प्राप्त नहीं कर पाता. इसके विपरीत यदि ऐसे कठिन अवसर पर व्यक्ति अपनी असफलताओं से सीखकर, अपने कार्य व व्यवहार में बदलाव लाकर सफलता के लिए पुनः प्रयास करता है, तो यह निश्चित है कि ऐसा कर्मठ व्यक्ति एक न एक दिन अपने निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति अवश्य करता है.

जो असफलता को अपने मार्ग की बाधा मानकर मंजिल के मार्ग से हट जाते हैं वे अपनी मंजिल से भी दूर हो जाते हैं, जबकि असफलता को सफलता के मार्ग की सीढ़ी मानकर जो उनसे उचित शिक्षा ग्रहण कर फिर से अपनी लक्ष्य की साधना में जुट जाते हैं, ऐसे उद्यमशील मनुष्यों की चरण वन्दना करने को सफलता भी बाध्य होती है. इस संदर्भ में भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति व महान् वैज्ञानिक भारत रत्न डॉ. अब्दुल कलाम का यह कथन प्रेरणास्पद है कि–"हमें हार नहीं माननी चाहिए और न ही समस्याओं को खुद पर हावी होने देना चाहिए, अपितु हमें मुश्किलों से सीखकर अपने आपको भविष्य के लिए तैयार करना चाहिए. मुश्किलों से घबराएं नहीं बल्कि यह याद रखें कि प्रतिकूलता आत्म-निरीक्षण के अवसर प्रदान करती है."

यह सर्वविदित है कि जीवन-संग्राम में केवल वही व्यक्ति सफलता रूपी यशस्वी पताका फहरा सकते हैं, जो मार्ग में आने वाली असफलताओं से घबराकर अपने लक्ष्य से विचलित नहीं होते, विफलताओं के लिए दूसरों पर दोषारोपण नहीं करते और न ही किसी असफलता को अंतिम मान अपने भाग्य का रोना रोते हैं. सफलता तो उन वीरों का वरण करती है, जो अपनी असफलता का सूक्ष्म आत्मनिरीक्षण करते हैं, असफलता के कारणों पर विचार कर अपने कार्य व व्यवहार में परिस्थिति के अनुसार परिवर्तन करते हैं और साहस व आत्मविश्वास से ओतप्रोत ही पुनः प्रयास करते हैं.

हमारा इतिहास सफलता की ऐसी अनेक प्रेरणास्पद कहानियों से भरा पड़ा है जहाँ उद्यमशील व्यक्तियों ने असफलता से घबराने की बजाय उसे अपना शिक्षक माना और अपनी कमियों में सुधार किया. असफलता से सीखकर सफलता के मार्ग पर अपनी विजय पताका फहराने वाले प्रतापी पुरुषों में मेवाड़ के वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का नाम अग्रगण्य है. महाराणा प्रताप ने अत्यल्प साधनों के साथ सर्वशक्तिसम्पन्न मुगल बादशाह अकबर को कड़ी चुनौती दी. महाराणा प्रताप ने जून 1576 ई. में हल्दीघाटी के युद्ध में मैदानी भाग में जाकर अकबर की शाही सेना का सामना किया. इस युद्ध में अकबर की सेना ने तोपों का इस्तेमाल किया और राणा प्रताप के अनेक बहादुर सैनिक युद्ध क्षेत्र में बलिदान हो गए. हालाँकि इस युद्ध का परिणाम नहीं निकला, लेकिन एक अनिर्णित युद्ध में भी महाराणा के अनेक राजपूत योद्धाओं के बलिदान को राणा ने अपनी विफलता माना और इसके पश्चात् उन्होंने अपनी युद्ध-पद्धति में बदलाव किया. वह समझ गए कि युद्ध का समतल मैदान उनकी सफलता में बाधक है, तो वहीं दुर्गम पहाड़ उनकी ताकत है. इसके बाद महाराणा ने पहाड़ों में रहकर युद्ध संचालन की एक नई नीति विकसित की जिसे हम छापामार युद्ध पद्धति के नाम से जानते हैं. इतिहास साक्षी है कि इसके बाद अगले 10 वर्षों तक अकबर ने अपनी सारी शक्ति व संसाधन मेवाड़ को जीतने के लिए झोंक दिए, लेकिन वह उसे जीत नहीं पाया और दूसरी तरफ महाराणा प्रताप ने एक-एक कर अपने सारे इलाके मुगलों से वापस छीन लिए.

अब यदि उपर्युक्त परिस्थितियों पर विचार करें, तो हम देखते हैं कि क्या एक छोटी-सी रियासत का स्वामी तत्कालीन विश्व के सबसे शक्तिशाली बादशाह का सामना कर सकता था ? हमारा उत्तर होगा- नहीं, क्योंकि परिस्थितियाँ प्रताप के प्रतिकूल थी. हल्दीघाटी का परिणाम भी प्रताप के बहुत ज्यादा अनुकूल नहीं था और आने वाली चुनौतियाँ सफलता की राह को अधिक कठिन बना रही थी, लेकिन महाराणा प्रताप ने प्रतिकूल परिस्थितियों के सामने समर्पण कर पराजय स्वीकार करने की बजाय उन कारणों पर विचार किया, जो हल्दीघाटी के

युद्ध में उनकी सफलता में बाधक बने थे. उन्होंने दृढ़ आत्मविश्वास के साथ छापामार युद्ध पद्धति का अनुसरण किया और साम्राज्य लोलुप सम्राट् के सामने भी जीवनपर्यन्त अपनी स्वतन्त्रता को अक्षुण्ण बनाए रखा. उनकी छापामार युद्ध पद्धति को आगे जाकर शिवाजी महाराज और मलिक अम्बर ने भी अपनाया. अपनी विफलता से सीखकर धैर्य, साहस, दृढ़ आत्मविश्वास व उच्च पुरुषार्थ के दम पर तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों को धता बताते हुए प्रताप ने सफलता का ऐसा स्वर्णिम इतिहास लिखा, जो आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शक और गौरवशाली विरासत की थाती बन गया.

महाराणा प्रताप का उदाहरण तो इस अनन्त शृंखला की एक कड़ी मात्र है, वास्तव में इतिहास तो असफलता से सीखकर सफलता प्राप्त करने के प्रेरणादायी प्रसंगों से भरा पड़ा है. लघु सिद्धान्त कौमुदी के लेखक और महान् व्याकरणाचार्य वरदराज जी से लेकर महाकवि कालिदास तक और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से लेकर मिसाइल मैन डॉ. अब्दुल कलाम तक का जीवन इसी प्रेरणास्पद आख्यान का हिस्सा है. थॉमस अल्वा एडीसन के बार-बार किए गए प्रयासों में मिलने वाली असफलता और फिर इसी असफलता को सीढ़ी बनाकर सफलता तक की गई उनकी यात्रा अनुकरणीय है. एडीसन तो विद्युत् बल्ब बनाने के प्रयास में अनेक बार असफल हुए, लेकिन वह इन असफलताओं से हताश हुए बिना उनसे कुछ नया सीखकर आगे बढ़ते रहे और अन्त में विद्युत् बल्ब का आविष्कार किया. जब उनसे उनकी असफलताओं के बारे में पूछा गया, तो उनका कहना था कि मैं अनेक बार असफल नहीं हुआ, बल्कि उनसे ऐसे तरीके सीखे हैं जिनसे विद्युत् बल्ब नहीं बनाया जा सकता. यह असफलता के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण है, जो भविष्य में सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है.

कहने का तात्पर्य यह है कि असफलता का प्रभाव व्यक्ति की मनोदशा पर निर्भर करता है. हम ऐसे भी अनेक उदाहरण देखते हैं जब व्यक्ति असफलता के प्रभाव से निराशा और विषाद के सागर में डूब जाते हैं. वहीं अनेक लोग अपनी असफलता को ही अपनी प्रेरणा बना लेते हैं, सृजन की नई राह तलाश लेते हैं और असफलता से सफलता के बीच नवनिर्माण का सेतु बना लेते हैं. ऐसे आत्मविश्वासी और संकल्पशील व्यक्ति सफलता की नई इबारत लिखते हैं.

असफलता से सफलता तक का सफर

जैसाकि हमने महाराणा प्रताप, वरदराज जी, कालिदास और एडीसन के उदाहरणों से यह समझा है कि इन महान् व्यक्तियों को भी सफलता अकस्मात ही नहीं मिली थी. इन्होंने असफलता की अनेक दुर्गम घाटियों को पार कर सफलता रूपी दुर्ग पर विजय प्राप्त की थी. जैसे 'असफलता' के शब्द में 'सफलता' अन्तर्निहित है वैसे ही असफलता के घोर अंधकार में भी सफलता की एक पतली-सी प्रकाश किरण हमेशा मौजूद रहती है, जो व्यक्ति इस अंधकार से न घबरा कर धैर्य और आत्मविश्वास से इस पतली प्रकाश किरण को प्रकाश पुंज में परिवर्तित करने का प्रयास करते हैं वे असफलता के आकाश पर सफलता का प्रकाश उसी तरह बिखेर देते हैं, जैसे—रात के अंधकार में पूर्णिमा के चाँद की किरणें.

अब यक्ष प्रश्न यह उठता है कि ऐसा कौनसा मार्ग अपनाया जाए जिससे असफलता मन पर हावी न हो, उत्साह की धार कभी कुंद न हो और विफलता ही सफलता की मार्गदर्शक बन जाए.

यह प्रश्न जितना जटिल है इसका समाधान उतना ही सरल. विफलता से सीखने के लिए व्यक्ति में धैर्य और आत्मविश्वास होना चाहिए. वस्तुतः, यह हमें समझना चाहिए कि जीवन में ऐसा समय भी आता है जब कुछ भी हमारे अनुकूल नहीं होता, हमारे द्वारा लिए गए निर्णय भी गलत सिद्ध होने लगते हैं और हम दूसरों को आलोचनाओं के निशाने पर आ जाते हैं. ऐसे विपरीत समय में हमें अपने विवेक को जागृत रखना चाहिए और धैर्य व ईमानदारी से अपने कार्यों का आत्म-निरीक्षण करना चाहिए. अपनी गलतियों और कमियों को जितना हम स्वयं जानते हैं उतना अन्य कोई नहीं. अतः हमें अपनी कमियों को सुधारने का प्रयास करना चाहिए, लेकिन होता इसके विपरीत है. किसी कार्य में विफल रहने पर हम प्रायः आत्मावलोकन के स्थान पर व्यर्थ के दोषारोपण पर अधिक ध्यान देते हैं और इस प्रक्रिया में हम अपनी विफलताओं से मिल सकने वाली महत्वपूर्ण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं. नतीजतन भविष्य में भी हम उस गलती को सुधार नहीं पाते और पुनः विफलता के शिकार होते हैं.

असफलता से शिक्षा प्राप्त करने के लिए आत्मावलोकन अत्यंत आवश्यक है. अपने अन्दर की कमियों को जानकर उनका निराकरण शुरू कर देना चाहिए, क्योंकि स्वयं से सुधार की प्रक्रिया ही सफलता का प्रथम सोपान है. हमें याद रखना चाहिए कि गलतियाँ होना और अपने प्रयास में विफल होना बुरा नहीं है, लेकिन बुरा है बार-बार एक ही गलती का दोहराना, क्योंकि तब यह स्पष्ट हो जाता है कि व्यक्ति अपनी गलतियों से कुछ भी सीख नहीं रहा है और यह परिस्थिति उसे सफलता से विमुख कर देती है. इस संदर्भ में लोकप्रिय कवि श्री सोहनलाल द्विवेदी की ये पंक्तियाँ अत्यन्त प्रासंगिक हैं— "असफलता एक चुनौती है इसे स्वीकार करो, क्या कमी रह गई देखो और सुधार करो." अपनी असफलता को एक चुनौती की तरह लेना और इससे प्राप्त अनुभव की सहायता से अपनी कमियों को दूर कर उत्साह, विश्वास और निरन्तरता के साथ प्रयास करने वाला व्यक्ति निश्चित रूप सें सफलता को प्राप्त करता है, इसमें तनिक भी संदेह नहीं है.

निष्कर्षतः, हम यह कह सकते हैं कि सफलता और असफलता जीवन के दो अनिवार्य पहलू हैं. हर व्यक्ति को इन्हें समान भाव से स्वीकार करना चाहिए. सफल होने पर व्यक्ति को विनय का भाव रखना चाहिए, तो वहीं असफल होने पर भी कुंठा एवं विषाद से मुक्त रहते हुए इसे एक और बेहतर अवसर के रूप में लेना चाहिए. धैर्य, आत्मविश्वास विवेक और अनुशासन जैसे विशिष्ट गुण असफलता की कठोर गोदी में ही पल्लवित होते हैं. व्यक्ति को चाहिए कि वह प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपने मनोबल को उच्च बनाए रखे और अपनी कमियों में सुधार करते हुए सफलता के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहे.

असफलता और जीवन के संघर्ष के संदर्भ में युग पुरुष स्वामी विवेकानन्द जी का यह कथन एकदम सटीक है जिसमें वे कहते हैं कि— "असफलता की चिन्ता मत करो ये बिल्कुल स्वाभाविक है, असफलताएं जीवन का सौंदर्य है." सफलता के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ व्यक्ति को चाहिए कि अपने लक्ष्य का निर्धारण करें व ईमानदारी और पूर्ण समर्पण से इसकी प्राप्ति का प्रयास करें. असफल होने पर घबराने या विचलित होने की बजाय उन कमियों को सुधारे और पुनः और बेहतर करने का प्रयास करे. अपनी असफलताओं से सीखकर जो सफलता प्राप्ति के लिए निरन्तर प्रयास करता है वह एक-न-एक दिन सफलता का वरण अवश्य करता है. असफलता से मिलने वाली सीख हमें और अधिक उत्कृष्ट व परिष्कृत करती है इसलिए यह उचित ही कहा गया है कि "असफलता से सीखना सफलता ही तो है."

●●●

नवीन आँकड़ों एवं तथ्यों सहित

उपकार

सामान्य ज्ञान एवं व्यक्ति परिचय

Code No. 103 ₹ 190·00

लेखकद्वय : खन्ना एवं वर्मा

उपकार प्रकाशन, आगरा-5

• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक–521 का परिणाम

विषय : "असफलता से सीखना सफलता ही तो है."

प्रथम गजेन्द्र शर्मा S/o श्री विश्वनाथ शर्मा
सरकारी अस्पताल के पास
वार्ड नं.-20, सूरजगढ़
जिला–झुन्झनूँ (राजस्थान)
पिन–333 029

द्वितीय डॉ. राजीव कुमार सिंह
सहायक निदेशक
क्वार्टर नं. 10, ब्लॉक-19,
पुष्पविहार, सेक्टर-1
नई दिल्ली–110 017

तृतीय संजय श्रीवास्तव
A-126, अनंता स्वागतम्
अटलदरा बिल कैनाल रोड
वड़ोदरा (गुजरात)

अन्य प्रशंसनीय प्रयास

1. राकेश रमण
कार्यालय अधीक्षक, वरि.म. यांत्रिक इंजीनियर कार्यालय डीआरएम ऑफिस, पूर्वोत्तर सीमा रेल कटिहार मंडल, कटिहार (बिहार)
पिन–854105
2. विभव सक्सेना
S/o श्री रघुवंश चन्द्र सक्सेना
4-बी, बल्लभ नगर कॉलोनी
पीलीभीत (उत्तर प्रदेश)
पिन–262 001
3. ओम नमः शिवाय सिंह
ग्राम–ब्रह्मपुरा
पोस्ट–राजाजान
जिला–समस्तीपुर (बिहार)
पिन–848 502
4. जीतेन्द्र कुमार सिंह रावत
C/o धर्मकाँटा, अनाज मंडी
सुन्हेरा रोड, सबलगढ़
जिला–मुरैना (म. प्र.)
पिन–476 229
5. गरिमा
C/o श्री योगेश्वर सिंह
बी.एड. कॉलेज रोड
समस्तीपुर (बिहार)
पिन–848 101

प्रथम

द्वितीय

तृतीय

➡ उपर्युक्त प्रशंसित निबन्ध प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की ₹ 300 मूल्य तक की वांछित पुस्तक/पुस्तकें भेंटस्वरूप प्रदान की जाएंगी. **कृपया अपनी पसंद की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें.** यदि ₹ 300 से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई, तो उसके मूल्य में से ₹ 300 पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक–211 का सर्वशुद्ध हल एवं पुरस्कार विजेता

प्रतियोगिता के नियमानुसार प्रवेश प्रारूप-पत्र पर प्राप्त हलों के परीक्षण के उपरान्त निम्नलिखित प्रतियोगी पुरस्कार प्राप्त करने में सफल हुए हैं. **'प्रतियोगिता दर्पण'** उनकी सफलता पर शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है तथा उनकी खोजपूर्ण प्रवृत्ति के प्रति आभार व्यक्त करती है.

पुरस्कृत विजेता

प्रथम पुरस्कार शिवराज सिंह/बनेसिंह जी
किशोरपुरा
तहसील–सुवासरा
जिला–मन्दसौर (म. प्र.)
पिन–458 888

द्वितीय पुरस्कार बबीता जैन
D/o श्री नरेश चन्द जी जैन
चौधरी का कटरा, पुरानी डीग
डीग, भरतपुर (राजस्थान)

तृतीय पुरस्कार N/A

सर्वशुद्ध हल

1. (C)	2. (C)	3. (C)	4. (D)	5. (C)	6. (A)	7. (B)
8. (C)	9. (D)	10. (D)	11. (C)	12. (A)	13. (A)	14. (A)
15. (D)	16. (A)	17. (A)	18. (C)	19. (C)	20. (B)	21. (B)
22. (A)	23. (C)	24. (B)	25. (C)	26. (A)	27. (B)	28. (B)

संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण

Just Released

परीक्षोपयोगी सीरीज-15

अतिरिक्तांक
प्रतियोगिता दर्पण

ऐच्छिक विषय
भारतीय इतिहास
प्राचीन भारत

संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग तथा अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु विशेष उपयोगी

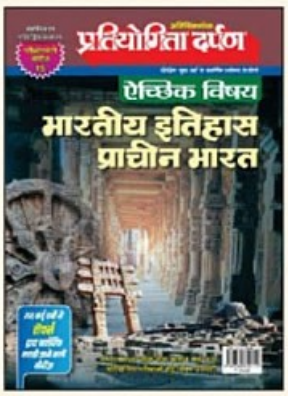

गत कई वर्षों से टॉपर्स द्वारा सर्वाधिक सराही जाने वाली सीरीज़

English Edition Also Available

Code No. 837 ₹ 175.00

प्रतियोगिता दर्पण
• E-mail : care@pdgroup.in
• Website : www.pdgroup.in

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

1. सागर-तल पर वायुमण्डल द्वारा कितना दाब डाला जाता है ?
   (A) 1013·25 मिलीबार
   (B) 1912·25 मिलीबार
   (C) 1010·25 मिलीबार
   (D) 102·50 मिलीबार
2. निम्नलिखित में से कौनसा आरक्षित जीवमण्डल सबसे अधिक ऊँचाई पर स्थित है ?
   (A) शीत मरुस्थल
   (B) देहांग देवांग
   (C) खण्डचेंड जोंगा
   (D) नन्दा देवी
3. केम की संरचनाएं होती हैं–
   (A) पंक से
   (B) गोलारम से
   (C) बजरी से
   (D) इन सभी से
4. परिहिमानी प्रक्रियाओं द्वारा निर्मित गुम्बदाकार लघु प्रकीर्ण पहाड़ियाँ 'पिंगो' पाई जाती हैं–
   (A) अलास्का में
   (B) जर्मनी में
   (C) मेक्सिको में
   (D) मंगोलिया में
5. पेट्रोल इंजन किस चक्र पर काम करता है ?
   (A) स्थिर दाब चक्र
   (B) स्थिर आयतन चक्र
   (C) जूल चक्र
   (D) रेन्किन चक्र
6. वेन्टुरीमापी में पृथकता रोकने के लिए अपसरण कोण ..... रखा जाता है.
   (A) 10° – 15°
   (B) 15° – 20°
   (C) 5° – 7°
   (D) 7° – 10°
7. जड़त्व और पृष्ठ तनाव के अनुपात का वर्गमूल कहलाता है–
   (A) रेनॉल्ड संख्या
   (B) मैक संख्या
   (C) वेबर संख्या
   (D) ड्यूलर संख्या
8. निम्न, जेली का सामान्य भाग नहीं है–
   (A) पैक्टिन
   (B) अम्ल
   (C) शर्करा
   (D) फल का गूदा
9. अधिक प्रोटीनयुक्त भोजन निम्नलिखित रोग में दिया जाता है–
   (A) यक्ष्मा
   (B) मधुमेह
   (C) पीलिया
   (D) आस्टियोपोरोसिस
10. एक शिशु को स्तन्यमोचन भोज्य पदार्थ देने की शुरूआत करने की सही आयु है–
    (A) 3 माह
    (B) 6 माह
    (C) 9 माह
    (D) 12 माह
11. 'वाडरोब' शब्द प्रदर्शित करता है–
    (A) कपड़ों की दशा
    (B) कपड़ों की गिनती
    (C) कपड़ों की संग्रह
    (D) कपड़ों की देखभाल
12. मानसिक अस्वस्थता को प्रभावित करने वाले कारक हैं–
    (A) शारीरिक स्वास्थ्य
    (B) वंशानुक्रम
    (C) सामाजिक कारक
    (D) उपर्युक्त सभी
13. इंगलैण्ड द्वारा भारत को व्यापारिक उपनिवेश बनाने का निर्णय कब लिया गया ?
    (A) 1772 ई.
    (B) 1805 ई.
    (C) 1813 ई.
    (D) 1846 ई.
14. राजनीतिक भिक्षावृत्ति की नीति का पालन किसने किया ?
    (A) उग्रवादियों ने
    (B) उदारवादियों ने
    (C) क्रान्तिकारियों ने
    (D) अंग्रेजों ने
15. मुगल काल में सामन्तशाही प्रथा का सर्वाधिक प्रभाव पड़ा था–
    (A) शासकों पर
    (B) सेना पर
    (C) कृषकों पर
    (D) व्यापारी वर्ग पर
16. किस मुगल शासक ने हिन्दी कविताओं की रचना की ?
    (A) जहाँगीर
    (B) औरंगजेब
    (C) अकबर
    (D) बाबर
17. सिविल प्रक्रिया संहिता का कौनसा उपबन्ध धारा-167 के समरूप है ?
    (A) धारा 95
    (B) धारा 10
    (C) धारा 11
    (D) धारा 99
18. भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा के अन्तर्गत कोई पक्ष अपने साक्षी से प्रति-परीक्षण कर सकता है ?
    (A) धारा 122
    (B) धारा 133
    (C) धारा 141
    (D) धारा 154
19. भारत में कर्मचारियों के मँहगाई भत्ते के निर्धारण का आधार क्या है ?
    (A) राष्ट्रीय आय
    (B) उपभोक्ता मूल्य सूचकांक
    (C) जीवन-स्तर
    (D) प्रति व्यक्ति आय
20. निम्नलिखित में से किस फसल को हरित क्रांति का लाभ नहीं मिला ?
    (A) तिलहन
    (B) मक्का
    (C) बाजरा
    (D) गेहूँ
21. बहुलक तथा माध्यिका किस प्रकार के सांख्यिकी माध्य है ?
    (A) स्थिति सम्बन्धी माध्य
    (B) गणितीय माध्य
    (C) व्यापारिक माध्य
    (D) चल माध्य
22. विकुंचित माँग की धारणा को किसने विकसित किया था ?
    (A) चैम्बरलेन
    (B) पी. स्वीजी
    (C) सेम्युलसन
    (D) मार्शल
23. अल्पाधिकार बाजार में फर्मों की संख्या होती है–
    (A) बहुत अधिक
    (B) 20 से अधिक
    (C) 10 से कम
    (D) मात्र एक

24. "To believe in the heroic makes heroes".
उपर्युक्त कथन निम्न महापुरुष का है–
(A) फ्रांसिस बेकन (B) वाल्टेयर
(C) डिजरायली (D) प्लेटो

25. "जो राजनीतिज्ञ केवल अगले चुनाव के बारे में सोचता है और अगली पीढ़ी के बारे में नहीं सोचता है, वह चोर के समान है."
यह कथन निम्न युगपुरुष का है–
(A) विनोबा भावे
(B) वियोगी हरि
(C) अब्राहम लिंकन
(D) महात्मा गांधी

26. भारत में किस प्रकार के रासायनिक उर्वरकों की खपत सर्वाधिक है ?
(A) नाइट्रोजनी
(B) फॉस्फेटिक
(C) पोटैसिक
(D) तीनों की खपत लगभग बराबर है

27. 27. संलग्न चित्र को पहचानिए–
(A) अंजेला मार्केल
(B) एनी बीसेन्ट
(C) लिज ट्रस
(D) एलिजाबेथ टेलर

28. पार्श्व में दिया गया चित्र किनका है ?
(A) फिरोजशाह मेहता
(B) जुगल किशोर बिड़ला
(C) के. बी. हेडगेवार
(D) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

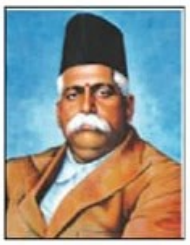

●●●

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के नियम

1. इसमें सभी विद्यार्थी अथवा किसी प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होने वाले प्रत्याशी भाग ले सकेंगे.
2. प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्याशियों को निर्धारित तिथि तक अपने उत्तर भेजना आवश्यक है. प्रविष्टियाँ सामान्य डाक से ही भेजी जाएं तथा लिफाफे पर बाईं ओर **'सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता'** अवश्य लिखें.
3. प्रतियोगिता के उत्तर पत्रिका में दिए गए प्रपत्र पर ही मान्य होंगे.
4. उत्तर-पत्र में प्रश्न के क्रमांक के आगे चार खाने बने हैं. प्रतियोगी जिस उत्तर को ठीक समझें उस कॉलम में केवल गुणा (×) का चिह्न लगाएं. एक प्रश्न का एक से अधिक उत्तर देने पर वह प्रश्न निरस्त कर दिया जाएगा.
5. प्रतियोगी जितने प्रश्न हल करें उनकी संख्या स्वयं अवश्य लिखें.
6. अशुद्ध उत्तर देने पर अंक काटे जाएंगे.
7. सर्वाधिक शुद्ध हल भेजने वाले प्रतियोगी को प्रथम पुरस्कारस्वरूप ₹ 900 दिए जाएंगे. उससे कम शुद्ध हल भेजने वाले प्रतियोगियों को क्रमशः द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिया जाएगा, जो क्रमशः ₹ 700 व ₹ 500 का होगा. यदि किसी पुरस्कार को प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों की संख्या एक से अधिक होगी, तो पुरस्कार राशि उनमें समान रूप से विभक्त कर दी जाएगी.
8. पुरस्कार के विषय में सम्पादक का निर्णय सर्वमान्य होगा. किसी भी दशा में वह न्यायालय का विषय नहीं होगा.

प्रतियोगिता प्रवेश प्रारूप

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक–212 का हल भेजने की अन्तिम तिथि 10 फरवरी, 2023

नाम श्री/कु./श्रीमती _____

पूरा पता _____

_____

_____

राज्य ..... **पिन कोड नं.** ☐☐☐☐☐☐

मो. नं. _____

आयु ..... **शैक्षणिक योग्यता** .....

प्रतियोगिता परीक्षा जिसकी तैयारी कर रहे/रही हैं _____

_____

मैंने प्रतियोगिता दर्पण द्वारा आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के नियमों का अध्ययन कर लिया है और मैं उनसे सहमत हूँ।

.....
(हस्ताक्षर)

परिणाम

कुल हल किए प्रश्नों की संख्या _____

शुद्ध हल प्रश्नों की संख्या _____

अशुद्ध हल प्रश्नों की संख्या _____

अर्जित अंक _____

उत्तर-पत्र

प्रश्न संख्या	A	B	C	D	प्रश्न संख्या	A	B	C	D
1.	☐	☐	☐	☐	15.	☐	☐	☐	☐
2.	☐	☐	☐	☐	16.	☐	☐	☐	☐
3.	☐	☐	☐	☐	17.	☐	☐	☐	☐
4.	☐	☐	☐	☐	18.	☐	☐	☐	☐
5.	☐	☐	☐	☐	19.	☐	☐	☐	☐
6.	☐	☐	☐	☐	20.	☐	☐	☐	☐
7.	☐	☐	☐	☐	21.	☐	☐	☐	☐
8.	☐	☐	☐	☐	22.	☐	☐	☐	☐
9.	☐	☐	☐	☐	23.	☐	☐	☐	☐
10.	☐	☐	☐	☐	24.	☐	☐	☐	☐
11.	☐	☐	☐	☐	25.	☐	☐	☐	☐
12.	☐	☐	☐	☐	26.	☐	☐	☐	☐
13.	☐	☐	☐	☐	27.	☐	☐	☐	☐
14.	☐	☐	☐	☐	28.	☐	☐	☐	☐

उपकार

भारतीय नौसेना

अग्निवीर

SSR

(मॉडल प्रश्न-पत्र हल सहित)

सीनियर सेकेण्डरी रिक्रूट

Code 2718
₹ 385.00

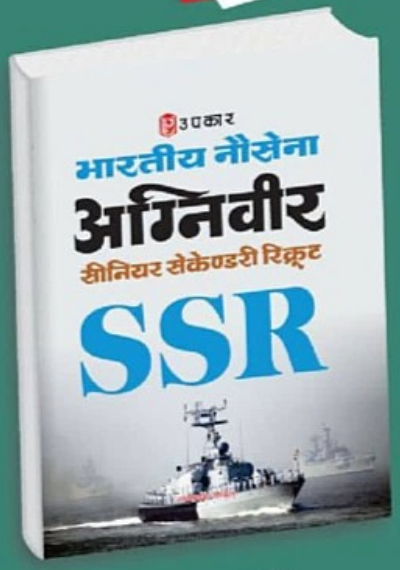

मैट्रिक रिक्रूट (MR) परीक्षा

Code 2723
₹ 270.00

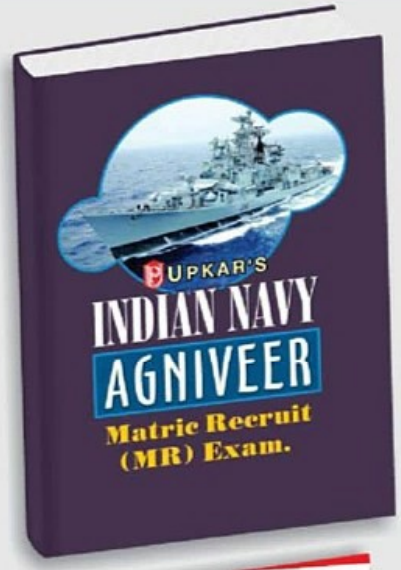

Code 3057
₹ 265.00

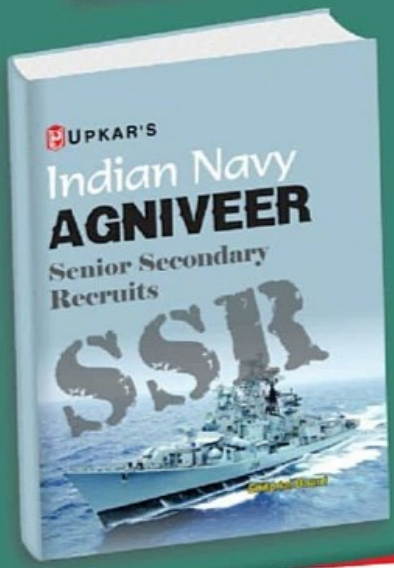

Code 3054
₹ 395.00

उपकार प्रकाशन | 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005
फोन : (0562) 2531101, 2530966 • E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in
• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • हल्द्वानी मो. 07060421008

National Defence Academy and Naval Academy Exam., 10-4-2022 Solved Paper

English

PART-A

Spotting Errors

Directions—(Q. 1–10) Each item in this section has a sentence with three parts labelled (A), (B) and (C). Read each sentence to determine whether there is any error in any part and indicate your response in the Answer Sheet against the corresponding letter, *i.e.*, (A) or (B) or (C). If you find no error, your response should be indicated as (D).

1. A company of five thousand (A)
soldiers / having marched tirelessly for over five days / have (B)
just moved into their cantonment. (C) No error (D)

2. Every person who believes in (A)
principles / must stand up to (B)
fight / for their convictions. (C) No error (D)

3. The Olympic Games reflects / (A)
the highest spirit of / human (B)
endeavour and achievement. (C) No error (D)

4. The principal of the school / (A)
stressed the need for discipline / (B)
amongst the students. No error (C) (D)

5. Failure is the stepping stone to (A)
success; / however, successive (B)
failures are not / successive stepping stones to success. (C) No error (D)

6. India's strengths are / its diver- (A)
sity of culture and / the spirit of (B)
tolerance in it's people. No error (C) (D)

7. Once considered ninth planet of (A)
the solar system / Pluto is today listed as the / largest dwarf (B)
planet of the solar system. (C) No error (D)

8. The greatest glory in life / is to (A)
be able to realize ones dreams (B)
and ambitions / without trampling on those of others. No error (C) (D)

9. To be able to manage one's / (A)
anger is a reflection of an indi- (B)
vidual's / psychological maturity. (C) No error (D)

10. A honest mistake / is no more (A) (B)
than that; / just an honest mistake. (C) No error (D)

Idioms and Phrases

Directions—(Q. 11–20) Given below are some idioms/phrases followed by four alternative meanings to each. Choose the most appropriate answer from among the options (A), (B), (C) and (D).

11. Counting your chickens
(A) confident of success
(B) greedily accumulating wealth
(C) being careful about spending money
(D) getting scared because of danger

12. The icing on the cake
(A) baked food that is delicate and delicious with a topping
(B) extra benefit over and above an already good deal
(C) getting what you asked for
(D) more than what is needed

13. A stitch in time
(A) tailoring one's efforts efficiently
(B) making an effort to succeed
(C) inability to take timely decision
(D) timely action that prevents a negative outcome

14. At sixes and sevens
(A) on top of the situation
(B) state of denial
(C) state of total confusion
(D) well-planned and prepared

15. Talking twenty to the dozen
(A) talking hurriedly and rapidly
(B) talking too much
(C) talking without making sense
(D) talking out of turn

16. Under the weather
(A) walking in the rain
(B) controlled by the elements
(C) browbeaten by the heat
(D) unwell

17. To sit on the fence
(A) to act promptly
(B) to be lazy
(C) to be undecided
(D) to sit without doing anything

18. Once in a blue moon
(A) romantic moment
(B) occasionally
(C) rarely
(D) often

19. Through thick and thin
(A) in genuine friendship
(B) through the best of everything
(C) among people both fat and slim
(D) through difficult times

20. Like chalk and cheese
(A) very different from each other
(B) without any blemish
(C) pure white in colour
(D) very like each other

Ordering of Words in a Sentence

Directions—(Q. 21–30) Each of the following items in this section consists of a sentence, the parts of which have been jumbled. These parts have been labelled P, Q, R and S. Given below each sentence are four sequences namely (A), (B), (C) and (D). You are required to rearrange the jumbled parts of the sentence and mark your response accordingly.

21. but perhaps the best way is to
P
agree / there are many ways
Q
of dealing / with them without excessive argumentation / with
R
intransigent customers.
S
The correct sequence should be—
(A) QPRS (B) QSPR
(C) PSQR (D) RSQP

22. in the years following / India
P
achieved remarkable economic
Q
development / liberalization in the year 1991 / the landmark
R
reforms inaugurated via.
S
The correct sequence should be—
(A) PQRS (B) PRSQ
(C) SPRQ (D) QPSR

23. was the victory secured by the
P
women's hockey team / in the arena of sport, perhaps / against
Q
Australia in the Tokyo Olympics /
R
the greatest moment in Indian Olympic history.
S
The correct sequence should be—
(A) SPQR (B) RPQS
(C) QSPR (D) QRPS

24. in terms of GDP and GNP / for
P
gauging the success of a nation /
Q
which are the two major determinants / economic progress is
R
determined.
S
The correct sequence should be—
(A) SQRP (B) RPQS
(C) SPRQ (D) QRPS

25. with the aplomb of a stage artis /
P
that they are not men of straw /
Q
They can twist and shake their
R
wobbly heads / mesmerizing the gullible into believing
S
The correct sequence should be—
(A) PRQS (B) RPSQ
(C) SPQR (D) QRPS

26. of its rain-soaked verdure / and
P
On the other there are / on the
Q
one hand there is the immense
R
beauty / the artifacts of its visible modernity.
S
The correct sequence should be—
(A) PRQS (B) QRSP
(C) SPQR (D) RPQS

27. are often rooted / the causes / of
P Q
extreme poverty / in the inequa-
R
lities of social systems.
S
The correct sequence should be—
(A) QRPS (B) QRSP
(C) SRQP (D) SRPQ

28. a person by the way / he behaves
P Q
and / you must judge not by the
R
way he looks.
S
The correct sequence should be—
(A) RPQS (B) QRSP
(C) RSQP (D) QPSR

29. to the greatest number of people /
P
that causes the least discomfort /
Q
whenever in doubt / always opt
R
for the option.
S
The correct sequence should be—
(A) RQPS (B) QRSP
(C) RSQP (D) QPSR

30. brought by bad times / against
P
the despondency / our greatest
Q R
defence / faith and belief are.
S
The correct sequence should be—
(A) RQPS (B) SRQP
(C) RSQP (D) QPRS

Antonyms

Directions—(Q. 31–40) Each item in this section consists of a sentence with an **bold** word followed by four words (A), (B), (C) and (D). Select the option that is opposite in meaning to the **bold** word and mark your response in your Answer Sheet accordingly.

31. He is essentially a **crude** person.
(A) coarse (B) refined
(C) eager (D) balanced

32. His **confidence** is high.
(A) diffidence
(B) eagerness
(C) steadfastness
(D) endurance

33. His **integrity** is noticed.
(A) skilfulness
(B) ability
(C) dependability
(D) dishonesty

34. She is a **benevolent** individual.
(A) clever (B) muddled
(C) malevolent (D) ambivalent

35. His **sartorial** manner is judged.
(A) unstylish
(B) uncompromising
(C) common
(D) crude

36. This piece of art is **authentic**.
(A) genuine (B) expensive
(C) rare (D) fake

37. The **deluge** affected the population.
(A) cloudburst
(B) drought

(C) deforestation
(D) drizzle

38. His **dedication** is known to all.
(A) clarity (B) hostility
(C) apathy (D) anger

39. His **perspicacity** was remarkable.
(A) smartness
(B) dullness
(C) dedication
(D) deviousness

40. He has a **penchant** for spicy food.
(A) tendency (B) affinity
(C) fear (D) dislike

Synonyms

Directions—(Q. 41–50) Each item in this section consists of a sentence with an **bold** word followed by four words (A), (B), (C) and (D). Select the option that is nearest in meaning to the **bold** word and mark your response in your Answer Sheet accordingly.

41. After a good meal, it is important to pay a **compliment** to the chef.
(A) tip (B) praise
(C) admonish (D) revile

42. His work is **laudable**.
(A) praiseworthy
(B) laughable
(C) bold
(D) loud

43. Raj is a **competent** carpenter.
(A) capable (B) exceptional
(C) inadept (D) clumsy

44. He is **diligent** in submitting assignments.
(A) dilly-dallying
(B) procrastinating
(C) intelligent
(D) conscientious

45. He appears to be **reticent**.
(A) expansive (B) jolly
(C) silent (D) withdrawn

46. He is always **jovial**.
(A) cheerful (B) callous
(C) garrulous (D) credulous

47. Mohan remains **morose** these days.
(A) introspective
(B) generous
(C) chirpy
(D) sullen

48. He was a **reluctant** learner.
(A) enthusiastic
(B) eager
(C) unwilling
(D) fearful

49. Amit is **optimistic** about the prospects of his investments.
(A) pessimistic (B) uncaring
(C) carefree (D) sanguine

50. Sachin is very **cooperative** by nature.
(A) complaisant
(B) covert
(C) complacent
(D) conniving

Answers with Hints

1. (C) **has** just moved into their cantonment. Subject of the given sentence is 'A company' since it is singular, it will take singular verb.
2. (C) for **his** convictions. For 'Every person' a singular pronoun must be used.
3. (A) The Olympic Games **reflect**. 'games' is plural here, so it will be followed by plural verb.
4. (C) **in** the school students.
5. (D)
6. (C) The spirit of tolerance **its** people.
7. (A) Once considered **the ninth** planet of the Solar system.
8. (D)
9. (A) To be able to manage **ones**.
10. (A) **An** honest mistake.
11. (A) 12. (B) 13. (D) 14. (C) 15. (A)
16. (D) 17. (C) 18. (C) 19. (D) 20. (A)
21. (B) There are many ways of dealing with intransigent customers but perhaps the best way is to agree with them without excessive argumentation.
22. (D) India achieved remarkable economic development in the years following the landmark reforms inaugurated via liberalization in the year 1991.
23. (C) In the arena of sport, perhaps the greatest moment in Indian Olympic history was the victory secured by the women's hockey team against Australia in Tokyo Olympics.
24. (C) Economic progress is determined in terms of GDP and GNP, which are the two major determinants for gauging the success of a nation.
25. (B) They can twist and shake their wobbly heads with the aplomb of a stage artist, mesmerizing the gullible into believing that they are men.
26. (D) On the one hand there is the immense beauty of its rain soaked verdure and on other there are the artifacts of its visible modernity.
27. (A) The causes of extreme poverty are often rooted in the inequalities of social system.
28. (A) You must judge a person by the way he behaves and not by the way he looks.
29. (C) Whenever in doubt always opt for the option that causes the least discomfort to the greatest number of people.
30. (B) Faith and belief are our greatest defence against the despondency brought by bad times.
31. (B) Crude–unrefined, so 'refind' is an appropriate antonym.
32. (A) diffidence–lack of self-confidence.
33. (D) Integrity–honesty, so 'dishonesty' is an appropriate antonym.
34. (C) benevolent–kind hearted.
malevolent–unkind/unfriendly
35. (A) 36. (D)
37. (A) deluge–a severe flood, drought-dry spell.
38. (C) apathy–lack of interest or concern.
39. (B) perspicacity–sharpness.
40. (D) Penchant–a strong liking for something.
41. (B) 42. (A) 43. (A)
44. (D) diligent & conscientious–to do one's work or duty well.
45. (C) Reticent & Silent–not revealing one's thought.
46. (A)
47. (D) Morose & Sullen–ill-tempered.
48. (C)
49. (D) Optimistic & Sanguine means–being positive in difficult situation.
50. (A) Cooperative & Complaisant–agreeable.

●●●

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक राहुल जैन द्वारा मैसर्स प्रतियोगिता दर्पण के लिए उन्हीं के द्वारा प्रतियोगिता दर्पण (प्रिंटिंग यूनिट) 5 एवं 6 बाई पास रोड, आगरा से मुद्रित एवं 2/11A, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2 से प्रकाशित

राजस्थान परीक्षोपयोगी सीरीज़-4 **अतिरिक्तांक**

प्रतियोगिता दर्पण

सामान्य अध्ययन

राजपूताना

प्रश्न बैंक

- राजपूताना वस्तुनिष्ठ सामान्य अध्ययन
- राजस्थान टॉपिक वाइज वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर खजाना
- राजस्थान टॉपिक वाइज महत्वपूर्ण बिन्दु
- राजस्थान विशेष स्मरणीय तथ्यों का संकलन
- सभी बिन्दुओं पर विशेष मॉडल टेस्ट पेपर सहित

Code 841 ₹ 225.00

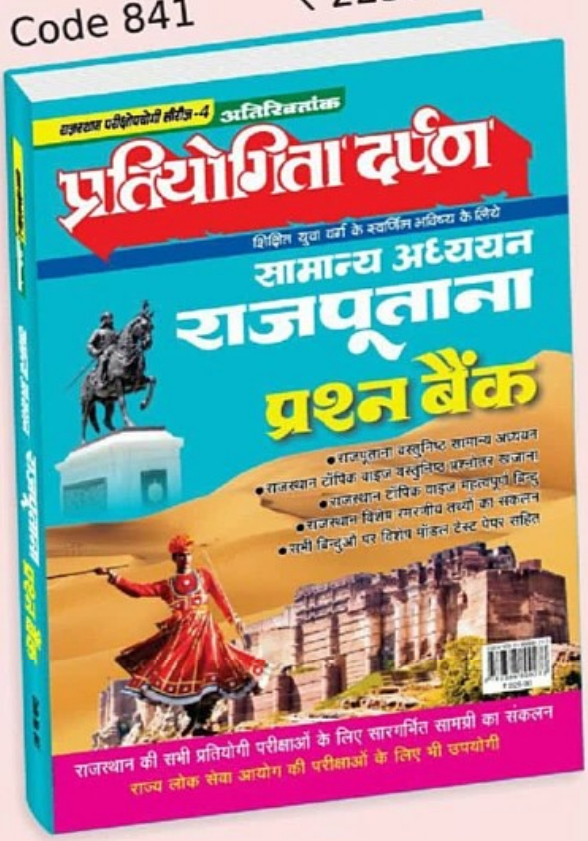

राजस्थान की प्रतियोगिता परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का समावेश

अन्य उपयोगी अतिरिक्तांक

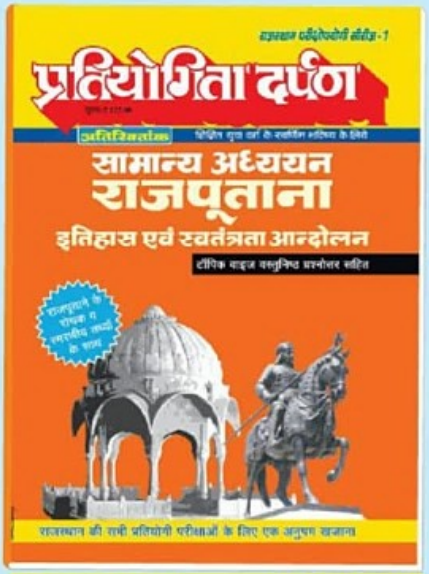

Code 831 ₹ 125.00

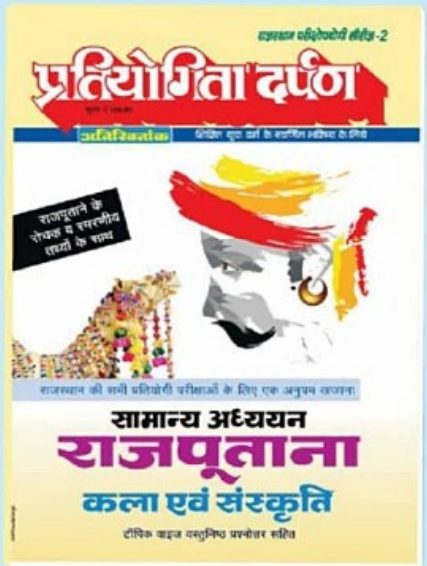

Code 832 ₹ 160.00

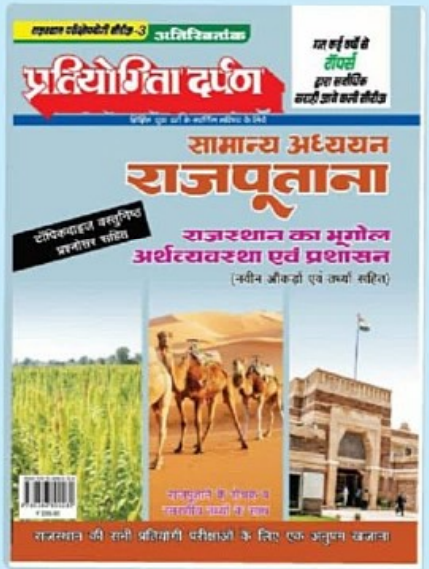

Code 833 ₹ 220.00

प्रतियोगिता दर्पण | 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005
फोन : (0562) 2530966, 2531101 • E-mail : care@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in
• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • हल्द्वानी मो. 07060421008

एक सम्पूर्ण वार्षिक संदर्भ ग्रंथ के साथ

Just Released

सफलता

प्रतियोगिता परीक्षाओं में

Vol. 2

Code No. 862
₹ 325/-

राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय, आर्थिक, राजनीतिक, सैन्य, पर्यावरण व जैव-विविधता, एवं खेल सम्बन्धी महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाओं तथा प्रमुख नवीनतम योजनाओं व कार्यक्रमों का विवेचन

ताजा महत्वपूर्ण घटनाओं का विवेचन

नवीनतम आँकड़ों एवं तथ्यों सहित

Code No. 800
₹ 285/-

संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के साथ-साथ
अन्य सभी प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए विशेष उपयोगी

अपनी प्रति के लिए अपने निकटतम पुस्तक विक्रेता से सम्पर्क करें।

Scan the QR Code with your mobile and open the link to see the range of extra issues.

QRPD002S

Download FREE QR Scanner app from the app store

प्रतियोगिता दर्पण | 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005
फोन : (0562) 2530966, 2531101 • E-mail : care@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in
• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • हल्द्वानी मो. 07060421008

Posting Date : 9, 10 & 11 Jan., 2023 (Agra-2)
Publishing Date : 9 Jan., 2023 Postal Regd. No. AGRA-47/2021-23
RNI No. 38696/79

फुल टाइम. पार्ट टाइम. एनी टाइम !

कमाइए, सीखिए और प्रगति कीजिए
भारत की विशालतम जीवन बीमा कंपनी के साथ.

- अपने समय के अनुसार काम कीजिए
- पुरस्कार और सम्मान
- विस्तृत बेनिफिट पैकेज
- फुल टाइम या पार्ट टाइम करियर... आप तय कीजिए

एजेंट के रूप में एलआईसी के साथ जुड़ने के लिए SMS करें 'Agent City-Name'
(Agent space City-Name) जैसे कि 'Agent Mumbai' और भेज दें 56767474 पर या
हमारी वेबसाइट www.licindia.in के माध्यम से रजिस्टर करें
या नज़दीकी एलआईसी शाखा से संपर्क कीजिए.

Follow us : YouTube LIC India Forever

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

LIC/02/16-17/12/HIN

IRDAI Regn No.: 512

ज़िन्दगी के साथ भी, ज़िन्दगी के बाद भी.